



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

साप्ताहिक/WEEKLY

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 16] नई दिल्ली, शनिवार, अप्रैल 20—अप्रैल 26, 2019 (चैत्र 30, 1941)
 No. 16] NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 20—APRIL 26, 2019 (CHAITRA 30, 1941)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
 (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय-सूची

पृष्ठ सं.	विषय-सूची	पृष्ठ सं.
भाग I—खण्ड-1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं.....	169	छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं..... *
भाग I—खण्ड-2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं.....	471	भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिसमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के हिन्दी प्राधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं)..... *
भाग I—खण्ड-3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांविधिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं.....	1	भाग II—खण्ड-4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश..... *
भाग I—खण्ड-4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं.....	1013	भाग III—खण्ड-1—उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार से सम्बद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं..... 907
भाग II—खण्ड-1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम.....	*	भाग III—खण्ड-2—पेटेंट कार्यालय द्वारा जारी की गई पेटेंटों और डिजाइनों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं और नोटिस..... *
भाग II—खण्ड-1क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ.....	*	भाग III—खण्ड-3—मुख्य आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन अथवा द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं..... *
भाग II—खण्ड-2—विधेयक तथा विधेयकों पर प्रवर समितियों के बिल तथा रिपोर्ट.....	*	भाग III—खण्ड-4—विविध अधिसूचनाएं जिनमें सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं..... 17
भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियां आदि भी शामिल हैं).....	*	भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी निकायों द्वारा जारी किए गए विज्ञापन और नोटिस..... 655
भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को		भाग V—अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के आंकड़ों को दर्शाने वाला सम्पूर्ण..... *

*आंकड़े प्राप्त नहीं हुए।

CONTENTS

	Page No.		Page No.
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	169	by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	471	PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts, published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including Bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than Administration of Union Territories)	*
PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence.....	1	PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence	*
PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence	1013	PART III—SECTION 1—Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India	907
PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations	*	PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs	*
PART II—SECTION 1A—Authoritative texts in Hindi language, of Acts, Ordinances and Regulations	*	PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	*
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills	*	PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	17
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (i)—General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws, etc. of general character) issued by the Ministry of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*	PART IV—Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private Bodies	655
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and		PART V—Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi	*

*Folios not received.

भाग I—खण्ड 1**[PART I—SECTION 1]**

[(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं]

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 26 जनवरी 2019

सं. 42-प्रेस/19—राष्ट्रपति, गणतंत्र दिवस, 2019 के अवसर पर निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

1. श्री एड्डाला वैकट रत्नाम, पुलिस अधीक्षक, विशेष आसूचना शाखा, पोरंकी, आंध्र प्रदेश, 521137
2. श्री किंजारापु वैकट रामाकृष्ण प्रसाद, उप पुलिस अधीक्षक, विशाखापतनम पुलिस, आंध्र प्रदेश, 531001
3. श्री देबोराज उपाध्याय, उप आरक्षी महानिरीक्षक, सिलचर असम, असम, 780001
4. श्री जितेन्द्र सिंह गंगवार, अपर पुलिस महानिदेशक, विशेष शाखा, बिहार, पटना, बिहार, 800015
5. श्री राकेश कुमार ब्रह्मचारी, उप पुलिस अधीक्षक, सीआईडी, बिहार, पटना, बिहार, 800015
6. श्री सोमेश्वर सिंह सोरी, उप पुलिस महानिरीक्षक, विशेष शाखा, पुलिस मुख्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ़, 492001
7. श्रीमती नुजहत हसन, विशेष पुलिस आयुक्त/महिला सुरक्षा, दिल्ली पुलिस मुख्यालय, नई दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली 110002
8. श्री आर ए संजीव, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त/सामान्य प्रशासन, रूम नं. 207, पुलिस मुख्यालय, नई दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली 110002
9. श्री गुलाबभाई छनाभाई पटेल, सशस्त्र सहायक उप निरीक्षक, एस.सी.एस.टी. सेल सूरत, ग्रामीण पुलिस, गुजरात, 394101
10. श्री दशरथसिंह छगनसिंह बारीआ, आसूचना अधिकारी, डीजीपी कार्यालय, सीआईडी आईबी जी.एस. कार्यालय गांधीनगर, गुजरात, 382007
11. श्री गुरमीत सिंह, निरीक्षक, करनाल, हरियाणा 132001
12. श्री अशोक तिवारी, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, सीआईडी, शिमला, हिमाचल प्रदेश 171009
13. श्री शाम लाल ठाकुर, पुलिस अधीक्षक, पुलिस मुख्यालय जम्मू एवं कश्मीर, जम्मू एवं कश्मीर, 180012
14. श्री के जी साइमन, कमांडेंट, केएपी 3 बटालियन, केरल, 691554
15. श्री सैयद मोहम्मद अफजल, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, भोपाल, मध्य प्रदेश, 462008
16. श्री राजेन्द्र सिंह भदौरिया, सहायक कमांडेंट, इंदौर, मध्य प्रदेश, 470004
17. श्री विवेक परंजपे, कार्यालय अधीक्षक, भोपाल, मध्य प्रदेश, 462008
18. श्री बिपिन कुमार सिंह, अपर पुलिस महासंचालक, भ्रष्टाचार-रोधी ब्यूरो, एम.एस. वर्ली, मुम्बई, महाराष्ट्र, 400030
19. श्री भास्कर एस महाडीक, सहायक समादेशक, एस.आर.पी.एफ.जीआर.XI, नवी मुम्बई, महाराष्ट्र, 400712
20. श्री दिनेश भालचंद्र जोशी, पुलिस के सहायक आयुक्त, खेरवाड़ी डिविजन, मुम्बई, महाराष्ट्र, 400051

21. श्री विष्णु जी नागले, सहायक उप-निरीक्षक, स्थानीय क्राईम ब्रांच रतनागिरी, महाराष्ट्र, 415612
22. श्री मोहम्मद ग्यासुद्दीन, जमादार, 7वीं आईआरबी, इम्फाल, मणिपुर, 795001
23. श्री लालमुआनुर्झिया, कमांडेंट, 2 बटालियन मैप लंगली, मिजोरम, 796701
24. श्री जानरंजन महापात्र, उप पुलिस अधीक्षक, विशेष आसूचना विंग, ओडिशा, भुवनेश्वर, ओडिशा, 751001
25. श्री असीम कुमार पंडा, सहायक पुलिस आयुक्त, जोन-I, भुवनेश्वर, यूपीडी, ओडिशा, 751009
26. श्री संजीव कालरा, अपर पुलिस महानिदेशक, कल्याण, चंडीगढ़, पंजाब, 160009
27. श्री संदीप सूद, निरीक्षक, सुरक्षा विंग, चंडीगढ़, पंजाब 160009
28. श्री हिन्दू सिंह, एसआई, जोधपुर ट्रैफिक आयुक्तालय, राजस्थान, 342001
29. श्री मुकुट बिहारी, हेड कांस्टेबल, चौथी आरएसी बटालियन, जयपुर, राजस्थान, 302027
30. श्री बी गोविंदसामी, उप पुलिस अधीक्षक, विशेष आसूचना शाखा, त्रिचिरापल्ली, तमिलनाडु, 620021
31. श्री ई सोरीमुत्तू, पुलिस निरीक्षक, स्पेशल टास्क फोर्स, एरोड, तमिलनाडु, 638011
32. श्री एम मधुसूदन रेड्डी, उप-निदेशक, हैदराबाद, तेलंगाना, 500035
33. श्री जय प्रकाश यादव, सूबेदार (जीडी) धालाई, त्रिपुरा, 799288
34. श्री ओंकार सिंह, पुलिस उप महानिरीक्षक रेंज, फैजाबाद, उत्तर प्रदेश, 224001
35. श्री सुंदर लाल, उप-निरीक्षक, अमरोहा, उत्तर प्रदेश, 244241
36. श्री चंद्र शेखर कौशिक, उप-निरीक्षक, विशेष अनुसंधान शाखा सहकारिता, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, 226007
37. श्री मुसरफ अली खां, निरीक्षक, आईएनटी मुख्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, 226001
38. श्री फुल सिंह, उप-निरीक्षक, कानपुर देहात, उत्तर प्रदेश 209101
39. श्री महेंद्र सिंह, उप-निरीक्षक/अध्यापक, 12वीं बटालियन पीएसी फतेहपुर, उत्तर प्रदेश, 212601
40. श्री पुष्पक ज्योति, पुलिस उप महानिरीक्षक, सीआईडी उत्तराखंड, उत्तराखंड, 248001
41. श्री आलोक कुमार सान्याल, सहायक पुलिस आयुक्त, ट्रैफिक विभाग, लालबाजार, कोलकाता, पश्चिम बंगाल, 700001
42. श्री शम्भू नाथ झा, उप-निरीक्षक, बिधाननगर पुलिस आयुक्तालय, स्टेडियम गेट नं.-03, सेक्टर-III, साल्ट लेक, पश्चिम बंगाल, 700106
43. श्री ब्रजेश कुमार सिंह, उप पुलिस महानिरीक्षक, दमन दीव और दादरा नगर हवेली, दमन और दीव, 396210
44. श्री राजेश निर्वाण, महानिरीक्षक (रसद), बीएसएफ सैन्य मुख्यालय, नई दिल्ली, बीएसएफ, 110003
45. श्री सुनील कुमार त्यागी, उप महानिरीक्षक (प्रधान स्टाफ अधिकारी), एफटीआर (विशेष अभियान) बीएसएफ, बीएसएफ, 490006
46. श्री जितेन्द्र कुमार सिंह, उप महानिरीक्षक (जी), कमांड मुख्यालय (विशेष अभियान) नई दिल्ली, बीएसएफ, 110003
47. श्री सुरज पाल सिंह, उप-कमांडेंट, एफटीआर मुख्यालय बीएसएफ, नई दिल्ली, बीएसएफ, 110066
48. श्री सुगन लाल चौहान, उप-निरीक्षक, एसटीसी बीएसएफ, जोधपुर, बीएसएफ, 342026
49. श्री सुधीर कुमार, महानिरीक्षक, सीआईएसएफ एनसीआर सेक्टर मुख्यालय, 5वीं मंजिल, ब्लॉक नं. 11, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली, सीआईएसएफ, 110003
50. श्री रमेश चंद्र चौधरी, कमांडेंट, सीआईएसएफ यूनिट 8वीं आरईएस. बटालियन, जयपुर, राजस्थान, सीआईएसएफ, 302002
51. श्री जी एच पी राजू, महानिरीक्षक, दक्षिणी क्षेत्र, सीआरपीएफ, हैदराबाद (तेलंगाना), सीआरपीएफ, 500033

52. श्री राज नविंदर सिंह बहाद, महानिरीक्षक, त्रिपुरा सेक्टर, सीआरपीएफ, पीओ- उषा बाजार, एयरपोर्ट रोड, अगरतला, त्रिपुरा, सीआरपीएफ, 799009
53. श्री एम एस शेखावत, उप महानिरीक्षक, जीसी, सीआरपीएफ, इलाहाबाद, सीआरपीएफ, 211013
54. श्री गिरीश कुमार, उप महानिरीक्षक, आरटीसी, सीआरपीएफ, जोधपुर (राजस्थान), सीआरपीएफ, 335804
55. श्री बलविंदर सिंह गुजराल, उप महानिरीक्षक, जीसी, सीआरपीएफ, सिलीगुड़ी, सीआरपीएफ, 734012
56. श्री मनोज कुमार सिंह, उप महानिरीक्षक, एसएचक्यू (एसएनआर), आईटीबीपी, पंथाचौक जीवन कैंप, श्रीनगर (जम्मू एवं कश्मीर), आईटीबीपी, 786153
57. श्री बृज मोहन सिंह, द्वितीय कमान, 36वीं बटालियन आईटीबीबी लौहाघाट (उत्तराखंड), आईटीबीपी, 262524
58. श्री संजीव शर्मा, उप महानिरीक्षक (सामान्य), डीजी ऑफिस, सैन्य मुख्यालय, एसएसबी, पूर्वी क्षेत्र-V, आर.के. पुरम, नई दिल्ली, एसएसबी, 110066
59. श्री जय नारायण राणा, पुलिस अधीक्षक, सीबीआई ईओ-VII भुवनेश्वर, सीबीआई, 751012
60. श्री बृज मोहन पंडित, अपर पुलिस अधीक्षक, सीबीआई ईओ-I, नई दिल्ली, सीबीआई, 110003
61. श्री महेश कुमार पुरी, अपर पुलिस अधीक्षक, सीबीआई एससीबी, चंडीगढ़, सीबीआई, 160030
62. श्री महेश कुमार, उप पुलिस अधीक्षक, सीबीआई हेड ऑफिस, नई दिल्ली, सीबीआई, 110003
63. श्री चंद्रकांत विठ्ठल पुजारी, पुलिस निरीक्षक, सीबीआई बीएसएंडएफसी, मुम्बई, सीबीआई, 400098
64. श्री पान सिंह बिष्ट, मुख्य आरक्षी, सीबीआई एसी-II, नई दिल्ली, सीबीआई, 110003
65. श्री अजय कुमार मित्तल, सहायक निदेशक/कार्यकारी, आईबी मुख्यालय, नई दिल्ली, गृह मंत्रालय, 110021
66. श्री जीवन रमाकांत कुलकर्णी, सहायक निदेशक/कार्यकारी, एसआईबी, मुम्बई, गृह मंत्रालय, 400051
67. श्री प्रकाश राव नेदनूरकर, सहायक निदेशक/कार्यकारी, एसआईबी विजयवाड़ा, गृह मंत्रालय, 520007
68. श्री बिमल कुमार, सहायक निदेशक/कार्यकारी, बीओआई हैदराबाद, गृह मंत्रालय
69. श्री राजेन्द्र दास, सहायक निदेशक/कार्यकारी, एसआईबी गुवाहाटी, गृह मंत्रालय 781036
70. श्री नंदकुमार अच्युतन, उप केंद्रीय आसूचना अधिकारी, सीआईबी चेन्नई, गृह मंत्रालय, 600004
71. श्री दलबीर सिंह, सहायक केंद्रीय आसूचना अधिकारी-I/कार्यकारी, एसआईबी अमृतसर, गृह मंत्रालय, 143001
72. श्री प्रकाश चंद कौंडिन्या, सहायक केंद्रीय आसूचना अधिकारी-II/कार्यकारी, एसआईबी शिमला, गृह मंत्रालय, 171001
73. श्री पवन कुमार श्रीवास्तव, निदेशक, भोपाल, बीपीआरएंडडी, 462021
74. श्री पोन्नराज परूमाल, सुरक्षा आयुक्त, चेन्नई, रेल मंत्रालय, 600003

2. ये पुरस्कार, विशिष्ट सेवा के लिए पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाले नियमों के नियम 4(ii) के तहत प्रदान किए जाते हैं।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 43-प्रेस/19—राष्ट्रपति, गणतंत्र दिवस, 2019 के अवसर पर निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी सराहनीय सेवा के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

1. श्री एस. हरि कृष्ण, पुलिस अधीक्षक, आसूचना, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश, 520001
2. श्री वरपुला सत्ति राजू, उप पुलिस अधीक्षक (एआर), राजमेन्द्रवरम, आंध्र प्रदेश, 533101

3. श्री कोठापल्ली सैम विनोद कुमार, उप पुलिस अधीक्षक, एससी एसटी सेल, कुरनूल, आंध्र प्रदेश, 518001
4. श्री कल्ला जनार्दन नायडू, उप पुलिस अधीक्षक, आसूचना, तिरुपति, आंध्र प्रदेश, 517501
5. श्री पलेथी मोहन प्रसाद, अपर कमांडेंट एपीएसपी, विशाखापटनम, आंध्र प्रदेश, 530048
6. श्री पनुमुदी किरण कुमार, असॉल्ट कमांडर, ग्रे हाउंड्स, हैदराबाद, आंध्र प्रदेश, 500089
7. श्री वेन्नापुसा वेणुगोपाल रेड्डी, पुलिस निरीक्षक, सीआई सेल, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश, 520001
8. श्री बंडारू राजा शेखर, पुलिस निरीक्षक, पुलिस ट्रेनिंग कॉलेज, ओंगोले, आंध्र प्रदेश, 523001
9. श्री मंत्रीप्रगदा वेंकट गणेश, पुलिस निरीक्षक, एसीबी, विशाखापटनम, आंध्र प्रदेश, 531001
10. श्री नटेश गुणशेखर, उप निरीक्षक, रोड सेफ्टी पैट्रोलिंग, बंगारुपलयम, आंध्र प्रदेश, 517416
11. श्री शेक मस्तक अहमद बाशा, एआरएसआई, एसएआर सीपीएल, हैदराबाद, आंध्र प्रदेश, 500013
12. श्री गंडावारपू वेंकट रामा राव, मुख्य आरक्षी, विशाखापटनम, आंध्र प्रदेश, 530002
13. श्री गोपीशेट्टी सुब्बा राव, मुख्य आरक्षी आर्म्ड रिजर्व, विजयवाड़ा सिटी, आंध्र प्रदेश, 520001
14. श्री चिंजारपु वेरा वेंकट सती साई प्रकाश, मुख्य आरक्षी एसआईबी, पोरांकी, आंध्र प्रदेश, 521137
15. श्री भोग्डी वेंकटेश्वर राव, रेलवे पुलिस कांस्टेबल, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश, 520001
16. श्री किमे कामिंग, उप पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस मुख्यालय ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश, 791113
17. श्री प्रेम नोर्बु खिर्मेय, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, दिल्ली सशस्त्र पुलिस, नई दिल्ली
18. श्री इमदादुल हुसैन बोरा, आरक्षी अधीक्षक, विशेष शाखा (स्थापना), असम, काहिलीपाड़ा, असम, 781019
19. श्री महेश चान्द शर्मा, सहायक आरक्षी महानिरीक्षक, डब्लूएस, असम, उलुबाड़ी, गुवाहाटी, असम, 781007
20. श्री कुमार संजित कृष्ण, अधिनायक, 12वीं असम पुलिस बटालियन, जमुगुरीहाट, सोनितपुर, असम, असम, 784189
21. श्री प्रशांत सईकीया, आरक्षी अधीक्षक, दीमा हसाव, असम, असम, 788819
22. श्री सुरेश शर्मा, सहायक उप पुलिस निरीक्षक, यू बी, नलबाड़ी डी.ई.एफ., असम, 781337
23. श्री भबेश नाथ, सहायक उप पुलिस निरीक्षक, यू बी, एडीजीपी (बॉर्डर) का कार्यालय, असम, श्रीमंतपुर, गुवाहाटी, असम, 781032
24. श्री पद्मधर दास, हवलदार, प्रथम असम पुलिस बटालियन, लिगरीपुखुरी, नजीरा, असम, 785685
25. श्री नितीश रंजन नाथ, हवलदार, हैलाकांडी डीईएफ, असम, 788151
26. श्री हेमंत चंद्र राय, हवलदार (क्लर्क), चौथी असम पुलिस बटालियन, काहिलिपाड़ा, गुवाहाटी, असम, 781019
27. श्री फणीधर मोहन, लांस नायक (एबी)179, डिब्रूगढ़ डीईएफ, असम, 786001
28. श्रीमती सखीना गोगोई, महिला पुलिस कांस्टेबल, (यूबी)-343, तिनसुकिया डी.ई.एफ., असम, 786125
29. श्री लोहित चंद्र राय, कांस्टेबल (यूबी), बोंगाईगांव डीईएफ, असम, 783380
30. श्रीमती कौशल्या दोल्यगफू, महिला पुलिस कांस्टेबल एबी 81, तिनसुकिया डीईएफ, असम, 786125
31. श्रीमती ईरामणि बरूआ, महिला पुलिस कांस्टेबल (एबी) 228, तिनसुकिया डीईएफ, असम, 786125
32. श्री शंकर झा, उप महानिरीक्षक, निगरानी अन्वेषण ब्यूरो, पटना, बिहार, 800001
33. श्रीमती बीना कुमारी, अपर पुलिस अधीक्षक, निगरानी अन्वेषण ब्यूरो, पटना, बिहार, 800001
34. श्री अर्जुन लाल, निरीक्षक, एसटीएफ पटना, बिहार, 800001

35. श्री उमेश लाल रजक, निरीक्षक, विशेष निगरानी इकाई, पटना, बिहार, 800001
36. श्री रणधीर कुमार सिंह, सहायक अवर निरीक्षक, गोपालगंज, बिहार, 841428
37. श्री संजय कुमार, सहायक अवर निरीक्षक, आईजी (ऑपरेशन) का कार्यालय, पटना, बिहार, 800015
38. श्री चंद्र प्रकाश तिवारी, सहायक अवर निरीक्षक, पुलिस महानिदेशक का कार्यालय पटना, बिहार, 800015
39. श्री मोहम्मद रमजान आलम, सहायक अवर निरीक्षक, एसटीएफ बिहार, पटना, बिहार, 800001
40. श्री श्रीनारायण सिंह, सहायक अवर निरीक्षक, पुलिस मुख्यालय बिहार, पटना, बिहार, 800015
41. श्री प्रीतम सिंह, हवलदार, बीएमपी 05 पटना, बिहार, 800014
42. श्री गौतम कुमार, हवलदार, विशेष निगरानी इकाई, बिहार, 800001
43. श्री दिलीप कुमार सिंह, सिपाही, पुलिस मुख्यालय पटना, बिहार, 800015
44. श्री मनीष कुमार गुप्ता, सिपाही, पुलिस महानिदेशक का कार्यालय, पटना, बिहार, 800015
45. श्री नंद किशोर सिंह, सिपाही, विशेष निगरानी इकाई, पटना, बिहार, 800001
46. श्री चंद्र प्रकाश सिंह, सिपाही, एसटीएफ पटना, बिहार, 800001
47. श्रीमती मिलना कुर्रे, पुलिस अधीक्षक (रेल), रायपुर, छत्तीसगढ़, 492009
48. श्री मनोज कुमार खिलारी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, रायपुर, छत्तीसगढ़, 492001
49. श्री नजमुस साकिब, उप पुलिस अधीक्षक, विशेष शाखा, पुलिस मुख्यालय रायपुर, छत्तीसगढ़, 492001
50. श्री मोहन सिंह, कंपनी कमांडर, सीटीजेडब्ल्यू कॉलेज कांकेर, रायपुर, छत्तीसगढ़, 494334
51. श्री इस्तेफन कुजूर, प्लाटून कमांडर, 15वीं बटालियन सीएफ बीजापुर, छत्तीसगढ़, 494444
52. श्री बलराम बघेल, सहायक उप निरीक्षक, पुलिस स्टेशन बेद्रे बीजापुर, छत्तीसगढ़, 494444
53. श्री ओंकार दास साहू, सहायक प्लाटून कमांडर, 7वीं बटालियन सीएफ भिलाई, छत्तीसगढ़, 490022
54. श्री ताज खान, मुख्य आरक्षी, पुलिस स्टेशन बकरकट्टा राजनंदगांव, छत्तीसगढ़, 491441
55. श्रीमती जुलेखा बेगम, मुख्य आरक्षी, विशेष शाखा रायपुर, छत्तीसगढ़, 492006
56. श्री संजय सिंह बघेल, मुख्य आरक्षी, विशेष सतर्कता शाखा राजनंदगांव, छत्तीसगढ़, 491441
57. डॉ. अजित कुमार सिंगला, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त/अपराध(स्वापक), अपराध शाखा दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली 110002
58. श्री राज कुमार सिंह, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त/भ्रष्टाचार निरोधक शाखा, दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली 110054
59. श्रीमती गीता रानी वर्मा, पुलिस उपायुक्त, एसपीयूडब्ल्यू एसी, बैरक सं.1 मालवीय नगर पुलिस कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली 110017
60. श्री जॉय नैथनियल टिकी, पुलिस उपायुक्त, अपराध शाखा पुलिस स्टेशन कमला मार्केट दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली 110007
61. श्री मोहम्मद इकबाल, सहायक पुलिस आयुक्त, सब डिवीजन विवेक विहार, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, 110095
62. श्री अतुल कुमार वर्मा, निरीक्षक (कार्यकारी), दक्षिणी जिला, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, 110016
63. श्री रविन्द्र कुमार त्यागी, उप निरीक्षक, विशेष सेल, नई दिल्ली रेंज, लोधी कॉलोनी, दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली 110003

64. श्रीमती जय श्री गोसाई, उप निरीक्षक (कार्यकारी), सीपीसीआर, पीसीआर, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली 110009
65. श्रीमती कौशल कुमारी, सहायक उप निरीक्षक (कार्यकारी), एलए, विनय मार्ग, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली 110021
66. श्री महेश सिंह, सहायक उप निरीक्षक (एम.), पुलिस नियंत्रण कक्ष, दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, 110009
67. श्री सतेंद्र सिंह, मुख्य आरक्षी/कार्यकारी, स्पेशल सेल, लोधी कालोनी, दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, 110003
68. श्री राजबीर सिंह, मुख्य आरक्षी/कार्यकारी, ट्रेनिंग शाखा पुलिस मुख्यालय राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, 110002
69. श्री विरेंद्र सिंह, मुख्य आरक्षी/कार्यकारी, इंटर स्टेट सेल अपराध शाखा, चाणक्यपुरी नई दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली 110021
70. श्री प्रेम चंद, मुख्य आरक्षी/ कार्यकारी, पर्सनल सेक्शन विशेष पुलिस आयुक्त प्रशासन, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली 110002
71. श्री जगनिवासन आर., मुख्य आरक्षी/ कार्यकारी, पीआरओ शाखा पुलिस मुख्यालय, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली 110002
72. श्रीमती पूनम वर्मा, मुख्य आरक्षी/ कार्यकारी, पुलिस नियंत्रण कक्ष, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, 110009
73. श्रीमती प्रोमिला, महिला कांस्टेबल/ कार्यकारी, दिल्ली पुलिस भवन (स्पेशल शाखा), राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, 110002
74. श्री लखधीरसिंह बाबुभा झाला, उप पुलिस अधीक्षक, उप पुलिस अधीक्षक का कार्यालय वलसाड, जालाराम मंदिर के सामने, टिटहल रोड, वलसाड, गुजरात 396001
75. श्री राजेंद्रसिंह भावसिंह झाला, सशस्त्र उप पुलिस अधीक्षक, राजकोट नगर निगम, गुजरात 360001
76. श्री लक्ष्मणसिंह प्रतापसिंह झाला, सशस्त्र उप पुलिस अधीक्षक, एस.आर.पी.एफ. ग्रेड-XVIII, केवडिया कॉलोनी, नर्मदा, गुजरात 393151
77. श्री मानसंगभाई भीखाभाई जुडाल, सशस्त्र उप पुलिस अधीक्षक, कमांडेंट का कार्यालय एस.आर.पी.एफ. ग्रेड XVII- चेला, जामनगर, गुजरात 361012
78. श्री विजयकुमार भीखाभाई पटेल, सशस्त्र उप पुलिस अधीक्षक, एस.आर.पी.एफ ग्रेड-16, भचाऊ, कच्छ, गुजरात, 370140
79. श्री महेशकुमार धनजीभाई परमार, सशस्त्र उप पुलिस अधीक्षक, कमांडेंट का कार्यालय एस.आर.पी.एफ. ग्रेड-08, गोंडल, गुजरात, 360311
80. श्री अनिरुद्धसिंह प्रद्युम्नसिंह चुड़ासामा, उप पुलिस अधीक्षक, एस.आर.पी.एफ. ग्रुप-4, पावडी, जिला- दाहोद, गुजरात, 389180
81. श्री हिम्मतसिंह मनुसिंह परमार, आसूचना अधिकारी, पुलिस महानिदेशक का कार्यालय, आसूचना, द्वितीय तल, पुलिस भवन, सेक्टर-18 गांधीनगर, गुजरात, 382007
82. श्री विनोदकुमार मोहनदास साधू, आसूचना अधिकारी, पुलिस महानिदेशक का कार्यालय, आसूचना, गुजरात राज्य पुलिस भवन, गांधीनगर, गुजरात 382007
83. श्री महेंद्रसिंह गगुभाई परमार, आसूचना अधिकारी, पुलिस महानिदेशक का कार्यालय, आसूचना, द्वितीय तल, पुलिस भवन, सेक्टर-18, गुजरात राज्य, गांधीनगर, गुजरात 382009
84. श्री राजेंद्रसिंह नवुभा जाडेजा, आसूचना अधिकारी, उप आयुक्त आसूचना ब्यूरो, अथवालाइन्सव, सूरत, गुजरात 395007
85. श्री हसमुखभाई कांजीभाई मकवाना, सहायक उप निरीक्षक, खेड़ा जिला गुजरात, गुजरात 387002
86. श्री नरेंद्रसिंह प्रवीणसिंह जाडेजा, पुलिस मुख्य आरक्षी, बी.सं.1176 खेड़ा- नाडियाद जिला, गुजरात 387002

87. श्री आरीफ अहमद पटेल, शस्त्रहीन मुख्य आरक्षी, पुलिस मुख्यालय भरुच (रीडर शाखा में प्रतिनियुक्ति पर) पुलिस अधीक्षक कार्यालय, भरुच, गुजरात 392001
88. श्री हितेंद्रसिंह खोड्डा गोहिल, शस्त्रहीन पुलिस कांस्टेबल, संयुक्त पुलिस आयुक्त का कार्यालय, अपराध शाखा, अहमदाबाद शहर, गुजरात, 380004
89. श्री राजेंद्रसिंह जिवतसिंह वंश, शस्त्रहीन पुलिस मुख्य आरक्षी, संयुक्त पुलिस आयुक्ता का कार्यालय, अपराध शाखा, अहमदाबाद शहर, अहमदाबाद, गुजरात, 380001
90. श्री राजीव सतपालसिंह सैनी, एआईओ, आसूचना ब्यूरो, जी.एस. गांधीनगर, गुजरात 382007
91. श्री मनबीर सिंह, पुलिस अधीक्षक राज्य सतर्कता ब्यूरो, पंचकुला, हरियाणा 134109
92. श्री कर्ण सिंह, निरीक्षक, करनाल, हरियाणा 132037
93. श्री नरेंद्र कुमार, निरीक्षक, फरीदाबाद, हरियाणा 121001
94. श्री दीपक सिंह, निरीक्षक, पुलिस मुख्यालय पंचकुला, हरियाणा 134109
95. श्री सत्यवान, उप निरीक्षक, कैथल, हरियाणा 136027
96. श्री विरेंद्र सिंह, सहायक उप निरीक्षक, मधुबन, हरियाणा 132037
97. श्री रविन्द्र कुमार, सहायक उप निरीक्षक, अम्बाला, हरियाणा 134003
98. श्री सतपाल, रियायती सहायक उप निरीक्षक, पंचकुला, हरियाणा 134109
99. श्री रमेश चंद, रियायती सहायक उप निरीक्षक, अम्बाला, हरियाणा 134002
100. श्रीमती सुशीला कौशिक, महिला सहायक उप निरीक्षक, पंचकुला, हरियाणा 134109
101. श्रीमती रनवीर कौर, रियायती महिला सहायक उप निरीक्षक, चंडीगढ़, हरियाणा 160001
102. श्रीमती अनुराधा, रियायती महिला सहायक उप निरीक्षक, पंचकुला, हरियाणा 134109
103. श्री गुरदेव चंद शर्मा, पुलिस अधीक्षक, मंडी, हिमाचल प्रदेश 175001
104. श्री संजय कुमार, उप पुलिस अधीक्षक, बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश 174001
105. श्री जग पाल सिंह, उप निरीक्षक, हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश 177001
106. श्री संजय कुमार गुलेरिया, उप निरीक्षक, शिमला, हिमाचल प्रदेश 171001
107. श्री जुबैर अहमद खान, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, एसएलकेबी श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर, 190001
108. श्री पर्शोतम लाल, उप निदेशक (अभियोजन), जोनल पुलिस मुख्यालय जम्मू, जम्मू और कश्मीर, 180001
109. श्री शैलेंद्र सिंह, एआईजी (भवन), पुलिस मुख्यालय जम्मू और कश्मीर, जम्मू और कश्मीर, 191111
110. श्री मुमताज़ अहमद, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, सीआईडी सीआई जम्मू, जम्मू और कश्मीर, 180001
111. श्रीमती रश्मी वजिर, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, द्वितीय बटालियन, एसडीआरएफ जम्मू, जम्मू और कश्मीर, 180004
112. श्री शेख जुनैद महमूद, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, मुख्यालय सीआईडी जम्मू और कश्मीर जम्मू, जम्मू और कश्मीर, 190001
113. श्री रूप राज, आईजीपी के स्टॉफ अधिकारी, जम्मू, जम्मू और कश्मीर, 180012
114. श्री वरिन्दर कुमार, उप पुलिस अधीक्षक, डीपीओ जम्मू, जम्मू और कश्मीर, 180001
115. श्री सैय्यद मोहि-उद-दीन अंद्रेबी, उप पुलिस अधीक्षक, आईआर 6ठी बटालियन श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर, 190001

116. श्री नज़ीर अहमद यतू, निरीक्षक (मंत्रालयी), सीआईडी मुख्यालय, जम्मू और कश्मीर जम्मू, जम्मू और कश्मीर, 180001
117. श्री भीकम चंद, सहायक उप निरीक्षक, एसकेपीए उधमपुर, जम्मू और कश्मीर, 182104
118. श्री रियाज़ अहमद शाह, सहायक उप निरीक्षक, सीआईडी मुख्यालय जम्मू और कश्मीर जम्मू, जम्मू और कश्मीर, 190001
119. श्री सुनील जाल्लाह, मुख्य आरक्षी, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो जम्मू और कश्मीर, जम्मू और कश्मीर, 180001
120. श्री फारूक अहमद मीर, मुख्य आरक्षी, जिला श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर, 190001
121. श्री निसार अहमद भट्ट, मुख्य आरक्षी, एपी 6ठी बटालियन बेहरा मेन्धर, जम्मू और कश्मीर, 185211
122. श्री दर्शन लाल, मुख्य आरक्षी, जम्मू और कश्मीर सीआईडी सेल, नई दिल्ली, जम्मू और कश्मीर, 110001
123. श्री सयेद मुज़मिल शबिर, एसजी कांस्टेबल, पुलिस अस्पताल श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर, 190009
124. श्री भानु प्रताप, हवलदार, बोकारो, झारखंड, 827012
125. श्री देवेंद्र कुमार सिंह, सहायक उप निरीक्षक, राँची, झारखंड, 834001
126. श्री सुधीर कुमार, उप पुलिस अधीक्षक सीसीआर, जमशेदपुर, झारखंड, 831001
127. श्री प्रफुल किड़ो, हवलदार, बोकारो, झारखंड, 827012
128. श्री जोसेफ रसेल डी क्रूज़, सहायक कमांडेंट, केएपी 1 बटालियन, केरल, 686631
129. श्री आर. बालन, सहायक कमांडेंट जिला मुख्यालय अलप्पुझा, केरल, 688012
130. श्री राजू पी. के., सहायक आयुक्त, यातायात नॉर्थ कोझिकोड सिटी, केरल, 673012
131. श्री जे. प्रसाद, उप पुलिस अधीक्षक, सतर्कता और भ्रष्टाचार रोधी, केरल, 695002
132. श्री नसरुद्दीन मुहम्मद जमाल, सहायक उप निरीक्षक, डीसीआरबी रेलवे तिरुवनंतपुरम, केरल, 695014
133. श्री यशोधरन शान्तम कृष्णन नायर, सहायक उप पुलिस निरीक्षक, पुलिस आयुक्त का कार्यालय तिरुवनंतपुरम, केरल, 695014
134. श्री साबु एस. के., ड्राइवर सहायक उप निरीक्षक, वीएसीबी तिरुवनंतपुरम, केरल, 695004
135. श्रीमती श्रद्धा तिवारी, सहायक पुलिस महानिरीक्षक, भोपाल, मध्य प्रदेश, 462008
136. श्री धर्म वीर सिंह, पुलिस अधीक्षक, मुख्यालय भोपाल, मध्य प्रदेश, 462001
137. श्री संजीव कुमार सिन्हा, पुलिस अधीक्षक लोकायुक्त, रीवा, मध्य प्रदेश, 486001
138. श्री राजेश गुरु, उप पुलिस अधीक्षक, भोपाल, मध्य प्रदेश, 462008
139. श्री शिव कुमार पटेल, निरीक्षक, इंदौर, मध्य प्रदेश, 453001
140. श्री नारायण आम्बडकर, उप निरीक्षक, भोपाल, मध्य प्रदेश, 462008
141. श्री अशोक कुमार सविता, सहायक उप निरीक्षक, भिंड, मध्य प्रदेश, 477001
142. श्री सत्यनारायण सिंह यादव, मुख्य आरक्षी, इंदौर, मध्य प्रदेश, 452005
143. श्री रईस उल्लाह, मुख्य आरक्षी, भोपाल, मध्य प्रदेश, 462008
144. श्री चिमन अलीवाल, मुख्य आरक्षी, भोपाल, मध्य प्रदेश, 462008
145. श्री अब्दुल रज्ज़ाक खान, मुख्य आरक्षी, मुरेना, मध्य प्रदेश, 476001
146. श्री राजकुमार राठौर, कांस्टेबल, ग्वालियर, मध्य प्रदेश, 474001

147. श्री जव सिंह राठौर, कांस्टेबल, झाबुआ, मध्य, प्रदेश, 457661
148. श्री सतीश कुमार गुप्ता, उप निरीक्षक (एम), भोपाल, मध्य प्रदेश, 462008
149. श्रीमती सुमन लता शुक्ला, उप निरीक्षक (एम), भोपाल, मध्य प्रदेश, 462008
150. श्रीमती मधु चौधरी, सहायक उप निरीक्षक (एम), एसएएफ पुलिस मुख्यालय भोपाल, मध्य प्रदेश, 462008
151. श्री कमलेश्वर प्रसाद, मुख्य आरक्षी, भोपाल, मध्य प्रदेश, 462008
152. श्री शाहजी बी. उमप, उप पुलिस आयुक्त, जोन VI चेम्बूर, मुम्बई, महाराष्ट्र, 400071
153. श्री मनोज जी. पाटील, पुलिस अधीक्षक, सोलापुर रूरल, महाराष्ट्र, 413003
154. श्री सतीश बी. माने, उप पुलिस अधीक्षक, पुलिस मुख्यालय कोल्हापुर, महाराष्ट्र, 416003
155. श्री गणपतराव एस. माडगूलकर, उप पुलिस अधीक्षक, उप प्रभागीय पुलिस कार्यालय पुणे रूरल, महाराष्ट्र, 411008
156. श्री शरद एम. नाईक, सहायक पुलिस आयुक्त, सायन प्रभाग मुम्बई सिटी, महाराष्ट्र, 400037
157. श्री गणपत एच. तरंगे, सशस्त्र पुलिस निरीक्षक, एसआरपीएफ प्रशिक्षण केंद्र, ननवीज दौंड, महाराष्ट्र, 413801
158. श्री मंगेश वी. सावंत, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक, शील दाइघर पुलिस स्टेशन थाणे सिटी, महाराष्ट्र, 421204
159. श्री नितिन आर. अलकनुरे, पुलिस निरीक्षक, एमआईडीसी पुलिस स्टेशन मुम्बई सिटी, महाराष्ट्र, 400093
160. श्री सचिन एस. राने, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक, अपराध शाखा नवी मुम्बई, महाराष्ट्र, 400614
161. श्री अरविन्द टी. गोकुले, पुलिस निरीक्षक, पुलिस प्रशिक्षण केंद्र, खंडाला, पुणे, महाराष्ट्र, 410302
162. श्री संजय वी. पुरंदरे, पुलिस निरीक्षक, स्थानीय अपराध शाखा नागपुर रूरल, महाराष्ट्र, 440001
163. श्री नंदकुमार एम. गोपाले, पुलिस निरीक्षक, खार पुलिस स्टेशन मुम्बई सिटी, महाराष्ट्र, 400054
164. श्री सचिन एम. कदम, पुलिस निरीक्षक, एंटी इक्सटॉर्शन सेल, अपराध शाखा, मुम्बई, महाराष्ट्र, 400002
165. श्री गजानन डी. पवार, पुलिस निरीक्षक, अपराध शाखा पुणे सिटी, महाराष्ट्र, 411001
166. श्रीमती धनश्री एस. करमरकर, पुलिस निरीक्षक, पुलिस महानिदेशक का कार्यालय, कोलाबा, मुम्बई, महाराष्ट्र, 400001
167. श्री अनिल मारुति परब, सहायक पुलिस निरीक्षक (सीआईओ), राज्य आसूचना विभाग मुम्बई, महाराष्ट्र, 400001
168. श्री अर्जुन ज्ञानदेव शिंदे, उप पुलिस निरीक्षक, पालघर पुलिस स्टेशन पालघर, जिला थाणे, महाराष्ट्र, 401404
169. श्री सत्यवान महादेव राउत, उप पुलिस निरीक्षक वरिष्ठ आसूचना अधिकारी, राज्य आसूचना विभाग मुम्बई, महाराष्ट्र, 400001
170. श्री नंदकिशोर राजाराम शेलार, सहायक उप निरीक्षक, एंटी इक्सटॉर्शन सेल, अपराध शाखा, मुम्बई, महाराष्ट्र, 400002
171. श्री अशोक शंकर भोसले, सहायक उप निरीक्षक, अपराध शाखा पुणे सिटी, महाराष्ट्र, 411001
172. श्री विलास रघुनाथ मोहिते, सहायक उप निरीक्षक, भद्रकाली पुलिस स्टेशन नासिक सिटी, महाराष्ट्र, 422101
173. श्री प्रदीप गोविंद पाटील, सहायक उप निरीक्षक, पुलिस मुख्यालय रायगढ़, महाराष्ट्र, 402201
174. श्री राजकुमार नथुजी वरुडकर, सहायक उप निरीक्षक, पुलिस मुख्यालय अमरावती सिटी, महाराष्ट्र, 444602
175. श्री लक्ष्मण कृष्णा थोरात, सहायक उप निरीक्षक, विशेष शाखा पुणे सिटी, महाराष्ट्र, 411001
176. श्री मोहन घोरपडे, सहायक उप निरीक्षक, स्थानीय अपराध शाखा सतारा, महाराष्ट्र, 415001
177. श्री गिरिधर काशीनाथ देसाई, सहायक उप निरीक्षक, एसआरपीएफ ग्रेड-II पुणे, महाराष्ट्र, 411022
178. श्री पुरुषोत्तम बालकृष्ण देशपांडे, सहायक उप निरीक्षक, कराड सिटी पुलिस स्टेशन सतारा, महाराष्ट्र, 415001

179. श्री अमरसिंह कृष्णलाल चौधरी, सहायक उप निरीक्षक, एम.टी. सेक्शन. औरंगाबाद रूरल, महाराष्ट्र, 431001
180. श्री मनोहर बासप्पा खानगांवकर, सहायक उप निरीक्षक, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, कोल्हापुर, महाराष्ट्र, 416002
181. श्री जाकिर हुसैन गुलाम हुसैन शेख, सहायक उप निरीक्षक, अपराध शाखा नासिक सिटी, महाराष्ट्र, 422002
182. श्री दत्तात्रय तुलशीराम चौधर, सहायक उप निरीक्षक, भिगवान, पुणे रूरल, महाराष्ट्र, 413130
183. श्री सुनील बालकृष्ण कुलकर्णी, सहायक उप निरीक्षक, स्वारगेट पुलिस स्टेशन, पुणे सिटी, महाराष्ट्र, 411042
184. श्री गणपति यशवंत डफले, मुख्य आरक्षी, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, वर्ली मुम्बई, महाराष्ट्र, 400030
185. श्री कृष्ण हरिबा जाधव, मुख्य आरक्षी, एंटी इक्सरटॉर्शन सेल, अपराध शाखा मुम्बई सिटी, महाराष्ट्र, 400002
186. श्री पांडुरंग आर. राजाराम तलवाडेकर, मुख्य आरक्षी, एन.एम. जोशी मार्ग पुलिस स्टेशन मुम्बई सिटी, महाराष्ट्र, 400030
187. श्री अरुण महादेव कदम, मुख्या आरक्षी, कुरार पुलिस स्टेशन, मलाड ईस्ट मुम्बई सिटी, महाराष्ट्र, 400097
188. श्री दयाराम तुकाराम मोहिते, मुख्या आरक्षी, अपराध शाखा मुम्बई सिटी, महाराष्ट्र, 400001
189. श्री भानुदास यशवंत मनवे, मुख्य आरक्षी, विशेष शाखा-I सीआईडी, मुम्बई, महाराष्ट्र, 400001
190. श्री दत्तात्रय पांडुरंग कुढले, मुख्य आरक्षी, अपराध शाखा, मुम्बई सिटी, महाराष्ट्र, 400001
191. श्री विनोद प्रह्लादराव ठाकरे, मुख्य आरक्षी, एम.टी. सेक्शन अकोला, महाराष्ट्र, 444004
192. श्री कीशम ब्रोजेन सिंह, मुख्य आरक्षी, इम्फाल वेस्ट, मणिपुर, 795001
193. श्री अनोबम भोमेन शर्मा, हवलदार, मणिपुर सचिवालय, मणिपुर, 795001
194. श्री सोरोखाइबम सरतचंद्र सिंह, सूबेदार, 3 इंडिया रिजर्व बटालियन थौबल, मणिपुर, 795138
195. श्री लाईफ्राकपम देवीशोर, सहायक उप निरीक्षक (दूरसंचार), मणिपुर पुलिस दूरसंचार पुलिस मुख्यालय संगठन, मणिपुर, 795001
196. श्री खोलथीयानथाड. वायफेई, मुख्य आरक्षी, चूडाचंदपुर, मणिपुर, 795128
197. श्री सुरेश थापा, उप कमांडेंट, 1 बटालियन मणिपुर राइफल्स इम्फाई, मणिपुर, 795001
198. श्री फ्रांसिस गिरलैंड खरसिंग, उप पुलिस महानिरीक्षक (प्रशिक्षण), शिलांग पुलिस अकादमी, मेघालय, 793001
199. श्री प्लोस्टर सिएम, सेकंड इन कमांड, 5वीं एमएलपी बटालियन, शमगोंग विलियमनगर, मेघालय, 794111
200. श्री जोएलार्सन आर. मारक, ए.बी. निरीक्षक, 5वीं एमएलपी बटालियन, मेघालय, 794111
201. श्री जॉन निहलाइया, उप महानिरीक्षक, पुलिस मुख्यालय आइजोल, मिजोरम, 796001
202. श्रीमती ललथांगलियानी, निरीक्षक, पुलिस मुख्यालय आइजोल, मिजोरम, 796001
203. श्री लालदिंगलियाना, निरीक्षक, द्वितीय आईआर बटालियन मुख्यालय खावजाल, मिजोरम, 796310
204. श्री नब किशोर दास, कमांडेंट, ओडिशा राज्य सशस्त्र पुलिस प्रथम बटालियन, धनकनाल, ओडिशा, 759001
205. श्री अजय कुमार पाढ़ी, उप कमांडेंट स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप, भुवनेश्वर, ओडिशा, 754005
206. श्री अशोक कुमार देओ, उप पुलिस अधीक्षक, विशेष आसूचना विंग, ओडिशा, भुवनेश्वर, ओडिशा, 751001
207. श्री प्रफुल्ल कुमार सिंह, सहायक पुलिस कमांडेंट, सुरक्षा, विशेष सुरक्षा बटालियन, भुवनेश्वर, ओडिशा, 751001
208. श्री प्रद्युम्न कुमार द्विवेदी, प्रभारी उप पुलिस अधीक्षक, सतर्कता निदेशालय कटक, ओडिशा, 753001
209. श्रीमती स्निग्धा भंजा, प्रभारी उप पुलिस अधीक्षक, पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, ईओडब्ल्यू, सीआईडी, सीबी, भुवनेश्वर, ओडिशा, 751001

210. श्री बिक्रम केशरी जेना, पुलिस निरीक्षक, सदर पुलिस स्टेशन, खोरधा, पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, खोरधा, ओडिशा, 752055
211. श्री ब्रह्मानंद पंडा, उप पुलिस निरीक्षक, विशेष आसूचना विंग, ओडिशा, भुवनेश्वर, ओडिशा, 751001
212. श्री कैलाश चंद्र प्रधान, सहायक उप पुलिस निरीक्षक, थेलकोलोई पुलिस स्टेशन, संबलपुर, ओडिशा, 768210
213. श्री आलेक्संडर कुजूर, हवलदार, आर.ओ. झारसुगुड़ा, ओडिशा, 768201
214. श्री बिप्र चरण गौड़, कांस्टेबल, सतर्कता बेरहामपुर प्रभाग, बेरहामपुर, ओडिशा, 760004
215. श्री आशीष कपूर, एआईजी, वीबी-एफएस-1, पीबी., चंडीगढ़, पंजाब, 160017
216. श्री वरिन्दर सिंह बरार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, लुधियाना रुरल, पंजाब, 141426
217. श्री अनिल जोशी, एआईजी, सीआईडी यूनिट, पंजाब, चंडीगढ़, पंजाब, 160022
218. श्री सुखदेव सिंह काहलौं, एआईजी, दूरसंचार, पंजाब, चंडीगढ़, पंजाब, 160009
219. श्री हरमोहन सिंह, एआईजी, पर्सनल-3, सीपीओ, पंजाब, चंडीगढ़, पंजाब, 160009
220. श्री अजय मालुजा, एआईजी, सीआई, बठिंडा, पंजाब, 151001
221. श्री गुरदेव सिंह, सहायक पुलिस आयुक्त, यातायात, लुधियाना, पंजाब, 141001
222. श्री मनप्रीत सिंह, उप पुलिस अधीक्षक, अन्वेषण, कपूरथला, पंजाब, 144601
223. श्री संजीवन गुरु, निरीक्षक, आई/सी पीपीओआई, सेक्टर-32, चंडीगढ़, पंजाब, 160032
224. श्री बिकरम सिंह, निरीक्षक, आसूचना मुख्यालय, एसएस नगर, पंजाब, 160062
225. श्री गणेश कुमार, निरीक्षक, सुरक्षा विंग, पंजाब, चंडीगढ़, पंजाब, 160009
226. श्रीमती जसवीर कौर, निरीक्षक लोकल रैंक, जिला बरनाला, पंजाब, 148105
227. श्रीमती गुरमीत कौर, उप-निरीक्षक, रैंज ऑफिस, पटियाला, पंजाब 147001
228. श्री अश्वनी कुमार, उप निरीक्षक एलआर, फिरोजपुर रैंज कार्यालय, फिरोजपुर, पंजाब, 152002
229. श्री धर्मवीर सिंह, सहायक उप निरीक्षक, एडीजीपी कार्यालय, एसओजी और सीडीओ, बीएचजी, पटियाला, पंजाब, 147021
230. श्री ज्ञान चंद्र यादव, अपर पुलिस अधीक्षक, राजस्थान पुलिस अकादमी जयपुर, राजस्थान, 302016
231. श्री सलविंदर सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक, पुलिस ट्रेनिंग स्कूल बीकानेर, राजस्थान, 334001
232. श्रीमती कुमारी वीना शास्त्री, उप पुलिस अधीक्षक आसूचना प्रशिक्षण अकादमी, जयपुर, राजस्थान, 302016
233. श्री सुरेंद्र सिंह राणावत, पुलिस निरीक्षक, पुलिस थाना आदर्श नगर अजमेर, राजस्थान, 300501
234. श्री रतन सिंह, उप निरीक्षक, अपराध शाखा पुलिस आयुक्तालय जोधपुर, राजस्थान, 342006
235. श्री मदन लाल, प्लाटून कमांडर, आईएसटी बटालियन आरएसी जोधपुर, राजस्थान, 342006
236. श्री लक्ष्मी नारायण सैनी, सहायक उप निरीक्षक, एसीबी एसआईयू जयपुर, राजस्थान, 302004
237. श्री केवल दास वैष्णव, सहायक उप निरीक्षक, पुलिस स्टेशन कोतवाली जैसलमेर, राजस्थान, 345001
238. श्री राम बाबू शर्मा, मुख्य आरक्षी, सीआईडी सीबी राजस्थान जयपुर, राजस्थान, 302015
239. श्री महावीर सिंह, मुख्य आरक्षी, राजस्थान पुलिस अकादमी, जयपुर, राजस्थान, 302016
240. श्री हाकम अली, मुख्य आरक्षी, 5वीं बटालियन आरएसी जयपुर, राजस्थान, 302003
241. श्री हरि सिंह, मुख्य आरक्षी, निदेशक जेल का कार्यालय जयपुर, राजस्थान, 302001

242. श्री काना राम, मुख्य आरक्षी, 10वीं बटालियन आरएसी बीकानेर, राजस्थान, 334001
243. श्री तेज कुमार, कांस्टेबल, 4 बटालियन आरएसी जयपुर, राजस्थान, 302027
244. श्री तारक शाह, कांस्टेबल, सहायक पुलिस आयुक्त लाइसेंसिंग कार्यालय पुलिस आयुक्तालय जोधपुर, राजस्थान, 342006
245. श्री भागीरथ सिंह मीना, कांस्टेबल, 10 बटालियन आरएसी आईआर बीकानेर, राजस्थान, 334001
246. श्रीमती सी. मगेश्वरी, संयुक्त पुलिस आयुक्त, कानून और व्यवस्था, दक्षिण जोन ग्रेटर चेन्नई पुलिस, चेन्नई, तमिलनाडु, 600016
247. श्रीमती एन. कामिनी, उप पुलिस महानिरीक्षक, रामनाथपुरम रेंज, तमिलनाडु, 623501
248. श्रीमती एस. सांति, पुलिस अधीक्षक, तमिलनाडु पुलिस अकादमी, चेन्नई, तमिलनाडु, 600127
249. श्री एम.एम. अशोक कुमार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, तमिलनाडु यूएसआरबी, चेन्नई, तमिलनाडु, 600008
250. श्री के. राजेंद्रन, अतिरिक्त, पुलिस अधीक्षक, विशेष प्रभाग, सीआईडी, चेन्नई, तमिलनाडु, 600004
251. श्री एस. केशवन, उप पुलिस अधीक्षक, सुरक्षा शाखा सीआईडी, चेन्नई, तमिलनाडु, 600028
252. श्री के.पी.एस. देवराज, सहायक पुलिस आयुक्त, पल्लारम, रेंज, ग्रेटर चेन्नई पुलिस, तमिलनाडु, 600043
253. श्री एम. वेटरिलियन, उप पुलिस अधीक्षक, जिला अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो, जिला पुलिस कार्यालय, सर्वेयर कॉलोनी, मदुरै, तमिलनाडु, 625007
254. श्री के. कनगराज जोसेफ, सहायक पुलिस आयुक्त, केंद्रीय अपराध शाखा, ग्रेटर चेन्नई पुलिस, वेपेरी, चेन्नई, तमिलनाडु, 600007
255. श्री एस. शंकर, उप पुलिस अधीक्षक, सतर्कता एवं भ्रष्टाचार रोधी, विशेष जांच सेल, चेन्नई, तमिलनाडु, 600016
256. श्री एम. अरुमुगम, सहायक कमांडेंट, टीएसपी III बटालियन वीरापुरम, तमिलनाडु, 600055
257. श्री के. शंकरसुब्रमन्यन, पुलिस निरीक्षक, सतर्कता एवं भ्रष्टाचार रोधी, सिटी-I, चेन्नई, तमिलनाडु, 600016
258. श्री एस. जॉन विक्टर, पुलिस निरीक्षक, निषेध प्रवर्तन विंग, पोन्नेरी, तिरुवल्लूर जिला, तमिलनाडु, 601204
259. श्री वी. गणेशन, पुलिस निरीक्षक, सतर्कता एवं भ्रष्टाचार रोधी, कांचीपुरम, तमिलनाडु, 631502
260. श्री आर. जनार्थानां, उप पुलिस निरीक्षक विशेष शाखा सीआईडी, चेन्नई, तमिलनाडु, 600004
261. श्री जे. उलगानाथं, विशेष उप पुलिस निरीक्षक, सुरक्षा शाखा सीआईडी, चेन्नई, तमिलनाडु, 600028
262. श्री पी. मुथुरमलिंगम, विशेष उप पुलिस निरीक्षक, सतर्कता एवं भ्रष्टाचार रोधी, रामनाथपुरम, तमिलनाडु, 623503
263. श्री आई. श्रीनिवासन, विशेष उप पुलिस निरीक्षक, सतर्कता एवं भ्रष्टाचार रोधी, विशेष अन्वेषण सेल चेन्नई, तमिलनाडु, 600016
264. श्री एच. गुनलन, विशेष उप पुलिस निरीक्षक, सतर्कता एवं भ्रष्टाचार रोधी, मुख्यालय चेन्नई, तमिलनाडु, 600016
265. श्री के. पुरुषोत्थमान, विशेष उप पुलिस निरीक्षक, सतर्कता एवं भ्रष्टाचार रोधी, सिटी V चेन्नई, तमिलनाडु, 600016
266. श्री एन. बास्करन, मुख्य आरक्षी-15858, विशेष शाखा सीआईडी, चेन्नई, तमिलनाडु, 600004
267. श्री एस. चंद्र शेखर रेड्डी, पुलिस अधीक्षक, संगारेड्डी, तेलंगाना, 502001
268. श्री मालीगेली नारायण, एआईजी (कानून और व्यवस्था), हैदराबाद, तेलंगाना, 500004
269. श्री सांगीपगी फ्रांसिस, असॉल्टई कमांडर (ग्रे हाउंड्स), हैदराबाद, तेलंगाना, 500089
270. श्री राम प्रकाश बग्गूस, कमांडेंट (टीएसएसपी), खम्माम, तेलंगाना, 507303

271. श्री ई. रामचंद्र रेड्डी, पुलिस अधीक्षक (एनसी), रचकोंडा, तेलंगाना, 508252
272. श्री डी. उदय कुमार रेड्डी, अपर पुलिस अधीक्षक, कोथागुडम, तेलंगाना, 507101
273. श्री सूर्यनेनी प्रभाकर राव, उप पुलिस अधीक्षक, हैदराबाद, तेलंगाना, 500004
274. श्री वी. सूर्यचंद्र राव, उप पुलिस अधीक्षक, हैदराबाद, तेलंगाना, 500004
275. श्री खाजा मोइनुद्दीन, उप निरीक्षक, हैदराबाद, तेलंगाना, 500004
276. श्री सैय्यद मकबूल पाशा, उप निरीक्षक, वारंगल, तेलंगाना, 506002
277. श्री मोहम्मद अली खान मुक्तार, सहायक उप निरीक्षक, हैदराबाद, तेलंगाना, 500004
278. श्री जी. लक्ष्मीनरसिम्हा राव, मुख्य आरक्षी, हैदराबाद, तेलंगाना, 500002
279. श्री मुहम्मदद अजीजुद्दीन, मुख्यन आरक्षी, वारंगल, तेलंगाना, 506001
280. श्री फणींद्रा कुमार जामातिया, सहायक कमांडेंट, धलाई, त्रिपुरा, 799278
281. श्री सत्यजित देवनाथ, उप पुलिस अधीक्षक, अगरतला, त्रिपुरा, 799010
282. श्री सरोज भट्टाचार्य, निरीक्षक, अगरतला, त्रिपुरा, 799003
283. श्री भीम सिंह, सूबेदार, अगरतला, त्रिपुरा, 799008
284. श्री बिप्लव कुमार देब, सूबेदार, त्रिपुरा, त्रिपुरा, 799102
285. श्री रतन लाल पोद्देर, हवलदार, त्रिपुरा, त्रिपुरा, 799141
286. श्री रमेश, कमांडेंट पीएसी, 48 बटालियन सोनभद्र, उत्तर प्रदेश, 231216
287. श्री राजेश कुमार सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक, फिरोजाबाद, उत्तर प्रदेश, 283203
288. श्रीमती सुधा सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक, गौतमबुद्धनगर, उत्तर प्रदेश, 201301
289. श्री दिनेश सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक, बिजनौर, उत्तर प्रदेश, 246701
290. श्री राम बदन सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक, इटावा, उत्तर प्रदेश, 206001
291. श्री शबीहुल हम्द, उप पुलिस अधीक्षक, आजमगढ़, उत्तर प्रदेश
292. श्री दिलीप सिंह, उप पुलिस अधीक्षक, बागपत, उत्तर प्रदेश
293. श्री ओम प्रकाश, उप पुलिस अधीक्षक, बांदा, उत्तर प्रदेश
294. श्री मनोज कुमार बिष्ट, उप पुलिस अधीक्षक, सीतापुर, उत्तर प्रदेश
295. श्री संजय कुमार शर्मा, उप पुलिस अधीक्षक, जालौन, उत्तर प्रदेश
296. श्री नंद लाल, उप पुलिस अधीक्षक, मऊ, उत्तर प्रदेश
297. श्री रामचंद्र दीक्षित, निरीक्षक, इटावा, उत्तर प्रदेश, 206001
298. श्री संजय कुमार त्यागी, निरीक्षक, आसूचना मुख्यालय लखनऊ, उत्तर प्रदेश, 226001
299. श्री रामपाल सिंह, निरीक्षक, मथुरा, उत्तर प्रदेश, 281001
300. श्री चंद्रभान शर्मा, निरीक्षक, भ्रष्टाचार निवारण संगठन, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, 226001
301. श्री कृष्णपाल शर्मा, दलनायक, 06ठी बटालियन पीएसी मेरठ, उत्तर प्रदेश, 250001
302. श्री मोहम्मद निसार अहमद, दलनायक, 36वीं बटालियन पीएसी वाराणसी, उत्तर प्रदेश, 221008

303. श्री राज कुमार, निरीक्षक, शाहजहांपुर, उत्तर प्रदेश, 242001
304. श्री उमेश चंद्र त्यागी, निरीक्षक, आसूचना मुख्यालय लखनऊ, उत्तर प्रदेश, 226001
305. श्री सुधाकर शर्मा, निरीक्षक, आसूचना मुख्यालय लखनऊ, उत्तर प्रदेश, 226001
306. श्री आशा राम त्यागी, निरीक्षक, आसूचना मुख्यालय लखनऊ, उत्तर प्रदेश, 226000
307. श्री रवीन्द्र सिंह, निरीक्षक, सतर्कता लखनऊ, उत्तर प्रदेश, 226001
308. श्री राम नरेश द्विवेदी, निरीक्षक, एसआईटी लखनऊ, उत्तर प्रदेश, 226001
309. श्री अशोक कुमार, निरीक्षक, ईओडब्ल्यू लखनऊ, उत्तर प्रदेश, 226001
310. श्री रामेश्वर सिंह, उप निरीक्षक, पुलिस महानिदेशक मुख्यालय लखनऊ, उत्तर प्रदेश, 226001
311. श्री बब्बन कुमार वर्मा, उप निरीक्षक, आसूचना मुख्यालय लखनऊ, उत्तर प्रदेश, 226001
312. श्री ऋषिपाल सिंह, उप निरीक्षक सं. पु., मेरठ, उत्तर प्रदेश, 250004
313. श्री दिनेश कुमार सिंह, उप निरीक्षक, आसूचना मुख्यालय लखनऊ, उत्तर प्रदेश, 226006
314. श्री लक्ष्मीकांत द्विवेदी, उप निरीक्षक, सोनभद्र, उत्तर प्रदेश, 231206
315. श्री नरेंद्र सिंह, उप निरीक्षक, कानपुर देहात, उत्तर प्रदेश, 209101
316. श्री भोला सिंह कुशवाहा, उप निरीक्षक, गोंडा, उत्तर प्रदेश, 271001
317. श्री ओपेन्द्र नाथ पांडेय, गुल्मनायक, 32वीं बटालियन पीएसी लखनऊ, उत्तर प्रदेश, 226023
318. श्री जमुना प्रसाद तिवारी, उप निरीक्षक, गाजीपुर, उत्तर प्रदेश, 233001
319. श्री मैनेजर प्रसाद, गुल्मनायक, 34वीं बटालियन पीएसी वाराणसी, उत्तर प्रदेश, 221108
320. श्री आनंद कुमार सिंह, उप निरीक्षक, पीलीभीत, उत्तर प्रदेश, 262001
321. श्री जन्मेद, उप निरीक्षक, रायबरेली, उत्तर प्रदेश, 229001
322. श्री शिव मंगल, उप निरीक्षक, आसूचना मुख्यालय लखनऊ, उत्तर प्रदेश, 226006
323. श्री चंद्रपाल भारद्वाज, उप निरीक्षक, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश, 201001
324. श्री प्रभु नाथ सिंह, उप निरीक्षक एलआईयू, फैजाबाद, उत्तर प्रदेश, 224001
325. श्री विनोद कुमार, गुल्मनायक, 06वीं बटालियन पीएसी मेरठ, उत्तर प्रदेश, 250001
326. श्री भूपेंद्र सिंह, उप निरीक्षक, संभल, उत्तर प्रदेश, 244302
327. श्री संत कुमार, उप निरीक्षक, अमरोहा, उत्तर प्रदेश, 243221
328. श्री श्योराज सिंह शर्मा, उप निरीक्षक, आगरा, उत्तर प्रदेश, 282006
329. श्री राम कुमार सिंह तोमर, उप निरीक्षक, सहारनपुर, उत्तर प्रदेश, 247001
330. श्री कैलाश बाबू, उप निरीक्षक, मथुरा, उत्तर प्रदेश, 281001
331. श्री श्रवण कुमार पांडेय, उप निरीक्षक, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश, 211001
332. श्री प्रताप नारायण मिश्र, उप निरीक्षक, अम्बेडकर नगर, उत्तर प्रदेश, 224122
333. श्री रामवीर सिंह, उप निरीक्षक, चित्रकूट, उत्तर प्रदेश, 210205
334. श्री अरविन्द कुमार, मुख्य आरक्षी, सतर्कता लखनऊ, उत्तर प्रदेश, 226006
335. श्री बाबूलाल, मुख्य आरक्षी, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, 221002

336. श्री धर्मेन्द्र कुमार त्रिपाठी, मुख्य आरक्षी, आसूचना मुख्यालय लखनऊ, उत्तर प्रदेश, 226006
337. श्री अमरपाल सिंह, मुख्य आरक्षी, आसूचना मुख्यालय लखनऊ, उत्तर प्रदेश, 226006
338. श्री महेश कुमार, मुख्य आरक्षी, 23वीं बटालियन पीएसी एमडीडी, उत्तर प्रदेश, 244001
339. श्री मोहम्मद सुल्तान, मुख्य आरक्षी, चतुर्थ बटालियन पीएसी, उत्तर प्रदेश, 211011
340. श्री तेजपाल सिंह, मुख्य आरक्षी, 38वीं बटालियन पीएसी एआईएच, उत्तर प्रदेश, 202001
341. श्री नंद राम सिंह, मुख्य आरक्षी, सुरक्षा मुख्यालय लखनऊ, उत्तर प्रदेश, 226007
342. श्री कल्याण सिंह, मुख्य आरक्षी, 26वीं बटालियन पीएसी, उत्तर प्रदेश, 273401
343. श्री भूपेंद्र सिंह, मुख्य आरक्षी, आगरा, उत्तर प्रदेश, 282005
344. श्री रमेश चंद्र पांडेय, मुख्य आरक्षी, एफपीबी लखनऊ, उत्तर प्रदेश, 226006
345. श्री दरोगा लाल, मुख्य आरक्षी, फतेहपुर, उत्तर प्रदेश, 212601
346. श्री विद्या भूषण शुक्ल, मुख्य आरक्षी, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, 221002
347. श्री अविनाश चंद्र, मुख्य आरक्षी, कन्नौज, उत्तर प्रदेश, 209725
348. श्री महावीर प्रसाद, मुख्य आरक्षी, आसूचना मुख्यालय लखनऊ, उत्तर प्रदेश, 226006
349. श्री रामवीर सिंह, मुख्य आरक्षी, मथुरा, उत्तर प्रदेश, 281001
350. श्री संतराम यादव, मुख्य आरक्षी, महोबा, उत्तर प्रदेश, 210427
351. श्री वीर प्रकाश रावत, मुख्य आरक्षी, भर्ती बोर्ड लखनऊ, उत्तर प्रदेश, 226001
352. श्री सुरेंद्र सिंह, मुख्य आरक्षी, मुरादाबाद, उत्तर प्रदेश, 244001
353. श्री गणेश पाल सिंह, मुख्य आरक्षी, एटा, उत्तर प्रदेश, 207001
354. श्री नागेंद्र नाथ पांडेय, मुख्य आरक्षी, फैजाबाद, उत्तर प्रदेश, 224001
355. श्री हवलदार यादव, मुख्य आरक्षी, आजमगढ़, उत्तर प्रदेश, 276001
356. श्री देवकी नंदन जोशी, निरीक्षक (लिपिक), रैंज कार्यालय मुरादाबाद, उत्तर प्रदेश, 244001
357. श्री संजय कुमार अग्रवाल, निरीक्षक, पुलिस महानिदेशक मुख्यालय लखनऊ, उत्तर प्रदेश, 226001
358. श्री लाल प्रताप सिंह, निरीक्षक, यूपीपीसीएल लखनऊ, उत्तर प्रदेश, 226001
359. श्री प्रदीप कुमार गुप्ता, निरीक्षक, गौतमबुद्धनगर, उत्तर प्रदेश, 201301
360. श्री श्रीधर प्रसाद बडोला, उप पुलिस अधीक्षक, जिला रुद्रप्रयाग, उत्तराखंड, 246171
361. श्री हीरा सिंह राणा, सेनानायक, आईआरबी-1, रामनगर नैनीताल, उत्तराखंड, 263139
362. श्री प्रकाश चंद्र शर्मा, उप निरीक्षक (विशेष श्रेणी), मुख्यमंत्री सुरक्षा, देहरादून, उत्तराखंड, 248001
363. श्री धन राम, प्लाटून कमांडर (विशेष श्रेणी), 46वीं बटालियन पीएसी रुद्रपुर, उत्तराखंड, 263153
364. श्री आदित्य राम, उप निरीक्षक (विशेष श्रेणी), एसडीआरएफ देहरादून, उत्तराखंड, 248140
365. श्री जयदेव घोष, पुलिस निरीक्षक, अलीपुरद्वार पुलिस स्टेशन, जिला अलीपुरद्वार, पश्चिम बंगाल, पश्चिम बंगाल, 736122
366. श्रीमती मुमताज बेगम, महिला पुलिस निरीक्षक, प्रभारी, महिला पुलिस स्टेशन सिलीगुड़ी महिला पुलिस स्टेशन, सिलीगुड़ी पुलिस आयुक्तालय, पश्चिम बंगाल, पश्चिम बंगाल, 734003

367. श्री जयसूर्या मुखर्जी, पुलिस निरीक्षक, दक्षिण पूर्व प्रभाग, पश्चिम बंगाल, 700017
368. श्री सत्य प्रकाश उपाध्याय, पुलिस निरीक्षक, दक्षिण सुबारबान प्रभाग, कोलकाता, पश्चिम बंगाल, 700033
369. श्री विभास कुमार मंडल, पुलिस निरीक्षक, यातायात विभाग, लालबाजार, कोलकाता, पश्चिम बंगाल, 700001
370. श्री सुमन बसु, पुलिस निरीक्षक, यातायात विभाग, लालबाजार, कोलकाता, पश्चिम बंगाल, 700001
371. श्री जोनाकी बागची, उप पुलिस निरीक्षक, बिधाननगर पुलिस आयुक्तालय, पश्चिम बंगाल, 700106
372. श्री सुमन चक्रवर्ती, उप निरीक्षक, सीआईडी, पश्चिम बंगाल, भवानी भवन, पश्चिम बंगाल, 700027
373. श्रीमती ज़िन्ना तारा खातून, महिला उप पुलिस निरीक्षक, दक्षिण पश्चिम प्रभाग, कोलकाता, पश्चिम बंगाल, 700033
374. श्री शेख जैनाल हक, सहायक उप पुलिस निरीक्षक, हावड़ा जीआरपी जिला, पश्चिम बंगाल, पश्चिम बंगाल, 711101
375. श्री सुमन सिंह भंडारी, सहायक उप निरीक्षक, एसवीएसपीए, बैरकपुर, पश्चिम बंगाल, 700120
376. श्री आशीष कुमार कुंडू, सहायक उप पुलिस निरीक्षक, उत्तरी 24 परगना जिला, पश्चिम बंगाल, पश्चिम बंगाल, 700129
377. श्री वरुण कुमार पाल, सहायक उप निरीक्षक, असनसोल दुर्गापुर, पश्चिम बंगाल, 713304
378. श्री परिमल सरकार, सशस्त्र सहायक उप पुलिस निरीक्षक, ब्रिगेड मुख्यालय, कोलकाता सशस्त्र पुलिस, पश्चिम बंगाल, 700027
379. श्री अनूप दास, कांस्टेबल, प्रवर्तन शाखा, पश्चिम बंगाल, प्रथम तल भवानी भवन, कोलकाता, पश्चिम बंगाल, 700027
380. श्री सुरजीत बेन, कांस्टेबल, सुरक्षा निदेशालय, डब्ल्यू बी13, लॉर्ड सिन्हा रोड, कोलकाता-700071, पश्चिम बंगाल, 700071
381. श्री कमल चंद्र मंडल, कांस्टेबल, पुलिस कार्यालय, पुरुलिया, पश्चिम बंगाल, 723101
382. श्री गोपाल चंद्र जाना, कांस्टेबल, पश्चिम मेदिनीपुर, उप महानिरीक्षक (एमआर कार्यालय) में प्रतिनियुक्त पर, पश्चिम बंगाल, 721301
383. श्री दयामय प्रतिहार, कांस्टेबल, लाइन ओआर, पश्चिम मेदिनीपुर, पश्चिम बंगाल, पश्चिम बंगाल, 721101
384. श्री प्रकाश बिश्वास, कांस्टेबल ड्राइवर, बिधाननगर पुलिस आयुक्तालय, स्टेडियम गेट नं. - 03, सेक्टर-III, साल्ट लेक, पश्चिम बंगाल, 700106
385. श्री हरेंद्रसिंह छिबुसिंह राठोड, पुलिस निरीक्षक, अपराध शाखा, दादरा एवं नगर हवेली, 396230
386. श्री शिबेश सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, लक्षद्वीप संघ शासित क्षेत्र, लक्षद्वीप, 682555
387. श्री वी. नारायणसामी, उप निरीक्षक, ओडियनसलाय पुलिस स्टेशन, पुदुचेरी, 605001
388. डा. अरुण कुमार मेहता, चिकित्सा निदेशक, शिलांग, असम राइफल्स, 793010
389. श्री मंगल सिंह, सूबेदार, राधानगर, असम राइफल्स, 932030
390. श्री भगवान सिंह, नायब सूबेदार, 43, असम राइफल्स, सी/ओ 99 एपीओ, असम राइफल्स, 932043
391. श्री मुहम्मद नजीमुद्दीन, वॉरंट ऑफिसर, घासपानी, असम राइफल्स, 932041
392. श्री राधे श्याम प्रसाद, वॉरंट ऑफिसर, तैगनुपाल, असम राइफल्स, 932012
393. श्री नरेंद्र बहादुर छेत्री, वॉरंट ऑफिसर, लुंगलेई, मिजोरम, असम राइफल्स, 932001
394. श्री मनोज कुमार, वॉरंट ऑफिसर, कदमतला, असम राइफल्स, 932037
395. श्री दीन प्रसाद गुरुंग, वॉरंट ऑफिसर, चूड़ाचंदपुर, असम राइफल्स, 932025
396. श्री कबीन्द्र तालुकदार, हवलदार, कोहिमा, असम राइफल्स, 797001

397. श्री खड़क सिंह, हवलदार, नागिनीमोडा, असम राइफल्स, 932035
398. श्री शिव शंकर मजुमदार, हवलदार, सेरछिप, असम राइफल्स, 932010
399. श्री दिनेश कुमार बूरा, उप महानिरीक्षक (सक्रिय), फ्रंटियर मुख्यालय बीएसएफ त्रिपुरा, बीएसएफ, 799012
400. श्री मृत्युंजय कुमार, उप महानिरीक्षक (जी), फ्रंटियर मुख्यालय बीएसएफ त्रिपुरा, बीएसएफ, 799012
401. श्री तेजिंदर पाल सिंह सिद्धु, कमांडेंट (प्रशासन), एसएचक्यू बीएसएफ, गुरदासपुर, बीएसएफ, 143521
402. श्री मजिंद्र सिंह, कमांडेंट, एसटीसी बीएसएफ, बेंगलोर, बीएसएफ, 560063
403. श्री अनील कुमार सिन्हा, कमांडेंट, स्पेशल डीजी, बीएसएफ पूर्वी कमांड, कोलकाता, बीएसएफ, 700019
404. श्री कल्याण कांति मजुमदार, कमांडेंट, एफटीआर मुख्यालय, बीएसएफ कोलकाता, बीएसएफ, 700071
405. श्री तरणि कुमार तियू, कमांडेंट (प्रशासन), एसएचक्यू बीएसएफ, कोलकाता, बीएसएफ, 700035
406. श्री अनिल वर्मा, कमांडेंट, स्पेशल डीजी, बीएसएफ, पूर्वी कमांड, कोलकाता, बीएसएफ, 700019
407. श्री रमेश कुमार, कमांडेंट, बीआईडीआर बीएसएफ, एकेडमी टेकनपुर, बीएसएफ, 475005
408. श्री बलवंत सिंह पोंगती, कमांडेंट, एसएचक्यू बीएसएफ, जोवाई, शिलोंग, बीएसएफ, 793001
409. श्री राजेन्द्र सिंह, द्वितीय कमान अधिकारी (सक्रिय), मुख्यालय, एसडीजी पश्चिमी कमांड, चंडीगढ़, बीएसएफ, 160003
410. श्री रूप चंद चंद्रा, द्वितीय कमान अधिकारी (सक्रिय), 177 बटालियन बीएसएफ, बीएसएफ, 125011
411. श्री जल धारी मीणा, उप कमांडेंट, 69 बटालियन बीएसएफ, बीएसएफ, 303805
412. श्री बृज किशोर द्विवेदी, उप कमांडेंट, 55 बटालियन बीएसएफ, बीएसएफ, 799260
413. श्री बाबु लाल किस्कू, उप कमांडेंट, 181 बटालियन बीएसएफ, बीएसएफ, 152116
414. श्री हरि राम मीणा, उप कमांडेंट, 132 बटालियन बीएसएफ, बीएसएफ, 145024
415. श्री राजीव मोहन कौशिक, उप कमांडेंट, 176 बटालियन बीएसएफ, बीएसएफ, 181101
416. श्री भूपिंद्र विकास, उप कमांडेंट, 89 बटालियन बीएसएफ, बीएसएफ, 181201
417. श्री रासबिहारी दत्ता, उप कमांडेंट, 153 बटालियन बीएसएफ, बीएसएफ, 741235
418. श्री नागेश्वर सिंह ढाका, उप कमांडेंट, एफएचक्यू, बीएसएफ नई दिल्ली, बीएसएफ, 110003
419. श्री बृजेन्द्र सिंह परिहार, उप कमांडेंट, 156 बटालियन बीएसएफ, बीएसएफ, 335051
420. श्री अखिल चंद्र मंडल उप कमांडेंट, 07 बटालियन बीएसएफ, बीएसएफ, 788712
421. श्री राम भज, सहायक कमांडेंट, 25 बटालियन बीएसएफ, बटालियन, 110071
422. श्री बगतावर सिंह, निरीक्षक (जीडी), सीएसडब्ल्यूटी बीएसएफ, इंदौर, बीएसएफ, 452005
423. श्री अशोक कुमार निरीक्षक (जीडी), एसएचक्यू बीएसएफ, सुंदरबानी, बीएसएफ, 185153
424. श्री बलकार सिंह, निरीक्षक (जीडी), 69 बटालियन, बीएसएफ, बीएसएफ, 303805
425. श्री कपिल कुमार सिंह, निरीक्षक (जीडी), 25 बटालियन बीएसएफ, बीएसएफ, 110071
426. श्री जोगिंदर सिंह, निरीक्षक (जीडी), 117 बटालियन बीएसएफ, बीएसएफ, 125011
427. श्री सुनील कुमार, निरीक्षक (जीडी), 137 बटालियन बीएसएफ, बीएसएफ, 185102
428. श्री जय सिंह वर्मा, निरीक्षक (जीडी), 173 बटालियन बीएसएफ, बीएसएफ, 184121

429. श्री हरीबा सूर्याकांत धडके, निरीक्षक (जीडी), 26 बटालियन बीएसएफ, बीएसएफ, 794001
430. श्री केशव प्रसाद सिंह, निरीक्षक (जीडी), 169 बटालियन बीएसएफ, बीएसएफ, 152123
431. श्री इंद्रपाल सिंह कुशवाह, निरीक्षक (जीडी), 18 बटालियन बीएसएफ, बीएसएफ, 345002
432. श्री सुरेश कुमार, निरीक्षक (मिनिस्ट्रियल), एफएचक्यू बीएसएफ नई दिल्ली, बीएसएफ, 110003
433. श्री शम्भू नाथ हलदर, निरीक्षक (संचार), एसएचक्यू बीएसएफ, कोलकाता, बीएसएफ, 700035
434. श्री टी मदन मोहन रेड्डी, निरीक्षक (बीजलेख), एफटीआर मुख्यालय, बीएसएफ, एमएंडसी, बीएसएफ, 788025
435. श्री गजेंद्र सिंह सेंगर, उप निरीक्षक (जीडी), 127 बटालियन बीएसएफ, बीएसएफ, 181124
436. श्री खूमन सिंह, उप निरीक्षक (जीडी), एसटीसी बीएसएफ, जोधपुर, बीएसएफ, 342026
437. श्री हरजीत सिंह, उप निरीक्षक (जीडी), 26 बटालियन बीएसएफ, बीएसएफ, 794001
438. श्री विरेंद्र सिंह, उप निरीक्षक (जीडी), 93 बटालियन बीएसएफ, बीएसएफ, 797001
439. श्री भगवान सिंह शेखावत, उप निरीक्षक जीडी, 55 बटालियन बीएसएफ, बीएसएफ, 799260
440. श्री किशोर लाल, उप निरीक्षक (जीडी), 28 बटालियन बीएसएफ, बीएसएफ, 733130
441. श्री राम अवतार, उप निरीक्षक (जीडी), 78 बटालियन बीएसएफ, बीएसएफ, 181101
442. श्री राम राज, सहायक उप निरीक्षक (जीडी), 153 बटालियन बीएसएफ, बीएसएफ, 741235
443. श्री जहर देबनाथ, हेड कांस्टेबल (अपहोल्सटर), एसएचक्यू बीएसएफ, जम्मू, बीएसएफ, 181124
444. श्री रियाज अहमद, हेड कांस्टेबल जीडी, 28 बटालियन बीएसएफ, बीएसएफ, 733130
445. श्री सर्वश्रेष्ठ अम्बष्ठ, उप महानिरीक्षक, सीआईएसएफ यूनिट बीएसएल बोकारो, सीआईएसएफ, 827001
446. श्री प्रदीप कुमार भारती, वरिष्ठ कमांडेंट, सीआईएसएफ यूनिट नालको दमनजोड़ी, सीआईएसएफ, 763008
447. श्री सुधु भगत, वरिष्ठ कमांडेंट, सीआईएसएफ यूनिट पीटीपीएस पतरातू, सीआईएसएफ, 829119
448. श्री शंकर मांझी, कमांडेंट, सीआईएसएफ, यूनिट दमेल दिल्ली, सीआईएसएफ, 110077
449. श्री भूपेन्द्र सिंह, उप कमांडेंट, सीआईएसएफ यूनिट आईपीजीसीएल दिल्ली, सीआईएसएफ, 110002
450. श्री ओमबीर सिंह, उप कमांडेंट, सीआईएसएफ यूनिट सीजीबीएस दिल्ली, सीआईएसएफ, 110011
451. श्री रविन्द्र सिंह, सहायक कमांडेंट/कार्यकारी, सीआईएसएफ आरटीसी बरवाहा, सीआईएसएफ, 451115
452. श्री निरंजन सिंह रावत, सहायक कमांडेंट/कार्यकारी, सीआईएसएफ केआरटीसी, मुंडाली, सीआईएसएफ, 754013
453. श्री अजीत सिंह समयाल, सहायक कमांडेंट/कार्यकारी, सीआईएसएफ यूनिट सीजीबीएस, दिल्ली, सीआईएसएफ, 110011
454. श्री दामोदर विशालम राजाराम, सहायक कमांडेंट/कार्यकारी लोकल रैंक, सीआईएसएफ यूनिट एपीईपी आलवेय, सीआईएसएफ, 683112
455. श्री मुख्तार अहमद, सहायक उप निरीक्षक/कार्यकारी, सीआईएसएफ यूनिट सीसीएल कारगली, सीआईएसएफ, 825102
456. श्री बाबू लाल शर्मा, सहायक उप निरीक्षक/कार्यकारी, सीआईएसएफ यूनिट डब्ल्यूसीएल छिंदवाड़ा, सीआईएसएफ, 480441
457. श्री कालू राम, सहायक उप निरीक्षक/कार्यकारी, सीआईएसएफ यूनिट सीजीबीएस दिल्ली, सीआईएसएफ, 110011
458. श्री हारू सैन, सहायक उप निरीक्षक/कार्यकारी, सीआईएसएफ यूनिट ओआईएल धुलियान, सीआईएसएफ, 786602
459. श्री एस आनंदन, सहायक उप निरीक्षक/कार्यकारी, सीआईएसएफ आरटीसी अरोक्कोनम, सीआईएसएफ, 631152
460. श्री सी विक्रमन, सहायक उप निरीक्षक/कार्यकारी, सीआईएसएफ यूनिट आईपीआरसी, महेंद्रगिरी, सीआईएसएफ, 627133

461. श्री आर मुरलीधरन नायर, सहायक उप निरीक्षक/कार्यकारी, सीआईएसएफ यूनिट एयरपोर्ट कोचीन, सीआईएसएफ, 683133
462. श्री अमृत एक्का, सहायक उप निरीक्षक/कार्यकारी, सीआईएसएफ यूनिट बीएसपी, भिलाई, सीआईएसएफ, 490001
463. श्री दुर्गा प्रसाद मेहरा, सहायक उप निरीक्षक/कार्यकारी, सीआईएसएफ यूनिट भेल, भोपाल, सीआईएसएफ, 462002
464. श्री के राधाकृष्णन नायर, सहायक उप निरीक्षक/कार्यकारी, सीआईएसएफ यूनिट बीपीसीएल, कोच्चि, सीआईएसएफ, 682302
465. श्री एम श्रीधरन पिल्लई, सहायक उप निरीक्षक/कार्यकारी, सीआईएसएफ यूनिट आईपीआरसी महेंद्रगिरी, सीआईएसएफ, 627133
466. श्री शशिधरन के के, सहायक उप निरीक्षक/कार्यकारी, सीआईएसएफ यूनिट सीएसवाई, कोचीन, सीआईएसएफ, 682015
467. श्री आर सिद्धार्थन, सहायक उप निरीक्षक/कार्यकारी, सीआईएसएफ यूनिट एनएलसी, नेवेली, सीआईएसएफ, 607801
468. श्री हरी भाई मोरी, प्रधान आरक्षक/जीडी, सीआईएसएफ यूनिट ओएनजीसी, अहमदाबाद, सीआईएसएफ, 380005
469. श्री चित्त रंजन महापात्रा, कमांडेंट, आसूचना ब्यूरो, 35 एसपी मार्ग, नई दिल्ली, सीआरपीएफ, 110021
470. श्री हरजिंदर सिंह घुमन, कमांडेंट, 67 बटालियन, सीआरपीएफ, शिलोंग (मेघालय), सीआरपीएफ, 793001
471. श्री मेघ राज, कमांडेंट, 1 सिगनल बटालियन, सीआरपीएफ, नई दिल्ली, सीआरपीएफ, 110072
472. श्री राजेश पाण्डे, कमांडेंट, 156 बटालियन, सीआरपीएफ, चिरांग (असम), 783385
473. श्री रघुवंश कुमार, कमांडेंट, 123 बटालियन, सीआरपीएफ, बालाघाट (एमपी), सीआरपीएफ, 481102
474. श्री अमीत कुमार सिंह, कमांडेंट, 2 सिग्नल बटालियन, सीआरपीएफ, हैदराबाद (तेलंगाना), सीआरपीएफ, 500005
475. श्री सुरेश एस, कमांडेंट, कश्मीर ओपीएस सेक्टर, सीआरपीएफ, श्रीनगर (जम्मू एवं कश्मीर), सीआरपीएफ, 191101
476. श्री नरवीर सिंह, कमांडेंट, 220 बटालियन, सीआरपीएफ, रोहतक (एचआर), सीआरपीएफ, 124010
477. श्री कमलेश सिंह, कमांडेंट, 79 बटालियन, सीआरपीएफ, श्रीनगर (जम्मू एवं कश्मीर), सीआरपीएफ, 190001
478. श्री राजेन्द्र सिंह शेखावत, कमांडेंट, 02 बटालियन, सीआरपीएफ, सुकमा (सीजी), सीआरपीएफ, 494111
479. श्री बी जयकृष्णन, कमांडेंट 105 आरएफ, सीआरपीएफ, कोयम्बटूर, सीआरपीएफ, 641111
480. श्री एस एस एच रिजवी, कमांडेंट, 233(एम) बटालियन, सीआरपीएफ, एटी जीसी, लखनऊ, सीआरपीएफ, 226008
481. श्री नरेश कुमार शर्मा, कमांडेंट, एनएसजी, नई दिल्ली, सीआरपीएफ, 110037
482. श्री रविन्दर सिंह, द्वितीय कमान अधिकारी, 67 बटालियन, सीआरपीएफ, शिलोंग (मेघालय), सीआरपीएफ, 793001
483. श्री सतपाल, द्वितीय कमान अधिकारी, 163 बटालियन, सीआरपीएफ, अनंतनाग (जम्मू एवं कश्मीर), सीआरपीएफ, 192212
484. श्री जुगल किशोर जोशी, द्वितीय कमान अधिकारी, 52 बटालियन, सीआरपीएफ, किस्तवार (जम्मू एवं कश्मीर), सीआरपीएफ, 182204
485. श्री मनोज कुमार, द्वितीय कमान अधिकारी, 82 बटालियन, सीआरपीएफ, श्रीनगर (जम्मू एवं कश्मीर), सीआरपीएफ, 190001
486. श्री संजय गौतम, द्वितीय कमान अधिकारी, 112 बटालियन, डालटनगंज, पलामु (झारखंड), सीआरपीएफ, 822102
487. श्री अशोक कुमार यादव, द्वितीय कमान अधिकारी, 112 बटालियन, सीआरपीएफ, नई दिल्ली, सीआरपीएफ, 110074
488. श्री ललन कुमार पाण्डेय, उप कमांडेंट, जीसी सीआरपीएफ, नई दिल्ली, सीआरपीएफ, 110072
489. श्री अरविंद कुमार सिंह, उप कमांडेंट, 103 आरएफ, वजीराबाद, दिल्ली, सीआरपीएफ, 110090

490. श्री राजेश तिवारी, उप कमांडेंट, 224 बटालियन, सीआरपीएफ, जीसी कैंपस, इलाहाबाद (यूपी), सीआरपीएफ, 211013
491. श्री मोहम्मद इस्माईल अंसारी, निरीक्षक, 99 बटालियन आरएफ, सिकंदराबाद, रंगारेड्डी (टी.एस), सीआरपीएफ, 500078
492. श्री हेखम ईनाव सिंह, निरीक्षक, 86 बटालियन सीआरपीएफ, इम्फाल, सीआरपीएफ, 795004
493. श्री ओम सिंह, निरीक्षक, 133 बटालियन, सीआरपीएफ रांची (झारखंड), सीआरपीएफ, 834004
494. श्री अंजनी कुमार, निरीक्षक, 155 बटालियन, सीआरपीएफ, बोकाजन (असम), सीआरपीएफ, 782480
495. श्री रामजी लाल सेमर, निरीक्षक, सीटीसी, सीआरपीएफ, ग्वालियर, सीआरपीएफ, 475330
496. श्री रामखिलाड़ी जाट, निरीक्षक, 61 बटालियन, शिवपुरा, श्रीनगर (जम्मू एवं कश्मीर), सीआरपीएफ, 190004
497. श्री ताराचंद, निरीक्षक, 112 बटालियन, सीआरपीएफ, डालटनगंज, पलामू (झारखंड), सीआरपीएफ, 822102
498. श्री राजेन्दर सिंह, निरीक्षक, 84 बटालियन, सीआरपीएफ, छठा, जम्मू, सीआरपीएफ, 180009
499. श्री देवेंद्र सिंह, निरीक्षक, जीसी सीआरपीएफ ग्रेटर नोएडा, सीआरपीएफ, 201306
500. श्री जितेंद्र प्रसाद सिंह, निरीक्षक, 189 बटालियन, सीआरपीएफ, बालनगिर, ओडिशा, सीआरपीएफ, 767002
501. श्री लछम सिंह बिष्ट, निरीक्षक (जीडी), 110 बटालियन, सीआरपीएफ, लेथपोरा (जम्मू एवं कश्मीर), सीआरपीएफ, 190001
502. श्री गिरधारी लाल, सुबेदार मेजर (जीडी), जीसी सीआरपीएफ, नई दिल्ली, सीआरपीएफ, 110072
503. श्री जगदीश प्रसाद मिश्रा, निरीक्षक (जीडी), 92 बटालियन सीआरपीएफ वदूरा, सोपोर (जम्मू एवं कश्मीर), सीआरपीएफ, 193201
504. श्री पुधूकोडे वेंकटाचलम सुंदरम, निरीक्षक, 141 बटालियन, सीआरपीएफ, भद्राचलम, (तेलंगाना), सीआरपीएफ, 507111
505. श्री एम ए ननैया, निरीक्षक, 113 बटालियन, सीआरपीएफ, गढ़चिरौली, महाराष्ट्र, सीआरपीएफ, 442606
506. श्री सुरजीत सिंह, निरीक्षक, 69 बटालियन, सीआरपीएफ, इम्फाल (मणिपुर), सीआरपीएफ, 795002
507. श्री बृजराज सिंह, निरीक्षक (जीडी), 124 बटालियन, सीआरपीएफ, सालबागान, अगरतला, त्रिपुरा, सीआरपीएफ, 799012
508. श्री मोदलावलसा पोलू नायडू, निरीक्षक, 39 बटालियन, सीआरपीएफ, साई आश्रय अपार्टमेंट, गननावरम, कृष्णा, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश, सीआरपीएफ, 521101
509. श्री श्रीनिवास सिंह, उप निरीक्षक, 218 बटालियन सीआरपीएफ, गुमला (झारखंड), सीआरपीएफ, 835207
510. श्री बिजय शंकर मिश्रा, उप निरीक्षक, 10 बटालियन, सीआरपीएफ, पीओ+पीएस-होवली, बारपेटा, असम, सीआरपीएफ, 781316
511. श्री बाली मोहम्मद, उप निरीक्षक, 52 बटालियन, सीआरपीएफ, किशतवार (जम्मू एवं कश्मीर), सीआरपीएफ, 182204
512. श्री कविराज, उप निरीक्षक, 61 बटालियन, सीआरपीएफ, शिवपोरा, श्रीनगर (जम्मू एवं कश्मीर), सीआरपीएफ, 190004
513. श्री दया नंद, उप निरीक्षक, जीसी, सीआरपीएफ, रामबाग, श्रीनगर (जम्मू एवं कश्मीर), सीआरपीएफ, 190015
514. श्री अनुज कुमार पाण्डेय, उप निरीक्षक, जीसी, सीआरपीएफ, ग्वालियर (मध्य प्रदेश), सीआरपीएफ, 474001
515. श्री नरेश कुमार, उप निरीक्षक, 24 बटालियन, सीआरपीएफ, कुलगाम (जम्मू एवं कश्मीर) सीआरपीएफ, 934024
516. श्री जयलाल, उप निरीक्षक, 86 बटालियन, सीआरपीएफ, लामफेलपट, इम्फाल, सीआरपीएफ, सीआरपीएफ, 795004
517. श्री अमृत बहादुर खडका, उप निरीक्षक, 20 बटालियन, सीआरपीएफ, दिफु, (असम), सीआरपीएफ, 782460
518. श्री राज कुमार, उप निरीक्षक (जीडी), जीसी सीआरपीएफ, नई दिल्ली, सीआरपीएफ, 110072
519. श्री कुमोद कुमार, उप निरीक्षक, आरटीसी, सीआरपीएफ, राजगीर, सीआरपीएफ, 803116

520. श्री केवल कृष्ण, उप निरीक्षक, 137 बटालियन, सीआरपीएफ, ऊधमपुर (जम्मू एवं कश्मीर), सीआरपीएफ, 182101
521. श्री राज कुमार सिंह, उप निरीक्षक, 31 बटालियन, सीआरपीएफ, मयूर विहार, नई दिल्ली, सीआरपीएफ, 110096
522. श्री कोरबान अली, उप निरीक्षक, डीआईजीपी का कार्यालय, एसकेओआर, अवंतिपोरा (जम्मू एवं कश्मीर), सीआरपीएफ, 192122
523. श्री राजू लक्ष्मण वेरूलकर, सहायक उप निरीक्षक, 221 बटालियन सीआरपीएफ, जीसी कैपस, ग्रेटर नोएडा (यूपी) सीआरपीएफ, 410208
524. श्री सर्वजीत सिंह, हेड कांस्टेबल, 121 बटालियन सीआरपीएफ, हीरानगर (जम्मू एवं कश्मीर), सीआरपीएफ, 184142
525. श्री भक्त चरण पुटेल, कांस्टेबल, 189 बटालियन, सीआरपीएफ, बालानगिर, ओडिशा, सीआरपीएफ, 767002
526. श्री कुँवर पाल सिंह, उप महानिरीक्षक, पूर्वोत्तर सीमांत, आईटीबीपी, सीमाद्वार, देहरादून (उत्तराखंड), आईटीबीपी, 248146
527. श्री राम मेहर सिंह, उप महानिरीक्षक, पूर्वोत्तर सीमांत, आईटीबीपी, पोस्ट ऑफिस एयर फोर्स स्टेशन, चंडीगढ़ (यूटी), आईटीबीपी, 160003
528. श्री छोटा राम जाट, सेनानी, एसडब्ल्यूटी स्कूल, करेरा, आईटीबीपी जिला शिवपुरी, एमपी, आईटीबीपी, 473662
529. श्री आनंद सिंह यर्सौ, सेनानी, सेक्टर मुख्यालय (दिल्ली) आईटीबीपी तिगड़ी कैप, नई दिल्ली, आईटीबीपी, 110062
530. श्री मुकेश कुमार सर्राफ, सेनानी, एसएस बटालियन, आईटीबीपी पोस्ट ऑफिस, नत्थूपुर, जिला सोनीपत (हरियाणा), आईटीबीपी, 131029
531. श्री अवनिन्द्र कुमार राय, अपर जज अटार्नी जनरल/कमांडेंट, महानिदेशालय, आईटीबीपी, ब्लॉक 2 सीजीओ कॉम्प्लैक्स लोधी रोड नई दिल्ली, आईटीबीपी, 110003
532. श्री रणबीर सिंह नेगी, द्वितीय कमान, पूर्वोत्तर सीमांत, आईटीबीपी ईटानगर (अरुणाचल प्रदेश), आईटीबीपी, 791111
533. श्री उमंग खत्री, उप सेनानी, एसएचक्यू (देहरादून), आईटीबीपी सीमाद्वार, देहरादून (उत्तराखंड), आईटीबीपी, 248146
534. श्री लाल सिंह, सहायक सेनानी, 34 बटालियन आईटीबीपी पीओ लालकुआं, जिला नैनीताल (उत्तराखंड), आईटीबीपी, 262402
535. श्री गिरीश चंद्र पाटनी, सहायक सेनानी, महानिदेशालय आईटीबीपी सीजीओ कॉम्प्लैक्स लोधी रोड नई दिल्ली, आईटीबीपी, 110003
536. श्री रणवीर सिंह, निरीक्षक, 28 बटालियन आईटीबीपी, जाटूसाना, जिला रेवाड़ी हरियाणा आईटीबीपी, 123401
537. श्री नंद किशोर सती, निरीक्षक, 8 बटालियन आईटीबीपी गौचर, जिला चमौली (उत्तराखंड), आईटीबीपी, 243429
538. श्री कुंवर पाल, कांस्टेबल, 3 बटालियन आईटीबीपी बुखारा कैप, जिला बरेली (उत्तर प्रदेश), आईटीबीपी, 243001
539. श्री अशांगबेम मितेईगाम्बा मितेई, टीम कमांडर (जीडी), 11 एसआरजी, एनएसजी, मानेसर, गुरुग्राम, हरियाणा एनएसजी, 122051
540. श्री सचिन मित्तल, सेकंड इन कमांड, 13 एसआरजी, एनएसजी, मानेसर, गुरुग्राम, हरियाणा एनएसजी, 122051
541. श्री हिमांशु पांडे, स्क्वाड्रन कमांडर, मुख्यालय एनएसजी, मेहराम नगर, पालम, नई दिल्ली, एनएसजी, 110037
542. श्री नीलम कुमार, रैंजर-1 (जीडी), 13 एसआरजी, एनएसजी, मानेसर, गुरुग्राम, हरियाणा एनएसजी, 122051
543. श्री रंजीत सिंह, उप महानिरीक्षक (सामान्य), एसएचक्यू गोरखपुर (सेक्टर गोरखपुर) एफसीआई कैपस पीओ फर्टिलाइजर फैक्ट्री बारगेदवा गोरखपुर (यूपी), एसएसबी, 273007
544. श्री उपेंद्र प्रकाश बलोदी, उप महानिरीक्षक (सामान्य), सीटीसी श्रीनगर (सीटीसी श्रीनगर), श्रीनगर (गढ़वाल), एसएसबी, 246274

545. श्री हेमाम बसंत कुमार सिंह, सेनानायक (सामान्य), सेना मुख्यालय (सेना मुख्यालय), पूर्वी ब्लॉक V, आर के पुरम, नई दिल्ली, एसएसबी, 110066
546. श्री अशोक कुमार ठाकुर, सेनानायक (सामान्य), 33 बटालियन (केवती) केवती छत्तीसगढ़, एसएसबी, 494669
547. श्री स्वर्णजीत शर्मा, द्वितीय कमान अधिकारी (सामान्य), एसएचक्यू अलवर (भिलाई, छत्तीसगढ़ में) (भिलाई) अलवर (राजस्थान), एसएसबी, 490006
548. श्री बृज पाल सिंह नेगी, द्वितीय कमान अधिकारी, एफटीआर मुख्यालय, रानीखेत, एसएसबी सेवापुरा, गंजडकोली, रानीखेत जिला-अलमोड़ा (उत्तराखंड), एसएसबी, 263645
549. श्री मोती लाल, सहायक सेनानायक (सामान्य), 10 बटालियन (श्रीनगर (जम्मू एवं कश्मीर)) टैटू ग्राउंड, बटमालू, श्रीनगर, जम्मू एवं कश्मीर, एसएसबी, 190010
550. श्री शिव सिंह, निरीक्षक (जीडी), डीटीसी अलवर (डॉग ट्रेनिंग सेंटर अलवर), डॉग ट्रेनिंग सेंटर अलवर, एसएसबी, 301409
551. श्री रमेश कुमार, निरीक्षक (मन्त्रालयिक), सीआई एंड जेडब्ल्यू ग्वालदम (ग्वालदम एकेडमी) एफटीआर एकेडमी ग्वालदम, पीओ ग्वालदम, जिला-चमौली (यूके), एसएसबी, 246441
552. श्री स्टेनजिन टोल्डन, सहायक निरीक्षक (जीडी), 02 बटालियन (पठान) पठान, श्रीनगर, जम्मू एवं कश्मीर, एसएसबी, 193121
553. श्री सत पाल, सहायक उप निरीक्षक (सामान्य), एसएचक्यू अलवर (भिलाई, छत्तीसगढ़ में) (भिलाई) अलवर (राजस्थान), एसएसबी, 490006
554. डॉ. मचिंद्रा रामचंद्रा कडोले, पुलिस अधीक्षक, सीबीआई एससी-II, नई दिल्ली (कैंप मुम्बई), सीबीआई, 110003
555. श्री मनोज बनर्जी, उप पुलिस अधीक्षक, सीबीआई एसयू, कोलकाता, सीबीआई, 700020
556. श्री राजन कुमार झा, उप पुलिस अधीक्षक, सीबीआई विशेष कार्य बल, नई दिल्ली, सीबीआई, 110003
557. श्री तेज पाल सिंह, उप पुलिस अधीक्षक, सीबीआई ईओ-III, नई दिल्ली, सीबीआई, 110003
558. श्री आर के शिवण्णा, उप पुलिस अधीक्षक, सीबीआई एससीबी, गुवाहाटी, सीबीआई, 781035
559. श्रीमती गिन्नी राना, उप पुलिस अधीक्षक, सीबीआई सतर्कता सेल, नई दिल्ली, सीबीआई, 110003
560. श्री जोसेफ क्रेलो, उप पुलिस अधीक्षक, सीबीआई एससीबी, नई दिल्ली, सीबीआई, 110003
561. श्री संजय कुमार सामल, पुलिस निरीक्षक, सीबीआई ईओ-VII भुवनेश्वर, सीबीआई, 751012
562. श्री अक्षय कुमार नंद, पुलिस निरीक्षक, सीबीआई एससीबी छत्तीसगढ़, रायपुर, सीबीआई, 492005
563. श्री यासीर अराफात, पुलिस निरीक्षक, सीबीआई ओसी-II, नई दिल्ली, सीबीआई, 110003
564. श्री जुगल किशोर जोशी, पुलिस निरीक्षक, सीबीआई ईओ-III, नई दिल्ली, सीबीआई, 110003
565. श्री सुनील कुमार, उप निरीक्षक, सीबीआई एससी-VI/एसआईटी, नई दिल्ली, सीबीआई, 110003
566. श्री राजीव कुमार, उप निरीक्षक, सीबीआई अकादमी, गाजियाबाद, सीबीआई, 201002
567. श्री अतर सिंह, सहायक उप निरीक्षक, सीबीआई ईओ-I नई दिल्ली, सीबीआई, 110003
568. श्री भूपेन्द्र सिंह, सहायक उप निरीक्षक, सीबीआई एससीबी, गुवाहाटी, सीबीआई, 781035
569. श्री रामू गोल्ला, हेड कांस्टेबल, सीबीआई एससीबी, विशाखापटनम, सीबीआई, 530017
570. श्री रजिन्दर सिंह, हेड कांस्टेबल, एसटीएफ नई दिल्ली, सीबीआई, 110003
571. श्री ई वेलू कांस्टेबल, सीबीआई एससीबी चेन्नई, सीबीआई, 600090
572. श्री श्री ओम, कांस्टेबल, सीबीआई हेड ऑफिस, नई दिल्ली, सीबीआई, 110003

573. श्री कृष्ण कुमार सिंह, कांस्टेबल, सीबीआई ईओ-III, नई दिल्ली, सीबीआई, 110003
574. श्री के सी बेनेडिक्ट, कांस्टेबल, नीति प्रभाग, नई दिल्ली, सीबीआई, 110003
575. श्री मनीश शर्मा, अपराध सहायक, इंटरपोल प्रभाग, नई दिल्ली, सीबीआई, 110003
576. श्री एस अनंतरमण, संयुक्त उप निदेशक/एनपी, आईबी मुख्यालय, नई दिल्ली, गृह मंत्रालय, 110021
577. श्री चेतन आनंद, सहायक निदेशक/कार्यकारी, एसआईबी श्रीनगर, गृह मंत्रालय, 190001
578. श्री दिनेश चंद रमोला, सहायक निदेशक/कार्यकारी, एसआईबी, देहरादून, गृह मंत्रालय, 248001
579. श्री अखिल सक्सेना, सहायक निदेशक/कार्यकारी, डब्ल्यूजेडआरटीसी जोधपुर, गृह मंत्रालय, 342006
580. श्री इगुल्मिथांग लांगेल, सहायक निदेशक/एनपी, आईबी मुख्यालय, नई दिल्ली, गृह मंत्रालय, 110021
581. सुश्री एस गायत्री, सहायक निदेशक स्टाफ ऑफिसर, आईबी मुख्यालय, नई दिल्ली, गृह मंत्रालय, 110021
582. श्री शाम सुंदर मारुति, उप केंद्रीय आसूचना अधिकारी, एसआईबी हैदराबाद, गृह मंत्रालय, 500095
583. श्री राजेश कुमार, उप केंद्रीय आसूचना अधिकारी, एसआईबी पटना, गृह मंत्रालय, 800001
584. सुश्री तुलिका पेगु, उप केंद्रीय आसूचना अधिकारी, बीओआई गुवाहाटी, गृह मंत्रालय, 781015
585. श्री मनोहर लाल पनवर, उप केंद्रीय आसूचना अधिकारी, आईबी मुख्यालय नई दिल्ली, गृह मंत्रालय, 110021
586. श्री विकाश जैन, उप केंद्रीय आसूचना अधिकारी, एसआईबी जयपुर, गृह मंत्रालय, 302004
587. श्री इरफान अहमद, उप केंद्रीय आसूचना अधिकारी, एसआईबी रांची, गृह मंत्रालय, 834008
588. श्री फ्रांसिस जोसफ, सहायक निदेशक/तकनीकी, एसआईबी चेन्नई, गृह मंत्रालय, 600004
589. श्री कमलेश कुमार कंठ, अनुभाग अधिकारी, एसआईबी कोहिमा, गृह मंत्रालय, 797001
590. श्री लक्ष्मण परसराम चावला, निजी सचिव, एसआईबी मुम्बई, गृह मंत्रालय, 400051
591. श्री भरत भूषण, निजी सचिव, आईबी मुख्यालय, नई दिल्ली, गृह मंत्रालय, 110021
592. श्री सुजित श्रीधरन पिल्लै, सहायक केंद्रीय आसूचना अधिकारी-1/कार्यकारी, एसआईबी, त्रिवेंद्रम, गृह मंत्रालय, 695014
593. श्री नरेंद्र कुमार गिरि, सहायक केंद्रीय आसूचना अधिकारी-1/कार्यकारी, एसआईबी मेरठ, गृह मंत्रालय, 250001
594. श्री अजय कुमार शर्मा, सहायक केंद्रीय आसूचना अधिकारी-1/कार्यकारी, एसआईबी दिल्ली, गृह मंत्रालय, 110011
595. श्री बलराम राय देसोर, सहायक केंद्रीय आसूचना अधिकारी-1/कार्यकारी, आईबी मुख्यालय, नई दिल्ली, गृह मंत्रालय, 110021
596. श्री आर सी लालरामथंगा, सहायक केंद्रीय आसूचना अधिकारी-1/ कार्यकारी, एसआईबी आईजोल, गृह मंत्रालय, 796001
597. श्री संत बालक, सहायक केंद्रीय आसूचना अधिकारी-1/तकनीकी, आईबी मुख्यालय नई दिल्ली, गृह मंत्रालय, 110021
598. श्री नारायण सिंह वर्मा, सहायक अनुभाग अधिकारी, आईटीबीएफ लेह, गृह मंत्रालय, 194101
599. श्री विकास ज्योति, वरिष्ठ सचिवालय सहायक, आईबी मुख्यालय नई दिल्ली, गृह मंत्रालय, 110021
600. श्री रघुवंश सिंह, कनिष्ठ आसूचना अधिकारी-1/कार्यकारी, एसआईबी पटना, गृह मंत्रालय, 800001
601. श्री राजेश सहगल, सहायक निदेशक/कार्यकारी, आईबी मुख्यालय, नई दिल्ली, गृह मंत्रालय, 110021
602. श्री सोमित्र राय, सहायक महानिरीक्षक, एसपीजी मुख्यालय, नई दिल्ली, एसपीजी, 110077
603. श्री विमुक्त रंजन, सहायक महानिरीक्षक, एसपीजी मुख्यालय, नई दिल्ली, एसपीजी, 110077
604. श्री लक्ष्मण सिंह, वरिष्ठ सुरक्षा सहायक, एसपीजी मुख्यालय, नई दिल्ली, एसपीजी, 110077

605. श्री सुशील कुमार तँवर, कनिष्ठ स्टाफ अधिकारी, नई दिल्ली, एनसीआरबी, 110037
606. श्री शिवाजी त्रिपाठी, उप अधीक्षक (फिंगर प्रिंट), नई दिल्ली, एनसीआरबी, 110037
607. श्री नरेंद्र सिंह जांगिड, निरीक्षक, नई दिल्ली राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण, 110003
608. श्री अनिल कुमार दुबे, उप पुलिस अधीक्षक, मुम्बई, राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण, 400026
609. श्री बालप्पा एन, हेड कांस्टेबल (ड्राईवर), एसवीपी राष्ट्रीय पुलिस अकादमी, हैदराबाद, एसवीपी एनपीए, 500052
610. श्री सुभाष देब, कांस्टेबल (सामान्य ड्यूटी), उमसाव रिभोई जिला मेघालय, उत्तर पूर्वीय पुलिस अकादमी, 793123
611. श्री जाहिद खान, कमांडेंट, 10 बटालियन, एनडीआरएफ, गुंटूर, आंध्र प्रदेश, एनडीआरएफ, 522510
612. श्री राजेश नेगी, द्वितीय कमान अधिकारी, मुख्यालय डीजी एनडीआरएफ एनडीसीसी-II भवन, जय सिंह रोड, नई दिल्ली, एनडीआरएफ, 110001
613. श्री मोहम्मद इब्राहिम अब्दुल गनी, उप कमांडेंट, 04 बटालियन एनडीआरएफ अरोक्कोनम टीएन, एनडीआरएफ, 631152
614. श्री कुलबीर सिंह, हेड कांस्टेबल एआरएमआर, 02 बटालियन एनडीआरएफ कोलकाता पश्चिम बंगाल, एनडीआरएफ, 741246
615. श्री इंद्र पाल सिंह, निरीक्षक, एनएचआरसी नई दिल्ली, एनएचआरसी, 110023
616. श्री जितेंद्र कुमार, विमानन सुरक्षा सहायक, नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो, 'क' विंग, I-III तल, जनपथ भवन, जनपथ, नई दिल्ली, नागरिक उड्डयन मंत्रालय 110001
617. श्री कमलेश प्रसाद, उप निरीक्षक (अनुसचिविय), सीमा सुरक्षा बल, गृह मंत्रालय, नई दिल्ली, 110001
618. श्री टी ए रामचंद्रन, सहायक सुरक्षा आयुक्त, बेलापुर, नवी मुम्बई, रेल मंत्रालय, 400614
619. श्री कृष्ण मुराली थोटा, सहायक सुरक्षा आयुक्त, काजीपेट सिकंदराबाद, रेल मंत्रालय, 506003
620. श्री संजय कुमार स्वाई, सहायक सुरक्षा आयुक्त आरपीएफ, बिलासपुर, रेल मंत्रालय, 495004
621. श्री ओमप्रकाश यादव, हेड कांस्टेबल, मुम्बई, रेल मंत्रालय, 400020
622. श्री बसवराज दामोदर गर्ग, उप निरीक्षक, शिवाजी नगर, पुणे, रेल मंत्रालय, 411005
623. श्री अशोक कुमार कहार, उप निरीक्षक, भुसावल, रेल मंत्रालय, 425201
624. श्री भगवान भाऊसिंह राणे, एसआई ड्राईवर, नागपुर, रेल मंत्रालय, 440001
625. श्री राजेश कुमार त्रिपाठी, हेड कांस्टेबल, मुम्बई, रेल मंत्रालय, 400001
626. श्री चंदन सिंह, एसआई, भोपाल, रेल मंत्रालय, 462024
627. श्री बिनोद कुमार शुक्ला, उप निरीक्षक, हैदराबाद, रेल मंत्रालय, 500040
628. श्री सुखदेव घोष, उप निरीक्षक आरपीएफ, बिलासपुर, रेल मंत्रालय, 495004
629. श्री विराना अंचूरी, निरीक्षक आरपीएफ, काजीपेट, रेल मंत्रालय, 506003
630. श्री राजेश कुमार विश्वकर्मा, एसआई, बीएमवाई, रेल मंत्रालय, 490025
631. श्री रमेश कुमार बोरकर, हेड कांस्टेबल, गोडिया, रेल मंत्रालय, 441601
632. श्री दत्तात्रेय विश्वनाथ गोडलोल्, हेड कांस्टेबल, सोलापुर, रेल मंत्रालय, 413001

2. ये पुरस्कार, सराहनीय सेवा के लिए पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाले नियमों के नियम 4(ii) के तहत प्रदान किए जाते हैं।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

दिनांक 10 अप्रैल 2019

सं. 44-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, छत्तीसगढ़ पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार/वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

- | | |
|---|---|
| 01. आई.के. एलिसेला, आईपीएस
अपर पुलिस अधीक्षक | (वीरता के लिए पुलिस पदक) |
| 02. अब्दुल समीर खान
निरीक्षक | (वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार) |
| 03. हनीफ खान
सहायक उप-निरीक्षक | (वीरता के लिए पुलिस पदक) |

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

बीजापुर-महाराष्ट्र सीमा के गांवों में सीपीआई (माओवादी) कांडों की मौजूदगी के संबंध में विश्वसनीय आसूचना इनपुट के आधार पर, श्री आई.के. एलिसेला, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन), जिला बीजापुर द्वारा एक अंतरराज्यीय संयुक्त अभियान तैयार किया गया था जिसमें बीजापुर पुलिस तथा गडचौरीली पुलिस को शामिल किया गया। श्री आई.के. एलिसेला की समग्र कमांड के तहत संयुक्त अभियान टीम को निरीक्षक अब्दुल समीर, उप-निरीक्षक देवेंद्र दारो, खोमन सिंह, हर्षद काले, सीतल दियोजेद, माल्लया तथा सहायक उप-निरीक्षकों हनीफ खान, संतोष हेमला, संतोष बघेल तथा पुणे सिंह जुरी के नेतृत्व वाली छोटी टीमों में बांटा गया। सैन्यटुकड़ियों ने दिनांक 11 जनवरी, 2016 को करीब 03.00 बजे लगभग 01 कि.मी. चौड़ी इंद्रावती नदी को पार किया और चरापल्ली, झारागुडम तथा सेंझा में प्रवेश किया जो कि बीजापुर, छत्तीसगढ़ के अंतर्गत आते हैं।

जैसे ही दल कोक्कर गांव की ओर आगे बढ़े, लगभग 10.00 बजे अत्यधिक सशस्त्र नक्सलियों की ओर से पुलिस कार्मिकों को गंभीर क्षति पहुंचाने के इरादे से अचानक ताबड़तोड़ गोलीबारी होने लगी। सैन्यटुकड़ी के कमांडर ने तुरंत अपने साथियों को सतर्क कर दिया तथा उन्हें पोजीशन लेने और चतुराई से नक्सलियों की स्थिति की ओर बढ़ने का निदेश दिया। सैन्यटुकड़ी के कमांडर ने सैन्यटुकड़ियों की पहचान की घोषणा की और नक्सलियों को अंधाधुंध गोलीबारी को बंद करने की चेतावनी दी। बार-बार चेतावनी देने के बावजूद नक्सली पुलिस पार्टी पर भारी गोलीबारी कर रहे थे। सुरक्षा बलों ने खुद को और अधिक छोटी यूनिटों में पुनःसमूहित किया और चतुराईपूर्वक उस स्थान की ओर आगे बढ़ने लगे जहां से नक्सली गोलीबारी कर रहे थे। आत्मरक्षा में सैन्यटुकड़ी के कमांडर ने अपने साथियों के साथ गोलीबारी शुरू कर दी। अपर पुलिस अधीक्षक (अभियान), जिला बीजापुर आई.के. एलिसेला, निरीक्षक अब्दुल समीर तथा सहायक उप-निरीक्षक हनीफ खान ने एक-दूसरे को कवर गोलीबारी प्रदान की तथा अपनी जान को जोखिम में डालते हुए वे आगे बढ़े और कई तरफ से नक्सलियों की घेराबंदी करने के लिए उन्होंने अपनी सैन्यटुकड़ियों की अगुवाई की।

सुरक्षा बलों द्वारा की गई सम्मिलित कार्रवाई के चलते घात का सफल जवाब संभव हुआ, जिससे बंदूक की लड़ाई में माओवादियों का लंबे समय से चल रहा प्रतिरोध टूट गया। दो घंटे की पारस्परिक गोलीबारी के बाद पुलिस टीमों द्वारा घेरे जाने के भय से माओवादी मुठभेड़ स्थल से भाग गए। गोलीबारी रुकने के बाद, इलाके की व्यापक छानबीन की गई, जिसमें यूनिफार्म पहने एक महिला का शव, जिसकी पहचान लाच्छी के रूप में की गई तथा पुरुष माओवादी का एक शव, जिसकी पहचान गोटा विनोद, मिलिशिया सदस्य के रूप में की गई, की बरामदी हुई। 03 मैगजीनों सहित एक आईएनएसएस राइफल, 5.56 एमएम के 17 जिंदा कारतूस तथा एक भरमार (देसी निर्मित हथियार), बड़ी मात्रा में साहित्य, वर्दियां, सिलाई सामग्री, तार आदि भी बरामद किए गए। समीप ही माओवादियों के एक प्रशिक्षण स्थल का पता चला।

जोखिमपूर्ण स्थिति से बाहर निकलने के लिए श्री आई.के. एलिसेला ने तीक्ष्ण सामरिक बोध तथा अत्यंत साहस का प्रदर्शन किया। मारक क्षेत्र से दूर हो जाने के उनके साहसिक कदम ने दुश्मन ताकतों को आश्चर्यचकित कर दिया, जिससे पुलिसकर्मी फिर से संगठित हो सके। सहायक उप-निरीक्षक हनीफ खान ने भी उनकी प्रवीणता से सहायता की, जिन्होंने दिए गए निर्देशों को तुरंत समझ लिया तथा पूरी निपुणता से उन्होंने कार्यान्वित किया। अभी तक कभी-कभार कार्रवाई किए जाने वाले क्षेत्र में आक्रमक कार्रवाई की योजना बनाने का उनका निर्णय नई संभावनाओं को तलाशने के लिए उनकी पहल तथा साहस का एक उदाहरण है। बीजापुर, महाराष्ट्र से विशेषज्ञ बलों तथा पुलिस स्टेशन दमरांचा से स्थानीय बलों को शामिल करते हुए एक अंतर-राज्यीय संयुक्त अभियान की योजना और समन्वयन में उनके श्रमसाध्य प्रयास अत्यंत विपरीत परिस्थिति में उनकी दक्षता और उनके साहस का प्रमाण है। कमांडर द्वारा आह्वान किए जाने पर उनकी निडर प्रतिक्रिया प्रशंसा की पात्र है। साथ मिलकर, उन्होंने हमले का मुकाबला किया और बिना किसी के हताहत हुए

सफलतापूर्वक मारक क्षेत्र से बाहर निकल गए। यह अभियान टीम भावना का एक बड़ा उदाहरण है, क्योंकि विभिन्न राज्यों के बल प्रतिकूल परिस्थिति में साथ मिलकर तथा एक-दूसरे के लिए लड़े।

इस अभियान में सर्वश्री आई.के. एलिसेला, आईपीएस, अपर पुलिस अधीक्षक, अब्दुल समीर खान निरीक्षक और हनीफ खान, सहायक उप-निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाले नियमों के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 11/01/2016 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 45--प्रेज/2019—राष्ट्रपति, छत्तीसगढ़ पुलिस के निम्नलिखित अधिकारी को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

अधिकारी का नाम और रैंक

श्री प्रकाश राठौर,

उप-निरीक्षक

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 18-11-2015 को 80-100 अन्य सशस्त्र माओवादियों के साथ हिडमा (प्रथम पीएलजीए बटालियन कमांडर), उधम सिंह (प्लाटून सं. 08 का कमांडर) की मौजूदगी के बारे में विश्वसनीय स्रोतों से एक सूचना प्राप्त हुई, जो कि सरकार के खिलाफ साजिश रचने और सुरक्षा बलों पर हमला करने के लिए कोलाईगुड़ा और एंटापद पुलिस स्टेशन भेज्जी, जिला सुकमा के जंगलों के बीच इकट्ठा हुए थे।

प्राप्त जानकारी की विश्वसनीयता की पुष्टि करने के लिए, श्री प्रकाश राठौर (थाना प्रभारी भेज्जी) के नेतृत्व में कुल 201 सुरक्षा कार्मिकों के पुलिस दल ने दिनांक 18.11.2015 को लगभग 17:00 बजे पुलिस स्टेशन किस्तराम से कूच किया। दल के कमांडर ने दल को छह छोटे समूहों में विभाजित किया। पहले दल में श्री प्रकाश राठौर के नेतृत्व में डीआरजी ग्रुप ब्रावो 01 और 02 के कुल 51 सुरक्षा कार्मिक थे, दूसरे दल में सहायक कमांडेंट श्री एस. कार्तिकेन के नेतृत्व में कोबरा के 30 सुरक्षा कार्मिक थे, तीसरे दल में सहायक कमांडेंट श्री सुनील खिंची के नेतृत्व में कोबरा के 30 सुरक्षा कार्मिक थे, चौथे दल में सहायक कमांडेंट श्री रवि शेखावत के नेतृत्व में कोबरा के 30 सुरक्षा कार्मिक थे, पांचवे दल में सहायक कमांडेंट श्री अम्बुज श्रीवास्तव और एसआई राजवीर के नेतृत्व में कोबरा के 44 सुरक्षा कार्मिक थे। कुल मिलाकर 230 पुलिस कार्मिक उपयुक्त ब्रीफिंग के पश्चात आवश्यक राशन, हथियार तथा गोला-बारूद और संचार उपकरणों आदि के साथ लक्ष्य की ओर बढ़ गए।

अभियान की गोपनीयता बनाए रखने के पुलिस दल ने स्काउट कांस्टेबल किन्नू मुंदरी और कांस्टेबल रघुनाथ सोरेन के मार्गदर्शन में पूरी रात यात्रा की। अगले दिन दिनांक 19.11.2015 को लगभग 8:00 बजे, दल गोपनीयता, शांति और जंगल के अनुशासन बनाए रखते हुए कोलाईगुड़ा और एंटापद के जंगलों के बीच लक्ष्य की ओर अग्रसर था, दूसरे दल के गाइड कांस्टेबल आलोक कुमार, कांस्टेबल पंकज शर्मा और कांस्टेबल शेर सिंह ने सामने की ओर से कुछ गतिविधियों को देखा। उन्होंने टीम लीडर श्री प्रकाश राठौर को गतिविधि के बारे में सूचित किया। जैसे ही दल लक्ष्य क्षेत्र में पहुंचा, पुलिस की उपस्थिति को भांपते हुए माओवादी वहां से भाग गया। तब दल ने रासटोंग और मसलमदगू की पहाड़ियों के बीच पहाड़ी क्षेत्र में एल्यूमीनियम लिया। इस बीच, दल के नेता श्री प्रकाश राठौर ने वायरलेस सेटों पर पूरे दल को सचेत किया और उचित पोजिशन लेने का आदेश दिया, अन्य को माओवादियों को घेरने के निर्देश दिया, वह खुद सामने से अगुआई करते हुए, गोपनीयता बनाए रखते हुए रेंगते हुए आगे बढ़े। दल सं. 01, 02 और 03 ने छिपे हुए माओवादियों को घेरने की योजना बनाई, जबकि अन्य दलों ने उनके भागने के रास्तों को बंद करने की कोशिश की। पुलिस दल की मौजूदगी को भांपते हुए, खूंखार माओवादियों ने हत्या करने तथा हथियारों/गोला बारूद को लूटने के लिए चारों तरफ से गोलीबारी की। कोई अन्य विकल्प न देखकर उन्होंने आत्मरक्षा में जवाबी गोलीबारी करने को कहा। उन्होंने दूसरे दल को बाईं ओर से कवर देने का निर्देश दिया और अपने दल को गोलीबारी के आदेश के साथ-साथ उन्होंने खुद अपनी एके -47 से दाहिने ओर से माओवादियों पर गोलीबारी शुरू कर दी। भीषण गोलीबारी के बीच, सामने से अगुआई करते हुए अपने जीवन के लिए डरे बिना, उन्होंने निरंतर बड़े साहस और बहादुरी के साथ माओवादियों पर गोलीबारी की। भीषण गोलीबारी में आगे बढ़ते हुए, उन्होंने अपने साथियों को लगातार प्रोत्साहित किया और माओवादियों की गोलीबारी का जवाब गोलीबारी से दिया। उनके वीरतापूर्ण कार्यों और असाधारण नेतृत्व ने उनके दल को प्रेरित किया जिन्होंने सुरक्षाबल को बिना किसी नुकसान के माओवादियों के साथ लगभग आधे घंटे की बंदूक लड़ाई का सफलतापूर्वक जवाब दिया। पारस्परिक गोलीबारी के बीच, माओवादी हिडमा, उधम सिंह, जोगा, भास्कर, नुप्पो, मासे कन्नी, अर्जुन चिल्लाते रहे और पुलिस कर्मियों को मारने के लिए एक-दूसरे को आवाज लगाते रहे।

दोनों पक्षों के बीच हुई भीषण पारस्परिक गोलीबारी में, सहायक कमांडेंट श्री वीरेन्द्र कुमार, पीसी श्री अरविंद मिंज, कांस्टेबल किन्नु मुंदरी, कांस्टेबल रघुनाथ सोरेन, सहायक कमांडेंट 599 मदकम सुब्बा, सहायक कमांडेंट 405 राजू कट्टम ने असाधारण साहस और बहादुरी का प्रदर्शन किया और 01 महिला माओवादी को मारने में एक प्रमुख भूमिका निभाई। इस बीच सहायक निरीक्षक श्री प्रकाश राठौर, सहायक कमांडेंट श्री सुनील खिंची, सहायक निरीक्षक भानुप्रताप सिंह, कांस्टेबल रघुनाथ सोरेन, कांस्टेबल कवि चौधरी, कांस्टेबल ललित कुमार, हेड कांस्टेबल दीपक कौशिक, सहायक कमांडेंट 642 सोयम दुर्गा, सहायक कमांडेंट मादवी देव, सहायक कमांडेंट 501 अनपत कुमार ने असाधारण साहस और बहादुरी का प्रदर्शन किया और 01 पुरुष वर्दीधारी माओवादी को मारने में प्रमुख भूमिका निभाई। त्वरित और आक्रामक प्रतिक्रिया देखकर, माओवादी घने जंगलों और पास की पहाड़ियों का फायदा उठाकर भाग गए। व्यापक तलाशी के बाद दोनों शवों को बरामद किया गया इसके साथ ही 12 बोर की 01 राइफल (महिला के शव के पास) तथा पुरुष के शव के साथ बंधे हुए पाउच में 31 कारतूसों सहित 02 आईएनएसएस मैगजीनों और साथ ही 02 देसी निर्मित हथियार, सोलर प्लेट, चाकू, डेटोनेटर, माओवादी कपड़े, सेल, मेडिकल किट भी बरामद हुए।

अभियान से लौटते समय, लगभग आधे रास्ते पर, छिपे हुए माओवादियों ने हत्या करने तथा सुरक्षा कार्मिकों को नुकसान पहुँचाने की मंशा से फिर से गोलीबारी शुरू कर दी, जिसका सहायक कमांडेंट ने बहादुरी से जवाब दिया। त्वरित और आक्रामक प्रतिक्रिया देखकर, माओवादी घने जंगलों और पास की पहाड़ियों का फायदा उठाकर भाग गए। गोलीबारी बंद होने के बाद, दल ने इस क्षेत्र की अच्छी तरह से खोज की और पिडू, नक्सल साहित्य, हाथ से निर्मित बम और शवों को खींचने के संकेत के साथ खून के धब्बे मिले। हर जगह मिले खून के धब्बे यह बताते थे कि शायद कई अन्य माओवादी मारे गए और घायल हुए। पुलिस दल ने बरामदी की और पुलिस स्टेशन भेज्जी की ओर चल पड़ा, जैसे ही दल ग्राम-एलरमादगू के समीप पहुंचा, छिपे हुए माओवादियों ने दूर से गोलीबारी की और भाग गए। बाद में, दल शाम को सकुशल भेज्जी पुलिस स्टेशन पहुंच गया।

बाद में, महिला माओवादी के शव की पहचान आस जोगी, आयु 30 वर्ष, निवासी बीलगुड़ा, पुलिस स्टेशन- ऐराबोर, कोंटा क्षेत्र समिति (सेना आसूचना) के रूप में हुई तथा पुरुष वर्दीधारी माओवादी शव की पहचान मदकम मुक्का उर्फ भास्कर, आयु 35 वर्ष, निवासी दर्बगुड़ा, पुलिस स्टेशन ऐराबोर (कोंटा एलओएस कमांडर) के रूप में हुई जिन पर छत्तीसगढ़ सरकार ने नीति के अनुसार क्रमशः 3 लाख रुपये तथा 5 लाख रुपये का इनाम घोषित किया है।

जब दल पर नक्सलियों ने हमला किया, तो श्री प्रकाश राठौर, उप निरीक्षक ने अत्यंत सूझ-बूझ एवं टीम भावना, गहरी कार्रवाई समझ, असाधारण साहस, वीरता तथा विशिष्ट वीरता का प्रदर्शन किया तथा सामने से बल का नेतृत्व किया और वे अपनी जान की परवाह किए बिना वीरतापूर्वक लड़े। उनकी प्रतिक्रिया ने न केवल उनके साथियों के जीवन को बचाया, बल्कि माओवादी आक्रमण के हमले को भी नाकाम कर दिया तथा उन्होंने नक्सलियों को मारने और दो खूंखार नक्सलल कांडरों के शवों की बरामदी में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके कृत्य के परिणामस्वरूप हथियारों तथा गोला बारूद की भी काफी बरामदी हुई। जिस तरह श्री प्रकाश राठौर ने टीम का नेतृत्व किया, वह उनके समर्पण तथा टीम के रूप में कार्य करने के गुणों को दर्शाता है, जो कि निश्चित रूप से अन्य अधिकारियों तथा उनके अधीनस्थों के लिए प्रेरणा का स्रोत बना है। नक्सली समस्या को कम करने में उनका पूर्ण दृढ़ संकल्प तथा मौके पर दर्शाया गया साहस निश्चित रूप से उन्हें उच्चतर सम्मान के लिए योग्य बनाता है।

इस अभियान में, श्री प्रकाश राठौर, उप-निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाले नियमों के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किया जाता है तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 18/11/2015 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 46-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, छत्तीसगढ़ पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत) प्रदान करते हैं:—

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

01. संग्राम सिंह धुर्वे
सहायक उप-निरीक्षक

वीरता के लिए पुलिस पदक

02. आदित्यशरण प्रताप सिंह कांस्टेबल

वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत)

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

पुलिस अधीक्षक, दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा, श्री कमलोचन कश्यप को मुखबिर के जरिए ग्राम जियाकोर्टा और कुन्ना के बीच जंगलों में नक्सलियों की मौजूदगी के बारे में आसूचना जानकारी मिली, जो किसी बड़ी घटना को अंजाम दे सकते हैं। मुखबिर की आसूचना जानकारी के आधार पर, पुलिस अधीक्षक कमलोचन कश्यप ने कमांडेंट 230 बटालियन सीआरपीएफ, अपर पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक पल्लव, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशंस) श्री जी.एन. बघेल के साथ विचार-विमर्श किया और एक कार्रवाई योजना बनाई।

दिनांक 16.08.2016 को उन्हें नक्सलियों की मौजूदगी और संख्या, भौगोलिक इलाके की जानकारी दी गई, उन्हें तीन दलों में बाँटा गया जिसमें से प्रत्येक दल को अलग-अलग ज़िम्मेदारियाँ दी गईं। पुलिस अधीक्षक, कमलोचन कश्यप द्वारा सावधानीपूर्वक तैयार की गई कार्रवाई योजना के अनुसार, कुल 113 पुलिस कर्मी अपने हथियारों, गोला-बारूद और अन्य सुरक्षा संबंधी उपकरणों के साथ निकल पड़े और काटेकल्याण जाकर उतरे। उतरने के स्थान के बाद सैनिक पैदल गए और मिसीदुबा पहुंचने के बाद, सैनिकों ने खुद को तीन समूहों में विभाजित किया तथा निर्धारित स्थान को घेरना शुरू कर दिया, जैसाकि पुलिस अधीक्षक द्वारा ब्रीफिंग और कार्रवाई योजना में बताया गया था। पूरी रात की तलाशी के बाद, दोनों पुलिस समूह माओवादी गार्ड (संतरी) को चकमा देने के बाद लगभग 0645 बजे (दिनांक 17.08.2016) को नक्सलियों के समीप पहुंचे। पॉलीथिन से बने अस्थायी कैंपों में रह रहे नक्सलियों ने पुलिसकर्मियों की मौजूदगी के संकेत मिलने पर पुलिसकर्मियों की हत्या के इरादे से गोलीबारी शुरू कर दी। उप निरीक्षक संग्राम सिंह गोलीबारी करते हुए आगे बढ़े और गोलीबारी के घेरे में घुस गए, जिससे नक्सलियों में खलबली मच गई। उन्होंने बलों का समन्वय किया और बंदूक की लड़ाई में पुलिस की मजबूत स्थिति हासिल करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही, उन्होंने जवाबी गोलीबारी की और अपनी जान को गंभीर खतरे के बावजूद वे अत्यंत बहादुरी के साथ लड़े। नक्सलियों के साथ हुए भीषण युद्ध में, कांस्टेबल, आदित्यशरण प्रताप सिंह गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हो गए। कांस्टेबल आदित्यशरण प्रताप सिंह यूबीजीएल से गोलीबारी कर रहे थे और अपनी जान को गंभीर खतरे के बावजूद वे अत्यंत बहादुरी के साथ लड़ते हुए माओवादियों की ओर आगे बढ़ गए। यूबीजीएल से दागे गए उनके चार राउंड से माओवादियों को भारी नुकसान पहुंचाने में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा। माओवादियों ने घने जंगलों का लाभ उठाते हुए भागना शुरू कर दिया। घेराव के दौरान, एक माओवादी जिंदा पकड़ा गया, जिसने पूछताछ के बाद अपना नाम हुंगा पोडियामी निवासी कवेड़पारा बताया। दोनों तरफ से गोलीबारी लगभग 45 मिनट तक चली। इसके बाद गोलीबारी बंद हो गई।

पुलिस की टुकड़ियों द्वारा घटना स्थल और आस-पास के इलाकों में बड़े पैमाने पर तलाशी ली गई, जिसमें एक महिला माओवादी के शव सहित चार माओवादियों के शव मिले। मृत माओवादी शवों की पहचान माओवादी सदस्य हुंगा पोडियामी निवासी कावेड़पारा, कुन्ना द्वारा (1) जोगा पोडियामी, निवासी- अलनार, एलजीएस कमांडर (2) रामबाई, निवासी- पुरबटी, दरभा डिवीजन मेडिकल टीम प्रभारी (3) मासा कवासी, निवासी- भदरी मट्टू, कांगेर घाटी एरिया समिति सदस्य (4) किर्डी उर्फ कल्लू, मेडिकल टीम सदस्य के रूप में की गई। घटना स्थल से और नक्सलियों के शिविर से बरामद हुई वस्तुएं इस प्रकार हैं- एक 303 राइफल, एक मस्कट राइफल, एक 12 बोर एसबीएल बंदूक, एक 12 बोर कुट्टा, एक 315 बोर राइफल, 12 बोर गोलाबारूद के पंद्रह राउंड, 315 बोर गोलाबारूद के पच्चीस राउंड, 303 सर्विस राइफल गोला बारूद के छह राउंड, छब्बीस डेटोनेटर, तीन देसी हथगोले, भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री, सुरक्षा उपकरण और उपस्कर, दैनिक जीवन के उपयोग वाली भारी मात्रा में दवाइयां और सामग्री इत्यादि। आवंटन और व्यय सूची के अनुसार पुलिस दलों ने आत्मरक्षा में एके -47 से चार सौ तीस राउंड, आईएनएसएस से अट्ठावन राउंड, एक्स कैलिबर से इक्कीस राउंड, एसएलआर से एक सौ चौबीस राउंड, यूबीजीएल से चार राउंड, पिस्टल से तीन राउंड और एक हथगोला दागा और इस प्रकार कुल छह सौ इकतालिस राउंड फायर किए। पुलिस अधीक्षक को सूचित करने के बाद घायल कांस्टेबल 649 आदित्यशरण प्रताप सिंह को हेलीकॉप्टर से इलाज के लिए भेजा गया और उन्होंने राष्ट्र के लिए सर्वोच्च बलिदान के रूप में अपना जीवन दे दिया। पुलिस अधीक्षक कमलोचन कश्यप ने स्वयं जिला पुलिस मुख्यालय से पूरे अभियान का समन्वयन किया और केवल उनके खास भरोसेमंद मुखबिरों से विशिष्ट आसूचना जानकारी के कारण ही यह सफल नक्सली अभियान आयोजित किया जा सका।

इस कार्रवाई में, श्री कमलोचन कश्यप, पुलिस अधीक्षक ने संकट की घड़ी में अपने सैनिकों को अनुकरणीय नेतृत्व प्रदान किया। जब उनके दल पर माओवादियों ने हमला किया, तो उन्होंने अत्यंत सूझ-बूझ और शानदार संचालन बोध का प्रदर्शन किया। श्री कमलोचन कश्यप, पुलिस अधीक्षक, श्री संग्राम सिंह, सहायक उप निरीक्षक और श्री आदित्य शरण प्रताप सिंह, कांस्टेबल 649 अपनी जान की परवाह किए बिना लड़े, और उन्होंने अपने जवानों को एक-दूसरे की रक्षा करने के लिए प्रेरित किया, उनके प्रतिभाशाली मार्गदर्शन और नेतृत्व के अंतर्गत पुलिसकर्मी इस बात को पूरी तरह से जानते हुए कि हर कदम घातक हो सकता है, नक्सली हमले का मुकाबला करने के लिए आगे बढ़ते रहे। राष्ट्र की सेवा में अपनी जान की परवाह किए बिना अनुकरणीय साहस, शेर दिली प्रयास और वीरतापूर्ण कार्रवाई से छत्तीसगढ़ पुलिस ने सराहना अर्जित की। इसके लिए उपयुक्त रूप से पुरस्कृत करने की आवश्यकता है।

इस अभियान में सर्वश्री संग्राम सिंह धुर्वे, सहायक उप-निरीक्षक और स्व. आदित्यशरण प्रताप सिंह, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाले नियमों के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 17/08/2016 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 47-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, छत्तीसगढ़ पुलिस के निम्नलिखित अधिकारी को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत) प्रदान करते हैं:—

अधिकारी का नाम और रैंक

श्री पुष्पराम नागवंशी,
उप-निरीक्षक

वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत)

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

पुलिस अधीक्षक, कोंडागांव द्वारा दिए गए निर्देशों पर कार्रवाई करते हुए डीआरजी कोंडागांव से 33 पुलिस कार्मिकों की एक टीम ने जिला नारायणपुर के बलों के साथ माओवादी निरोधी संयुक्त ऑपरेशन के लिए दिनांक 12.06.2016 को कूच किया। गांव किलाम, पुलिस स्टेशन- छोटेडोंगर, जिला- नारायणपुर के दक्षिण तथा दक्षिण पूर्वी क्षेत्रों में अभियान संचालित करने के लिए टीम को जानकारी दी गई क्योंकि उपर्युक्त क्षेत्रों में उनकी मौजूदगी तथा गतिविधि के संबंध में विश्वसनीय जानकारी थी।

डीआरजी कार्मिकों की पुलिस टीम का नेतृत्व श्री अवध राम साहू, उप-निरीक्षक तथा श्री पुष्पराम नागवंशी, उप-निरीक्षक कर रहे थे। इस संयुक्त अभियान की कार्रवाई तथा कार्यान्वयन योजना के अनुसार पुलिस स्टेशन- मर्दापाल, जिला- कोंडागांव, पुलिस स्टेशन- छोटेडोंगर, जिला- नारायणपुर के मार्फत पुलिस पार्टियों को कार्रवाई क्षेत्रों में भेजा गया था।

पार्टियां पूरी कार्रवाई को सावधानीपूर्वक तथा कर्मठतापूर्वक अंजाम दे रही थीं तथा दिनांक 13.06.2016 को लगभग 1645 बजे गांव किलाम के निकट ओराकुटम के घने जंगलों में पहुंचीं। पूरे समय अत्यंत सावधानी तथा पेशेवर कौशल अनुशासन का पालन किया जा रहा था परंतु जैसे ही पुलिस पार्टी पहले उल्लिखित स्थान पर पहुंची, उसे माओवादियों द्वारा अंधाधुंध गोलीबारी का सामना करना पड़ा जिन्होंने पहले से ही, खुद को रणनीतिक तौर पर अनुकूल पोजिशनों पर रखा हुआ था।

पुलिस पार्टी ने अचानक हुये हमले को रोके रखा और बड़े ही दृढ़ संकल्प तथा वीरता से जवाबी कार्रवाई की। यह मुठभेड़ लगभग एक घंटे तक जारी रही। माओवादी पास आते जा रहे थे तथा दिन का प्राकृतिक उजाला धीरे-धीरे कम होता जा रहा था।

टीम लीडरों अवधराम साहू, उप-निरीक्षक और पुष्प राज नागवंशी का कार्य कठिन हो गया था तथा अनिश्चितता के उन क्षणों में पुष्पराम नागवंशी ने अपने साहस का प्रदर्शन किया तथा अनुकरणीय साहस के साथ उन्होंने पास आते हुए माओवादी समूह को चुनौती दी और पारस्परिक गोलीबारी के दौरान उनके पेट के हिस्से में गोली की गंभीर चोट आई तथा दूसरे मोर्चे पर एक डीआरजी कमांडर को भी सिर पर गोली की चोट आई।

थोड़े से ही समय में जिला-कोंडागांव की डीआरजी टीम में 03 कार्मिक घायल हो चुके थे। 1. श्री अवध राम साहू (उनकी खोपड़ी में मामूली चोट), 2. स्व. श्री पुष्पराम नागवंशी (उनके पेट के हिस्से में गोली की गंभीर चोट), 3. श्री विनय बघेल, कांस्टेबल (उनके हाथ में मामूली चोट)।

ऐसी गंभीर चोटों के बावजूद टीम माओवादी समूह को आगे बढ़ने से रोकने में सफल रही और इस साहसिक कृत्य, विशेष रूप से पुष्पराम नागवंशी द्वारा किए गए कृत्य ने उनके साथियों की कीमती जान को बचाया तथा हथियार और गोला-बारूद को भी बचा लिया। बाद में उन्हें सुरक्षित नारायणपुर ले जाया गया तथा अंततः रायपुर में रामाकृष्ण अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुष्पराम नागवंशी वहां अपने जीवन के लिए जंग करते रहे तथा अंततः दिनांक 23.06.2016 को चोटों के कारण उनकी मृत्यु हो गई और उन्होंने राष्ट्र के लिए सर्वोच्च बलिदान के रूप में अपना जीवन दे दिया।

उप-निरीक्षक, पुष्पराम नागवंशी ने उस समय अत्यंत पेशेवरता तथा साहस का भी प्रदर्शन किया जब उनकी पार्टी भारी गोलीबारी में फंस गई थी। इस तथ्य के मद्देनजर कि सैन्यटुकड़ियां पहाड़ी पर चढ़ रही थी और लगभग न के बराबर सुरक्षा कवर उपलब्ध था,

उन्होंने शत्रु का मुकाबला करने में जबरदस्ती दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन किया तथा मैदान को नहीं छोड़ा। उनकी निडर मुठभेड़-रोधी रणनीति ने दुश्मन को सफलतापूर्वक रोक दिया।

इस अभियान में, स्व. श्री पुष्पराज नागवंशी, उप-निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाले नियमों के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किया जाता है तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 13/06/2016 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 48-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, छत्तीसगढ़ पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

01. मोहित गर्ग, आईपीएस
अपर पुलिस अधीक्षक
02. नीलेश पाण्डेय,
निरीक्षक
03. देवेंद्र दर्रो
उप-निरीक्षक

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

बीजापुर में किसी बड़ी घटना और हत्याओं को अंजाम देने के लिए बीजापुर शहर में नक्सली कमांडरों और नेताओं वाली नक्सलियों की एक छोटी कार्रवाई टीम की उपस्थिति के बारे में आसूचना इनपुट के आधार पर तथा पुलिस अधीक्षक बीजापुर श्री के.एल. ध्रुव के आदेशों के अनुपालन में दिनांक 10.07.2016 को लगभग 16:30 बजे कोकड़ापारा-टुमनार रोड पर घेराबंदी करने तथा तलाशी अभियान शुरू करने के लिए रवाना करने हेतु अपर पुलिस अधीक्षक, बीजापुर श्री मोहित गर्ग के नेतृत्व में डीआरजी और सीआरपीएफ के 54 कार्मिकों की संयुक्त टीम का गठन किया गया और उसे उपयुक्त रूप से जानकारी दी गई।

संयुक्त टीम को 03 दलों में विभाजित किया गया जिसमें दल सं. 01 का नेतृत्व अपर पुलिस अधीक्षक, बीजापुर मोहित गर्ग कर रहे थे और उसमें निरीक्षक चाणक्य नाग और सैनिक शामिल थे, दल सं. 02 का नेतृत्व निरीक्षक नीलेश पाण्डेय कर रहे थे तथा दल सं. 03 का नेतृत्व सीआरपीएफ के सहायक कमांडेंट केशव मिश्र कर रहे थे। सभी दलों ने नक्सलियों की छोटी कार्रवाई टीम की गतिविधि का पता लगाने के लिए लक्षित क्षेत्र की घेराबंदी कर दी। लगभग 17:30 बजे, एक संदिग्ध चौपहिया वाहन को टुमनार रोड से बीजापुर शहर की ओर जाते देखा गया। उप-निरीक्षक देवेंद्र दर्रो ने सिग्नल दिया और जांच के लिए गाड़ी को रोकने की कोशिश की। पुलिस दल को देखकर वाहन रुक गया तथा लगभग 8-10 सशस्त्र नक्सली वाहन से बाहर कूदे और उन्होंने दल पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, जिसमें उप-निरीक्षक देवेंद्र दर्रो की जांच में गोली लग गई। अपर पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग ने तुरंत सभी दलों को कवर लेने का आदेश दिया और नक्सलियों से गोलीबारी बंद करने तथा आत्मसमर्पण करने के लिए कहा, लेकिन नक्सलियों की छोटी कार्रवाई टीम पुलिस दलों पर गोलीबारी करती रही, जिस पर अपर पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग ने दल सं. 01 के कमांडर निरीक्षक नीलेश पाण्डेय तथा दल सं. 02 के कमांडर एसी केशव मिश्र को गोलीबारी का जवाब देने तथा चतुराईपूर्वक दोनों ओर से नक्सलियों को घेरने का आदेश दिया जबकि उन्होंने तथा उनके दल ने नक्सलियों की तरफ बढ़ते हुए कवर गोलीबारी प्रदान की और वे आत्मरक्षा में जवाबी गोलीबारी करते रहे। जैसे ही तीनों दलों ने नक्सलियों को घेर लिया, उन्होंने सभी तीनों दलों पर भारी गोलीबारी शुरू कर दी, परंतु वे पुलिस दलों की जवाबी गोलीबारी और रणनीति का मुकाबला नहीं कर पाए तथा अंधेरे और घने वन क्षेत्र का फायदा उठाकर जंगलों में भाग गए। पुलिस अधीक्षक के.एल. ध्रुव, जो कि मुख्यालय से पारस्परिक गोलीबारी की गहन निगरानी कर रहे थे, ने तुरंत एक बचाव दल को साथ लिया और वे गोलीबारी के बीच से घायल उप-निरीक्षक देवेंद्र दर्रो को निकालने के लिए चल पड़े। गोलीबारी रुकने के बाद इलाके की तलाश की गई तथा

मैगजीन सहित एक 9 एमएम स्वचालित पिस्तौल तथा 03 जिंदा कारतूस, एक 315 बोर देसी निर्मित पिस्तौल, सीलिंग सहित 01 भारमार राइफल, एके-47 के 10 जिंदा कारतूस, 9 एमएम पिस्तौल के 18 जिंदा कारतूस, 315 बोर देसी निर्मित पिस्तौल के 03 जिंदा कारतूस, 315 बोर देसी निर्मित पिस्तौल का 01 मिस्ड कारतूस, 9 एमएम पिस्तौल की 02 खाली कार्ट्रिज, 315 बोर देसी निर्मित पिस्तौल की 01 खाली शैल, 01 मोटोरोला मैनपैक सैट, 01 कलाई घड़ी, 01 काला बैग, 01 टार्च तथा अन्य विविध नक्स ली सामग्री सहित अलग-अलग जगहों से 04 पुरुष नक्सलियों के शव बरामद हुए।

घटना के बाद धारा 147, 148, 149, 307 आईपीसी, 25, 27 आयुध अधिनियम के तहत एफआईआर संख्या 58/2016 दर्ज की गई तथा मामले को जांच हेतु लिया गया। बाद में शवों की पहचान इस प्रकार हुई :-

1. वेक्को बोटी उर्फ उकास, एल.जी.एस. कमांडर, मडदेद एरिया समिति, पश्चिम बस्तर डिवीजन।
2. राजू पुनेम उर्फ सन्नू, उप-कमांडर, एरिया समिति प्लाटून सं. 02, पश्चिम बस्तर डिवीजन।
3. पदम लक्ष्मण, सदस्य, कंपनी सं. 02, पश्चिम बस्तर डिवीजन।
4. शुद्रू कोर्सा, आरपीसी अध्यक्ष, ग्राम मनकैली, जिला-बीजापुर।

डीआरजी, जिला पुलिस तथा सीआरपीएफ द्वारा प्रदर्शित किए गए असाधारण साहस के चलते अभियान सफल रहा। पुलिसकर्मियों ने राष्ट्र हित में अपनी जान को जोखिम में डाला तथा चार खूंखार माओवादियों को सफलतापूर्वक मौत के घाट उतारा तथा शव और हथियार बरामद किए। इस अभियान ने न केवल नक्सलियों की छोटी कार्रवाई टीम की घातक योजनाओं को विफल किया बल्कि उस टीम का खात्मा भी किया, जो कि वर्ष 2016 के जून तथा जुलाई माह में पूरी तरह सक्रिय थी तथा उसने मडदेद क्षेत्र में शृंखलावार हत्याएं की थीं।

श्री मोहित गर्ग, अपर पुलिस अधीक्षक, बीजापुर तथा उप निरीक्षक देवेंद्र दर्शो, जो कि सबसे पहले मारक जोन में आए थे, ने असाधारण साहस तथा सूझ-बूझ का प्रदर्शन किया। श्री मोहित गर्ग, अपर पुलिस अधीक्षक बीजापुर ने अपने साथियों के लिए गंभीर खतरे को भांप लिया तथा रणनीति के रूप में एक आक्रमण विरोधी हमले को शुरू कर दिया। उनके नेतृत्व तथा साहसिक प्रतिक्रिया के परिणामस्वरूप बिना किसी जान और माल के नुकसान के सफलता हासिल हुई। उप निरीक्षक देवेंद्र दर्शो ने भारी गोलीबारी के बीच हिम्मत बनाए रखने में अत्यंत साहस तथा दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन किया।

इस अभियान में सर्व/श्री मोहित गर्ग, आईपीएस, अपर पुलिस अधीक्षक, नीलेश पाण्डेय, निरीक्षक और देवेंद्र दर्शो, उप-निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाले नियमों के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 10/07/2016 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 49-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, छत्तीसगढ़ पुलिस के निम्नलिखित अधिकारी को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

अधिकारी का नाम और रैंक

श्री मूलचंद कंवर, वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत)
उप-निरीक्षक

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

कोछवाही-कुक्काझोर वन क्षेत्र के समीप सशस्त्र माओवादी काँडर समूह की उपस्थिति के बारे में जानकारी प्राप्त होने पर श्री मूलचंद कंवर के नेतृत्व वाली पुलिस पार्टी ने दिनांक 16.03.2017 को सशस्त्र माओवादी काँडरों को पकड़ने के लिए क्षेत्र में एक तलाशी अभियान शुरू किया। जैसे ही श्री मूलचंद कंवर अपनी टीम के साथ कोछवाही तथा कुक्काझोर वन क्षेत्र के पास पहुंचे, उनके पास कोई और विकल्प नहीं था इसलिए पार्टी कमांडर ने अपनी सैन्य टुकड़ियों को आत्मरक्षा में गोलीबारी शुरू करने तथा चतुराई से सशस्त्र माओवादी काँडरों की ओर बढ़ने को कहा ताकि उन्हें पकड़ा जा सके। श्री मूलचंद कंवर ने तुरंत ही अपनी सैन्यटुकड़ियों को उपयुक्त कवर

लेने तथा आत्मरक्षा में जवाबी गोलीबारी करने का निदेश दिया। इसके परिणामस्वरूप, नक्सलियों और पुलिस पार्टी के बीच भारी पारस्परिक गोलीबारी हुई। इसी बीच, नक्सली पहाड़ी की ओर चले गए ताकि वे पहाड़ी बनावट का लाभ उठा सकें और फिर उन्होंने सुरक्षा बलों पर हमला जारी रखा।

उप-निरीक्षक, मूलचंद कंवर ने डीआरजी टीम के साथ रेंगते हुए आगे बढ़ना शुरू कर दिया जबकि उनके ऊपर से गोलियां चल रही थीं। पारस्परिक गोलीबारी लगभग एक घंटे तक जारी रही और अंततः नक्सली जंगलों में भाग गए। मुठभेड़ के बाद इलाके की तलाशी करने पर पुलिस पार्टी ने 02 पुरुष माओवादियों के शव (1. रामू पोयाम, मिलिट्री कोय संख्या 01 सदस्य, 2. सिया राम मिलिट्री कोय संख्या 1 सदस्य), 12 बोर की एक देशी निर्मित पिस्तौल, 315 बोर की एक गन, 12 बोर के दो जिंदा कारतूस, 315 बोर के नौ जिंदा कारतूस, 5.56 एमएम आईएनएसएस राइफल के पांच खाली कारतूस, एसएलआर की तीन खाली कार्ट्रिज, ए.के.-47-राइफल की चार खाली कार्ट्रिज बरामद किये तथा 25 किलोग्राम वजन वाली दो एलईडी भी बरामद हुई जिन्हें माओवादियों ने सुरक्षा बलों को निशाना बनाने के लिए लगाया था। इन्हें बीडीएस टीम द्वारा मौके पर डिफ्यूज कर दिया गया था।

उप-निरीक्षक श्री मूलचंद कंवर ने अंधाधुंध गोलीबारी के सामने और जान के जोखिम की स्थिति में सामने से अपनी टीम की अगुवाई करते हुए अत्यंत साहस, बहादुरी और सूझ-बूझ का प्रदर्शन किया। इस सफलता में उनका योगदान विशिष्ट साहसी कृत्य, दुर्लभ नेतृत्व गुणों, सेवा के प्रति समर्पण, पूर्ण पेशेवरता और स्थिति पर कमांड का उदाहरण है। उप-निरीक्षक श्री मूलचंद कंवर ने दिनांक 24.01.2018 को माओवादियों के साथ एक और मुठभेड़ के दौरान भी इसी तरह अनुकरणीय साहस, धैर्य तथा दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन किया, परंतु फर्ज निभाते हुए उन्होंने अपने जीवन का बलिदान दे दिया।

दिनांक 16.03.2017 को कोछवाही तथा कुकदाझोर वन क्षेत्र में चलाए गए नक्सल-रोधी अभियान के दौरान उप-निरीक्षक श्री मूलचंद कंवर ने अनुकरणीय नेतृत्व गुणों, असाधारण साहसिक कृत्यन तथा राष्ट्र के प्रति निःस्वार्थ समर्पण का प्रदर्शन किया।

इस अभियान में, स्व. श्री मूलचंद कंवर, उप-निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाले नियमों के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए प्रदान किया जाता है तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 16/03/2017 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 50-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, छत्तीसगढ़ पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

1. आकाश राव गिरेपुंजे,
उप पुलिस अधीक्षक
2. सोनल ग्वाला,
निरीक्षक

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 25 अक्टूबर, 2017 को निरीक्षक सोनल ग्वाला, थाना प्रभारी (एस.एच.ओ.) खड़गांव को जानकारी मिली कि राष्ट्र विरोधी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए 25-30 कट्टर सशस्त्र नक्सल कॉडर कंकर जिले से सटे हुए कोपेनकाइका नामक गांव के समीप एकत्रित हुए हैं। उन्होंने तुरंत श्री आकाश राव गिरेपुंजे, एसडीओपी, मनपुर को सूचित किया। श्री आकाश राव गिरेपुंजे पुलिस स्टेशन खड़गांव पहुंचे। वन तथा पर्वतीय क्षेत्र को ध्यान में रखकर तथा आईटीबीपी और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ परामर्श से उन दोनों ने अभियान की योजना बनाई और तैयारी की। शाम को डीईएफ तथा आईटीबीपी की संयुक्त टीम के साथ मिलकर अभियान शुरू किया गया। लगभग 21.30 बजे जब पुलिस पार्टी चतुराई से कोपेनकाइका की ओर आगे बढ़ रही थी, पहाड़ी पर छिपे हुए नक्सलियों ने स्वचालित तथा अर्ध-स्वचालित हथियारों से गोलीबारी शुरू कर दी। श्री आकाश राव गिरेपुंजे, एसडीओपी तथा श्री सोनल ग्वाला, निरीक्षक ने

जल्दी से पोजिशन ले ली और टीम को कवर लेने का निदेश दिया। नक्सली पहाड़ी के शीर्ष से गोलीबारी कर रहे थे। अंधेरा होने के कारण तथा नक्सलियों की अनुकूल पोजिशन के कारण पुलिस पार्टी को अतिरिक्त सावधानी बरतनी पड़ रही थी। ऐसी प्रतिकूल परिस्थिति में, एसडीओपी श्री आकाश राव गिरेपुंजे तथा निरीक्षक सोनल ग्वाला ने अपने सैनिकों को जंगल में उपलब्ध कवर के साथ पोजिशन लेने का निर्देश दिया। बाद में उन्होंने माओवादी काँडरों के सामने अपनी पहचान का खुलासा किया जो कि लगातार सैनिकों पर गोलीबारी कर रहे थे तथा आत्मसमर्पण करने के लिए कहा। पुलिस अधिकारी की चेतावनी की अनदेखी करते हुए, माओवादी पुलिस कार्मिकों को मारने की पूर्व-निर्धारित योजना पर प्रयासरत रहे। कोई और विकल्प न रहने पर पार्टी कमांडर ने अपने सैनिकों को आत्मरक्षा में गोलीबारी शुरू करने तथा सशस्त्र माओवादी काँडरों को पकड़ने के लिए चतुराई से उनकी ओर आगे बढ़ने के लिए कहा। उन दोनों ने सामने से अभियान की अगुवाई की और इस कठिन परिस्थिति में अनुकरणीय कमांड तथा नियंत्रण का प्रदर्शन किया तथा पूरी टीम के मनोबल को भी बढ़ाया। इस कृत्य के साथ, बाकी जवानों ने भी एसडीओपी आकाश राव तथा निरीक्षक सोनल ग्वाला के निदेश का पालन करते हुए नक्सलियों को माकूल जवाब देना शुरू कर दिया जिससे नक्सलियों में भय और अफरातफरी फैल गई। पुलिस पार्टी के आगे बढ़ने को भांपकर, नक्सली घने जंगल कवर का फायदा उठाते हुए स्थल से भाग गए। इस अभियान में एसडीओपी श्री आकाश राव गिरेपुंजे और निरीक्षक सोनल ग्वाला ने न केवल पुलिस पार्टी को सफलतापूर्वक इस घातक नक्सली घात से बाहर निकाला बल्कि तीन कट्टर इनामी नक्सली कमांडरों के शव भी बरामद किए तथा 01 ए.के. 47 राइफल, एक 5.56 आईएनएसएस राइफल, एक 7.62 एसएलआर राइफल, 01 हथगोला, काफी सारा गोला-बारूद तथा दैनिक इस्तेमाल की अन्य सामग्रियां जब्त कीं। मारे गए तीन नक्सलियों में दो एरिया समिति सदस्य थे तथा एक एलओएस उप कमांडर था, जिन पर कुल मिलाकर 13 लाख रुपये का इनाम था तथा उन्होंने पालेमादाई क्षेत्र में आतंक फैला रखा था। उनमें से एक मानपुर क्षेत्र में कोरकोत्ती में दिनांक 12 जून, 2009 की घातक नक्सली घटना में भी शामिल था जिसमें तत्कालीन पुलिस अधीक्षक, श्री विनोद चौबे सहित 29 पुलिस कार्मिक शहीद हुए थे। इसके अलावा, इस अभियान में बरामद हुआ एक हथियार उस घटना के समय तत्कालीन पुलिस अधीक्षक की एस्कोर्ट पार्टी के जवान का था।

श्री आकाश राव गिरेपुंजे, एसडीओपी तथा श्री सोनल ग्वाला, निरीक्षक द्वारा अंधेरी रात में घने जंगलों वाले दुर्गम पहाड़ी क्षेत्र में पार्टी का नेतृत्व करने तथा तीन कट्टर नक्सली कमांडरों के शवों को बरामद करने और 3 स्वचालित हथियारों तथा बड़ी मात्रा में गोला-बारूद को बरामद करने का असाधारण कृत्य गुरिला युद्ध में उनकी महारथ को दर्शाता है। इस तरह की जान के जोखिम वाली परिस्थितियों में पहल करने में उनका अत्यंत साहस तथा कारगर तरीके से मिशन का नेतृत्व करना खतरे के सामने उनके बेमिसाल साहस, सूझ-बूझ तथा नेतृत्व गुणों को प्रदर्शित करता है।

इस अभियान में सर्वश्री आकाश राव गिरेपुंजे, उप पुलिस अधीक्षक और सोनल ग्वाला निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाले नियमों के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 25/10/2017 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 51-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, छत्तीसगढ़ पुलिस के निम्नलिखित अधिकारी को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

अधिकारी का नाम और रैंक

श्री अनिल कुमार सोनी,
अपर पुलिस अधीक्षक

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

वर्ष 2017 के नवंबर माह में विभिन्न स्रोतों से आसूचना इनपुट मिले, कि नेलनार गांव के वन क्षेत्र में नेलनार क्षेत्र समिति के सचिव, नेलनार एलओएस कमांडर सहित प्रतिबंधित सीपीआई माओवादी संगठन के लगभग 30-35 सशस्त्र सदस्य आतंक फैलाने और पास के क्षेत्र में सड़क निर्माण कार्यों में बाधा डालने के लिए सुरक्षा बलों पर हमला करने और उनके हथियार लूटने की योजना बना रहे हैं। नक्सलियों की साजिश को नाकाम करने के लिए, इलाके में वर्चस्व बनाने और माओवादियों को पकड़ने के लिए पुलिस अधीक्षक कार्यालय में नक्सल निरोधी अभियान की योजना बनाई गई। अपर पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार सोनी को माओवादियों के मुख्य क्षेत्र अबूझमाड़ के नेलनार इलाके में डीआरजी और एसटीएफ की संयुक्त पार्टी का नेतृत्व करने का दायित्व सौंपा गया।

दिनांक 06-07/11/2017 के बीच की रात को, आवश्यक ब्रीफिंग के बाद अपर पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार सोनी के नेतृत्व में डीआरजी और एसटीएफ के साथ एक पुलिस दल पर्याप्त हथियार, गोला-बारूद, संचार उपकरण और अन्य आवश्यक सामान लेकर नेलनार, मेटापारा की ओर चल पड़ा। पुलिस दल चतुराई से आगे बढ़ा और दिनांक 07/11/2017 की सुबह मेटापारा पहुंचा। योजना के अनुसार, दल को बाद में दो टीमों में विभाजित किया गया। अपर पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार सोनी ने खुद डीआरजी के 03 समूहों का नेतृत्व किया जिसमें कुल 90 कर्मी थे और पीसी सरबराज सिन्हा ने एसटीएफ वाली दूसरी टीम का नेतृत्व किया, जिसमें 48 कर्मी थे। टीमों ने प्रतिबंधित सीपीआई (माओवादी) समूह के सदस्यों के लिए गांव मेटापारा, इदनार, नेलनार, उलिसपारा के वन, पहाड़ी इलाके की खोज की। जब अपर पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार सोनी के नेतृत्व में एक टीम इरपनार के इलाके की तलाशी लेने के लिए गई और लगभग 13:30 बजे मदिन नदी को पार कर रही थी, तभी अचानक घात लगाकर बैठे माओवादियों ने पुलिस कर्मियों को मारने और उनके हथियारों को लूटने के इरादे से स्वचालित और अर्ध स्वचालित हथियारों का प्रयोग करते हुए पुलिस दलों पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। अपर पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार सोनी ने अपने पेशेवर कौशल के साथ त्वरित कार्रवाई की, खुद को पोजीशन किया तथा एसटीएफ और डीआरजी टीमों को निर्देश दिया कि वे खुद को कवर करें और नक्सलियों को घेरने के लिए घात क्षेत्र की बाईं और दाईं ओर जाएं।

पोजिशन लेने के बाद, पुलिस दल ने नक्सलियों को गोलीबारी को रोकने और पुलिस दल के सामने खुद का आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी, लेकिन नक्सलियों ने इसकी अनदेखी की और गोलीबारी जारी रखी। तब पुलिस दल के पास अपने जीवन और हथियारों को बचाने के लिए कोई विकल्प नहीं बचा, और उन्होंने आत्मरक्षा में जवाबी गोलीबारी की। अपर पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार सोनी ने गोलीबारी की और चतुराई से अपनी टीम के साथ नक्सली घात की ओर बढ़ गए। अपनी जान जोखिम में डालकर, उन्होंने सामने से अपनी टीम की अगुआई की और अपनी टीमों का मार्गदर्शन करते हुए अनुकरणीय साहस का प्रदर्शन किया। उन्होंने अपनी साहसिक कार्रवाई के साथ, न केवल अपनी टीम के सदस्यों को प्रोत्साहित और प्रेरित किया, बल्कि नक्सलियों की गोलीबारी का माकूल जवाब भी दिया। बढ़ते दबाव और तत्काल जवाबी कार्रवाई के चलते, नक्सली घने जंगल और पास की पहाड़ी की आड़ लेकर मौके से भाग गए।

पुलिस और सशस्त्र माओवादियों के बीच गोलीबारी लगभग एक घंटे तक चली। जब गोलीबारी बंद हुई तो पुलिस दल ने इलाके की तलाशी ली। क्षेत्र की बारीकी से खोज पर, डीआरजी और एसटीएफ दलों को मैगजीन और 06 जिंदा कारतूसों के साथ एक .303 राइफल, एक .315 राइफल, मैगजीन तथा 01 जिंदा कारतूस के साथ 01 पिस्तौल, तीन 12 बोर राइफल, 01 देसी निर्मित हथियार-भरमार, 03 पाउच जिनमें- .303 राइफल के 18 जिंदा कारतूस थे, .315 राइफल के 03 जिंदा कारतूस, 12 बोर राइफल के 10 जिंदा कारतूस, 01 रेडियो, घुंघरू के 02 जोड़े, 04 चाकू, 06 टार्च, 04 जोड़े काले रंग की नक्सली वर्दी, 02 कैचियां, 06 बैकपैक्स, लगभग 150 ग्राम गन पाउडर, लगभग 40 किलो वजन का 01 टिफिन बम, तार के साथ 01 स्विच, 17 नक्सली साहित्य, 01 काले रंग का बेल्ट आदि सहित चार महिला और एक पुरुष माओवादियों के शव बरामद हुए। दल ने सभी वस्तुओं को अपने कब्जे में ले लिया और उचित जब्ती की। घने जंगल, नदी और पहाड़ी की कठिन भौगोलिक स्थिति, जहाँ नक्सली कवर लेते हुए गोलीबारी कर रहे थे, में इस मुठभेड़ से नारायणपुर पुलिस को माओवादियों की माड डिवीजन के क्षेत्र में नक्सली खतरे को नियंत्रित करने के प्रयासों में एक बड़ी कामयाबी मिली। मुठभेड़ के दौरान जान के लिए जोखिम वाली परिस्थितियों में, अपर पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार सोनी ने उल्लेखनीय नेतृत्व गुण का प्रदर्शन किया और टीमों के बीच आपसी समन्वय से काम किया तथा बड़ी मात्रा में बरामदगी के साथ-साथ पांच खूंखार माओवादी कॉडरों को निष्क्रिय किया।

इस अभियान में, श्री अनिल कुमार सोनी, अपर पुलिस अधीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाले नियमों के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए प्रदान किया जाता है तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 07/11/2017 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 52-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

01. इफतीखार अहमद बादाम,
उप-निरीक्षक

02. अब्दुल अहद बाबा,
सहायक उप-निरीक्षक
03. अकील अहमद मालिक,
कांस्टेबल
04. सलिन्दर सिंह बाली,
फॉलोअर

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

आखनपोरा हरीतार क्षेत्र, सोपोर में लश्कर-ए-तैयबा संगठन के कुछ विदेशी आतंकवादियों की गतिविधि के संबंध में एक विशिष्ट जानकारी पर कार्रवाई करते हुए दिनांक 02.01.2017 को लगभग 2320 बजे पुलिस ने 52 आर.आर. की टुकड़ी के साथ सहयोग से आखनपोरा हरीतार क्रॉसिंग पर एक घात लगाई, जिसके दौरान कुछ संदिग्ध गतिविधि देखी गई। उनकी पहचान के लिए उन्हें रुकने की चुनौती दी गई परंतु उन्होंने चेतावनी को नकार दिया और अपने अत्याधुनिक हथियारों से घात दल पर भारी गोलीबारी शुरू कर दी। घात दल जिसमें श्री आशीष कुमार-आईपीएस (एसडीपीओ सोपोर), उप-निरीक्षक इफतीखार, संख्या एआरपी-115585, सहायक उप-निरीक्षक अब्दुल अहद संख्या 65/एसपीआर, सहायक उप-निरीक्षक फारूक अहमद, संख्या 24/एसपीआर, हेड कांस्टेबल मुजफ्फर अहमद, संख्या 34/एसपीआर, कांस्टेबल अकील अहमद, संख्या 46/एसपीआर तथा फॉलोअर सलिन्दर सिंह, संख्या 44/एफ आठवीं आईआरपी ने गोलीबारी का जवाब दिया, जिससे खुले मैदान में बंदूक की लड़ाई शुरू हो गई, वो भी घने अंधेरे में। ये दोनों विदेशी आतंकवादी अत्यंत प्रशिक्षित थे तथा सुरक्षा बलों से लड़ने में निपुण थे और ये दोनों आतंकवादी अपनी सर्वश्रेष्ठ रणनीति के अनुसार तुरंत दो तरफ भागे और वे लगातार घात दल पर गोलीबारी करते रहे। वहां पर घना अंधेरा और बर्फीली ठंड थी और ऐसी प्रतिकूल परिस्थिति में आतंकवादियों के लिए मौके से भाग जाने के और ज्यादा अवसर थे। अतः गंभीर विचार के बाद घात दल तुरंत दो छोटे दलों (समूहों) में बंट गया और उन्होंने दो अलग-अलग दिशाओं में पोजीशन ले ली। एक दल में उप-निरीक्षक इफतीखार, संख्या एआरपी-115585, सहायक उप-निरीक्षक अब्दुल अहद संख्या 65/एसपीआर, कांस्टेबल अकील अहमद, संख्या 46/एसपीआर तथा फॉलोअर सलिन्दर सिंह, संख्या 44/एफ आठवीं आईआरपी शामिल थे और वे ऐसी अत्यंत विकट परिस्थिति तथा शत्रुपूर्ण स्थिति में पेशेवरता, सर्वोच्च स्तर की वीरता और सूझ-बूझ का प्रदर्शन करते हुए रेंगते हुए आतंकवादियों की ओर लगभग 100 मीटर आगे बढ़ गए तथा दूसरे दल में श्री आशीष कुमार मिश्र-आईपीएस, सहायक उप-निरीक्षक, फारूक अहमद, संख्या 24/एसपीआर, हेड कांस्टेबल मुजफ्फर अहमद, संख्या 34/एसपीआर शामिल थे, जो कि पहले दल को तब तक कवर गोलीबारी प्रदान करते रहे जब तक कि वे आतंकवादियों के पास पहुंच नहीं गए/उनकी ओर बढ़ते रहे तथा इससे समीप से बंदूक की एक लड़ाई शुरू हो गई। एडवांस दल में उप-निरीक्षक इफतीखार, संख्या एआरपी-115585, सहायक उप-निरीक्षक अब्दुल अहद संख्या 65/एसपीआर, कांस्टेबल अकील अहमद, संख्या 46/एसपीआर तथा फॉलोअर सलिन्दर सिंह, संख्या 44/एफ आठवीं आईआरपी शामिल थे, जो कि दूसरे दल द्वारा कवर गोलीबारी की आड़ में अपनी जान की परवाह किए बिना अड़िग चढ़ान की तरह आतंकवादियों के सामने आ गए और उन्होंने खुले मैदान में आतंकवादियों पर भारी गोलीबारी की, जिसके परिणामस्वरूप एक खूंखार विदेशी आतंकवादी की मौके पर ही मौत हो गई। मारे गए आतंकवादी की पहचान बाद में लश्कर-ए-तैयबा संगठन के पाकिस्तान निवासी उमर खिताब के रूप में हुई। मुठभेड़ स्थल से हथियारों/गोला-बारूद का एक बड़ा जखीरा बरामद हुआ तथा इस संबंध में पुलिस स्टेशन तारजू में धारा 307/आरपीसी, 7/27 आयुध अधिनियम के तहत मामला एफआईआर संख्या 01/2017 दर्ज है।

यह उल्लेखनीय है कि मारा गया आतंकवादी पिछले चार-पांच वर्षों से पी.डी. सोपोर के क्षेत्र में सक्रिय था तथा वह अन्यय विध्वंसकारी गतिविधियों के साथ-साथ 2016 के अशांति/जन विद्रोह में अत्यंत सक्रिय रहा था और वह विरोध/जुलूस में भी उपस्थित रहा था जिसके दौरान कई अवसरों पर उसने सुरक्षा बलों/पुलिस पर गोली भी चलाई थी। संपूर्ण अभियान के दौरान उप-निरीक्षक इफतीखार, संख्या एआरपी-115585, सहायक उप-निरीक्षक अब्दुल अहद, संख्या 65/एसपीआर, कांस्टेबल अकील अहमद, संख्या 46/एसपीआर तथा फॉलोअर सलिन्दर सिंह, संख्या 44/एफ आईआरपी आठवीं बटालियन ने साहस तथा पारस्परिक सहयोग की विशिष्ट भूमिका का प्रदर्शन किया।

इस अभियान में सर्वश्री इफतीखार अहमद बादाम, उप-निरीक्षक, अब्दुल अहद बाबा, सहायक उप-निरीक्षक, अकील अहमद मालिक, कांस्टेबल और सलिन्दर सिंह बाली, फॉलोअर ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाले नियमों के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 02/01/2017 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 53-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

01. मोहम्मद रमीज भट्ट
एसजीसीटी
02. नसीर अहमद बेग,
कांस्टेबल

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 10.01.2017 को एक विशिष्ट सूचना मिली कि पररे मोहल्ला, हाजिन में कुछ विदेशी आतंकवादी मौजूद हैं, जो कि पास की पुलिस/सेना की संस्थापनाओं पर फिदायीन हमले को अंजान देने की मंशा से वहां छिपे हुए हैं। सूचना को सेना की 13 आरआर तथा सीआरपीएफ की 45वीं बटालियन के साथ साझा किया गया। तदनुसार, सावधानीपूर्वक योजना बनाने के पश्चात, लगभग 1730 बजे पुलिस अधीक्षक, बांदीपोर तथा सेना की 13 आरआर की समग्र निगरानी में एसओजी बांदीपोर, पुलिस स्टेशन-हाजिन से पुलिस टीम, सेना की 13 आरआर तथा सीआरपीएफ की 45वीं बटालियन द्वारा एक संयुक्त घेराबंदी तथा तलाशी अभियान शुरू किया गया। सेना तथा पुलिस के अधिकारियों की टीमों द्वारा क्षेत्र की घेराबंदी की गई, पुलिस टीमों का नेतृत्व श्री शेख जुल्फीकार आज़ाद, पुलिस अधीक्षक, बांदीपोर, मीर मुर्तजा हुसैन उप पुलिस अधीक्षक, पीसी, बांदीपोर तथा राशिद अकबर, एसडीपीओ, सुम्बल कर रहे थे। कार्रवाई दलों ने खुद को उजागर किए बिना लक्षित क्षेत्र तक पहुंचने के लिए अपने सामरिक कौशल का प्रयोग किया। शुरुआत में संदिग्ध क्षेत्र की समीप से मजबूत घेराबंदी डालने के लिए सेना/पुलिस के दो समग्र दस्तों का गठन किया गया। श्री शेख जुल्फेकार आज़ाद, पुलिस अधीक्षक, बांदीपोर तथा कर्नल विक्रम जीत सिंह सीओ 13 आरआर की समग्र कमांड तथा निगरानी में श्री राशिद अकबर, एसडीपीओ सुम्बल तथा 13 आरआर के मेजर पी.के. पाठक की कमांड के तहत एक कार्रवाई टीम को पश्चिमी तरफ को कवर करते हुए लक्षित क्षेत्र के उत्तर से दक्षिण की घेराबंदी करने का दायित्व सौंपा गया जबकि मीर मुर्तजा हुसैन उप पुलिस अधीक्षक पुलिस स्टेशन बांदीपोर तथा उनके साथी नामतः कांस्टेबल नसीर अहमद तथा सार्जेंट मोहम्मद रमीज और 13 आरआर के मेजर मलय बैदय की कमांड के तहत दूसरी कार्रवाई टीम को पूर्वी तरफ को कवर करते हुए लक्षित क्षेत्र के उत्तर से दक्षिण की घेराबंदी करने का दायित्व सौंपा गया। घेराबंदी के दौरान, समग्र बल घटक जो कि पुलिस तथा सेना थे, ने अपने संबंधित संचार वायरलेस सैटों के पारस्परिक आदान-प्रदान के माध्यम से उत्कृष्ट समन्वयन स्थापित किया और इस तरह एक अत्यंत तालमेल तथा पेशेवर तरीके से कार्य किया। सीआरपीएफ की 45वीं बटालियन टीम तथा एक अन्य पुलिस दल को इस निर्देश के साथ कानून तथा व्यवस्था के अनुरूप सबसे बाहरी घेराबंदी करने का कार्य सौंपा गया, कि इर्द-गिर्द के क्षेत्रों से किसी भी नागरिक को लक्षित क्षेत्र की तरफ न जाने दिया जाए, ताकि अनियंत्रित भीड़ द्वारा मुख्य लक्ष्य-क्षेत्र में अशांति न फैलाई जाए तथा अभियान चलाए जाने के दौरान इस क्षेत्र को नागरिकों के हस्तक्षेप से मुक्त रखा जा सके। जैसे ही घेराबंदी की गई, छिपे हुए आतंकवादियों ने कार्रवाई दलों पर अंधाधुंध गोलीबारी की। कार्रवाई दलों के लिए उन नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकालना एक चुनौतीपूर्ण कार्य था, जो क्षेत्र में फंस गए थे। अतः, घेराबंदी के अंतर्गत क्षेत्र तथा सटे हुए घरों से नागरिकों को सफलतापूर्वक बाहर निकालने के लिए दो टीमों का गठन किया गया। श्री राशिद अकबर, एसडीपीओ सुम्बल की कमांड तथा नियंत्रण में एक टीम तथा मीर मुर्तजा हुसैन, उप पुलिस अधीक्षक, पीसी, बांदीपोर की कमांड तथा नियंत्रण में एक दूसरी टीम ने घेराबंदी के अंतर्गत क्षेत्र तथा सटे हुए घरों से नागरिकों को निकालने की प्रक्रिया शुरू कर दी। इन दलों के लिए फंसे हुए नागरिकों को निकालना एक कठिन कार्य था जिसके लिए श्री दाउद अय्युब, अपर पुलिस अधीक्षक, बांदीपोर तथा राशिद अकबर, एसडीपीओ, सुम्बल को अपने साथी के साथ न केवल लक्षित क्षेत्र के अत्यंत पास जाना पड़ा जो कि उस क्षेत्र से सटा हुआ था जहां से छिपे हुए आतंकवादी निरंतर इन दलों पर गोलीबारी कर रहे थे बल्कि सेना के उन दलों के साथ समन्वयन तथा तालमेल भी बनाना पड़ा जो आतंकवादियों को उलझाए हुए थे तथा निकासी टीमों को कवर गोलीबारी प्रदान कर रहे थे। नागरिकों को सफलतापूर्वक बाहर निकालने के बाद तीसरा और सबसे महत्वपूर्ण चरण था, छिपे हुए आतंकवादियों को निष्क्रिय करना। आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने की चुनौती दी गई परंतु इसका जवाब उन्होंने गोलियों की बौछार करके और हथगोला फेंककर दिया। श्री शेख जुल्फ कार आज़ाद, पुलिस अधीक्षक, बांदीपोर तथा कर्नल विक्रम जीत सिंह, सीओ 13 आरआर की समग्र कमांड तथा निगरानी में एक फिदायीन निरोधी (एंटी सुसाइड) दस्ते का गठन किया गया जिसमें श्री राशिद अकबर, एसडीपीओ सुम्बल तथा श्री साकिब गनी, उप पुलिस अधीक्षक प्रोब., कांस्टेबल इर्शाद अहमद, सं. 4215/एस तथा 13 आरआर के मेजर मलय बैदय और उनके साथी शामिल थे। इन दोनों स्वैच्छिक कार्रवाई टीमों ने अपनी व्यक्तिगत जान की परवाह किए बिना लक्षित क्षेत्र पर धावा बोल दिया जो कि क्षेत्र पर सभी ओर से था तथा उन्होंने गोलीबारी के नियंत्रण के लिए घेराबंदी में सबसे बाहरी टीमों के साथ

अत्यंत समन्वयन भी रखा और इसके बाद हुई करीबी लड़ाई में लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) का एक आतंकवादी निष्क्रिय हो गया। मारा गया आतंकवादी कठोर लड़ाका था जिसकी पहचान बाद में ए श्रेणी के अबू माविया के रूप में हुई। किसी भी नागरिक अथवा पुलिस/सेना/सीआरपीएफ कर्मियों के हताहत हुए बिना अभियान पूरा हुआ। मारे गए आतंकवादी के पास से बरामद हुए हथियारों/गोला बारूद में 01 ए.के.-47 राइफल, 04 पाउच, 03 चाइनीज हथगोले तथा 01 वायरलैस सैट बरामद हुआ। इस संबंध में पुलिस स्टेशन हाजिन में धारा 307 आरपीसी, 7/27 आयुध अधिनियम के तहत मामला एफआईआर सं. 03/2017 दर्ज है।

पूरे अभियान में श्री शेख जुल्फकार आजाद, पुलिस अधीक्षक बांदीपोर, श्री मीर मुर्तजा हुसैन, उप पुलिस अधीक्षक, पीसी बांदीपोर, श्री राशिद अकबर, एसडीपीओ सुम्बल, श्री साकिब गनी केपीएस उप पुलिस अधीक्षक (प्रोब.), कांस्टेबल इर्शाद अहमद, सं. 4215/एस, कांस्टेबल नसीर अहमद, सं. 743/बीपीआर तथा सार्जेंट मोहम्मद रमीज अहमद, संख्या 189/बीपीआर आने वाले खतरे से अनजान थे परंतु उन्होंने वीरता, साहस, दुर्लभ सामरिक कौशल तथा अनुकरणीय सहभागिता, अतुलनीय साहस तथा निःस्वार्थ कर्तव्यपरायणता की विशिष्ट भूमिका निभाई जिसके परिणामस्वरूप बिना किसी संपाश्विक क्षति के 'ए' श्रेणी के एक खूंखार आतंकवादी को सफलतापूर्वक निष्क्रिय किया गया। इस अभियान में श्री राशिद अकबर, एसडीपीओ सुम्बल, श्री साकिब गनी, उप पुलिस अधीक्षक प्रोब. तथा कांस्टेबल इर्शाद अहमद, सं. 4215/एस को उनके साहसिक कृत्य की मान्यता के रूप में वीरता के लिए शेर-ए-कश्मीर पुलिस पदक प्रदान किए जाने के लिए अलग से अनुशंसित किया गया है।

इस अभियान में सर्व/श्री मोहम्मद रमीज भट्ट, एसजीसीटी और नसीर अहमद बेग, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाले नियमों के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 10/01/2017 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 54-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक का दिवतीय बार/वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

अधिकारियों के नाम और रैंक	
सर्व/श्री	
01. शेख जुल्फकार आजाद, पुलिस अधीक्षक	(वीरता के लिए पुलिस पदक का दिवतीय बार)
02. महबूब हुसैन बांडे, निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
03. बदर हुसैन, कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
04. एजाज मसूद चाक्केट, कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 25.11.2016 को मंजपोरा नैडखाई क्षेत्र में आत्मघाती दस्ते के कुछ विदेशी आतंकवादियों की उपस्थिति के संबंध में एक विशिष्ट जानकारी प्राप्त हुई। वे इलाके में किसी आतंकी हमला करने की योजना बना रहे थे। तदनुसार, सावधानीपूर्वक योजना के बाद, पुलिस अधीक्षक बांदीपोर तथा सीओ 13वीं आरआर की निगरानी के अंतर्गत 13-आरआर तथा सी.आर.पी.एफ. की 45वीं बटालियन की सहायता से पूरे गांव की घेराबंदी कर दी गई।

परिणाम उन्मुख अभियान के लिए श्री शेख जुल्फकार आजाद, पुलिस अधीक्षक बांदीपोर, श्री दाउद अय्युब, अपर पुलिस अधीक्षक बांदीपोर, मीर मुर्तजा हुसैन, उप पुलिस अधीक्षक, पीसी, बांदीपोर, राशिद अकबर, एसडीपीओ सुम्बल तथा निरीक्षक महबूब हुसैन, एसएचओ पुलिस स्टेशन सुम्बल के नेतृत्व वाले अभियान दलों ने सामरिक कुशाग्रता का इस्तेमाल करते हुए खुद को प्रकट किए बिना लक्ष्य क्षेत्र को चिन्हित किया। लक्ष्य क्षेत्र के रूप में बाग के सटीक निर्धारण के बाद श्री शेख जुल्फकार आजाद, पुलिस अधीक्षक बांदीपोर तथा कर्नल विक्रमजीत सिंह, सीओ 13 आरआर की समग्र कमांड के अंतर्गत श्री दाउद अय्युब, अपर पुलिस अधीक्षक, बांदीपोर के नेतृत्व वाली टीम जिसमें श्री राशिद अकबर एसडीपीओ सुम्बल तथा 13 आरआर के कैप्टन वी.ए. कुमार रेड्डी शामिल थे, को लक्ष्य क्षेत्र को पूर्वी ओर को

भी कवर करते हुए, उत्तरी ओर से घेराबंदी करने का कार्य सौंपा गया, जबकि मीर मुर्तजा हुसैन, डीवाईएसपी, पीसी बांदीपोर की कमांड के अंतर्गत टीम जिसमें श्री महबूब हुसैन, थाना प्रभारी, पुलिस स्टेशन-सुम्बल और 13 आरआर के मेजर मलय वैध शामिल थे, को पश्चिमी ओर को भी कवर करते हुए, दक्षिणी ओर से घेराबंदी करने का कार्य सौंपा गया। सी.आर.पी.एफ. की 45वीं बटालियन के कर्मियों को पुलिस के साथ सहयोग से कानून और व्यवस्था का ध्यान रखने के साथ-साथ क्षेत्र की बाहरी घेराबंदी का कार्य सौंपा गया। इस बीच, छिपे हुए आतंकवादियों ने अभियान कर्मियों की उपस्थिति को देखकर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। तथापि, यह देखा गया कि कुछ नागरिक इर्द-गिर्द के घरों में फंस गए थे। उनकी निकासी के लिए पुलिस अधीक्षक, बांदीपोर की समग्र कमांड में दो टीमों का गठन किया गया, एक का नेतृत्व श्री दाउद अय्युब, अपर पुलिस अधीक्षक, बांदीपोर कर रहे थे जिसमें राशिद अकबर, एसडीपीओ सुम्बल, कांस्टेबल बदर हुसैन संख्या 154/एपी आठवीं बटालियन, एसजी. कांस्टेबल मोहम्मद गुलाम संख्या 2075/एस, कांस्टेबल कौसर अहमद संख्या 462/बीपीआर भी शामिल थे तथा दूसरी टीम की कमांड मीर मुर्तजा हुसैन, डीवाईपीएस, पीसी बांदीपोर कर रहे थे जिसमें निरीक्षक महबूब हुसैन, थाना प्रभारी, पुलिस स्टेशन-सुम्बल, कांस्टेबल अजाज मसूद संख्या 768/बीपीआर, कांस्टेबल जहीर अब्बास संख्या 389/एस, कांस्टेबल इफ्तिखार अहमद, संख्या 342/बीपीआर शामिल थे। अन्य अभियान कर्मियों द्वारा उपलब्ध कराई गई कवर गोलीबारी की आड़ में, टीमों फंसे हुए सभी नागरिकों को लक्षित क्षेत्रों से निकालने में सफल रहें।

सफल निकासी प्रक्रिया के पश्चात, छिपे हुए आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, जिसे उन्होंने नकार दिया तथा इसके जवाब में भारी गोलीबारी की। पुलिस अधीक्षक बांदीपोर तथा सीओ 13 आरआर की कमांड के तहत पहले से गठित टीमों, जिसमें अनुशंसित शामिल थे, ने लक्ष्य की ओर बढ़ना शुरू कर दिया ताकि इसे और सटीक बनाया जा सके। तथापि, छिपे हुए आतंकवादियों ने एक बार फिर से अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, जिससे आमने-सामने की गोलीबारी शुरू हो गई जो कुछ समय तक चली और उसका समापन आतंकवादियों के खात्मे के साथ हुआ जिनकी पहचान बाद में पाकिस्तान के अबू सुराग उर्फ सुराका तथा उर्फ अब्दुलाह के रूप में हुई। गोलीबारी के दौरान छिपे हुए आतंकवादियों से लड़ते हुए 13 आरआर के नाइक चंद्र सिंह शहीद हो गए। मुठभेड़ स्थल से हथियारों/गोला-बारूद का बड़ा जखीरा बरामद हुआ तथा इस संबंध में पुलिस स्टेशन-सुम्बल में धारा 302 आरपीएस, 7/72 आयुध अधिनियम के तहत मामला एफआईआर संख्या 162/2016 दर्ज है। यह उल्लेखनीय है कि श्री शेख जुल्फकर आजाद, पुलिस अधीक्षक बांदीपोर, श्री दाउद अय्युब, अपर पुलिस अधीक्षक बांदीपोर, श्री मीर मुर्तजा हुसैन, उप पुलिस अधीक्षक, पीसी बांदीपोर, राशिद अकबर, एसडीपीओ सुम्बल तथा निरीक्षक महबूब हुसैन, थाना प्रभारी, पुलिस स्टेशन- सुम्बल, कांस्टेबल बदर हुसैन, संख्या 154/एपी आठवीं बटालियन, कांस्टेबल अजाज मसूद, संख्या 768/बीपीआर, कांस्टेबल कौसर अहमद, संख्या 462/बीपीआर, कांस्टेबल जहीर अब्बास, संख्या 389/एस, एसजी. कांस्टेबल मोहम्मद गुलाम, संख्या 2075/एस तथा कांस्टेबल इफ्तिखार अहमद, संख्या 342/बीपीआर ने असाधारण साहस तथा दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन किया।

इस अभियान में सर्व/श्री शेख जुल्फकर आजाद, पुलिस अधीक्षक, महबूब हुसैन बांडे, निरीक्षक, बदर हुसैन, कांस्टेबल और अजाज मसूद चाक्केट, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाले नियमों के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए/प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 25/11/2016 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 55-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार/वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

01. अल्ताफ अहमद खान,
वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक

(वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार)

02. तेजपाल सिंह,
कांस्टेबल

वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 01 जुलाई, 2017 को सुबह-सुबह जम्मू और कश्मीर पुलिस द्वारा विश्वसनीय सूत्रों के माध्यम से लश्कर-ए-तैयबा के शीर्ष आतंकवादी कमांडर और उसके साथी के एक बशीर अहमद गनी पुत्र जी.एच. हसन गनी निवासी ग्राम ब्रिटि डायलगाम, अनंतनाग के रिहायशी घर में छिपे होने के बारे में जानकारी जुटाई गई। श्री मुनीर अहमद खान, आईपीएस, आईजीपी कश्मीर जोन के साथ-साथ श्री एस.पी. पाणि, आईपीएस, डीआईजी, एसकेआर, अनंतनाग तथा श्री अल्लाफ अहमद, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनंतनाग के द्वारा भी अतिरिक्त जानकारी जुटाई गई तथा इनपुट की पुष्टि होने पर, सूचना को शीघ्रता से डीआईजी, सीआरपीएफ, एसकेआर, सीओ 40वीं बटालियन, सीआरपीएफ/19 आरआर के साथ साझा किया गया तथा एक संयुक्त अभियान की योजना बनाई गई। योजना के अनुसार कार्रवाई करते हुए, संयुक्त कार्रवाई टीमों ने, लक्ष्य स्थल पर पहुंचने के बाद जल्द ही क्षेत्र की घेराबंदी कर दी और पूरी तैनाती को तीन हिस्सों में विभाजित किया गया। तैनाती के एक हिस्से को विशेष रूप से कानून और व्यवस्था के प्रबंधन का दायित्व सौंपा गया तथा तैनाती के शेष दो हिस्सों को भीतर और बाहर से घेराबंदी करने का कार्य सौंपा गया। आंतरिक घेराबंदी वाले दलों को आगे तीन और घटकों में विभाजित किया गया, जिनका नेतृत्व श्री एस.पी. पाणि, आईपीएस, डीआईजी पुलिस, एसकेआर, अनंतनाग, सीओ 19 आरआर और श्री लियाकत अली खान, उप पुलिस अधीक्षक, मुख्यालय, अनंतनाग कर रहे थे। इस कार्य में सबसे वरिष्ठ अधिकारी होने के नाते, श्री मुनीर अहमद खान, आईपीएस ने पूरे अभियान की जिम्मेदारी संभाली और अल्लाफ अहमद खान, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, अनंतनाग के साथ सामने से खोजी दलों का स्वयं नेतृत्व करने का निर्णय लिया। चूंकि दिन-दिहाड़े उजाले में अभियानों को क्रियान्वित करना हमेशा चुनौतियों से भरा होता है, वह भी तब जब शीर्ष आतंकवादी कमांडरों के छिपने की रिपोर्ट प्राप्त होती है, इसलिए आईजीपी, कश्मीर ने मौके पर स्थिति के अनुसार कार्य किया, रणनीति पर दोबारा काम किया और लक्षित घर से नागरिकों की सुरक्षित निकासी के लिए दो अलग-अलग दिशाओं से अपनी टीम आगे ले जाने का कार्य श्री मुकेश कुमार कक्कड़, अपर पुलिस अधीक्षक, अनंतनाग को सौंपा, क्योंकि ऐसी रिपोर्ट थी कि उत्तर प्रदेश के एक संदीप कुमार शर्मा सहित अधिकतर महिलाएं घर के भीतर हैं, जो सभी पहली मंजिल पर फंस गए थे। जैसे ही आईजीपी कश्मीर की अगुवाई वाले खोजी दल ने लक्षित घर की ओर बढ़ना शुरू किया, एक छिपे हुए आतंकवादी ने अचानक घर की दूसरी मंजिल की खिड़की को खोल दिया और उस दिशा में एक हथगोला फेंका, जिधर से श्री एस.पी. पाणि, आईपीएस, डीआईजी पुलिस, एसकेआर तथा एसएसपी अनंतनाग सहित आईजीपी, कश्मीर आगे बढ़ रहे थे। यह भांपकर कि हथगोले का निशाना चूक गया, आतंकवादियों ने संयुक्त खोजी टीम पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी तथा चूंकि टीम समुचित रूप से सतर्क थी, वे सफलतापूर्वक आतंकवादियों के अचानक हमले को विफल करके घातक/गैर-घातक चोटों से अपने आपको बचा सके। नागरिकों को मौतों से बचाने के लिए आईजीपी, कश्मीर के नेतृत्व वाली अभियान टीम ने उसी समय गोलीबारी के जवाब में जवाबी गोलीबारी नहीं की। तथापि, अपने युद्ध कौशल के प्रभाव से, वे आतंकवादियों के बीच घबराहट की भावना पैदा करने में सफल रहे तथा उन्हें तब तक भीतर रहने के लिए बाध्य किया जब तक कि आईजीपी कश्मीर, एसएसपी अनंतनाग के साथ घर के प्रथम तल में घुस नहीं गए। घर के बाहर सीओ, 19 आरआर कम से कम 15 कार्मिकों की अपनी टीम के साथ तथा उप निरीक्षक शब्बीर अहमद एआरपी109350, कांस्टेबल मोहम्मद अकबर 1279/ए, सार्जेंट मुदस्सिर हसन 608 आईआर, दूसरी बटालियन, सार्जेंट राकेश कुमार, 1047/ए, सार्जेंट मुर्तजा नजीर 1353/ए, सार्जेंट फैय्याज अहमद 308/आईआर 18वीं, सार्जेंट संजय कुमार 392/आईआर 18वीं, सार्जेंट इशफाक अहमद 537/ए, एसपीओ शब्बीर अहमद 603/एसपीओ, एसपीओ मोहम्मद युनिस 569/एसपीओ, तारिक अहमद 305/एसपीओ, मुस्ताज अहमद 52/एसपीओ, गौहर युसुफ 646/एसपीओ, ए बी राशिद 311/एसपीओ, मुस्ताज अहमद 230/एसपीओ, जो कि एसएसपी अनंतनाग के नेतृत्व वाले संयुक्त घटक का हिस्सा थे, ने तब तक पूरे घर को अपने कब्जे में रखा जब तक कि आईजीपी, कश्मीर के नेतृत्व वाले दलों ने घर के सभी निवासियों को बाहर निकालने में कामयाबी हासिल नहीं कर ली। यह उल्लेख करने की आवश्यकता नहीं है कि घर के अंदर छिपे हुए दोनों आतंकवादियों ने घर की पहली मंजिल चले जाने के दो प्रयास किए, ताकि वे लोगों को हताहत कर सकें। यह प्रयास करते हुए आतंकवादियों ने लगभग 20 राउंड गोलीबारी की, परंतु मकान की बनावट के चलते जिसने कि आतंकवादियों को खुला दृष्टिक्षेत्र उपलब्ध नहीं होने दिया तथा श्री अल्लाफ खान, एसएसपी, अनंतनाग और उनके साथी सार्जेंट तेजपाल सिंह 350/आईआर तीसरी बटालियन द्वारा ली गई कारगर पोजीशन के कारण भी आतंकवादी लक्षित घर के प्रथम तल पर जाने में सफल नहीं हो सके। नागरिकों के सफलतापूर्वक बाहर निकाले जाने के पश्चात, आतंकवादी संयम खो बैठे तथा उन्होंने पूरी कुंठा में, घेराबंदी तोड़ने की मंशा से संयुक्त खोजी दल पर गोलियों की बाँछार कर दी ताकि वे घटनास्थल से भाग सकें। तथापि, श्री मुनीर अहमद खान, आईपीएस ने योजना के अनुसार काम किया और घेराबंदी को और मजबूत किया तथा एसएसपी, अनंतनाग को निर्देश दिया कि वे लक्षित घर के चारों ओर तैनाती की निगरानी करें जहां पर सीओ 19 आरआर भी मौजूद थे। इस बीच, लक्षित घर पर भी ध्यान केन्द्रित किया गया और तीन दिशाओं से जवाबी गोलीबारी की गई। जवाबी गोलीबारी कम से कम एक घंटे तक जारी रही, जिसके दौरान आतंकवादियों को अधिक से अधिक गोला बारूद का उपयोग करने के लिए मजबूर किया गया। यह देखते हुए कि आतंकवादी भी अपनी रणनीति बदल रहे थे और अभियान के लंबे समय तक चलने का अनुमान लगा रहे थे ताकि वे रात के समय के दौरान अपने भागने की व्यवस्था कर सकें, श्री मुनीर अहमद खान, आईपीएस ने श्री अल्लाफ अहमद खान, एसएसपी अनंतनाग की टीम के साथ घर पर धावा बोलने की योजना बनाई। ऐसा करते हुए, सीओ 19 आरआर (सेना) की

टीम लक्षित घर के बहुत करीब पहुंच गई और तब तक आतंकवादियों को भीषण गोलीबारी में उलझाए रखा जब तक कि श्री अल्ताफ अहमद खान, और उनकी टीम के साथियों सहित आईजीपी, कश्मीर घर के अंदर घुस जाने में कामयाब नहीं हो गए। घर के अंदर घुसते समय, आतंकवादियों में से एक पहली मंजिल पर चला गया और उसने दोनों अधिकारियों और उनकी टीम के साथियों पर हमला कर दिया तथा उनमें से अधिकांश बाल-बाल बचे, तथापि, जवाबी गोलीबारी में, आतंकवादी मौके पर ही मारा गया। आईजीपी, कश्मीर एसएसपी, अनंतनाग के साथ तुरंत दूसरी मंजिल पर चले गए और कम से कम 10 मिनट तक दूसरे आतंकवादी से भिड़े रहे और उसे भी खत्म करने में सफल रहे। मारे गए दोनों आतंकवादियों की पहचान लश्कर ए तैयबा कमांडर (ए++ वर्गीकृत) बशीर अहमद वानी उर्फ लश्कर उर्फ उकासा तथा अबू माज़ (विदेशी) के रूप में हुई। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से बरामद किए गए हथियारों/गोला बारूद में 2 एके राइफल, 2 एके 47 मैगज़ीन और 48 ए के कारतूस शामिल हैं। इस संबंध में पुलिस स्टेशन अचाबल में धारा 302, 307, 148, 149, 336, 332 आरपीसी तथा 7/27 आयुध अधिनियम के तहत मामला एफआईआर संख्या 92/2017 दर्ज है। लश्कर के सबसे वांछित आतंकवादी कमांडर बशीर अहमद वानी उर्फ लश्कर उर्फ उकासा तथा उसके साथी अबू माज़ का सफाया, निस्संदेह, पुलिस/सुरक्षा बलों के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि थी क्योंकि उनकी मौत ने लश्कर ए तैयबा संगठन को बड़ी चोट पहुंचाई थी। मारा गया आतंकवादी बशीर अहमद वानी न्यायाधीश अथर के निवास स्थान पर स्थित गार्ड चौकी पर हुई हथियार छीनने की घटना, लोअरमोंडा, काजीगुंड में सेना के काफिले पर हमले, कुलगर, अचबल में थाना प्रभारी, पुलिस स्टेशन-अचबल की उनके 05 पीएसओ सहित हत्या, तथा अनंतनाग जिले में विभिन्न स्थानों पर 05 एटीएम लूटने में भी मास्टरमाइंड था। उसके पास उग्रवाद में युवाओं की भर्ती के लिए पर्याप्त प्रेरक क्षमता भी थी ताकि सामान्य रूप से एसकेआर में तथा विशेष रूप से अनंतनाग जिले और कोकेमाग क्षेत्रों में लश्कर ए तैयबा की नौव फ़िर से डाली जा सके।

इस अभियान में सर्वश्री अल्ताफ अहमद खान, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक और तेजपाल सिंह, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाले नियमों के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 01/07/2017 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 56-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार/वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत) प्रदान करते हैं:—

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्वश्री

- | | |
|---|---------------------------------------|
| 01. सैय्यद जावेद मुजतबा गिलानी, आईपीएस, महानिरीक्षक | (वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार) |
| 02. अमित कुमार, आईपीएस, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक | (वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार) |
| 03. खुशींद अहमद अवन, उप-निरीक्षक | वीरता के लिए पुलिस पदक |
| 04. रौफ अहमद भट्ट कांस्टेबल | वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत) |

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 15.08.2016 को जब राष्ट्र अपना स्वतंत्रता दिवस 2016 मना रहा था, 0800 बजे नौहाटा चौक श्रीनगर में दो पाकिस्तानी आतंकवादियों द्वारा एक फियादीन हमला किया गया जिसमें 01 पुलिस कार्मिक सहित 08 सीआरपीएफ कार्मिकों के घायल

होने के अलावा प्रमोद कुमार, कमांडेंट 49वीं बटालियन सी.आर.पी.एफ. तथा कांस्टेबल रौफ अहमद संख्या 2514/एस शहीद हो गए। हमले के बाद दोनों आतंकवादी घटनास्थल से भाग गए तथा पास के परित्यक्त भवन में घुस गए। तत्कालीन पुलिस महानिरीक्षक कश्मीर, सैय्यद जावेद मुजतबा गिलानी-आईपीएस की गहन निगरानी में तत्कालीन एसएसपी श्रीनगर, एसपी (ऑपरेशन) श्रीनगर की कमांड के अंतर्गत श्रीनगर से पुलिस का एक विशेष दल श्रीनगर से पर्याप्त पुलिस कर्मियों के साथ तेजी से घटनास्थल की ओर चल पड़ा ताकि इन फिदायीनों का खात्मा किया जा सके। फिदायीनों पर लक्ष्य साधते हुए संपार्श्विक क्षति से बचने के लिए उत्तरी जोन, श्रीनगर के पुलिस दलों, सीआरपीएफ की 28वीं बटालियन तथा सीआरपीएफ के जोनल क्यूआरटी को सहयोजित किया गया। आतंकवादियों के भागने से बचने के लिए, नफरियों को तीन दलों में विभाजित किया गया था, जिसमें एसपी (सिटी) उत्तरी के नेतृत्व वाला एक दल तथा सीआरपीएफ की 28वीं बटालियन बाहरी घेराबंदी करने के लिए, श्रीनगर पुलिस का दूसरा दल मोहल्ले की घेराबंदी करने के लिए और एसओजी श्रीनगर का तीसरा दल भीतरी घेराबंदी करने के लिए था।

योजना के अनुसार, भीतरी घेराबंदी के प्रभारी तत्कालीन आईजीपी कश्मीर सैय्यद जावेद मुजतबा गिलानी-आईपीएस ने तत्कालीन एसएसपी श्रीनगर अमित कुमार-आईपीएस तथा एसपी (ऑपरेशन) श्रीनगर के साथ तत्कालीन एसएसपी श्रीनगर, श्री अमित कुमार, आईपीएस के नेतृत्व में पुलिस कंपोनेंट श्रीनगर की छोटी टीमों का गठन किया जिसमें उप निरीक्षक खुशीद अहमद, संख्या ईएक्सके-109157 पीसी श्रीनगर (अब इंस्पेक्टर), डीवीआर. सार्जेंट निसार अहमद ईएक्सके-311505 और उत्तरी जोन, श्रीनगर के कांस्टेबल रौफ अहमद, संख्या ईएक्सके-112172 सहायक थे तथा उन्होंने सटे हुए घरों के निवासियों को चतुराई से बाहर निकाला और उन्हें पास के सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित कर दिया। सबसे पहले आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, जिससे उन्होंने इंकार कर दिया और अभियान दलों पर गोलीबारी शुरू कर दी। तदनुसार, हस्तक्षेप दल लक्षित घर के पास पहुंचा, जो कि आतंकवादियों द्वारा भारी गोलीबारी की चपेट में आ गया तथा उसके बाद ग्रेनेड फेंके गए, लेकिन इसने उस दल को कोई नुकसान नहीं पहुंचा जिसके बाद वह परित्यक्त घर में पीछे की तरफ से प्रवेश करने के लिए वापस चला आया। इस चरण में तत्कालीन आईजीपी कश्मीर जोन, सैय्यद जावेद मुजतबा गिलानी-आईपीएस, जो कि भीतरी घेराबंदी के प्रभारी थे, ने दो छोटे दलों का गठन किया, एक दल में तत्कालीन एसएसपी श्रीनगर, श्री अमित कुमार-आईपीएस, उप निरीक्षक, खुशीद अहमद, संख्या ईएक्सके-109157 पीसी श्रीनगर, अब इंस्पेक्टर, डीवीआर. सार्जेंट निसार अहमद ईएक्सके-311505 और उत्तरी जोन, श्रीनगर के कांस्टेबल रौफ अहमद, संख्या ईएक्सके-112172 तथा पुलिस कंपोनेंट श्रीनगर की नफरी शामिल थे तथा दूसरे दल में सीआरपीएफ की 28वीं बटालियन/जोनल क्यूआरटी तथा उत्तरी जोन के पुलिस प्रतिनिधि शामिल थे। पीछे/सामने की तरफ से घर में प्रवेश करने का निर्णय लिया गया। इस प्रक्रिया के दौरान, छिपे हुए आतंकवादियों ने पास आ रहे दल की ओर खिड़की से हथगोले फेंके, लेकिन इससे कोई नुकसान नहीं हुआ। दल सामने की ओर से रेंगते हुए खिड़की के पास पहुंचा, लेकिन आतंकवादियों ने पहली मंजिल के मुख्य द्वार को खोल दिया और घेरा तोड़ने की कोशिश में अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी ताकि वे भागने का इंतजाम कर सकें। इसी समय तत्कालीन आईजीपी कश्मीर जोन, श्रीनगर, सैय्यद जावेद मुजतबा गिलानी-आईपीएस, रेंगने के बाद अपनी टीम के साथ लक्षित घर तक पहुंच गए, और उन्होंने अपनी जान की परवाह किए बिना प्रभावी ढंग से गोलीबारी का जवाब दिया। मुठभेड़ के दौरान, डीवीआर. सार्जेंट, निसार अहमद, ईएक्सके-911505 और उत्तरी जोन, श्रीनगर के कांस्टेबल रौफ अहमद, संख्या ईएक्सके-112172 गोली लगने से घायल हो गए और एक फिदायीन की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य आतंकवादी उक्त घर की ऊपरी मंजिल में खुद को छिपाने में कामयाब रहा और उसने अंधाधुंध गोलीबारी की लेकिन पहले से ही पोजीशन लिए दूसरे दल ने, बहादुरी से गोलीबारी का जवाब दिया और दूसरे आतंकवादी को भी मार गिराया। तथापि, घायल कांस्टेबल, रौफ अहमद, संख्या 2514/एस ने भी बाद में अंतिम सांस ले ली। दोनों फिदायीनों का सफाया पुलिस/अन्य सुरक्षा बलों के लिए एक बड़ी उपलब्धि थी क्योंकि इसने आतंकवादी संगठनों के नेटवर्क को गंभीर झटका दिया। इस संबंध में नौहाटा पुलिस स्टेशन में धारा 307, 427 आरपीसी, 7/27 आयुध अधिनियम के तहत एफआईआर संख्या 92/2016 दर्ज है। उनके इस साहसिक कृत्य को स्वीकार किया जाना चाहिए, जिन्होंने अदम्य वीरता, साहस तथा कर्तव्य के प्रति उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता प्रदर्शित की है।

इस अभियान में सर्व/श्री सैय्यद जावेद मुजतबा गिलानी, आईपीएस, महानिरीक्षक, अमित कुमार, आईपीएस, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, खुशीद अहमद अवन, उप-निरीक्षक और स्व. रौफ अहमद भट्ट, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाले नियमों के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 15/08/2016 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं.57-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार/वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

- | | |
|---|---------------------------------------|
| 01. श्रीधर पाटिल, आईपीएस
पुलिस अधीक्षक | (वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार) |
| 02. जुल्फकार अली,
निरीक्षक | वीरता के लिए पुलिस पदक |
| 03. सब्जार अहमद शेख,
उप-निरीक्षक | वीरता के लिए पुलिस पदक |
| 04. लियाकत अली,
हेड कांस्टेबल | वीरता के लिए पुलिस पदक |
| 05. आफताब असलम,
हेड कांस्टेबल | वीरता के लिए पुलिस पदक |

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 11.02.2017 को कुलगाम पुलिस को गांव नागबल फ़िसल कुलगाम में आतंकवादियों के एक समूह के मौजूद होने के संबंध में विशिष्ट सूचना प्राप्त हुई। चूंकि विश्वस्त सूत्रों से ज्ञात हुआ था कि समूह कुछ विध्वंसक गतिविधियों को अंजाम देने के लिए इस क्षेत्र में पहुंचा है, इसलिए कुलगाम पुलिस द्वारा 1 आरआर/18 बटालियन सीआरपीएफ के साथ मिलकर एक संयुक्त अभियान की योजना बनाई गई और तदनुसार सैन्य टुकड़ियां घेराबंदी करने/तलाशी अभियान चलाने के लिए उस क्षेत्र में पहुंच गई। श्री श्रीधर पाटिल, आईपीएस-109745, श्री एजाज़ अहमद जारगर, अपर पुलिस अधीक्षक कुलगाम, निरीक्षक जुल्फकार अली एआरपी-046146 एवं निरीक्षक अथर समद ईएक्सके-026270 की सहायता से श्री एस.पी. पाणि, डीआईजी-एसकेआर अनंतनाग के समग्र नेतृत्व में पूरे गांव के चारो तरफ घेराबंदी कर दी गई।

निरीक्षक अथर समद ने अपने वरिष्ठों के आह्वान पर सबसे पहले प्रतिक्रिया की और उन्होंने प्रभावी रूप से भीतरी घेराबंदी कर दी। निरीक्षक अथर समद ने अपने साथी कांस्टेबल बिलाल अहमद शेख ईएक्सके-112404 की सहायता से लक्षित मकान की पहचान भी कर ली। छिपे हुए आतंकवादियों से आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, जिसे उन्होंने मना कर दिया और अंधेरे को देखते हुए किसी संपार्श्विक क्षति से बचने के लिए तलाशी अभियान को स्थगित कर दिया गया। दिनांक 12 फरवरी की भोर में, डीआईजी पुलिस एसकेआर, श्री श्रीधर पाटिल, पुलिस अधीक्षक कुलगाम और अपर पुलिस अधीक्षक कुलगाम के नेतृत्व में तलाशी अभियान पुनः शुरू किया गया। जब पुलिस अधीक्षक, कुलगाम, अपर पुलिस अधीक्षक कुलगाम एसआई सब्जार अहमद, डीओ, फ़िसल, कांस्टेबल मुदासिर अहमद अहंगर ईएक्सके-135567 और पीएसओ हेड कांस्टेबल लियाकत अली एवं अन्य, कार्मिकों की सहायता से लक्षित मकान के विशिष्ट क्षेत्र की घेराबंदी कर रहे थे और नागरिकों को वहां से बाहर निकाल रहे थे, तभी आतंकवादियों ने उन पर गोलीबारी शुरू कर दी। पुलिस अधीक्षक कुलगाम ने अपने दल के साथ, जिसमें एसआई सब्जार अहमद, डीओ फ़िसल, हेड कांस्टेबल लियाकत अली भी शामिल थे, प्रभावी सूझ-बूझ का परिचय दिया और इस प्रकार प्रत्युत्तर दिया कि कोई नागरिक हताहत न हो और चार नागरिकों को बचाने के साथ-साथ एक आतंकवादी को मारने में सफल हुए, जिसके दौरान अपर पुलिस अधीक्षक कुलगाम एवं उनके सहयोगी ने भी पुलिस अधीक्षक कुलगाम के दल को प्रभावी सहायता प्रदान की। यह महसूस करते हुए कि आतंकवादी स्थल से भागने की कोशिश कर रहे हैं, डीआईजी पुलिस एसकेआर, पुलिस अधीक्षक कुलगाम और अपर पुलिस अधीक्षक कुलगाम ने घेराबंदी को मजबूत किया और किसी प्रकार की परस्पर क्षति से बचने के लिए जमीनी स्तर पर रणनीति को भी बदला। ऐसा करते समय, अपर पुलिस अधीक्षक कुलगाम ने जनशक्ति को इस प्रकार लामबंद किया कि आतंकवादियों को निराशा होने लगी और इस प्रकार वे सही दिशा में निशाना नहीं लगा सके। निरीक्षक जुल्फकार अहमद, निरीक्षक अथर समद अपने सहयोगियों एचसी आफताब असलम एवं कांस्टेबल बिलाल अहमद शेख के साथ उस घर के करीब थे जहां खूंखार आतंकवादियों ने शरण ले रखी थी और मकान मालिक के बेटे इश्फाक अहमद को बंधक बना लिया था और पुलिस पार्टी की तरफ ग्रेनेड फेंकने के अलावा आरआर प्रथम के एक जवान से राइफल छीनकर घटनास्थल पर ही उसकी हत्या कर दी। तथापि, इन अधिकारियों, विशेष रूप से निरीक्षक जुल्फकार अली और उनके सहयोगी हेड कांस्टेबल आफताब ने अच्छी सूझ-बूझ का परिचय दिया और

घर में छिपे आतंकवादी को मार गिराने के साथ-साथ स्थिति का पेशेवर अंदाज में सामना किया। यहां यह उल्लेख करना आवश्यक नहीं है कि श्री इश्फाक आलम, उप पुलिस अधीक्षक ने मुठभेड़ के उपरांत उत्पन्न कानून एवं व्यवस्था की स्थिति से निपटने के दौरान पर्याप्त दृढ़निश्चय दिखाया। अधिकारी अपने युगल सहयोगी कांस्टेबल इम्तियाज अहमद सं. ईएक्सके-112293 के साथ कानून एवं व्यवस्था की स्थिति से प्रभावीपूर्वक निपटे और लोगों की सुरक्षा एवं संरक्षा सुनिश्चित की। अधिकारी ने कानून और व्यवस्था से संबंधित जनशक्ति का लाभ उठाया और आसन्नक कानून एवं व्यवस्था की स्थिति के दौरान किसी घातक हथियार का इस्तेमाल नहीं करना सुनिश्चित किया। उन्होंने अपने सहयोगी के साथ मिलकर मुठभेड़ स्थल पर लोगों को जमा नहीं होने दिया अन्यथा, उससे निपटना खतरनाक हो सकता था। सभी संस्तुत अधिकारियों/कर्मचारियों ने इन दुर्दांत आतंकवादियों का सामना करते समय निजी सुरक्षा पर कोई ध्यान दिए बिना, अपनी अपेक्षित सामान्य ड्यूटी से अधिक वीरतापूर्ण कार्य का प्रदर्शन किया और शीर्ष वांछित आतंकवादी का सफाया कर दिया। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से हथियार/गोलाबारूद बरामद किए गए और तदनुसार यारीपोरा पुलिस स्टेशन में धारा 302 आरपीसी 7/27 आयुध अधिनियम के तहत, एक मामला एफआईआर सं. 08/2017 दर्ज किया गया है। यहां यह उल्लेखनीय है कि मारा गया एक आतंकवादी मुदासिर अहमद तंत्री उर्फ आसिम अगस्त, 2014 से जिले में सक्रिय था और मारे गए अन्य तीन आतंकवादी वर्ष 2016 से दक्षिण कश्मीर में सक्रिय थे। मुदासिर अहमद तंत्री कथित रूप से जिले में विभिन्न सुरक्षा चौकियों से और मुख्य रूप से वर्ष 2016 की अशांति के दौरान पुलिस स्टेशन डी.एच. पोरा से हथियार छीनने के मामलों का मास्टरमाइंड था।

इस अभियान में सर्व/श्री श्रीधर पाटिल, आईपीएस, पुलिस अधीक्षक, जुल्फकार अली, निरीक्षक, सब्जार अहमद शेख, उप-निरीक्षक, लियाकत अली, हेड कांस्टेबल और आफताब असलम, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाले नियमों के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 11/02/2017 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 58-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार/वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

- | | |
|-------------------------------------|---------------------------------------|
| 01. काजी आसिफ हुसैन,
उप निरीक्षक | (वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार) |
| 02. सैयद वसीम अहमद,
कांस्टेबल | वीरता के लिए पुलिस पदक |
| 03. नजीर अहमद लोन,
फॉलोवर | वीरता के लिए पुलिस पदक |

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 04 दिसम्बर, 2015 को हंदवाड़ा पुलिस को हंदवाड़ा के बोंवन जंगलों में एलईटी के दो दुर्दांत आतंकवादियों के मौजूद होने के बारे में सूचना प्राप्त हुई। तदनुसार, 21-आरआर, सीआरपीएफ की 98वीं एवं 92वीं बटालियनों की सहायता से एक संयुक्त अभियान की योजना बनाई गई। सावधानीपूर्वक योजना बनाने के बाद, सीआरपीएफ की टुकड़ियों को बाहरी घेराबंदी करने के लिए कहा गया और पुलिस/सेना के संघटकों को क्षेत्र की प्रभावी तलाशी के लिए चार दलों में बांटा गया।

तलाशी अभियान के दौरान, छिपे हुए आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी जिसके परिणामस्वरूप सेना के एक जवान जीडीएसएम सतीश कुमार की घटना स्थल पर ही मृत्यु हो गई एवं 21-आरआर के एक अन्य जवान जीडीएसएम अनिल राठौर घायल हो गए। सेना के जवान के शव, उसके घायल सहयोगी एवं लकड़ी काट रहे 10-12 नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकालना प्राथमिकता बन

गई। इस उद्देश्य के लिए कांस्टेबल सैयद वसीम, 833/केजीएम ईएक्सके-097488, फॉलोवर नजीर अहमद, 16/एफ, कुछ एसपीओ सहित उप-निरीक्षक काजी आसिफ हुसैन, सं. एमईएस-015501 के नेतृत्व में एक छोटा दल स्वेच्छा से आगे बढ़ा। अग्रिम दलों के अन्य साथियों द्वारा उपलब्ध कराए गए कवर फायर की सहायता से ये दल निकासी की प्रक्रिया में सफल रहे। चूंकि आतंकवादी उस झोपड़ी (कोठा) जहां 10-12 नागरिक फंसे हुए थे, तक पहुंचने के सभी प्रयास कर रहे थे ताकि बंधक जैसी स्थिति बनाई जा सके, इसलिए दो संयुक्त बचाव दलों का गठन किया गया और उप-निरीक्षक काजी आसिफ भी अपने दल के साथ उनके साथ जुड़ गए। चूंकि उस क्षेत्र, जहां कोठा अवस्थित था, के निकट कोई तैनाती नहीं की गई थी, इसलिए आतंकवादी उस स्थान पर पहुंच गए। श्री जीएच जीलानी, एसपी, जो दोनों बचाव दलों का नेतृत्व कर रहे थे, को आतंकवादियों की ओर से अंधाधुंध गोलीबारी का सामना करना पड़ा और इसलिए एक दल को पीछे हटना पड़ा। उप-निरीक्षक काजी आसिफ, कांस्टेबल सैयद वसीम एवं फॉलोवर नजीर अहमद पीछे नहीं हटे, बल्कि एसपी के नेतृत्व वाले दल को प्रभावी कवरिंग गोलीबारी प्रदान की, जो पांच नागरिकों को बचाने में सफल रहा। एक एनजीओ रैंक के अधिकारी के नेतृत्व वाला एक अन्य बचाव दल एक स्थान पर फंस गया क्योंकि आतंकवादियों ने हताहत करने के इरादे से क्षणभर के लिए स्वयं को उजागर कर दिया। एक बार फिर उप निरीक्षक काजी आसिफ ने अभूतपूर्व वीरता का प्रदर्शन किया और जवाबी गोलीबारी करते हुए आतंकवादियों की तरफ आगे बढ़े, जिससे एक आतंकवादी घायल हो गया और बचाव दल को सुरक्षित मार्ग मिल गया जिसने फंसे हुए शेष नागरिकों को बाहर निकाल लिया। यह महसूस करते हुए कि आतंकवादी घायल हो गया है, दो संयुक्त हमला दल गठित किए गए।

उप-निरीक्षक काजी आसिफ और उनके कार्मिकों को पुनः इस दल का हिस्सा बनाया गया। चूंकि उप-निरीक्षक और उनके कार्मिक पहले से ही आतंकवादियों के निकट थे, इसलिए वे और आगे बढ़े, जिसके परिणामस्वरूप उनके बीच आमने-सामने की गोलीबारी शुरू हो गई जो कुछ देर तक चली और दो आतंकवादियों को मार गिराने के बाद समाप्त हुई, जिनकी पहचान बाद में एलईटी संगठन के अबू वलीद निवासी पाकिस्तान एवं हारून उर्फ हाफिज निवासी पाकिस्तान के रूप में हुई। मुठभेड़ स्थल से भारी मात्रा में हथियार एवं गोला-बारूद बरामद हुआ तथा इस संबंध में हंदवाड़ा पुलिस स्टेशन में धारा 307 आरपीसी 7/27 आई.ए. अधिनियम के तहत एक मामला एफआईआर सं. 310/2015 दर्ज है।

इस अभियान में सर्व/श्री काजी आसिफ हुसैन, उप निरीक्षक, सैयद वसीम अहमद, कांस्टेबल और नजीर अहमद लोन, फॉलोवर ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाले नियमों के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए/प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 04/12/2015 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 59-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारी को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार प्रदान करते हैं:—

अधिकारी का नाम और रैंक

श्री विजय कुमार, आईपीएस
उप महानिरीक्षक

(वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार)

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 01.09.2014 को 1700 बजे, उप महानिरीक्षक अनंतनाग को हंजन बाला गांव में आतंकवादी गतिविधि को अंजाम देने की योजना बना रहे जेईएम संगठन के तीन आतंकवादियों के मौजूद होने के बारे में विशिष्ट सूचना प्राप्त हुई। तदनुसार, यह सूचना पुलिस अधीक्षक पुलवामा/44 आरआर, 182/183 बटालियन सीआरपीएफ के साथ साझा की गई और संयुक्त घेराबंदी की गई। उप महानिरीक्षक अनंतनाग की कमान में एवं एसपी पुलवामा, एसपी पुलवामा/डिप्टी एसपी ऑप्स पुलवामा की सहायता से पुलिस पार्टी ने बिना समय नष्ट किए उक्त गांव में लक्षित क्षेत्र की घेराबंदी कर दी। घेराबंदी करने के पश्चात, आतंकवादियों की तलाशी शुरू की गई। इसी बीच घेराबंदी से बच निकलने के उद्देश्य से आतंकवादियों ने वाल मोहम्मद नैगू पुत्र अली मोहम्मद नैगू के घर से तलाशी दल पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। उप महानिरीक्षक अनंतनाग एवं एसपी पुलवामा ने बहादुरीपूर्वक गोलीबारी का जवाब दिया और आतंकवादियों को भागने का कोई अवसर नहीं दिया। लक्षित मकान के प्रथम तल पर एक महिला सहित फंसे हुए तीन नागरिकों को बाहर

निकालना एक चुनौतीपूर्ण कार्य था। इस कठिन परिस्थिति में अपनी जान की परवाह किए बगैर उप महानिरीक्षक अनंतनाग के समग्र पर्यवेक्षण में एसपी पुलवामा एवं अन्य लोगों द्वारा इन नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकालना एक सराहनीय कार्य था। चूंकि अंधेरा घिर रहा था, इसलिए घटनास्थल से आतंकवादियों के भागने के हर प्रयास को विफल करने के लिए लक्षित मकान के आस-पास के क्षेत्र पर प्रभुत्व के लिए रोशनी करने/कॉसटिना वायर बिछाने सहित कई उपाए किए गए। उप महानिरीक्षक, एसकेआर श्री विजय कुमार, आईपीएस ने स्वयं ही घेराबंदी की कई बार जांच की और रातभर दिशानिर्देश दोहराते रहे। इसके अलावा, आतंकवादियों को पब्लिक एड्रेस सिस्टम के जरिए आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया। ऐसा करने के बजाय उन्होंने नजदीक आ रही पार्टियों पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी और रात के दौरान सुरक्षा बलों को नजदीक आने का कोई मौका नहीं दिया। उप महानिरीक्षक अनंतनाग ने एसपी पुलवामा एवं एसआई मेजर अहमद एवं अन्य कार्मिकों की सहायता से पूरी रात सतर्कता बनाए रखी।

अगली सुबह आतंकवादियों को फिर से आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया जिसकी उन्होंने अनदेखी की और टुकड़ियों पर, उन्हें मारने एवं घेराबंदी से भाग निकलने के इरादे से अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। अंततः एक भीषण गोलीबारी, जो पांच घंटे और चली, के परिणामस्वरूप उक्त लक्षित मकान के लॉन में आतंकवादियों को मार गिराया गया, जिनकी पहचान बाद में मोहम्मद अल्लाफ रथर उर्फ कामरान पुत्र मो. अब्दुल्ला रथर, निवासी चक बद्रीनाथ पुलवामा, फारूख अहमद लावे पुत्र गुलाम अहमद लावे, निवासी हरदो, डलवान, बडगाम एवं शौकत अहमद डार उर्फ मिर्ची सेठ पुत्र गुलाम कादिर डार, निवासी अगलार कांडी, पुलवामा के रूप में हुई। मुठभेड़ स्थल से भारी मात्रा में हथियार/गोलाबारूद बरामद किया गया। इस संबंध में राजपोरा पुलिस स्टेशन में धारा 307 आरपीसी, 7/27 आयुध अधिनियम के अंतर्गत एफआईआर सं. 67/2014 के तहत एक मामला दर्ज है। मारा गया आतंकवादी मो. अल्लाफ रथर उर्फ कामरान जेईएम संगठन, दक्षिण कश्मीर का डिवीजनल कमांडर गत 4 वर्षों से सक्रिय था और कई आपराधिक मामलों में संलिप्त था। उसने घाटी विशेष रूप से दक्षिण कश्मीर में सुरक्षा बलों/नागरिकों/सरकारी संस्थानों पर कई सनसनीखेज हमले किए थे। इसके अतिरिक्त, उक्त आतंकवादी युवाओं को आतंकवादी कैडर में शामिल होने हेतु प्रेरित करने में भी संलिप्त था। वह पंचायत सदस्यों को अपने पद से त्याग पत्र देने के लिए धमकाने में भी संलिप्त था। मारा गया एक आतंकवादी फारूख अहमद लावे पुत्र गुलाम अहमद लावे, निवासी डालवान, बडगाम पाखेरपोरा में श्राइन गार्ड के एक कांस्टेबल को घायल कर उससे गोलाबारूद के साथ 03 एसएलआर राइफलें छीनने में भी शामिल था। इस संबंध में चरार-ए-शरीफ पुलिस स्टेशन में धारा 307, 392 आरपीसी, 7/27 आई.ए. अधिनियम के अंतर्गत एफआईआर सं. 24/2014 के तहत एक मामला दर्ज है। सभी तीनों आतंकवादियों की मौत दक्षिण कश्मीर में आतंकवादी कैडरों विशेष रूप से जेईएम संगठन के लिए बड़ा झटका है और कश्मीर राज्य विशेष रूप से दक्षिण कश्मीर क्षेत्र में सुरक्षा बलों/नागरिकों के लिए बड़ी राहत है।

इस अभियान में, श्री विजय कुमार, आईपीएस, उप महानिरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाले नियमों के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किया जाता है तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 01/09/2014 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 60-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, झारखंड पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

01. अनीश गुप्ता, आईपीएस
पुलिस अधीक्षक
02. मनीष रमन,
अपर पुलिस अधीक्षक
03. राजू सोय,
कांस्टेबल

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 01.11.2017 को जेतिया पुलिस स्टेशन के अंतर्गत कुंदरीजोर के जंगल के निकट खूंखार सीपीआई (माओवादी) बिहार झारखंड स्पेशल एरिया कमिटी सदस्य मोतीलाल सोरेन उर्फ संदीप (पचास से अधिक मामलों में वांछित एवं झारखंड राज्य द्वारा 25 लाख रुपये तथा ओडिशा राज्य द्वारा 20 लाख रुपये का इनाम घोषित) के अपने दस्ते के सदस्यों के साथ मौजूद होने के बारे में आसूचना संबंधी जानकारी प्राप्त हुई। जेतिया फुटबाल मैदान में दिनांक 01.11.2017 से 02.11.2017 तक एक फुटबाल टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा था। संदीप ने अपने कुछ दस्ता सदस्यों और हेसापी गांव के लोगों के साथ मिलकर एक दल बनाया था और अन्य सशस्त्र सदस्यों के साथ मैदान पर पहुंचने की योजना बना रखी थी। कुछ दिन पहले ही उसने हमसदा गांव (निकट स्थिति) में पुलिस मुखबिर होने के शक पर दो स्थानीय लोगों की हत्या कर दी थी। इसका कारण दिनांक 05.09.2017 को जेतिया पुलिस स्टेशन के अंतर्गत बुरूका गांव में सुरक्षा बलों के साथ हुई मुठभेड़ थी जिसमें वह बाल-बाल बच गया था। उसे जेतिया के ग्रामीणों पर पुलिस का मुखबिर होने का शक था। मुखबिरों की पहचान करने के लिए, उसने अपने दस्ते के सदस्यों को शामिल करते हुए स्थानीय लोगों के साथ खेलने के लिए एक टीम बनाई थी और मुखबिरों की पहचान करके उनकी हत्या करने की योजना बना रखी थी। पुलिस अधीक्षक चाईबासा श्री अनीश गुप्ता को यह सूचना अपने मुखबिरों और तकनीकी इनपुट से प्राप्ते हुई और बिना कोई समय गवाएं अपने अंगरक्षकों, कांस्टेबल 1249 सुखलाल सरदार एवं कांस्टेबल 1398 दिनेश नायक के साथ आगे बढ़े, एसपी (ऑपरेशन) श्री मनीष रमन एवं एसडीपीओ कीरीबुरु मो. तौकीर आलम को आसूचना की जानकारी देते हुए योजना बनाने और उपलब्ध बल के साथ मोतीलाल सोरेन उर्फ संदीप पर छापा मारने के लिए उन्हें कोटगढ़ वन के निकट बुलाया। समय बहुत कम था क्योंकि मोतीलाल सोरेन हत्या की अपनी योजना को अंजाम देकर और उस क्षेत्र में आतंक फैला कर भाग सकता था। जंगलों से आच्छादित और नजदीकी पुलिस स्टेशन से कम से कम 25 किमी. दूर स्थित था। श्री अनीश गुप्ता ने अपने अंगरक्षकों तथा एसपी (ऑपरेशन) श्री मनीष रमन के साथ कोटगढ़ में संक्षिप्त योजना बनाई और छापा दल का नेतृत्व किया एवं एसडीपीओ, कीरीबुरु दूसरे दल का नेतृत्व कर रहे थे जिसने पीछे की दिशा में घात लगाई। इस तथ्य को ध्यान में रखा गया कि बड़ा छापा दल पूरी टीम को उजागर कर देता और समूचे अभियान को व्यर्थ कर देता एवं यदि सूचना फैल जाती, तो छोटे छापा दल पर नक्सली पूरी तरह घात लगा कर हमला कर देते। कार्य के प्रति उच्च स्तरीय प्रतिबद्धता का प्रदर्शन करते हुए, व्यापक जनहित में तथा उत्कृष्ट बहादुरी का कार्य करते हुए, श्री अनीश गुप्ता ने अपने जीवन और अंगों की परवाह किए बिना छोटे दल के साथ छापा मारने का निर्णय लिया। श्री अनीश गुप्ता के नेतृत्व में छापा दल के फुटबाल मैदान से 2 किमी. पहले पहुंचते ही, उन्होंने स्वचालित हथियार (एके 47) को वाहन में रख दिया ताकि वे पहचाने जाने से बच सकें (जिसका वापसी के दौरान छापा दल पर नक्सलियों द्वारा गोलीबारी किए जाने, उन्हें घेरने और उन पर घात लगाकर हमला किए जाने की स्थिति में उपयोग किया जाना था) और वे सड़क को छोड़कर वन से होते हुए मैदान की तरफ आगे बढ़ने लगे। मोतीलाल सोरेन से उसके गढ़ में तथा पांच हजार की भारी भीड़ में मुकाबला करना एक अत्यंत चुनौतीपूर्ण तथा कठिन कार्य था। भीड़ में उनके सशस्त्र दल के सदस्यों की मौजूदगी ने छोटे छापा दल के लिए एसएसी स्तर के सदस्य का सामना करना तथा उसे पकड़ना और भी कठिन बना दिया था। अत्यंत उच्च स्तर के साहस, धैर्य एवं कार्य के प्रति समर्पण का प्रदर्शन करते हुए, श्री अनीश गुप्ता, श्री मनीष रमन, कांस्टेबल सुखलाल सरदार, कांस्टेबल दिनेश कुमार नायक एवं कांस्टेबल राजू सोय 5000 लोगों की भारी भीड़ में घुस गए और कांस्टेबल राजू सोय आगे बढ़ कर भीड़ में घुल मिल गए तथा मोतीलाल सोरेन को गोलपोस्ट के पास खड़े देखा और पुलिस अधीक्षक चाईबासा के नेतृत्व वाला छापा दल भी उसकी ओर बढ़ने लगा। जैसे ही श्री अनीश गुप्ता संदीप के बगल में पहुंचे, उसने इन्हें पहचान लिया और पिस्तौल निकल ली और गोली चलाने के लिए श्री अनीश गुप्ता की तरफ तान दी, तभी बिना समय गंवाए श्री अनीश गुप्ता ने अपनी सरकारी पिस्तौल निकाल ली और उसके माथे पर निशाना साधा और उसे आत्मसमर्पण करने का आदेश दिया, अन्यथा उसे गोली मार दी जाएगी और साथ ही साथ श्री अनीश गुप्ता ने संदीप का हाथ पकड़ लिया और उसकी पिस्तौल नीचे करने के लिए उसकी कलाई को जकड़ लिया और उसकी पिस्तौल को अपनी कस्टडी में ले लिया। इसी बीच श्री मनीष रमन, एसपी (ऑपरेशन), चाईबासा ने कांस्टेबल राजू सोय एवं कांस्टेबल दिनेश नायक के साथ उसे पीछे से घेर लिया।

वहां शुरू हुई झड़प में संदीप ने चिल्लाना शुरू कर दिया और छापा दल को मारने के लिए भीड़ में मौजूद अपने कॉडरों को बुलाने लगा, तभी श्री अनीश गुप्ता ने अपनी सरकारी पिस्तौल संदीप के मुंह में घुसेड़ दी और भीड़ को उत्तेजित नहीं होने तथा छापा दल के साथ सहयोग करने का आदेश दिया। गोलीबारी भीड़ में अफरा-तफरी मचा देती और भीड़ में मौजूद अन्य नक्सली जवाब में गोलीबारी कर सकते थे, जिसमें नागरिकों की जान को खतरा हो सकता था। श्री अनीश गुप्ता ने अपना धैर्य बनाए रखा और गोली चलाए बिना तथा एसपी (ऑपरेशन) श्री मनीष रमन, कांस्टेबल राजू सोय, कांस्टेबल सुखलाल सरदार एवं कांस्टेबल दिनेश नायक की सहायता से तुरंत भीड़ से निकल कर एक सुरक्षित पोजीशन ले ली और उन्हें पुलिस के साथ सहयोग करने के बारे में समझाया और इसके साथ-साथ उन्हें मैदान के सुरक्षित क्षेत्र की तरफ ले गए जहां से वे जरूरत पड़ने पर सशस्त्र दस्ते का जवाब दे सकते थे। इस बीच, एसडीपीओ कीरीबुरु के नेतृत्व वाला हमला दल सामने दिखाई पड़ा और पुलिस अधीक्षक चाईबासा के नेतृत्व वाले दल ने मोतीलाल सोरेन को मैदान से हटा लिया और उससे पूछताछ करने लगा। उससे पूछताछ करने और उसकी स्वीकारोक्ति से कुंदरीजोर के जंगल से 6 जिंदा एचई बम बरामद हुए।

इस अभियान में, श्री अनीश गुप्ता, आईपीएस, पुलिस अधीक्षक चाईबासा, श्री मनीष रमन, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) चाईबासा एवं कांस्टेबल राजू सोय की त्वरित योजना, जीवन एवं अंगों को आसन्न खतरे के बावजूद त्वरित कार्रवाई एवं उनके द्वारा प्रदर्शित नेतृत्व की गुणवत्ता असाधारण है और उन्होंने अत्यधिक जोखिम उठाया और अपने जीवन की परवाह किए बगैर नक्सल कांडरों और उनके समर्थकों की भीड़ में घुस गए ताकि 131 एसएसी सदस्य मोतीलाल सोरेन को पकड़ा जा सके और आरोपी के मानवाधिकार का ध्यान रखने के साथ-साथ नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए न्यूनतम प्रभावी बल का प्रयोग करके उसे सफलापूर्वक गिरफ्तार कर लिया। ये उच्चतम स्तर के अलंकरण के हकदार हैं।

इस अभियान में सर्व/श्री अनीश गुप्ता, आईपीएस, पुलिस अधीक्षक, मनीष रमन, अपर पुलिस अधीक्षक और राजू सोय, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाले नियमों के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 01/11/2017 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 61-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, मेघालय पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार/वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

- | | |
|--------------------------------------|---------------------------------------|
| 01. देवेन मावलेन,
निरीक्षक | (वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार) |
| 02. बेस्ट पर्ल तलांग,
उप-निरीक्षक | वीरता के लिए पुलिस पदक |
| 03. बोनीफेस शादाप,
कांस्टेबल | वीरता के लिए पुलिस पदक |
| 04. जोन्सवर्ड च. मारक,
कांस्टेबल | वीरता के लिए पुलिस पदक |

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 08.06.2017 को रात्रि 8.30 बजे, श्री डी. मावलेन, सर्किल निरीक्षक नांगस्टोइन को अपने स्रोतों से सूचना प्राप्त हुई कि अत्याधुनिक हथियारों से लैस जीएनएलए आतंकवादियों का एक बड़ा समूह जोगीसिल-अगितचक गांव में मौजूद है और अपने एरिया कमांडर जिसे एनआईटी के नाम से जाना जाता है, के नेतृत्व में रियांगडिम गांव में व्यवसायियों से जबरन वसूली के लिए रियांगडिम गांव की ओर कूच करने वाले हैं। तदनुसार, निरीक्षक डी. मावलेन ने बिना कोई समय गंवाए केवल 12 (बारह) सुरक्षा बलों-10 कमांडो, एसआई बीपी तलांग एवं उनके पीएसओ वाले एक पुलिस दल को संगठित किया क्योंकि उस समय जनशक्ति की कमी थी। अभियान की एक योजना तैयार की गई और निरीक्षक डी. मावलेन द्वारा समुचित जानकारी दी गई एवं उन आतंकवादियों को पकड़ने के लिए पुलिस दल शाहलांग पुलिस स्टेशन से उक्त क्षेत्र के लिए निकल पड़ी। रात के अंधेरे में दो घंटे तक पैदल चलने के बाद और एक नदी, जो कि जोगीसिल एवं अगितचक गांव के बीच में पड़ती है, तक पहुंचने से पहले पुलिस दल लगभग 500 (पांच सौ) मीटर तक रेंग कर आगे बढ़ रहा था और आराम करने के लिए अपनी पोजीशन ले ली।

तब सुबह लगभग 3.00 बजे पुलिस स्काउट एवं निरीक्षक डी. मावलेन के नेतृत्व में हमला दल, उप निरीक्षक बी. तलांग एवं दो अन्य एसएसफ-10 कमांडो नामतः एसएफसी/585, बोनीफेस शादाप एवं एसएफसी/341 जोन्सवर्ड च. मारक ने कुछ सशस्त्र लोगों की

हरकर्ते देखीं जो उस क्षेत्र की तरफ आगे बढ़ रहे थे, जहां पुलिस दल विश्राम कर रहा था। तदनुसार, पुलिस ने जोर से आवाज लगाई और उन्हें आत्मसमर्पण करने के लिए कहा किंतु जीएनएलए आतंकवादियों ने उन पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। अतः, निरीक्षक डी. मावलेन, जो आगे बढ़कर दल का नेतृत्व कर रहे थे, ने धैर्य एवं दृढ़निश्चय के साथ आतंकवादी जो नदी के पास थे और लगातार अंधाधुंध गोलीबारी कर रहे थे, पर जवाबी गोलीबारी करके जवाब दिया और उस दौरान उप निरीक्षक बी.पी. तलांग, एसएफसी/585, बोनीफेस शादाप एवं एसएफसी/341 जोन्सवर्ड च. मारक ने अदम्य साहस का प्रदर्शन करते हुए तथा अपनी सुरक्षा के बारे में विचार किए बिना आतंकवादियों की तरफ आगे बढ़ते हुए और जवाबी गोलीबारी करते हुए दल के लीडर की सहायता की, जबकि इस दौरान पुलिस कमांडो उनकी सुरक्षा के लिए गोलीबारी कर रहे थे। मुठभेड़ लगभग 20 (बीस) मिनट तक चली और मुठभेड़ रुक जाने के बाद तलाशी की गई और नदी के किनारे दो मृत आतंकवादी पाए गए और उनके पास से एक अत्याधुनिक राइफल, जो संभवतः चाइनीज स्वचालित राइफल थी एवं एक एसबीएमएल बंदूक बरामद हुई और दो किट बैग, जिसमें निजी सामग्रियां जैसे केश-तेल, पहनने वाले वस्त्र, सौंदर्य प्रसाधन सामग्री एवं टूथ ब्रश, टूथ पेस्ट आदि थे, भी बरामद हुए। तथापि, अन्य जीएनएलए आतंकवादी घने जंगल का लाभ उठाते हुए भागने में सफल हो गए। इसके अतिरिक्त पुलिस दल ने उन आतंकवादियों का तेजी से पीछा किया, लेकिन उन्हें ढूँढ नहीं पाए किंतु साक्ष्यों से दृढ़ संदेह था कि कई अन्य आतंकवादी घायल हुए थे।

यह भी उल्लेखनीय है कि वहां पर हुई मुठभेड़ में निरीक्षक डी. मावलेन एवं उप निरीक्षक बी.पी. तलांग एवं अन्य दो कमांडो के नेतृत्व में पुलिस के हमला दल को पुलिस कमांडो ने कवर फायरिंग प्रदान की और उसके कारण नदी पर मौजूद लगातार अंधाधुंध गोलीबारी कर रहे आतंकवादियों पर धैर्य एवं दृढ़ता के साथ गोलीबारी करने के लिए स्थान और समय प्रदान किया और निरीक्षक डी. मावलेन, उप निरीक्षक बी.पी. तलांग एवं अन्य दो कमांडो ने अपनी सुरक्षा पर ध्यान दिए बिना अत्यंत निकट से जवाबी गोलीबारी करते हुए आतंकवादियों की ओर बढ़कर अदम्य साहस का प्रदर्शन किया एवं जान जोखिम में डालने वाली मुठभेड़ के परिणामस्वरूप दो हथियारबंद आतंकवादियों को मार गिराया गया।

दिनांक 09.06.2017 को अभियान के दौरान जीएनएलए की गोलियों से जीवन के लिए अत्यंत खतरनाक परिस्थिति में एवं अपनी जान को जोखिम में डालकर सकल इंस्पेक्टर डी. मावलेन, उप निरीक्षक बी.पी. तलांग, एसएफसी/585 बोनीफेस शादाप एवं एसएफसी/341 जोन्सवर्ड च. मारक द्वारा प्रदर्शित अडिग दृढ़ निश्चय, असाधारण साहस, धैर्य एवं उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता तथा नेतृत्व प्रशंसनीय एवं सम्मान के योग्य है और वीरता पुरस्कार प्रदान किए जाने के लिए पात्र हैं।

इस अभियान में, सर्व/श्री देवेन मावलेन, निरीक्षक, बेस्ट पल तलांग, उप-निरीक्षक, बोनीफेस शादाप, कांस्टेबल और जोन्सवर्ड च. मारक, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाले नियमों के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 09/06/2017 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 62-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, मेघालय पुलिस के निम्नलिखित अधिकारी को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

अधिकारी का नाम और रैंक

श्री अमोन विक्की आर. मारक,
उप-निरीक्षक

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 24 फरवरी, 2017 को विश्वसनीय स्रोत से सूचना प्राप्त हुई कि जघन्य अपराध करने के इरादे से रेसबेलपारा पुलिस स्टेशन के तहत थापा अगिचक एवं थापा मैट्रोंगरे क्षेत्र के आसपास यूएलए के संस्थापक एवं स्वयंभू कमांडर-इन-चीफ सिंगबर्थ एन. मारक उर्फ नोरोक एक्स. मोमिन के नेतृत्व में 7 से 10 संदिग्ध हथियारबंद आतंकवादियों को खूंखार आतंकवादी विलियम संगमा और एनडीएफबी/यूएलएफए/यूएलए के कुछ सदस्यों के साथ घूमते देखा गया है। आसूचना जानकारी से यह पता चला कि उन्होंने यूएलएफ (यूनाइटेड अचिक नेशनल फ्रंट) नामक एक नया आतंकवादी समूह गठित कर लिया है। इस सूचना के आधार पर, इन आतंकवादियों का पता लगाने के लिए विगत कुछ सप्ताह में कई विद्रोह-रोधी (सी-आई) अभियान भी चलाए गए थे। इसके अलावा, श्री सिंगबर्थ एन. मारक

उर्फ नोरोक एक्स . मोमिन पर यह भी संदेह है कि वह विलियमनगर जेल में जिला कारागार पुलिस कार्मिक की हत्या एवं कई अन्य नागरिकों की हत्या में भी संलिप्त रहा है। तदनुसार, यह सूचना प्राप्त होने पर दिनांक 25 फरवरी, 2017 को सुबह लगभग 3.00 बजे उप निरीक्षक श्री अमोन विक्की आर. मारक को एसएफ 10 कमांडो के साथ उस क्षेत्र की तलाशी के लिए प्रतिनियुक्त किया गया। उप निरीक्षक श्री अमोन विक्की आर. मारक ने दुर्गम क्षेत्र एवं घने जंगल से होकर अपने दल का नेतृत्व किया और जब वे लगभग 6.00 बजे मैट्रोंगरे गांव पहुंचे, तब 7-8 यूएनएफ आतंकवादियों का सामना उनके अभियान दल से हुआ। पुलिस दल को देखकर, यूएनएफ आतंकवादियों ने गोलीबारी शुरू कर दी जिसके बाद श्री अमोन विक्की आर. मारक एवं उनके दल ने आत्मरक्षा में जवाबी गोलीबारी की। उनके बीच भारी गोलीबारी हुई जो लगभग 5-7 मिनट तक चली। उप निरीक्षक श्री अमोन विक्की आर. मारक को यूएनएफ कॉडरों द्वारा चलाई गई गोली लगभग छूते हुए निकल गई, तथापि, उनकी अत्यंत सूझ-बूझ और त्वरित कार्रवाई से गोली उन्हें नहीं लगी। यूएनएफ के आतंकवादी उप निरीक्षक श्री अमोन विक्की आर. मारक और उनके दल पर गोलियां बरसाते रहे, किंतु उप निरीक्षक श्री अमोन विक्की आर. मारक ने असाधारण साहस और नेतृत्व का प्रदर्शन किया और अपने दल को उस स्थान की तरफ ले गए जहां से यूएनएफ के कॉडर गोलीबारी कर रहे थे और सुरक्षित स्थान मिल जाने के बाद उन्होंने अपने दल के साथ यूएनएफ कॉडरों पर गोलीबारी की और इस प्रक्रिया में एक यूएनएफ कॉडर को गोली लग गई। यह महसूस करने के बाद पुलिस दल उन पर हावी हो रहा है, अन्य यूएनएफ कॉडरों ने गोलीबारी के स्थान के ठीक पीछे घने जंगलों की आड़ लेकर भागने के लिए अंधाधुंध गोलीबारी करने की कोशिश की। त्वरित प्रतिक्रिया देते हुए उप निरीक्षक श्री अमोन विक्की आर. मारक ने भाग रहे आतंकवादियों का पीछा करना शुरू कर दिया, परंतु ऊबड़-खाबड़ क्षेत्र होने के कारण भाग रहे आतंकवादी घने जंगल का लाभ उठाते हुए बचकर निकल जाने में सफल रहे। आतंकवादियों को मारने के अपने दृढ़ निश्चय के साथ उप निरीक्षक श्री अमोन विक्की आर. मारक अपने दल के साथ एक खूंखार यूएनएफ कॉडर को मार गिराने में सफल रहे, जिसकी पहचान बाद में यूएनएफ के संस्थापक और कमांडर-एन-चीफ सिंगबर्थ एन. मारक उर्फ नोरोक एक्सन. मोमिन के रूप में हुई। गोलीबारी के घटना स्थल पर तलाशी करने पर, बंद हालत में ए.के. 47 राइफल, 1 (एक) मैगजीन, ए.के. 47 के 3 (तीन) जिंदा कारतूस, एक खाली कारतूस और बंद हालत में एक पिस्तौल, 2 (दो) जिंदा गोला-बारूद, 1(एक) मैगजीन, 1(एक) एचई ग्रेनेड और एक मोबाइल हैंडसेट भी बरामद किया गया। यह आयुध अधिनियम की धारा 25 (1-क) (1-ख)/27 के साथ पठित आईपीसी की धारा 120-ख/353/307 के अंतर्गत रेसूबेलपारा पुलिस स्टेशन के मामला सं. 6(2)17 में उल्लिखित है।

यूएनएफ/जीएनएलए एवं कई आतंकवादियों द्वारा कई मौकों पर निशाना बनाए जाने के बावजूद, उप निरीक्षक श्री अमोन विक्की आर. मारक इस अभियान में स्वेच्छा से शामिल हुए। अधिकारी ने अपने कर्तव्य के प्रति अभूतपूर्व उत्तरदायित्व की भावना का प्रदर्शन किया, गोलीबारी में घिर जाने के बाद भी अपनी निजी सुरक्षा की परवाह किए बिना उप निरीक्षक श्री अमोन विक्की आर. मारक ने निकट की लड़ाई में अदम्य वीरता एवं अत्यधिक कर्तव्यपरायणता का प्रदर्शन करते हुए यूएनएफ आतंकवादी के कमांडर-इन-चीफ सिंगबर्थ एन. मारक को मार गिराया। उप निरीक्षक श्री अमोन विक्की आर. मारक के नेतृत्व में यह अभियान दल आतंकवादियों से बहादुरी से लड़ा और उन्हें भागने पर मजबूर कर दिया, जिसके दौरान उनका एक कॉडर गोली लगने से घायल हो गया जिसके कारण उसकी मृत्यु हो गई। पुलिस का यह सफल अभियान अत्यंत महत्वपूर्ण था क्योंकि इसने क्षेत्र में किसी अन्य खतरनाक आतंकवादी संगठन की स्थापना की संभावना को समाप्त कर दिया।

इस अभियान में, श्री अमोन विक्की आर. मारक, उप-निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाले नियमों के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किया जाता है तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 25/02/2017 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 63-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, ओडिशा पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

अधिकारियों के नाम और रैंक
सर्व/श्री

01. बिद्याधर सेठी,
सूबेदार

02. बिशाल बमजन,
कमांडो
03. धुब बहादुर वसनेट,
हवलदार
04. राजेंद्र मल्ल,
कमांडो
05. दीपक सिंह कुअँर
कमांडो
06. राजेश विस्वकर्मा,
हवलदार

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 10.09.2017 को बालीगुडा पुलिस स्टेशन की सीमा के अंतर्गत मेलसिकिया वन क्षेत्र में प्रतिबंधित सीपीआई (माओवादी) संगठन के भारी हथियारों से लैस काँडरों के एक समूह के डेरा डालने के संबंध में विश्वसनीय सूचना प्राप्त होने पर, श्री बिद्याधर सेठी, पुलिस सूबेदार, एसओजी के नेतृत्व में 49 एसओजी कमांडो सहित हमला दल सं. 44 एवं 11 द्वारा उक्त वन क्षेत्र में एक गहन तलाशी अभियान चलाया गया। जब पुलिस दल अत्यंत दुरूह क्षेत्र से 48 घंटों के थका देने वाले कार्य से आधार स्थल की ओर लौट रहा था, तभी पूरा दल दो मोर्चों से स्वचालित हथियार से अकारण गोलीबारी के चपेट में आ गया। उक्त प्रक्रिया में, एसओजी हमला दल सं. 44 का एक कमांडो भारी गोलीबारी के कारण गंभीर रूप से घायल हो गया।

श्री बिद्याधर सेठी के नेतृत्व में पुलिस दल ने संख्या बल में कम होने और गंभीर क्षेत्रीय कठिनाइयों के बावजूद वीरतापूर्वक प्रत्युत्तर दिया। श्री सेठी, दो कमांडो नामतः बिशाल बमजन एवं धुब बहादुर वसनेट के साथ भारी गोलीबारी का सामना करते हुए अत्यंत जोखिम भरे आमने-सामने के हमले में दुश्मन पर टूट पड़े और विद्रोहियों को पीछे हटने के लिए मजबूर कर दिया। तीन कमांडो नामतः राजेंद्र मल्ल, दीपक सिंह कुअँर एवं राजेश विस्वकर्मा के एक अन्य छोटे दल ने मुख्य पुलिस दल से अलग हो जाने के गंभीर खतरे के बावजूद दाहिनी ओर से रणनीतिक प्रहार करके घात का जवाब दिया। दोनों छोटे दलों द्वारा वीरतापूर्ण प्रहार से, वे चौंकाने वाली स्थिति एवं भूभाग उनके अनुकूल होने के बावजूद घात को सफलतापूर्वक निष्पादित करने में सफल नहीं हो सके। दल के नेतृत्वकर्ता एवं पांच कमांडो मौके पर सबसे अधिक आवश्यकता के समय खरे उतरे और इस प्रकार बहादुरीपूर्वक कार्य किया कि संख्या बल में अधिक एवं रणनीतिक रूप से बेहतर स्थिति वाले दुश्मन को न केवल पीछे हटना पड़ा, बल्कि पुलिस दल ने अपनी नगण्य क्षति के साथ उन्हें भारी नुकसान पहुंचाया। इस सफल अभियान के परिणामस्वरूप एक एरिया कमिटी सदस्य बनीला उर्फ रूपा, एसीएम, प्रेस आई/सी केकेबीएन डिवीजन सीपीआई (माओवादी), जिस पर ओडिशा सरकार ने 4,00,000 रुपये का इनाम घोषित किया था, की मौत हो गई।

इस अभियान में सर्व/श्री बिद्याधर सेठी, सूबेदार, बिशाल बमजन, कमांडो, धुब बहादुर वसनेट, हवलदार, राजेंद्र मल्ला, कमांडो, दीपक सिंह कुअँर, कमांडो और राजेश विस्वकर्मा, हवलदार ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाले नियमों के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 10/09/2017 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 64-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, ओडिशा पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

अधिकारियों के नाम और रैंक
सर्व/श्री

01. सुनील कुमार नंदा,
सहायक उप-निरीक्षक
02. कमलेंदु सारंगी,
हवलदार

03. मदन किशन,
कांस्टेबल
04. एथनेसियस जोजो,
कांस्टेबल
05. मुकेश कुमार ब्रह्मा,
कांस्टेबल

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 08.02.2017 को बास्कोयना-पीतल गांव के निकट सुकरा संरक्षित वन क्षेत्र में सशस्त्र पीएलएफआई कार्यकर्ताओं की गतिविधियों के बारे में इस आशय की विश्वस्त सूचना प्राप्त हुई कि वे आगामी ग्राम पंचायत चुनाव में उम्मीदवारों/उनके समर्थकों का अपहरण/हत्या करके और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाकर चुनाव में बाधा पहुंचाने चाहते हैं तथा आम जनता के मस्तिष्क में भय पैदा करके उन्हें लोकतांत्रिक विधि से स्थानीय चुनाव में भाग लेने से रोकना चाहते हैं। यही सूचना एसडीई सं. 201 दिनांक 08.02.2017 के माध्यम से रात्रि 8.00 बजे बिसरा पुलिस स्टेशन डायरी में दर्ज की गई थी। इस सूचना के आधार पर, पुलिस अधीक्षक राउरकेला द्वारा डीआईओसी (डिस्ट्रिक्ट इंटेलिजेंस एंड ऑपरेशंस सेल) में एक योजना तैयार की गई। सहायक उप-निरीक्षक एस.के. नंदा को डीवीएफ के साथ मिलकर इलाके में एसएडीओ (तलाशी एवं विध्वंस अभियान) चलाने का निर्देश दिया गया। हवलदार/55 कमलेंदु सारंगी, हवलदार/19 सुशांत कुमार पैकारे, हवलदार/1106 दिव्यज्योति राउत, लांसनायक/355 बिनोद पन्नार, सी/767 मदन किशन, सी/728 मुकेश कुमार ब्रह्मा, सी/387 एथनेसियस जोजो, सी/762 घनश्याम भगत, सी/1190 प्रकाश सोरेंग, सी/815 बिक्रम दंडसेना, सी/431 एजाज माझी, सी/909, प्रवीण लाकड़ा, सी/1045 प्रहलाद प्रधान, सी/507 सुकांत बाड़ा, सी/720 शरत चंद्र भोई, सी/420 धनेश्वर साहू, सी/57 दिलीप कुमार देहुरी, सी/466 खिरोद कुमार मोहंता, ओएपीएफ/03 जेम्स मुंडा, सी/1083 गोबर्धन पात्रा, ओएपीएफ/07 संजय कुमार नायक एवं एचजी/164 विजय किशोर टोप्पो (स्था/नीय गाइड) को शामिल करते हुए डीवीएफ दल के साथ सहायक उप-निरीक्षक एस.के. नंदा दिनांक 08.02.2017 की रात्रि को उस क्षेत्र की तरफ आगे बढ़े। दिनांक 09.02.2017 को सुबह लगभग 6.00 बजे सुकरा संरक्षित वन क्षेत्र में तलाशी करते समय सशस्त्र कांडरों के एक समूह, जो संख्याएँ में लगभग 12 थे, ने पुलिस कार्मिकों को मार डालने के इरादे से अपने अत्याधुनिक हथियारों से पुलिस दल पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। उनके द्वारा चलाई गई एक गोली सी/387 एथनेसियस जोजो के हथियार की मैगजीन को चीरते हुए निकल गई। पुलिस दल ने स्वायं को गोलीबारी से बचाने के लिए तत्काल पोजीशन ले ली और उन्हें पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी। बार-बार चेतावनी देने के बावजूद, उन लोगों ने आत्मसमर्पण नहीं किया और पुलिस दल पर गोलीबारी करना जारी रखा। कोई विकल्प नहीं देख और निजी रक्षा के अधिकार का उपयोग करते हुए, पुलिस दल ने गोलीबारी शुरू कर दी। दोनों ओर से गोलीबारी लगभग आधे घंटे तक जारी रही। गोलीबारी बंद होने के बाद पुलिस दल सावधानीपूर्वक आगे बढ़ा और क्षेत्र की तलाशी ली। वन क्षेत्र की तलाशी के दौरान घटना स्थल पर अत्यधिक रक्तस्राव वाली चोटों के साथ दो अज्ञात शव, एक एके 47 राइफल, एक .303 राइफल, 07 नग .315 देशी निर्मित एसबीबीएल बंदूक, एक देशी रिवाल्वर, विभिन्न आग्नेयास्त्रों के 11 कारतूस, 192 जिंदा गोला-बारूद, एक खाली कारतूस, 44 मोबाल फोन और 01 टैब, निजी सामग्रियाँ जैसे कम्बल, जूते, वस्त्र, खाद्य सामग्री, मोबाइल फोन एवं दवाइयों आदि के साथ किट बैग, पाए गए।

बाद में शवों की पहचान 1. समरजी उर्फ राजेश मुंडा उर्फ राजेश धान उर्फ पुत्रो (जेडसीएम) पुत्र स्व. वाल्टर धान, ग्राम किसनी बरकटोली, पुलिस स्टेशन कामदारा, जिला गुमला एवं 2. लिंगा टोपनो उर्फ भोका पुत्र फेकू टोपनो, गांव पोजे, खरबाटोली, पुलिस स्टेशन कामदारा, जिला गुमला के रूप में हुई।

मृत समरजी के ऊपर झारखंड राज्य सरकार द्वारा राज्य सूची सं. 49 के द्वारा 10 लाख रुपये का इनाम घोषित था।

इस अभियान में सर्व/श्री सुनील कुमार नंदा, सहायक उप-निरीक्षक, कमलेंदु सारंगी, हवलदार, मदन किशन, कांस्टेबल, एथनेसियस जोजो, कांस्टेबल और मुकेश कुमार ब्रह्मा, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाले नियमों के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 09/02/2017 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 65-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, ओडिशा पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार/वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

अधिकारियों के नाम और रैंक सर्व/श्री	
01. प्रतीक सिंह, आईपीएस, पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
02. रबिन्द्र सबर सूबेदार	(वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार)
03. अशोक कुमार रथ, सूबेदार	वीरता के लिए पुलिस पदक
04. आलोक कुमार सेठी, हवलदार	वीरता के लिए पुलिस पदक
05. धनंजय बरद, कमांडो	वीरता के लिए पुलिस पदक
06. कृष्ण चंद्र पिंग, कमांडो	वीरता के लिए पुलिस पदक
07. संतोष कुमार धान, कमांडो	वीरता के लिए पुलिस पदक
08. जगन्नाथ कंहार, ओएपीएफ	वीरता के लिए पुलिस पदक
09. मधुसूदन मल्लिक, कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 13.05.2018 को पुलिस अधीक्षक, कंधमाल श्री प्रतीक सिंह, आईपीएस को पुलिस स्टेशन सदर के अंतर्गत गडनकी गांव के निकट सुदरकुम्पा संरक्षित वन में बादल उर्फ डेविड (डीसीएम) के नेतृत्व में कालाहांडी-कंधमाल-बौध-नयागढ़ (केकेबीएन) डिवीजन के सीपीआई (माओवादी) संगठन के भारी हथियारों से लैस लगभग 15-20 काँडरों की आवाजाही एवं एकत्रित होने के बारे में विश्वसनीय सूचना प्राप्त हुई। इसके उपरांत प्रतीक सिंह, आईपीएस, पुलिस अधीक्षक, कंधमाल के नेतृत्व में एसजीओ की दो छोटी इकाइयों (एटी-29 एवं एटी 39) और डीवीएफ (जिला पुलिस) की एक छोटी इकाई द्वारा उक्त वन क्षेत्र में गहन तलाशी अभियान चलाया गया। श्री प्रतीक सिंह ने तलाशी के लिए एसओजी की एक छोटी इकाई (एटी-29) एवं डीवीएफ की एक छोटी इकाई का नेतृत्व किया जबकि एसओजी अन्य इकाई (एटी-39) को कुछ दूरी पर अलग रखा गया। जब पुलिस तलाशी दल जंगल क्षेत्र में तलाशी कर रहा था, तभी पहाड़ी क्षेत्र और घने जंगल का लाभ उठाकर वहां छिपे हुए विद्रोहियों ने स्वचालित हथियारों से अकारण गोलीबारी शुरू कर दी और पुलिस दल के लिए दो तरफ से दुश्मनों की गोलीबारी से खतरा पैदा करने के लिए किनारे से पार्श्विक हमला करने की कोशिश की। भारी गोलीबारी एवं ग्रेनेड फेंकने के कारण पुलिस दल के नौ सदस्यों को गंभीर चोटें आईं। श्री प्रतीक सिंह के नेतृत्व में पुलिस दल ने संख्या बल में कम होने तथा कठिन क्षेत्रीय कठिनाइयों के बावजूद वीरतापूर्वक जवाब दिया। दो कमांडो नामतः कृष्ण चंद्र पिंग एवं जगन्नाथ कंहार के साथ श्री सिंह ने भारी गोलीबारी का सामना करते हुए अत्यंत जोखिम भरे आमने-सामने के हमले में दुश्मेन पर प्रहार किया और विद्रोहियों को पीछे हटने पर मजबूर कर दिया। सूबेदार अशोक कुमार रथ ने दो कमांडो नामतः धनंजय बरद एवं संतोष कुमार धान वाली एक अन्य छोटी इकाई का नेतृत्व किया और मुख्य पुलिस दल से अलग हो जाने के जोखिम के बावजूद रणनीतिक प्रहार करके पार्श्विक हमले का सामना किया। हमला दल की वीरता के कारण माओवादी टिक नहीं सके और अपने दल के सदस्यों द्वारा कवरिंग गोलीबारी का फायदा उठाकर घटनास्थल से भागने लगे। जब विद्रोही गांव की तरफ भाग रहे थे, तब उनका सामना दो कमांडो मधुसूदन मल्लिक एवं आलोक कुमार सेठी के साथ सूबेदार रबिन्द्र सबर वाले पुलिस दल के साथ हुआ। माओवादियों ने पुलिस दल को देखकर बचकर भागने के हताशा भरे

प्रयास में तुरंत भारी गोलीबारी शुरू कर दी। भारी गोलीबारी के बावजूद मधुसूदन मल्लिक और आलोक कुमार सेठी, के साथ सूबेदार रबिन्द्र सबर माओवादियों की ओर आगे बढ़े और उन्होंने खतरनाक सशस्त्र कौडरों को गांव की तरफ आगे बढ़ने से रोकने के लिए देशहित में सर्वोच्च बलिदान करने के लिए तत्परता एवं अदम्य वीरता का प्रदर्शन करते हुए हमला किया। दल के नेतृत्वकर्ता एवं सदस्य अत्यधिक आवश्यकता के समय मौके पर बिल्कुल खरे उतरे और इस प्रकार वीरतापूर्वक कार्य किया कि संख्या बल में अधिक और रणनीतिक रूप में बेहतर स्थिति वाले दुश्मन को न केवल पीछे हटना पड़ा बल्कि पुलिस दल ने अपनी नगण्य क्षति के साथ उन्हें भारी नुकसान पहुंचाया। इस सफल अभियान के परिणामस्वरूप चार माओवादी कौडर मारे गए, जिसमें सीपीआई (माओवादी) का एक डिवीजनल कमांडर बादल उर्फ डेविड, जिस पर ओडिशा सरकार ने 5,00,000/- रुपये के इनाम की घोषणा कर रखी थी तथा एक एरिया कमांडर नामतः प्रशांत, जिस पर ओडिशा सरकार ने 4,00,000/- रुपये इनाम की घोषणा कर रखी थी, शामिल हैं।

इस अभियान में सर्व/श्री प्रतीक सिंह, आईपीएस, पुलिस अधीक्षक, रबिन्द्र सबर, सूबेदार, अशोक कुमार रथ, सूबेदार, आलोक कुमार सेठी, हवलदार, धनंजय बरद, कमांडो, कृष्ण चंद्र पिंग, कमांडो, संतोष कुमार धान, कमांडो, जगन्नाथ कंहार, ओएपीएफ और मधुसूदन मल्लिक, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाले नियमों के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 13/05/2018 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 66-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, ओडिशा पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार/वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

अधिकारियों के नाम और रैंक सर्व/श्री	
01. निरंजन साहू, अपर पुलिस अधीक्षक	(वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार)
02. केशाबा सीसा, हवलदार	वीरता के लिए पुलिस पदक
03. जितेंद्र कुमार दास, हवलदार	(वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार)
04. सिनाया शेखर बेपारी, कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
05. उर्धाबा चलाण, कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
06. कान्हू चरण माझी, कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 25 मार्च, 2018 को पुलिस स्टेशन नारायणपटना, जिला कोरापुट, ओडिशा के तहत डोकरीघाटी गांव के निकटवर्ती वन क्षेत्र में एओबीएसजेडसी की कोरापुट डिवीजन के 10-15 सशस्त्र कौडरों अरुणा, अंर्द्र, सुरेश, चलपति तथा अन्य की उपस्थिति के बारे में एक विश्वसनीय जानकारी के आधार पर माओवादियों को पकड़ने के लिए श्री निरंजन साहू, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन), कोरापुट की कमांड में पुलिस अधीक्षक, कोरापुट द्वारा डीवीएफ के 13 चुने हुए कमांडो की एक छोटी टीम का उपयोग करते हुए, एक अभियान की योजना बनाई।

योजना के अनुसार, टीम दिनांक 25.03.2018 को डोकरीघाटी वन क्षेत्र पहुंची और उसने चतुराई से खोज शुरू कर दी। रात को लगभग 9.15 बजे, चतुराई से ऊपर की पहाड़ी की ओर आगे बढ़ते हुए टीम पर परिष्कृत हथियारों से ताबड़तोड़ गोलीबारी के रूप में भारी तथा अकारण गोलीबारी हुई। कुछ गोलियां पुलिस दल के कुछ सदस्यों को लगभग छूते हुए गुजरीं और वे बाल-बाल बचे। श्री निरंजन साहू, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन), ने सशस्त्र माओवादियों को आत्मसमर्पण करने की चुनौती दी, परंतु उन्होंने गोलीबारी की मात्रा को और बढ़ा दिया। तभी हथगोला फेंके जाने के कारण कर्णभेदी धमाका हुआ, जिसके कारण पांच कार्मिक नामतः हवलदार/599 जितेंद्र कुमार दास (स्काउट-2), सी/424 सिनाया शेखर बेपारी (स्काउट-2), उप-निरीक्षक अनिरुद्ध नायक, श्री निरंजन साहू, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) तथा उनके साथी हवलदार 4/471 केशाबा सीसा घायल हो गए। तब पुलिस दल ने पाया कि उनका आमना-सामना परिष्कृत हथियारों से लैस लगभग 10-12 चरमपंथियों से हो गया है, जो हत्या के इरादे से उन पर गोलीबारी कर रहे थे। भारी गोलीबारी तथा कार्मिकों के घायल होने के बावजूद, पुलिस दल अपनी स्वयं की जान की परवाह किए बिना, आगे बढ़ा तथा निरंजन साहू, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) के निदेशानुसार तुरंत दो फ्लैंकों में बंट गया। उन्होंने 04 घायल डीवीएफ कार्मिकों के साथ तुरंत उत्तरी फ्लैंक को कवर किया तथा सी/749 उर्धाबा चलाण की कमांड के तहत शेष सैनिकों को पश्चिमी फ्लैंक को कवर करने का निदेश दिया। उनके शरीर में गंभीर स्प्लिंटर चोट लगने के बावजूद, श्री निरंजन साहू, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन), उनके साथी हवलदार/471 केशाबा सीसा, हवलदार/599 जितेंद्र कुमार दास (स्काउट-1) तथा सी/424 सिनाया शेखर बेपारी (स्काउट-2) ने सच्चे साहस का प्रदर्शन किया, अड़िग रहे, अपने कार्मिकों की सुरक्षा के लिए सर्वाधिक चिंता दर्शाते हुए, अपनी जान को जोखिम में डालते हुए रेंगते हुए आगे बढ़े, सटीक कवर गोलीबारी प्रदान की, पोजीशन ली और तब तक नियंत्रित गोलीबारी करते रहे जब तक कि चरमपंथियों की ओर से गोलीबारी बंद नहीं हो गई। इसी के साथ सी/749 उर्धाबा चलाण की कमांड में पश्चिमी फ्लैंकडो टीम ने फ्लैंकिंग निरोधी हमले द्वारा माओवादियों के पीछे हटने के रास्ते को अवरुद्ध करने के लिए पश्चिमी ओर को कवर किया और भागते हुए माओवादियों द्वारा उन पर पास से भारी अंधाधुंध गोलीबारी गोलीबारी हुई। सी/749 उर्धाबा चलाण आगे बढ़े और संख्या में कम होने तथा भूभाग संबंधी गंभीर सीमाओं के बावजूद वयैक्तिक सुरक्षा की परवाह किए बिना उन्होंने वीरतापूर्वक जवाबी गोलीबारी की और भारी गोलीबारी को झेलते हुए सामने से अत्यंत जोखिमपूर्ण हमला करते हुए माओवादियों पर धावा बोल दिया तथा माओवादी चरमपंथियों को हथियारों, गोलाबारूद तथा विस्फोटकों को छोड़कर हड़बड़ाहट में पीछे हटने पर मजबूर कर दिया।

उनकी कार्रवाई के कारण कोरापुट डिवीजन की एसीएम रैंक की 03 महिला माओवादी काँडों नामतः (1) कुमार उर्फ कोसी (2) उनगी उर्फ आरती (3) रानिता की मौत हुई और 03 एसएलआर राइफल, एक .303 राइफल, 05 मैगजीन, 04 डेटोनेटर, लैंडमाइन (टिफिन बम)-01, लाइव गोला बारूद- 140, ब्लैक गोला बारूद-18, मैनपैक-01, किट बैग-09, रेडियो सैट-03, मैगजीन पाउच-03, 10000/- रुपये नकद तथा अन्य कैप सामग्रियां बरामद हुई।

सीपीआई (माओवादी) समूह के अन्य सदस्य अंधेरे, पहाड़ी भू-भाग और घने वनक्षेत्र का लाभ उठाकर पास के जंगल में भागने में सफल रहे। श्री निरंजन साहू, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) ने रात्रि को लगभग 10:15 बजे पुलिस अधीक्षक, कोरापुर को टेलीफोन पर ईओएफ और बरामदी के बारे में सूचित किया और खोज अभियान को तेज करने के लिए बैकअप टीमों हेतु अनुरोध किया। उप-निरीक्षक मनोज कुमार प्रधान के नेतृत्व में डीवीएफ की एक टीम तथा एसओजी की दो टीमों अर्थात उप-निरीक्षक(ए) ए.के. ब्रह्मा के नेतृत्व में छोटी टीम सं. 03 तथा उप-निरीक्षक(ए) एच.एल. माझी के नेतृत्व में टीम सं. 40 ने दिनांक 26.03.2018 को प्रातः लगभग 7.00 बजे मौके पर श्री निरंजन साहू, अपर पुलिस अधीक्षक को रिपोर्ट किया। श्री निरंजन साहू, अपर पुलिस अधीक्षक की कमांड के तहत संयुक्त टीमों द्वारा तलाशी अभियान के दौरान प्रातः लगभग 8.15 बजे फिर से विपरीत दिशा में अंधाधुंध गोलीबारी हुई, जिससे एसओजी छोटी टीम सं. 03 के हवलदार दीप्ति रंजन गौड़ा को चौंटे आई। खोजी टीमों ने फिर से खुद को चरमपंथियों के आमने-सामने पाया, जो कि लगातार पुलिस टीम के सदस्यों पर गोलीबारी कर रहे थे। इसी समय, सी/103 कान्हू चरण माझी ने माओवादियों द्वारा सीधी गोलीबारी का सामना होने के बावजूद, जबकि कई गोलियां उनके शरीर के पास से गुजर रही थीं, अपनी टीम के सदस्यों की जिंदगी को बचाने के लिए कोई और विकल्प न देखकर अपनी जान की परवाह किए बिना, एक अत्यंत साहसिक कृत्य के रूप में नियंत्रित गोलीबारी को जारी रखा तथा चतुराई से आगे बढ़े और चरमपंथियों को पीछे हटने पर मजबूर कर दिया। गोलीबारी बंद हो जाने के बाद तलाशी को तेज किया गया और कोरापुट डिवीजन की एक महिला माओवादी नामतः लक्की, पीएम का शव, 01 एसएलआर राइफल, 01 आईएनएसएस राइफल, लाइव गोला बारूद-29 तथा ब्लैक गोला बारूद-08, मैगजीन-03 बरामद हुए।

अभियान के दौरान टीम लीडर और उक्त- कमांडो ने शत्रु के समक्ष उच्चम स्तर के साहस और दृढ़ निश्चय का प्रदर्शन किया और कर्तव्य के पालन में अपनी सुरक्षा की परवाह नहीं की तथा उन्होंने कई बार खुद को दुश्मन की गोलीबारी के सामने आने दिया, फिर भी वे अपने कर्तव्य को निभाने पर अड़िग रहे। मिशन के प्रति अटूट प्रतिबद्धता, वह भी इतने शत्रुतापूर्ण माहौल में, सच्चे साहस और गौरव की कथा है।

इस अभियान में सर्व/श्री निरंजन साहू, अपर पुलिस अधीक्षक, केशाबा सीसा, हवलदार, जितेंद्र कुमार दास, हवलदार, सिनाया शेखर बेपारी, कांस्टेबल, उर्धाबा चलाण, कांस्टेबल और कान्हू चरण माझी, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाले नियमों के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 25/03/2018 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 67-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

- अधिकारियों के नाम और रैंक
सर्व/श्री
01. विकास चंद्र त्रिपाठी,
उप पुलिस अधीक्षक
 02. सत्य प्रकाश सिंह,
उप-निरीक्षक
 03. भानु प्रताप सिंह,
हेड कांस्टेबल
 04. यशवंत कुमार सिंह,
कांस्टेबल
 05. संतोष कुमार सिंह,
कांस्टेबल

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

धर्मेन्द्र सिंह, आजमगढ़ जिले का एक कुख्यात और खूंखार अपराधी था, जिसके खिलाफ आजमगढ़, गाजीपुर, मऊ, गोरखपुर तथा भदोई जिलों में गहन अपराध के दर्जन भर मामले दर्ज थे तथा वह जनता के लिए आतंक का पर्याय बन गया था। वह गोरखपुर के प्रमुख डॉक्टरों और कई जिलों के व्यापारियों को जबरन वसूली के लिए आतंकित कर रहा था। उसकी आतंकी और आपराधिक गतिविधियों को देखते हुए उसकी गिरफ्तारी पर 50,000/- का इनाम घोषित किया गया था।

उप पुलिस अधीक्षक विकास चंद्र त्रिपाठी, फील्ड यूनिट, गोरखपुर के नेतृत्व वाली विशेष कार्य बल टीम उसकी गिरफ्तारी के लिए आसूचना जुटा रही थी। दिनांक 19.05.2016 को लगभग 17:00 बजे एक कार्रवाई योग्य इनपुट प्राप्त हुआ कि, किसी जाने-माने डॉक्टर की हत्या का षडयंत्र रचने और उसे अंजाम देने हेतु अपने अन्य साथियों से संपर्क करने के लिए धर्मेन्द्र सिंह एक साथी के साथ देवरिया इंटर सेक्शन के मार्फत चार लेन के गोरखपुर-कुशीनगर राजमार्ग से गोरखपुर आने वाला है। उप पुलिस अधीक्षक विकास त्रिपाठी तुरंत हरकत में आ गए तथा उप निरीक्षक सत्य प्रकाश सिंह, हेड कांस्टेबल (पी) भानु प्रताप सिंह, कांस्टेबल यशवंत सिंह, संतोष कुमार सिंह और अन्य के साथ चार लेन के गोरखपुर - कुशीनगर राजमार्ग पर देवरिया इंटर सेक्शन के पास पहुंच गए, जहां पर उन्होंने दो टीमों का गठन किया। पहली हमला टीम का नेतृत्व उप पुलिस अधीक्षक विकास खुद कर रहे थे जबकि दूसरी बैकअप टीम का नेतृत्व उप निरीक्षक पंकज कर रहे थे। हमला टीम ने गाँव छावरी की ओर सड़क के बाईं ओर पोजीशन ले ली और बैकअप टीम ने सड़क के दाईं ओर पोजीशन ले ली और इंतजार करना शुरू कर दिया। लगभग 19:20 बजे, काले रंग की मोटरसाइकिल पर दो व्यक्ति आते हुए दिखे। मुखबिर ने पीछे सवार की कुख्यात अपराधी धर्मेन्द्र के रूप में पुष्टि की। पास आने पर, उप पुलिस अधीक्षक विकास त्रिपाठी, उप निरीक्षक सत्य प्रकाश सिंह, हेड कांस्टेबल (पी) भानु प्रताप सिंह और कांस्टेबल यशवंत सिंह और संतोष कुमार सिंह ने अपराधियों को घेर लिया और ऊंची आवाज में उन्हें रुकने की चुनौती दी। पीछे सवार ने अपनी कमर में खोसे हुए हथियार को निकाल लिया और हत्या करने के इरादे से एसटीएफ टीम पर गोलियां चला दीं। गोलीबारी करते हुए, वो मोटरसाइकिल से सर्विस लेन में कूद गया, और रेलिंग को पार करके उसने पोजीशन ले ली।

अंधाधुंध गोलीबारी देखते हुए, उप पुलिस अधीक्षक, उप निरीक्षक, हेड कांस्टेबल(पी), कांस्टेबल यशवंत और संतोष कवर से बाहर आ गए, सर्विस लेन में कूद गए और उन्होंने उसे आत्मसमर्पण करने के लिए ऊंची आवाज में चुनौती दी। अपराधी ने परवाह नहीं की तथा और अधिक उग्रता से गोलीबारी करना जारी रखा। अपने जीवन को खतरे में डालते हुए, हमला टीम अपराधी की ओर आगे बढ़ी जो अपने बैग से कोई बड़ा हथियार निकालने की कोशिश कर रहा था। टीम के सदस्यों के जीवन को खतरे में देखकर, उप पुलिस अधीक्षक विकास ने अपनी हमला टीम के साथ, अपने जीवन को खतरे में डालते हुए तथा असाधारण साहस और वीरता दिखाते हुए, कवर से बाहर आ गए और अपराधी को दबोचने की कोशिश की। अपराधी को काबू में करने का कोई अन्य विकल्प नहीं मिलने पर, उन्होंने आत्मरक्षा में नियंत्रित तरीके से गोली चलाई। जवाबी गोलीबारी के परिणामस्वरूप अपराधी घायल होकर गिर पड़ा। एसटीएफ टीम तेजी से अपराधी के नजदीक गई और उसे अचेत अवस्था में पड़ा देखा। तलाशी में 9 मिमी की पिस्तौल, एक कार्बाइन 7.65 मिमी और कई जिंदा तथा चलाए गए कारतूस बरामद हुए। उसे इलाज के लिए तुरंत सरकारी अस्पताल भेजा गया परन्तु गोली की चोटों के कारण उसने दम तोड़ दिया। मृतक की पहचान खूंखार अपराधी धर्मेन्द्र सिंह के रूप में हुई।

इस आमने-सामने की मुठभेड़ में श्री विकास चंद्र त्रिपाठी, उप पुलिस अधीक्षक, श्री सत्य प्रकाश सिंह, उप निरीक्षक सीपी, श्री भानु प्रताप सिंह, हेड कांस्टेबल (पी) सीपी, श्री यशवंत सिंह, कांस्टेबल सीपी और श्री संतोष कुमार सिंह, कांस्टेबल सीपी ने अपराधी द्वारा अंधाधुंध गोलीबारी के समक्ष असाधारण साहस, वीरता और कर्तव्यपरायणता का प्रदर्शन किया।

इस अभियान में सर्व/श्री विकास चंद्र त्रिपाठी, उप पुलिस अधीक्षक, सत्य प्रकाश सिंह, उप-निरीक्षक, भानु प्रताप सिंह, हेड कांस्टेबल, यशवंत कुमार सिंह, कांस्टेबल और संतोष कुमार सिंह, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाले नियमों के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 19/05/2016 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 68-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश पुलिस के निम्नलिखित अधिकारी को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

अधिकारी का नाम और रैंक

श्री आनंद कुमार, आईपीएस,
पुलिस अधीक्षक

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 11-03-93 को प्रातः लगभग 01:05 बजे, सूचना मिली कि गाजियाबाद में स्वचालित हथियारों से लैस तीन बदमाश देखे गए हैं। संदेश को सभी पुलिस थानों में फ्लैश कर दिया गया। संदेश मिलने पर, श्री रमेश चंद्र शर्मा, निरीक्षक, ने कोई समय गंवाए बिना पुलिस स्टेशन साहिबाबाद की सभी चौकियों को सख्त निगरानी रखने और सभी वाहनों की जांच करने का निदेश दिया। वे श्री हर्षवर्धन सिंह, एसएसआई और अन्य पुलिस कार्मिकों के साथ मोहन नगर के लिए रवाना हुए और हिंडन ब्रिज की ओर चले गए। जीटी रोड पर बिक्री कर चौकी के पास, श्री शर्मा ने एक स्कूटर पर सवार तीन लोगों को देखा, जो करहेड़ा की ओर मुड़ गए। स्कूटर नंबर वही था जो फ्लैश हुआ था। बदमाशों के मिलने के संदेश को फ्लैश कर दिया गया। पुलिस की जीप को पास आते देखकर उन्होंने अपने स्कूटर को पुलिस के पास रोक दिया और भागना शुरू कर दिया। श्री शर्मा, श्री हर्षवर्धन सिंह, 551 और अन्य पुलिस कार्मिकों के साथ, जीप से उतरे, और बदमाशों के पीछे भागे। पुलिस दल को पीछा करते देख बदमाश एक शेल्टर के पीछे छिप गए और उन्होंने गोलीबारी शुरू कर दी। संदेश मिलने पर श्री आनंद कुमार तत्कालीन एसपी सिटी, गाजियाबाद और अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी पुलिस बल के साथ तेजी से मुठभेड़ स्थल की ओर चल पड़े। तत्कालीन एसएसपी श्री वी.के. गुप्ता ने स्थिति की जानकारी ली और श्री आनंद कुमार को दक्षिणी तरफ से पुलिस बल का नेतृत्व करने के लिए तैनात किया। उन्होंने उत्तरी और पश्चिमी ओर तैनात पुलिस दलों को दबाव बनाने का निदेश दिया क्योंकि बदमाश लगातार गोलीबारी कर रहे थे। तत्कालीन एसपी सिटी, श्री आनंद कुमार, अपने जीवन के लिए गंभीर खतरे की परवाह किए बिना, लगातार गोलीबारी करके दक्षिण की ओर से दबाव बनाए हुए थे और बदमाशों की ओर आगे बढ़ रहे थे। अभियान के दौरान श्री आनंद कुमार आतंकवादियों की गोलियों से चमत्कारिक रूप से बच निकले थे, जो कि उन्हें लग ही जाती, यदि वे अचानक झुक

न गए होते और शेल्टर नहीं ले लेते। बदमाश पुलिस पार्टी पर बेतहाशा गोलीबारी कर रहे थे क्योंकि उनके भागने के रास्ते सील कर दिए गए थे। बदमाशों और पुलिस बल के बीच लगातार गोलीबारी में, तत्कालीन एसपी (सिटी) श्री आनंद कुमार, तत्कालीन थाना प्रभारी साहिबाबाद श्री रमेश चंद्र शर्मा और एसएसआई हर्षवर्धन सिंह, जो अपने जीवन को जोखिम में डाल रहे थे, विशेष रूप से बदमाशों की गोलियों के निशाने पर थे, लेकिन फिर भी जो कुछ भी शेल्टर उपलब्ध था, उसकी आड़ लेते हुए वे बदमाशों के पास पहुंच गए। पुलिस बल के साहस और निडरता से आशंकित होकर और चेतावनी की प्रतिक्रिया के रूप में, बदमाशों ने गोलीबारी बंद कर दी और आत्मसमर्पण करने के लिए हाथ उठा दिए। श्री वी.के.गुप्ता, तत्कालीन एसएसपी, श्री आनंद कुमार, तत्कालीन एसपी सिटी, रमेश चंद्र शर्मा, तत्कालीन थाना प्रभारी साहिबाबाद और एसएसआई हर्षवर्धन सिंह, जो बदमाशों के पास पहुंच गए थे, ने थोड़ी देर तक इंतजार किया और फिर सभी एक साथ मिलकर असाधारण साहस दिखाते हुए तेजी से इन खतरनाक अपराधियों पर झपट पड़े। इन चारों अधिकारियों ने अपनी सूझ-बूझ से, अपराधियों को जरा सी भी हरकत करने का कोई मौका नहीं दिया और जल्दी से उन्हें निहत्था कर दिया। मुठभेड़ में पकड़े गए तीन बदमाशों की पहचान खालिस्तान लिबरेशन फोर्स (केएलएफ) के आतंकवादी संगठन के सी पंजवाला ग्रुप के सदस्यों मंगत सिंह, हरदीप सिंह और तरसेम लाल के रूप में की गई। उनके पास से 102 जिंदा कारतूस और दो मैगजीन के साथ एक एके - 47 राइफल, एक डीबीबीएल गन 12 बोर, 19 जिंदा कारतूस बरामद हुए। इसके बाद, एएलपीएस फैक्ट्री गाजियाबाद के कैशियर से लूटे गए एक लाख रुपये भी उनसे बरामद हुए। यह ऑपरेशन श्री आनंद कुमार की सफल कमांड और उनके द्वारा प्रदर्शित की गई अनुकरणीय बहादुरी के तहत पूरा हुआ।

इस अभियान में, श्री आनंद कुमार, आईपीएस, पुलिस अधीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाले नियमों के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए प्रदान किया जाता है तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 11/03/1993 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 69-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

अधिकारियों के नाम और रैंक
सर्व/श्री

01. विशाल विक्रम सिंह,
अपर पुलिस अधीक्षक
02. विनय कुमार सिंह,
उप-निरीक्षक

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

उत्तर प्रदेश के सबसे ज्यादा वांछित भगोड़ों में से एक, खेरी जिले का खूंखार अपराधी बग्गा सिंह, पिछले एक दशक से उत्तर प्रदेश के तराई क्षेत्र में आतंक का पर्याय बन गया था। उसके विरुद्ध हत्या, लूट, फिरोती, अपहरण आदि सहित दर्जनों मामले थे। वर्ष 2013 में, एक पुलिसकर्मी की हत्या करने के बाद वह पुलिस हिरासत से भाग गया था। भागने के बाद भी उसने विभिन्न सनसनीखेज अपराध किए और वह कम से कम 9 आपराधिक मामलों में वांछित था। अपर पुलिस महानिदेशक द्वारा उस पर 1,00,000/- रुपये का इनाम घोषित किया गया था।

अपर पुलिस अधीक्षक विशाल विक्रम सिंह के नेतृत्व में एसटीएफ टीम पिछले तीन महीने से जिला सीतापुर, लखीमपुर खीरी, बहराइच और भारत-नेपाल सीमा के आसपास के इलाकों में आसूचना इकट्ठा कर रही थी। दिनांक 17.01.2018 को टीम ढाखेरावा क्रासिंग, लखीमपुर पर आसूचना जुटाने में व्यस्त थी। एक गुप्त सूचना मिली कि खूंखार अपराधी बग्गा सिंह एक साथी के साथ सनसनीखेज अपराध को अंजाम देने के लिए गाजियापुर रोड़ के मार्फत ढाखेरावा गांव को जाने वाला है। अपर पुलिस अधीक्षक विशाल टीम के साथ शीघ्रता से दुल्हीपुरवा सिफोन को गए जहां पर अपर पुलिस अधीक्षक विशाल विक्रम तथा उप-निरीक्षक शिवनेत्र सिंह ने नेतृत्व में दो टीमों

का गठन किया गया। पहली टीम ने रास्ते की पूर्वी ओर पेड़ों तथा झाड़ियों की आड़ में पोजीशन ली तथा इंतजार करने लगी, जबकि दूसरी टीम ने लगभग 50 मीटर आगे रास्ते की पश्चिमी ओर पेड़ों तथा झाड़ियों की आड़ में पोजीशन ली तथा इंतजार करने लगी।

सुबह लगभग 07:50 बजे, चालक तथा सवार के साथ एक मोटरसाइकिल गाजियापुर की ओर से आती दिखी। मुखबिर ने सवार की पुष्टि बग्गा सिंह के रूप में की। दूसरी टीम ने मोटरसाइकिल को रोकने की कोशिश की, लेकिन चालक ने गति बढ़ा दी। इस बीच पहली टीम ने दलख दिया। पुलिस को सामने देखकर, अपराधी अपना संतुलन खो बैठे और मोटरसाइकिल से गिर गए। पीछे सवार बग्गा सिंह ने एसटीएफ टीम को गालियां देते हुए गोलीबारी शुरू कर दी तथा चालक ने भी गोलीबारी शुरू कर दी। विशाल ने उन्हें ऊंची आवाज में आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी, परंतु उन्होंने बात नहीं मानी तथा अंधाधुंध गोलीबारी करते रहे। अपराधियों द्वारा दागी गई एक गोली विशाल की बीपी जैकेट में धंस गई। अगर उन्होंने बीपी जैकेट न पहनी होती, तो गोली ने उन्हें नुकसान पहुंचा दिया होता। ये अधिकारी बाल-बाल बचे। अपराधियों पर काबू पाने के लिए कोई और विकल्प न मिलने पर, विशाल और विनय अपनी जान की परवाह किए बिना तथा असाधारण साहस और वीरता का प्रदर्शन करते हुए अपने कवर से बाहर आ गए और उन्होंने प्रभावी तरीके से अपराधियों पर गोलीबारी की। अचानक, बग्गा सिंह उस पेड़ के पीछे एक गढ़वे में गिर गया जिसका उसने कवर लिया हुआ था। इस बीच विशाल और विनय उसे पकड़ने के लिए काफी नजदीक पहुंच गए, परंतु वह तुरंत उठ गया और उसने फिर से गोलीबारी शुरू कर दी। परंतु जवाबी गोलीबारी में खूंखार बग्गा सिंह घायल होकर गढ़वे में गिर गया। जब गोलीबारी बंद हुई, तो एसटीएफ टीम बग्गा सिंह की तरफ गई जो कि बिखरे खून के बीच बड़ा मिला। उसे उपचार के लिए तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, निघासन भेजा गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया।

इस अभियान में सर्व/श्री विशाल विक्रम सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक और विनय कुमार सिंह, उप-निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाले नियमों के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 17/01/2018 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 70-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

अधिकारियों के नाम और रैंक
सर्व/श्री

01. धर्मेश कुमार शाही,
निरीक्षक
02. आनंद कुमार शाही,
निरीक्षक

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 01.09.2017 को, श्री धर्मेश कुमार शाही, थाना प्रभारी- सरोजनीनगर अपनी टीम के साथ स्कूटर इंडिया क्रॉसिंग पर मौजूद थे, जहाँ एक गुप्त सूचना मिली थी कि पुलिस हिरासत से फरार एक खूंखार अपराधी पैसे की फिरौती के लिए मोटरसाइकिल पर बंधरा से लखनऊ जाने वाला है। अपराधी को दबोचने के लिए श्री धर्मेश ने एक सामरिक रूप से महत्वपूर्ण जगह पर अपनी टीम को तैनात किया। लगभग 20 मिनट बाद बंधरा की ओर से मोटरसाइकिल पर दो व्यक्ति आते हुए दिखे। मुखबिर ने पीछे बैठे सवार की ओर उक्त फरार अपराधी के होने का इशारा किया। श्री धर्मेश ने मोटरसाइकिल को रोकने की कोशिश की, लेकिन चालक ने गति को बढ़ा दिया और कट लेकर लखनऊ की ओर भाग गया। श्री धर्मेश ने रास्ते में पुलिस स्टेशनों को सतर्क किया और मोटरसाइकिल का पीछा किया। अपराधी शहीद पथ की ओर मुड़ गए और तेज गति से भाग गए। सूचना पर थाना प्रभारी गाजीपुर और श्री आनंद कुमार शाही, थाना प्रभारी- हजरतगंज हुसियरा क्रॉसिंग से उल्टी दिशा से शहीद पथ पर पहुँचे और श्री धर्मेश को सूचना दी। जब श्री धर्मेश मोटरसाइकिल का पीछा करते हुए सुल्तानपुर फ्लाईओवर के पास पहुँचे, तो चालक ने अपनी मोटर साइकिल को सर्विस लेन की ओर मोड़ दिया। सुल्तानपुर

फलाईओवर पार करने के बाद मोटरसाइकिल बांधा रोड पर मुड़ गई और जनेश्वर मिश्र पार्क की ओर चली गई। श्री धर्मेश, थाना प्रभारी गाजीपुर और श्री आनंद लगातार एक दूसरे के संपर्क में रहे। गाजीपुर और हजरतगंज की टीमों उल्टी दिशा से सर्विस लेन में आगे बढ़ीं।

थाना प्रभारी सरोजनीनगर ने अपराधियों का पीछा करना जारी रखा जबकि थाना प्रभारी हजरतगंज और थाना प्रभारी गाजीपुर ने डिवाइडर के दाहिनी ओर अपनी जीप चलाकर एक कट पर सामने से उन्हें घेरने की कोशिश की। बांधा रोड पर करीब 300 मीटर जाने के बाद अचानक मोटरसाइकिल रुक गई और सवार सीट पर बैठे व्यक्ति ने अपने दोनों हाथों में पिस्तौल निकाल ली और गोलियां चला दीं। पुलिस दल भी अपनी जीपों से नीचे उतर गया और अपराधियों को गोलबारी बंद करने के लिए चुनौती दी, लेकिन उन्होंने कोई भी ध्यान नहीं दिया और हत्या करने के लिए पुलिस दल पर अंधाधुंध गोलियां बरसाते रहे। थाना प्रभारी आनंद, थाना प्रभारी धर्मेश आदि ने अपनी जान की परवाह किए बिना चतुराई से अपराधियों की फायरिंग रेंज में घुसकर, असाधारण साहस और बहादुरी का प्रदर्शन करते हुए आत्मरक्षा में गोलीबारी करके अपराधियों को गिरफ्तार करने की कोशिश की। अपराधियों द्वारा चलाई गई गोलियां श्री आनंद और श्री धर्मेश की बीपी जैकेट में लगीं और धंस गईं। जवाबी गोलीबारी के दौरान एक गोली अपराधी को लगी। पास जाने पर पता चला कि गोली अपराधी के सिर पर लगी थी लेकिन वह सांस ले रहा था और उसमें जीवन के लक्षण देखे गए। उसे इलाज के लिए तुरंत नजदीकी अस्पताल में भेजा गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। मुठभेड़ लगभग 05:25 बजे हुई थी।

मृतक की पहचान लखनऊ के एक खूंखार अपराधी सुनील शर्मा के रूप में हुई, जो दिनांक 09.08.2017 को लखनऊ कोर्ट से पुलिस हिरासत से फरार हो गया था। अपर पुलिस महानिदेशक, लखनऊ जोन द्वारा उसकी गिरफ्तारी पर 15,000/- रुपये के इनाम की घोषणा की गई थी।

इस अभियान में सर्वश्री धर्मेश कुमार शाही, निरीक्षक और आनंद कुमार शाही, निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाले नियमों के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 01/09/2017 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 71-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, असम राइफलस के निम्नलिखित अधिकारी को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

अधिकारी का नाम और रैंक

श्री दीप चंद,
राइफलमैन

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

संख्या जी/135194एफ राइफलमैन सामान्य ड्यूटी दीप चंद एक परिश्रमी एवं अच्छे सैनिक हैं जिनकी वफादारी संदेह से परे है। शत्रु के समक्ष उनकी बहादुरी और निडरता ने उनको विद्रोहियों का विध्वंसक बना दिया है। उनके अदम्य साहस और सतत प्रयासों से “अभियान पांगसाऊ” के दौरान एक प्रीपाक काडर को मार गिराया गया।

दिनांक 22 जनवरी, 2017 को अभियान पांगसाऊ के दौरान कमान अधिकारी के त्वरित कार्रवाई दल के एक अंग के रूप में, वे अग्रणी स्काउट के रूप में कार्य कर रहे थे। अपने धैर्य और विद्रोह-रोधी अभियानों के विशाल अनुभव से विद्रोहियों के साथ शुरूआती बंदूकों की लड़ाई के पश्चात्, उन्होंने दो काडरों को जंगल के अन्दर भागते हुए देखा। जब उन्होंने उन्हें चुनौती दी, तो उनमें से एक काडर ने भागते हुए उनके ऊपर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। अपने सैन्य दलों के प्रति खतरे को भांपते हुए, उन्होंने अपनी निजी सुरक्षा की परवाह न करते हुए भाग रहे विद्रोही का पीछा किया और कौशल, सूझ-बूझ एवं अदम्य साहस का प्रदर्शन किया तथा अकेले ही एक खूंखार विद्रोही को मार गिराया। उनको टीम लीडर कर्नल राजेश गोवर द्वारा कवर फायर प्रदान किया गया। इस अभियान के परिणामस्वरूप दो खूंखार काडरों को मार गिराया गया। इनका सफाया विद्रोही गुट के मनोबल के लिए एक बड़ा आघात था क्योंकि उन्हें घात लगाकर किए गए जवाबी हमले में काफी क्षति पहुंची।

इस अभियान में श्री दीप चंद, राइफलमैन ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाले नियमों के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 22.01.2017 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 72-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के निम्नलिखित अधिकारी को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

अधिकारी का नाम और रैंक

श्री मोहम्मद रमजान पर्रे,
कांस्टेबल

वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत)

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

संख्या 114031350 कांस्टेबल (जीडी) मोहम्मद रमजान पर्रे पुत्र गुलाम अहमद पर्रे निवासी गांव-हाजिन, डाकघर-संबल, पुलिस स्टेशन-हाजिन, जिला-बांदीपोरा (जम्मू एवं कश्मीर) पिन-193501 का जन्म दिनांक 16.11.1987 को एक गरीब और सामान्य परिवार में हुआ। अत्यधिक उग्रवाद प्रवण क्षेत्र का निवासी होने के बावजूद, उन्होंने सैन्य सेवा (बेल्ट सर्विस) में भर्ती होना पसंद किया और वे दिनांक 21.01.2011 को एक कांस्टेबल (जीडी) के रूप में सीमा सुरक्षा बल में भर्ती हो गए। वे युवा और कर्मठ कांस्टेबल थे और किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए तैयार रहते थे।

दिनांक 27 सितम्बर, 2017 को लगभग 2100 बजे, जब वे छुट्टी पर अपने गृह नगर में थे, तो उनको अपनी आंटी के घर से अपने घर जाते समय मार्ग में भारी हथियारबंद उग्रवादियों के एक दल द्वारा रोका गया। उग्रवादियों ने उनको जबरन अगवा करने की कोशिश की, परन्तु स्व. कांस्टेबल मोहम्मद रमजान पर्रे ने बहादुरी से अकेले ही हथियारबंद उग्रवादियों का सामना किया और एक उग्रवादी से हथियार छीनने में लगभग सफल हो गए। स्थानीय लोग/भीड़ इकट्ठी हो गई और उग्रवादी उस स्थान से भाग गए।

तत्पश्चात्, लगभग 2145 बजे दो उग्रवादी स्व. कांस्टेबल मोहम्मद रमजान पर्रे को मारने के इरादे से उनके घर के भीतर घुसे। स्व. कांस्टेबल मोहम्मद रमजान पर्रे के नेतृत्व में परिवार के सभी सदस्य, उनके पिता, आंटी और उनके दो भाइयों ने भारी हथियारबंद उग्रवादियों का सामना किया, गंभीर चोटें लगने के पश्चात् भी अत्यधिक साहस और हिम्मत का प्रदर्शन करते हुए आतंकवादियों के साथ वीरतापूर्ण ढंग से लड़े और दोनों उग्रवादियों को उनके हथियारों से गोलीबारी नहीं करने दी। फिर, पहले वाले दो उग्रवादियों की सहायता करने के लिए दो अन्य उग्रवादियों ने घर में प्रवेश किया। स्व. कांस्टेबल मोहम्मद रमजान पर्रे ने एक उग्रवादी को काबू कर लिया, परन्तु दूसरे उग्रवादी ने उन पर बिल्कुल नजदीक से गोली चला दी। वे गोली लगने से बुरी तरह घायल हो गए और उग्रवादियों द्वारा चाकू के हमले से उनको घातक चोटें लगी। इसी बीच स्थानीय नागरिक इकट्ठे हो गए और यह देख कर उग्रवादी उस स्थान से भाग गए। स्व. कांस्टेबल मोहम्मद रमजान पर्रे को सीएचसी हाजिन ले जाया गया, जहां उन्हें सीएचसी हाजिन के डॉक्टर द्वारा मृत लाया हुआ घोषित कर दिया गया।

सं. 114031350 कांस्टेबल मोहम्मद रमजान पर्रे ने अत्यधिक अनुकरणीय साहस और बहादुरी के साथ भारी हथियारबंद उग्रवादियों से लड़ते हुए अपनी जान गंवाई और दिनांक 27 सितम्बर, 2017 को अपने घर पर शहादत प्राप्त की। यह घाटी की एक विरल घटना है, जिसमें स्व. कांस्टेबल मोहम्मद रमजान पर्रे और उनके परिवार के सदस्यों ने उग्रवादियों के हमले का बहादुरी से मुकाबला किया।

इस अभियान में स्व. श्री मोहम्मद रमजान पर्रे, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाले नियमों के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 27.09.2017 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 73-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

अधिकारियों के नाम और रैंक
सर्व/श्री

01. सुधीर हेम्ब्रम,
कांस्टेबल
02. तपस पॉल,
कांस्टेबल

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 23 नवम्बर, 2016 को लगभग 1130 बजे, शत्रु ने आतंकवादियों की घुसपैठ कराने की योजना के साथ सैन्य चौकी बलबीर की एओआर और एफडीएल केरन में अकारण गोलीबारी शुरू कर दी तथा एचई के लगभग 100-120 गोले दागे, धुआं फैलाया, और अग्नि बम चलाए। हमारे सैन्य दलों ने भी जवाबी कार्रवाई की। सं. 130819970 कांस्टेबल तपस पॉल और सं. 133307078 कांस्टेबल सुधीर हेम्ब्रम एफडीएल केरन से लगभग 300 मीटर ऊपर सीमा चौकी संख्या 54 के अत्यधिक संवेदनशील स्थान पर तैनात थे। उनके चारों ओर भारी गोलीबारी के बावजूद, दोनों कांस्टेबल किसी भी प्रकार की घुसपैठ के प्रयास को विफल करने के लिए अपने एओआर में गहन निगरानी कर रहे थे। लगभग 1330 बजे, एक आर्टिलरी शेल उनकी सीमा चौकी पॉइंट के नजदीक फट गया और गोलियों के छर्रे सीमा चौकी पॉइंट की लकड़ी की दीवारों को भेदते हुए बाहर निकल गए और दोनों कांस्टेबल घायल हो गए। दोनों कांस्टेबलों की बाईं टांग घुटने से नीचे गोली के छर्रे से चोटिल हो गई, परंतु अत्यधिक पीड़ा से विचलित हुए बिना, वे जवाबी गोलीबारी करते रहे और उन्होंने घुसपैठ, जिसकी शत्रु की कवर गोलीबारी में अत्यधिक संभावना थी, को रोकने के लिए लगातार निगरानी करते रहे। इसी बीच, कांस्टेबल तपस पॉल, जो एक योग्य नर्सिंग सहायक हैं, ने स्वयं तथा कांस्टेबल सुधीर हेम्ब्रम को प्राथमिक चिकित्सा प्रदान की और एडीएल केरन को चोटों के बारे में सूचित किया। प्राथमिक चिकित्सा करते समय भी दोनों कांस्टेबल एओआर की निगरानी रहे और एआईओएस से आगे आतंकवादियों की गतिविधि का पता लगा। घायल होने के बावजूद उन्होंने लगातार प्रभावशाली जवाबी कार्रवाई की और सभी कठिनाइयों का सामना करते हुए आतंकवादियों के घुसपैठ के प्रयास को विफल करने के लिए अत्यधिक साहस, युद्ध में निडरता और दल भावना का प्रदर्शन किया।

इस अभियान में सर्व/श्री सुधीर हेम्ब्रम, कांस्टेबल और तपस पॉल, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाले नियमों के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 23.11.2016 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 74-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के निम्नलिखित अधिकारी को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

अधिकारी का नाम और रैंक
श्री जगजीत सिंह,
कांस्टेबल

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 29 अक्टूबर, 2016 को लगभग 1330 बजे, पाकिस्तानी एफडीएल, लोवर फकीरा, अपर फकीरा, टेंट पोस्ट और एल/पी 2 ने हमारे एफडीएल मेनबोर, अपरबोर, सौरव और धनिया मैदान पर मोर्टार और छोटे हथियारों से गोलीबारी शुरू कर दी। एफडीएल मेनबोर में तैनात सं. 000022446 कांस्टेबल जगजीत सिंह ने बहादुरी से जवाबी कार्रवाई की और इंसास एलएमजी बट सं. 79, बॉडी सं. 16791163 से 29 राउंड गोलीबारी की और अत्यधिक साहस दिखाते हुए सी/पार्ट एफडीएल लोवर फकीरा पर प्रभावशाली गोलीबारी की

तथा अपने साथियों को पोजीशन लेने और जवाबी कार्रवाई करने का पर्याप्त समय प्रदान किया। अचानक शत्रु ने उनके मोर्चे को निशाना बनाया और मोर्चे को लक्ष्य बनाकर रॉकेट से हमला किया जिसके कारण सं. 000022446 कांस्टेबल जगजीत सिंह को उनकी जांघ, बाएं कंधे और चेहरे पर स्प्लिंटर से कई चोटें लगीं। घायल होने के बावजूद, उन्होंने लगातार प्रभावशाली जवाबी कार्रवाई जारी रखी और शत्रु के एफडीएल को क्षतिग्रस्त कर दिया। सं. 11833096 कांस्टेबल/एनए सुशांत मलिक, जो नजदीकी मोर्चे पर थे, शत्रु की भारी गोलीबारी के बीच कांस्टेबल जगजीत सिंह द्वारा संभाले गए मोर्चे पर चले गए और उपलब्ध चिकित्सीय सहायता के साथ घायल कांस्टेबल जगजीत सिंह को संभाला और स्प्लिंटर से हुए जख्मों से बहने वाले खून को रोका। प्राथमिक चिकित्सा देने के पश्चात् उन्हें बेहतर उपचार के लिए 92 बेस अस्पताल, श्रीनगर ले जाया गया।

कांस्टेबल जगजीत सिंह द्वारा यथासमय और बहादुरीपूर्ण कार्रवाई किए जाने से उनके साथियों को अपनी पोजीशन लेने और शत्रु की गोलीबारी के विरुद्ध जवाबी कार्रवाई करने का पर्याप्त समय मिल गया। बहादुर कांस्टेबल अपनी जान की परवाह किए बिना शत्रु की भारी गोलीबारी से बिना डरे अपनी पोजीशन पर बहादुरी से डटा रहा और शत्रु को अपने सैन्य दलों को गंभीर क्षति पहुंचाने से रोक दिया।

इस अभियान में श्री जगजीत सिंह, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाले नियमों के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 29.10.2016 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 75-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के निम्नलिखित अधिकारी को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

अधिकारी का नाम और रैंक

श्री ए. सुरेश,
हेड कांस्टेबल

वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत)

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 17 जनवरी, 2018 को, लगभग 2105 बजे पाकिस्तान ने बीएसएफ की 78 बटालियन की एओआर में अपने फोरवर्ड बंध से फ्लैट ट्राजेक्ट्री हथियारों का प्रयोग करते हुए अकारण गोलीबारी शुरू कर दी। नाका कमांडर के रूप में सं. 95009834 हेड कांस्टेबल/जीडी ए सुरेश के साथ-साथ सं. 042555944 कांस्टेबल (जीडी) अनिल कुमार सिंह और सं. 020033945 कांस्टेबल (जीडी) सत्येंद्र कुमार सिंह बीओपी बकारपुर के फोरवर्ड इयूटी प्वाइंट एनजे 443 पर तैनात थे। जब पाकिस्तान की ओर से हमारे फोरवर्ड इयूटी प्वाइंटों को निशाना बनाकर अकारण गोलीबारी शुरू हुई तो हेड कांस्टेबल ए सुरेश ने समग्र स्थिति का जायजा लिया और इयूटी प्वाइंट सं. एनजे 443 से प्रभावशाली जवाबी कार्रवाई की योजना बनाई तथा शत्रु के ठिकानों पर एक साथ गोलीबारी करने के लिए अन्य निकटवर्ती प्वाइंटों अर्थात् सं. एनजे 442 और एनजे 444 से समन्वय भी किया। उन्होंने अपनी सूझबूझ का प्रदर्शन भी किया और निरीक्षक देवेंद्र राय, कार्यवाहक कंपनी कमांडर को सूचित किया तथा उनसे शत्रु के अग्रणी ठिकानों को लक्ष्य बनाते हुए मोटार से भारी गोलीबारी करने की योजना बनाने का अनुरोध किया ताकि शत्रु को प्रभावशाली ढंग से निष्क्रिय किया जा सके। शत्रु ने यह महसूस करते हुए कि इयूटी प्वाइंट सं. एनजे 443 सटीक एवं भारी गोलीबारी कर रहा है तो उसने अपनी गोलीबारी की ताकत जिसमें यूएमजी और पीका गन शामिल थी, को इयूटी प्वाइंट सं. एनजे 443 की ओर लगा दिया। जब आपसी गोलीबारी चल रही थी, तो पाकिस्तान की ओर से गोलीबारी की तीव्रता भी बढ़ गई और उपर्युक्त इयूटी प्वाइंट को न केवल पाकिस्तान के फोरवर्ड बंध पोजीशन से बल्कि पाकिस्तानी चौकी एडवांस कुंदनपुर से भी शत्रु की भारी गोलीबारी का सामना करना पड़ा। आपसी भारी गोलीबारी के बीच, हेड कांस्टेबल (जीडी) ए सुरेश ने युद्ध संबंधी अत्यधिक चतुराई का प्रदर्शन किया और अपनी एएमजी से शत्रु की पोजीशन को उलझाए रखा तथा इस प्रक्रिया में उनके अग्रणी ठिकानों को भारी क्षति पहुंचाई। इसके साथ-साथ उन्होंने अपने साथियों को प्रोत्साहित भी किया तथा निकटवर्ती इयूटी प्वाइंटों के साथ प्रभावशाली गोलीबारी की योजना का समन्वय किया। तथापि, लगभग 2220 बजे भीषण आपसी गोलीबारी के दौरान पाकिस्तान की ओर से भारी गोली की एक बौछार आई और उसने इयूटी प्वाइंट सं. एनजे 443 को चोट पहुंचाई जिसमें एक गोली उपर्युक्त प्वाइंट के बचाव के रास्ते से होते हुए अंदर आई और हेड कांस्टेबल ए सुरेश कुमार के सिर में लग गई। अपनी गंभीर चोट के बावजूद, हेड कांस्टेबल ए सुरेश ने अपनी जान की परवाह नहीं की और उन्होंने शत्रु के अग्रणी पोजीशन पर प्रभावशाली गोलीबारी करते हुए शत्रु को उलझाए रखा।

भारी गोलीबारी के बीच, उन्हें शीघ्र बीओपी बकारपुर ले जाया गया और तत्काल प्राथमिक चिकित्सा के पश्चात, उन्हें आगे सरकारी अस्पताल आरएस पोरा ले जाया गया, जहां 0100 बजे ऑन ड्यूटी डॉक्टर द्वारा उन्हें मृत लाया हुआ घोषित कर दिया गया।

शत्रु की सधी हुई गोलीबारी में घिरे हुए होने के बावजूद, सं. 95009834 हेड कांस्टेबल ए सुरेश ने न केवल अनुकरणीय तथा विलक्षण साहस और लगातार प्रभावशाली जवाबी कार्रवाई का प्रदर्शन किया बल्कि शत्रु की पॉजिशन की ओर प्रभावशाली गोलीबारी करने के लिए निकटवर्ती ड्यूटी प्वाइंटों के साथ समन्वय करके शत्रु को मुंहतोड़ एवं कठोर जवाब देते हुए शत्रु की भीषण गोलीबारी के दौरान युद्ध संबंधी अत्यधिक साहस का प्रदर्शन भी किया। तथापि, इस प्रक्रिया में उन्होंने राष्ट्र की सुरक्षा करते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया।

इस अभियान में स्व. श्री ए. सुरेश, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाले नियमों के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 17.01.2018 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 76-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत) प्रदान करते हैं:—

अधिकारी का नाम और रैंक सर्व/श्री	
01. नितिन कुमार, कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत)
02. प्रविन्द्र कुमार, कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
03. बरुण कुमार कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

बीएसएफ की 40 बटालियन का टीएसी मुख्यालय माचिस फैक्ट्री, बारामुला (जेएंडके) में स्थित है और इसकी 'ई' कंपनी 46 आरआर बटालियन के मुख्यालय के साथ स्टेडियम कॉलोनी, बारामुला (जेएंडके) में तैनात की गई थी।

दिनांक 2/3 अक्टूबर, 2016 की मध्यरात्रि को सं. 124537084, कांस्टेबल नितिन कुमार और सं. 050027808, कांस्टेबल बरुण कुमार को सीटी पोस्ट स्टेडियम कॉलोनी के मोर्चा सं. 11 पर संतरी की ड्यूटी करने के लिए तैनात किया गया था। लगभग 2200 बजे जब मोर्चा सं. 11 की बगल में झेलम नदी के किनारे के निकट कई आवारा कुत्ते भौंकने लगे तो कांस्टेबल बरुण कुमार को संदेह हो गया। उन्होंने नदी के तट के सामान्य क्षेत्र जहां कुत्ते लगातार भौंक रहे थे, में किसी संदिग्ध गतिविधि का पता लगाने के लिए अपने मोर्चे के बचाव के रास्ते में से तत्काल अपनी सर्विस टॉर्च जलाई। चूंकि वे एलएमजी की सफाई कर रहे थे, अतः उन्होंने कांस्टेबल नितिन कुमार को बाहर जाने तथा संदिग्ध गतिविधि, यदि कोई हो को पता लगाने का निदेश दिया। कांस्टेबल नितिन कुमार मोर्चे की दीवार का कवर लेते हुए एक कोने से रणनीतिपूर्वक ढंग से बाहर निकले और उन्होंने झेलम नदी के तट की ओर अपनी टॉर्च जलाई। अचानक अज्ञात आतंकवादियों ने मोर्चा सं. 11 की ओर गोलीबारी शुरू कर दी जिसके परिणामस्वरूप कांस्टेबल नितिन कुमार घायल हो गए परन्तु विपरीत परिस्थिति में भी युद्ध संबंधी हिम्मत और साहस की सर्वोच्च भावना का प्रदर्शन करते हुए वे, बंकर के भीतर चले गए और अपनी इंसास राइफल से जवाबी गोलीबारी की। कांस्टेबल बरुण कुमार ने भी अपनी एलएमजी से झेलम नदी के तट की ओर गोलीबारी की। अचानक आतंकवादियों ने बंकर पर कई ग्रेनेड फेंके जिनसे बंकर क्षतिग्रस्त हो गया और बंकर के भीतर और इसके चारों ओर धूल और धुएं के बादल बन गए। चूंकि, बचने के रास्ते में से भीतर की ओर कुछ भी नहीं दिखाई दे रहा था और बंकर पर ग्रेनेड से हमला हो रहा था, अतः आतंकवादियों को उपयुक्त जवाब देने के उद्देश्य से कांस्टेबल नितिन कुमार के साथ-साथ कांस्टेबल बरुण कुमार अपने बंकर से बाहर आ गए। कांस्टेबल नितिन कुमार बंकर की दीवार का कवर लेते हुए बंकर की दाईं ओर बाहर आ गए और गोलीबारी करने लगे।

कांस्टेबल बरुण कुमार ने एक कोने से एलएमजी की गोलीबारी से उनकी सहायता की और कांस्टेबल नितिन कुमार ने दूसरे कोने से सहायता पहुंचाने के लिए गोलीबारी की। अचानक आतंकवादियों ने ग्रेनेड फेंके जो बंकर के नजदीक फट गए और बंकर के साथ-साथ कांस्टेबल बरुण कुमार की एलएमजी क्षतिग्रस्त हो गई। ग्रेनेड हमले में कांस्टेबल नितिन कुमार को गंभीर चोटें आईं और उनका निजी हथियार क्षतिग्रस्त हो गया। अपनी जान की परवाह किए बिना वे बहादुरी से आतंकवादियों की ओर गोलीबारी करते रहे और यह भी सुनिश्चित किया कि उनकी गोलीबारी नजदीकी नागरिक आवास को सम्पाश्विक क्षति पहुंचाने के लिए झेलम नदी के पार न जा सके। इसी दौरान, संख्या 124517123 कांस्टेबल प्रविन्द्र कुमार सहायता करने के लिए अपने मोर्चे से दौड़ पड़े और इस प्रक्रिया में एक गोली उनकी दाईं टांग में लग गई परन्तु अपनी चोट की परवाह किए बिना उन्होंने उनकी चौकी को संभाल लिया और अपनी सर्विस राइफल से प्रभावशाली जवाबी गोलीबारी शुरू कर दी। इसी बीच, त्वरित कार्रवाई दल (क्यूआरटी) का वाहन मुठभेड़ स्थल के नजदीक पहुंच गया। सं. 050027808 कांस्टेबल बरुण कुमार ने बुरी तरह से क्षतिग्रस्त बंकर से कांस्टेबल नितिन कुमार को बहादुरी से बाहर निकाला। इसके अतिरिक्त, कांस्टेबल नितिन कुमार और कांस्टेबल प्रविन्द्र कुमार को बिना किसी विलम्ब के 46 आरआर यूनिट अस्पताल ले जाया गया। कांस्टेबल नितिन कुमार की जान बचाने के लिए सभी संभव जीवन रक्षक उपायों और बेहतर प्रयासों के बावजूद उनकी चोटों के कारण मृत्यु हो गई।

यह उल्लेख करना आवश्यक नहीं है कि सं.124537084 स्व. कांस्टेबल नितिन कुमार ने अंतिम क्षण तक चौकी को संभालते हुए अदम्य साहस, वीरता, जोश और निडरतापूर्ण कार्रवाई का प्रदर्शन किया तथा गंभीर रूप से घायल होने तथा कई चोटें लगने पर भी खूंखार आतंकवादियों को परिसर में घुसपैठ नहीं करने दिया।

इस पर बल देने की आवश्यकता है कि कांस्टेबल बरुण कुमार ने न केवल आतंकवादियों की गोलीबारी का जवाब देते हुए अपने धैर्य, बहादुरी और त्वरित कार्रवाई को सिद्ध किया बल्कि अपनी निजी सुरक्षा की परवाह किए बिना, स्वयं को खतरे में डाल दिया और खतरनाक स्थिति में अपने साथी की जान भी बचाई। सं.124517123 कांस्टेबल प्रविन्द्र कुमार ने चौकी पर आतंकवादियों के हमले का निडरतापूर्ण ढंग से जवाब दिया तथा आतंकवादियों के परिसर में घुसने के नापाक इरादे को रोकने में सर्वोच्च स्तर की बहादुरी और साहस का प्रदर्शन किया।

सभी तीनों कार्मिकों की उत्कृष्ट वीरतापूर्ण कार्रवाई ने खूंखार आतंकवादियों के परिसर में घुसने के नापाक प्रयास को विफल कर दिया, यदि यह हो जाता, तो परिसर के भीतर रहने वाले लोगों और महत्वपूर्ण स्थानों को भारी तथा असाधारण क्षति पहुंचती (क्योंकि घटनास्थल से बरामद आतंकवादियों के जीपीएस में ये स्थान चिह्नित किए गए थे)। अपनी सक्रिय और वीरतापूर्ण कार्रवाई से इन कार्मिकों ने आतंकवादियों को भागने पर विवश कर दिया तथा उनके फिदायीन हमले को विफल कर दिया।

इस अभियान में सर्व/श्री स्व. नितिन कुमार, कांस्टेबल, प्रविन्द्र कुमार, कांस्टेबल और बरुण कुमार, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाले नियमों के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 02.10.2016 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 77-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत) प्रदान करते हैं:—

- | | |
|------------------------------------|------------------------------------|
| अधिकारी का नाम और रैंक | |
| सर्व/श्री | |
| 04. आलोक कुमार अनल,
उप कमांडेंट | वीरता के लिए पुलिस पदक |
| 05. बिकास सूत्रधर,
कांस्टेबल | वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत) |

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

विश्वसनीय सूत्रों से एक आसूचना संबंधी जानकारी प्राप्त हुई कि रंजीत पॉल के नेतृत्व में 40 माओवादियों का एक गुट झारखंड-पश्चिम बंगाल सीमा पर स्थित मकौली जंगल क्षेत्र में शिविर लगा रहा है। यह क्षेत्र दुर्गम पहाड़ियों, गहरी घाटियों, सघन झाड़ियों और

जोखिमपूर्ण ढलानों के कारण आवाजाही के लिए भौगोलिक दृष्टि से बहुत दुष्कर है। इस क्षेत्र में निरंतर माओवादियों की उपस्थिति देखी गई है। इस क्षेत्र की सुभेद्यता को ध्यान में रखते हुए 165/169/193 बटालियन, 207 कोबरा, पुरलिया कमांडों और सीआईएफ जारग्राम के सैन्य दलों सहित एक "ए" स्तर के विशेष अभियान की योजना बनाई गई और दिनांक 16.09.2014 से 19.09.2014 को लक्षित क्षेत्र अर्थात् पुलिस स्टेशन-घाटसिला, जिला-पूर्वी सिंहभूम, झारखंड के अंतर्गत ग्राम-चेकम के निकटवर्ती मकोली जंगल वाले क्षेत्र में इसे शुरू किया गया। 207 कोबरा के दो हमला दलों को मुख्य क्षेत्र में तलाशी अभियान शुरू करने का काम सौंपा गया। श्री बिनोद टोपो, कमांडेंट 207, कोबरा की सम्पूर्ण कमान में हमला-। दल का नेतृत्व श्री राकेश कुमार, उप कमांडेंट द्वारा किया गया और हमला-।। दल का नेतृत्व श्री आलोक कुमार अनल, उप कमांडेंट द्वारा किया गया।

योजना के अनुसार, 207, कोबरा के सैन्य दलों को दिनांक 16.09.2014 की रात्रि को कांकराझोर, पुलिस स्टेशन-बेलपहाड़ी, जिला-पश्चिमी मेदनीपुर (पश्चिम बंगाल) में छोड़ा गया। विभिन्न सामरिक बाधाओं के कारण रात्रि नेविगेशन स्वयं में एक मुश्किल काम है। भौगोलिक विषमता इस क्षेत्र को दुष्कर बना दिया। हालात की गंभीरता को देखते हुए श्री आलोक कुमार अनल, उप कमांडेंट ने सैन्य दलों का सामने से नेतृत्व करने और स्वयं को स्काउट कांस्टेबल/जीडी बिकास सूत्रधर के साथ रखने का निर्णय लिया।

दिनांक 17.09.2014 को प्रातः, 207 कोबरा के सैन्य दल ग्राम-चेकम के नजदीक मकोली जंगल में पहुंच गए। सैन्य दलों ने उपर्युक्त क्षेत्र की सावधानीपूर्वक तलाशी करते समय पहाड़ी की खड़ी चढ़ाई पर चढ़ना शुरू किया। श्री आलोक कुमार अनल, उप कमांडेंट के नेतृत्व वाला स्काउट दल बारिकी से क्षेत्र की रणनीतिक ढंग से तलाशी कर रहा था। लगभग 0745 बजे जब सैन्य दल आगे बढ़ रहे थे, तो वे पहाड़ी की ओर से भारी गोलीबारी में फंस गए। सैन्य दलों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए शीघ्र पॉजीशन ले ली और भारी गोलीबारी का जवाब दिया। माओवादियों ने एक खतरनाक घात लगा रखी थी और वे अपनी मजबूत सुरक्षा के साथ भारी गोलीबारी कर रहे थे। स्काउट दल ऐसे मार्ग क्षेत्र में फंस गया जहां गोलियों से बचने के लिए बहुत कम कवर था। स्काउट दल के लिए स्थिति को संभालना और माओवादियों की गोलीबारी का जवाब देना मुश्किल था।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए श्री आलोक कुमार अनल, उप कमांडेंट और कांस्टेबल/जीडी बिकास सूत्रधर ने माओवादियों के विरुद्ध प्रत्याक्रमक चुनौती देने का निर्णय लिया। यह एक घातक कदम था क्योंकि दोनों के पास गोलियों से कोई कवर नहीं था, फिर भी, उन्होंने जिम्मेवारी उठाने का निर्णय लिया ताकि उनके साथी सैन्य दल पॉजीशन ले सकें और माओवादियों की गोलीबारी का जवाब दे सकें। अनुकरणीय बहादुरी और अदम्य साहस का प्रदर्शन करते हुए उन्होंने माओवादियों पर भयंकर हमला किया। तथापि, इससे पहले कि वे और आगे बढ़ते और हमला जारी कर पाते, माओवादियों की गोलियां उनके शरीर में लग गई जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। गोली की चोट से हुई पीड़ा को झेलते हुए श्री आलोक कुमार अनल, उप कमांडेंट और कांस्टेबल/जीडी बिकास सूत्रधर अपने साथी सैन्य दलों की कवर गोलीबारी में माओवादियों की ओर आगे बढ़ते रहे। उपर्युक्त दोनों व्यक्तियों के बहादुरीपूर्ण कृत्य ने कुछ देर के लिए माओवादियों को स्तब्ध कर दिया और इसी बीच, 207 कोबरा के सैन्य दलों ने अपनी पॉजीशन ले ली और माओवादियों के विरुद्ध जवाबी हमले को तेज कर दिया। यद्यपि, सभी ओर से भारी गोलीबारी हो रही थी, 207 कोबरा के इस छोटे से दल का हृदय निश्चय, समर्पण और जोश बढ़ता जा रहा था। उनका एक मात्र उद्देश्य लक्ष्य पर हमला करना था और उन्हें ऐसा करने से कोई नहीं रोक सका। सैन्य दल उन पर भारी गोलीबारी करते हुए लक्ष्य की ओर आगे बढ़ गए।

श्री आलोक कुमार अनल, उप कमांडेंट और कांस्टेबल/जीडी बिकास सूत्रधर गोलियों की बरसात के बीच लक्ष्य के बहुत निकट पहुंच गए और उन्होंने संयुक्त रूप से माओवादियों पर हमला कर दिया। माओवादियों ने अपने सपने में भी यह कल्पना नहीं की थी कि बहादुर सैनिकों का एक छोटा सा दल उनके इतना निकट पहुंच सकता है। सैन्य दलों को निकट आते देखकर माओवादियों ने जंगल और पत्थरिली पहाड़ी क्षेत्र का कवर लेते हुए भागना शुरू कर दिया। 207 कोबरा के सैन्य दलों की निडरतापूर्ण कार्रवाई ने माओवादियों को उस स्थान से भागने पर विवश कर दिया। श्री आलोक कुमार अनल, उप कमांडेंट और कांस्टेबल/जीडी बिकास सूत्रधर को नक्सलवादियों की पहली गोलीबारी से गोलियों की चोटें लग गई थी परन्तु उन्होंने अत्यधिक हिम्मत दिखाई और शत्रु को तत्काल जोरदार जवाब दिया। मुठभेड़ के दौरान कांस्टेबल/जीडी बिकास सूत्रधर को छाती की दाईं ओर उनकी बीपी जैकेट के कुछ ऊपर गोलियां लगी, श्री आलोक कुमार अनल, उप कमांडेंट को भी गोलियां लगी परन्तु उनके हथियार की मैगजीन उनके पेट को ढक रही थी जिसने उन्हें बचाया। 01 गोली उनके घुटने में लगी। जबकि लेटने की पॉजीशन लेते समय एक गोली उनकी पीठ को छू गई। फिर, श्री आलोक कुमार अनल, उप कमांडेंट और कांस्टेबल/जीडी बिकास सूत्रधर को अपोलो अस्पताल रांची ले जाया गया जहां कांस्टेबल/जीडी बिकास सूत्रधर को मृत लाया हुआ घोषित कर दिया गया और श्री आलोक कुमार अनल, उप कमांडेंट को अतिरिक्त उपचार के लिए भर्ती कर लिया गया। यद्यपि घटना स्थल से माओवादियों का कोई शव बरामद नहीं हुआ, फिर भी एसआईबी, गृह मंत्रालय, कोलकाता की रिपोर्ट के अनुसार इस मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गए।

श्री आलोक कुमार अनल, उप कमांडेंट ने बड़ी पहल दिखाई और उनके बायीं घुटने में गोली से चोट लगने के बावजूद अपनी जान की परवाह किए बिना आगे से अपने साथियों का नेतृत्व किया। कांस्टेबल/जीडी बिकास सूत्रधर अपनी दायीं छाती में गोली से चोट

लगने के पश्चात भी अपने कमांडर के साथ गोलियों की बौछारों के बीच आगे बढ़े। श्री आलोक कुमार अनल, उप कमांडेंट और कांस्टेबल/जीडी बिकास सूत्रधर ने माओवादियों की खतरनाक घात को तोड़ने में अनुकरणीय साहस का प्रदर्शन किया और क्षति को नगण्य कर दिया।

इस अभियान में सर्व/श्री आलोक कुमार अनल, उप कमांडेंट और स्व. बिकास सूत्रधर, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाले नियमों के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 17.09.2014 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 78-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

अधिकारियों के नाम और रैंक
सर्व/श्री

01. शशांक शंकर
सहायक कमांडेंट
02. तौसिफ अहमद हजाम
कांस्टेबल

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 05.01.2017 को लगभग 2130 बजे उप पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) बडगाम से पुलिस स्टेशन-चाडोरा, बडगाम के अंतर्गत गुलजारपोरा मोहल्ला, ग्राम मोच्चवा में एक कट्टर आतंकवादी की मौजूदगी के बारे में सूचना मिली। सूचना मिलने पर कमांडेंट 178 बटालियन, सीआरपीएफ ने श्री शशांक शेखर, सहायक कमांडेंट को एसओजी बडगाम के साथ शीघ्रता से लक्षित गांव की ओर जाने का निदेश दिया। कमांडेंट के निदेश पर तुरंत कार्रवाई करते हुए श्री शशांक शंकर, सहायक कमांडेंट सी/178 बटालियन की एक प्लाटून तथा एसओजी बडगाम के साथ लगभग 2230 बजे ग्राम मोच्चवा पहुंचे।

आतंकवादी के छुपने के स्थान की उपयुक्त पहचान करने के पश्चात मकानों के एक कलस्टर की घेराबंदी कर दी गई और भागने के सभी रास्तों को बंद कर दिया गया। लक्षित क्षेत्र की घेराबंदी करने के पश्चात, एक खोजी टीम का गठन किया गया जिसमें श्री शशांक शंकर, सहायक कमांडेंट, कांस्टेबल तौसिफ अहमद हजाम तथा एसओजी कार्मिक शामिल थे। अंधेरी रात थी। मकान की तलाशी करना कई कठिनाईयां होने के कारण एक जोखिम भरा कार्य था। आतंकवादी की सटीक स्थिति का निर्धारण अभी भी किया जाना था। उसने अपने आपको कहीं भी पोजीशन किया हो सकता था तथा उसके पास निकट आते हुए सैनिकों को भारी क्षति पहुंचाने की क्षमता हो सकती थी। समय की मांग थी कि एक साहसिक परंतु सर्तक दृष्टिकोण अपनाया जाए। स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए, श्री शशांक शंकर, सहायक कमांडेंट ने एक सच्चे सेनापती के चरित्र का प्रदर्शन करते हुए, खोजी दल का नेतृत्व करने का निर्णय लिया।

श्री शशांक शंकर, सहायक कमांडेंट के नेतृत्व में खोजी दल ने उपयुक्त सावधानी बरतते हुए संदिग्ध घरों की तलाशी शुरू कर दी। लगभग 2245 बजे खोजी टीम ने घेराबंद घरों में से एक में कुछ संदिग्ध गतिविधियों को देखा तथा वे छिपते हुए घर की तरफ बढ़े। इस बीच, घर में छिपे हुए आतंकवादी ने सुरक्षा बलों की मौजूदगी को भांप लिया। वह खोजी दल पर अंधाधुंध गोलीबारी करते हुए घर से बाहर आया तथा इसके बाद उसने हथगोला फेंका। गोलियां और हथगोले के छर्रे अपने निशाने से जरा सा चूक गए और सैनिक चमत्कारिक रूप से बच गए। घातक खतरों से डरे बिना, श्री शशांक शंकर, सहायक कमांडेंट ने अपनी खोजी टीम के साथ उपलब्ध कवर के पीछे पोजीशन ली तथा नियंत्रित जवाबी गोलीबारी शुरू की। आतंकवादी अपने भागने की व्यवस्था करने का कड़ा प्रयास कर रहा था लेकिन खोजी टीम की जवाबी गोलीबारी के कारण वह सफल नहीं हो पा रहा था। अपने भागने के एक और प्रयास में आतंकवादी ने एक और हथगोला फेंका, जिसमें एसओजी के एसजीसीटी-होशियार सिंह को छर्रे से घातक चोटें आईं तथा वे गिर पड़े।

एसओजी जवान को घायल पाकर, आतंकवादी ने उसकी राइफल छीनने की कोशिश की। आतंकवादी की इस हरकत को श्री शशांक शंकर, सहायक कमांडेंट ने देख लिया, जिन्होंने बिना समय गंवाए अपने साथी कांस्टेबल तौसिफ अहमद हजाम के साथ आतंकवादी की ओर बढ़ गए। अनुकरणीय साहस, सामरिक कौशल तथा अत्यंत पेशेवरता का प्रदर्शन करते हुए श्री शशांक शंकर, सहायक कमांडेंट तथा उनके साथी कांस्टेबल तौसिफ अहमद ने आतंकवादी पर गोलीबारी की और उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। गोली से घायल होने के बाद आतंकवादी दूसरे घर की परिधि दीवार को फांद गया और छुप गया। दूसरी ओर, घायल एसजीसीटी- होशियार सिंह अत्यधिक दर्द के साथ फैले हुए खून के बीच पड़े थे और मदद के लिए पुकार रहे थे। श्री शशांक शंकर, सहायक कमांडेंट मदद के लिए तुरंत उनकी ओर दौड़े। वे अपने साथी कांस्टेबल तौसिफ अहमद हजाम के साथ मिलकर एसओजी के घायल कांस्टेबल को गोलीबारी के जोन से निकालकर बंकर ले गए, जहां से उन्हें अस्पताल भेज दिया गया।

इसके पश्चात्, श्री शशांक शंकर, सहायक कमांडेंट ने छिपे हुए आतंकवादी के लिए अपने साथियों को तलाशी दोबारा शुरू करने का निदेश दिया तथा सामने से टीम का नेतृत्व किया। इस बीच, 178 बटालियन, सीआरपीएफ की क्यूएटी तथा 53 आरआर के दल इस अभियान में शामिल हो गये। घर की परिधि को पार करने के पश्चात्, टीम सावधानीपूर्वक क्षेत्र की तलाशी कर रही थी कि तभी उन्होंने चौथे घर के बाथरूम के पास कुछ गतिविधि को देखा। इससे पहले कि सैनिक आतंकवादी के निकट पहुंच पाते, उसने खोजी टीम पर गोलीबारी शुरू कर दी। श्री शशांक शंकर, सहायक कमांडेंट तथा उनके साथी कांस्टेबल तौसिफ अहमद हजाम ने नियंत्रित जवाबी गोलीबारी की। खोजी टीमों द्वारा जवाबी गोलीबारी के परिणामस्वरूप आतंकवादी मारा गया।

मुठभेड़ के बाद, खोजी दलों ने एक चीनी पिस्तौल, दो मैगजीन तथा तीन जिंदा कारतूसों के साथ आतंकवादी के शव को बरामद किया। बाद में मारे गए आतंकवादी की पहचान अल-बदर तंजीम के बाटपोरा, सोपोर, जिला-बारामुल्ला के मुज्जफर अहमद नाइकू उर्फ मुज्ज मौलवी (ए++) के रूप में हुई।

अभियान के दौरान, आतंकवादी द्वारा समीप से गोलीबारी के बावजूद, श्री शशांक शंकर, सहायक कमांडेंट तथा कांस्टेबल तौसिफ अहमद हजाम अनुकरणीय साहस का प्रदर्शन करते हुए सामने से लड़े। जीवन के लिए खतरे की परिस्थितियों के अंतर्गत उनके द्वारा प्रदर्शित धैर्य न केवल आदर्श प्रदर्शन है बल्कि यह सर्वोच्च स्तर की वीरता, साहस तथा कर्तव्य के प्रति समर्पण को भी दर्शाता है।

इस अभियान में सर्वश्री शशांक शंकर, सहायक कमांडेंट और तौसिफ अहमद हजाम ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाले नियमों के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 05.01.2017 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 79-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

- अधिकारियों के नाम और रैंक
सर्व/श्री
01. श्री प्रह्लाद सहाय चौधरी
सहायक कमांडेंट
 02. अखिलेश कुमार पांडे
कांस्टेबल
 03. सतेंद्र कुमार
कांस्टेबल

झारखंड राज्य का एक महत्वपूर्ण स्थान है और भारत में “रेड कॉरिडोर” स्थापित करने की माओवादियों की समग्र महत्वाकांक्षी योजना के लिए इसका सामरिक महत्व है। झारखंड के खूंटी/सिमडेगा और पश्चिम सिंहभूम जिलों जैसे क्षेत्र छत्तीसगढ़ और झारखंड राज्यों के सीमावर्ती क्षेत्रों में स्थित होने के कारण इस समय श्रृंखला में एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य करते हैं। पहाड़ी इलाके, ऊबड़-खाबड़

रास्ते, दूर-दूर तक फैली हुई खड़ी चट्टानें और छितरी हुई जमीन के साथ सघन वनस्पतियों की मौजूदगी के कारण क्षेत्र में माओवादी का दबदबा है तथा उस इलाके में और आसपास की आबादी को माओवादियों द्वारा मजबूर किये जाने अथवा उनकी माओवादियों के प्रति सहानुभूति रखने से, सुरक्षा बल द्वारा ऐसे क्षेत्रों में घुसने के कार्य को कठिन और चुनौतीपूर्ण बना देता है। इस इलाका में वह क्षेत्र शामिल है, जहां पर प्रतिबंधित संगठन की सेंट्रल कमांड आमतौर पर अपने वरिष्ठ कॉडरों की बैठकों का आयोजन करती है, प्रशिक्षण शिविर चलाती है, और नई भर्तियां करती है। सुरक्षा बल लंबे समय से क्षेत्र में अभियान चला रहे हैं और समय के साथ साथ उन्होंने माओवादियों की गतिविधियों को ट्रैक करने के लिए समर्थन/आसूचना नेटवर्क विकसित कर लिया है।

सुरक्षा बलों के ऐसे ही एक स्रोत से सूचना मिली, कि पीएलएफआई कमांडर शालू भूड़ अपने दस्ता कॉडरों के साथ पुलिस स्टेशन रानिया/सोनुआ, जिला-खूंटी/पश्चिम सिंहभूम (झारखंड) के अंतर्गत बारिंग और किताबांदुटोली के इलाके में घूम रहा है। सूचना पर कार्रवाई करते हुए, श्री प्रहलाद सहाय चौधरी, सहायक कमांडेंट, कमान अधिकारी एफ/94 ने माओवादियों को पकड़ने के लिए डी एंड एफ/94 बटालियन के सैनिकों को शामिल करते हुए लक्ष्य क्षेत्र में एक सर्च एंड डिस्ट्राय अभियान की योजना बनाई।

अभियान की योजना के अनुसार, दिनांक 10/09/2017 को लगभग 2000 बजे श्री प्रहलाद सहाय चौधरी, सहायक कमांडेंट की कमांड में डी एंड एफ/94 बटालियन के सैनिक राज्य पुलिस घटकों के साथ अपने बेस शिविर से लक्ष्य क्षेत्र के लिए निकल पड़े। दिनांक 11/09/2017 को सैनिक लक्ष्य क्षेत्र के करीब पहुंच गए और उन्होंने माओवादियों की मौजूदगी के लिए इलाके में तलाशी की, लेकिन उन्हें कुछ भी नहीं मिला। तथापि, दल के कमांडर श्री प्रहलाद सहाय चौधरी, सहायक कमांडेंट ने अपनी उम्मीद नहीं छोड़ी और अभियान को जारी रखने का फैसला किया और इलाके की तलाशी को जारी रखा तथा रात के समय वे एक छोटी सी पहाड़ी पर रुक गए। दिनांक 12/09/17 को लगभग 0540 बजे, सैनिक क्षेत्र में और अधिक तलाशी करने के लिए रुकने की जगह से निकल पड़े। जब सैनिक पहाड़ी से नीचे उतर रहे थे, तभी स्काउट्स ने अपने सामने कुछ संदिग्ध गतिविधि देखी और दल के कमांडर श्री प्रहलाद सहाय चौधरी, सहायक कमांडेंट से संपर्क किया, जो कि उनके ठीक पीछे थे। तुरंत कार्रवाई करते हुए, श्री प्रहलाद सहाय चौधरी, सहायक कमांडेंट ने अपने सैनिकों को सतर्क किया और संदिग्ध गतिविधि को रोकने के लिए योजना बनाई। गोपनीयता बनाए रखने के लिए, श्री प्रहलाद सहाय चौधरी, सहायक कमांडेंट ने अपने दो बहादुर कांस्टेबल सतेंद्र कुमार और कांस्टेबल अखिलेश कुमार पांडे के साथ संदिग्ध क्षेत्र की ओर आगे बढ़ने का फैसला किया, जबकि अन्य को फ्लैक्स से कवर करने का निदेश दिया। संदिग्ध व्यक्तियों की अज्ञात संख्या और शक्ति के कारण, कदम जोखिम से भरा हुआ था।

अपने धैर्य और उत्तेजना को काबू में रखते हुए, बहादुर तिकड़ी सभी घातक खतरों को धता बताते हुए संदिग्ध क्षेत्र की ओर चुपके से आगे बढ़ी। वे जैसे ही संदिग्ध स्थान के करीब पहुंच गए, तो उन्होंने संदिग्धों को कवर से बाहर आने और अपनी पहचान बताने की चुनौती दी। संदिग्ध पीएलएफआई कैडर थे और परिष्कृत हथियारों से लैस थे। सुरक्षा बलों को सामने पाकर एक बार तो वे हक्के-बक्के रह गए। तथापि, वे तुरंत सतर्क हो गए और उन्होंने सुरक्षा बलों के करीब पहुंचने से पहले ही उन पर अंधाधुंध गोलियां चला दीं। अचानक से गोलियों की बौछार ने उपरोक्त तिकड़ी को कवर के पीछे शेल्टर लेने को बाध्य कर दिया। श्री प्रहलाद सहाय चौधरी, सहायक कमांडेंट अपने दो कांस्टेबलों के साथ मारक जोन में फंस गए थे और उनके पास गोलियों से बचने के लिए कोई मजबूत कवर नहीं था। एक दुस्साहसिक जवाबी हमला, समय की मांग थी। ऐसे समय, एक सच्चे सेनापति के चरित्र का प्रदर्शन करते हुए, श्री प्रहलाद सहाय चौधरी, सहायक कमांडेंट ने अवसर के अनुसार प्रदर्शन किया और सामने से लड़ाई लड़ी। उन्होंने अपने दो बहादुरों, कांस्टेबल सतेंद्र कुमार और कांस्टेबल अखिलेश कुमार पांडे के साथ पीएलएफआई कॉडरों पर धावा बोल दिया जो उन पर भारी गोलीबारी कर रहे थे। तीक्ष्ण सामरिक कौशल तथा दक्ष पेशेवरता का प्रदर्शन करते हुए उपरोक्त तिकड़ी ने सटीकता के साथ पीएलएफआई कॉडरों पर गोलीबारी की। साहसिक और प्रभावी जवाबी कार्रवाई ने पीएलएफआई कॉडरों को अपनी जान बचाने के लिए भागने पर मजबूर कर दिया। क्षेत्रीय विशेषता का फायदा उठाकर वे मौके से भाग गए।

मुठभेड़ के बाद तलाशी के दौरान, मुठभेड़ स्थल से एक महिला कॉडर सहित 02 पीएलएफआई कॉडरों के शव बरामद किए गए। उनमें से एक की पहचान बाद में पुलिस स्टेशन बंदगांव, जिला-पश्चिम/सिंहभूम के तहत ग्राम-पुतिदा निवासी शालू भूड़, पीएलएफआई एरिया कमांडर, आयु-26 वर्ष के रूप में की गई। इसके अलावा मौके से, मैगजीन के साथ 9 एमएम कार्बाइन-01, डीबीबीएल गन-01, बिना बैरल के डीबीबीएल गन-01, 9 मिमी जिंदा कारतूस-27, 12 बोर लाइव आरडीएस-02, .315 खाली केस-06, 9 मिमी खाली केस-04, सैमसंग मोबाइल फोन-02, पिबू बैग-06 और पीएलएफआई साहित्य भी बरामद किया गया।

अभियान के दौरान अपने जीवन के लिए गंभीर खतरे का सामना करने के बावजूद, उपरोक्त कार्मिकों ने अनुकरणीय साहस और अपने कर्तव्य के प्रति सर्वोच्च निष्ठा का प्रदर्शन किया, जो बहादुरी और पेशेवरता के सर्वोच्च स्तर को प्रदर्शित करता है।

इस अभियान में सर्वश्री प्रहलाद सहाय चौधरी, सहायक कमांडेंट, अखिलेश कुमार पांडे, कांस्टेबल और सतेन्द्र कुमार, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाले नियमों के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 12.09.2017 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 80-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

- अधिकारियों के नाम और रैंक
सर्व/श्री
01. विनय कुमार तिवारी,
कमांडेंट
 02. प्रवीण शंकर,
सहायक कमांडेंट
 03. थोरात वैभव शंकर,
कांस्टेबल
 04. दिनेश,
कांस्टेबल
 05. रविन्द्र पासवान,
कांस्टेबल

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 23 सितंबर 2017 को, 53 बटालियन की यूनिट आसूचना सेल द्वारा पुलिस स्टेशन-उरी, जिला-बारामुला के तहत कमल कोटे गांव में 3-4 आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में जुटाए गए एक विशिष्ट इनपुट के प्राप्त होने पर, श्री विनय कुमार तिवारी, कमांडेंट, 53 बटालियन, प्रवीण शंकर, सहायक कमांडेंट, 53 बटालियन की यूनिट क्विक एक्शन टीम (क्यूएटी) तथा स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप (जेकेपी) बारामुला के साथ लगभग 06:30 बजे पुलिस स्टेशन-उरी के लिए रवाना हुए। एसडीपीओ और थाना प्रभारी, पुलिस स्टेशन-उरी द्वारा और सेना द्वारा भी इस इनपुट की पुष्टि की गई। संयुक्त टुकड़ियां कमल कोटे गांव में पहुंचीं और क्षेत्र की प्रारंभिक टोह लेने के बाद, दिनांक 24 सितंबर 2017 को सुबह होने से पहले एक संयुक्त घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू करने का निर्णय लिया गया।

इस बीच, 23 और 24 सितंबर के मध्य की रात को लगभग 0030 बजे, 53 बटालियन की आसूचना सेल को फिर से पुलिस स्टेशन-उरी के तहत कलगई गांव में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में एक विशिष्ट इनपुट प्राप्त हुआ। इस इनपुट के प्राप्त होने पर, कमांडेंट, 53 बटालियन यूनिट क्यूएटी के साथ, श्री प्रवीण शंकर, सहायक कमांडेंट बी/53 कंपनी के एक सेक्शन के साथ और श्री रवि मिश्रा, सहायक कमांडेंट एफ/53 कंपनी के एक सेक्शन के साथ, एसएसपी बारामुला और एसपी (ऑप्स) एसओजी, बारामुला के साथ तेजी से कलगई गांव क्षेत्र को गए। लगभग 0220 बजे, सेना की 76 फील्ड रेजिमेंट की टीम, जिसने कलगई गांव के आस-पास के क्षेत्र में नियमित घात लगा रखी थी, ने हथियारों और बैकपैक्स के साथ कुछ आतंकवादियों की गतिविधि को देखा और उन्हें चुनौती दी, जिसके कारण आतंकवादियों और सेना के जवानों के बीच पारस्परिक गोलबारी हुई। इसके परिणामस्वरूप, आतंकवादी मौके से भाग गए और उन्होंने कलगई गांव के चिड़ी मैदान इलाके में एक बसे हुए घर में शरण ले ली।

आतंकवादियों का पता लगाने और उन्हें दबोचने के लिए, संयुक्त बलों के कमांडरों ने एक संयुक्त सर्च एंड डिस्ट्राय अभियान की योजना बनाई। फिर संयुक्त दल कलगई गांव की ओर चल पड़े। लगभग 0430 बजे निर्धारित स्थान पर पहुंचने के बाद, सीआरपीएफ, पुलिस और सेना की संयुक्त टीम द्वारा गांव की घेराबंदी कर दी गई। 53 बटालियन की टीम को उत्तर की ओर, जहां इलाका घुमावदार था तथा जहां शिलाओं और शंकुधारी पेड़ों का प्राकृतिक आवरण था, स्थित कलगई गांव के 7-8 बसावट वाले घरों की तलाशी का दायित्व सौंपा गया। लगभग 0800 बजे, जब टीम एक संदिग्ध घर की ओर बढ़ रही थी, आतंकवादियों ने उन घरों के समूह से अंधाधुंध गोलाबारी शुरू कर दी, जिन पर उन्होंने कब्जा कर रखा था। केवल कुछ ही घर होने के कारण, आतंकवादियों की स्थिति उजागर हो गई। कमांडेंट,

53 बटालियन ने तुरंत श्री प्रवीन शंकर को क्यूएटी सैनिकों के साथ एक तरफ से घरों के समूह के चारों ओर एक घेरा स्थापित करने का निदेश दिया। श्री प्रवीन शंकर ने 15 बहादुरों की टीम के साथ उत्तर की तरफ से गांव की घेराबंदी की तथा कमांडेंट ने खुद एसपी (ऑप्स) बारामुला की टीम के साथ दक्षिण दिशा से क्लस्टर की घेराबंदी की। सेना और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई।

आतंकवादी दिन भर रुक-रुक कर गोलीबारी करते रहे। मुठभेड़ के दौरान, सैनिकों ने संदिग्ध मकानों को नष्ट करने के लिए यूबीजीएल और एमजीएल दागे। ऐसा प्रतीत हुआ कि बमबारी में एक आतंकवादी मारा गया, तथापि, शेष दो आतंकवादी पड़ोस में एक कमरे की छोटी मस्जिद में भागने में सफल रहे और लगभग 1700 बजे तक सैनिकों पर गोलीबारी करते रहे। शीघ्र ही शाम ढलने वाली थी इसलिए, श्री विनय कुमार तिवारी, सीओ, 53 बटालियन एसएसपी, बारामुला और आर्मी कर्नल के पास गए और उन्होंने अंधेरा होने से पहले आतंकवादियों को निष्क्रिय करने के लिए लक्ष्य/ठिकाने पर धावा बोलने प्रस्ताव रखा। प्रस्ताव पर सहमति हुई और तदनुसार, श्री विनय कुमार तिवारी ने इस उद्देश्य के लिए 03 संयुक्त टीमों का गठन किया जिसमें सीआरपीएफ और जेकेपी शामिल थे। एक सच्चे कमांडर की चरित्र को प्रदर्शित करते हुए, उन्होंने सामने से अभियान का नेतृत्व करने का फैसला किया। उन्होंने अपनी क्यूएटी के साथ पहली टीम का नेतृत्व किया, जबकि एसपी (ऑप्स) बारामुला ने श्री प्रवीन शंकर, सहायक कमांडेंट के साथ दूसरी टीम का नेतृत्व किया, जिसमें एसओजी और बी/53 के सैनिक शामिल थे। तीसरी टीम का नेतृत्व श्री रवि मिश्रा, सहायक कमांडेंट ने किया, जिसमें एफ/53 कंपनी बटालियन और राज्य पुलिस के जवान शामिल थे।

चूंकि, आतंकवादियों ने खुद को एक मस्जिद में पोजीशन किया हुआ था, इसलिए श्री विनय कुमार तिवारी, कमांडेंट ने धार्मिक भावनाओं को ध्यान में रखते हुए, आतंकियों को मस्जिद से बाहर निकलने के लिए मजबूर करने के लिए आंसू गैस के गोले दागने का फैसला लिया। उन्होंने श्री प्रवीन शंकर, सहायक कमांडेंट को हवा की दिशा का निर्धारण करने के बाद मस्जिद के बरामदे पर पावा धुएं के गोले दागने का निदेश दिया। योजना काम कर गई चूंकि पावा गोलों ने आतंकवादियों को मस्जिद से बाहर निकलने के लिए मजबूर कर दिया। अंधाधुंध गोलीबारी करते हुए आतंकवादी मस्जिद के सामने के दरवाजे से बाहर निकले, जहाँ श्री विनय कुमार तिवारी और उनकी टीम ने चतुराई से खुद को पोजीशन किया हुआ था। भागने के प्रयास में आतंकवादियों में से एक ने श्री विनय कुमार तिवारी की टीम पर गोलियों की बौछार कर दी। श्री विनय कुमार तिवारी और उनके सैनिकों के लिए यह करो या मरो की स्थिति थी। उनकी ओर से थोड़ी सी भी हिचकिचाहट, आतंकवादी को भागने का अवसर दे देती। दुबारा विचार किए बिना, सभी सावधानियों को दरकिनार करते हुए, श्री विनय कुमार तिवारी अपने साथियों- कांस्टेबल थोरात वैभव शंकर और कांस्टेबल दिनेश के साथ आतंकवादी पर टूट पड़े। तीक्ष्ण पेशेवर कौशल का प्रदर्शन करते हुए, उपरोक्त तिकड़ी ने अपनी सटीक गोलीबारी से आतंकवादी को मौके पर ही ढेर कर दिया।

मस्जिद से बाहर निकलने के बाद दूसरा आतंकवादी बाईं ओर गया और झाड़ियों की ओर बढ़ा, जहां श्री प्रवीन शंकर, पुलिस अधीक्षक (ऑप्स) बारामुला और कांस्टेबल रविन्द्र पासवान ने पोजीशन ली हुई थी। तीनों भागते हुए आतंकी से भिड़ गए। वे इस अवसर से चूकने वाले नहीं थे। आतंकवादी अपने रास्ते में सब कुछ नष्ट करने के इरादे से अंधाधुंध गोलीबारी करते हुए उनकी ओर बढ़ रहा था। मौत तिकड़ी के सामने थी, लेकिन, वे लोग हार जाने वालों में से नहीं थे। सभी बाधाओं को धता बताते हुए, उपरोक्त तिकड़ी आतंकवादी पर टूट पड़ी और उसे मौके पर ही ढेर कर दिया।

मुठभेड़ के बाद, सैनिकों द्वारा इलाके की अच्छी तरह से तलाशी ली गई, जिसके दौरान चार एके 47 राइफल, दो यूबीजीएल, सोलह एके मैगजीन और 7.62x39 एमएम गोलाबारूद के 218 आरडीएस तथा अन्य खतरनाक सामग्री के साथ जैश ए मोहम्मद (फिदायीन समूह) के मारे गए तीन विदेशी आतंकवादियों के शव बरामद हुए।

श्री विनय कुमार तिवारी, कमांडेंट, 53 बटालियन के कुशल नेतृत्व में अभियान को अच्छी तरह से अंजाम दिया गया। उन्होंने उत्कृष्ट सामरिक कौशल, नवीन सोच का प्रदर्शन किया और अपने साथियों का सामने से नेतृत्व किया। उस समय जबकि निकट मृत्यु जैसी स्थिति बन गई थी, श्री प्रवीन शंकर, सहायक कमांडेंट ने अनुकरणीय साहस, मानसिक दृढ़ता और असाधारण सूझ-बूझ प्रदर्शन किया और यह सुनिश्चित किया कि अभियान की समाप्ति गौरव के साथ हो। थोरात वैभव शंकर, दिनेश और रविन्द्र पासवान, कांस्टेबलों ने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और अपने लीडरों के पीछे चढ़ान की तरह डटे रहे तथा यह सुनिश्चित किया कि कठिन परिस्थितियों में कार्य को सफलतापूर्वक पूरा किया जाए।

इस अभियान में सर्वश्री विनय कुमार तिवारी, कमांडेंट, प्रवीन शंकर, सहायक कमांडेंट, थोरात वैभव शंकर, कांस्टेबल, दिनेश, कांस्टेबल और रविन्द्र पासवान, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाले नियमों के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 24/09/2017 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 81-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

अधिकारियों के नाम और रैंक
सर्व/श्री

1. बाल किशन यादव,
सहायक कमांडेंट
2. खोइरोम प्रासान्त, मीतई,
उप-निरीक्षक
3. विजय कुमार,
कांस्टेबल
4. राज गौतम कुमार,
कांस्टेबल

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 12 अगस्त, 2017 को लगभग 1500 बजे, जिला-शोफियां, जम्मू एवं कश्मीर में पुलिस स्टेशन-जैनापोरा के अंतर्गत गांव-अवानीरा में 4-5 आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में सिविल पुलिस से एक आसूचना प्राप्त हुई। सूचना प्राप्त होने पर 14 बटालियन सीआरपीएफ के सैन्य दलों द्वारा विशेष अभियान दल (एसओजी), जैनापोरा, जम्मू एवं कश्मीर पुलिस और 1 एवं 3 राष्ट्रीय राइफल्स (आरआर) के साथ एक संयुक्त घेराबंदी और तलाशी अभियान (सीएसओ) की योजना बनाई गई। योजना के अनुसार, श्री बाल किशन यादव, सहायक कमांडेंट के नेतृत्व वाले 14 बटालियन के सीआरपीएफ सैन्य दलों के साथ-साथ पुलिस स्टेशन-जैनापोरा से एसओजी/पुलिस दल और 3 आरआर के सैन्य दल लगभग 1 घंटे में लक्षित गांव अवानीरा पहुंचे। इसी बीच, जिला-कुलगाम के फ्राइसल में तैनात 1 आरआर का दल भी इस अभियान में शामिल हो गया।

अवानीरा लगभग 500 घरों वाला एक घनी जनसंख्या वाला गांव है जो शोफियां और पुलवामा जिलों की सीमा पर स्थित है। इस विशेषता के कारण आतंकवादी फ्राइसल के पड़ोसी गांव में सुरक्षित शरण ढूंढते हैं जो पुलवामा जिले में आता है। ये दोनों जिले आतंकवादी गतिविधियों का केंद्र हैं इस गांव के घर बहुत सघन हैं और छोटी-छोटी गलियों से जुड़े हुए हैं जो आतंकवादियों के लिए बचने के बहुत से मार्ग खोलते हैं। इस गांव में अभियान चलाना सुरक्षा बलों के लिए एक बड़ी चुनौती है क्योंकि आम नागरिक बड़ी संख्या में बाहर आ जाते हैं और अभियानों को विफल करने के लिए भारी पत्थरबाजी करते हैं।

सूचनाओं से यह पता चला कि आतंकवादियों ने, गांव के भीतर लगभग 30-35 घरों के समूह वाले पीर मोहल्ला, के एक मंजिला मकान में शरण ले रखी थी। यह गांव दायीं ओर तथा पीछे की ओर सेब के बगीचे से घिरा हुआ है, जबकि बायीं ओर एक मस्जिद के साथ-साथ एक कब्रिस्तान है जिसके सामने से एक सड़क गुजरती है। सैन्य दलों द्वारा लक्षित घर के आसपास कड़ी घेराबंदी की गई, जहां कि 1 एवं 3 आरआर ने दायीं, बायीं ओर पीछे की ओर से उस क्षेत्र को घेरा, जबकि 14 बटालियन, सीआरपीएफ के सैन्य दलों और एसओजी ने स्वयं सड़क के पार सामने की ओर पोजीशन ले ली। जब घेराबंदी की जा रही थी, आतंकवादियों ने विभिन्न दिशाओं से सुरक्षा बलों पर भारी गोलीबारी शुरू कर दी। सैन्य बलों ने पोजीशन ले ली और जवाबी गोलीबारी शुरू कर दी। आतंकवादियों ने अपनी पोजीशन स्पष्ट कर दी थी जिससे सैन्य बलों को मुख्य लक्षित घरों के आसपास घेराबंदी को मजबूत करने में सहायता मिली।

चूंकि, घरों में आम नागरिक फंसे हुए थे, अतः पहले उन्हें सुरक्षित निकालने का निर्णय लिया गया। उसके बाद, लोक सूचना प्रणाली पर आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने के लिए घोषणा की गई जिसके कोई परिणाम नहीं निकले, तथापि, इसी बीच आम नागरिकों को एक सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया। शुरूआती गोलीबारी रूक जाने के पश्चात एक-एक घर की तलाशी लेने का निर्णय लिया गया। तलाशी करने के उद्देश्य से आरआर से 4-4 लोगों के 3 दल, जिसमें प्रत्येक दल का नेतृत्व एक मेजर कर रहा था और उप-निरीक्षक प्रासान्तक मीतई की कमान में एसओजी के घटकों के साथ-साथ 14 बटालियन सीआरपीएफ की सीटीटी के 5 कार्मिकों का एक दल तैयार किया गया। श्री बाल किशन, सहायक कमांडेंट और उनके साथी कांस्टेबल विजय कुमार के साथ-साथ एसओजी और

आरआर के कर्मिकों को तलाशी दलों को कवर फायर प्रदान करना था। जब 1 आरआर का प्रथम दल पहले घर की तलाशी करने के लिए आगे बढ़ा तो गोलियों की भारी बौछार से उनका स्वागत हुआ, जिसमें आरआर के पांच जवानों को चोट लग गई। भारी आपसी गोलीबारी शुरू हो गई। उप निरीक्षक खोइरोम प्रासान्त मीतई और उनके सैन्य दल ने पोजीशन ले ली और शत्रुओं की गोलीबारी का जवाब देना शुरू कर दिया। उच्च कोटि के सहयोग का प्रदर्शन करते हुए, वे आगे बढ़े और उन्होंने श्री बाल किशन, सहायक कमांडेंट और उनके साथी, कांस्टेबल विजय कुमार की सहाय्यार्थ गोलीबारी की मदद से आरआर के घायल जवानों को बचाकर निकाला। यह आपसी गोलीबारी 3 घंटों तक चली और तत्पश्चात यह रूक गई। चूंकि, मध्यरात्रि हो गई थी अतः सुबह होने तक अभियानों को रोकने का निर्णय लिया गया। अंधेरे तथा दोनों ओर से शांति का लाभ उठाते हुए घेराबंदी को और मजबूत किया गया।

सुबह लगभग 0540 बजे, तलाशी दल ने पुनः घरों की तलाशी शुरू की। घेराबंदी के भीतर प्रत्येक घर की बार-बार तलाशी की गई परंतु आतंकवादियों का पता नहीं चल सका। जब तलाशी दलों को कोई सफलता नहीं मिली और अभियान को बंद करने का निर्णय लिया गया, तो श्री एरिक गिलबर्ट जोस, कमांडेंट 44 बटालियन ने यह प्रस्ताव रखा कि पीर मोहल्ला की निकटवर्ती मस्जिद की तलाशी की जाए। तलाशी दल ने धार्मिक स्थल की तलाशी की परन्तु आतंकवादियों का पता नहीं चल सका। तथापि, यह संभावना थी कि आतंकवादी मस्जिद (हमाम) के तहखाने में छिपे हो सकते थे। आतंकवादियों को वहां से बाहर निकालने के लिए हमाम के भीतर चिली पीएवीए सेल का प्रयोग करने का निर्णय लिया गया। घातक चुनौतियों से डरे बिना श्री बाल किशन यादव और उनके साथी विजय कुमार हमाम के निकट गए और चिली पीएवीए सेल भीतर फेंक दिया, क्योंकि इसका प्रवेश द्वार बहुत संकरा था। यह चाल काम आई। इसकी तीव्रता का सामना करने में असमर्थ तीनों आतंकवादी अंधाधुंध गोलीबारी करते हुए हमाम से दौड़ते हुए बाहर आए।

अत्यधिक धैर्य और रणनीतिक कौशल का प्रदर्शन करते हुए, श्री बाल किशन यादव और उनके साथी जिन्होंने मस्जिद के बिल्कुल नजदीक पोजीशन ले रखी थी, ने बचकर निकलने वाले एक आतंकवादी पर गोली चलाई और उसे घटना स्थल पर ही मार गिराया। तथापि, दो अन्य आतंकवादियों ने इस आमने-सामने की लड़ाई में चकमा दे दिया और मस्जिद से सटे हुए एक घर में घुस गए और भीतरी घेराबंदी में तैनात सैन्य दलों पर भारी गोलीबारी शुरू कर दी। भीतरी घेराबंदी दल ने पोजीशन ले ली और गोलीबारी का जवाब दिया। यह आपसी गोलीबारी एक घंटे से भी अधिक चली। इस लगातार गोलीबारी से उस घर में आग लग गई। गर्मी तथा धुंध को सहन करने में असमर्थ आतंकवादी उस स्थान से बच निकलने के लिए अंधाधुंध गोलीबारी करते हुए उस घर से दौड़ते हुए बाहर आए। परंतु उन्होंने अपने रास्ते में उप निरीक्षक खोइरोम प्रासान्त मीतई और कांस्टेबल राज गौतम को खड़ा हुआ पाया। आतंकवादियों ने उपर्युक्त दोनों व्यक्तियों की ओर गोलियों की बौछार शुरू कर दी, परन्तु उन्हें अपनी पोजीशन से विचलित नहीं कर पाए। इससे पहले कि आतंकवादी अपनी अगली चाल की योजना बना पाते, उप निरीक्षक खोइरोम प्रासान्त मीतई और कांस्टेबल राज गौतम ने आतंकवादियों को आमने-सामने की लड़ाई में काबू करने का निर्णय लिया। उन्होंने समस्त सावधानियों को नकारते हुए आतंकवादियों पर निडरतापूर्वक हमला किया और अपनी सटीक गोलीबारी से दोनों आतंकवादियों को मार गिराया।

मुठभेड़ के बाद की तलाशी के दौरान, तीन आतंकवादियों, जिनकी पहचान मोहम्मद यासीन ईटू उर्फ गजनवी, हिज्बुल मुजाहिदीन (श्रेणी-क) निवासी मगाम, बडगाम, इरफान-उल-हक शेख, हिज्बुल मुजाहिदीन (श्रेणी-ख), निवासी मालधेरा, शोपियां और उमर माजिद मीर, हिज्बुल मुजाहिदीन (श्रेणी-ग) निवासी कातपोरा, यारीपोरा, जिला-कुलगाम के शवों के साथ-साथ 02 एके-47 राइफलें, 01 एके-47 केम-कॉप राइफल, 03 एके मैगजीन, 01 पिक्का मैगजीन, एके-47 के 10 राउंड और 03 मैगजीन पाउच बरामद किए गए।

इस अभियान में श्री बाल किशन यादव, सहायक कमांडेंट ने आगे रहकर अपने सैन्य दलों का नेतृत्व किया और असाधारण नेतृत्व गुणों और बहादुरी के विशिष्ट कृत्य का प्रदर्शन किया। उप-निरीक्षक खोइरोम प्रासान्त मीतई, कांस्टेबल विजय कुमार और कांस्टेबल राज गौतम ने अभियान के दौरान असाधारण साहस, रणनीतिक कौशल, विलक्षण धैर्य और कर्तव्य के प्रति अडिग प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया और इस अभियान के सफलतापूर्वक समापन में सहायक बने रहे।

इस अभियान में सर्वश्री बाल किशन यादव, सहायक कमांडेंट, खोइरोम प्रासान्त मीतई, उप-निरीक्षक, विजय कुमार, कांस्टेबल और राज गौतम कुमार, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाले नियमों के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 12.08.2017 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 82-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक का चतुर्थ बार/वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

अधिकारियों के नाम और रैंक
सर्व/श्री

- | | |
|-------------------------------|--|
| 01. संजय कुमार
उप कमांडेंट | (वीरता के लिए पुलिस पदक का चतुर्थ बार) |
| 02. आशीष
कांस्टेबल | वीरता के लिए पुलिस पदक |

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 20 नवम्बर, 2017 को जम्मू और कश्मीर (जेएंडके) के पुलवामा जिले के पुलिस स्टेशन-त्राल के अंतर्गत गांव सीर के चौपन मौहल्ले में एक विवाह समारोह में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में सूचना प्राप्त होने पर, 180 बटालियन सीआरपीएफ, 42 राष्ट्रीय राइफल्स (आरआर) और विशेष अभियान दल (एसओजी), जम्मू एवं कश्मीर पुलिस, त्राल द्वारा 1445 बजे एक संयुक्त घेराबंदी और तलाशी अभियान (सीएसओ) शुरू किया गया।

दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले का त्राल उप-संभाग आतंकवादी गुट हिज्बुल मुजाहिदीन (एचएम) का एक परम्परागत गढ़ रहा था। एचएम गुट के बहुत से शीर्ष कमांडर त्राल क्षेत्र के हैं और इस कॉडर को इस क्षेत्र में विशेष समर्थन मिलता है। त्राल भौगोलिक रूप से लाभप्रद भी है, क्योंकि यह ऊपरी और नीचले त्राल को विभाजित करने वाले पठार के किनारे पर स्थित है। यह घने जंगल वाली पहाड़ियों से घिरा हुआ है। एक ओर यह आतंकवादियों को प्राकृतिक शरण प्रदान करता है, वहीं दूसरी ओर यह विद्रोह-रोधी अभियानों को अत्यधिक कठिन और खतरनाक बना देता है। पुलिस स्टेशन-त्राल के अंतर्गत सीर गांव त्राल-गुलशनपोरा-पश्तूना-अरिपाल रोड पर त्राल के उत्तर की ओर स्थित है। त्राल से सीर गांव की दूरी लगभग नौ किलोमीटर है। इस गांव के पूर्व में वास्तरवान पहाड़ी श्रृंखला है जो घने जंगल से घिरी हुई है और गांव के पश्चिम में एक लगभग 100 मीटर चौड़ा नाला (झेलम नदी की सहायक नदी) और धान के खेत हैं। यह गांव मुख्य समुद्र तल से 5,940 की ऊंचाई पर स्थित है।

सूचना पर कार्रवाई करते हुए, 42 आरआर की बी कंपनी गुलशनपोरा एक्सिस से आगे बढ़ी और उसने गांव की पूर्वी दिशा में पहाड़ी क्षेत्र की ओर से सीर गांव की घेराबंदी करनी शुरू कर दी। लगभग 1515 बजे श्री संजय कुमार, उप कमांडेंट, 180 बटालियन, सीआरपीएफ के साथ त्वरित कार्रवाई बल (क्यूएटी), एसडीपीओ त्राल, 180 बटालियन की सी कंपनी और एसओजी त्राल सीर गांव के लिए निकले। लगभग 1535 बजे, जब यह दल गुलशनपोरा गांव से गुजर रहा था, तो यह सूचना मिली कि चौपन मौहल्ले में मौजूद आतंकवादियों को इस बात का एहसास हो गया था कि आरआर दल सीर गांव की घेराबंदी कर रहा है। सैन्य बलों को चकमा देने के लिए आतंकवादियों ने गांव की निचली ओर से पहाड़ी जंगल की ओर बच निकलने का प्रयास किया। इसी समय, श्री संजय कुमार, उप कमांडेंट, एसडीपीओ, त्राल, एसओजी, सी/180 और कर्नल नीरज पांडे, सीओ-42 आरआर भी अपने क्यूएटी के साथ उस गांव में पहुंच गए।

लगभग 1555 बजे आतंकवादियों का पता लगाने के लिए लक्षित क्षेत्र की तलाशी करने हेतु सीओ-42 आरआर के निर्देश पर दो सैन्य दल तैयार किए गए। तत्पश्चात्, कर्नल नीरज पांडे के पर्यवेक्षण में श्री आर.एन. मलिक, सहायक कमांडेंट के साथ-साथ सीओ-42 आरआर के क्यूएटी, एसओजी त्राल और सी/180 वाले पहले दल ने गांव की दक्षिणी दिशा से वन क्षेत्र/जंगल की तलाशी शुरू कर दी। क्यूएटी/180, एसडीपीओ त्राल और पुलिस दल के साथ संजय कुमार वाला दूसरा सैन्य दल अपने वाहनों में सीर-पश्तूना-रोड पर गांव के उत्तर की ओर आगे बढ़ा और उसने गांव को पार करने के पश्चात् उस ओर से तलाशी करने के लिए उत्तरी छोर पर वाहनों से उतर गए। गांव के पश्चिम में लगभग 100 मीटर चौड़ा अरीपाल नाला (झेलम नदी की सहायक नदी) था जिसके बीच में थोड़ा सा पानी था। सैन्य दल ने तीन संदिग्ध युवकों को देखा जो नाले को पार करने के लिए जल्दबाजी कर रहे थे। वे इस सैन्य दल से लगभग 200 मीटर की दूरी पर थे। उन्होंने तीनों संदिग्धों को आवाज लगाई तथा उन्हें रुकने के लिए चेतावनी दी, परन्तु इसके विपरीत उन्होंने अपनी फेरन (कश्मीरी गाउन) उतारा और सैन्य दलों पर गोलीबारी की तथा इसके साथ-साथ वे शीघ्रता से नाले को पार करने की कोशिश भी करते रहे। यह विश्वास अब और मजबूत हो गया था, अतः संजय कुमार ने एक सच्चे कमांडर के कौशल का प्रदर्शन करते हुए एक शीघ्र निर्णय लिया और उन्होंने सं.115097533 कांस्टेबल तोपन बरुआ, अपने साथी सं.135322208 कांस्टेबल इमाईल कुमार मिंज और सं.145314012 कांस्टेबल रंजीत कुमार को आसपास के पेड़ों के पीछे कवर लेने तथा गोलीबारी से आतंकवादियों को उलझाने का निदेश दिया, जबकि उन्होंने स्वयं भागने वाले आतंकवादियों का पीछा करने का निर्णय लिया। भारी आपसी गोलीबारी के बीच, संजय कुमार, उनके साथी सं.110722072 कांस्टेबल आशीष और और एसडीपीओ त्राल के पुलिस दल के कांस्टेबल निसार अली गोलीबारी करते हुए तथा

प्राकृतिक भूमि और पत्थरों की आड़ लेते हुए नाले से तिरछी दिशा में आगे बढ़ने लगे। इसी बीच, आतंकवादियों ने अरीपाल नाले की निकटवर्ती छोटी घाटी में पोजीशन ले ली थी और वे सैन्य दल पर भारी गोलीबारी कर रहे थे। परन्तु इससे संजय और उनका दल आगे बढ़ने से नहीं रुका। रेत के छोटे टीलों, पत्थरों, बहती हुई लकड़ी आदि के रूप में जो कुछ भी कवर उपलब्ध था, का सहारा लेते हुए यह सैन्य दल रेंगकर अपने मार्ग में आगे बढ़ा और उस स्थान, जहां आतंकवादियों ने स्वयं पोजीशन ले रखी थी, से लगभग 50 मीटर की दूरी पर पोजीशन ले ली। एक आतंकवादी जिसने स्वयं को एक बड़े विलो पेड़ के पीछे छिपाया हुआ था, ने सैन्य दल पर भारी गोलीबारी शुरू कर दी।

संजय कुमार ने स्वयं के लिए कवर गोलीबारी प्रदान करने हेतु अपने साथी कांस्टेबल आशीष कुमार को निदेश दिया और उन्होंने उस दिशा में आगे बढ़ने का निर्णय लिया, जहां वे उस आतंकवादी को निशाना बना सकते थे। वे रणनीतिक ढंग से आगे बढ़े और उन्होंने सही पोजीशन का पता लगा लिया और उस आतंकवादी के बहुत निकट पहुंच गए। उस आतंकवादी ने उनकी गतिविधि को देख लिया और संजय कुमार पर गोलीबारी की। यह एक निकट बचाव था। यह लड़ाई ऐसे दो लोगों के बीच थी कि उनमें से कोई एक दूसरे पर विजय प्राप्त करेगा। गोलीबारी की बौछार से बिना डरे और अदम्य साहस तथा अपराजित युद्ध की भावना का प्रदर्शन करते हुए उन्होंने निकट दूरी से आतंकवादी पर निशाना साधा और उसे मार गिराया। दो अन्य आतंकवादी घने जंगल की कवर लेते हुए बच निकलने में सफल हो गए। मारे गए आतंकवादी की पहचान हिज्बुल मुजाहिदीन के आदिल अहमद चोपन उर्फ अबू हंजाल्लाह (श्रेणी-ग) पुत्र अब्दुल हामिद चोपन निवासी गांव लूरो जागिर, पुलिस स्टेशन त्राल, जिला पुलवामा के रूप में की गई। एक 7.62 एमएम एसएलआर, दो मैगजीने और गोलाबारूद के 24 राउंड भी बरामद हुए।

इस अभियान में श्री संजय कुमार, उप कमांडेंट ने साहस और सेनापति की भावना के साथ अपने दल का नेतृत्व किया। उन्होंने उस समय अनुकरणीय क्षेत्र रचना, असाधारण रणनीतिक विवेक, दुर्लभ वीरता और अदम्य साहस का प्रदर्शन किया जब परिस्थिति में ऐसा करना जरूरी था और निकटवर्ती लड़ाई में एक आतंकवादी को मारने में सफलता प्राप्त की। कांस्टेबल आशीष कुमार ने रणनीतिक कौशल का प्रदर्शन किया और कार्रवाई के दौरान उस समय अपने नेता का निडरतापूर्वक अनुसरण किया, जब इसकी अत्यधिक आवश्यकता थी।

इस अभियान में सर्व/श्री संजय कुमार, उप कमांडेंट और आशीष, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाले नियमों के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 20.11.2017 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 83-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक (मरणोपरांत)/ वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

अधिकारियों के नाम और रैंक सर्व/श्री	
1. मो. यासीन तेली, कांस्टेबल	वीरता के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक (मरणोपरांत)
2. बोरसे दिनेश दीपक, कांस्टेबल	वीरता के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक (मरणोपरांत)
3. जसवंत सिंह, कांस्टेबल	वीरता के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक (मरणोपरांत)
4. नरेन्द्र पाल सिंह, कमांडेंट	वीरता के लिए पुलिस पदक
5. विजय बहादुर सिंह, उप-निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक

- | | | |
|-----|------------------------------------|------------------------|
| 6. | राकेश कुमार पटेल,
हेड कांस्टेबल | वीरता के लिए पुलिस पदक |
| 7. | पम्मी कुमार,
कांस्टेबल | वीरता के लिए पुलिस पदक |
| 8. | नरेश कुमार,
कांस्टेबल | वीरता के लिए पुलिस पदक |
| 9. | जॉन बर्मन,
कांस्टेबल | वीरता के लिए पुलिस पदक |
| 10. | अनिल दोहरे,
कांस्टेबल | वीरता के लिए पुलिस पदक |

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

जुलाई, 2016 में एक शीर्ष आतंकवादी कमांडर बुरहान वानी के मारे जाने के परिणामस्वरूप, सामान्य तौर पर कश्मीर घाटी में तथा विशेष तौर पर दक्षिणी कश्मीर में आतंकवाद में अचानक वृद्धि हुई। ज्यादा-से-ज्यादा स्थानीय युवाओं को आतंकवाद की ओर आकर्षित किया गया और बड़ी संख्या में आतंकवादी गुटों में भर्ती करना शुरू कर दिया गया। इस अचानक हुई वृद्धि ने दक्षिणी कश्मीर विशेषकर पुलवामा जिले में विद्रोह-रोधी क्रियाकलापों और कानून और व्यवस्था से संबंधित मामलों से निपटने में कार्यरत सुरक्षा बलों के लिए नई चुनौतियां उत्पन्न कर दी। लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) और हिज्बुल मुजाहिदीन (एचएम) के शीर्ष नेताओं के मारे जाने से कश्मीर घाटी में आतंकवादी गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए सीमापार से इसको नियंत्रित करने वालों के लिए जैश-ए-मोहम्मद एकमात्र पसंद बन गया।

दिनांक 26 अगस्त, 2017 को लगभग 0400 बजे, तीन आतंकवादियों ने अत्यधिक नुकसान पहुंचाने के इरादे से जिला पुलिस लाइन (डीपीएल), पुलवामा, पुलिस स्टेशन एवं जिला-पुलवामा, जम्मू एवं कश्मीर में प्रवेश किया। डीपीएल में सिविल पुलिस के साथ-साथ 182 और 183 बटालियनों के सीआरपीएफ घटक रहते थे। वीआईपी गतिविधि के कारण कुछ सैन्य दल ड्यूटी पर भेजे जाने के लिए तैयार थे। देर रात्रि में सुरक्षा बलों की असंभावित सतर्कता ने आतंकवादियों को आश्चर्यचकित कर दिया और उन्होंने हड़बड़ाहट में अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। यह भली-भांति जानते हुए कि यह एक फिदायिन हमला था, हेड कांस्टेबल (आर्मर) प्रभुनारायण, कांस्टेबल पम्मील कुमार और कांस्टेबल एस.बी. राय सुधाकर, जो अकस्मात शत्रुओं के लगभग आमने-सामने आ गए थे, ने पोजीशन ले ली और जवाबी गोलीबारी की।

डीपीएल पुलवामा एक बड़ा परिसर है जो लगभग 100 एकड़ से अधिक क्षेत्र में फैला हुआ है जिसमें सिविल पुलिस कार्मिक और 182 तथा 183 बटालियन सीआरपीएफ की कंपनियां जैसी विभिन्न एजेंसियां रहती हैं। इस कैंप में ए से एफ तक के आठ फैमिली ब्लॉक हैं जिसके प्रत्येक ब्लॉक में बारह फ्लैट हैं, जिसमें जम्मू और कश्मीर पुलिस (जेकेपी) के अधिकारियों और अन्य रैंक के कार्मिकों के परिवार रहते हैं। इसमें जवानों के रहने के लिए छह बहु-मंजिला ब्लॉक भी हैं, जिनमें से चार ब्लॉक सीआरपीएफ के पास हैं। इसलिए लक्ष्य बहुत ही सुनियोजित था। परिवार कभी भी आतंकवादियों का निशाना नहीं रहे हैं: इसलिए उनका इरादा स्पष्ट रूप से सैन्य दलों के रहने वाले ब्लॉकों में प्रवेश करना था। सीआरपीएफ सैन्य दलों की त्वरित कार्रवाई ने उनको गुमराह कर दिया और वे बैरकों के सामने बने फैमिली क्वार्टरों की दिशा में दौड़ पड़े। वे अंधाधुंध गोलीबारी करते हुए तेजी से दौड़े और उन्होंने सी, डी और ई ब्लॉकों में पोजीशन ले ली। प्रारंभिक आपसी गोलीबारी में, आर्मर प्रभुनारायण और कांस्टेबल पम्मील कुमार और एस.बी. राय सुधाकर को गोली से चोट लग गई। जख्मी होने के बावजूद, पम्मील कुमार ने पोजीशन ले ली और बड़े प्रभावकारी ढंग से जवाबी गोलीबारी की तथा मोर्चे को संभाला। श्री नरेंद्र पाल सिंह, कमांडेंट 182 बटालियन, सीआरपीएफ सहायक सैन्य बल के साथ शीघ्र उस स्थान पर पहुंचे। आपसी भारी गोलीबारी के बीच, नरेन्द्र पाल सिंह आर्मर प्रभुनारायण को सुरक्षित निकालने के लिए उनकी ओर आगे बढ़े। परंतु सभी तीनों आतंकवादी जिन्होंने तब तक सी, डी और ई ब्लॉकों में लाभकारी पोजीशन प्राप्त कर ली थी, निकासी को विफल करने के लिए गोलीबारी करते रहे। ठीक ही कहा गया है कि “भाग्य वीरों का साथ देता है”। वे जैसे-तैसे गोलियों से बच निकले। कवर प्रदान करने के लिए बीपी बंकर की अनुपस्थिति में निहित खतरा बहुत अधिक था, परंतु एक बहादुर सेनापति और एक सच्चे सैनिक की भांति वे अपने उन व्यक्तियों, जिनका वे नेतृत्व कर रहे थे, की जान बचाने के लिए अपना सब कुछ न्यौछावर करने के लिए तैयार थे। अपनी चालों को सावधानीपूर्वक सुनियोजित करते हुए और साथ ही एक बीपी बंकर की सहायता से बाद में उन्होंने आगे की तैयारी कर ली। उन्होंने और घायल पम्मी कुमार ने घायल आर्मर प्रभुनारायण को बचा लिया लेकिन इससे पहले कि पम्मी पुनः घायल हो गये और आतंकवादियों द्वारा ब्लॉक ई से बचाव दल पर फेंके गए एक ग्रेनेड के कारण नरेन्द्र की दोनों हथेलियों में चोटें लग गईं। तत्पश्चात, स्वयं कमांडेंट की कवर गोलीबारी की सहायता से,

उप निरीक्षक शिवम प्रताप सिंह ने भी कांस्टेबल एस.बी. रॉय सुधाकर, जिन्हें शुरुआती हमले में चोटें लग गई थी, को खतरे के स्थान से सुरक्षापूर्वक बाहर निकाल लिया।

जैसा कि ऊपर बताया गया, आतंकवादियों ने सी, डी और ई आवासीय ब्लॉकों में लाभकारी पोजीशन ले रखी थी, इसलिए अब उनके सामने आवासीय ब्लॉकों में रहने वाले लगभग 400 परिवारों के सदस्यों को बाहर निकालने का चुनौतीपूर्ण कार्य था। लगभग 0620 बजे सघन गोलीबारी के बीच नरेन्द्र पाल सिंह के साथ-साथ यूनिट त्वरित कार्रवाई दल (क्यूएटी) ने बड़े रणनीतिक कौशल और व्यवसायिक दक्षता का प्रदर्शन करते हुए बुलेट प्रूफ वाहनों और उनके पास उपलब्ध अन्य उपकरणों की सहायता से उनमें से प्रत्येक को बाहर निकाल लिया। नरेन्द्र पाल सिंह ने स्वयं अपने कार्मिकों के साथ अपने जीवन को गंभीर खतरे में डालते हुए अपने शरीर का कवच प्रदान करके अनेक बच्चों को बचाया।

नागरिकों को सुरक्षित बचा लेने के बाद, श्री कुलदीप सिंह चाहर, उप कमांडेंट को ब्लॉक ई में कक्ष-भेदन करने का अत्यधिक चुनौतीपूर्ण कार्य करने का निदेश दिया गया। कुलदीप सिंह चाहर ने अपने सैन्य दल को दो दलों में विभाजित किया। पहले दल का नेतृत्व स्वयं कुलदीप द्वारा किया गया, जबकि दूसरे दल का नेतृत्व निरीक्षक वी.के. मिश्रा द्वारा किया गया। अनुकरणीय ढंग से नेतृत्व करते हुए, उन्होंने लगभग 0920 बजे अपने सैन्य दल के साथ तीसरे तल के एक फ्लैट की खिड़की से ब्लॉक-ई में प्रवेश किया। हेड कांस्टेबल धनावडे रवीन्द्र बबन और हेड कांस्टेबल राकेश कुमार पटेल उनके साथ थे। कुलदीप सिंह और उनका दल एक-एक करके फ्लैट के प्रत्येक कमरे का भेदन कर रहे थे और जब फ्लैट का कक्ष-भेदन पूर्ण हो गया तो उन्होंने फ्लैट के मुख्य द्वार को खोलने की कोशिश की। उन्होंने यह सोचा कि यह बाहर से बंद किया गया था। तथापि, दरवाजे को तोड़कर खोलते हुए कुलदीप सिंह और उनका साथी धनावडे रवीन्द्र बबन बाहर आ गए और बरामदे में पोजीशन ले ली तथा तलाशी करने के लिए गोलीबारी की। शत्रु ने स्वयं को रणनीतिक ढंग से सुरक्षित पोजीशन में रखा हुआ था जहां से वह सुरक्षा बलों की गतिविधि पर नजर रख सकता था। एक-दूसरे के उपयुक्त सहयोग से सैन्य दलों ने उसी तल पर एक अन्य फ्लैट की तलाशी ली। इसी तरह वे उस तल के एक अन्य फ्लैट की तलाशी करने के लिए आगे बढ़े। एक अनुमानित जोखिम उठाया गया: वे बैलेस्टिक कवच के पीछे कवर लेते हुए रणनीतिक ढंग से बरामदे की ओर आगे बढ़े। आगे बढ़ने वाले सैन्य दल से घबराकर, आतंकवादी ने सैन्य दलों पर गोलीबारी शुरू कर दी। जब आतंकवादी ने अपनी स्थिति को प्रकट कर दिया, तो सैन्य दलों ने तुरंत सुरक्षित पोजीशन ले ली। उस स्थान से और आगे बढ़े बिना, आतंकवादी को मारना असंभव था। वे ग्रेनेड फेंकते हुए तथा बीच-बीच में गोलीबारी करते हुए आगे बढ़ गए। चूंकि, इन गतिविधियों पर आतंकवादी द्वारा नजर रखी जा रही थी, अतः उसने दोबारा अपनी पोजीशन बदल ली और अब उसने स्वयं को सीढ़ियों के नीचे छिपा लिया। यह चूहे-बिल्ली का खेल कुछ देर तक चला जिसमें दोनों पक्ष एक-दूसरे पर गोलीबारी कर रहे थे। आतंकवादी जो लगातार अपनी पोजीशन बदल रहा था, को मार गिराने की कोशिश में कुलदीप सिंह और उनका साथी धनावडे रवीन्द्र बबन आपसी गोलीबारी के बीच आगे बढ़ते रहे। जब वे उसके बिल्कुल नजदीक पहुंचे तो हेड कांस्टेबल धनावडे रवीन्द्र बबन को अत्यधिक शक्तिशाली कवच भेदी इंसेंडियरी (एपीआई) गोलियां लग गईं जिन्होंने बैलिस्टिक कवच को भेद दिया और उन्हें चोट पहुंचाई। वे जमीन पर गिर गए। परन्तु, इस निरंतर हमले ने आतंकवादी को बरामदे वाले क्षेत्र से भागने पर विवश कर दिया। गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद, धनावडे रवीन्द्र बबन गोलीबारी करते रहे और आतंकवादी को बुरी तरह से घायल कर दिया। तथापि, उसने दोबारा अपनी पोजीशन बदल ली। कुलदीप सिंह ने लगातार गोलीबारी की सहायता से धनावडे रवीन्द्र बबन को खींचकर बचा लिया। गंभीर रूप से घायल हेड कांस्टेबल धनावडे रवीन्द्र बबन को वहां से अस्पताल ले जाया गया, जहां चोटों के कारण उनकी मृत्यु हो गई। कुलदीप सिंह ने बिना डरे बचे हुए फ्लैटों और बीच के क्षेत्रों का भेदन करने के लिए अपने दल को पुनर्गठित और प्रेरित किया। इसी बीच, भारी गोलीबारी और ग्रेनेड के विस्फोट के कारण उस भवन के सीढ़ियों वाले क्षेत्र में आग लग गई। कुलदीप सिंह चाहर ने अपने दल के साथ सीढ़ियों से दूसरे तल की ओर आगे बढ़ने की कोशिश की, परन्तु तब तक आग सम्पूर्ण क्षेत्र में फैल गई थी, जिसके कारण उनको आगे बढ़ने से रूकना पड़ा। अब उनके पास भवन के तीसरे तल से बाहर आकर किसी दूसरे छोर से भवन में प्रवेश करने का एकमात्र विकल्प बचा था। कुलदीप सिंह चाहर हार मानने के लिए तैयार नहीं थे, जबकि मौत उनके सिर पर मंडरा रही थी। इसी बीच, ई ब्लॉक के भूतल पर भी आग लग गई जिसने कक्ष-भेदन करने वाले दल को लौटने पर विवश कर दिया।

इसी बीच, सीआरपीएफ और 55 आरआर के दूसरे संयुक्त दल ने आतंकवादी को एमजीएल के साथ-साथ छोटे शस्त्रों की भारी गोलीबारी से सी-ब्लॉक के पीछे से व्यस्त कर दिया। लगभग 1030 बजे उस आतंकवादी, जिसने सी ब्लॉक में शरण ले रखी थी, ने अंधाधुंध गोलीबारी करते हुए सुरक्षा बलों की घेराबंदी को तोड़कर 183 बटालियन की एक कंपनी के शिविर की ओर भागने का प्रयास किया। 183 बटालियन के कांस्टेबल जसवंत सिंह ने स्वयं सी-ब्लॉक के पिछले हिस्से में एक दीवार के पीछे रणनीतिक ढंग से पोजीशन ले रखी थी। विलक्षण बुद्धिमानी और तीव्र निशानेबाजी के कौशल का प्रदर्शन करते हुए, उसने भाग रहे आतंकवादी पर गोलीबारी की और उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। वह घायल होने की वजह से अधिक नुकसान पहुंचाने के अपने नापाक इरादों को त्यागकर सी ब्लॉक की ओर लौटने पर विवश हो गया। परन्तु, इस आक्रामक आपसी गोलीबारी में, कांस्टेबल जसवंत सिंह के चेहरे की दाईं ओर भयंकर चोट लग गई। उन्हें तुरंत जिला अस्पताल पुलवामा ले जाया गया, जहां उन्होंने अपनी अंतिम सांस ली।

अब वह आतंकवादी जिसने स्वयं ई ब्लॉक में पोजीशन ले रखी थी, सुरक्षा बलों को चकमा देने के लिए अलग-अलग पोजीशन से गोलीबारी कर रहा था। लगभग 1300 बजे का समय था। धनावड़े रवीन्द्र बबन की स्थिति देखने के पश्चात् कक्ष भेदन करना अब कोई विकल्प नहीं था। इसलिए, रणनीति बदलते हुए पूरे ई-ब्लॉक में आग लगाने की योजना बनाई गई। इस योजना को अंजाम देने के लिए नरेन्द्र पाल सिंह की कमान में एक छोटा दल बनाया गया, जिसमें उप निरीक्षक विजय बहादुर, हेड कांस्टेबल राकेश कुमार पटेल और कांस्टेबल (कारपेंटर) नरेश शामिल थे। वे बरसती हुई गोलियों के बीच निडरतापूर्वक उस भवन के नजदीक पहुंच गए और खिड़कियों से मोलोटोव कोकटेल फेंकने लग गए। आतंकवादी द्वारा लाभकारी पोजीशन लिए जाने पर विचार करते हुए अब यह कार्य आसान नहीं था। आतंकवादी ने इस चाल को समझते हुए सैन्य दल पर गोलियां बरसाईं। तथापि, सिर पर मंडराती हुई मौत का सामना करते हुये नरेन्द्र पाल सिंह, उप निरीक्षक विजय बहादुर, हेड कांस्टेबल राकेश कुमार पटेल और कांस्टेबल (कारपेंटर) नरेश के जोशपूर्ण और शेर दिल प्रयास सफल हुए और उस भवन में आग लग गई।

दूसरे आतंकवादी ने स्वयं डी ब्लॉक में पोजीशन ले रखी थी। लगभग 1430 बजे, दूसरे ब्लॉक में अपने साथी का साथ देने की कशमकश में उसने अंधाधुंध गोलीबारी करते हुए डी ब्लॉक के प्रवेश द्वार पर हमला करने का प्रयास किया। 182 और 183 बटालियनों के विशेष अभियान दलों (एसओजी), जिन्होंने स्वयं बुलेटप्रूफ मोबाइल बैंकरों में पोजीशन ले रखी थी, ने आतंकवादी को मौके पर मार गिराने के लिए गोलीबारी की। बाद में मृत आतंकवादी की पहचान जैश-ए-मोहम्मद गुट के विदेशी आतंकवादी के रूप में की गई।

तथापि, ई ब्लॉक में आग लगाने के बावजूद, यह देखा गया कि आतंकवादी आस-पास स्वतंत्र रूप से घूमने लगा और उसने विभिन्न पोजीशनों से सुरक्षा बलों पर गोलीबारी जारी रखी। चूंकि, भवन मजबूत संरचना से बना था, अतः उसे पूरी तरह से जलाना संभव नहीं था। कुछ हिस्सों में आग अवश्य लगी, परंतु आग से उतनी मात्रा में नुकसान नहीं पहुंचा जितना सोचा गया था। लगभग 1715 बजे दूसरी रणनीति तैयार की गई। उच्च तीव्रता वाली आईईडी लगाकर ब्लॉक-ई को ध्वस्त करने का निर्णय लिया गया। इस काम में भारी खतरा था क्योंकि आतंकवादी लाभकारी पोजीशन में था और वह सभी गतिविधियों पर नजर रख रहा था। तथापि, दो बहादुर कार्मिकों, 115 बटालियन के कांस्टेबल मोहम्मद यासीन तेली और 25 बटालियन के कांस्टेबल बोरसे दिनेश दीपक, जो दोनों श्रीनगर सेक्टर क्यूएटी का हिस्सा थे, ने इस अत्यधिक खतरनाक कार्य को करने की पहल की। नरेन्द्र पाल सिंह के साथ उनके दल ने दोनों कार्मिकों को कवर गोलीबारी प्रदान करने के लिए स्वयं रणनीतिक ढंग से पोजीशन ले रखी थी। दोनों मोहम्मद यासीन तेली और बोरसे दिनेश दीपक ने निपुणता दिखाते हुए कम समय में ही घटना स्थल पर आईईडी तैयार की। आईईडी, जिसका वजन 18.5 किलो था, एक बीपी जिप्सी में रख दी गई और जिप्सी को पीछे की ओर उस ब्लॉक के नजदीक खड़ा कर दिया गया। आतंकवादी ने सैन्य दलों को पास आने से रोकने के लिए भारी गोलीबारी जारी रखी। अदम्य साहस, हिम्मत और एक प्रशिक्षित सैनिक के दृढ़ निश्चय तथा निडरता का प्रदर्शन करते हुए, वे दोनों वाहन से बाहर निकले और उनको प्रदान की जा रही कवर गोलीबारी के भीतर रेंगकर भवन की ओर गए। इसी बीच, आतंकवादी भी भूतल पर चला गया। उसने इन दोनों कांस्टेबलों पर लक्ष्य बनाकर गोली चलाई और उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। तथापि, उन्होंने गंभीर चोटें लगने के बावजूद बहादुरी से जवाबी कार्रवाई की और निर्धारित स्थान पर आईईडी लगाने में सफल हो गए। वे अपनी चोटों के कारण पीछे हटने की स्थिति में नहीं थे। आतंकवादी की पोजीशन को भांपते हुए और दो कांस्टेबलों की दुर्दशा को देखते हुए उनको बचाकर निकालना एक बड़ी चुनौती बन गया। कांस्टेबल राकेश कुमार पटेल, कांस्टेबल जॉन बर्मन और कांस्टेबल अनिल दोहरे ने स्वयं घायल कांस्टेबलों को बचाने के घातक काम की जिम्मेवारी ली। उबड़-खाबड़ भूमि ने बीपी बैंकर को उपर्युक्त स्थान तक पहुंचाने में बाधा पहुंचाई। गहन गोलीबारी का सामना करने में अपने डर पर नियंत्रण करते हुए, तीनों कार्मिक रेंगकर घायल कार्मिक की ओर गए और तीक्ष्ण बुद्धिमानी और नई पद्धतियों का प्रदर्शन करते हुए रस्सी और हुक की सहायता से उन्हें खींचकर दूर कर दिया। फिर दोनों घायल कांस्टेबलों को तत्काल 92 बेस अस्पताल भेज दिया गया, परन्तु अपनी चोटों के कारण उनकी पहले ही मृत्यु हो गई थी। तत्पश्चात्, लगभग 2100 बजे आईईडी से विस्फोट किया गया, जिसने भवन की संरचना को बुरी तरह से प्रभावित किया और इसका एक हिस्सा ढह गया। कुछ घंटों के पश्चात्, जब शत्रुओं की ओर से कोई और गोलीबारी नहीं हुई तो, सी, डी और ई ब्लॉक की संयुक्त तलाशी की गई, जिसके परिणामस्वरूप यूबीजीएल लगी एक एके-47 राइफल, दो एके-56 राइफलें, 10 मैगजीनें, एके-47 हथियार जैसे पांच हैंड ग्रेनेड, छह यूबीजीएल राउंड और 7.62 X 39 एमएम गोलाबारूद के 80 राउंड के साथ-साथ जैश-ए-मोहम्मद गुट से संबंध रखने वाले तीन विदेशी आतंकवादियों के शव बरामद हुए। सी ब्लॉक से चार सिविल पुलिस कार्मिकों के अवशेष भी बरामद हुए। उनमें से एक का शरीर गोलियों से छलनी था जबकि तीन अन्य कार्मिक आग में झुलसे हुए थे, क्योंकि आतंकवादियों की भारी गोलीबारी और शैलिंग के मद्देनजर अत्यधिक संभावित प्रयासों के बावजूद उन्हें नहीं बचाया जा सका।

यह अभियान जो 20 घंटे से अधिक चला, केवल नेतृत्व संबंधी कौशल, नवीन सोच, रणनीतिक और व्यवसायिक दक्षता की परीक्षा ही नहीं था अपितु, यह साहसपूर्ण लड़ाई, लम्बे तनाव में धैर्य की परीक्षा और कभी हार न मानने वाला दृष्टिकोण था। नरेन्द्र पाल सिंह, कमांडेंट 182 बटालियन और दृढ़ निश्चयी कार्मिकों वाले उनके दल ने जीत हासिल की। कमांडेंट ने स्वयं अपने दल का नेतृत्व किया और सावधानीपूर्वक योजना बनाई तथा बारिकी से सभी चालों को संचालित किया। किसी भी विद्रोह-रोधी अभियान में कक्ष भेदन करना

एक अत्यधिक कठिन काम होता है तथा केवल अदम्य साहस और मजबूत इरादे वाले अधिकारी तथा कार्मिक इस प्रकार के वीरतापूर्ण कार्यों को कर पाते हैं। कुलदीप चाहर और स्व. हेड कांस्टेबल धनावडे रवीन्द्र बबन इस प्रकार के ही व्यक्ति थे, परन्तु यह दुर्भाग्यपूर्ण था कि धनावडे रवीन्द्र बबन आतंकवादियों की कवच भेदी इंसिडियरी (एपीआई) गोलियों का शिकार हो गए और उन्होंने सैन्य बल की उच्च परंपरा का पालन करते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया। यह पहली बार था कि आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों को चकित करते हुए एपीआई राउंड का प्रयोग किया था। स्व. कांस्टेबल मो. यासीन तेली और स्व. बोरसे दिनेश दीपक ने यह भलीभांति जानते हुए भी कि आतंकवादी प्रभावशाली पोजीशन में था और उनकी कार्रवाई पर गहन निगरानी कर रहा था, ब्लॉक-ई के पीछे स्वेच्छा से विस्फोटक लगाने में विलक्षण साहस और अनुकरणीय पहल का प्रदर्शन किया। इस बड़े खतरे को नकारते हुए दोनों बहादुर कांस्टेबलों ने कर्तव्य का पालन करते हुए सर्वोच्च बलिदान करने से पहले पूर्व निर्धारित स्थान पर आईईडी लगाई, जिससे भवन ध्वस्त हो गया। किसी भी अभियान में कुछ बहादुर व्यक्ति होते हैं जो बहुत महत्व रखते हैं। रात्रि के समय डीपीएल पुलवामा पर आतंकवादियों द्वारा किए गए घातक हमले का परिणाम भयानक हो सकता था, परन्तु इन बहादुर अधिकारियों और कार्मिकों की समयोपरि कार्रवाई से ऐसा नहीं हो पाया। इस अभियान में सैन्य बल के चार बहादुर कार्मिकों ने शहादत प्राप्त की और चार गंभीर रूप से घायल हो गए।

इस अभियान में सर्व/श्री मो. यासीन तेली, कांस्टेबल, बोरसे दिनेश दीपक, कांस्टेबल, जसवंत सिंह, कांस्टेबल, नरेन्द्र पाल सिंह, कमांडेंट, विजय बहादुर सिंह, उप-निरीक्षक, राकेश कुमार पटेल, हेड कांस्टेबल, पम्मी कुमार, कांस्टेबल, नरेश कुमार, कांस्टेबल, जॉन बर्मन, कांस्टेबल और अनिल दोहरे, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाले नियमों के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 26.08.2017 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 84-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

अधिकारियों के नाम और रैंक
सर्व/श्री

1. ए. बी. कायपु,
सहायक कमांडेंट
2. समीर सिंह,
कांस्टेबल

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 09 अक्टूबर, 2017 को लगभग 1515 बजे, जम्मू एवं कश्मीर (जेएंडके) के शोपियां जिले के केलर पुलिस स्टेशन के अंतर्गत गतिपोरा गांव में 3-4 आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में पुलिस अधीक्षक, शोपियां से विशिष्ट सूचना प्राप्त होने पर, एक संयुक्त घेराबंदी और तलाशी अभियान (सीएसओ) की योजना बनाई गई। शुरुआती ब्रीफिंग के बाद, जम्मू और कश्मीर पुलिस के विशेष अभियान समूह (एसओपी), शोपियां के साथ श्री ए.बी. कायपु, सहायक कमांडेंट की कमान में 14वीं बटालियन का आतंकवाद-रोधी और रणनीति दल [सीटीटी(ए)] जिला पुलिस लाइन्स (डीपीएल) शोपियां से गतिपुरा गांव पहुंच गया। तब तक 44 आरआर की सैन्य टुकड़ियां गांव में पहले ही पहुंच चुकी थीं। गतिपुरा गांव पहुंचने के बाद, सीआरपीएफ, एसओजी और 44 आरआर की सैन्य टुकड़ियों ने लक्षित क्षेत्र के चारों तरफ घेराबंदी करनी शुरू कर दी।

जब घेराबंदी की जा रही थी, तभी एक भवन से आतंकवादियों ने 44 आरआर की सैन्य टुकड़ियों पर गोलीबारी शुरू कर दी। सैन्य टुकड़ियों ने तत्काल मोर्चा संभाल लिया और आतंकवादियों की गोलीबारी का जवाब देना शुरू कर दिया जिससे दोनों तरफ से भारी गोलाबारी शुरू हो गई। इसी बीच, बगल की मस्जिदों से घोषणा किए जाने के बाद मुठभेड़ स्थल के आस-पास भीड़ एकत्र होने लगी और भारी पत्थरबाजी करने लगी। पड़ोस के गांवों से भी शरारती तत्व मुठभेड़ स्थल पर एकत्र होने लगे और पत्थरबाजी करने लगे। 14 बटालियन और एसओजी का सीसीटी दल, जो अभी भी घेराबंदी को पूरा करने के कार्य में लगा हुआ था, भारी पत्थरबाजी में फंस गया, जिससे अचूक घेराबंदी करने में बाधा उत्पन्न हो गई।

आतंकवादियों से निपटने से पहले, एक दूसरी लड़ाई पत्थरबाजों के साथ लड़ी जा रही थी। जब सीटीटी और एसओजी की सैन्य टुकड़ियां अनियंत्रित भीड़ को तितर-बितर करने की कोशिश कर रही थीं, तो वे आतंकवादियों की भारी गोलाबारी की चपेट में आ गए। इसी बीच, श्री प्रवीण थपलियाल, द्वितीय कमान अधिकारी, 14 बटालियन भी अतिरिक्त सैन्य बल के साथ मुठभेड़ स्थल पर पहुंच गए। अतिरिक्त सैन्य बलों के आने तक, वहां मौजूद टुकड़ियों ने बेकाबू भीड़ और आतंकवादियों दोनों को नियंत्रित किया। अतिरिक्त सैन्य टुकड़ियों के एक घटक ने पत्थरबाजों को कड़ी फटकार लगाई और उन्हें दूर रखा जिससे अन्य घटकों को आतंकवादियों पर ध्यान केंद्रित करने में आसानी हुई। इसी बीच, श्री प्रवीण थपलियाल घेराबंदी पूरा करने के लिए अपने एस्कॉर्ट के साथ सीटीटी यूनिट से जा मिले। जब घेराबंदी पूरा करने की कोशिश की जा रही थी, तब सैन्य टुकड़ियों पर आतंकवादियों द्वारा लगातार गोलीबारी की जा रही थी।

घेराबंदी के अंदर, लगभग 8-9 घर थे। अचानक, दो आतंकवादी घेराबंदी तोड़ने के हताशापूर्ण प्रयास में अंधाधुंध गोलीबारी करते हुए एक घर से बाहर निकले। श्री प्रवीण थपलियाल ने अपने साथी कांस्टेबल धर्म देव के साथ तुरंत मोर्चा संभाल लिया और आतंकवादी की गोलीबारी का जवाब दिया। आतंकवादी उन्हें घेरने के इरादे से उनके मोर्चे को निशाना बनाते हुए उन पर गोलीबारी भी करते रहे तथापि, यह श्री प्रवीण थपलियाल के साहस को डिगा नहीं पाया। वे आगे आने वाले खतरे को पूर्णतः जानते हुए, एक सच्चे नायक की तरह नेतृत्व और उच्च कोटि की गुणवत्ता का प्रदर्शन करते हुए पेड़ों की आड़ लेकर अपने साथी कांस्टेबल धर्म देव के साथ आतंकवादियों की तरफ बढ़े। आतंकवादियों के नजदीक आने पर और उपयुक्त अवसर पाकर, वे दोनों अपनी कवर से बाहर निकले और आतंकवादियों पर गोलीबारी शुरू कर दी। गोली आतंकवादियों को लगी, जिससे एक आतंकवादी घटनास्थल पर ही ढेर हो गया जबकि दूसरा घायल हो गया।

सुरक्षा बलों के हमले का सामना करने के बाद, घायल आतंकवादी के पास अपनी जान बचाने के लिए छिपने के लिए भागने के अलावा और कोई दूसरा विकल्प नहीं था। वह भवन के अन्दर छिपे अपने साथी आतंकवादी की कवरिंग गोलीबारी की आड़ का फायदा उठाकर भवन की ओर पीछे हटने लगा। सीटीटी कमांडर श्री ए.बी. कायपु और कांस्टेबल समीर सिंह घायल आतंकवादी की गतिविधियों पर पैनी नजर रखे हुए थे। आतंकवादी के भवन में प्रवेश करने में सफल हो जाने की स्थिति में, अवसर को अपने हाथ से निकलता हुआ भांपकर, वे दोनों अपनी स्वयं की सुरक्षा की परवाह न करते हुए घायल आतंकवादी की दिशा में दौड़े। सैन्य टुकड़ियों को अपने नजदीक आते देखकर, घायल आतंकवादी ने उन्हें आगे बढ़ने से रोकने के लिए उनकी ओर गोलियों की बौछार शुरू कर दी। श्री ए.बी. कायपु और कांस्टेबल समीर सिंह दोनों इस अचानक और घातक हमले में बाल-बाल बचे क्योंकि गोलियां उन्हें छूते हुए निकल गईं। इस स्थिति में, उन दोनों की कोई भी चाल घातक हो सकती थी, क्योंकि घायल आतंकवादी ने उनकी गतिविधि को देख लिया था, फिर भी श्री ए.बी. कायपु और कांस्टेबल समीर सिंह ने घातक खतरे का बहादुरी से सामना करते हुए जवाबी हमले के लिए उपयुक्त स्थान प्राप्त करने हेतु आतंकवादी की ओर बढ़ने का निर्णय लिया। गोलीबारी के बीच, वे दोनों आगे बढ़े और उन्हें आतंकवादी के नजदीक एक रणनीतिक स्थान मिल गया। घायल आतंकवादी द्वारा अपनी अगली कार्य योजना बनाने से पहले, श्री ए.बी. कायपु और कांस्टेबल समीर ने आतंकवादी पर गोली चला दी, जिससे वह घटनास्थल पर ही मारा गया। तीसरा आतंकवादी, जो एक घर में था, सुरक्षा बलों पर लगातार गोलियां चला रहा था और दोनों तरफ से भारी गोलीबारी लगभग 10 मिनट तक चली। तत्पश्चात, घर से कोई गोली नहीं चली। इस शांति का फायदा उठाते हुए, लक्षित घरों के चारों तरफ घेराबंदी और सख्त कर दी गई। उसके बाद आतंकवादी को आत्मसमर्पण के लिए समझाने हेतु एक नागरिक को घर में भेजा गया; लेकिन वह आतंकवादी को समझा नहीं सका क्योंकि वह बलों के साथ लड़ने पर अड़ा हुआ था।

उसे बाहर निकलने के लिए बाध्य करने हेतु 44 आरआर ने सीजीआरएल का सहारा लिया जिस कारण घर का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें आग लग गई। उसके बाद घर से गोलीबारी रूक गई। तलाशी शुरू करने से पहले, घेराबंदी के अन्दर अन्य घरों की दिशा में जांच हेतु कुछ गोलियां चलाई गईं, जिसके दौरान एक घर से प्रतिशोधात्मक गोलीबारी की गई जिससे आतंकवादी के स्थान का पता चल गया। आतंकवादी ने अपने छिपने के ठिकाने को छोड़ दिया था और दूसरे घर में घुसने की कोशिश कर रहा था। दरवाजा को बंद पाकर, उसने घर के दरवाजे पर मोर्चा संभाल लिया और सुरक्षा बलों की ओर गोलीबारी करता रहा। सैन्य टुकड़ियां भी आतंकवादी की ओर गोलीबारी करने लगीं, जिससे भारी गोलीबारी शुरू हो गई जो अगले 15-20 मिनट तक चली। तत्पश्चात, गोलीबारी रूक गई और सैन्य टुकड़ियों द्वारा क्षेत्र की तलाशी ली गई।

तलाशी के दौरान, दो एके-47 राइफलें, 119 राउंड्स गोलाबारूद सहित 4 मैगजीनें, एक मैगजीन सहित एक 5.56 एमएम इन्सास राइफल और 52 राउंड गोलाबारूद और एक चीनी ग्रेनेड के साथ-साथ मारे गए 3 आतंकवादियों के शव बरामद हुए। मारे गए आतंकवादियों की पहचान, जाहिद अहमद मीर, (श्रेणी-ख) पुत्र शमीम अहमद मीर, निवासी गनवपोरा, जिला-शोपियां, इरफान अब्दुल्ला गनी (श्रेणी-ग), पुत्र मोहम्मद अब्दुल्लाह गनी, निवासी हेफ, जिला-शोपियां और मोहम्मद आसिफ पाल (श्रेणी-ग), पुत्र बशीर अहमद, निवासी काथोहलान, जिला शोपियां के रूप में की गई। वे सभी हिज्बुल मुजाहिदीन आतंकवादी संगठन से थे।

श्री प्रवीण थपलियाल, द्वितीय कमान अधिकारी ने अपने जवानों का सामने से नेतृत्व करते हुए और पूरे दस घंटे के कठिन अभियान में उनका मार्गदर्शन करते हुए और उन्हें प्रेरित करते हुए अभूतपूर्व नेतृत्व गुणों का प्रदर्शन किया। उन्होंने गंभीर और आसन्न

खतरे के समक्ष असाधारण वीरता, रणनीतिक कौशल, अदम्य साहस और उत्कृष्ट पराक्रम का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए नेतृत्व किया और अपने साथी कांस्टेबल धर्मदेव के साथ दुश्मन का सफाया करने में सफल हुए। श्री ए.बी. कायपु, सहायक कमांडेंट अपने साथी कांस्टेबल समीर सिंह के साथ अपने कमांडर के पदचिह्नों पर चले और इस अभियान को निष्पादित करने के दौरान अटल और चढ़ान की तरह अडिग रहे। इन दोनों ने भाग निकलने की फिराक में लगे आतंकवादी का सफाया करते समय अपनी जान को गंभीर जोखिम में डाला और असाधारण शौर्य, अदम्य साहस और सूझबूझ का प्रदर्शन किया।

इस अभियान में सर्व/श्री ए.बी. कायपु, सहायक कमांडेंट और समीर सिंह, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाले नियमों के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 09.10.2017 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 85-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

- अधिकारियों के नाम और रैंक
सर्व/श्री
01. दीपक कुमार,
कमांडेंट
 02. संजय कुमार सिंह,
सहायक उप-निरीक्षक
 03. पटोरकर ईश्वर गोठू
हेड कांस्टेबल

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

सीआरपीएफ की 92वीं बटालियन उत्तर कश्मीर के हंदवाड़ा पुलिस जिले में तैनात है। नियंत्रण रेखा (एलओसी) से इसकी निकटता के कारण हंदवाड़ा क्षेत्र विदेशी मूल विशेषकर पड़ोसी पाकिस्तान के आतंकवादियों से पीड़ित है। ये आतंकवादी काफी अधिक प्रशिक्षित और शस्त्रों से लैस हैं तथा कभी भी मुकाबला होने की स्थिति में भीषण लड़ाई करने में विश्वास करते हैं। दक्षिण कश्मीर, जहां अधिकतर सक्रिय आतंकवादी स्थानीय हैं, की तुलना में उत्तर कश्मीर में विदेशी आतंकवादियों की मौजूदगी तुलनात्मक रूप से अधिक है।

दिनांक 10 दिसम्बर, 2017 को लगभग 2300 बजे, पीपी चौगुल, पुलिस स्टेशन और पुलिस जिला-हंदवाड़ा के अंतर्गत गांव उनीसू में तीन आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में एक विशिष्ट सूचना प्राप्त हुई। गांव उनीसू, सीआरपीएफ की 92वीं बटालियन बाडूरा के यूनिट मुख्यालय से उत्तर की ओर लगभग 4-5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। उस गांव में घनी आबादी है और एक किलोमीटर से कम के क्षेत्र में फैला हुआ है जहां लगभग 400-500 आवासीय इकाइयां स्थित हैं। उनीसू के लोगों का भी झुकाव आतंकवादियों की तरफ है, जो अभियान शुरू करने पर सुरक्षा बलों के लिए एक गंभीर चुनौती उत्पन्न करते हैं। तथापि, सूचना प्राप्त होने पर, श्री दीपक कुमार, कमांडेंट-92 बटालियन, श्री विजय कुमार, सहायक कमांडेंट की कमान में अपने सुरक्षा दल और इकाई की क्विक एक्शन टीम (क्यूएटी) के साथ उनीसू गांव की तरफ दौड़े और लगभग 15 मिनट में जम्मू और कश्मीर पुलिस (जेकेपी), हंदवाड़ा के विशेष ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) और 22 राष्ट्रीय राइफल्स (आरआर) की टुकड़ियों के साथ मिल गए।

कर्नल टी. वैष्णव, कमान अधिकारी-22 आरआर और श्री गुलाम जीलानी वानी, एसएसपी हंदवाड़ा के साथ संक्षिप्त विचार-विमर्श के बाद, एक संयुक्त आंतरिक घेराबंदी डालने का निर्णय लिया गया। लक्षित घर, अकेला खड़ा दो मंजिला ढांचा था, जो गौशाला, सूखी घास के ढेर, पहाड़ी पीपल के पेड़ों और झाड़ियों से भरा हुआ था तथा आंगन में लकड़ी के कुन्दे और शिलाखण्ड बिखरे हुए थे। विजय कुमार सहित श्री दीपक कुमार और 22 जवानों वाले उनके दल को लक्षित घर के उत्तरी छोर पर मोर्चा संभालने गया था। 92 बटालियन की टुकड़ियां कारगर ढंग से पूर्वोत्तर से पश्चिमोत्तर के कुछ भाग तक आंशिक रूप से लगभग 50 मीटर तक की दूरी में अर्धगोलाकार

स्थिति में फैल गई। जब सैन्य टुकड़ियां घेराबंदी करने में लगी हुई थी, तभी आतंकवादी लक्षित घर से बाहर निकले और सुरक्षा बलों पर भारी गोलीबारी शुरू कर दी। इससे सुरक्षा बल हतप्रभ रह गए। तथापि, उन्होंने प्रचण्ड रूप से जवाबी कार्रवाई की जिससे आतंकवादी तुरंत पीछे हटने के लिए बाध्य हो गए। बाहरी घेरा, हंदवाड़ा पुलिस के कुछ घटकों के साथ 22 आरआर द्वारा डाला गया। इसी बीच, यह महसूस करते हुए कि लक्षित घर में नागरिक फंसे गए हैं, यह निर्णय लिया गया कि सुरक्षा बल पहले गोलीबारी नहीं करेंगे। शुरुआती बौछार के बाद, जब दुश्मन की ओर से एक घंटे से अधिक समय तक कोई और प्रयास नहीं किया गया, तो सिविल पुलिस द्वारा आतंकवादियों से आत्मसमर्पण के लिए अपील करने के साथ-साथ नागरिकों को बाहर जाने देने की उद्घोषणा की गई। बार-बार अपील करने के बावजूद, शत्रु की ओर से कोई जवाब नहीं आया। इस बीच, सुरक्षा बलों ने शांत रहना बेहतर समझा और आतंकवादियों द्वारा पहले चाल चलने का इंतजार करने लगे। लगभग 0100 बजे, तीन आतंकवादियों ने दरवाजे से भागने का दूसरा प्रयास किया और अंधाधुंध गोलीबारी करते हुए विभिन्न दिशाओं में भागने लगे। एक आतंकवादी पूर्वोत्तर दिशा में भागा, जहां दीपक कुमार और उनके साथी सहायक उप-निरीक्षक संजय कुमार सिंह पूर्व दिशा में एसओजी के साथ मोर्चा संभाले हुए थे। आतंकवादी को अपनी दिशा में हथियार चलाते हुए आता देख कर, दीपक कुमार और उनके साथी संजय कुमार ने आतंकवादी पर गोली चला दी जो उसे नहीं लगी। बचते बचाते हुए, स्वाभाविक कवर लेते हुए वह साथ-साथ गोलीबारी करते हुए उनकी ओर बढ़ता रहा। तीक्ष्ण रणनीतिक समझ और अत्यधिक सूझबूझ का प्रदर्शन करते हुए, दीपक कुमार अपने कवर से बाहर निकले और भाग रहे आतंकवादी की दिशा में गुप्त रूप से आगे बढ़े। अपने नायक की साहसिक चाल को देखते हुए, एसआई संजय कुमार सिंह भी उनके पीछे हो लिए और पास के एक घर, जहां से गोलीबारी की सीधी लाइन मिल रही थी, के पीछे उचित कवर ले लिया। जब आतंकवादी स्पष्ट रूप दिखाई पड़ा, तो तीक्ष्ण गोलीबारी, कौशल और फौलादी जब्बे का प्रदर्शन करते हुए, उन दोनों ने गोलीबारी शुरू कर दी। यद्यपि अंधेरे में कुछ समझ पाना मुश्किल था, लेकिन यह स्पष्ट था कि आतंकवादी बुरी तरह से अपंग हो गया था या मारा गया था। इसी बीच सुरक्षा बलों की भारी जवाबी कार्रवाई से अन्य दो आतंकवादियों को कवर लेने के लिए भागना पड़ा और वे पीछे हटते हुए सुरक्षित स्थान की तरफ चले गए। तत्पश्चात, बचे हुए आतंकवादियों द्वारा रूक-रूक कर गोलीबारी की जाती रही, जिसका उचित जवाब दिया गया। लगभग 0300 बजे एक आतंकवादी ने पश्चिमोत्तर दिशा में भागने का प्रयास किया, जहां क्यूएटी 92 के साथ विजय कुमार, आरआर की टुकड़ियों, जो लक्षित घर के दक्षिण-पश्चिम छोर को कवर कर रही थीं, के साथ मोर्चा संभाल रखा था। विजय कुमार एवं उनकी टीम और आरआर की टुकड़ियों ने गोलियों की बौछार से भीषण जवाबी कार्रवाई की और आतंकवादी आंगन में फैले छोटे शिलाखण्डों और लकड़ी के कुन्दों की आड़ लेते हुए थोड़ी देर के लिए पुनः पीछे हटा। हेड कांस्टेबल पटोरकर ईश्वर गोदू, जो 92 के क्यूएटी का हिस्सा थे, ने पश्चिमोत्तर दिशा में मोर्चा संभाल रखा था और वे उस अवसर को खोना नहीं चाहते थे। आक्रमक रूख अपनाते हुए, वे अपने मूल कवर से बाहर निकले और आतंकवादी के संदिग्ध स्थान के निकट गए, जिससे उन्होंने स्वयं को वे गंभीर जोखिम में डाल दिया। जब आतंकवादी ने कवर से निकलने का दूसरा प्रयास किया, तो पटोरकर ईश्वर सभी सावधानी को ताक पर रखकर आतंकवादी पर गोली चला दी और उसे ढेर कर दिया। इस बीच, तीसरा आतंकवादी अभी भी जीवित था और रूक-रूक कर गोलीबारी कर रहा था। 0430 से 0500 बजे के बीच, जब कुछ घंटों में पौ फटने वाली थी, तीसरे आतंकवादी ने अंधेरे का फायदा उठाकर भागने का अंतिम प्रयास किया। वह अंधाधुंध गोलीबारी करते हुए घर से बाहर निकला और दक्षिण दिशा में भागा, जहां आरआर की टुकड़ियों ने मोर्चा संभाल रखी था। आरआर की टुकड़ियों के द्वारा उस पर गोलीबारी की गई और उसे घटनास्थल पर ही ढेर कर दिया गया।

सुबह होने पर, लगभग 0730 बजे लक्षित घर और उसके आस-पास के क्षेत्र की 92 बटालियन, सीआरपीएफ आरआर और एसओजी की संयुक्त टुकड़ियां द्वारा तलाशी ली गई। तलाशी में लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के 3 आतंकवादियों के शव बरामद हुए, जिनकी पहचान सिद्दीक निवासी पाक, श्रेणी ए++, शकील भाई, निवासी पाक श्रेणी ए++ और अबू गाजी, निवासी पाक, श्रेणी ए के रूप में की गई। सैन्य टुकड़ियों ने 12 मैगजीनों सहित तीन एके 47 राइफलें, गोलाबारूद के 271 राउंड, दो हथगोले, तीन यूबीजीएल ग्रेनेड, दो जीपीएस और अन्य आपत्तिजनक सामग्री भी बरामद की। दिनांक 11 दिसम्बर, 2017 को लगभग 0900 बजे यह अभियान खत्म हो गया।

दस घंटे से अधिक समय तक चले इस अभियान में, श्री दीपक कुमार कमांडेंट ने उत्कृष्ट नेतृत्व कौशल, तीक्ष्ण रणनीतिक सूझबूझ, अदम्य साहस का प्रदर्शन किया और उदाहरण प्रस्तुत कर सैन्य टुकड़ियों का नेतृत्व किया। अपने कमांडर की मौजूदगी से सैन्य टुकड़ियों का मनोबल बढ़ा और जमा देने वाली ठंडी रात में भी वे मैदान पर डटे रहे, जिससे उत्तर कश्मीर में बहुत बड़ी कामयाबी हासिल हुई। अपने कमांडर से प्रेरित होकर सहायक उप निरीक्षक संजय कुमार सिंह ने हर कदम पर उनका साथ दिया और विलक्षण दूरदर्शिता, धैर्य और सटीक निशानेबाजी के कौशल का प्रदर्शन करते हुए आतंकवादी को ढेर करने में सहायता की। हेड कांस्टेबल पटोरकर ईश्वर गोदू ने असाधारण साहस और पहल का प्रदर्शन किया तथा दूसरे आतंकवादी को ढेर करने में सक्रिय भूमिका निभाई। उन्होंने आतंकवादी की गतिविधियों पर पैनी नजर रखी तथा देखने और प्रतीक्षा करने के बजाए वे आगे बढ़े और आतंकवादी का साहसपूर्ण ढंग से मुकाबला किया और उसे मार गिराने में सफल हुए।

इस अभियान में सर्व/श्री दीपक कुमार, कमांडेंट, संजय कुमार सिंह, सहायक उप-निरीक्षक और पटोरकर ईश्वर गोदू, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाले नियमों के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 10.12.2017 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 86-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक का तृतीय बार/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार(मरणोपरांत)/वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

अधिकारियों के नाम और रैंक
सर्व/श्री

- | | |
|-----------------------------------|---|
| 01. रवि शर्मा,
सहायक कमांडेंट | वीरता के लिए पुलिस पदक |
| 02. नरेश कुमार,
सहायक कमांडेंट | (वीरता के लिए पुलिस पदक का तृतीय बार) |
| 03. बुद्धि सिंह,
कांस्टेबल | (वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार) |
| 04. राहुल सिंह,
कांस्टेबल | वीरता के लिए पुलिस पदक |
| 05. मो. यासीन तेली,
कांस्टेबल | [वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार (मरणोपरांत)] |

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 11 जुलाई को, पुलिस स्टेशन मैगम, जिला बडगाम के अंतर्गत रेडबग गांव में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में आसूचना प्राप्त हुई। इस जानकारी की वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बडगाम ने भी पुनः पुष्टि की तथा इसके सत्यापन के बाद कमांडेंट 176वीं बटालियन, सीआरपीएफ और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बडगाम द्वारा वैली क्यूएटी (सीआरपीएफ) के अधिकारियों श्री नरेश कुमार, सहायक कमांडेंट और श्री रवि शर्मा, सहायक कमांडेंट के साथ संयुक्त रूप से एक अभियान की योजना बनाई गई। कठिन क्षेत्र और स्थानीय लोगों का अतिवादियों का समर्थन होने के कारण, यह सैन्य टुकड़ियों के लिए मुश्किल काम होने जा रहा था। सभी संभावित स्थिति को ध्यान में रखते हुए, लगभग 1930 बजे, वैली क्यूएटी, 176वीं बटालियन, सीआरपीएफ जम्मू और कश्मीर पुलिस और द्वितीय आरआर की सैन्य टुकड़ियों द्वारा संयुक्त रूप से घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया गया।

चूंकि, आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना बहुत विश्वसनीय थी, इसलिए आतंकवादियों को किसी भी प्रकार से संभावित रूप से बच निकलने से रोकने के लिए संदिग्ध लक्षित घरों के चारों तरफ कड़ी घेराबंदी करने का निर्णय लिया गया। तदनुसार, जैसे ही सैन्य टुकड़ियों ने लक्षित घरों की घेराबंदी शुरू की, आतंकवादियों ने उनकी मौजूदगी को भांप लिया और सामने से आ रही सैन्यसटुकड़ियों पर गोलियों की बौछार शुरू कर दी। तथापि, श्री नरेश कुमार और श्री रवि शर्मा के नेतृत्व में वैली क्यूएटी की निर्भीक सैन्यसटुकड़ियों ने अपनी सुरक्षा को पूरी तरह से नजरअंदाज करते हुए गोलियों की बौछार के बीच संपूर्ण क्षेत्र की घेराबंदी कर दी। छिपे हुए आतंकवादियों पर जवाबी हमला शुरू करने से पहले, आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने के लिए उद्घोषणा की गई। इस उद्घोषणा पर कोई ध्या न न देते हुए आतंकवादियों ने गोलीबारी की मात्रा बढ़ा दी। जवाबी हमले के अलावा अन्य कोई विकल्प न होने पर, सैन्यसटुकड़ियों ने भी छिपे हुए आतंकवादियों पर गोलीबारी का सहारा लिया।

लक्षित घर एक सुदृढ़ निर्मित ढांचा था, जिसके कारण सुरक्षा बलों की गोलीबारी प्रभावकारी साबित नहीं हो रही थी। इस स्थिति में, यह भांपते हुए कि स्थिति अत्यधिक गंभीर है और असाधारण प्रयास की आवश्यकता है, श्री रवि शर्मा और श्री नरेश कुमार ने सीओ, 176वीं बटालियन और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बडगाम के साथ परामर्श करके कमरे में प्रवेश करने का निर्णय लिया क्योंकि विगत अभियान के दौरान आसपास के गांवों के लोग घटनास्थल पर जमा हो गए थे, जिसके कारण आतंकवादी भागने में सफल हो गए थे। अपनी योजना के अनुसार आगे बढ़ते हुए, सर्वप्रथम, उक्त दोनों अधिकारियों के नेतृत्व में सैन्य दल ने कमरे में प्रवेश करने के लिए

रास्ता बनाने हेतु घर पर बमबारी की। यद्यपि, बमबारी से लक्षित घर में कुछ रास्ता बन गया था, तथापि, वास्तविक चुनौती आगे मिलने वाली थी अर्थात् कमरे में प्रवेश करने की चुनौती सामने थी। आतंकवादी घर में रणनीतिक रूप से लाभदायक स्थिति में थे, जहां से वे सुरक्षा बलों की हर गतिविधि को देख रहे थे, ऐसी स्थिति में, लक्षित घर के पास जाना जोखिमपूर्ण था।

साहसी लोग प्रतिकूल परिस्थिति का सामना करने में भी खुश होते हैं। एक कमांडर के शौर्य और सच्चे धैर्य का प्रदर्शन करते हुए, श्री नरेश कुमार और श्री रवि शर्मा ने कांस्टेबल बुद्धि सिंह, कांस्टेबल मो. यासीन तेली, कांस्टेबल राहुल सिंह और कांस्टेबल राजीव बोरो को शामिल करके कमरे में प्रवेश करने वाली दो टीमों का गठन किया। वैली क्यूएटी और 176वीं बटालियन, सीआरपीएफ की सैन्य टुकड़ियों के प्रभावी कवर फायर की मदद से ये टीमें सुनसान स्थान और कम रोशनी वाले क्षेत्र से होते हुए पश्चिम और दक्षिण छोर से रणनीतिक एवं गुप्त तरीके से लक्षित घर की ओर आगे बढ़ीं। घातक खतरों और विपत्तियों का सामना करते हुए, उपर्युक्त टीमें लक्षित घर के निकट पहुंच गईं। आतंकवादी सैन्य टुकड़ियों पर अंधाधुंध गोलीबारी कर रहे थे और उनको आगे बढ़ने से रोकने की हर छोटी से छोटी कोशिश भी कर रहे थे। एक साहसिक और त्वरित कार्रवाई समय की मांग थी। समय की मांग के अनुसार, उक्त शूरवीरों ने घरों के अंदर हथगोले फेंके जिससे आतंकवादी अपनी प्रभावशाली स्थिति को छोड़ने के लिए मजबूर हो गए। इस अवसर का लाभ उठाते हुए, श्री नरेश कुमार और श्री रवि शर्मा ने सीधे आतंकवादियों की फायरिंग लाइन में आगे बढ़ने का निर्णय लिया। लेकिन इसी बीच, सैन्य टुकड़ियों को अपने नजदीक आते हुए देखकर आतंकवादी हतोत्साहित होकर अंधाधुंध फायरिंग करते हुए और उनकी ओर हथगोले फेंकते हुए लक्षित घर से बाहर निकले। त्वरित कार्रवाई करते हुए सैन्यटुकड़ियों ने आतंकवादियों के इस आकस्मिक हमले से स्वयं को बचा लिया।

एक आतंकवादी, जो घर के पूर्वोत्तर दिशा से बचकर भाग रहा था, को श्री रवि शर्मा द्वारा सहजता से उलझा लिया गया। तत्क्षण, वे अपने कवर से निकले और आतंकवादी को चुनौती दी। उच्च पेशेवराना सूझ-बूझ दिखाते हुए, वे अपने साथी सीटी/जीडी राहुल सिंह के साथ आतंकवादी पर गोलीबारी करनी शुरू कर दी और उसे ढेर कर दिया। दूसरी तरफ, दूसरा आतंकवादी श्री नरेश कुमार की ओर दौड़ा और उस परिसर में सूखी घास के ढेर के पीछे शरण ले ली और अपने बचकर भाग निकलने का रास्ता बनाने के लिए सैन्यटुकड़ियों पर हमला करने की तैयारी करने लगा। लेकिन, श्री नरेश कुमार आतंकवादी को बचकर भाग जाने का मौका देने के मूढ़ में नहीं थे। उन्होंने अपनी सुरक्षा को खतरे में डालते हुए और स्वयं से पहले अपनी ड्यूटी को प्राथमिकता देते हुए, आतंकवादी से सीधे मुकाबला करने का निर्णय लिया। वे आतंकवादी के ठिकाने पर लक्षित फायरिंग करते हुए अपने कवर से बाहर निकले जिससे आतंकवादी का खात्मा हो गया।

तीसरा आतंकवादी ऊबड़-खाबड़ भूमि में स्वयं को स्थापित करने में सफल हो गया, जिससे सैन्य टुकड़ियों को आगे बढ़ने में कठिनाई हुई। इस स्थिति में, कांस्टेबल मो. यासीन तेली ने आतंकवादी के ठिकाने पर लक्षित गोलीबारी करने हेतु सही पोजीशन लेने के लिए अपने कवर से बाहर निकल कर एक जोखिम भरा कदम उठाया। उक्त कार्रवाई जोखिमपूर्ण थी, लेकिन ठीक साबित हुई क्योंकि कांस्टेबल मो. यासीन तेली की लक्षित गोलीबारी से आतंकवादी अपनी पोजीशन बदलने के लिए मजबूर हो गया। इस अवसर का फायदा उठाते हुए, कांस्टेबल बुद्धि सिंह, कांस्टेबल राहुल सिंह और कांस्टेबल मो. यासीन तेली के साथ श्री रवि शर्मा और श्री नरेश कुमार ने काफी निकट से आतंकवादी को उलझाते हुए तथा अलग-अलग पोजीशन पर कवर लेते हुए तेजी से आगे बढ़े और उसे मार गिराया।

मुठभेड़ के पश्चात् तलाशी के दौरान, मुठभेड़ स्थल से 01 एसएलआर, 02 पिस्तौल (9 एमएम) और इनके गोलाबारूद के साथ हिजबुल मुजाहीदीन के तीन आतंकवादियों के शव बरामद किए गए। बाद में, मारे गए आतंकवादियों की पहचान मो. आकिब गुल पुत्र गुलाम दीन डार, निवासी गोरीपुरा, बडगाम (जम्मू और कश्मीर), सज्जाद अहमद गिल्कर पुत्र नजीर अहमद गिल्कर, निवासी नौहट्टा, श्रीनगर (जम्मू और कश्मीर) और तफस्सुल इस्लाम शेख उर्फ जावीद उर्फ उमर पुत्र वली मोहम्मद शेख, निवासी चुरपुरा, बडगाम (जम्मू और कश्मीर) के रूप में की गई।

अभियान के दौरान, निम्न लिखित अधिकारियों और उनके जवानों ने समय की मांग पर इस उद्देश्य के लिए अभूतपूर्व पराक्रम, निष्ठा और समर्पण का प्रदर्शन किया। उन्होंने इस कार्य को त्वरित, कुशल और प्रभावी रूप से पूरा किया। निःस्वार्थ रूप से कार्य करते हुए, उन्होंने राष्ट्र हित की सफलता में काफी योगदान दिया है।

इस अभियान में सर्वश्री रवि शर्मा, सहायक कमांडेंट, नरेश कुमार, सहायक कमांडेंट, बुद्धि सिंह, कांस्टेबल, राहुल सिंह, कांस्टेबल और स्व. मो. यासीन तेली, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाले नियमों के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 11/07/2017 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 87-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

अधिकारियों के नाम और रैंक
सर्व/श्री

1. हरवेश सिंह भदौरिया,
हेड कांस्टेबल
2. अमरेश कुमार जेना,
कांस्टेबल

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

एसआईबी से पुलिस स्टेशन: बेदरे जिला-बीजापुर (छत्तीसगढ़) के अंतर्गत माद के आम क्षेत्र में सीपीआई माओवादियों की मौजूदगी के बारे में विश्वसनीय आसूचना प्राप्त हुई और अपने सूत्रों द्वारा इसकी और पुष्टि की गई। आसूचना इनपुट का विस्तृत विश्लेषण करने के बाद, श्री अशोक कुमार 2 आईसी-204, कोबरा द्वारा श्री मोहित गर्ग, एसपी छत्तीसगढ़ पुलिस के समन्वय से कोबरा/एसटीएफ/डीआरजी/डीएफ के दलों को मिलाकर 05 दिन और 04 रात वाले एक संयुक्त अभियान की योजना बनाई गई। विभिन्न क्षेत्रों को कवर करने के लिए तीन दलों को जिम्मेदारी सौंपी गई। माद क्षेत्र में माओवादियों का मजबूत गढ़ है और विगत में सुरक्षा बलों ने जब कभी भी उस क्षेत्र में प्रवेश किया है, तब उन्होंने उन्हें पूरी ताकत से और आक्रमक ढंग से चुनौती दी है। उक्त क्षेत्र में घने जंगल, पहाड़ी और ऊबड़-खाबड़ भूभाग और कटीली झाड़ियां हैं, जो सैन्य टुकड़ियों के आवागमन को चुनौतीपूर्ण बना देते हैं।

एसटीएफ, डीआरजी और जिला बल के साथ 204 कोबरा का 05 कोबरा कमांडो को पार्टी सं. 1 के साथ भेजा गया, जिसका नेतृत्व श्री मोहित गर्ग, एसपी सिविल पुलिस छत्तीसगढ़ राज्य द्वारा किया जा रहा था। योजना के अनुसार, पार्टी सं. 01 ने दिनांक 17.01.2017 को बेस कैंप बेदरे से प्रस्थान किया और सभी एहतियाती उपाय करते हुए लक्षित क्षेत्रों की ओर रणनीतिक रूप से आगे बढ़ रही थी। दिनांक 17.01.2017 और 18.01.2017 को, पार्टी सं. 01 ने इंगमेटा, हुरागुवली, बटेर, जटेल, ढाबे, पदमेतापरा, टाडेवारा, नूगुर और जटलूर गांवों के सामान्य क्षेत्र में प्रभुत्व स्थापित कर लिया। दिनांक 09.01.2017 को, जब पार्टी गांव बस्तर के जंगल क्षेत्र में गोपनीयता बरकरार रखने के लिए उचित सतर्कता बरतते हुए अपने लक्ष्य की ओर गुप्त रूप से आगे बढ़ रही थी, तो कुछ हथियारबंद माओवादियों ने उन पर गोलियां चला दीं। माओवादियों की गोलीबारी के बाद आईईडी विस्फोट भी हुआ। सैन्य टुकड़ियों ने गोलीबारी का प्रभावी ढंग से जवाब दिया और माओवादियों को क्षेत्र से भागने के लिए मजबूर कर दिया। गोलीबारी के बाद, सैन्य टुकड़ियों द्वारा क्षेत्र की तलाशी ली गई और ईओए स्थल से सैन्य टुकड़ियों द्वारा दैनिक इस्तेमाल की सामग्रियां बरामद की गईं। दिनांक 21.01.2017 को सैन्य टुकड़ियों ने क्षेत्र में प्रभुत्व स्थापित किया और माओवादियों के संभावित मार्गों के क्षेत्र में शीघ्र ही घात लगा दी।

दिनांक 22.01.2017 को, जब पार्टी मारूमवारा के पहाड़ी क्षेत्र में थी, तब उन्होंने वहां एक माओवादी कैंप और एक स्मारक देखा। जब पार्टी क्षेत्र को घेर रही थी, तो माओवादियों ने सैन्य टुकड़ियों पर आईईडी विस्फोट करके हमला कर दिया और सुरक्षा बलों को मारने और उनका हथियार छीनने के इरादे से ऑटोमैटिक/सेमी-ऑटोमैटिक और यूबीजीएल से भारी गोलीबारी शुरू कर दी। लेकिन कोबरा कमांडो के साथ पुलिस पार्टी ने तुरंत कार्रवाई की और पूरी ताकत के साथ जवाबी कार्रवाई की। माओवादी अपने मोर्चे पर टिके नहीं रह सके और झाड़ियों तथा ऊबड़-खाबड़ जमीन का फायदा उठा कर भाग गए। मुठभेड़ के बाद, पार्टी कमांडर ने अपनी पार्टी को दो उप दलों/समूहों में बांट दिया और अगले लक्ष्य की ओर बढ़ने का निर्देश दिया। एक उप-दल का नेतृत्व सिविल पुलिस के निरीक्षक रमाकांत कर रहे थे और 05 कोबरा कमांडो इस उप-दल का हिस्सा थे। दूसरे उप समूह का नेतृत्व मोहित गर्ग, एसपी कर रहे थे, जिसमें सिविल पुलिस के कार्मिक शामिल थे।

दिनांक 22.01.2017 को, जब सैन्य टुकड़ियां लगभग 1400 बजे पदमेता के जंगल क्षेत्र के नजदीक स्थित क्षेत्र में तलाशी ले रही थीं, तो 60-70 सीपीआई (माओवादी) ने आईईडी का उपयोग करते हुए प्रथम उप-समूह पर हमला कर दिया, जिसके बाद सुरक्षा बलों को मारने के इरादे से ऑटोमैटिक और सेमी-ऑटोमैटिक हथियारों से गोलीबारी की भारी बौछार की गई। सूचना प्राप्त होने पर, पार्टी कमांडर श्री मोहित गर्ग, एसपी अपनी सैन्यटुकड़ियों के साथ तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे तथा स्थिति को काबू में किया। पार्टी कमांडर ने प्रथम उप-समूह (ग्रुप) के 05 कोबरा कमांडो और पुलिस कर्मियों को बायीं तरफ से आगे बढ़ने का निर्देश दिया। पार्टी कमांडर के आदेशों का अनुपालन करते हुए, 204 कोबरा के हेड कांस्टेबल (आरओ) हरवेश सिंह भदौरिया और कांस्टेबल/जीडी अमरेश कुमार जेना भारी गोलीबारी के बीच माओवादियों की ओर आगे बढ़े।

एक-दूसरे की पारस्परिक सहायता से रेंगते हुए माओवादियों के ठिकाने की ओर आगे बढ़ते समय, दोनों शूरवीरों ने माओवादियों पर प्रभावकारी ढंग से गोलीबारी की, जिस पर उन्होंने, उन्हें आगे बढ़ने से रोकने और हताहत करने के लिए अपनी गोलीबारी उनकी ओर संकेद्रित कर दी। लेकिन ये दोनों उनमें से नहीं थे, जो मौत से डर जाते। वे इस तथ्य पर ध्यान दिए बिना कि उनके साथी उनसे दूर हैं और जरूरत पड़ने पर गोलीबारी में प्रत्यक्ष सहायता नहीं कर पाएंगे, माओवादियों की ओर आगे बढ़ते रहे ताकि उनके हमले का जवाब देने के लिए प्रभावकारी ढंग से गोलीबारी कर सकें। जब वे माओवादियों के काफी नजदीक पहुंचे और उपयुक्त समय मिला, तो उन्होंने प्राकृतिक आड़ के पीछे अपने ठिकाने पर डटे हुए माओवादियों पर सटीक गोलीबारी की। हेड कांस्टेबल (आरओ) हरवेश सिंह भदौरिया और कांस्टेबल/जीडी अमरेश कुमार जेना द्वारा अपने साथी सैन्य कर्मिकों की सहायता से प्रचण्ड और साहसिक जवाबी हमले के कारण, माओवादी अचम्भित रह गए और घने जंगल एवं ऊबड़-खाबड़ भूमि का फायदा उठाकर घटनास्थल से भाग गए। शत्रुओं पर सफलतापूर्वक जवाबी हमला करने में उक्त दोनों कर्मिकों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मुठभेड़ एक घंटा से अधिक समय तक चली। मुठभेड़ के बाद, पार्टी ने घटनास्थल की पूरी तरह से तलाशी ली और सीपीआई माओवादियों के 02 शव (माओवादी वर्दी में), एक 303 राइफल, एक पिस्तौल, एक देसी राइफल (एसबीएमएल), दो टिफिन बम और बड़ी मात्रा में अन्य आपत्तिजनक सामग्रियां घटनास्थल से बरामद कीं। विभिन्न स्थानों पर बहुत सारे खून के धब्बे भी पाए गए, जो संकेत करते थे कि कई अन्य माओवादी भी गोली का शिकार हुए हैं, लेकिन वे भागने में सफल रहे।

यह अभियान माओवादियों के गढ़ में बहुत बड़ी सफलता थी और यह 204 कोबरा के हेड कांस्टेबल (आरआर) हरवेश सिंह भदौरिया और कांस्टेबल/जीडी अमरेश कुमार जेना, द्वारा प्रदर्शित असाधारण साहस के कारण संभव हुआ। पूरे अभियान के दौरान, हेड कांस्टेबल (आरओ) हरवेश सिंह भदौरिया और कांस्टेबल/जीडी अमरेश कुमार जेना ने अपने ड्यूटी के प्रति उच्च स्तर का समर्पण प्रदर्शित किया। उनका सिविल पुलिस के साथ बहुत अच्छा समन्वय था और अपने जीवन को अत्यधिक जोखिम में डाल कर सीपीआई (माओवादी) के विरुद्ध लड़े और 02 सीपीआई माओवादियों को मारने तथा शस्त्र, विस्फोटक पदार्थ एवं अन्य सामग्रियों को बरामद करने में सफल रहे। एच.सी. (आरओ) हरवेश सिंह भदौरिया ने अन्य उप-समूहों के बीच बेहतर तालमेल बनाने के लिए अपने कमांडर और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को सभी बिन्दुओं के बारे में वायरलेस सेट के माध्यम से सूचना भी संप्रेषित की। अतः दोनों कर्मिकों ने अभियान के दौरान न केवल अपने जीवन को अत्यधिक जोखिम में डाला, बल्कि अनुकरणीय साहस और कर्तव्यपरायणता का प्रदर्शन भी किया।

इस अभियान में सर्वश्री हरवेश सिंह भदौरिया, हेड कांस्टेबल और अमरेश कुमार जेना, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाले नियमों के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 22.01.2017 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 88-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के निम्नलिखित अधिकारी को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

अधिकारी का नाम और रैंक

श्री अनुराग कुमार सिंह
सहायक कमांडेंट

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 01 अगस्त, 2017 को घनघोर अंधेरी रात में लगभग 0200 बजे हाखरीपुरा गांव के एक घर में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में 55 आरआर को एक सूचना प्राप्त हुई। पुलवामा जिला में हाखरीपुरा के सामान्य क्षेत्र में असॉल्ट टीम की कुल 04 कंपनियों के साथ 55 आरआर (ग्रेनेडियर) द्वारा 01 अगस्त, 2017 को बटालियन स्तर की एक 'ओपी' शुरू किया गया। श्री अनुराग कुमार सिंह, एसी (जीडी), डेल्टा कंपनी 55 आरआर (ग्रेनेडियर) के कंपनी कमांडर, लक्षित घर के चारों तरफ की गई शुरूआती घेराबंदी का हिस्सा थे, जिसने जमीनी स्तर पर अन्य दलों के साथ गहन समन्वय बना रखा था।

आतंकवादियों के साथ संपर्क स्थापित होते ही सभी दलों के लिए लड़ाई में एक-दूसरे को पूर्ण सहयोग प्रदान करके आतंकवादियों का सफाया सुनिश्चित करना अनिवार्य था, जिसे अधिकारी और उनके दल द्वारा सही समय पर और पेशेवराना कौशल के साथ निष्पादित किया गया। हाखरीपुरा में चलाया गया अभियान एलईटी के दो खूंखार आतंकवादियों के सफाए के साथ सम्पन्न हुआ, जिसमें एलईटी का डिवीजनल कमांडर, ए++ श्रेणी आतंकवादी अबू दुजाना शामिल था।

अधिकारी ने अपनी निजी सुरक्षा को अनदेखा करते हुए उत्कृष्ट शौर्य और दल-भावना का प्रदर्शन किया और अपनी सैन्य-टुकड़ियों पर उत्कृष्ट कमान और नियंत्रण दिखाया जिससे अभियान का सहज और सफल संचालन सुनिश्चित हुआ। अधिकारी द्वारा प्रदर्शित साहसिक कार्य से अनुकरणीय मानक स्थापित हुए हैं।

इस अभियान में श्री अनुराग कुमार सिंह, सहायक कमांडेंट ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाले नियमों के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 01.08.2017 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 89-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, मेघालय पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

अधिकारियों के नाम और रैंक
सर्व/श्री

01. एंथनी च मोमिन,
उप पुलिस अधीक्षक
02. कृपनोस जी. मोमिन,
उप निरीक्षक
03. जेफरी एम. मोमिन,
उप निरीक्षक
04. रनोज राभा,
कांस्टेबल
05. जींसिंग के. मारक,
कांस्टेबल
06. गृथिन आर. मारक,
कांस्टेबल
07. माथियास के. संगमा,
कांस्टेबल
08. जिम जी. मोमिन,
कांस्टेबल

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

चीतमंग हिल्स और रोंगसू क्षेत्र के जंगली इलाके में सोहन डी. शीरा, जीएनएलए कमांडर-इन-चीफ और अन्य जीएनएलए कैडरों की मौजूदगी के संबंध में विश्वस्त स्रोत से सूचना के आधार पर, उक्त क्षेत्र में निरंतर विद्रोह-रोधी अभियान शुरू किए गए थे। दिनांक 27 जून, 2017 को लगभग 6:30 पूर्वाह्न में, श्री एंथनी च मोमिन, एमपीएस, उप पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) बाघमारा के नेतृत्व में एक पुलिस अभियान दल, जिसकी सहायता 16 एसएफ-10 कमांडो और 3 एबी कांस्टेबलों के साथ एसआई कृपनोस जी. मोमिन और एसआई जेफरी एम. मोमिन द्वारा की जा रही थी, दवेकपेसरा के जंगल के अंदर स्थित गारो नेशनल लिबरेशन आर्मी कैंप पहुंचा।

जीएनएलए दिनांक 12.01.2012 की स्थिति के अनुसार गृह मंत्रालय की दिनांक 12.01.2012 की अधिसूचना का.जा. 62(अ) के तहत एक प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन है और इसके कैंडर मेघालय के गारो हिल्स जिले के लोगों के बीच आतंक और भय फैलाने के लिए जाने जाते हैं। श्री एंथनी च मोमिन, उप पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) ने पार्टी को 4 (चार) समूहों में बांटा। केंद्रीय हमला समूह में 8 (आठ) लोग नामतः श्री एंथनी च मोमिन, उप पुलिस अधीक्षक, एसआई कृपनोस जी. मोमिन, एसआई जेफरी एम. मोमिन, कांस्टेबल रानोज राभा, कांस्टेबल जीसिंग के. मारक, कांस्टेबल गृथिन आर. मारक, कांस्टेबल माथियास के. संगमा और कांस्टेबल जिम जी. मोमिन शामिल थे। शेष 14 (चौदह) कार्मिकों को 3 (तीन) समूहों में बांटा गया, दोनों किनारों के लिए दो समूह और शेष एक अतिरिक्त दल को प्रतीक्षारत रखा गया।

पुलिस टीम जीएनएलए आतंकवादियों की ओर से भारी गोलीबारी में फंस गई जिससे पुलिस टीम प्रतिशोध के लिए बाध्य हो गई। इसके बाद शुरू हुई गोलीबारी में, श्री एंथनी च मोमिन, उप पुलिस अधीक्षक, एसआई कृपनोस जी. मोमिन और एसआई जेफरी एम. मोमिन ने असाधारण साहस दिखाया और कांस्टेबल रानोज राभा, जीसिंग के. मारक, गृथिन आर. मारक, माथियास के. संगमा और जिम जी. मोमिन से बने हमला दल का नेतृत्व सामने से किया। श्री एंथनी च मोमिन, उप पुलिस अधीक्षक, 2 (दो) उप-निरीक्षकों और 5 (पांच) कांस्टेबलों ने लगातार संघर्ष किया और इस तरह से चाल चली कि जीएनएलए आतंकवादियों को पीछे हटना पड़ा और वे घने जंगलों की ओर भाग गए। इस कार्रवाई में, श्री एंथनी च मोमिन, उप पुलिस अधीक्षक, 2 (दो) उप-निरीक्षकों और 5 (पांच) कांस्टेबलों ने असाधारण धैर्य, परिरक्षण और रणनीतिक सूझबूझ का प्रदर्शन किया और रणनीतिक युद्ध का सामना उच्च कोटि की पेशेवराना दक्षता के साथ किया।

जीएनएलए की ओर से गोलीबारी रुकने के बाद, हमला दल और बगल की टीमों आगे बढ़ीं और क्षेत्र की तलाशी ली और कैम्प के नजदीक जीएनएलए कैंडर का एक शव पाया। मृत जीएनएलए कैंडर की पहचान उसके शव से बरामद पहचान-पत्र से अडिंग च मारक के रूप में की गई। उसे जीएनएलए के 6वें बैच के कैंडर लुकसैंग च मारक के रूप में भी जाना जाता था। अडिंग च मारक उर्फ लुकसैंग च मारक एक कट्टर जीएनएलए उग्रवादी था और बाद की सूचना से पता चला कि वह सोहन डी. शीरा का निजी बॉडीगार्ड था और जीएनएलए के पदक्रम में उच्च स्तर पर स्थापित था। संगठन के प्रमुख सोहन डी. शीरा, जिसने गारो हिल्स जिले में अपहरण, धन उगाही और हत्या की अनेक घटनाओं को अंजाम दिया था, से निकटता के कारण वह उस क्षेत्र का अत्यधिक खतरनाक व्यक्ति था। तथापि, कमांडर-इन-चीफ सोहन डी. शीरा सहित वहां पर मौजूद अन्य जीएनएलए कैंडर, बारिश और घने जंगल का फायदा उठाकर वहां से भागने में सफल रहे। घटना स्थल से निम्नलिखित सामग्रियां बरामद की गईं और इसे विधिवत रूप से जब्त किया गया: (1) 1 (एक) एके-56 राइफल, (2) 4 (चार) मैगजीनें, (3) एके-56 गोलाबारूद, (4) पहचान-पत्र, (5) 2 (दो) मोबाइल फोन, (6) 2 (दो) आईईडी रिमोट कंट्रोल, (7) चार्जर के साथ 1 (एक) लैपटॉप, (8) डिमांड नोट पैड, (9) जीएनएलए का झण्डा, (10) डेटोनेटर और (11) अन्य आपत्तिजनक सामग्रियां। यह धारा 25 (1क)/27(2) आयुध अधिनियम और धारा 16/17/18/19/20/21 के साथ पठित भारतीय दंड संहिता की धारा 120 (ख)/21/121(क)/122/307/353 के अंतर्गत बाघमारा सदर पुलिस स्टेशन के मामला सं.33(6)2017 के संदर्भ में है।

अपनी टीम के साथ, श्री एंथनी च मोमिन, उप पुलिस अधीक्षक ने जीएनएलए उग्रवादियों के विरुद्ध विद्रोह-रोधी अभियान के लिए गारो हिल्स के सुदूर आंतरिक और घने जंगल क्षेत्र में अत्यधिक बहादुरी के साथ कार्रवाई की। जीएनएलए उग्रवादियों की भारी गोलीबारी के बावजूद अपने प्रेरणादायी अदम्य शौर्य के साथ, वे भारी हथियारों से लैस जीएनएलए उग्रवादियों की ओर अपनी सर्विस हथियार से निरंतर गोलीबारी करते हुए दौड़े, जिसमें जीएनएलए के एक खूंखार कैंडर को गोली लगी और उसकी वहीं पर मृत्यु हो गई। इस विद्रोह-रोधी अभियान के कारण, जीएनएलए उग्रवादियों का कैंप तबाह हो गया और पूरा उग्रवादी कैंडर बिखर गया जिससे जीएनएलए संगठन कमजोर और अस्त-व्यस्त हो गया। इसके अतिरिक्त यह सुनिश्चित करने के बाद कि टीम के सभी सदस्य सुरक्षित एवं यथावत हैं, उन्होंने अपनी टीम को उग्रवादियों को पीछा करने के लिए प्रेरित किया और आसपास के पूरे क्षेत्र की तलाशी ली।

इस अभियान में श्री सर्व/श्री एंथनी च मोमिन, उप पुलिस अधीक्षक, कृपनोस जी. मोमिन, उप निरीक्षक, जेफरी एम. मोमिन, उप-निरीक्षक, रनोज राभा, कांस्टेबल, जीसिंग के. मारक, कांस्टेबल, गृथिन आर. मारक, कांस्टेबल, माथियास के. संगमा, कांस्टेबल और जिम जी. मोमिन, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाले नियमों के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 27.06.2017 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 90-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

अधिकारियों के नाम और रैंक
सर्व/श्री

1. वरुण शर्मा,
सहायक कमांडेंट
2. राजबर्धन,
सहायक कमांडेंट
3. इन्दांल,
सहायक उप-निरीक्षक
4. जवेद अख्तर,
हेड कांस्टेबल

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 06 नवम्बर, 2017 को लगभग 1630 बजे, राज्य पुलिस से जम्मू और कश्मीर में पुलवामा जिला, पुलिस स्टेशन राजपुरा के अंतर्गत अगलर कांडी गांव के क्षेत्र में 3-4 आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में विशेष सूचना प्राप्त हुई। अगलर कांडी गांव पुलवामा, शोपियां और बडगाम जिलों के त्रि-जंक्शन पर अवस्थित है। यह पहाड़ पर स्थित एक अलग गांव है, जहां लगभग 100 से अधिक घर हैं जो जंगल और सेब के बगीचों से घिरे हुए हैं। अगलर कांडी का रास्ता पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण ढलान और उतार-चढ़ाव से भरा है। निकटवर्ती जंगल, आतंकवादियों को उपयुक्त कवर और शरण प्रदान करता है और तीन जिलों के त्रि-जंक्शन के पास होने से इसका अपना महत्व है। यहां के निवासी विशेषकर सुरक्षा बलों के प्रति शत्रुतापूर्ण भाव रखते हैं जो अभियानों को और अधिक चुनौतीपूर्ण बना देता है।

उपर्युक्त तथ्यों और सूचना को ध्यान में रखते हुए, स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) और त्वरित कार्रवाई दल (क्यूएटी), 182 और 183 बटालियन, सीआरपीएफ द्वारा 44 आरआर और एसओजी (जेकेपी), पुलवामा के साथ एक संयुक्त घेराबंदी और तलाशी अभियान (सीएएसओ) की योजना बनाई और शुरू की गई। लक्षित गांव पहुंचने के बाद, संयुक्त बलों द्वारा एक सख्त घेराबंदी की गई। घेराबंदी कर दिए जाने और भागने के सभी रास्तों को बंद कर दिए जाने के बाद, तो सैन्य टुकड़ियां संदिग्ध घरों के चारों तरफ घेराबंदी सख्त करने के लिए आगे बढ़ीं। संदिग्ध घरों की तलाशी लेने के लिए, तीन तलाशी दल गठित किए गए। पहले दल में, श्री वरुण शर्मा, सहायक कमांडेंट, 182 बटालियन, सीआरपीएफ की कमान के अंतर्गत एसओजी-182 बटालियन शामिल थी, दूसरे दल में श्री राजबर्धन, सहायक कमांडेंट, 183 बटालियन सीआरपीएफ की कमान के अंतर्गत एसओजी-183 बटालियन शामिल थी और तीसरे दल में मेजर के.पी. सिंह, 44 आरआर की कमान के अंतर्गत 44 आरआर और एसओजी सिविल पुलिस के घटक शामिल थे।

घेराबंदी करने के बाद, लगभग 1715 बजे तलाशी दलों ने संदिग्ध घरों की तलाशी शुरू थी। 02 घरों की तलाशी करने के बाद, जब सैन्य टुकड़ियां तीसरे घर की ओर पहुंचीं, तो घर में शरण लिए आतंकवादियों ने तलाशी दल पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, जिससे 03 सैन्यकर्मियों गंभीर रूप से घायल हो गए। श्री वरुण शर्मा और श्री राजबर्धन के दलों ने गोलीबारी का प्रभावी जवाब दिया और एक-दूसरे को उपयुक्त कवर फायर देते हुए घायल आरआर जवानों को बचाकर निकालने में सफल रहे। बाद में, एक घायल जवान ने घायल होने की वजह से दम तोड़ दिया। चूंकि यह पहाड़ी क्षेत्र था, सड़क काफी ऊंची और ऊबड़-खाबड़ थी, जिसके दोनों तरफ ढलान थी, इसलिए श्री वरुण शर्मा और उनके साथी सहायक उप निरीक्षक इन्दांल लक्षित घर के दक्षिण-पश्चिम में स्थित सेब के बगीचे के मुहाने पर इसी तरह की ढलान पर मोर्चा संभाले हुए थे, जबकि राजबर्धन और उनके साथी हेड कांस्टेबल जवेद अख्तर 183 बटालियन ने लक्षित घर के पश्चिम में स्थित चिनार के पेड़ों के पीछे मोर्चा संभाल रखा था। आतंकवादियों पर आक्रामक हमला आक्रमण करने से पहले, पब्लिक एंट्री सिस्टम से उद्घोषणा की गई और आतंकवादियों से आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, जिसका उन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा, क्योंकि वे लक्षित घर से निरंतर गोलीबारी कर रहे थे।

बलों ने भी प्रभावी जवाबी कार्रवाई की जिससे बचकर भागने के सारे अवसर समाप्त हो गए। चूंकि छोटे शस्त्रों से गोलीबारी का कोई असर नहीं हो रहा था, इसलिए तो लक्षित घर पर राइफेट लॉन्चर दागे गए। घर पर की गई प्रचण्ड गोलाबारी ने तीन आतंकवादियों को सुरक्षा के लिए घर छोड़ने पर मजबूर कर दिया। आतंकवादी बचकर भागने के लिए सभी दिशाओं में गोलीबारी करते हुए घर से बाहर

भाग। इस स्थिति के लिए सैन्य टुकड़ियां पूर्णतः तैयार थीं क्योंकि उन्होंने बचकर भागने के सभी रास्ते बंद कर रखे थे। आतंकवादियों द्वारा घटनास्थल से बचकर भागने के लिए किए गए प्रयास को सैन्य टुकड़ियों द्वारा विफल कर दिया गया। श्री वरुण शर्मा, श्री राजबर्धन, एसआई इन्दाल कुमार और कांस्टेबल जवेद अख्तर ने आतंकवादियों को आगे बढ़ने से रोक दिया, जिसके कारण उन्होंने विभिन्न दिशाओं में भागने का प्रयास किया। उनमें से एक सेब के बगीचों के दाहिनी ओर भागा, जहां ढलान पर वरुण शर्मा और एसआई इन्दाल ने मोर्चा संभाल रखा था।

अंधाधुंध गोलीबारी करते हुए आतंकवादी आगे बढ़ते रहे और उन्होंने सुरक्षा कर्मियों को चकमा देने का प्रयास किया, लेकिन सतर्क वरुण शर्मा और एसआई इन्दाल ने उनके लिए कोई विकल्प नहीं छोड़ रखा था। दोनों ने सारी सावधानियों को किनारे रख कर अत्यधिक फुर्ती और रणनीतिक सूझबूझ का प्रदर्शन करते हुए, बंजर बगीचे में उपलब्ध आड़ लेते हुए, बगीचे के नीचे तक भाग रहे आतंकवादी का पीछा किया। भाग रहे आतंकवादी के नजदीक पहुंचने और उपयुक्त अवसर पाकर, दोनों ने आतंकवादी पर गोली चला दी और उसे ढेर कर दिया। इसी बीच, बचकर भागने का कोई रास्ता न देख, दूसरा आतंकवादी उस दिशा में भागा, जहां श्री राजबर्धन और हेड कांस्टेबल जवेद अख्तर ने मोर्चा संभाल रखा था। इस बात को भलीभांति जानते हुए कि वह घिर चुका है, आतंकवादी निरंतर भारी गोलीबारी करता रहा। असाधारण रणनीतिक सूझबूझ और अदम्य साहस का प्रदर्शन करते हुए, श्री राजबर्धन और जवेद अख्तर स्वयं को जोखिम में डाले बिना गुप्त और रणनीतिक रूप से आतंकवादियों की पोजीशन के नजदीक पहुंचे। सही जगह पहुंचने पर वे दोनों सभी सावधानियों को ताक पर रखते हुए अपनी कवर से बाहर निकले और भाग रहे आतंकवादी पर गोली चला दी, जिससे वह घटनास्थल पर ही ढेर हो गया। तीसरे आतंकवादी, जो पूर्वी दिशा में भागा था, को भी 44 आरआर एवं एसओजी (जेकेपी) के दल द्वारा ढेर कर दिया गया।

तत्पश्चात, 182 बटालियन, 183 बटालियन सीआरपीएफ, 44 आरआर और सिविल पुलिस से बने तलाशी दल ने क्षेत्र की तलाशी ली, जिसके परिणामस्वरूप तीन मारे गए आतंकवादियों के शव बरामद हुए। उनकी पहचान तलहा राशिद, जेईएम (एफटी) श्रेणी ए++, मोहम्मद भाई जेईएम (एफटी), श्रेणी ए++ तथा वसीम अहमद गनी, जेईएम, श्रेणी सी, निवासी द्रुबगाम, पुलवामा के रूप में की गई। इसके अतिरिक्त, सैन्य टुकड़ियों ने मारे गए आतंकवादियों से एक एके-74 राइफल, एक 5.56 एमएम कार्बाइन, एक पिस्तौल, मैगजीन और समतुल्य गोलाबारूद भी बरामद किया।

इस अभियान में, श्री वरुण शर्मा, सहायक कमांडेंट श्री राजबर्धन, सहायक कमांडेंट, एसआई इन्दाल और हेड कांस्टेबल जवेद अख्तर ने उत्कृष्ट रणनीतिक क्षमता, प्रशंसनीय दक्षता और उच्च कोटि की तत्परता, अदम्य साहस एवं अपने ड्यूटी के प्रति उच्च कोटि की प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया। उन्होंने चुनौतीपूर्ण भूभाग और सहयोग न करने वाली स्थानीय जनता के बावजूद तीनों आतंकवादियों का खात्मा सुनिश्चित किया।

इस अभियान में सर्वश्री वरुण शर्मा, सहायक कमांडेंट, राजबर्धन, सहायक कमांडेंट, इन्दाल, सहायक उप-निरीक्षक और जवेद अख्तर, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाले नियमों के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिया जा रहे हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 06.11.2017 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 91-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, दिल्ली पुलिस के निम्नलिखित अधिकारी को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार प्रदान करते हैं:—

अधिकारी का नाम और रैंक

श्री राहुल कुमार,
उप निरीक्षक

(वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार)

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 13.09.2008 को, गम्फार मार्केट, करोल बाग, सेन्ट्रल पार्क, कर्नाट प्लेस, बाराखम्बा रोड और ग्रेटर कैलाश, दिल्ली में एक के बाद एक बम विस्फोट की घटनाओं की सूचना प्राप्त हुई। तीन बमों को निष्क्रिय कर दिया गया था, एक रीगल सिनेमा में, एक

सेन्ट्रल पार्क, कनॉट प्लेस में और एक चिल्ड्रन्स पार्क, इंडिया गेट, नई दिल्ली में। विस्फोट की उपर्युक्त घटनाओं में 26 लोग मारे गए और 133 घायल हो गए। भारतीय दंड संहिता की धारा 302/323/121/34, विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की धारा 3/4/5, विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 10/12/13 के तहत पुलिस स्टेशन, करोल बाग, दिल्ली की दिनांक 13.09.2008 की प्राथमिकी सं.166/08 के तहत विस्फोट के एक मामले की जांच विशेष प्रकोष्ठ/एनडीआर को अंतरित कर दी गई थी।

मामलों की जांच करने और दोषियों को कानून के शिकंजे में लाने के लिए दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ में एक विशेष दल गठित किया गया था, जो राजधानी के पुलिस बल की आतंकवादी-रोधी इकाई है। आसूचना एजेंसी से प्राप्त आंकड़ों और सूचनाओं के विश्लेषण के पश्चात वे दिल्ली के जामिया नगर में बटला हाउस के क्षेत्र में पहुंचे जहां संदिग्ध मॉड्यूल एक फ्लैट में छिपा हुआ था।

दिनांक 19.09.2008 को, निरीक्षक मोहन चन्द शर्मा की अगुवाई वाला एक दल आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए पहले उस स्थान पर गया। एक बैकअप दल को भू-तल पर तैनात कर दिया गया। निरीक्षक मोहन चन्द शर्मा, जो प्रथम दल की अगुवाई कर रहे थे, ने उप निरीक्षक धर्मेन्द्र को मोबाइल संख्या 9811004309 के प्रयोक्ता की पहचान सुनिश्चित करने के स्पष्ट उद्देश्य के साथ मोबाइल सेवा प्रदाताओं के एक कर्मचारी के भेष में फ्लैट संख्या 108 के भीतर जाने का निर्देश दिया।

उप निरीक्षक धर्मेन्द्र पहले सीढ़ियों से एल-18, बटला हाउस के फ्लैट संख्या 108 की ऊपरी मंजिल पर गए। उन्हें अपार्टमेंट में कुछ आवाजें सुनाई दीं और उन्होंने निरीक्षक मोहन चन्द शर्मा को सूचित करने के लिए वापस आने का निर्णय लिया, जिन्होंने बाद में अपार्टमेंट के व्यक्तियों की छानबीन करने के लिए साथ-साथ जाने का निर्णय लिया। निरीक्षक मोहन चन्द शर्मा, उप निरीक्षक राहुल कुमार, उप निरीक्षक धर्मेन्द्र कुमार, उप निरीक्षक रविन्द्र त्यागी, हेड कांस्टेबल बलवंत, हेड कांस्टेबल सतेन्द्र और हेड कांस्टेबल उदयबीर सहित एक सात सदस्यीय दल इस भवन की ऊपरी मंजिल पर गया, जहां यह फ्लैट संख्या 108 स्थित था।

निरीक्षक मोहन चन्द शर्मा ने आगे का दरवाजा खटखटाया और उन्हें अपने पुलिस कार्मिक होने की सूचना देते हुए दरवाजा खोलने के लिए कहा। किसी ने भी दरवाजा नहीं खोला। फिर उन्होंने दरवाजे को धकेलने की कोशिश की, परन्तु इसमें भीतर से कुंडी लगी हुई थी। फिर उन्होंने दूसरे दरवाजे को धक्का दिया, जो भीतर से बंद नहीं था और निरीक्षक मोहन चन्द शर्मा की अगुवाई वाला दल इस दरवाजे से फ्लैट में घुस गया। तत्काल, अपार्टमेंट के बाईं ओर के कमरे के साथ-साथ ड्राइंग रूम की दाईं ओर से पुलिस दल पर गोलियों की बौछार आई। निरीक्षक मोहन चन्द शर्मा, उप निरीक्षक राहुल कुमार, उप निरीक्षक रविन्द्र त्यागी, हेड कांस्टेबल बलवंत ने भी आत्मरक्षा में और आतंकवादियों को गिरफ्तार करने के विचार से जवाबी गोलीबारी की, क्योंकि वे दोनों ओर से आ रही आतंकवादियों की गोलीबारी के बीच फंस गए थे। आतंकवादी अत्याधुनिक आग्नेयास्त्रों से गोलीबारी कर रहे थे। गोलीबारी के दौरान, निरीक्षक मोहन चन्द शर्मा गोली लगने से घायल हो गए और वे नीचे गिर गए, फिर उप निरीक्षक धर्मेन्द्र ने अनुकरणीय साहस दिखाया और घायल निरीक्षक मोहन चन्द शर्मा की सरकारी पिस्तौल उठा ली तथा उन्होंने उप निरीक्षक राहुल कुमार और हेड कांस्टेबल बलवंत के साथ बहादुरी से ड्राइंग रूम में मौजूद आतंकवादियों का सामना किया। जवाबी गोलीबारी के दौरान, वे आतंकवादियों की गोलीबारी की सीध में थे और उनके पास अपनी सुरक्षा के लिए कोई कवर नहीं था। यह बहुत निकट की गोलीबारी थी। उप निरीक्षक रविन्द्र त्यागी आतंकवादियों के सामने थे, जो बाईं ओर के कमरे से गोलीबारी कर रहा था। उप निरीक्षक रविन्द्र त्यागी ने बहादुरी से आत्मरक्षा में उस आतंकवादी का बहादुरीपूर्वक सामना किया। गोलीबारी के दौरान, आतंकवादियों द्वारा चलाई गई एक गोली हेड कांस्टेबल बलवंत की दाईं बाजू में लग गई और उनकी पिस्तौल नीचे गिर गई, परन्तु इसे आतंकवादियों के हाथों में जाने से बचाने के लिए उन्होंने अपनी हिम्मत जुटाते हुए अपने बाएं हाथ से पिस्तौल उठा ली। आतंकवादियों के साथ बंदूक की लड़ाई के दौरान, निरीक्षक मोहन चन्द शर्मा के घायल होने के पश्चात उप निरीक्षक राहुल कुमार ने सामने से दल की अगुवाई की और आतंकवादियों की गोलियों की बौछार का सामना किया। उप निरीक्षक राहुल कुमार ने आगे से आतंकवादियों का सामना किया और अपने दल के सदस्यों को घायल निरीक्षक मोहन चन्द शर्मा और हेड कांस्टेबल बलवंत को तत्काल अस्पताल ले जाने का भी निर्देश दिया।

गोलीबारी के दौरान एक आतंकवादी, जिसकी पहचान बाद में मोहम्मद आतिफ अमीन उर्फ बशीर के रूप में की गई, गोली लगने से घायल हो गया, जबकि दो आतंकवादियों जिनकी पहचान बाद में आरिज उर्फ जुनैद और शाहबाज उर्फ पप्पू के रूप में की गई, पुलिस दल पर गोलीबारी करते हुए घटना स्थल से बच निकले। निरीक्षक मोहन चन्द शर्मा और हेड कांस्टेबल बलवंत सिंह को उप निरीक्षक धर्मेन्द्र और हेड कांस्टेबल उदयबीर के द्वारा अस्पताल भेजा गया। कुछ आतंकवादी अभी भी बाईं तरफ के कमरे में छिपे हुए थे। उनके बच निकलने के रास्ते को उप निरीक्षक राहुल कुमार, उप निरीक्षक रविन्द्र त्यागी और हेड कांस्टेबल सतेन्द्र द्वारा अवरुद्ध कर दिया गया। इसी बीच, हेड कांस्टेबल राजबीर सिंह सहित एसीपी संजीव कुमार यादव की अगुवाई वाला बैकअप दल, जो बुलेटप्रूफ जैकेट और हथियारों से लैस था, भी फ्लैट में पहुंच गया। उप निरीक्षक राहुल, जो वहां पहले से मौजूद थे, ने एसीपी संजीव कुमार यादव को घटना के बारे में

सूचित किया तथा अन्य आतंकवादियों के बारे में भी बताया, जिन्होंने पुलिस दल पर गोलीबारी की थी और बाईं ओर के कमरे में छिपे हुए थे। एसीपी श्री संजीव कुमार यादव ने बाईं ओर के कमरे में छिपे हुए आतंकवादियों से पुलिस दल के सामने आत्मसमर्पण करने के लिए कहा, परन्तु उन्होंने कोई उत्तर नहीं दिया। तब एसीपी श्री संजीव कुमार यादव और हेड कांस्टेबल राजबीर सिंह ने आतंकवादियों को गिरफ्तार करने के लिए बहादुरी से उस कमरे में प्रवेश करने का प्रयास किया परन्तु उनमें से एक आतंकवादी पुलिस दल पर गोलीबारी करते हुए बालकनी के दरवाजे की ओर चला गया। एसीपी श्री संजीव कुमार यादव आतंकवादी की गोलीबारी की एकदम सीध में थे और चलाई गई एक गोली निडर एसीपी के नजदीक से निकल गई। श्री संजीव कुमार यादव ने तत्काल आत्म रक्षा में जवाबी कार्रवाई की। आतंकवादी बच निकलने और नुकसान पहुंचाने के लिए पुलिस दल पर लगातार गोलीबारी करते रहे और चलाई गई दो गोलियां हेड कांस्टेबल राजबीर के सीने में लग गई, परन्तु वे अपने द्वारा पहनी हुई बुलेटप्रूफ जैकेट के कारण बच गए। हेड कांस्टेबल राजबीर ने तुरंत आत्मरक्षा में अपनी एके47 असाल्ट राइफल से जवाबी गोलीबारी की। एसीपी श्री संजीव कुमार यादव ने अत्यधिक सूझबूझ, हिम्मत और अडिग दृढ़ निश्चय के साथ खूंखार आतंकवादी को निष्क्रिय कर दिया।

बैकअप दल द्वारा दुतरफा गोलीबारी में आतंकवादी मोहम्मद साजिद उर्फ पंकज घायल हो गया, जबकि अन्य आतंकवादी जिसकी पहचान मोहम्मद सैफ उर्फ राहुल शर्मा के रूप में की गई थी, ने पुलिस दल के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। दोनों घायल आतंकवादियों, मोहम्मद आतिफ अमीन और मोहम्मद साजिद को अस्पताल ले जाया गया और उन्हें एम्स अस्पताल में मृत लाया हुआ घोषित कर दिया गया। घायल होने के कारण निरीक्षक मोहन चंद शर्मा की भी उसी दिन अस्पताल में मृत्यु हो गई।

आतंकवादियों से 30-30 राउंड लोड की हुई 2 मैगजीनों के साथ एक एके सीरीज की असाल्ट राइफल और .30 कैलिबर की दो पिस्तौलें बरामद हुईं। एक आतंकवादी नामतः मोहम्मद सैफ निवासी आजमगढ़, उत्तर प्रदेश को भी फ्लैट सं. 108, एल-18 बटला हाउस, जामिया नगर, दिल्ली से गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के दौरान, मोहम्मद सैफ ने दिल्ली, अहमदाबाद, जयपुर और भारत के अन्य भागों में सिलसिले-वार विस्फोटों में अपनी संलिप्तता स्वीकार की। फ्लैट की सरसरी तौर पर तलाशी करने पर 2 लैपटॉप, मोबाइल फोन, पेन ड्राइव, इंटरनेट डाटा कार्ड, काम्पैक्ट डिस्क, डिजिटल वीडियो कैसेट, टूटी हुई सिम, विभिन्न कंपनियों के सिम कार्ड, साइकिल बाल बेयरिंग, जिहाद से संबंधित आपत्तिजनक दस्तावेज आदि बरामद हुए।

इन गुटों के सदस्यों की संलिप्तता से संबंधित सूचना को केंद्रीय आसूचना एजेंसियों, राजस्थान, मुम्बई, गुजरात, उत्तर प्रदेश और अन्य राज्य पुलिस के साथ साझा किया गया। वर्तमान सिलसिले-वार विस्फोटों में, दिल्ली पुलिस द्वारा पांच आरोपी व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है और महाराष्ट्र पुलिस द्वारा बीस आरोपी व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है तथा यूपी पुलिस द्वारा एक आरोपी व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ के दौरान, इन सभी ने दिल्ली पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए आरोपी व्यक्तियों द्वारा किए गए प्रकटीकरण की पुष्टि की है। एसीपी श्री संजीव कुमार यादव, उप निरीक्षक राहुल कुमार, उप निरीक्षक धर्मेन्द्र, उप निरीक्षक रविन्द्र त्यागी, हेड कांस्टेबल बलवंत और हेड कांस्टेबल राजबीर द्वारा दिखाई गई अत्यधिक वीरता और अनुकरणीय साहस के कारण गोलीबारी के दौरान दो आतंकवादियों को निष्क्रिय कर दिया गया, एक आतंकवादी को जिंदा गिरफ्तार किया गया और आतंकवादी गुट इंडियन मुजाहिद्दीन के सम्पूर्ण मांड्यूल को ध्वस्त कर दिया गया। घबराए और भयभीत हुए बिना एसीपी श्री संजीव कुमार यादव ने अपनी सरकारी पिस्तौल से 2 राउंड गोलियां चलाई, उप निरीक्षक राहुल कुमार ने 5 राउंड गोलियां चलाई, उप निरीक्षक रविन्द्र त्यागी ने 4 राउंड गोलियां चलाई, हेड कांस्टेबल बलवंत ने 2 राउंड गोलियां चलाई, उप निरीक्षक धर्मेन्द्र ने निरीक्षक मोहन चन्द शर्मा की सरकारी पिस्तौल से 2 राउंड गोलियां चलाई और हेड कांस्टेबल राजबीर ने अपनी सरकारी एके-47 से 3 राउंड गोलियां चलाई तथा इन सभी ने आतंकवादियों को मार गिराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उपर्युक्त सभी अधिकारियों ने अपनी जान को जोखिम में डाल दिया और इस अभियान में विशिष्ट रूप से अनुकरणीय साहस, बहादुरी और प्रेरणा का प्रदर्शन किया। दिल्ली पुलिस की बहादुरीपूर्ण कार्रवाई ने न केवल विभिन्न राज्यों की पुलिस के शीर्षस्थ रैंकों और मीडिया से, अपितु आम लोगों से भी बड़ी प्रशंसा प्राप्त की। उन्होंने वीरता और अपने कर्तव्य के प्रति समर्पण का एक उदाहरण प्रस्तुत किया।

इस मुठभेड़ में, श्री राहुल कुमार, उप निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाले नियमों के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 19.09.2008 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 92-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, दिल्ली पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार/वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

अधिकारियों के नाम और रैंक
सर्व/श्री

- | | |
|---|---|
| 1. रविन्दर कुमार त्यागी,
उप-निरीक्षक | (वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार) |
| 2. राजेन्द्र कुमार,
कांस्टेबल | वीरता के लिए पुलिस पदक |
| 3. गुरमीत सिंह,
कांस्टेबल | वीरता के लिए पुलिस पदक |

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 07.03.2006 को 7 बजे अपराहन को स्पेशल सेल द्वारा तकनीकी निगरानी के माध्यम से विशिष्ट सूचना जुटाई गई कि आतंकवाद से संबंधित कई मामलों में वांछित लश्कर-ए-तैयबा का आतंकवादी गुलाम यजदानी, निवासी हैदराबाद, दिल्ली में आतंकवादी गतिविधियों के लिए शस्त्र, गोलाबारूद और विस्फोटक पदार्थों के साथ मारुति कार संख्या यूपी-21-3851 में टी प्वाइंट, अलीपुर-नरेला रोड, होलम्बी कलां, मेट्रो विहार, दिल्ली में 5-6 बजे पूर्वाह्न के बीच आएगा। तत्काल, एसआई रविन्दर कुमार त्यागी, एसआई अनिल कुमार, हेड कांस्टेबल कृष्णा राम, कांस्टेबल गुरमीत सिंह और कांस्टेबल राजेन्द्र कुमार और अन्य कार्मिकों से बनी टीम ने शस्त्र/गोलाबारूद, बीपी जैकेटों, बुलेटप्रूफ वाहनों इत्यादि से उचित रूप से लैस होकर सूचनानुसार बताए गए स्थल पर जाल बिछाया। पूर्वाह्न लगभग 5.40 बजे, उपर्युक्त कार अलीपुर की ओर से आई, रुकी और उसमें से दो कार-सवार बाहर निकले। कार के चालक की ओर से उतरे व्यक्ति की पहचान गुलाम यजदानी @ याहया के रूप में की गई। टीम ने उन्हें अपने पुलिस होने की पहचान ऊंची आवाज में बताई और उन्हें आत्म-समर्पण का निर्देश दिया। पुलिस की मौजूदगी देखकर, दोनों आतंकवादियों ने तुरंत अपने हथियार निकाले और नजदीक आ रही पुलिस पार्टी की ओर गोलीबारी शुरू कर दी और साथ ही दीवार से आड़ लेने के लिए सड़क के किनारे बाउंड्री की दीवार पर छलांग लगा दी और आ रही पुलिस टीम पर निरंतर गोलीबारी करते रहे। एसआई रविन्दर कुमार त्यागी, एसआई अनिल कुमार, हेड कांस्टेबल कृष्णा राम, कांस्टेबल गुरमीत सिंह और कांस्टेबल राजेन्द्र कुमार सबसे आगे थे। वे खुले क्षेत्र में थे और आतंकवादियों की गोलीबारी की सीधी लाइन में थे। आतंकवादी बाउंड्री की दीवार के पीछे अपनी पोजीशन बदलते रहे और एसआई रविन्दर कुमार त्यागी एवं पुलिस टीम के अन्य सदस्यों पर निरंतर गोलीबारी करते रहे। यह युद्ध जैसी स्थिति थी और बाउंड्री की दीवार की आड़ लेकर निरंतर गोलीबारी कर रहे आतंकवादियों को दबोचना लगभग असंभव था। निजी सुरक्षा की बिल्कुल परवाह न करते हुए और सभी खतरों को नजरअंदाज करते हुए, उन्होंने छापा मारने वाली पार्टी के सदस्यों की सुरक्षा के लिए दोनों आतंकवादियों का सामना किया। दोनों तरफ से गोलीबारी लगभग 30 मिनट तक जारी रही।

आतंकवादियों द्वारा चलाई गई गोलियां उनके नजदीक से गुजरी। उन्होंने आत्म-रक्षा में और पुलिस टीम की जान बचाने के लिए तत्काल अपने हथियारों से गोलीबारी शुरू कर दी। एसआई रविन्दर कुमार त्यागी ने अपनी पिस्तौल से 6 राउंड गोलियां चलाई, एसआई अनिल कुमार ने 4 राउंड गोलियां चलाई जबकि हेड कांस्टेबल कृष्णा राम ने अपनी एके-47 असॉल्ट राइफल से 4 राउंड, कांस्टेबल गुरमीत और कांस्टेबल राजेन्द्र ने 5-5 राउंड गोलियां चलाई, अंततः जो आतंकवादी गुलाम यजदानी @ नावेद @ याहया और अहसनुल्लाह हसन @ काजोल के लिए घातक साबित हुई। जब आतंकवादियों की ओर से जब गोलीबारी रुक गई, तो आतंकवादियों की जांच की गई और उन्हें मैदान में घायल अवस्था में पाया गया। उन्हें तुरन्त पास के अस्पताल में भेजा गया हुआ जहां उन्हें मृत लाया घोषित किया गया।

की गई बरामदगी:—

- (क) 2 मैगजीनों और 51 जिन्दा राउंड के साथ एक एके-56 असॉल्ट राइफल।
- (ख) 4 हथगोले।
- (ग) पीईटीएन विस्फोटक के 40 पैकेट, प्रत्येक पैकेट 100 ग्राम का, कुल 4 किलोग्राम।
- (घ) 500 रु. मूल्यवर्ग के 47000/- रु. के एफआईसीएन।

- (ड) दो मैगजीनों सहित 9 एमएम कैलिबर के लुगर ऑफ चेक रिपब्लिक की बनी दो पिस्तौलें और शेष 9 एमएम कैलिबर के 3 जिन्दा राउंड।
- (च) पंजीकरण संख्या यूपी-21-3851 की एक मारुति 800-सीसी कार।
- (छ) अन्य आपत्तिजनक दस्तावेज।

इस अभियान में सर्व/श्री रविन्दर कुमार त्यागी, उप-निरीक्षक, राजेन्द्र कुमार, कांस्टेबल और गुरमीत सिंह, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाले नियमों के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 08.03.2006 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 26th January 2019

No. 42-Pres/19—The President is pleased to award the President's Police Medal for Distinguished Service on the occasion of the Republic Day, 2019 to the undermentioned officers :—

1. SHRI ADDALA VENKATA RATNAM, SUPERINTENDENT OF POLICE, SPECIAL INTELLIGENCE BRANCH, PORANKI, ANDHRA PRADESH, 521137
2. SHRI KINJARAPU VENKATA RAMAKRISHNA PRASAD, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, VISAKHAPATNAM, ANDHRA PRADESH, 531001
3. SHRI DEBORAJ UPADHAYA, DIG, SILCHAR ASSAM, ASSAM, 780001
4. SHRI JITENDRA SINGH GANGWAR, ADDL DIRECTOR GENERAL OF POLICE, SPECIAL BRANCH, PATNA, BIHAR, 800015
5. SHRI RAKESH KUMAR BRAHMCHARI, DY S P, C.I.D, BIHAR, PATNA, BIHAR, 800015
6. SHRI SOMESHWAR SINGH SORI, DEPUTY INSPECTOR GENERAL OF POLICE, SPECIAL BRANCH PHQ RAIPUR, CHHATTISGARH, 492001
7. SMT. NUZHAT HASSAN, SPECIAL CP/WOMEN SAFETY, DELHI POLICE HEADQUARTERS, NEW DELHI, NCT OF DELHI, 110002
8. SHRI R A SANJEEV, ADDITIONAL CP /GENERAL ADMN, ROOM NO. 207, POLICE HEADQUARTERS, NEW DELHI, NCT OF DELHI, 110002
9. SHRI GULABBHAI CHHANABHAI PATEL, ARMED ASI, S.C.S.T. CELL SURAT RURAL POLICE, GUJARAT, 394101
10. SHRI DASHRATHSINH CHHAGANSINH BARIA, INTELLIGENCE OFFICER, OFFICE OF THE D G P. CID I.B G.S GANDHINAGAR, GUJARAT, 382007
11. SHRI GURMEET SINGH, INSPECTOR, KARNAL, HARYANA, 132001
12. SHRI ASHOK TEWARI, ADDL DIRECTOR GENERAL OF POLICE, CID, SHIMLA, HIMACHAL PRADESH, 171009
13. SHRI SHAM LAL THAKUR, SP, POLICE HEADQUARTER J&K, JAMMU AND KASHMIR, 180012
14. SHRI K G SIMON, COMMANDANT, KAP 3 BATTALION, KERALA, 691554
15. SHRI SAIYED MOHAMMAD AFZAL, ADG, BHOPAL, MADHYA PRADESH, 462008
16. SHRI RAJENDRA SINGH BHADORIYA, ASSISTANT COMMANDANT, INDORE, MADHYA PRADESH, 470004
17. SHRI VIVEK PARANJPE, SUPDT, BHOPAL, MADHYA PRADESH, 462008
18. SHRI BIPIN KUMAR SINGH, ADDL DGP, ANTI CORRUPTION BUREAU, M.S. WORLI, MUMBAI, MAHARASHTRA, 400030
19. SHRI BHASKAR S MAHADIK, ASSTT COMMANDANT, S.R.P.F. GR. XI, NAVI MUMBAI, MAHARASHTRA, 400712
20. SHRI DINESH BHALCHANDRA JOSHI, ASSTT COMMISSIONER OF POLICE, KHERWADI DIVISION MUMBAI, MAHARASHTRA, 400051
21. SHRI VISHNU G NAGALE, ASST SUB INSPECTOR, LOCAL CRIME BRANCH RATNAGIRI, MAHARASHTRA, 415612
22. SHRI MD GHIYASUDDIN, JEMADAR, 7TH IRB, IMPHAL, MANIPUR, 795001
23. SHRI LALMUANPUIA, COMMANDANT, 2ND BN MAP LUNGLEI, MIZORAM, 796701
24. SHRI GYANARANJAN MOHAPATRA, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, SPECIAL INTELLIGENCE WING, ODISHA, BHUBANESWAR, ODISHA, 751001

25. SHRI ASIM KUMAR PANDA, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, ZONE-I, BHUBANESWAR, UPD, ODISHA, 751009
26. SHRI SANJEEV KALRA, ADGP, WELFARE, PUNJAB, CHANDIGARH, PUNJAB, 160009
27. SHRI SANDEEP SOOD, INSPECTOR, SECURITY WING, PUNJAB, CHANDIGARH, PUNJAB, 160009
28. SHRI HINDU SINGH, ASI, TRAFFIC COMMISSIONERATE JODHPUR, RAJASTHAN, 342001
29. SHRI MUKUT BIHARI, HEAD CONSTABLE, FORTH RAC BN JAIPUR, RAJASTHAN, 302027
30. SHRI B GOVINDASAMY, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, SPECIAL INTELLIGENCE UNIT, TIRUCHIRAPALLI, TAMIL NADU, 620021
31. SHRI E SORIMUTHU, INSPECTOR OF POLICE, SPECIAL TASK FORCE, ERODE, TAMIL NADU, 638011
32. SHRI M MADHUSUDHAN REDDY, DEPUTY DIRECTOR, HYDERABAD, TELANGANA, 500035
33. SHRI JAY PRAKASH YADAV, SUBEDAR (GD), DHALAI, TRIPURA, 799288
34. SHRI ONKAR SINGH, DIG RANGE, FAIZABAD, UTTAR PRADESH, 224001
35. SHRI SUNDER LAL, SUB INSPECTOR, AMROHA, UTTAR PRADESH, 244241
36. SHRI CHANDRA SHEKHAR KAUSHIK, SUB INSPECTOR, SIB COOPERATIVE LKW, UTTAR PRADESH, 226007
37. SHRI MUSHARRAF ALI KHAN, INSPECTOR, INT HQ LKW, UTTAR PRADESH, 226001
38. SHRI PHOOL SINGH, SUB INSPECTOR, KANPUR DEHAT, UTTAR PRADESH, 209101
39. SHRI MAHENDRA SINGH, SUB INSPECTOR/TEACHER, 12BN PAC FATEHPUR, UTTAR PRADESH, 212601
40. SHRI PUSHPAK JYOTI, DIG, CID UTTARAKHAND, UTTARAKHAND, 248001
41. SHRI ALOKE KUMAR SANYAL, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, TRAFFIC DEPARTMENT, LALBAZAR, KOLKATA, WEST BENGAL, 700001
42. SHRI SHAMBHU NATH JHA, SUB INSPECTOR, BIDHANNAGAR POLICE COMMISSIONERATE STADIUM GATE NO- 03 SECTOR-III, SALT LAKE, WEST BENGAL, 700106
43. SHRI BRAJESH KUMAR SINGH, DEPUTY INSPECTOR GENERAL OF POLICE, DAMAN DIU AND DADRA NAGAR HAVELI, DAMAN AND DIU, 396210
44. SHRI RAJESH NIRWAN, INSPECTOR GENERAL (PROV), FHQ BSF, NEW DELHI, 110003
45. SHRI SUNIL KUMAR TYAGI, DIG (PSO), FTR (SPL OPS) BSF, 490006
46. SHRI JITENDRA KUMAR SINGH, DIG (G), COMMAND HQ (SPL OPS) NEW DELHI, BSF, 110003
47. SHRI SURAJ PAL SINGH, DEPUTY COMMANDANT, FTR HQ BSF, NEW DELHI, BSF, 110066
48. SHRI SUGAN LAL CHOUHAN, SUB INSPECTOR, STC BSF JODHPUR, BSF, 342026
49. SHRI SUDHIR KUMAR, INSPECTOR GENERAL, CISF NCR SEC HQ, 5TH FLOOR, BLOCK NO. 11, CGO COMPLEX, NEW DELHI, CISF, 110003
50. SHRI RAMESH CHANDRA CHOUDHARY, COMMANDANT, CISF UNIT 8TH RES. BN. JAIPUR, RAJASTHAN, CISF, 302002
51. SHRI G H P RAJU, INSPECTOR GENERAL, SOUTHERN SECTOR, CRPF, HYDERABAD (TELANGANA), CRPF, 500033
52. SHRI RAJ NAVINDER SINGH BAHAD, INSPECTOR GENERAL, TRIPURA SECTOR, CRPF, PO-USHA BAZAR, AIRPORT ROAD, AGARTALA, TRIPURA, CRPF, 799009
53. SHRI M S SHEKHAWAT, DIG, GC, CRPF, ALLAHABAD, CRPF, 211013
54. SHRI GIRISH KUMAR, DIG, RTC, CRPF, JODHPUR (RAJ), CRPF, 335804

55. SHRI BALVINDER SINGH GUJRAL, DIG, GC, CRPF, SILIGURI, CRPF, 734012
56. SHRI MANOJ KUMAR SINGH, DY INSPECTOR GENERAL, SHQ (SNR), ITBP PANTHACHOWK JEWAN CAMP, SRINAGAR (J&K), ITBP, 786153
57. SHRI BRIJ MOHAN SINGH, SECOND-IN-COMMAND, 36TH BN ITBP LOHAGHAT (UTTRAKHAND), ITBP, 262524
58. SHRI SANJEEV SHARMA, DIG (GD), OFFICE OF THE DG, FHQ, SSB, EAST BLOCK-V, R.K. PURAM, NEW DELHI, SSB, 110066
59. SHRI JAYA NARAYAN RANA, SUPERINTENDENT OF POLICE, CBI EO-VII BHUBANESWAR, CBI, 751012
60. SHRI BRIJ MOHAN PANDIT, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, CBI EO-I NEW DELHI, CBI, 110003
61. SHRI MAHESH KUMAR PURI, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, CBI SCB CHANDIGARH, CBI, 160030
62. SHRI MAHESH KUMAR, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, CBI HEAD OFFICE NEW DELHI, CBI, 110003
63. SHRI CHANDRAKANT VITHAL PUJARI, INSPECTOR OF POLICE, CBI BS&FC MUMBAI, CBI, 400098
64. SHRI PAN SINGH BISHT, HEAD CONSTABLE, CBI AC-II NEW DELHI, CBI, 110003
65. SHRI AJAY KUMAR MITTAL, ASSISTANT DIRECTOR/EXE, IB HQRS NEW DELHI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS, 110021
66. SHRI JEEVAN RAMAKANT KULKARNI, ASSISTANT DIRECTOR/EXE, SIB, MUMBAI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS, 400051
67. SHRI PRAKASH RAO NEDNURKAR, ASSISTANT DIRECTOR/EXE, SIB VIJAYAWADA, MINISTRY OF HOME AFFAIRS, 520007
68. SHRI BIMAL KUMAR, ASSISTANT DIRECTOR/EXE, BOI HYDERABAD, MINISTRY OF HOME AFFAIRS,
69. SHRI RAJENDRA DAS, ASSISTANT DIRECTOR/EXE, SIB GUWAHATI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS, 781036
70. SHRI NANDAKUMAR ACHUTHAN, DEPUTY CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER, SIB CHENNAI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS, 600004
71. SHRI DALBIR SINGH, ASSISTANT CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER-I/EXE, SIB AMRITSAR, MINISTRY OF HOME AFFAIRS, 143001
72. SHRI PRAKASH CHAND KAUNDINYA, ASSISTANT CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER-II/EXE, SIB SHIMLA, MINISTRY OF HOME AFFAIRS, 171001
73. SHRI PAWAN KUMAR SRIVASTAVA, DIRECTOR, BHOPAL, BPR & D, 462021
74. SHRI PONRAJ PERUMAL, SECURITY COMMISSIONER, CHENNAI, M/O RAILWAYS, 600003

2. These awards are made under rule 4(ii) of the rule governing the grant of President's Police Medal for Distinguished Service.

P. PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No. 43-Pres/19—The President is pleased to award the Police Medal for Meritorious Service on the occasion of the Republic Day, 2019 to the undermentioned officers :—

1. SHRI S HARI KRISHANA, SUPERINTENDENT OF POLICE, INTELLIGENCE, VIJAYAWADA, ANDHRA PRADESH, 520001

2. SHRI VARUPULA SATTI RAJU, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE (AR), RAJAMENDRAVARAM, ANDHRA PRADESH, 533101
3. SHRI KOTHAPALLI SAM VINOD KUMAR, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, SC ST CELL, KURNOOL, ANDHRA PRADESH, 518001
4. SHRI KALLA JANARDHANA NAIDU, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, INTELLIGENCE, TIRUPATI, ANDHRA PRADESH, 517501
5. SHRI PALETY MOHAN PRASAD, ADDITIONAL COMMANDANT APSP, VISAKHAPATNAM, ANDHRA PRADESH, 530048
6. SHRI PENUMUDI KIRAN KUMAR, ASSAULT COMMANDER GREY HOUNDS, HYDERABAD, ANDHRA PRADESH, 500089
7. SHRI VENNAPUSA VENUGOPAL REDDY, INSPECTOR OF POLICE, CI CELL, VIJAYAWADA, ANDHRA PRADESH, 520001
8. SHRI BANDARU RAJA SEKHAR, INSPECTOR OF POLICE, POLICE TRAINING COLLEGE, ONGOLE, ANDHRA PRADESH, 523001
9. SHRI MANTRIPRAGADA VENKATA GANESH, INSPECTOR OF POLICE, ACB, VISAKHAPATNAM, ANDHRA PRADESH, 531001
10. SHRI NATESAM GUNASEKHAR, SUB INSPECTOR, ROAD SAFETY PATROLLING, BANGARUPALYAM, ANDHRA PRADESH, 517416
11. SHRI SHAIK MUSTAQ AHMED BASHA, ARSI SAR CPL, HYDERABAD, ANDHRA PRADESH, 500013
12. SHRI GANDAVARAPU VENKATA RAMA RAO, HEAD CONSTABLE, VISAKHAPATNAM, ANDHRA PRADESH, 530002
13. SHRI GOPISETTY SUBBA RAO, HEAD CONSTABLE ARMED RESERVE, VIJAYAWADA CITY, ANDHRA PRADESH, 520001
14. SHRI YINJARAPU VEERA VENKATA SATY SAI PRAKASH, HEAD CONSTABLE SIB, PORANKI, ANDHRA PRADESH, 521137
15. SHRI BHOGADI VENKATESWARA RAO, RAILWAY POLICE CONSTABLE, VIJAYAWADA, ANDHRA PRADESH, 520001
16. SHRI KIME KAMING, DY INSPECTOR GENERAL OF POLICE, PHQ ITANAGAER, ARUNACHAL PRADESH, 791113
17. SHRI PREM NORBU KHRIMAHEY, ADDITIONAL COMMISSIONER OF POLICE, DELHI ARMED POLICE, DELHI
18. SHRI IMDADUL HUSSAIN BORA, SUPERINTENDENT OF POLICE SPECIAL BRANCH ESTABLIS, ASSAM, KAHILIPARA, ASSAM, 781019
19. SHRI MAHESH CHAND SHARMA, ASSTT INSPECTOR GENERAL OF POLICE, W S, ASSAM, ULUBARI, GUWAHATI, ASSAM, 781007
20. SHRI KUMAR SANJIT KRISHNA, COMMANDANT, 12TH ASSAM POLICE BATTALION, JAMUGURIHAT, SONITPUR, ASSAM, 784189
21. SHRI PRASANTA SAIKIA, SUPERINTENDENT OF POLICE, DIMA HASAO, ASSAM, 788819
22. SHRI SURESH SARMA, ASSTT SUB INSPECTOR OF POLICE, U B, NALBARI D.E.F., ASSAM, 781337
23. SHRI BHABESH NATH, ASSTT SUB INSPECTOR OF POLICE, U B, O/O THE ADGP(BORDER), ASSAM, SRIMANTAPUR, GUWAHATI, ASSAM, 781032
24. SHRI PADMADHAR DAS, HAVILDAR, 1ST ASSAM POLICE BATTALION, LIGIRIPUKHURI, NAZIRA, ASSAM, 785685
25. SHRI NITISH RANJAN NATH, HAV, HAILAKANDI DEF, ASSAM, 788151

26. SHRI HEMANTA CHANDRA RAY, HAVILDER (CLERK), 4TH ASSAM POLICE BATTALION, KAHILIPARA, GUWAHATI, ASSAM, 781019
27. SHRI PHANIDHAR MOHAN, LANCE NAIK AB ONE SEVENTY NINE, DIBRUGARH DEF, ASSAM, 786001
28. SMT. SAKHINA GOGOI, WOMEN POLICE CONSTABLE, UB, THREE FOUR THREE, TINSUKIA D.E.F, ASSAM, 786125
29. SHRI LOHIT CHANDRA RAY, CONSTABLE UB, BONGAIGAON DEF, ASSAM, 783380
30. SMT. KAUSHALYA DOULAGAPHU, WOMEN POLICE CONSTABLE AB EIGHTY ONE, TINSUKIA DEF, ASSAM, 786125
31. SMT. IRAMONI BARUAH, WOMEN POLICE CONSTABLE AB TWO HUNDRED TWENTY EIGHT, TINSUKIA DEF, ASSAM, 786125
32. SHRI SHANKAR JHA, DIG VIGILANCE INVESTIGATION BUREAU, PATNA, BIHAR, 800001
33. SMT. BINA KUMARI, ADDL. SUPERINTENDENT OF POLICE, VIGILANCE INVESTIGATION BUREAU, PATNA, BIHAR, 800001
34. SHRI ARJUN LAL, INSPECTOR, STF PATNA, BIHAR, 800001
35. SHRI UMESH LAL RAJAK, INSPECTOR, SPECIAL VIGILANCE UNIT PATNA, BIHAR, 800001
36. SHRI RANDHIR KUMAR SINGH, ASI, GOPALGANJ, BIHAR, 841428
37. SHRI SANJAY KUMAR, ASI, IG OPARATION OFFICE PATNA, BIHAR, 800015
38. SHRI CHANDRA PRAKASH TIWARI, ASI, DGP OFFICE PATNA, BIHAR, 800015
39. SHRI MOHAMMAD RAMJAN ALAM, ASI, STF BIHAR PATNA, BIHAR, 800001
40. SHRI SHREENARAYAN SINGH, ASI, PHQ BIHAR PATNA, BIHAR, 800015
41. SHRI PRITAM SINGH, HAVILDAR, BMP 05 PATNA, BIHAR, 800014
42. SHRI GAUTAM KUMAR, HAVILDAR, SPECIAL VIGILANCE UNIT PATNA, BIHAR, 800001
43. SHRI DILIP KUMAR SINGH, CONSTABLE, POLICE HQ PATNA, BIHAR, 800015
44. SHRI MANISH KUMAR GUPTA, CONSTABLE, DGP OFFICE PATNA, BIHAR, 800015
45. SHRI NAND KISHORE SINGH, CONSTABLE, SPECIAL VIGILANCE UNIT PATNA, BIHAR, 800001
46. SHRI CHANDRA PRAKASH SINGH, CONSTABLE, STF PATNA, BIHAR, 800001
47. SMT. MILNA KURREY, SUPERINTENDENT OF POLICE (RAIL), RAIPUR, CHHATTISGARH, 492009
48. SHRI MANOJ KUMAR KHELARI, ADDITIONAL S P, ANTI CORRUPTION BUREAU, RAIPUR, CHHATTISGARH, 492001
49. SHRI NAJMUS SAQIB, DY SP SPECIAL BRANCH, PHQ RAIPUR, CHHATTISGARH, 492001
50. SHRI MOHAN SINGH, COMPANY COMMANDER, CTJW COLLEGE KANKER, CHHATTISGARH, 494334
51. SHRI ISTEPHEN KUJUR, PLATOON COMMANDER, 15TH BATTALION CAF BIJAPUR, CHHATTISGARH, 494444
52. SHRI BALRAM BAGHEL, ASSISTANT SUB INSPECTOR, POLICE STATION BEDRE BIJAPUR, CHHATTISGARH, 494444
53. SHRI ONKAR DAS SAHU, ASSISTANT PLATOON COMMANDER, 7TH BATTALION CAF BHILAI, CHHATTISGARH, 490022
54. SHRI TAJ KHAN, HEAD CONSTABLE, POLICE STATION BAKARKATTA RAJNANDGAON, CHHATTISGARH, 491441
55. SMT. JULEKHA BEGAM, HEAD CONSTABLE, SPECIAL BRANCH RAIPUR, CHHATTISGARH, 492006

56. SHRI SANJAY SINGH BAGHEL, HEAD CONSTABLE, SPECIAL INTELLIGENCE BRANCH RAJNANDGAON, CHHATTISGARH, 491441
57. DR. AJIT KUMAR SINGLA, ADDL CP/CRIME (NARCOTICS), CRIME BRANCH DELHI, NCT OF DELHI, 110002
58. SHRI RAJ KUMAR SINGH, ADDL CP/ ANTI CORRUPTION BRANCH, DELHI, NCT OF DELHI, 110054
59. SMT. GEETA RANI VERMA, DCP SPUWAC, BARRACK NO. 1 MALVIYA NAGAR POLICE COMPLEX NEW DELHI, NCT OF DELHI, 110017
60. SHRI JOY NATHANIEL TIRKEY, DCP, CRIME BRANCH POLICE STATION KAMLA MARKET DELHI, NCT OF DELHI, 110007
61. SHRI MOHAMMED IQBAL, ACP, SUB DIVISION VIVEK VIHAR, NCT OF DELHI, 110095
62. SHRI ATUL KUMAR VERMA, INSPECTOR (EXECUTIVE), SOUTH DISTRICT, NCT OF DELHI, 110016
63. SHRI RAVINDER KUMAR TYAGI, SUB INSPECTOR, SPECIAL CELL, NEW DELHI RANGE, LODHI COLONY, DELHI, NCT OF DELHI, 110003
64. SMT. JAI SHREE GOSAIN, SUB INSPECTOR/EXE., CPCR, PCR, NCT OF DELHI, 110009
65. SMT. KAUSHAL KUMARI, ASSISTANT SUB INSPECTOR/EXE, LA, VINAY MARG, CHANAKYA PURI, NEW DELHI, NCT OF DELHI, 110021
66. SHRI MAHESH SINGH, ASSISTANT SUB INSPECTOR (M), POLICE CONTROL ROOM, DELHI, NCT OF DELHI, 110009
67. SHRI SATENDER SINGH, HEAD CONSTABLE/ EXE, SPECIAL CELL, LODHI COLONY, DELHI, NCT OF DELHI, 110003
68. SHRI RAJBIR SINGH, HEAD CONSTABLE/ EXE, TRAINING BRANCH PHQ, NCT OF DELHI, 110002
69. SHRI VIRENDER SINGH, HEAD CONSTABLE / EXE, INTER STATE CELL CRIME BRANCH CHANKYA PURI NEW DELHI, NCT OF DELHI, 110021
70. SHRI PREM CHAND, HEAD CONSTABLE / EXE, PERSONAL SECTION SPECIAL CP ADMINISTRATION, NCT OF DELHI, 110002
71. SHRI JAGANIVASAN R, HEAD CONSTABLE / EXE, PRO BRANCH PHQ, NCT OF DELHI, 110002
72. SMT. POONAM VERMA, HEAD CONSTABL / EXE, POLICE CONTROL ROOM, NCT OF DELHI, 110009
73. SMT. PROMILA, W CONSTABLE / EXE, DELHI POLICE BHAWAN (SPECIAL BRANCH), NCT OF DELHI, 110002
74. SHRI LAKHDIRSINH BABUBHA ZALA, DY SP, OFFICE OF THE DYSP VALSAD OPP. JALARAM TEMPLE, TITHAL ROAD, VALSAD, GUJARAT, 396001
75. SHRI RAJENDRASINH BHAVSINH ZALA, ARMED DY SUPERINTENDENT OF POLICE, RAJKOT MUNICIPAL CORPORATION, GUJARAT, 360001
76. SHRI LAXMANSINGH PRATAPSINGH ZALA, ARMED DY SP, S.R.P.F. GR-XVIII, KEVADIYA COLONY, NARMADA, GUJARAT, 393151
77. SHRI MANSANGBHAI BHIKHABHAI JUDAL, ARMED DYSP, OFFICE OF THE COMMANDANT S.R.P.F.GR.-XVII CHELA, JAMNAGAR, GUJARAT, 361012
78. SHRI VIJAYKUMAR BHIKHABHAI PATEL, ARMED DYSP, S.R.P.F.GR.-16, BHACHAU, KUTCHH, GUJARAT, 370140
79. SHRI MAHESHKUMAR DHANJIBHAI PARMAR, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE ARMED, OFFICE OF THE COMMANDANT S.R.P.F. GR.08, GONDAL,, GUJARAT, 360311
80. SHRI ANIRUDDHSINH PRADYUMANSINH CHUDASAMA, DY SP, S.R.P.F. GROUP-4, PAVDI, DIST-DAHOD, GUJARAT, 389180

81. SHRI HIMMATSINH MANUSINH PARMAR, INTELLIGENCE OFFICER, OFFICE OF THE D.G.P. INTELLIGENCE, 2ND FLOOR POLICE BHAVAN SECTOR-18 GANDHINAGAR, GUJARAT, 382007
82. SHRI VINODKUMAR MOHANDAS SADHU, INTELLIGENCE OFFICER, OFFICE OF THE D.G. OF POLICE, INTELLIGENCE, GUJARAT STATE. POLICE BHAVAN, GANDHINAGAR, GUJARAT, 382007
83. SHRI MAHENDRASINH GAGUBHAI PARMAR, INTELLIGENCE OFFICER, D.G. OF POLICE, INTELLIGENCE, 2ND FLOOR POLICE BHAVAN, SECTOR-18, GUJARAT STATE, GANDHINAGAR., GUJARAT, 382009
84. SHRI RAJENDRASINH NAVUBHA JADEJA, INTELLIGENCE OFFICER, DEPUTY COMMISSIONER OF INTELLIGENCE BUREAU, ATHWALINES, SURAT, GUJARAT, 395007
85. SHRI HASMUKHBHAI KANJIBHAI MAKWANA, ASI, KHEDA DISTRICT GUJARAT, GUJARAT, 387002
86. SHRI NARENDRASINH PRAVINSINH JADEJA, POLICE HEAD CONSTABLE, B.NO.1176 KHEDA - NADIAD DISTRICT., GUJARAT, 387002
87. SHRI ARIF AHMED PATEL, UNARMED HEAD CONSTABLE, POLICE HEAD QUARTER BHARUCH (DEPUTATION ON READER BRANCH, S.P. OFFICE, BHARUCH, GUJARAT, 392001
88. SHRI HITENDRASINH KHODUBHA GOHIL, UNARMED POLICE HEAD CONSTABLE, O/O THE JOINT COMMISSIONER POLICE CRIME BRANCH, AHMEDABAD CITY, GUJARAT, 380004
89. SHRI RAJENDRASINH JIVATSINH VANSI, UNARMED POLICE HEAD CONSTABLE, O/O THE JOINT COMMISSIONER OF POLICE, CRIME BR., AHMEDABAD CITY, AHMEDABAD. PIN- 380001, GUJARAT, 380001
90. SHRI RAJIV SATPALSINGH SAINI, AIO, I.B, G.S GANDHINAGAR, GUJARAT, 382007
91. SHRI MANBIR SINGH, SUPERINTENDENT OF POLICE STATE VIGILANCE BUREAU, PANCHKULA, HARYANA, 134109
92. SHRI KARAN SINGH, INSPECTOR, KARNAL, HARYANA, 132037
93. SHRI NARENDER KUMAR, INSPECTOR, FARIDABAD, HARYANA, 121001
94. SHRI DEEPAK SINGH, INSPECTOR, PHQ PANCHKULA, HARYANA, 134109
95. SHRI SATYAWAN, SUB INSPECTOR, KAITHAL, HARYANA, 136027
96. SHRI VIRENDER SINGH, ASSISTANT SUB INSPECTOR, MADHUBAN, HARYANA, 132037
97. SHRI RAVINDER KUMAR, ASSISTANT SUB INSPECTOR, AMBALA, HARYANA, 134003
98. SHRI SATPAL, EXEMPTEE ASSISTANT SUB INSPECTOR, PANCHKULA, HARYANA, 134109
99. SHRI RAMESH CHAND, EXEMPTEE ASSISTANT SUB INSPECTOR, AMBALA, HARYANA, 134002
100. SMT. SUSHILA KAUSHIK, LADY ASSISTANT SUB INSPECTOR, PANCHKULA, HARYANA, 134109
101. SMT. RANVIR KAUR, LADY EXEMPTEE ASSISTANT SUB INSPECTOR, CHANDIGARH, HARYANA, 160001
102. SMT. ANURADHA, LADY EXEMPTEE ASSISTANT SUB INSPECTOR, PANCHKULA, HARYANA, 134109
103. SHRI GURDEV CHAND SHARMA, SUPERINTENDENT OF POLICE, MANDI, HIMACHAL PRADESH, 175001
104. SHRI SANJAY KUMAR, DY SUPERINTENDENT OF POLICE, BILASPUR, HIMACHAL PRADESH, 174001
105. SHRI JAG PAL SINGH, SUB INSPECTOR, HAMIRUR, HIMACHAL PRADESH, 177001
106. SHRI SANJAY KUMAR GULERIA, SUB INSPECTOR, SHIMLA, HIMACHAL PRADESH, 171001
107. SHRI ZUBAIR AHMAD KHAN, SSP, ANTI CORRUPTION BUREAU, SLKB SRINAGAR, JAMMU AND KASHMIR, 190001
108. SHRI PARSHOTAM LAL, DY DIRECTOR PROSECUTION, ZPHQ JAMMU, JAMMU AND KASHMIR, 180001

109. SHRI SHAILENDER SINGH, AIG (BUILDINGS), PHQ J&K JAMMU, JAMMU AND KASHMIR, 191111
110. SHRI MUMTAZ AHMAD, SSP, CID CI JAMMU, JAMMU AND KASHMIR, 180001
111. SMT. RASHMI WAZIR, SSP, 2ND BATTALION SDRF JAMMU, JAMMU AND KASHMIR, 180004
112. SHRI SHEIKH JUNAID MAHMOOD, SSP, HEADQUARTERS CID J&K JAMMU, JAMMU AND KASHMIR, 190001
113. SHRI ROOP RAJ, STAFF OFFICER TO IGP, JAMMU, JAMMU AND KASHMIR, 180012
114. SHRI VARINDER KUMAR, DY SP, DPO JAMMU, JAMMU AND KASHMIR, 180001
115. SHRI SYED MOHI UD DIN ANDRABI, DYSP, IR 6TH BN. SRINAGAR, JAMMU AND KASHMIR, 190001
116. SHRI NAZIR AHMAD YATOO, INSPECTOR (MINISTERIAL), CID HQRS. J&K JAMMU, JAMMU AND KASHMIR, 180001
117. SHRI BHIKAM CHAND, ASI, SKPA UDHAMPUR, JAMMU AND KASHMIR, 182104
118. SHRI REYAZ AHMAD SHAH, ASI, CID HEADQUARTER J&K JAMMU, JAMMU AND KASHMIR, 190001
119. SHRI SUNIL JALLA, HEAD CONSTABLE, ANTI CORRUPTION BUREAU J&K, JAMMU AND KASHMIR, 180001
120. SHRI FAROOQ AHMAD MIR, HEAD CONSTABLE, DISTRICT SRINAGAR, JAMMU AND KASHMIR, 190001
121. SHRI NISAR AHMAD BHAT, HEAD CONSTABLE, AP 6TH BN. BEHRA MENDHAR, JAMMU AND KASHMIR, 185211
122. SHRI DARSHAN LAL, HEAD CONSTABLE, J&K CID CELL NEW DELHI, JAMMU AND KASHMIR, 110001
123. SHRI SYED MUZAMIL SHABIR, SG CONSTABLE, POLICE HOSPITAL SRINAGAR, JAMMU AND KASHMIR, 190009
124. SHRI BHANU PRATAP, HAVILDAR, BOKARO, JHARKHAND, 827012
125. SHRI DEVENDRA KUMAR SINGH, ASSISTANT SUB INSPECTOR, RANCHI, JHARKHAND, 834001
126. SHRI SUDHIR KUMAR, DYSP CCR, JAMSHEDPUR, JHARKHAND, 831001
127. SHRI PRAFUL KIRO, HAVILDAR, BOKARO, JHARKHAND, 827012
128. SHRI JOSEPH RUSSEL D CRUZ, ASSISTANT COMMANDANT, KAP 1 BATTALION, KERALA, 686631
129. SHRI R BALAN, ASSISTANT COMMANDANT, DHQ ALAPPUZHA, KERALA, 688012
130. SHRI RAJU P K, ASSISTANT COMMISSIONER, TRAFFIC NORTH KOZHIKODE CITY, KERALA, 673012
131. SHRI J PRASAD, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, VIGILANCE AND ANTI CURRUPTION, KERALA, 695002
132. SHRI NAZARUDEEN MUHAMMED JAMAL, ASSISTANT SUB INSPECTOR, DCRB RAILWAYS THIRUVANANTHAPURAM, KERALA, 695014
133. SHRI YASODHARAN SANTHAMMA KRISHNAN NAIR, ASSISTANT SUB INSPECTOR OF POLICE, OFFICE OF THE COMMISSIONER THIRUVANANATHAPURAM, KERALA, 695014
134. SHRI SABU S K, DRIVER ASSISTANT SUB INSPECTOR, VACB THIRUVANANTHAPURAM, KERALA, 695004
135. SMT. SHRADDHA TIWARY, AIG, BHOPAL, MADHYA PRADESH, 462008
136. SHRI DHARM VIR SINGH, SP HQ, BHOPAL, MADHYA PRADESH, 462001
137. SHRI SANJEEV KUMAR SINHA, SUPERINTENDENT OF POLICE LOKAYUKTA, REWA, MADHYA PRADESH, 486001
138. SHRI RAJESH GURU, DSP, BHOPAL, MADHYA PRADESH, 462008

139. SHRI SHIV KUMAR PATEL, INSPECTOR, INDORE, MADHYA PRADESH, 453001
140. SHRI NARAYAN AMBADKAR, SUB INSPECTOR, BHOPAL, MADHYA PRADESH, 462008
141. SHRI ASHOK KUMAR SAVITA, ASI, BHIND, MADHYA PRADESH, 477001
142. SHRI SATYANARAYAN SINGH YADAV, HEAD CONSTABLE, INDORE, MADHYA PRADESH, 452005
143. SHRI RAIS ULLAH, HEAD CONSTABLE, BHOPAL, MADHYA PRADESH, 462008
144. SHRI CHIMAN ALIWAL, HEAD CONSTABLE, BHOPAL, MADHYA PRADESH, 462008
145. SHRI ABDUL RAJJAK KHAN, HEAD CONSTABLE, MORENA, MADHYA PRADESH, 476001
146. SHRI RAJKUMAR RATHORE, CONSTABLE, GWALIOR, MADHYA PRADESH, 474001
147. SHRI JAV SINGH RATHORE, CONSTABLE, JHABUA, MADHYA PRADESH, 457661
148. SHRI SATISH KUMAR GUPTA, SUB INSPECTOR (M), BHOPAL, MADHYA PRADESH, 462008
149. SMT. SUMAN LATA SHUKLA, SUB INSPECTOR (M), BHOPAL, MADHYA PRADESH, 462008
150. SMT. MADHU CHOUDHARY, ASI (M), SAF PHQ BHOPAL, MADHYA PRADESH, 462008
151. SHRI KAMLESHWAR PRASAD, HEAD CONSTABLE, BHOPAL, MADHYA PRADESH, 462008
152. SHRI SHAHAJI B UMAP, DY COMMUR OF POLICE, ZONE VI CHEMBUR, MUMBAI, MAHARASHTRA, 400071
153. SHRI MANOJ G PATIL, SUPTD OF POLICE, SOLAPUR RURAL, MAHARASHTRA, 413003
154. SHRI SATISH B MANE, DY SUPTD OF POLICE, POLICE HEAD QUARTER KOLHAPUR, MAHARASHTRA, 416003
155. SHRI GANPATRAO S MADGULKAR, DY SUPTD OF POLICE, SUB-DIVISIONAL POLICE OFFICE PUNE RURAL, MAHARASHTRA, 411008
156. SHRI SHARAD M NAIK, ASSTT COMMUR OF POLICE, SION DIVISION MUMBAI CITY, MAHARASHTRA, 400037
157. SHRI GANPAT H TARANGE, ARMED POLICE INSPECTOR, S.R.P.F.TRG. CENTER, NANVEEJ DAUND, MAHARASHTRA, 413801
158. SHRI MANGESH V SAWANT, SR POLICE INSPECTOR, SHIL-DAIGHAR POLICE STATION THANE CITY, MAHARASHTRA, 421204
159. SHRI NITIN R ALAKNURE, POLICE INSPECTOR, MIDC POLICE STATION MUMBAI CITY, MAHARASHTRA, 400093
160. SHRI SACHIN S RANE, SR POLICE INSPECTOR, CRIME BRANCH NAVI MUMBAI, MAHARASHTRA, 400614
161. SHRI ARVIND T GOKULE, POLICE INSPECTOR, POLICE TRAINING CENTER, KHANDALA, PUNE, MAHARASHTRA, 410302
162. SHRI SANJAY V PURANDARE, POLICE INSPECTOR, LOCAL CRIME BRANCH NAGPUR RURAL, MAHARASHTRA, 440001
163. SHRI NANDKUMAR M GOPALE, POLICE INSPECTOR, KHAR POLICE STATION MUMBAI CITY, MAHARASHTRA, 400054
164. SHRI SACHIN M KADAM, POLICE INSPECTOR, ANTI EXTORTION CELL, CRIME BRANCH, MUMBAI, MAHARASHTRA, 400002
165. SHRI GAJANAN D PAWAR, PI, CRIME BRANCH PUNE CITY, MAHARASHTRA, 411001
166. MRS. DHANASHREE S KARMAKAR, POLICE INSPECTOR, D.G.P. OFFICE, COLABA, MUMBAI, MAHARASHTRA, 400001

167. SHRI ANIL MARUTI PARAB, ASSTT POLICE INSPECTOR (CIO), STATE INTELLIGENCE DEPARTMENT MUMBAI, MAHARASHTRA, 400001
168. SHRI ARJUN DNYANDEV SHINDE, POLICE SUB-INSPECTOR, PALGHAR POLICE STATION PALGHAR, DIST-THANE, MAHARASHTRA, 401404
169. SHRI SATYAWAN MAHADEV RAUT, POLICE SUB INSPECTOR SR INTELLIGENCE OFFICER, STATE INTELLIGENCE DEPARTMENT MUMBAI, MAHARASHTRA, 400001
170. SHRI NANDKISHOR RAJARAM SHELAR, ASSTT SUB INSPECTOR, ANTI EXTORTION CELL, CRIME BRANCH, MUMBAI, MAHARASHTRA, 400002
171. SHRI ASHOK SHANKAR BHOSALE, ASST SUB INSPECTOR, CRIME BRANCH PUNE CITY, MAHARASHTRA, 411001
172. SHRI VILAS RAGHUNATH MOHITE, ASSTT SUB INSPECTOR, BHADRAKALI POLICE STATION NASHIK CITY, MAHARASHTRA, 422101
173. SHRI PRADIP GOVIND PATIL, ASI, POLICE HEAD QUARTER RAIGAD, MAHARASHTRA, 402201
174. SHRI RAJKUMAR NATHUJI WARUDKAR, ASI, POLICE HEAD QUARTER AMRAVATI CITY, MAHARASHTRA, 444602
175. SHRI LAXMAN KRISHNA THORAT, ASSTT SUB INSPECTOR, SPECIAL BRANCH PUNE CITY, MAHARASHTRA, 411001
176. SHRI MOHAN GHORPADE, ASST SUB INSPECTOR, LOCAL CRIME BRANCH SATARA, MAHARASHTRA, 415001
177. SHRI GIRIDHAR KASHINATH DESAI, ASSTT SUB INSPECTOR, S.R.P.F.GR.II PUNE, MAHARASHTRA, 411022
178. SHRI PURUSHOTTAM BALKRISHNA DESHPANDE, ASSISTTANT SUB INSPECTOR, KARAD CITY POLICE STATION SATARA, MAHARASHTRA, 415001
179. SHRI AMARSINGH KISHANLAL CHOUDHARI, ASSTT SUB INSPECTOR, M.T. SECTION, AURANGABAD RURAL, MAHARASHTRA, 431001
180. SHRI MANOHAR BASAPPA KHANGAONKAR, ASI, ANTI CORRUPTION BUREAU, KOLHAPUR, MAHARASHTRA, 416002
181. SHRI JAKIR HUSAIN GHULAM HUSSAIN SHAIKH, ASSISTANT SUB INSPECTOR, CRIME BRANCH NASHIK CITY, MAHARASHTRA, 422002
182. SHRI DATTATRAY TULSHIRAM CHOUDHAR, ASSTANT SUB INSPECTOR, BHIGVAN POLICE STATION, PUNE RURAL, MAHARASHTRA, 413130
183. SHRI SUNIL BALKRISHNA KULKARNI, ASSISTANT SUB INSPECTOR, SWARGATE POLICE STATION, PUNE CITY, MAHARASHTRA, 411042
184. SHRI GANPATI YASHWANT DAPHALE, HEAD CONSTABLE, ANTI CORRUPTION BUREAU, WORLI MUMBAI, MAHARASHTRA, 400030
185. SHRI KRISHNA HARIBA JADHAV, HEAD CONSTABLE, ANTI EXTORTION CELL, CRIME BRANCH MUMBAI CITY, MAHARASHTRA, 400002
186. SHRI PANDURANG R RAJARAM TALAWADEKAR, HEAD CONSTABLE, N.M. JOSHI MARG POLICE STATION MUMBAI CITY, MAHARASHTRA, 400030
187. SHRI ARUN MAHADEV KADAM, HEAD CONSTABLE, KURAR POLICE STATION, MALAD EAST MUMBAI CITY, MAHARASHTRA, 400097
188. SHRI DAYARAM TUKARAM MOHITE, HEAD CONSTABLE, CRIME BRANCH MUMBAI CITY, MAHARASHTRA, 400001
189. SHRI BHANUDAS YASHWANT MANVE, HEAD CONSTABLE, SPECIAL BRANCH-I CID, MUMBAI, MAHARASHTRA, 400001

190. SHRI DATTATRAY PANDURANG KUDHALE, HEAD CONSTABLE, CRIME BRANCH, MUMBAI CITY, MAHARASHTRA, 400001
191. SHRI VINOD PRALHADRAO THAKRE, HEAD CONSTABLE, M.T. SECTION AKOLA, MAHARASHTRA, 444004
192. SHRI KEISHAM BROJEN SINGH, HEAD CONSTABLE, IMPHAL WEST, MANIPUR, 795001
193. SHRI ANOUBAM BHOMEN SHARMA, HAVILDAR, MANIPUR SECRETARIATE, MANIPUR, 795001
194. SHRI SOROKHAIBAM SARATCHANDRA SINGH, SUBEDAR, 3 INDIA RESERVE BATTALION THOWBAL, MANIPUR, 795138
195. SHRI LAIPHRAKPAM DEVISHORE, ASST SUB INSPECTOR (TELECOM), MANIPUR POLICE TELECOM PHQ ORGANISATION, MANIPUR, 795001
196. SHRI KHUALTHIANTHANG VAIPHEI, HEAD CONSTABLE, CHURACHANDPUR, MANIPUR, 795128
197. SHRI SURESH THAPA, DEPUTY COMMANDANT, 1BN MANIPUR RIFLES IMPHAL, MANIPUR, 795001
198. SHRI FRANCIS GIRLAND KHARSHIING, DEPUTY INSPECTOR GENERAL OF POLICE TRG, SHILLONG POLICE ACADEMY, MEGHALAYA, 793001
199. SHRI PLOSTER SYIEM, SECOND IN COMMANDANT, 5TH MLP BN, SAMGONG WILLIAMNAGAR, MEGHALAYA, 794111
200. SHRI JOELARSON R MARAK, A B INSPECTOR, 5TH M L P BATTELION, MEGHALAYA, 794111
201. SHRI JOHN NEIHLAIA, DIG, PHQ AIZAWL, MIZORAM, 796001
202. SMT. LALTHANGLIANI, INSPECTOR, PHQ AIZAWL, MIZORAM, 796001
203. SHRI LALDINGLIANA, INSPECTOR, 2ND IR BN HQRS KHAWZAWL, MIZORAM, 796310
204. SHRI NABA KISHORE DAS, COMMANDANT, ODISHA STATE ARMED POLICE 1ST BATTALION, DHENKANAL, ODISHA, 759001
205. SHRI AJAYA KUMAR PADHI, DEPUTY COMMANDANT SPECIAL OPERATION GROUP, BHUBANESWAR, ODISHA, 754005
206. SHRI ASHOK KUMAR DEO, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, SPECIAL INTELLIGENCE WING, ODISHA, BHUBANESWAR, ODISHA, 751001
207. SHRI PRAFULLA KUMAR SINGH, ACP SECURITY, SPECIAL SECURITY BATTALION, BHUBANESWAR, ODISHA, 751001
208. SHRI PRADYUMNA KUMAR DWIVEDY, IN-CHARGE DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, VIGILANCE DIRECTORATE CUTTACK, ODISHA, 753001
209. SMT. SNIGDHA BHANJA, IN CHARGE DEPUTY SUPERINTENDANT OF POLICE, OFFICE OF THE SP, EOW, CID, CB, BHUBANESWAR, ODISHA, 751001
210. SHRI BIKRAM KESHARI JENA, INSPECTOR OF POLICE, SADAR POLICE STATION, KHORDHA, OFFICE OF THE SP, KHORDHA, ODISHA, 752055
211. SHRI BRAHAMANANDA PANDA, SUB INSPECTOR OF POLICE, SPECIAL INTELLIGENCE WING, ODISHA, BHUBANESWAR, ODISHA, 751001
212. SHRI KAILASH CHANDRA PRADHAN, ASSISTANT SUB INSPECTOR OF POLICE, THELKOLOI POLICE STATION, SAMBALPUR, ODISHA, 768210
213. SHRI ALEXANDER KUJUR, HAVILDAR, R.O. JHARSUGUDA, ODISHA, 768201
214. SHRI BIPRA CHARAN GOUDA, CONSTABLE, VIGILANCE BERHAMPUR DIVISION, BERHAMPUR, ODISHA, 760004
215. SHRI ASHISH KAPOOR, AIG, VB-FS-1, PB., CHANDIGARH, PUNJAB, 160017

216. SHRI VARINDER SINGH BRAR, SSP, LUDHIANA RURAL, PUNJAB, 142026
217. SHRI ANIL JOSHI, AIG, CID UNIT, PUNJAB, CHANDIGARH, PUNJAB, 160022
218. SHRI SUKHDEV SINGH KAHLOON, AIG, TELECOM., PUNJAB, CHANDIGARH, PUNJAB, 160009
219. SHRI HARMOHAN SINGH, AIG, PERSONNEL-3, CPO, PUNJAB, CHANDIGARH, PUNJAB, 160009
220. SHRI AJAY MALUJA, AIG, CI, BATHINDA, PUNJAB, 151001
221. SHRI GURDEV SINGH, ACP, TRAFFIC, LUDHIANA, PUNJAB, 141001
222. SHRI MANPREET SINGH, DSP, INVESTIGATION, KAPURTHALA, PUNJAB, 144601
223. SHRI SANJEEVAN GURU, INSPECTOR, I/C PPOI, SEC-32, CHANDIGARH, PUNJAB, 160032
224. SHRI BIKRAM SINGH, INSPECTOR, INTELLIGENCE HEADQUARTERS, SAS NAGAR, PUNJAB, 160062
225. SHRI GANESH KUMAR, INSPECTOR, SECURITY WING, PUNJAB, CHANDIGARH, PUNJAB, 160009
226. SMT. JASVIR KAUR, INSPECTOR LOCAL RANK, DISTT. BARNALA, PUNJAB, 148105
227. SMT. GURMEET KAUR, SUB-INSPECTOR, RANGE OFFICE, PATIALA, PUNJAB, 147001
228. SHRI ASHWANI KUMAR, SUB INSPECTOR LR, O/O FEROZEPUR RANGE, FEROZEPUR, PUNJAB, 152002
229. SHRI DHARMVIR SINGH, ASI, O/O ADGP, SOG & CDO, BHG, PATIALA, PUNJAB, 147021
230. SHRI GYAN CHANDRA YADAV, ADD SP, RAJASTHAN POLICE ACADEMY JAIPUR, RAJASTHAN, 302016
231. SHRI SALVINDER SINGH, ADDL SP, POLICE TRAINING SCHOOL BIKANER, RAJASTHAN, 334001
232. SMT. KUMARI VEENA SHASTRY, DYSP, INTELLIGENCE TRAINING ACADEMY JAIPUR, RAJASTHAN, 302016
233. SHRI SURENDRA SINGH RANAWAT, POLICE INSPECTOR, POLICE THANA ADARSH NAGAR AJMER, RAJASTHAN, 300501
234. SHRI RATAN SINGH, SUB INSPECTOR, CRIME BRANCH POLICE COMMISSIONERATE JODHPUR, RAJASTHAN, 342006
235. SHRI MADAN LAL, PLATOON COMMANDER, IST BN RAC JODHPUR, RAJASTHAN, 342006
236. SHRI LAXMI NARAYAN SAINI, ASSISTANT SUB INSPECTOR, ACB SIU JAIPUR, RAJASTHAN, 302004
237. SHRI KEWAL DAS VAISHNAV, ASI, POLICE STATION KOTWALI JAISHLMER, RAJASTHAN, 345001
238. SHRI RAM BABU SHARMA, HEAD CONSTABLE, CID CB RAJASTHAN JAIPUR, RAJASTHAN, 302015
239. SHRI MAHAVEER SINGH, HEAD CONSTABLE, RAJASTHAN POLICE ACADEMY JAIPUR, RAJASTHAN, 302016
240. SHRI HAKAM ALI, HEAD CONSTABLE, 5TH BN RAC JAIPUR, RAJASTHAN, 302003
241. SHRI HARI SINGH, HEAD CONSTABLE, OFFICE OF THE DIRECTOR JAIL JAIPUR, RAJASTHAN, 302001
242. SHRI KANA RAM, HEAD CONSTABLE, 10TH BN RAC BIKANER, RAJASTHAN, 334001
243. SHRI TEJ KUMAR, CONSTABLE, 4 BN RAC JAIPUR, RAJASTHAN, 302027
244. SHRI TARAK SHAH, CONSTABLE, ACP LICENSING OFFICE POLICE COMMISSIONERATE JODHPUR, RAJASTHAN, 342006
245. SHRI BHAGIRATH SINGH MEENA, CONSTABLE, 10 BN RAC IR BIKANER, RAJASTHAN, 334001
246. MRS. C MAGESHWARI, JOINT COMMISSIONER OF POLICE, LAW & ORDER, SOUTH ZONE, GREATER CHENNAI POLICE, CHENNAI, TAMIL NADU, 600016
247. MRS. N KAMINI, DEPUTY INSPECTOR GENERAL OF POLICE, RAMANATHAPURAM RANGE, TAMIL NADU, 623501

248. MRS. S SANTHI, SUPERINTENDENT OF POLICE TAMIL NADU POLICE ACADEMY, CHENNAI, TAMIL NADU, 600127
249. SHRI M M ASHOK KUMAR, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE TAMIL NADU, USRB, CHENNAI, TAMIL NADU, 600008
250. SHRI K RAJENDHRAN, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, SPECIAL DIVISION CID, CHENNAI, TAMIL NADU, 600004
251. SHRI S KESAVAN, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE SECURITY BRANCH CID, CHENNAI, TAMIL NADU, 600028
252. SHRI K P S DEVARAJ, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE PALLAVARAM RANGE, GREATER CHENNAI POLICE, TAMIL NADU, 600043
253. SHRI M VETRY CHEZHIAN, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, DISTRICT CRIME RECORD BU, DISTRICT POLICE OFFICE, SURVEYOR COLONY, MADURAI, TAMIL NADU
254. SHRI K KANAGARAJ JOSEPH, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE CENTRAL CRIME BRANCH, GREATER CHENNAI POLICE, VEPERY, CHENNAI, TAMIL NADU, 600007
255. SHRI S SANKAR, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE VIGILANCE AND ANTI CORRUPTION, SPECIAL INVESTIGATION CELL, CHENNAI, TAMIL NADU, 600016
256. SHRI M ARUMUGAM, ASSISTANT COMMANDANT, TSP III BN VEERAPURAM, TAMIL NADU, 600055
257. SHRI K SANKARASUBRAMANIAN, INSPECTOR OF POLICE VIGILANCE AND ANTI CORRUPTION, CITY-1, CHENNAI, TAMIL NADU, 600016
258. SHRI S JOHN VICTOR, INSPECTOR OF POLICE PROHIBITION ENFORCEMENT WING, PONNERI, THIRUVALLUR DISTRICT, TAMIL NADU, 601204
259. SHRI V GANESAN, INSPECTOR OF POLICE VIGILANCE AND ANTI CORRUPTION, KANCHEEPURAM, TAMIL NADU, 631502
260. SHRI R JANARTHANAN, SUB INSPECTOR OF POLICE SPECIAL BRANCH CID, CHENNAI, TAMIL NADU, 600004
261. SHRI J ULAGANATHAN, SPECIAL SUB INSPECTOR OF POLICE SECURITY BRANCH CID, CHENNAI, TAMIL NADU, 600028
262. SHRI P MUTHURAMALINGAM, SPECIAL SUB INSPECTOR OF POLICE VIGILANCE AND ANTI CORRUPTION, RAMANATHAPURAM, TAMIL NADU, 623503
263. SHRI I SRINIVASAN, SPECIAL SUB INSPECTOR OF POLICE, VIGILANCE AND ANTI CORRUPTION, SPECIAL INVESTIGATION CELL CHENNAI, TAMIL NADU, 600016
264. SHRI H GUNALAN, SPECIAL SUB INSPECTOR OF POLICE VIGILANCE AND ANTI CORRUPTION, HEADQUARTERS CHENNAI, TAMIL NADU, 600016
265. SHRI K PURUSHOTHAMAN, SPECIAL SUB INSPECTOR OF POLICE VIGILANCE AND ANTI CORRUPTION, CITY V CHENNAI, TAMIL NADU, 600016
266. SHRI N BASKARAN, HEAD CONSTABLE-15858, SPECIAL BRANCH CID, CHENNAI, TAMIL NADU, 600004
267. SHRI S CHANDRA SEKHAR REDDY, SP, SANGAREDDY, TELANGANA, 502001
268. SHRI MALIGELI NARYANA, AIG (LAW AND ORDER), HYDERABAD, TELANGANA, 500004
269. SHRI SANGIPAGI FRANCIS, ASSAULT COMMANDER (GREY HOUNDS), HYDERABAD, TELANGANA, 500089
270. SHRI RAM PRAKASH BAGGU, COMMANDANT, TSSP, KHAMMAM, TELANGANA 507303
271. SHRI E RAMACHANDRA REDDY, SP (NC), RACHAKONDA, TELANGANA, 508252

-
272. SHRI D UDAY KUMAR REDDY, ADDL SP, KOTHAGUDEM, TELANGANA, 507101
273. SHRI SURYANENI PRABHAKAR RAO, DSP, HYDERABAD, TELANGANA, 500004
274. SHRI V SURYACHANDRA RAO, DSP, HYDERABAD, TELANGANA, 500004
275. SHRI KHAJA MOINUDDIN, SI, HYDERABAD, TELANGANA, 500004
276. SHRI SYED MAQBOOL PASHA, SI, WARANGAL, TELANGANA, 506002
277. SHRI MOHAMMED ALI KHAN MUQTHAR, ASI, HYDERABAD, TELANGANA, 500004
278. SHRI G LAXMINARSIMHA RAO, HC, HYDERABAD, TELANGANA, 500002
279. SHRI MOHAMMED AZEEZUDDIN, HC, WARANGAL, TELANGANA, 506001
280. SHRI PHANINDRA KUMAR JAMATIA, ASSISTANT COMMANDANT, DHALAI, TRIPURA, 799278
281. SHRI SATYAJIT DEBNATH, DY SP, AGARTALA, TRIPURA, 799010
282. SHRI SAROJ BHATTACHARJEE, INSPECTOR, AGARTALA, TRIPURA, 799003
283. SHRI BHIM SINGH, SUBEDAR, AGARTALA, TRIPURA, 799008
284. SHRI BIPLAB KUMAR DEB, SUBEDAR, TRIPURA, TRIPURA, 799102
285. SHRI RATAN LAL PODDER, HAVILDAR, TRIPURA, TRIPURA, 799141
286. SHRI RAMESH, COMDT PAC, 48 BATALIAN SONBHADRA, UTTAR PRADESH, 231216
287. SHRI RAJESH KUMAR SINGH, ADDL SP, FIROZABAD, UTTAR PRADESH, 283203
288. SMT. SUDHA SINGH, ADDL SP, GAUTAMBUDDH NAGAR, UTTAR PRADESH, 201301
289. SHRI DINESH SINGH, ADSP, BIJNOR, UTTAR PRADESH, 246701
290. SHRI RAM BADAN SINGH, ADDL SP, ETAWAH, UTTAR PRADESH, 206001
291. SHRI SHABIHUL HUMD, DYSP, AZAMGARH, UTTAR PRADESH
292. SHRI DILEEP SINGH, DYSP, BAGPAT, UTTAR PRADESH
293. SHRI OM PRAKASH, DYSP, BANDA, UTTAR PRADESH
294. SHRI MANOJ KUMAR BISHT, DYSP, SITAPUR, UTTAR PRADESH
295. SHRI SANJAY KUMAR SHARMA, DYSP, JALAUN, UTTAR PRADESH
296. SHRI NAND LAL, DY SP, MAU, UTTAR PRADESH
297. SHRI RAMCHANDRA DIXIT, INSPECTOR, ETAWA, UTTAR PRADESH, 206001
298. SHRI SANJAY KUMAR TYAGI, INSPECTOR, INT HQ LKW, UTTAR PRADESH, 226001
299. SHRI RAMPAL SINGH, INSPECTOR, MATHURA, UTTAR PRADESH, 281001
300. SHRI CHANDRABHAN SHARMA, INSPECTOR, ANTI CORRUPTION LUCKNOW, UTTAR PRADESH, 226001
301. SHRI KRISHNAPAL SHARMA, COMPANY COMMANDER, 06BN PAC MEERUT, UTTAR PRADESH, 250001
302. SHRI MOHAMMAD NISAR AHMAD, COMPANY COMMANDER, 36BN PAC VARANASI, UTTAR PRADESH, 221008
303. SHRI RAJ KUMAR, INSPECTOR, SHAHJAHANPUR, UTTAR PRADESH, 242001
304. SHRI UMESH CHANDRA TYAGI, INSPECTOR, INT HQ LKW, UTTAR PRADESH, 226001
305. SHRI SUDHAKAR SHARMA, INSPECTOR, INT HQ LKW, UTTAR PRADESH, 226001
306. SHRI ASHA RAM TYAGI, INSPECTOR, INT HQ LKW, UTTAR PRADESH, 226001

307. SHRI RAVINDRA SINGH, INSPECTOR, VIGILANCE LUCKNOW, UTTAR PRADESH, 226001
308. SHRI RAM NARESH DWIVEDI, INSPECTOR, SIT LKW, UTTAR PRADESH, 226001
309. SHRI ASHOK KUMAR, INSPECTOR, EOW LKW, UTTAR PRADESH, 226001
310. SHRI RAMESHWAR SINGH, SUB INSPECTOR, DGP HQ LKW, UTTAR PRADESH, 226001
311. SHRI BABBAN KUMAR VERMA, SUB INSPECTOR, INT HQ LKW, UTTAR PRADESH, 226001
312. SHRI RISHIPAL SINGH, SUB INSPECTOR AP, MEERUT, UTTAR PRADESH, 250004
313. SHRI DINESH KUMAR SINGH, SUB INSPECTOR, INT HQ LKW, UTTAR PRADESH, 226006
314. SHRI LAXMIKANT DWIVEDI, SUB INSPECTOR, SONBHADRA, UTTAR PRADESH, 231206
315. SHRI NARENDRA SINGH, SUB INSPECTOR, KANPUR DEHAT, UTTAR PRADESH, 209101
316. SHRI BHOLA SINGH KUSHWAHA, SUB INSPECTOR, GONDA, UTTAR PRADESH, 271001
317. SHRI OPENDRA NATH PANDEY, PLATOON COMMANDER, 32BN PAC LUCKNOW, UTTAR PRADESH, 226023
318. SHRI JAMUNA PRASAD TIWARI, SUB INSPECTOR, GHAZIPUR, UTTAR PRADESH, 233001
319. SHRI MAINEJAR PRASAD, PLATOON COMMANDER, 34BN PAC VARANASI, UTTAR PRADESH, 221108
320. SHRI ANAND KUMAR SINGH, SUB INSPECTOR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH, 262001
321. SHRI JANMED, SUB INSPECTOR, RAIBAREILY, UTTAR PRADESH, 229001
322. SHRI SHIV MANGAL, SUB INSPECTOR, INT HQ LKW, UTTAR PRADESH, 226006
323. SHRI CHANDRAPAL BHARDWAJ, SUB INSPECTOR, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH, 201001
324. SHRI PRABHU NATH SINGH, SUB INSPECTOR LIU, FAIZABAD, UTTAR PRADESH, 224001
325. SHRI VINOD KUMAR, PLATOON COMMANDER, 06BN PAC MEERUT, UTTAR PRADESH, 250001
326. SHRI BHUPENDRA SINGH, SUB INSPECTOR, SAMBHAL, UTTAR PRADESH, 244302
327. SHRI SANT KUMAR, SUB INSPECTOR, AMROHA, UTTAR PRADESH, 244221
328. SHRI SHYORAJ SINGH SHARMA, SUB INSPECTOR, AGRA, UTTAR PRADESH, 282006
329. SHRI RAM KUMAR SINGH TOMAR, SUB INSPECTOR, SAHARANPUR, UTTAR PRADESH, 247001
330. SHRI KAILASH BABU, SUB INSPECTOR, MATHURA, UTTAR PRADESH, 281001
331. SHRI SHRAWAN KUMAR PANDEY, SUB INSPECTOR, PRAYAGRAJ, UTTAR PRADESH, 211001
332. SHRI PRATAP NARAYAN MISHRA, SUB INSPECTOR, AMBEDKAR NAGAR, UTTAR PRADESH, 224122
333. SHRI RAMVEER SINGH, SUB INSPECTOR, CHITRAKOOT, UTTAR PRADESH, 210205
334. SHRI ARVIND KUMAR, HEAD CONSTABLE, VIGILANCE LUCKNOW, UTTAR PRADESH, 226006
335. SHRI BABULAL, HEAD CONSTABLE, VARANASI, UTTAR PRADESH, 221002
336. SHRI DHARMENDRA KUMAR TRIPATHI, HEAD CONSTABLE, INT HQ LKW, UTTAR PRADESH, 226006
337. SHRI AMARPAL SINGH, HEAD CONSTABLE, INT HQ LKW, UTTAR PRADESH, 226006
338. SHRI MAHESH KUMAR, HEAD CONSTABLE, 23BN PAC MDD, UTTAR PRADESH, 244001
339. SHRI MOHAMMAD SULTAN, HEAD CONSTABLE, 04TH BN PAC, UTTAR PRADESH, 211011
340. SHRI TEJPAL SINGH, HEAD CONSTABLE, 38BN PAC AIH, UTTAR PRADESH, 202001
341. SHRI NAND RAM SINGH, HEAD CONSTABLE, SECURITY HQ LUCKNOW, UTTAR PRADESH, 226007
342. SHRI KALYAN SINGH, HEAD CONSTABLE, 26BN PAC, UTTAR PRADESH, 273401

343. SHRI BHUPENDRA SINGH, HEAD CONSTABLE, AGRA, UTTAR PRADESH, 282005
344. SHRI RAMESH CHANDRA PANDEY, HEAD CONSTABLE, FPB LUCKNOW, UTTAR PRADESH, 226006
345. SHRI DAROGA LAL, HEAD CONSTABLE, FATEHPUR, UTTAR PRADESH, 212601
346. SHRI VIDYA BHUSHAN SHUKLA, HEAD CONSTABLE, VARANASI, UTTAR PRADESH, 221002
347. SHRI AVINASH CHANDRA, HEAD CONSTABLE, KANNAUJ, UTTAR PRADESH, 209725
348. SHRI MAHAVEER PRASAD, HEAD CONSTABLE, INT HQ LKW, UTTAR PRADESH, 226006
349. SHRI RAMVEER SINGH, HEAD CONSTABLE, MATHURA, UTTAR PRADESH, 281001
350. SHRI SANTRAM YADAV, HEAD CONSTABLE, MAHOBA, UTTAR PRADESH, 210427
351. SHRI VEER PRAKASH RAWAT, HEAD CONSTABLE, BHARTI BOARD LUCKNOW, UTTAR PRADESH, 226001
352. SHRI SURENDRA SINGH, HEAD CONSTABLE, MORADABAD, UTTAR PRADESH, 244001
353. SHRI GANESH PAL SINGH, HEAD CONSTABLE, ETAH, UTTAR PRADESH, 207001
354. SHRI NAGENDRA NATH PANDEY, HEAD CONSTABLE, FAIZABAD, UTTAR PRADESH, 224001
355. SHRI HAWALDAR YADAV, HEAD CONSTABLE, AZAMGARH, UTTAR PRADESH, 276001
356. SHRI DEVKI NANDAN JOSHI, INSPECTOR (LIPIK), RANGE OFFICE MORADABAD, UTTAR PRADESH, 244001
357. SHRI SANJAY KUMAR AGRAWAL, INSPECTOR, DGP HQ LUCKNOW, UTTAR PRADESH, 226001
358. SHRI LAL PRATAP SINGH, INSPECTOR, UPPCL LUCKNOW, UTTAR PRADESH, 226001
359. SHRI PRADEEP KUMAR GUPTA, INSPECTOR, GAUTAMBUDHNAGAR, UTTAR PRADESH, 201301
360. SHRI SHRIDHAR PRASAD BADOLA, DY SP, DISTRICT RUDRAPRAYAG, UTTARAKHAND, 246171
361. SHRI HEERA SINGH RANA, ASSISTANT COMMANDANT, IRB I RAMNAGAR NAINITAL, UTTARAKHAND, 263139
362. SHRI PRAKASH CHANDRA SHARMA, SI (VISHESH SHRENI), CM SECURITY, DEHRADUN, UTTARAKHAND, 248001
363. SHRI DHAN RAM, PLATOON COMMANDER (VISHESH SHRENI), 46 BN PAC RUDRAPUR, UTTARAKHAND, 263153
364. SHRI ADITYA RAM, SI (VISHESH SHRENI), SDRF DEHRADUN, UTTARAKHAND, 248140
365. SHRI JOYDEV GHOSH, INSPECTOR OF POLICE, ALIPURDUAR POLICE STATION, DIST- ALIPURDUAR, WEST BENGAL, WEST BENGAL, 736122
366. SMT. MUMTAZ BEGUM, INSPECTOR OF POLICE IC WOMEN POLICE STATION, SILIGURI WOMEN POLICE STATION, SILIGURI POLICE COMMISSIONERATE, WEST BENGAL., WEST BENGAL, 734003
367. SHRI JOYSURJA MUKHERJEE, INSPECTOR OF POLICE, SOUTH EAST DIVISION, WEST BENGAL, 700017
368. SHRI SATYA PRAKASH UPADHYAY, INSPECTOR OF POLICE, SOUTH SUBURBAN DIVISION, KOLKATA, WEST BENGAL, 700033
369. SHRI BIBHAS KUMAR MONDAL, INSPECTOR OF POLICE, TRAFFIC DEPARTMENT, LALBAZAR, KOLKATA, WEST BENGAL, 700001
370. SHRI SUMAN BASU, INSPECTOR OF POLICE, TRAFFIC DEPARTMENT, LALBAZAR, KOLKATA, WEST BENGAL, 700001
371. SHRI JONAKI BAGCHI, SUB INSPECTOR OF POLICE, BIDHANNAGAR POLICE COMMISSIONERATE, WEST BENGAL, WEST BENGAL, 700106

372. SHRI SUMAN CHAKRABORTY, SUB INSPECTOR, CID, WEST BENGAL, BHABANI BHAWAN, WEST BENGAL, 700027
373. SMT. ZINNA TARA KHATUN, LADY SUB INSPECTOR OF POLICE, SOUTH WEST DIVISION, KOLKATA, WEST BENGAL, 700033
374. SHRI SK JAINAL HAQUE, ASSISTANT SUB INSPECTOR OF POLICE, HOWRAH GRP DISTRICT, WEST BENGAL, WEST BENGAL, 711101
375. SHRI SUMAN SINGH BHANDARI, ASSISTANT SUB INSPECTOR, SVSPA, BARRACKPORE, WEST BENGAL, 700120
376. SHRI ASHIS KUMAR KUNDU, ASSISTANT SUB INSPECTOR OF POLICE, NORTH 24 PARGANAS DISTRICT, WEST BENGAL, WEST BENGAL, 700129
377. SHRI BARUN KUMAR PAL, ASSISTANT SUB INSPECTOR, ASANSOL DURGAPUR, WEST BENGAL, 713304
378. SHRI PARIMAL SARKAR, ARMED ASSISTANT SUB INSPECTOR OF POLICE, BRIGADE HQ, KOLKATA ARMED POLICE, WEST BENGAL, 700027
379. SHRI ANUP DAS, CONSTABLE, ENFORCEMENT BRANCH, WEST, BENGAL, 1ST FLOOR BHABANI BHAWAN, KOLKATA, WEST BENGAL, 700027
380. SHRI SURAJIT BAIN, CONSTABLE, DIRECTORATE OF SECURITY, WB 13, LORD SINHA ROAD, KOLKATA-700071, WEST BENGAL, 700071
381. SHRI KAMAL CHANDRA MONDAL, CONSTABLE, POLICE OFFICE, PURULIA, WEST BENGAL, 723101
382. SHRI GOPAL CHANDRA JANA, CONSTABLE, PASCHIM MEDINIPUR ON DEPUTATION DIG (MR OFFICE), WEST BENGAL, 721301
383. SHRI DAYAMOY PRATIHAR, CONSTABLE, LINE OR, PASCHIM MEDINIPUR, WEST BENGAL, WEST BENGAL, 721101
384. SHRI PROKASH BISWAS, CONSTABLE DRIVER, BIDHANNAGAR POLICE COMMISSIONERATE, STADIUM GATE NO- 03, SECTOR-III, SALT LAKE, WEST BENGAL, 700106
385. SHRI HARENDRASINH CHHIBUSINH RATHOD, INSPECTOR OF POLICE, CRIME BRANCH, DADRA AND NAGAR HAVELI, 396230
386. SHRI SHIBESH SINGH, SR SUPERINTENDENT OF POLICE, U.T. OF LAKSHADWEEP, LAKSHADWEEP, 682555
387. SHRI V NARAYANASAMY, SUB INSPECTOR, ODIANSALAI PS, PUDUCHERRY, 605001
388. DR. ARUN KUMAR MEHTA, DIRECTOR MEDICAL, SHILLONG, ASSAM RIFLES, 793010
389. SHRI MANGAL SINGH, SUBEDAR, RADHANAGAR, ASSAM RIFLES, 932030
390. SHRI BHAGWAN SINGH, NAIB SUBEDAR, 43, ASSAM RIFLE, C/O 99 APO, ASSAM RIFLES, 932043
391. SHRI MD NAZIMUDDIN, WARRANT OFFICER, GHASPANI, ASSAM RIFLES, 932041
392. SHRI RADHE SHYAM PRASAD, WARRANT OFFICER, TENGNOUPAL, ASSAM RIFLES, 932012
393. SHRI NARENDRA BAHADUR CHHETRI, WARRANT OFFICER, LUNGLEI, MIZORAM, ASSAM RIFLES, 932001
394. SHRI MANOJ KUMAR, WARRANT OFFICER, KADAMTALA, ASSAM RIFLES, 932037
395. SHRI DIN PRASAD GURUNG, WARRANT OFFICER, CHURACHANDPUR, ASSAM RIFLES, 932025
396. SHRI KABINDRA TALUKDAR, HAVILDAR, KOHIMA, ASSAM RIFLES, 797001
397. SHRI KHARAK SINGH, HAVILDAR, NAGINIMORA, ASSAM RIFLES, 932035
398. SHRI SIB SANKAR MAJUMDAR, HAVILDAR, SERCHHIP, ASSAM RIFLES, 932010

399. SHRI DINESH KUMAR BOORA, DIG (OPS), FTR HQ BSF TRIPURA, BSF, 799012
400. SHRI MRITYUNJAYA KUMAR, DIG (G), FTR HQ BSF TRIPURA, BSF, 799012
401. SHRI TEJINDER PAL SINGH SIDHU, COMMANDANT (ADM), SHQ BSF, GURDASPUR, BSF, 143521
402. SHRI MANJINDER SINGH, COMMANDANT, STC BSF, BANGALORE, BSF, 560063
403. SHRI ANIL KUMAR SINHA, COMMANDANT, SPL DG BSF EAST COMMAND, KOLKATA, BSF, 700019
404. SHRI KALYAN KANTI MAJUMDAR, COMMANDANT, FTR HQ BSF KOLKATA, BSF, 700071
405. SHRI TARNI KUMAR TIU, COMMANDANT (ADM), SHQ BSF KOLKATA, BSF, 700035
406. SHRI ANIL VERMA, COMMANDANT, SPL DG BSF EAST COMMAND, KOLKATA, BSF, 700019
407. SHRI RAMESH KUMAR, COMMANDANT, BIDR BSF, ACADEMY TEKANPUR, BSF, 475005
408. SHRI BALWANT SINGH PANGTEY, COMMANDANT, SHQ BSF JOWAI, SHILLONG, BSF, 793001
409. SHRI RAJENDRA SINGH, SECOND IN COMMAND (OPS), HQ SDG WEST COMMAND CHANDIGARH, BSF, 160003
410. SHRI ROOP CHAND CHANDRA, SECOND IN COMMAND, 177 BN BSF, BSF, 125011
411. SHRI JAL DHARI MEENA, DEPUTY COMMANDANT, 69 BN BSF, BSF, 303805
412. SHRI BRIJ KISHORE DWIVEDI, DEPUTY COMMANDANT, 55 BN BSF, BSF, 799260
413. SHRI BABU LAL KISKU, DEPUTY COMMANDANT, 181 BN BSF, BSF, 152116
414. SHRI HARI RAM MEENA, DEPUTY COMMANDANT, 132 BN BSF, BSF, 145024
415. SHRI RAJEEV MOHAN KOSHIK, DEPUTY COMMANDANT, 176 BN BSF, BSF, 181101
416. SHRI BHUPINDER VIKAS, DEPUTY COMMANDANT, 89 BN BSF, BSF, 181201
417. SHRI RASHBEHARI DUTTA, DEPUTY COMMANDANT, 153 BN BSF, BSF, 741235
418. SHRI NAGESHWAR SINGH DHAKA, DEPUTY COMMANDANT, FHQ BSF NEW DELHI, BSF, 110003
419. SHRI BRAJENDRA SINGH PARIHAR, DEPUTY COMMANDANT, 156 BN BSF, BSF, 335051
420. SHRI AKHIL CHANDRA MANDAL, DEPUTY COMMANDANT, 07 BN BSF, BSF, 788712
421. SHRI RAM BHAJ, ASSTT COMMANDANT, 25 BN BSF, BSF, 110071
422. SHRI BAGATAWAR SINGH, INSPECTOR (GD), CSWT BSF INDORE, BSF, 452005
423. SHRI ASHOK KUMAR, INSPECTOR (GD), SHQ BSF SUNDERBANI, BSF, 185153
424. SHRI BALKAR SINGH, INSPECTOR (GD), 69 BN BSF, BSF, 303805
425. SHRI KAPIL KUMAR SINGH, INSPECTOR (GD), 25 BN BSF, BSF, 110071
426. SHRI JOGINDER SINGH, INSPECTOR (GD), 177 BN BSF, BSF, 125011
427. SHRI SUNIL KUMAR, INSPECTOR (GD), 137 BN BSF, BSF, 185102
428. SHRI JAI SINGH VERMA, INSPECTOR (GD), 173 BN BSF, BSF, 184121
429. SHRI HARIBA SURYAKANT DHADAKE, INSPECTOR (GD), 26 BN BSF, BSF, 794001
430. SHRI KESHAV PRASAD SINGH, INSPECTOR (GD), 169 BN BSF, BSF, 152123
431. SHRI INDRAPAL SINGH KUSHWAH, INSPECTOR (GD), 18 BN BSF, BSF, 345002
432. SHRI SURESH KUMAR, INSPECTOR (MIN), FHQ BSF NEW DELHI, BSF, 110003
433. SHRI SAMBHU NATH HALDER, INSPECTOR (COMN), SHQ BSF KOLKATA, BSF, 700035
434. SHRI T MADAN MOHAN REDDY, INSPECTOR (CIPHER), FTR HQ BSF, M&C, BSF, 788025
435. SHRI GAJENDRA SINGH SENGAR, SUB INSPECTOR (GD), 127 BN BSF, BSF, 181124
436. SHRI KHUMAN SINGH, SUB INSPECTOR (GD), STC BSF JODHPUR, BSF, 342026

437. SHRI HARJIT SINGH, SUB INSPECTOR (GD), 26 BN BSF, BSF, 794001
438. SHRI VIRENDRA SINGH, SUB INSPECTOR (GD), 93 BN BSF, BSF, 797001
439. SHRI BHAGWAN SINGH SHEKHAWAT, SUB INSPECTOR (GD), 55 BN BSF, BSF, 799260
440. SHRI KISHORI LAL, SUB INSPECTOR (GD), 28 BN BSF, BSF, 733130
441. SHRI RAM AVTAR, SUB INSPECTOR (GD), 78 BN BSF, BSF, 181101
442. SHRI RAM RAJ, ASSTT SUB INSPECTOR (GD), 153 BN BSF, BSF, 741235
443. SHRI JAHAR DEBNATH, HEAD CONSTABLE (UPHOLSTER), SHQ BSF JAMMU, BSF, 181124
444. SHRI RIYAZ AHMED, HEAD CONSTABLE (GD), 28 BN BSF, BSF, 733130
445. SHRI SARWASHRESTHA AMBASTHA, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, CISF UNIT BSL BOKARO, CISF, 827001
446. SHRI PRADIP KUMAR BHARTI, SR COMMANDANT, CISF UNIT NALCO DAMANJODI, CISF, 763008
447. SHRI SUDHU BHAGAT, SENIOR COMMANDANT, CISF UNIT PTPS PATRATU, CISF, 829119
448. SHRI SHANKAR MANJHI, COMMANDANT, CISF UNIT DAMEL DELHI, CISF, 110077
449. SHRI BHUPINDER SINGH, DEPUTY COMMANDANT, CISF UNIT IPGCL DELHI, CISF, 110002
450. SHRI OMBIR SINGH, DEPUTY COMMANDANT, CISF UNIT CGBS DELHI, CISF, 110011
451. SHRI RAVINDRA SINGH, ASST COMMANDANT/ EXECUTIVE, CISF RTC BARWAHA, CISF, 451115
452. SHRI NIRANJAN SINGH RAWAT, ASST COMMANDANT/ EXECUTIVE, CISF KRTC MUNDALI, CISF, 754013
453. SHRI AJIT SINGH SAMYAL, ASST COMMANDANT/ EXECUTIVE, CISF UNIT CGBS DELHI, CISF, 110011
454. SHRI DAMODAR VISALAM RAJARAM, ASST COMMANDANT / EXE LOCAL RANK, CISF UNIT APEP ALWAYE, CISF, 683112
455. SHRI MUKHTAR AHMED, ASST SUB INSPECTOR / EXECUTIVE, CISF UNIT CCL KARGALI, CISF, 825102
456. SHRI BABU LAL SHARMA, ASST SUB INSPECTOR / EXECUTIVE, CISF UNIT WCL CHHINDWARA, CISF, 480441
457. SHRI KALU RAM, ASST SUB INSPECTOR / EXECUTIVE, CISF UNIT CGBS DELHI, CISF, 110011
458. SHRI HARU SEN, ASST SUB INSPECTOR / EXECUTIVE, CISF UNIT OIL DULIAJAN, CISF, 786602
459. SHRI S ANANDAN, ASST SUB INSPECTOR / EXECUTIVE, CISF RTC ARAKKONAM, CISF, 631152
460. SHRI C VIKRAMAN, ASST SUB INSPECTOR / EXECUTIVE, CISF UNIT IPRC MAHENDRAGIRI, CISF, 627133
461. SHRI R MURALIDHARAN NAIR, ASST SUB INSPECTOR / EXECUTIVE, CISF UNIT AIRPORT COCHIN, CISF, 683133
462. SHRI AMRIT EKKA, ASST SUB INSPECTOR / EXECUTIVE, CISF UNIT BSP BHILAI, CISF, 490001
463. SHRI DURGA PRASAD MEHRA, ASST SUB INSPECTOR / EXECUTIVE, CISF UNIT BHEL BHOPAL, CISF, 462002
464. SHRI K RADHAKRISHNAN NAIR, ASST SUB INSPECTOR / EXECUTIVE, CISF UNIT BPCL KOCHI, CISF, 682302
465. SHRI M SHREEDHARAN PILLAI, ASST SUB INSPECTOR/EXECUTIVE, CISF UNIT IPRC MAHENDRAGIRI, CISF, 627133
466. SHRI SASIDHARAN K K, ASST SUB INSPECTOR / EXECUTIVE, CISF UNIT CSY COCHIN, CISF, 682015
467. SHRI R SIDDHARTHAN, ASST SUB INSPECTOR / EXECUTIVE, CISF UNIT NLC NEYVELI, CISF, 607801

468. SHRI HARI BHAI MORI, HEAD CONSTABLE / GD, CISF UNIT ONGC AHMEDABAD, CISF, 380005
469. SHRI CHITT RANJAN MAHAPATRA, COMMANDANT, INTELLIGENCE BUREAU, 35 SP MARG, NEW DELHI, CRPF, 110021
470. SHRI HARJINDER SINGH GHUMAN, COMMANDANT, 67 BN, CRPF, SHILONG (MEGHALAYA), CRPF, 793001
471. SHRI MEGH RAJ, COMMANDANT, 1ST SIGNAL BN, CRPF, NEW DELHI, CRPF, 110072
472. SHRI RAJESH PANDEY, COMMANDANT, 156 BN, CRPF, CHIRANG (ASSAM), CRPF, 783385
473. SHRI RAGHUVANSH KUMAR, COMMANDANT, 123 BN, CRPF, BALAGHAT (MP), CRPF, 481102
474. SHRI AMIT KUMAR SINGH, COMMANDANT, 2ND SIGNAL BN, CRPF, HYDERABAD (TELANGANA), CRPF, 500005
475. SHRI SURESH S, COMMANDANT, KASHMIR OPS SECTOR, CRPF, SRINAGAR (J&K), CRPF, 191101
476. SHRI NARVIR SINGH, COMMANDANT, 220 BN, CRPF, ROHTAK (HR), CRPF, 124010
477. SHRI KAMLESH SINGH, COMMANDANT, 79 BN, CRPF, SRINAGAR (J&K), CRPF, 190001
478. SHRI RAJENDRA SINGH SHEKHAWAT, COMMANDANT, 02 BN, CRPF, SUKMA (CG), CRPF, 494111
479. SHRI B JAYAKRISHNAN, COMMANDANT, 105 RAF, CRPF, COIMBATORE, CRPF, 641111
480. SHRI S S H RIZVI, COMMANDANT, 233(M) BN, CRPF, AT GC, LUCKNOW, CRPF, 226008
481. SHRI NARESH KUMAR SHARMA, COMMANDANT, NSG, NEW DELHI, CRPF, 110037
482. SHRI RAVINDER SINGH, SECOND-IN-COMMAND, 67 BN, CRPF, SHILONG (MEGHALAYA), CRPF, 793001
483. SHRI SATPAL, SECOND-IN-COMMAND, 163 BN, CRPF, ANANTNAG (J&K), CRPF, 192212
484. SHRI JUGAL KISHORE JOSHI, SECOND-IN-COMMAND, 52 BN, CRPF, KISHTWAR (J&K), CRPF, 182204
485. SHRI MANOJ KUMAR, SECOND-IN-COMMAND, 82 BN, CRPF, SRINAGAR (J&K), CRPF, 190001
486. SHRI SANJAY GAUTAM, SECOND-IN-COMMAND, 112 BN, CRPF, DALTONGANJ, PALAMU (JHARKHAND), CRPF, 822102
487. SHRI ASHOK KUMAR YADAV, SECOND-IN-COMMAND, 122 BN, CRPF, NEW DELHI, CRPF, 110074
488. SHRI LALAN KUMAR PANDEY, DY COMMANDANT, GC CRPF, NEW DELHI, CRPF, 110072
489. SHRI ARVIND KUMAR SINGH, DY COMMANDANT, 103 RAF, VAZIRABAD, DELHI, CRPF, 110090
490. SHRI RAJESH TIWARI, DY COMMANDANT, 224 BN, CRPF, GC CAMPUS, ALLAHABAD(UP), CRPF, 211013
491. SHRI MOHAMMAD ISMAIL ANSARI, INSPECTOR, 99 BN RAF, SECUNDERABAD, RANGAREDDY (T.S), CRPF, 500078
492. SHRI HEIKHAM INAO SINGH, INSPECTOR, 86 BN CRPF IMPHAL, CRPF, 795004
493. SHRI OM SINGH, INSPECTOR, 133 BN, CRPF RANCHI (JHARKHAND), CRPF, 834004
494. SHRI ANJANI KUMAR, INSPECTOR, 155 BN, CRPF, BOKAJAN (ASSAM), CRPF, 782480
495. SHRI RAMJI LAL SEMAR, INSPECTOR, CTC, CRPF, GWALIOR, CRPF, 475330
496. SHRI RAMKHILADI JAT, INSPECTOR, 61 BN, SHIVPORA, SRINAGAR (J&K), CRPF, 190004
497. SHRI TARACHAND, INSPECTOR, 112 BN, CRPF, DALTONGANJ, PALAMU (JHARKHAND), CRPF, 822102
498. SHRI RAJENDER SINGH, INSPECTOR, 84 BN, CRPF, CHATHA, JAMMU, CRPF, 180009
499. SHRI DEVENDER SINGH, INSPECTOR, GC CRPF GREATER NOIDA, CRPF, 201306
500. SHRI JITENDRA PRASAD SINGH, INSPECTOR, 189 BN, CRPF, BALANGIR, ODISHA, CRPF, 767002

501. SHRI LACHAM SINGH BISHT, INSPECTOR (GD), 110 BN, CRPF, LETHPORA (J&K), CRPF, 190001
502. SHRI GIRDHARI LAL, SUBEDAR MAJOR (GD), GC CRPF, NEW DELHI, CRPF, 110072
503. SHRI JAGDISH PRASAD MISHRA, INSPECTOR (GD), 92 BN CRPF WADOORA, SOPORE (J&K), CRPF, 193201
504. SHRI PUDHUCODE VENKATACHALAM SUNDARAM, INSPECTOR, 141 BN, CRPF, BHADRACHALAM, (TELANGANA), CRPF, 507111
505. SHRI M A NANAIAH, INSPECTOR, 113 BN, CRPF, GADCHIROLI MAHARASHTRA, CRPF, 442606
506. SHRI SURJEET SINGH, INSPECTOR, 69 BN, CRPF, IMPHAL (MANIPUR), CRPF, 795002
507. SHRI BRIJRAJ SINGH, INSPECTOR (GD), 124 BN, CRPF, SALBAGAN, AGARTALA, TRIPURA, CRPF, 799012
508. SHRI MODALAVALASA POLU NAIDU, INSPECTOR, 39 BN, CRPF, SAI ASHRAYA APARTMENTS, GANNAVARAM, KRISNNA, VIJAYAWADA, A.P, CRPF, 521101
509. SHRI SRINIWAS SINGH, SI, 218 BN CRPF, GUMLA (JHARKHAND), CRPF, 835207
510. SHRI BIJAY SHANKAR MISHRA, SI, 10 BN, CRPF, PO+PS-HOWLY, BARPETA, ASSAM, CRPF, 781316
511. SHRI BALI MOHAMMAD, SI, 52 BN, CRPF, KISHTWAR (J&K), CRPF, 182204
512. SHRI KAVIRAJ, SI, 61 BN, CRPF, SHIVPORA, SRINAGAR (J&K), CRPF, 190004
513. SHRI DAYA NAND, SI, GC, CRPF RAMBAGH, SRINAGAR (JAMMU & KASHMIR), CRPF, 190015
514. SHRI ANUJ KUMAR PANDEY, SI, GC, CRPF, GWALIOR (MP), CRPF, 474001
515. SHRI NARESH KUMAR, SI, 24 BN, CRPF, KULGAM (J&K), CRPF, 934024
516. SHRI JAILAL, SI, 86 BN CRPF, LAMPHELPA, IMPHAL, CRPF, 795004
517. SHRI AMRIT BAHADUR KHADKA, SI, 20 BN, CRPF, DIPHU, (ASSAM), CRPF, 782460
518. SHRI RAJ KUMAR, SI (GD), GC CRPF, NEW DELHI, CRPF, 110072
519. SHRI KUMOD KUMAR, SI, RTC, CRPF, RAJGIR, CRPF, 803116
520. SHRI KEWAL KRISHAN, SI, 137 BN, CRPF, UDHAMPUR (J&K), CRPF, 182101
521. SHRI RAJ KUMAR SINGH, SI, 31 BN, CRPF, MAYUR VIHAR, NEW DELHI, CRPF, 110096
522. SHRI KORBAN ALI, SI, O/O DIGP, SKOR, AWANTIPORA (J&K), CRPF, 192122
523. SHRI RAJU LAXMAN WERULKAR, ASI, 221 BN CRPF, GC CAMPUS GREATER NOIDA (UP), CRPF, 410208
524. SHRI SARBJIT SINGH, HC, 121 BN CRPF, HIRANAGAR (J&K), CRPF, 184142
525. SHRI BHAKTA CHARAN PUTEL, CONSTABLE, 189 BN, CRPF, BALANGIR, ODISHA, CRPF, 767002
526. SHRI KUNWAR PAL SINGH, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, NORTHERN FRONTIER, ITBP, SEEMADWAR, DEHRADUN(UTTRAKHAND), ITBP, 248146
527. SHRI RAM MEHAR SINGH, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, NORTH WEST FRONTIER, ITBP, POST OFFICE AIR FORCE STATION, CHANDIGARH (UT), ITBP, 160003
528. SHRI CHHOTA RAM JAT, COMMANDANT, SWT SCHOOL, KARERA, ITBP DISTT SHIVPURI MP, ITBP, 473662
529. SHRI ANAND SINGH YERSONG, COMMANDANT, SECTOR HEAD QUARTER (DELHI) ITBP TIRGI CAMP NEW DELHI, ITBP, 110062
530. SHRI MUKESH KUMAR SARAF, COMMANDANT, SS BATTALION, ITBP POST OFFICE NATHUPUR DISTT SONIPAT (HARYANA), ITBP, 131029

531. SHRI AVNINDRA KUMAR RAI, ADDITIONAL JAG / COMMANDANT, DIRECTORATE GENERAL, ITBP, BLOCK 2 CGO COMPLEX LODHI ROAD NEW DELHI, ITBP, 110003
532. SHRI RANBIR SINGH NEGI, SECOND-IN-COMMAND, NORTH EAST FRONTIER, ITBP ITANAGAR (ARUNACHAL PRADESH), ITBP, 791111
533. SHRI UMANG KHATTRI, DEPUTY COMMANDANT, SHQ(DEHRADUN), ITBP SEEMADWAR DEHRADUN (UTTRAKHAND), ITBP, 248146
534. SHRI LAL SINGH, ASSISTANT COMMANDANT, 34 BN ITBP PO LALKUAN DISTRICT NAINITAL (UTTRAKHAND), ITBP, 262402
535. SHRI GIREESH CHANDRA PATNI, ASSISTANT COMMANDANT, DTE GENL ITBP CGO COMPLEX LODHI ROAD NEW DELHI, ITBP, 110003
536. SHRI RANVIR SINGH, INSPECTOR, 28 BN ITBP, JATHUSANA DISTRICT REWARI HARYANA, ITBP, 123401
537. SHRI NAND KISHOR SATI, INSPECTOR, 8 BN ITBP GAUCHAR, DISTT:— CHAMOLI (UTTRAKHAND), ITBP, 243429
538. SHRI KUNWAR PAL, CONSTABLE, 3RD BATTALION ITBP BUKHARA CAMP DISTRICT BAREILLY (UTTAR PRADESH), ITBP, 243001
539. SHRI ASHANGBAM MEETEINGAMBA MEETEI, TEAM COMMANDER (GD), 11 SRG, NSG, MANESAR, GURUGRAM, HARYANA, NSG, 122051
540. SHRI SACHIN MITTAL, SECOND IN COMMAND, 13 SRG, NSG, MANESAR, GURUGRAM, HARYANA, NSG, 122051
541. SHRI HIMANSHU PANDE, SQUADRON COMMANDER, HQ NSG, MEHRAM NAGAR, PALAM, NEW DELHI, NSG, 110037
542. SHRI NEELAM KUMAR, RANGER- I (GD), 13 SRG, NSG, MANESAR, GURUGRAM, HARYANA, NSG, 122051
543. SHRI RANJEET SINGH, DIG (GD), SHQ GORAKHPUR (SECTOR GORAKHPUR) FCI CAMPUS PO FERTILIZER FACTORY BARGEDWA GORAKHPUR (UP), SSB, 273007
544. SHRI UPENDRA PRAKASH BALODI, DIG (GD), CTC SRINAGAR (CTC SRINAGAR) SRINAGAR (GARHWAL), SSB, 246274
545. SHRI HEMAM BASANT KUMAR SINGH, COMMANDANT (GD), FORCE HQRS(FORCE HQRS)EAST BLOCK V R K PURAM NEW DELHI, SSB, 110066
546. SHRI ASHOK KUMAR THAKUR, COMMANDANT (GD), 33 BN (KEWTI) KEWTI CHHATTISGARH, SSB, 494669
547. SHRI SWARNJEET SHARMA, SECOND IN COMMAND, SHQ ALWAR (AT BHILAI CHHATTISHGARH) (BHILAI) ALWAR (RAJASTHAN), SSB, 490006
548. SHRI BRIJ PAL SINGH NEGI, SECOND IN COMMAND, FTR HQR RANIKHET,SSB SEWAPURA GANJADCOLI,RANIKHET DISST-ALMORA (UTRAKHAND), SSB, 263645
549. SHRI MOTI LAL, AC (GD), 10 BN (SRINAGAR (J&K))TATOO GROUND, BATMALOO, SRINAGAR (J&K, SSB, 190010
550. SHRI SHIV SINGH, INSPECTOR (GD), DTC ALWAR(DOG TRAINING CENTRE ALWAR)DOG TRAINING CENTRE ALWAR, SSB, 301409
551. SHRI RAMESH KUMAR, INSPECTOR (MIN), CI & JW GWALDAM(GWALDAM ACADEMY)FTR ACADEMY GWALDAM PO GWALDAM DISTT CHAMOLI (UK), SSB, 246441
552. SHRI STANZIN TOLDAN, SUB INSPECTOR (GD), 02 BN(PATTAN)PATTAN SRINAGAR J&K, SSB, 193121

553. SHRI SAT PAL, ASI (GD), SHQ ALWAR (AT BHILAI CHHATTISHGARH) (BHILAI) ALWAR (RAJASTHAN), SSB, 490006
554. DR. MACHHINDRA RAMCHANDRA KADOLE, SUPERINTENDENT OF POLICE, CBI SC-II NEW DELHI (CAMP MUMBAI), CBI, 110003
555. SHRI MANOJ BANERJEE, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, CBI SU KOLKATA, CBI, 700020
556. SHRI RAJAN KUMAR JHA, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, CBI SPECIAL TASK FORCE, NEW DELHI, CBI, 110003
557. SHRI TEJ PAL SINGH, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, CBI EO-III NEW DELHI, CBI, 110003
558. SHRI R K SHIVANNA, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, CBI ACB GUWAHATI, CBI, 781035
559. SMT. GINNI RANA, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, CBI VIGILANCE CELL, NEW DELHI, CBI, 110003
560. SHRI JOSEPH KRELO, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, CBI ACB NEW DELHI, CBI, 110003
561. SHRI SANJAY KUMAR SAMAL, INSPECTOR OF POLICE, CBI EO-VII BUBHANESWAR, CBI, 751012
562. SHRI AKSHYAY KUMAR NANDA, INSPECTOR OF POLICE, CBI ACB CHHATTISGARH RAIPUR, CBI, 492005
563. SHRI YASIR ARFAT, INSPECTOR OF POLICE, CBI AC-II NEW DELHI, CBI, 110003
564. SHRI JUGAL KISHORE JOSHI, INSPECTOR OF POLICE, CBI EO-III NEW DELHI, CBI, 110003
565. SHRI SUNIL KUMAR, SUB INSPECTOR, CBI AC-VI/SIT NEW DELHI, CBI, 110003
566. SHRI RAJEEV KUMAR, SUB INSPECTOR, CBI ACADEMY GHAZIABAD, CBI, 201002
567. SHRI ATAR SINGH, ASSISTANT SUB INSPECTOR, CBI EO-I NEW DELHI, CBI, 110003
568. SHRI BHUPINDER SINGH, ASSISTANT SUB INSPECTOR, CBI ACB GUWAHATI, CBI, 781035
569. SHRI RAMU GOLLA, HEAD CONSTABLE, CBI ACB VISAKHAPATNAM, CBI, 530017
570. SHRI RAJINDER SINGH, HC, STF NEW DELHI, CBI, 110003
571. SHRI E VELU, CONSTABLE, CBI SCB CHENNAI, CBI, 600090
572. SHRI SHRI OM, CONSTABLE, CBI HEAD OFFICE NEW DELHI, CBI, 110003
573. SHRI KRISHAN KUMAR SINGH, CONSTABLE, CBI EO-III NEW DELHI, CBI, 110003
574. SHRI K C BENEDICT, CONSTABLE, POLICY DIVISION, NEW DELHI, CBI, 110003
575. SHRI MANISH SHARMA, CRIME ASSISTANT, INTERPOL DIVISION NEW DELHI, CBI, 110003
576. SHRI S ANANTHARAMAN, JOINT DEPUTY DIRECTOR/NP, IB HQRS. NEW DELHI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS, 110021
577. SHRI CHETAN ANAND, ASSISTANT DIRECTOR/ EXE, SIB SRINAGAR, MINISTRY OF HOME AFFAIRS, 190001
578. SHRI DINESH CHAND RAMOLA, ASSISTANT DIRECTOR / EXE, SIB, DEHRADUN, MINISTRY OF HOME AFFAIRS, 248001
579. SHRI AKHIL SAXENA, ASSISTANT DIRECTOR/EXE, WZRTC JODHPUR, MINISTRY OF HOME AFFAIRS, 342006
580. SHRI NGUL MINTHANG LANGE, ASSISTANT DIRECTOR/NP, IB HQRS NEW DELHI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS, 110021
581. MS. S GAYATHRI, ASSISTANT DIRECTOR STAFF OFFICER, IB HQRS NEW DELHI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS, 110021

582. SHRI SHYAM SUNDER MARUTI, DEPUTY CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER, SIB HYDERABAD, MINISTRY OF HOME AFFAIRS, 500095
583. SHRI RAJESH KUMAR, DEPUTY CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER, SIB PATNA, MINISTRY OF HOME AFFAIRS, 800001
584. MS. TULIKA PEGU, DEPUTY CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER, BOI GUWAHATI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS, 781015
585. SHRI MANOHAR LAL PANWAR, DEPUTY CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER, IB HQRS NEW DELHI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS, 110021
586. SHRI VIKAS JAIN, DEPUTY CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER, SIB JAIPUR, MINISTRY OF HOME AFFAIRS, 302004
587. SHRI IRFAN AHMAD, DEPUTY CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER, SIB RANCHI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS, 834008
588. SHRI FRANCIS JOSEPH, ASSISTANT DIRECTOR / TECH, SIB CHENNAI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS, 600004
589. SHRI KAMLESH KUMAR KANTH, SECTION OFFICER, SIB KOHIMA, MINISTRY OF HOME AFFAIRS, 797001
590. SHRI LACHHMAN PARSRAM CHAWLA, PRIVATE SECRETARY, SIB MUMBAI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS, 400051
591. SHRI BHARAT BHUSHAN, PRIVATE SECRETARY, IB HQRS NEW DELHI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS, 110021
592. SHRI SUJITH SREEDHARAN PILLAI, ASSISTANT CENTRAL INTELLIGENT OFFICER- I / EXE, SIB,TRIVANDRUM, MINISTRY OF HOME AFFAIRS, 695014
593. SHRI NARENDRA KUMAR GIRI, ASSISTANT CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER- II / EXE, SIB MEERUT, MINISTRY OF HOME AFFAIRS, 250001
594. SHRI AJAY KUMAR SHARMA, ASSISTANR CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER- II / EXE, SIB DELHI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS, 110011
595. SHRI BALRAM RAI DESOR, ASSISTANT CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER- II / EXE, IB HQRS, NEW DELHI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS, 110021
596. SHRI R C LALRAMTHANGA, ASSISTANT CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER –II / EXE, SIB AIZAWL, MINISTRY OF HOME AFFAIRS, 796001
597. SHRI SANT BALAK, ASSISTANT CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER- II / TECH, IB HQRS NEW DELHI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS, 110021
598. SHRI NARAYAN SINGH VERMA, ASSISTANT SECTION OFFICER, ITBF LEH, MINISTRY OF HOME AFFAIRS, 194101
599. SHRI VIKASH JYOTI, SENIOR SECRETARIAT ASSISTANT, IB HQ NEW DELHI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS, 110021
600. SHRI RAGHUBANSH SINGH, JUNIOR INTELLIGENCE OFFICER- I / EXE, SIB PATNA, MINISTRY OF HOME AFFAIRS, 800001
601. SHRI RAJESH SEHGAL, ASSISTANT DIRECTOR / EXE, IB HQRS NEW DELHI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS, 110021
602. SHRI SAUMITRA ROY, ASSISTANT INSPECTOR GENERAL, SPG HQR NEW DELHI, SPG, 110077
603. SHRI VIMUKT RANJAN, ASSISTANT INSPECTOR GENERAL, SPG HQRS NEW DELHI, SPG, 110077
604. SHRI LAXMAN SINGH, SENIOR SECURITY ASSISTANT, SPG HQRS NEW DELHI, SPG, 110077
605. SHRI SUSHIL KUMAR TANWAR, JUNIOR STAFF OFFICER, NEW DELHI, NCRB, 110037

606. SHRI SHIBAJEE TRIPATHY, DY SUPDT FINGER PRINT, NEW DELHI, NCRB, 110037
607. SHRI NARENDRA SINGH JANGID, INSPECTOR, NEW DELHI, NATIONAL INVESTIGATION AGENCY, 110003
608. SHRI ANIL KUMAR DUBEY, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, MUMBAI, NATIONAL INVESTIGATION AGENCY, 400026
609. SHRI BALAPPAN, HEAD CONSTABLE (DRIVER), SVP NATIONAL POLICE ACADEMY HYDERABAD, SVP NPA, 500052
610. SHRI SUBASH DEB, CONSTABLE (GENERAL DUTY), NORTH EASTERN POLICE ACADEMY, UMSAW, RI BHOI DISTRICT, MEGHALAYA, NEPA, 793123
611. SHRI ZAHID KHAN, COMMANDANT, 10 BN NDRF GUNTUR ANDHRA PRADESH, NDRF, 522510
612. SHRI RAJESH NEGI, SECOND IN COMMANDANT, HQ DG NDRF NDCC-II BUILDING JAI SINGH ROAD NEW DELHI, NDRF, 110001
613. SHRI MOHMAD EBRAHIM ABDUL GHANI, DEPUTY COMMANDANT, 04 BN NDRF ARAKKONAM TN, NDRF, 631152
614. SHRI KULBIR SINGH, HEAD CONSTABLE ARMUR, 02 BN NDRF KOLKATA WB, NDRF, 741246
615. SHRI INDAR PAL SINGH, INSPECTOR, NHRC NEW DELHI, NHRC, 110023
616. SHRI JITENDRA KUMAR, AVIATION SECURITY ASSISTANT, BUREAU OF CIVIL AVIATION SECURITY, 'A' WING, I-III FLOOR, JANPATH BHAWAN, JANPATH, NEW DELHI, M/O CIVIL AVIATION, 110001
617. SHRI KAMLESH PRASAD, SUB INSPECTOR (M), BSF, MHA NEW DELHI, 110001
618. SHRI T A RAMCHANDRAN, ASSISTANT SECURITY COMMISSINER, BELAPUR, NAVI MUMBAI, M/O RAILWAYS, 400614
619. SHRI KRISHNA MURALI THOTA, ASSISTANT SECURITY COMMISSIONER, KAZIPET SECUNDERABAD, M/O RAILWAYS, 506003
620. SHRI SANJAYA KUMAR SWAIN, ASSISTANT SECURITY COMMISSIONER RPF, BILASPUR, M/O RAILWAYS, 495004
621. SHRI OMPRAKASH YADAV, HEAD CONSTABLE, MUMBAI, M/O RAILWAYS, 400020
622. SHRI BASAVRAJ DAMODAR GARAG, SUB INSPECTOR, SHIVAJI NAGAR, PUNE, M/O RAILWAYS, 411005
623. SHRI ASHOK KUMAR KAHAR, SUB INSPECTOR, BHUSAWAL, M/O RAILWAYS, 425201
624. SHRI BHAGWAN BHAUSINGH RANE, ASI DRIVER, NAGPUR, M/O RAILWAYS, 440001
625. SHRI RAJESH KUMAR TRIPATHI, HEAD CONSTABLE, MUMBAI, M/O RAILWAYS, 400001
626. SHRI CHANDAN SINGH, ASI, BHOPAL, M/O RAILWAYS, 462024
627. SHRI BINOD KUMAR SHUKLA, SUB INSPECTOR, HYDERABAD, M/O RAILWAYS, 500040
628. SHRI SUKHDEV GHOSH, SUB INSPECTOR RPF, BILASPUR, M/O RAILWAYS, 495004
629. SHRI VEERANNA ANCHURI, INSPECTOR RPF, KAZIPET, M/O RAILWAYS, 506003
630. SHRI RAJESH KUMAR VISHWAKARMA, ASI, BMY, M/O RAILWAYS, 490025
631. SHRI RAMESH KUMAR BORKAR, HEAD CONSTABLE, GONDIA, M/O RAILWAYS, 441601
632. SHRI DATTATRAY VISHWANATH GODLOLU, HEAD CONSTABLE, SOLAPUR, M/O RAILWAYS, 413001

2. These awards are made under Rule 4(ii) of the rule governing the grant of Police Medal for Meritorious Service.

P. PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

The 10th April 2019

No. 44-Pres/2019—The President is pleased to award the 2nd Bar to Police Medal for Gallantry/Police Medal for Gallantry to the undermentioned officers of Chhattisgarh Police:—

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

- | | | |
|-----|---|------------------|
| 01. | I K Elesela, IPS
Additional Superintendent of Police | PMG |
| 02. | Abdul Sameer Khan
Inspector | (2nd Bar to PMG) |
| 03. | Hanif Khan
Assistant Sub-Inspector | PMG |

Statement of service for which the decoration has been awarded

Based on a reliable intelligence input regarding presence of CPI (Maoist) cadres in the villages of Bijapur-Maharashtra border, an interstate joint operation involving the Bijapur Police and Gadchoroli Police was prepared by Shri I.K.Elesela, Additional Superintendent of Police (Operations), Bijapur District. The Joint operation team under the overall command of Shri I.K.Elesela were divided into small teams led by Inspector Abdul Sameer, SI Devendra Darro, Khoman Singh, Harshad Kale, Sital Diozed, Mallayya and ASI,s Hanif Khan, Santosh Hemla, Santosh Baghel and Pune Singh Jurri. The troops crossed nearly 01 KM wide Indrawati River around 03.00 hrs on 11th January 2016 and entered at Cherpalli, Jharagudem and sendra which fall under Bijapur, Chhattisgarh.

As the parties moved further towards Kokker village, around 10.00 hrs, there was a sudden outburst of fire by heavily armed naxalites on the police party with an intention to inflict severe casualties to the police personnel. The troop commander immediately alerted his men and ordered them to take position and tactfully advance towards the location of the naxals. The troop commander announced the identity of the troops and warned the naxalites to stop the indiscriminate firing. In spite of repeated warning, the naxalites were heavily firing on the police party. The security forces re-grouped themselves into smaller units and tactfully advanced towards the location from where the naxalites were firing. In self defense the troop commander along with his men opened fire. Additional Superintendent of Police (Operations), Bijapur District I.K. Elesela, Inspector Abdul Sameer and the ASI Hanif Khan provided cover fire to each other and risking their own lives advanced forward and led their troops to cordon the naxals from the flanks.

The concerted action by the security forces led to a successful counter ambush, breaking the prolonged resistance of the Maoists in the gun battle. After two hours of exchange of fire, the Maoists fled the site of encounter for fear of being surrounded by the police teams. After the firing ceased, the area was searched extensively whereupon one dead body of a woman in uniform identified as Lachhi, one dead body of a male Maoist identified as Gota Vinod, Member Militia were recovered. One INSAS Rifle with 03 Magazine, 17 live rounds of 5.56 mm and one Bharmar (Country made weapon), huge amount of literature, uniforms, stitching material, wires etc were also recovered. A training ground of the Maoists was located nearby.

Shri I.K. Elesela displayed keen operational sense and extreme courage to retract from a dangerous situation. His bold move to break away from the killing zone surprised the hostile forces which enabled the policemen to regroup. He was ably supported by ASI Hanif Khan who immediately grasped the directions given and executed them to perfection. His decision to plan offensive action in an area hitherto rarely operated is an example of his initiative and courage to explore new horizons. His painstaking efforts in planning and coordinating an inter-state joint operation involving specialist forces from Bijapur, Maharashtra and the local forces of PS Damrancha is a testimony of his professionalism and courage in extreme adversity. His fearless response when called upon by the commander deserves commendation. Together, they withstood the onslaught and successfully moved out of the killing zone without conceding any casualty. This operation is a great example of team spirit as the forces from different States fought together and for each other in adversity.

In this operation, S/Shri I K Elesela, IPS, Additional Superintendent of Police, Abdul Sameer Khan, Inspector and Hanif Khan, Assistant Sub-Inspector displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 11/01/2016.

P. PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No. 45-Pres/2019—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the undermentioned officer of Chhattisgarh Police:—

NAME & RANK OF THE OFFICER

Shri Prakash Rathore
Sub Inspector

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 18-11-2015 an information was received from reliable sources about presence of Hidma (1st PLGA Battalion Commander), Udham Singh (Commander of Platoon No 08) along with other 80-100 armed Maoists who gathered in between jungles of Kolaiguda and Entapad PS Bhejji, Distt. Sukma plotting a conspiracy against government and attack over security forces.

For confirming the reliability of received information, the police party of total 201 security personnel marched from PS Kistaram under leadership of Shri Prakash Rathore (SHO Bhejji) on Dated 18.11.2015 at about 1700 hrs. Party Commander divided party in six small groups. First party comprising of total 51 Security personnel of DRG Group Bravo 01 & 02, under the leadership of Shri Prakash Rathore, Second party comprising of 30 Security personnel of COBRA under leadership of Asst. Comdt. Shri S. Kartiken, Third Party comprising of 30 Security Personnel of COBRA under leadership of Asst. Comdt. Shri Sunil Khinchi, Fourth Party comprising of 30 Security Personnel of COBRA under leadership of Asst. Comdt. Shri Ravi Shekhawat, Fifth Party comprising of 44 Security Personnel of COBRA under leadership of Asst. Comdt. Shri Ambuj Shrivastav and SI Rajveer Singh Total 230 Police Personnel moved towards target after proper operational briefings with required ration, arms & ammunitions and communication equipments etc.

The Police Party travelled the whole night to maintain secrecy of the operation under guidance of Scout Const. Kinnu Mundri and Const. Raghunath Soren. The very next day dated 19.11.2015 at about 800 hrs, the party marching towards the target in the midst of Jungles of Kolaiguda and Entapad, maintaining secrecy, silence and jungle discipline, the Guide of 2nd party Const. Alok Kumar Const. Pankaj Sharma and Const. Sher Singh had noticed some movements from the front side. They informed about the movement to the Team leader Shri Prakash Rathore. As the Party reached the target area, sensing the presence of Police, the Maoist escaped from there. Then the party took LUP in hilly area between hills of Rasatong and Masalmadgu. In the meanwhile, the party leader Shri Prakash Rathore alerted the whole party and ordered to take the proper position over wireless sets, instructed others to encircle the Maoists, he himself leading from the front, marched forward by crolling maintaining the secrecy. The party No. 01, 02 and 03 planned to encircle the hidden Maoists while other parties were tried to close their escaping areas. Sensing the presence of the Police Party, the dreaded Maoists opened fire from all sides in order to kill and loot the arms/amminations. He asked to retaliate with fire in self-deface seeing no other alternative. He instructed the second party to cover from left side and himself started firing with his AK-47 from right side cover Maoists simultaneously with order of fire to his party. While leading from front, amidst intense firings, without fearing for his life, he continuously fired upon Maoists with great courage and bravery. Moving in fierce firing, he continuously encouraged his men and replied Maoist's firing with firings. His gallant acts and extraordinary leadership motivated his party who successfully replied back around half-hour gun battle with Maoists without any loss to security force. In between the fire of exchange, the Maoists screaming the Hidma, Udham Singh, Joga, Bhaskar, Nuppo, Mase Kanni, Arjun and calling each other to kill the Police Personnel.

In that fierce exchange of fire which took place from both the sides, Asst. Comdt. Shri Virendra Kumar, PC Shri Arvind Minj, Const. Kinnu Mundri, Const. Raghunath Soren, Asst. Const. 599 Madkam Subba, Asst. Const. 405 Raju Kattam, exhibited exceptional courage and bravery and played a leading role to kill 01 women Maoists. Meanwhile SI Shri Prakash Rathore, Asst. Comdt. Shri Sunil Khinchi, SI Bhanupratap Singh, Const. Raghunath Soren, Const. Kavi Chudhari, Const. Lalit Kumar, HC Deepak Kaushik, Asst. Const. 642 Soyam Durga, Asst. Const. Madvi Deva, Asst. Const. 501 Anpat Kumar exhibited exceptional courage and bravery and played a leading role to kill 01 male uniformed Maoists. Seeing quick and aggressive response, Maoists ran away by taking advantage of dense jungles and nearby hillocks. Both the dead bodies had been recovered after thorough search with 01 No. 12 bore rifle (Near female dead body) and 02 No. INSAS Magazines with 31 round on the pouch tightened in the Male dead body along with 02 No. country made weapon, Solar Plate, Knife, Detonator, Maoists dresses, Cell, Medical kit.

While returning from the operation, on half a way, the hidden Maoists again opened fire with the intension to kill and harm the security personnel, to which Asst. Comdt. replied bravely. Seeing quick and aggressive response, Maoists ran

away by taking advantage of dense jungles and nearby hillocks. After EOF, the party thoroughly searched the area and recovered Pitthu, Naxal literature, Hand Made Bomb and blood stain with sign of dragging the bodies had been found. Blood stains were found everywhere disclosing that several other Maoists might had got killed and injured. The Police Party recovered and marched towards the PS Bhejji, again as the party reached near Vill.—Elarmadgu, the hidden Maoists fired from the far away and ran away. Later, the party safely reached to Bhejji PS in evening.

Later, Female dead Maoists was identified as Aas Jogi, Age 30 year, Resident Bilguda, PS Errabore, Konta Area Committee (Military Intelligence), and Male dead bodies uniformed Maoists was identified as Madkam Mukka@ Bhaskar Age 35 year, Resident Darbaguda PS Errabore (Konta LOS Commander) over which Chhattisgarh Government has declared of Rs. 3.00 lakh and Rs. 5.00 lakh respectively as per policy.

When the party was under attacked by Naxals, Shri Prakash Rathore, Sub Inspector, exhibited a great presence of mind and great teamspirit, keen operational sense, extra ordinary courage, bravery and conspicuous gallant and led force from front and fought valiantly without fearing for his life. His reaction not only saved life of his men, but also foiled the onslaught of a Maoists attack and he played a key role in killing of Naxals and recovering bodies of two dreaded Naxal cadres. His act also led to a good recovery of arms and ammunitions. The way Shri Prakash Rathore led the team showed his dedication and team work qualities which has definitely become a source of inspiration for other officers and subordinates. His sheer determination to contribute to curtail the Naxal problem and courage displayed on ground definitely makes him deserving for the higher recognition.

In this operation, Shri Prakash Rathore, Sub Inspector displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 18/11/2015.

P. PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No. 46-Pres/2019—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the undermentioned officers of Chhatishgarh Police:—

NAME & RANK OF THE OFFICER
S/Shri

- | | | |
|-----|---|--------------------|
| 01. | Sangram Singh Dhurve
Assistant Sub-Inspector | PMG |
| 02. | Adityasharan Pratap Singh
Constable | PMG (Posthumously) |

Statement of service for which the decoration has been awarded

Superintendent of Police, South Bastar Dantewada, Shri Kamlochan Kashyap received specific intelligence information through informer regarding of Maoists in the forests between Village Jiyakorta and Kunna who can carry out a big incident. On the basis of intelligence information of informer, Superintendent of Police Kamlochan Kashyap held discussions with commandant 230 Batallion CRPF, Additional Superintendent of Police Dr. Abhishek Pallava, Additional Superintendent of Police (Operations) Shri G.N. Baghel and made an operational planning.

On 16.08.2016 briefed them the presence and number of naxalites, the geographical terrain, divided them into three parties with each party given separate responsibilities. As per the meticulous operational plan made by Superintendent of Police Kamlochan Kashyap, total of 113 police personnel alongwith their arms, ammunitions and other security relates devices left from dropped at Katekalyan. Troops went by foot after dropping point and after reaching Missidubba, the troops divided themselves into three groups and started encircling the designated place as told by Superintendent of Police in briefing and operational plan. After searching the whole night, both police groups at about 0645 hrs (date 17.08.2016) reached near the Maoists after dodging the Maoist guard (santri). Naxalites residing in temporary polythene made camps getting hint of presence of policemen started firing towards policemen with the intention of killing them. Sub Inspector Sangram Singh went ahead firing and entered the arc of fire, thus creating a panic among naxalites. He coordinated the forces and was

instrumental in police gaining upper hand in the gun battle retaliated with fire and fought with intense bravery despite grave danger to their life. In the exhaustive battle with naxalites, Constable Adityasharan Pratap Singh got severely injured with the bullet shot injury. Constable Adityasharan Pratap Singh was firing with UBGL and went forward towards Maoists fighting with intense bravery despite grave danger to his life. He was instrumental in inflicting heavy damage on Maoists with his four rounds fired from UBGL. Maoists started escaping making use of dense forests. During encirclement, One Maoists was caught alive who after interrogation told his name as Hunga Podiyami resident of Kawedpara. Firing from both sides lasted for 45 minutes. After that firing stopped.

The incident site and nearby areas was searched extensively by police troops in which four Maoists dead bodies including one female maoist dead body was found. The dead maoist bodies was identified by Maoist member Hunga Podiyami resident of Kawedpara, kunna as (1) Joga Podiyami resident of Alnar, LGS commander (2) Rambai resident of purbati, Darbha division medical team incharge (3) Masa Kawasi resident of Bhadri mattu, Kanger valley area committee member (4) Kirdu @ Kallu, Medical Team member. The Items recovered from the incidence site and in naxalites camp are as follows: one 303 rifle, one musket rifle, one 12 bore SBL gun, one 12 bore kutta, one 315 bore rifle, fifteen rounds of 12 bore ammunitions, twenty-five rounds of 315 bore ammunitions, six rounds of 303 service rifle ammunitions, twenty-six detonators, three desi hand grenades, huge amounts of expolives, security appliances and devices, huge amounts of medicines and materials used for daily living. Police parties fired four hundred thirty rounds from AK-47, fifty eight rounds from INSAS, twenty one rounds from X caliber, one hundred twenty four rounds from SLR, four rounds from UBGL, three from pistol, One hand grenades thus in total six hundred fourty One rounds in self defence as per the allocation and expenditure lists. The injured Constable 649 Aditya Sharan Pratap Singh was sent for treatment by helicopter after informing Superintendent of Police and made the supreme sacrifice of his life for the nation. Superintendent of Police Kamlochan Kashyap himself coordinated the whole operations from district Police Head Quarter and it was only due to his specific intelligence information from close confident informers that this successful naxal operation could be conducted.

In this action Shri Kamlochan Kashyap, Superintendent of Police provided exemplary leadership to his troops at the hour of crisis. When his party was attacked by Maoists he exhibited great presence of mind and superb operational sense. Shri Kamlochan Kashyap, Superintendent of Police, Shri Sangram Singh, Asst. Sub Inspector and Shri Aditya Sharan Pratap Singh, Constable 649 fought without caring for their life they motivated their men to defend each other, under their able guidance and leadership the police personnel kept moving forward to counter the naxal attack; knowing fully well that every step could have been fatal. The exemplary courage, lion hearted effort and gallant action without caring for their life, in services of the Nation had brought laurels to the Chhattisgarh Police. This needs to be rewarded accordingly.

In this operation, Shri Sangram Singh Dhurve, Assistant Sub-Inspector and Late Shri Adityasharan Pratap Singh, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 17/08/2016.

P. PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No. 47-Pres/2019—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry (Posthumously) to the undermentioned officer of Chhattisgarh Police:—

NAME & RANK OF THE OFFICERS

Shri Pushpraj Nagwanshi
Sub-Inspector

PMG (Posthumously)

Statement of service for which the decoration has been awarded

Acting on the instructions given by the SP Kondagaon, a team of 33 Police personnel from DRG Kondagaon had set out for combined anti Maoist operations with the forces of district Narayanpur on 12.06.2016. The team was briefed to conduct the operations in the areas south and south east of village kilam ps chhotedongar district Narayanpur as there was a credible information regarding their presence and movement in the above mentioned areas.

The Police team of DRG personnel was led by Shri Awadh Ram Sahu, SI and Shri Pushparaj Nagwanshi, SI. As per the action and execution plan of this joint operation Police parties were sent into the operational areas through PS Mardapal district Kondagaon, PS Chhotedongar district Narayanpur.

The parties were cautiously and diligently carrying out the whole exercise in the presence reached the dense forests of Orrakutum near village Kilam at around 1645 hrs. on 13.06.2016 Every minute precaution and tradecraft drills were being followed but as the police party reached the earlier mentioned venue, it faced indiscriminate firing from the Maoists who had already, placed themselves in strategically advantageous positions.

The police party withstood the sudden attack and retaliated with great determination and valour. This encounter continued for about one hour. The Maoists were approaching near and the natural daylight was gradually fading away.

The team leaders Awadh Ram Sahu SI and Pushparaj Nagwanshi had their task cut out and in those moments of uncertainty, Pushparaj Nagwanshi displayed his mettle and with exemplary audacity he challenged the approaching group of Maoists and during the exchange of fire he sustained a serious bullet injury in his abdomen area on the other front one of the DRG Commanders also sustained a bullet injury on his head.

In the short span of time the DRG team of district Kondagaon had 03 injured personnel in their team. 1. Shri Awadh Ram Sahu SI (minor injury on this skull), 2. Late Shri Pushparaj Nagwanshi SI (serious bullet injury in this abdomen area), 3. Shri Vinay Baghel Constable (minor injury in his arm).

Even after such grave injuries the team was successful in stopping the further advancement of the Maoist group and thus saved the precious lives of their colleagues and the arms ammunitions were also saved due to this gallant act, especially by Pushparaj Nagwanshi.

They were later on evacuated safely to Narayanpur and finally were admitted to Ramakrishna Hospital in Raipur. Pushparaj Nagwanshi battled for life there and ultimately succumbed to the injuries on 23.06.2016 and made the supreme sacrifice of his life for the nation.

Sub Inspector Pushparaj Nagwanshi also displayed great professionalism and courage when his party came under heavy firing. With virtually no cover available, owing to the fact that troops were ascending the hill, he has shown tremendous determination to fight back the enemy and not yield the ground. His fearless counter-ambush tactics successfully warded off the enemy.

In this operation, Late Shri Pushparaj Nagwanshi, Sub-Inspector displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 13/06/2016.

P. PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No. 48-Pres/2019—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the undermentioned officers of Chhattishgarh Police:—

NAME & RANK OF THE OFFICER
S/Shri

01. Mohit Garg, IPS
Additional Superintendent of Police
02. Nilesh Pandey
Inspector
03. Devendra Darro
Sub-Inspector

Statement of service for which the decoration has been awarded

Based on the intelligence input about presence of a naxalite small action team, comprising of naxal commanders and leaders, in Bijapur town to carry out some major incident and killings in Bijapur and under orders of S.P. Bijapur Shri K.L. Dhruwa, a joint team of DRG and CRPF of strength 54 headed by Additional SP Bijapur Shri Mohit Garg was formed and properly briefed to set out for a cordon and search operation in Kokdapara-Tumnar road on 10.07.2016 around 16:30 hrs.

The joint team was divided into 03 parties with Additional SP Bijapur Mohit Garg leading party No.01 comprising of Inspector Chanakya Nag and troop, Inspector Nilesh Pandey leading party No.02 and CRPF Assistant Commandant Keshav Mishra leading party No.03. All the parties cordoned the target area to check the movement of the naxal small action team. Around 17:30 hrs, a suspicious 04 wheeler was spotted going from Tumnar road towards Bijapur town. SI Devendra Darro signaled and tried stopping the vehicle for checking. On seeing the Police party, the vehicle stopped and about 8-10 armed naxalites jumped out of the vehicle and started firing indiscriminately on the party in which SI Devendra Darro was hit in his thigh. Additional SP Mohit Garg immediately ordered all the parties to take cover and asked the naxalites to stop firing and surrender but the naxal small action team kept on firing at the police parties on which Additional SP Mohit Garg ordered party No.01 commander TI Nilesh Pandey and Party No.02 commander AC Keshav Mishra to retaliate and tactically surround the naxalites from both sides while he and his party gave cover fire while closing in towards the naxalites and kept on retaliating in self defense. As all the three parties surrounded the naxalites, they started heavy fire on all the three parties but could not match up to the retaliatory fire and tactics of the police parties and fled to the jungles taking advantage of the darkness and dense forest. SP Bijapur K.L. Dhruwa who was closely monitoring the exchange of fire from the headquarters immediately took a rescue party and rushed to evacuate injured SI Devendra Darro from amidst the firing. After the firing stopped, the area was searched and 04 male naxalite dead bodies were recovered from different spots along with 01 9mm automatic pistol with magazine and 03 live rounds, 01 315 bore country made pistol, 01 bharmar rifle with ceiling, 10 live rounds of AK-47, 18 live rounds of 9mm pistol, 03 live rounds of 315 bore country made pistol, 01 missed round of 315 bore country made pistol, 02 empty cartridges of 9mm pistol, 01 empty shell of 315 bore country made pistol, 01 motorola manpack set, 01 wrist watch, 01 black bag, 01 torch and other miscellaneous naxal material.

FIR No. 58/2016 U/s 147,148,149, 307 IPC, 25, 27 Arms Act was registered after the incident and the case was taken up for investigation. The bodies were later identified as :—

1. Vekko Boti @ Ukaas, L.G.S Commander, Madded Area Committee, West Bastar Divi.
2. Raju Punem @ Sannu, Dy. Com., Area Committee Platon No.02, West Bastar Divi.
3. Padam Laxman, Member, Company No. 02, West Bastar Division.
4. Sudru Korsu, RPC Adhyaksha, Village Mankeli, Distt- Bijapur.

The operation was successful owing to the exceptional courage shown by the DRG, District Police and CRPF. The men have hazarded their lives in national interest and successfully neutralized four deadly Maoists and recovered the dead bodies and weapons. This operation not only thwarted the lethal plans of naxalite small action team but destroyed the team that was in full swing during the months of June and July 2016 and perpetrated a series of killings in Madded area.

Shri Mohit Garg, Additional SP Bijapur and SI Devendra Darro, who came under the killing zone first, displayed exceptional courage and presence of mind. Shri Mohit Garg, Additional SP Bijapur anticipated grave danger for his men and tactically launched a counter-offensive attack. His leadership and audacious response resulted in achieving success without suffering any loss of life or material. SI Devendra Darro demonstrated great courage and determination in staying unnerved amidst heavy firing.

In this operation, S/Shri Mohit Garg, IPS, Additional Superintendent of Police, Nilesh Pandey, Inspector and Devendra Darro, Sub-Inspector displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 10/07/2016.

P. PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No. 49-Pres/2019—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the undermentioned officer of Chhattishgarh Police:—

NAME & RANK OF THE OFFICER

Shri Mulchand Kanwar
Sub-Inspector

PMG (Posthumously)

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 16.03.2017 Police party led by Shri Mulchand Kanwar on receiving information about presence of group of armed Maoist cadres near the Kochwahi-Kukdajhor forest area started a search operation in the area to apprehend the armed

Maoist cadres as soon as Mr. Mulchand Kanwar along with his team reached near the Kochwahi and Kukdajhor forest area, the left with no other option the party commander asked his troops to open fire in self defense and to tactically advance towards the armed Maoist cadres to apprehend them. Mr. Mulchand Kanwar, Immediately instructed his troops to take proper cover and retaliate in self defense. Consequently, heavy firing took place between the Naxalites and the Police Party. In the mean time, the Naxalites moved towards the hill side so that they could take advantage of the hill features and continued to assault the security forces.

Sub Inspector Mulchand Kanwar along with DRG team started moving forward by crawling while the bullets were shooting over them. The exchange of Fire continued for about one hour and then ultimately the Naxalites fled away in the jungles. On searching the area, police party recovered dead bodies of 02 Male Maoist (1. Ramu Poyam, Military Coy No. 01 member, 2. Siya Ram, Military Coy No. 1 Member), one 12 bore country made pistol, and one 315 bore gun, two live round of 12 bore, nine live round of 315 bore, five empty cartridges of 5.56mm INSAS rifle, three empty cartridges of SLR, four empty cartridges of AK-47 rifle were found during search conducted after the encounter two IED weighting 25kg each also recovered which the Maoist had planted to target the security forces the same was defused on the spot by the BDS team.

Sub-Inspector Shri Mulchand Kanwar showed exemplary courage, bravery and presence of mind while leading his team from the front in the face of indiscriminate fire and a life threatening situation. His contribution in this success is an example of conspicuous gallant act, rare leadership qualities, dedication to the service, absolute professionalism, and command over the situation.

Sub Inspector Shri Mulchand Kanwar also displayed similar exemplary valour, grit and determination during an another encounter with Maoists on 24.01.2018 but lost his life in the line of duty.

During the anti naxalite operation conducted on 16.03.2017 in Kochwahi and Kukdajhor forest Sub Inspector Shri Mulchand Kanwar exhibited exemplary leadership qualities, extra ordinary gallant act and selfless devotion towards the nation.

In this operation, Late Shri Mulchand Kanwar, Sub-Inspector displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 16/03/2017.

P. PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No. 50-Pres/2019—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the undermentioned officers of Chhattisgarh Police:—

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

01. Akash Rao Girepunje
Deputy Superintendent of Police
02. Sonal Gwala
Inspector

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 25th of October, 2017 Inspector Sonal Gwala; Station House Officer (SHO) Khadgaon received inputs that 25-30 hard core armed naxal cadres have assembled to carry out anti-national activities near village called Kopenkarka adjoining with district Kanker. He immediately informed Shri Akash Rao Girepunje, SDOP Manpur. Shri Akash Rao Girepunje reached PS Khadgaon. Planning and preparation of the operation was done by both of them taking account of the forest and hilly terrain and in consultation with ITBP and senior officers. In the evening operation was launched with joint team of DEF and ITBP. It was around 21.30 hrs while the police party was moving tactically towards Kopenkadka, naxalites

hidden on the hills started firing with automatic and semi automatic weapons. Shri Akash Rao Girepunje SDOP and Shri Sonal Gwala Inspector quickly took position and ordered the team to take cover. The naxalites were firing from the top of the hill. Due to the darkness and naxalites being in advantage position, police party had to take extra precaution. In such an adverse situation, SDOP Akash Rao Girepunje & Insp. Sonal Gwala instructed his troops to take position with available cover in the forest. Later he disclosed his identity to the Maoist cadres, who were still continuing to fire upon the troops and asked them to surrender. Ignoring the warning of the police officer, the Maoists continued to carry out their pre-determined plan of a hacking police personnel. Left with no other option the party commander asked his troops to open fire in self defense and to tactically advance towards the armed Maoist cadres to apprehend them. Both of them led the operation from the front and showed exemplary command and control in this hard situation and also boosted morale of the whole team. With this act, other jawans also started giving befitting reply to naxalites following the direction of SDOP Akash Rao and Inspector Sonal Gwala creating fear and panic among naxalites. On sensing the advancement of police party, the naxalites fled away from the spot taking advantage of dense forest cover fled away.

In this operation, SDOP Akash Rao Girepunje & Insp. Sonal Gwala not only led the police party safely out of this deadly Naxal ambush but also recovered dead bodies of three hardcore rewarder naxalite commanders and seized 01 Nos. AK 47 Rifle, 01 Nos. 5.56 INSAS Rifle, 01 Nos. 7.62 SLR Rifle, 01 Nos. Hand Grenade, Plenty of ammunition and other commodities of daily use. Among three naxals killed, two were Area Committee Member and one was LOS deputy commander, combined reward being 13 lakhs upon them who had spread terror in Pallemadai area. One of them was also involved in deadly naxal incident of 12th June 2009 in which 29 policemen including then SP Shri Vinod Chaubey were martyred in Korkotti in Manpur area. Also one of the weapon recovered in this operation belonged to Jawan of escort party of then SP in that incident.

Shri Akash Rao Girepunje, SDOP and Shri Sonal Gwala Inspector exceptional act of leading the party in dark night in a difficult hilly terrain with dense forests, and recovering dead bodies of three hardcore naxalite commanders and seizing 3 automatic weapons and a large number of ammunitions displays their expertise in guerrilla warfare. Their immense courage in taking initiative in such a life threatening conditions and leading the mission effectively displays their unmatched bravery in the face of danger, presence of mind and leadership qualities.

In this operation, S/Shri Akash Rao Girepunje, Deputy Superintendent of Police and Sonal Gwala, Inspector displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 25/10/2017.

P. PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No. 51-Pres/2019—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the undermentioned officer of Chhattisgarh Police:—

NAME & RANK OF THE OFFICERS

Shri Anil Kumar Soni

Additional Superintendent of Police

Statement of service for which the decoration has been awarded

In the month of November of 2017 intelligence inputs were received from various sources that in the forest area of village Nelnar about 30-35 armed members of banned CPI Maoist organization including Nelnar area committee Secretary, Nelnar LOS commander were planning to attack security forces and loot their weapons to spread terror and obstruct road construction works in nearby area. To thwart the conspiracy of Maoists, anti-Naxal operation was planned in SP office to dominate the area and to apprehend Maoists. Additional SP Anil Kumar Soni was entrusted job to lead the joint party of DRG and STF in Nelnar area of Abujhmad, the core area of Maoists.

In the intervening night of 06-07/11/2017, a police party with DRG and STF under leadership of Addl SP Anil Kumar Soni, after necessary briefing moved towards Nelnar, Metapara with sufficient arms, ammunitions, communication equipments and other essentials. The police party moved tactically and reached Metapara in the morning of 07/11/2017. As

per plan, party was divided further into two teams. Addl SP Anil Kumar Soni himself led 03 groups of DRG team of strength 90 and another team of STF with strength of 48 was led by PC Sarabraj Sinha. The teams searched forest, hillock area of village Metapara, Idnar, Nelnar, Ulispara for the members of banned CPI (Maoist) group. When one team under the leadership of Addl SP Anil Kumar Soni moved to search the area of Irpanar and were crossing the Madin River at about 13:30, suddenly Maoists who were hiding in ambush there, opened indiscriminate fire over police parties using automatic and Semi Automatic weapons with intention to kill police personnel and loot their weapons. Addl SP Anil Kumar Soni with his professional acumen took quick action, positioned himself and instructed STF and DRG teams to cover themselves and move towards left and right of the ambush area to surround the Naxals.

After taking positions, police party warned Naxals to stop fire and surrender themselves before the police party, but naxals ignored and continued firing. Then police party left with no option to save their lives and weapons, opened retaliatory fire in self defence. Addl SP Anil Kumar Soni fired and moved tactically towards Naxal ambush with his team. Putting his own life at risk, he led his team from the front and displayed exemplary courage while guiding his teams. He with his gallant action, not only encouraged and motivated his team members, but also gave befitting reply to Naxals firings. With increased pressures and immediate counter-actions, the Naxals fled away from the spot taking cover of dense forest and nearby hillock.

The firing between police and armed Maoists lasted for about one hour. When the firing stopped, the police party searched the area. Upon minute search of the area, DRG and STF parties found dead bodies of four female and one male Maoist along with one .303 rifle with magazine and 06 Nos. live rounds, one .315 rifle, 01 pistol with magazine and 01 live round, three 12 bore rifle, 01 country-made weapon- Bharmar, 03 pouches having- 18 live rounds of .303 rifle, 03 live rounds of .315 rifle, 10 live rounds of 12 bore rifle, 01 Radio, 02 pairs of Ghunghru, 04 knives, 06 torch, 04 pairs of black coloured Naxal uniform, 02 scissors, 06 backpacks, about 150 grams gunpowder, 01 tiffin bomb of weighing about 40 kg, 01 switch with wire, 17 Nos. Naxal literatures, 01 black coloured belt etc. The party took possession of all the items and made proper seizure.

In the tough geographical situation of dense forest, river and hillock where Naxals were firing taking cover, this encounter turned out to be a major success for Narayanpur police in efforts to control the Naxal threat in that area of Maad Division of Maoists. In the life threatening situations of the encounter, Addl SP Anil Kumar Soni displayed remarkable leadership quality and made the teams work in mutual co-ordination and neutralized five dreaded Maoist cadres along with huge recoveries.

In this operation, Shri Anil Kumar Soni, Additional Superintendent of Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 07/11/2017.

P. PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No. 52-Pres/2019—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the undermentioned officers of Jammu & Kashmir Police:—

NAME & RANK OF THE OFFICER

S/Shri

01. Iftikhar Ahmad Badam
Sub-Inspector
02. Abdul Ahad Baba
Assistant Sub- Inspector
03. Akeel Ahmad Malik
Constable
04. Salinder Singh Bali
Follower

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 02-01-2017 at about 2320, hours acting on a specific information regarding movement of some foreign terrorists of LeT outfit in Akhanpora Haritar area, Sopore, Police in collaboration with the contingent of 52 RR laid an ambush at Akhanpora Haritar Crossing during which some suspicious movement was noticed. They were challenged to stop for their identity but they turned down the warning and opened heavy volume of firing with their sophisticated weapons upon the ambush party. The ambush party consisting upon Shri Ashish Kumar-IPS (SDPO Sopore), SI Iftikhar No. ARP-115585, ASI Ab. Ahad No. 65/Spr, ASI Farooq Ahmad No. 24/Spr, HC Muzaffer Ahmad No. 34/Spr, Ct. Akeel Ahmad No. 46/Spr & Follower Slinder Singh No. 44/F IRP 8th retaliated the fire, resultantly a gun battle triggered in the open field which too in the dense darkness. Since both the foreign terrorists were very trained and expert in combating the security forces and these two terrorists according to their well tactic instantly ran in two sides and kept firing continuously upon the ambush party. There was very thick darkness and frosty cold and in such hostile situation there was much more chances for the terrorists to escape from the spot. Thus after thoughtful consideration the ambush party instantantly split in two small parties (Groups) and take position in two different directions. One party consisting upon SI Iftikhar No. ARP-115585, ASI Ab. Ahad No. 65/Spr, Ct. Akeel Ahmad No. 46/Spr & Follower Slinder Singh No. 44/F IRP 8th in such a very grim circumstances and hostile situations by exhibiting professionalism, highest degree of bravery and presence of mind crawled some 100 metres towards the terrorists and the another party consisting upon Shri Ashish Kumar Mishra-IPS, ASI Farooq Ahmad No. 24/Spr, HC Muzaffer Ahmad No. 34/Spr gave covering firing to the 1st. Group till they exactly reached /approached the terrorists and thereby a close gun battle has started. The advanced party comprising upon SI Iftikhar No. ARP-115585, ASI Ab. Ahad No. 65/Spr, Ct. Akeel Ahmad No. 46/Spr & Foll Slinder Singh No. 44/F IRP 8th under the covering firing of 2nd Party without caring their lives came open in front of the terrorists just like a rock resiliently and fired heavily upon the terrorists in an open field resultantly one dreaded foreign terrorist got killed on spot. The slain terrorist later on identified as Umar Khitab RIO Pak of LeT outfit. A huge cache of arms/ ammunition was recovered from encounter site and case FIR No. 01/2017 U/S 307/IPC, 7/27 A. Act stands registered in P/S Tarzoo in this regard.

It is worth mentioning that the slain terrorist was active in the area of PD Sopore for the last four-five years who besides other subversive activities remained very active in the unrest/mass uprising 2016 and he physically remained the part of protest/procession during which he resorted firing at many occasions upon the security forces/Police. During the entire operation SI Iftikhar No. ARP-115585, ASI Ab. Ahad No. 65/Spr, Ct. Akeel Ahmad No. 46/Spr & Follower Slinder Singh No. 44/F IRP 8th Bn exhibited a conspicuous role of bravery & camaraderie.

In this operation, S/Shri Iftikhar Ahmad Badam, Sub-Inspector, Abdul Ahad Baba, Assistant Sub-Inspector, Akeel Ahmad Malik, Constable and Salinder Singh Bali, Follower displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 02/01/2017.

P. PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No.53-Pres/2019—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the undermentioned officers of Jammu & Kashmir Police:—

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

01. Mohammad Rameez Bhat
SGCT
02. Naseer Ahmad Beigh
Constable

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 10-01-2017, based on a specific information regarding presence of some foreign terrorist in Parray Mohalla, Hajin who were hiding there with the intension to carry out fidayeen attack in nearby Police/Army establishment. The

information was shared with Army 13 RR and CRPF 45 BN. Accordingly after meticulous planning, a joint Cordon and search operation was launched at about 1730 hours by SOG Bandipora, Police team from Police Station Hajin, Army 13 RR and CRPF 45 Bn. under the overall supervision of SP Bandipore and Army 13 RR. The area was cordoned by teams of officers of Army and Police, the police teams were led by Shri Sheikh Zulafkar Azad SP Bandipora,, Mir Murtaza Hussain DySP, PC, Bandipore and Rashid Akbar SDPO Sumbal. The operational parties had used their tactical acumen to reach to the target area without getting exposed. Initially two composite squads of Army/Police were constituted for laying close and strong cordon of the suspected area. One operational team under the command of Sh Rashid Akbar SDPO Sumbal and Major P.K. Pathak of 13 RR were assigned to lay cordon from north to south of the target area covering western side while as the second operational team under the command of Mir Murtaza Hussain Dy.S.P. P.C. Bandipore with their buddy namely Ct Naseer Ahmad and Sgct Mohammad Rameez, and Major Malay Baidya of 13 RR were assigned to lay cordon from north to south of target area covering the eastern side of the suspected area under the overall command and supervision of Shri Sheikh Zulafkar Azad SP Bandipore and Col. Vikram Jeet Singh CO 13 RR. During cordon, the composite force components that is Police and Army has established great coordination through mutual exchange of their respective communication wireless sets and hence acted in a very synchronized and professional manner. While as the CRPF 45 Bn. team and another Police party were assigned to lay outermost cordon in law and order mode with the instructions to not allow any civilians from the surrounding areas move towards the target area, so that the main target area is not disturbed by unruly mob and to keep this area sterile from civilian's interference during conduct of operation. As soon as cordon was laid out the terrorists hiding in the area fired indiscriminately upon the operational parties. It was a herculean task for the operational parties to evacuate safely the civilians who got entrapped in the area. Therefore, two teams were constituted for safe evacuation of civilians from the area under cordon and from adjoining houses. One team under the command and control of Shri Rashid Akber SDPO Sumbal and other team under the command and control of Mir Murtaza Hussain DySP, PC, Bandipore started the process of civilian evacuation from the area under cordon and from adjoining houses. It was an uphill task for these parties to evacuate the trapped civilians for which Shri Dawood Ayub Addl.S.P. Bandipore and Rashid Akber SDPO, Sumbal along with their buddy and had not only to move to close proximity of the target area that is the adjoining area from where the hiding terrorists were regularly firing upon these parties and also had to maintain coordination and synchronization with the army parties who had engaged the terrorists and gave cover fire to evacuating teams. After successful evacuation of civilians, the third and most critical phase was the neutralization of hiding terrorists. The terrorists were challenged to surrender but they retaliated through volley of fire and grenade lobbing. An anti fidayeen (anti suicidal) squads comprising of Shri Rashid Akber, SDPO, Sumbal and Sh Saqib Ganie, DYSP Prob, Const Irshad Ahmad No. 4215/S and Major Malay Baidya of 13 RR with his buddy under the overall command and supervision of Shri Sheikh Zulafkar Azad, SP, Bandipore and Col. Vikram Jeet Singh CO 13 RR were constituted. Both these volunteered operational teams stormed the target area that is the area from all sides without caring for their personal lives while establishing great co-ordination with the outer teams in cordon for fire control and in this ensuing close battle one terrorist of Lashkar-e-Tohiba (Le.T.) got neutralized. The killed terrorists was battle hardened who was subsequently identified as namely Abu Mavia A category. The operation got concluded without any civilian or Police/Army/CRPF causality. Arms/Ammunition recovered from the possession of the slain terrorists includes 01 AK-47 Rifle, 04 AK Magazine, 68 AK Rounds, 01 Pouch, 03 Chinese Grenades & 01 Wireless Set. Case FIR NO. 03/2017 U/S 307 RPC, 7/27 I.A Act stands registered at P.S. Hajin in this regard.

In the entire operation Shri Sheikh Zulafkar Azad,SP Bandipore, Shri Mir Murtaza Hussain DySP, PC, Bandipore, Shri Rashid Akber, SDPO Sumbal, Sh Saqib Ganie- KPS DYSP (Prob.), Ct Irshad Ahmad No. 4215/S, Ct Naseer Ahmad No. 743/Bpr and Sgct Mohammad Rameez Ahmad No. 189/Bpr were oblivious to imminent danger but had played a conspicuous role of bravery, courage, rare tactical acumen and exemplary jointmanship, unparalleled courage and selfless devotion to duty which led to the successful neutralization of one dreaded category 'A' terrorist without suffering any collateral damage. In this operation Shri Rashid Akber SDPO Sumbal, Sh Saqib Ganie DYSP Prob. and Constable Irshad Ahmad No. 4215/S have been separately recommended for the award of Sher-e-Kashmir Police Medal for Gallantry in recognition to their valiant act.

In this operation, S/Shri Mohammad Rameez Bhat, SGCT and Naseer Ahmad Beigh, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 10/01/2017.

P. PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No. 54-Pres/2019—The President is pleased to award the 2nd Bar of Police Medal for Gallantry/ Police Medal for Gallantry to the undermentioned officers of Jammu & Kashmir Police:—

NAME & RANK OF THE OFFICER

S/Shri

- | | | |
|-----|---|------------------|
| 01. | Sheikh Zulfkar Azad
Superintendent of Police | (2nd Bar to PMG) |
| 02. | Mehboob Hussain Banday
Inspector | PMG |
| 03. | Badder Hussain
Constable | PMG |
| 04. | Ajaz Masood Chacket
Constable | PMG |

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 25.11.2016, a specific information regarding presence of some foreign terrorists of Suicidal Squad in Manzpora Naidkhai area was received. They were planning to carry out some terror strike in the area. Accordingly, after meticulous planning, entire hamlet was cordoned off with the assistance of 13-RR and 45 Battalion CRPF under the supervision of SP Bandipora and CO 13th RR.

For resulted oriented operation, operational teams led by Shri Sheikh Zulfikar Azad SP Bandipora, Shri Dawood Ayub Addl.S.P. Bandipore, Mir Murtaza Hussain Dy.SP,PC, Bandipore, Rashid Akbar SDPO Sumbal and Inspector Mehboob Hussain SHO P/S Sumbal, using tactical acumen zeroed the target area without getting exposed. After pinpointing the target orchard, team led by Shri Dawood Ayub ASP Bandipore including Shri Rashid Akber SDPO Sumbal and Capt. V.A.Kumar Reddy of 13 RR were assigned to lay cordon from northern side, covering eastern side also of the target, while as the team under the command of Mir Murtaza Hussain DYSP PC Bandipore including Shri Mehboob Hussain SHO P/S Sumbal and Major Malay Baidya of 13 RR were assigned to lay cordon from southern side, covering Western side also under the overall command of Shri Sheikh Zulifkar Azad SP Bandipore and Col. Vikram Jeet Singh CO 13 RR. The manpower of 45th Battalion CRPF was assigned outer cordon of the area, besides to take care of law & order in collaboration with Police. In the meantime, hidden terrorists on noticing the presence of operational men started indiscriminate firing. However, it was noticed that some civilians got trapped in surrounding houses. For their evacuation two teams, one led by Shri Dawood Ayub ASP Bandipore including Rashid Akber SDPO, Sumbal Constable Badar Hussain No. 154/AP 8th Bn., Sg. Constable Mohammad Gulab No. 2075/S, Constable Kawsar Ahmed No. 462/BPR and second team under the command of Mir Murtaza Hussain DYSP, PC Bandipore including Inspector Mehboob Hussain SHO P/S Sumbal Constable Ajaz Masood No. 768/BPR, Constable Zaheer Abbas 389/S, Constable Iftiqar Ahmed No. 342/BPR under the overall command of SP Bandipore were constituted. The teams, under the cover fire provided by other operational men succeeded in evacuating all the trapped civilians from target area.

After successful evacuation process, the holed up terrorists were asked to surrender which they declined and answered with heavy volume of fire. The already constituted teams which included recommendees under the command of SP Bandipore and CO 13 RR started advancing towards target in order to zero it further. However, holed up terrorists once again started indiscriminate firing, triggering a face to face fire fight which lasted for some time and culminated with the elimination of terrorists later identified as Abu Suraag @ Suraka and @ Abdullah of Pakistan. During the fire fight Naik Chandra Singh of 13 RR attained martyrdom while fighting the holed up terrorists. A huge cache of arms/ ammunition was recovered from encounter site and Case FIR NO. 162/2016 U/S 302 RPC, 7/27 I.A Act stands registered in PS Sumbal in this regard. It is worth mentioning that Sheikh Zulafkar Azad,SP Bandipore, Shri Dawood Ayoub, Addl.S.P. Bandipore, Shri Mir Murtaza Hussain Dy.SP, PC, Bandipore, Shri Rashid Akber, SDPO Sumbal, Inspector Mehboob Hussain SHO P/S Sumbal, Constable Badar Hussain No. 154/AP 8th Bn., Constable Aijaz Masood No. 768/BPR, Constable Kawsar Ahmed No. 462/BPR, Constable Zaheer Abbas No. 389/S, Sg. Constable Mohammad Gulab No. 2075/S and Constable Iftiqar Ahmed No. 342/BPR exhibited extra ordinary courage and determination.

In this operation, S/Shri Sheikh Zulfkar Azad, Superintendent of Police, Mehboob Hussain Banday, Inspector, Badder Hussain, Constable and Ajaz Masood Chacket, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 25/11/2016.

P. PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No. 55-Pres/2019—The President is pleased to award the 1st Bar to Police Medal for Gallantry/Police Medal for Gallantry to the undermentioned officers of Jammu & Kashmir Police:—

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

- | | | |
|-----|---|------------------|
| 01. | Altaf Ahmed Khan
Senior Superintendent of Police | (1st Bar to PMG) |
| 02. | Tejpal Singh
Constable | PMG |

Statement of service for which the decoration has been awarded

In the wee hours of July 01, 2017, an information was generated by J&K Police through reliable sources regarding hiding of top terrorist commander of LeT and his accomplice in the residential house of one Bashir Ahmad Ganie S/o Gh. Hassan Ganie R/o village- Brinty Dialgam, Anantnag. The information was further developed by Sh. Munir Ahmad Khan, IPS, IGP Kashmir Zone along with Sh. S.P Pani, IPS, DIG, SKR, Anantnag and Sh. Altaf Ahmad, SSP Anantnag and soon after getting the input corroborated, the information was swiftly shared with DIG, CRPF SKR, CO 40 Bn CRPF/19 RR and a joint operation was planned. Acting as per the plan, the joint operational teams, soon after reaching the target site, cordoned off the area and the whole deployments were divided into three segments. One part of the deployments was exclusively given the task of law and order management and remaining two were tasked for outer and inner cordon. The inner cordon parties were further divided into three components headed by Sh. S.P Pani, IPS DIG Police SKR, Anantnag, CO 19 RR and Sh. Liyaqat Ali Khan, Dy SP, Hqr's Anantnag. Sh. Munir Ahmad Khan, IPS being senior most officer on job, took over the responsibility of the whole operation and chose to lead the searching parties from front along with Sh. Altaf Ahmad Khan, SSP Anantnag. Since conducting the operations in broad day light is always full of challenges that too when reports of hiding of top terrorists commanders are received, IGP Kashmir acted as per the situation on ground, revisited the strategy and tasked Sh. Mukesh Kumar Kakar, Addl. SP Anantnag to follow his team from two different directions for safe evacuation of civilians from the target house as there were reports that mostly ladies are inside the house along with one Sandeep Kumar Sharma of UP, who all got trapped in 1st floor. As the searching party led by IGP Kashmir started approaching the target house, one of the hiding terrorists suddenly opened the window of the 2nd storey of the house and lobbed a hand grenade in the direction wherefrom IGP Kashmir along with Sh. SP Pani, IPS DIG Police, SKR and SSP Anantnag were moving. Sensing that the grenade missed the target, the terrorists opened indiscriminate firing upon the joint searching team and since the team was enough vigilant, they could successfully overcome the sudden attack from terrorists and managed to save themselves from fatal/non-fatal injuries. The operation team led by IGP Kashmir did not retaliate the fire at that particular moment to avoid civilian casualties. However, by dint of their battle tactics, they were able to create a feeling of nervousness among the terrorists and forced them to remain indoors, till IGP Kashmir along with SSP Anantnag get inside the first floor of the house. Outside the house, CO 19 RR along with his team of at least 15 personnel and SI Shabir Ahmad ARP109350 along with Cont. Mohd Akbar 1279/A, Sgct Mudasir Hassan 608 IR2nd Bn, Sgct Rakesh Kumar, 1047/A, Sgct Murtaza Nazir 1353/A, Sgct Fayaz Ahmad 308/IR 18th, Sgct Sanjay Kumar 392/IR 18th, Sgct Ishfaq Ahmad 537/A, SPO Shabir Ahmad 603/SPO, SPO Mohd Younig 569/SPO, Tariq Ahmad 305/SPO, Mumtaz Ahmad 52/SPO, Gowhar Yousif 646/SPO, Ab. Rashid 311/SPO, Mumtaz Ahmad 230/SPO who were the part of joint component led by SSP Anantnag, cornered the whole house till the parties led by IGP Kashmir managed to evacuate the inmates of the house. Needless to mention that both the terrorists who were hiding inside the house did as many as two attempts to shift to first floor of the house so as to cause casualties. While doing so, the terrorists fired as many as 20 rounds but it was due to the structure of the house which could not provide open view to terrorists and also because of the effective positions taken by Sh. Altaf Khan, SSP Anantnag, his buddy Sgct Tejpal Singh 350/IR 3rd Bn, terrorists could not manage to shift to 1st floor of the target house. After successful evacuation of civilians, terrorists lost the cool and in complete frustration, opened volley of fire upon the joint searching parties with the intention to break the cordon so as to fled from the spot. However, Sh. Munir Ahmad Khan, IPS acted as per the plan, and further strengthened the cordon and directed SSP Anantnag to supervise the deployments around the target

house CO 19 RR was also present. In the meantime, the target house was also zeroed in and fire was retaliated from three directions. The process of retaliation continued for at least one hour, during which terrorists were forced to use more and more ammunition. Sensing that the terrorists were also changing their strategy and were looking forward for long drawn operation so as to manage their escape during night hours, Sh. Munir Ahmad Khan, IPS planned for house intervention along with the team of Sh. Altaf Ahmad Khan, SSP Anantnag. While doing so, the team of CO 19 RR (Army) get very close to the target house and engaged the terrorists in fierce firelight till IGP Kashmir along with Sh. Altaf Ahmad Khan, and their team mates managed to get inside the house. While getting inside the house, one of the terrorists shifted to first floor and attacked both the officers and their team mates and most of them had a narrow escape however, in retaliation, the terrorists was killed on the spot. IGP Kashmir along with SSP Anantnag immediately shifted to 2nd floor and confronted the 2nd terrorists for at least 10 minutes and succeeded to eliminate him as well. Both the slain terrorists were identified as Bashir Ahmad Wani @ Lashkar @ Ukasha LeT Commander of (A++" Categorized) and Abu Maaz (Foreigner). Arms/Ammunition recovered from the possession of slain terrorists includes 2 AK rifles, 2 AK 47 magazines and 48 AK rounds. Case FIR No. 92/2017 U/S 302,307,148,149,336,332 RPC & 7/27 A.Act stands registered in P/S Achabal in this regard. Elimination of most wanted top terrorists commander of LeT Bashir Ahmad Wani @ Lashkar @ Ukasha, and his accomplice Abu Maaz was, undoubtedly, a remarkable achievement for the Police/SFs as his elimination created dent in LeT outfit. The slain terrorists Bashir Ahmad Wani was also the mastermind behind the weapon snatching incident witnessed at guard post located at the residence of Justice Atthar, Attack on Army Convoy at Lowermonda, Qazigund, killing of SHO P/S Achabal along with his 05 PSOs at Kulgar, Achabal, and also in looting 05 ATMs at different places in District Anantnag. He was also having enough motivational power to recruit youth in militancy so as to rebuilt the LeT base in SKR in general, and in District Anantnag and Kokemag areas in particular.

In this operation, S/Shri Altaf Ahmed Khan, Senior Superintendent of Police and Tejpal Singh, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 25/11/2016.

P. PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No. 56-Pres/2019—The President is pleased to award the 1st Bar to Police Medal for Gallantry/ Police Medal for Gallantry/Police Medal for Gallantry(Posthumously) to the undermentioned officers of Jammu & Kashmir Police:—

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

- | | | |
|-----|---|--------------------|
| 01. | Syed Javaid Mujtaba Gillani, IPS
Inspector General | (1st Bar to PMG) |
| 02. | Amit Kumar, IPS
Senior Superintendent of Police | (1st Bar to PMG) |
| 03. | Khurshid Ahmad Awan
Sub-Inspector | PMG |
| 03. | Rouf Ahmad Bhat
Constable | PMG (Posthumously) |

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 15.08.2016, when the nation was celebrating its Independence day-2016, a Fidayeen attack was carried out by two Pakistani terrorists at Nowhatta Chowk Srinagar at 0800 hours which led to the martyrdom of Pramod Kumar, Commandant 49 Bn. CRPF and Constable Rouf Ahmad No. 2514/S besides injuries to 08 CRPF personnel including 01 police personnel. After the attack both the terrorists fled from the spot and entered in a nearby abandoned building. Immediately a special team of Police component Srinagar under the command of Sh. Amit Kumar-IPS, then SSP Srinagar, SP (Ops) Srinagar alongwith adequate police personnel of Police Component, Srinagar rushed to the spot under the close supervision of Syed Javaid Mujtaba Gillani-IPS, then IGP Kashmir for neutralization of these fidayeens. While zeroing the

fidayeens, Police parties of North Zone, Srinagar, 28 Bn. CRPF and Zonal QRTs of CRPF were co-opted to avoid collateral damage. To avoid the escape of the terrorists, the nafri were divided into three parties, one headed by SP (City) North and 28 Bn CRPF to lay the outer cordon, the second of Srinagar Police to cordon the Mohalla and the third party of SOG Srinagar for laying of inner cordon.

As per the plan, Syed Javaid Mujtaba Gillani-IPS then IGP Kashmir Incharge of the inner cordon with Sh. Amit Kumar-IPS then SSP Srinagar alongwith SP (Ops) Srinagar formed small teams of Police Component Srinagar headed by Sh. Amit Kumar IPS then SSP Srinagar assisted by SI Khurshid Ahmad No. EXK-109157 PC Srinagar (Now Inspector), Dvr. Sgct Nissar Ahmad EXK-311505 and Constable Rouf Ahmad No. EXK-112172 of North Zone, Srinagar evacuated the inmates of adjoining houses tactfully and shifted them to nearby safer places. Firstly the terrorists were asked to surrender which they denied and opened fire on the operational parties. Accordingly the interventional party reached near the targeted house who came under heavy fire from the terrorists, followed by grenades but it caused no damage to the party who then withdrew only to enter the abandoned house from its rear side. At this stage Syed Javaid Mujtaba Gillani-IPS then IGP Kashmir Zone, who was the incharge of the inner cordon constituted two small parties, one party comprising of Sh. Amit Kumar IPS then SSP Srinagar, SI Khurshid Ahmad No. EXK-109157 PC Srinagar Now Inspr, Dvr. Sgct. Nissar Ahmad EXK-911505 and Constable Rouf Ahmad No. EXK-112172 of North Zone, Srinagar with nafri of Police Component Srinagar and 2nd party comprising of 28 Bn. CRPF / Zonal QRT and Police Rep. of North Zone, Srinagar. It was decided to enter the house from rear/front sides. During this process, the holed up terrorists lobbed grenades from a window towards the approaching party but it caused no damage. The party crawled nearer to the window from front side but the terrorists opened the main door of the first floor and started indiscriminate firing in an attempt to break the cordon so as to manage their escape. At this moment Syed Javaid Mujtaba Gillani-IPS then IGP Kashmir Zone, Srinagar alongwith his team after crawling reached the targeted house, retaliated the fire effectively without caring for their lives. During ensuing encounter, Dvr.

Sgct. Nissar Ahmad EXK-911505 and Constable Rouf Ahmad No. EXK-112172 of North Zone, Srinagar received bullet injuries and one Fidayeen was killed on spot while as another terrorists managed to hide himself in upper floor of the said house and opened indiscriminate firing but the 2nd party already in position, retaliated the fire bravely and killed the second terrorists also. However, the injured constable Rouf Ahmad No. 2514/S also breathed his last later on. The elimination of both the fidayeens was a big achievement for the Police/ other security forces as it gave severe jolt to the network of terrorist's outfits. In this regard case FIR No.92/2016 U/S 307, 427 RPC, 7/27 A. Act stands registered in Police Station Nowhatta . The gallant act on the part of who have displayed conspicuous Gallantry, courage and devotion towards duty deserves to be acknowledged.

In this operation, S/Shri Syed Javaid Mujataba Gillani, IPS, Inspector General, Amit Kumar, IPS, Senior Superintendent of Police, Khurshid Ahmad Awan, Sub- Inspector, Late Rouf Ahmad Bhat, and Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 15/08/2016.

P. PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No.57—Pres/2019—The President is pleased to award the 1st Bar to Police Medal for Gallantry/ Police Medal for Gallantry to the undermentioned officers of Jammu & Kashmir Police:—

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

- | | | |
|-----|---|------------------|
| 01. | Shridhar Patil, IPS
Superintendent of Police | (1st Bar to PMG) |
| 02. | Zulfkar Ali
Inspector | PMG |
| 03. | Subzar Ahmad Sheikh
Sub- Inspector | PMG |

- | | | |
|-----|-------------------------------|-----|
| 04. | Liakat Ali
Head Constable | PMG |
| 05. | Aftab Aslam
Head Constable | PMG |

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 11.02.2017, Kulgam Police received specific information regarding the presence of a group of terrorists in village Nagbal Frisal Kulgam. Since it was reliably learnt that the group had arrived in the area to carry out some subversive action, a joint operation was planned by Kulgam Police with 1 RR/18 Bn CRPF and accordingly the troops rushed to the area for carrying out of cordon/search operation. The cordon was laid around the entire hamlet under the overall leadership of Sh. S P Pani, DIG SKR-Anantnag assisted by Sh. Shridhar Patil, IPS-109745, Sh. Aijaz Ahmad Zargar, Addl, SP Kulgam, Inspr. Zulfkar Ali ARP-046146, and Inspector Athar Samad EXK-026270. Inspector Athar Samad was the first to respond the call of seniors and laid inner cordon effectively. The target house was also identified by Inspr. Athar Samad with the help of his buddy pair Ct. Bilal Ahmad Sheikh EXK-112404. The hiding terrorists were asked for surrender which they denied and keeping in view the darkness, the search operation was suspended to avoid any collateral damage. In the wee hours of February 12, the search operation was resumed under the leadership of DIG Police, SKR, Sh. Shridhar Patil SP Kulgam and Addl. SP Kulgam. As SP Kulgam, Addl. SP Kulgam assisted by SI Sabzar Ahmad, DO, Frisal, Ct. Mudasir Ahmad Ahanger EXK-135567 and PSO HC Liyakat Ali and others. While accomplishing cordon in the specific area of target house and in the process of evacuating the civilians, terrorists started firing upon them. SP Kulgam along with his team also comprising of SI Sabzar Ahmad DO Frisal, HC Liyaqat Ali showed effective presence of mind and retaliated in such a manner to avoid any civilian i casualties and succeeded to eliminate one terrorist besides rescuing four civilians during which Addl. SP Kulgam and his buddy also provided effective support to the team of SP Kulgam. While sensing that the terrorists are trying to flee from the spot, DIG Police SKR, SP Kulgam and Addl. SP Kulgam strengthened the cordon and also changed the strategy on ground so as to avoid any collateral damage. While doing so, Addl. SP Kulgam also mobilized the manpower in such a manner which created frustration among the terrorists and thus, they could not target in the right direction. Inspector Zulfkar Ahmad, Athar Samad along with their buddies HC Aftab Aslam and Ct. Bilal Ahmad Sheikh were close to the house where dreaded terrorists have taken shelter and made hostage the son of the house owner namely Ishfaq Ahmad and snatched rifle from one cop of RR 1st and killed him on the spot besides throwing grenade towards the police party. However, these officers particularly Inspector Zulkarnain and his buddy HC Aftab showed good presence of mind and dealt the situation professionally besides eliminating the terrorist hiding in the house. Needless to mention here that Sh. Ishfaq Alam, DySP has shown enough determination while dealing with law and order situation which emerged after post encounter. The officer alongwith his buddy pair Ct. Imtiyaz Ahmad No. EXK-112293 dealt the law and order situation effectively and ensured safety and security of the people. The officer capitalized law and order manpower effectively and ensured that no lethal weapon is used during the imminent law and order situation. He along with his buddy did not allow to swell the gathering at encounter site which would have been the dangerous to tackle. All the recommended officers/officials exhibited gallant action beyond the call of general duties without paying any heed to personal safety while confronting these hardcore terrorists thereby, eliminating the top most wanted terrorist. Arms/ammunition has been recovered from the possession of the eliminated terrorists and accordingly a case FIR No. 08/2017 U/S 302 RPC, 7/27 A. Act has been registered in P/S Yaripora. It may be mentioned that one of the slain terrorists Mudasir Ahmad Tantray @ Asim was operating in the District since August, 2014 and other three slain terrorists were active in South Kashmir since 2016. Mudasir Ahmad Tantray was reportedly mastermind for weapon snatching cases witnessed at different guard posts in the District and most importantly from Police Station D.H Pora during 2016 unrest.

In this operation, S/Shri Shridhar Patil, IPS, Superintendent of Police, Zulfkar Ali, Inspector, Subzar Ahmad Sheikh, Sub-Inspector, Liakat Ali, Head Constable and Aftab Aslam, Head Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 11/02/2017.

P. PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No. 58—Pres/2019—The President is pleased to award the 1st Bar to Police Medal for Gallantry/ Police Medal for Gallantry to the undermentioned officers of Jammu & Kashmir Police:—

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

- | | | |
|-----|------------------------------------|------------------|
| 01. | Qazi Asif Hussain
Sub-Inspector | (1st Bar to PMG) |
| 02. | Syed Waseem Ahmad
Constable | PMG |
| 03. | Nazir Ahmad Lone
Follower | PMG |

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 4th December 2015, Police Handwara received information about presence of two hardcore LeT terrorists in Bowan forests of Handwara. Accordingly, a joint operation was planned with the assistance of 21-RR, 98 & 92 Battalions CRPF. After meticulous planning, troops CRPF were tasked for outer cordon and components of Police/Army were divided into four teams for effective search of the area.

During search operation, hidden terrorists resorted to indiscriminate firing which resulted in on spot death of one Army Jawan GDSM Satish Kumar and injuries to another Jawan GDSM Anil Rathore of 21 RR. Thus evacuation of dead body of Army Jawan, his injured associate and 10-12 civilians who were engaged in cutting wood, became priority. For the purpose a small team comprising of Ct. Syed Waseem, 833/Kgm EXK-097488, Follower Nazir Ahmad, 16/F, few SPOs headed by Sub Inspector Qazi Asif Hussain No. MES-015501 volunteered themselves. The teams succeeded in evacuation process with the help of cover fire provided by other teams mates of advance parties. Since terrorists were making every effort to reach near the hut (Kotha) where 10- 12 civilians were trapped to create a hostile like situation, two joint rescue teams were framed and SI Qazi Asif along with his team also joined them. Since the area where the Khota was located was devoid of any deployments in its close proximity thus, terrorists managed to reach this place. Sh. Gh Jeelani, SP who was leading two rescue components, faced indiscriminate firing from terrorists thus forced one such component to retreat. SI Qazi Asif along with Ct. Syed Waseem & Follower Nazir Ahmad did not moved back and instead provided effective covering fire to the team led by the SP who managed to rescue 5 civilians. Another rescue team led by an NGO rank officer got stuck at a place as terrorists exposed themselves for a moment to cause casualties. Again, SI Qazi Asif exhibited extraordinary valour and advanced towards the terrorists in a fire retaliatory drill leading to injuries to a terrorists and safe passage to the rescue team which evacuated remaining trapped civilians. Sensing that the terrorist has got injured, two joint assault teams were framed. SI Qazi Asif and his men were again made part of these teams. Since the SI and his men were already in the close proximity of the terrorists, they advanced further resulting in a face to face fire fight which lasted for some time and culminated with the elimination of two terrorists later identified as Abu Waleed R/o Pak and Haroon @ Hafiz R/o PaK of LeT outfit. A huge cache of arms/ammunition were recovered from the encounter site and Case FIR No. 310/2015 U/S 307 RPC 7/27 I.A.Act stands registered in P/S Handwara in this regard.

In this operation, S/Shri Qazi Asif Hussain, Sub-Inspector, Syed Waseem Ahmad, Constable and Nazir Ahmad Lone, Follower displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 04/12/2015.

P. PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No.59—Pres/2019—The President is pleased to award the 1st Bar to Police Medal for Gallantry to the undermentioned officer of Jammu & Kashmir Police:—

NAME & RANK OF THE OFFICERS

- | | |
|---|------------------|
| Shri Vijay Kumar, IPS
Deputy Inspector General | (1st Bar to PMG) |
|---|------------------|

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 01-09-2014, at 1700 hours, DIG Anantnag received a specific information about presence of three militants of JeM outfit at village Hanjan Bala, planning to carry out a terrorist act. Accordingly, the information was shared with SP Pulwama/ 44 RR, 182/ 183 Bn CRPF and joint cordon was laid. A Police party under the command of DIG Anantnag, assisted by SP Pulwama, ASP Pulwama/DYSP OPS Pulwama, without wasting time, cordoned off the target area in the said village. After laying the cordon, search of militants was started. In the mean time militants started indiscriminate firing from the house of Wall Mohd Nengroo S/O Ali Mohd Nengroo upon the search party with the intension to escape from the cordon. DIG Anantnag and ASP Pulwama responding bravely by retaliating the fire and gave no opportunity to the militants for escape. A challenging task was to execute the evacuation of three civilians including a lady, trapped in 1st floor of the target house. The evacuation of these civilians by ASP Pulwama among others under the overall supervision of DIG Anantnag without caring for their lives during such crucial situation was commendable. As it was getting dark, measures including lighting /laying of Concertina wire were taken for area domination around the target house.in order to foil every attempt of militants to escape from the scene. The DIG SKR Sh Vijay Kumar IPS himself checked the cordon a number of times and issued repeated instructions throughout the night. Moreover, militants were asked to surrender through the PA (Public Address) System. They instead started indiscriminate firing upon the approaching parties and no opportunity was given to the SF's to come closer during night. DIG Anantnag assisted by ASP Pulwama and SI Manzoor Ahmad including others maintained alertness throughout the Night.

The next morning militants were again asked to surrender, which they ignored and started' indiscriminate firing upon the troops with the intension to kill them and escape from the cordon Eventually in a fierce gunfight, which continued for another five hours, resulted in the elimination of militants in the lawns of said target house who were later identified as Mohd. Altaf Rather @ Kamran S/O Mohd. Abdullah Rather RIO Chak Badri Nath Pulwama, Farooq Ahmed Laway S/O Ghulam Ahmed Laway RIO Hardo Dalwan Budgam and Showkat Ahmed Dar @ Mirchi Seth S/O Ghulam Qadir Dar RIO Aglar Kandi Pulwama. A huge cache of Arms/Ammunition was recovered from the site of encounter. In this regard Case FIR No, 67/2014 U/S 307 RPC, 7/27 A.Act stands registered in Police Station Rajpora. The slain militant Mohd Altaf Rather @ Kamran Div. Cmdr. for South Kashmir of JeM outfit was active since last 4 years and was involved in number of criminal cases. He had carried out a number of sensational attacks against the security Forces/civilians/govt. establishments in the valley particularly in south Kashmir. Moreover, the said militant was instrumental in motivating youths for joining the militant cadres. He was also instrumental in threatening Panchayat members to resign from their posts. Another slain militant Farooq Ahmad Laway S/O Gh. Ahmad laway R/O Dalwan Budgam was also involved in snatching 03 SLR Rifles along with ammunition after injuring one Constable from shrine Guard at Pakherpora. Case FIR No. 24/2014 U/S 307, 392.RPC, 7/27 I.A. act stands registered in P/S Charar-i-Sharief to this effect. The death of all the three militants is a huge setback to militant cadres particularly JeM outfit in south Kashmir and great a relief for security forces/civilians in Kashmir province particularly in south Kashmir range.

In this operation, Shri Vijay Kumar, IPS, Deputy Inspector General displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 01/09/2014.

P. PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No. 60—Pres/2019—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the undermentioned officers of Jharkhand Police:—

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

01. Anish Gupta, IPS
Superintendent of Police
02. Manish Raman
Additional Superintendent of Police
03. Raju Soy
Constable

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 1/11/2017 an Intelligence Input was received regarding the presence of dreaded CPI (Maoist) Bihar Jharkhand Special Area Committee Member Motilal Soren@ Sandeep (wanted in more than fifty cases and having a REWARD of Rs. 25 Lakh announced by the State of Jharkhand and Rs 20 Lakh by the State of Odisha) alongwith his Squad members near forest of Kundrijor under Jeteya Police Station. A football Tournament was being organized in Football Ground Jeteya from 1/11/17 to 2/11/17. Sandeep had formed a team comprising of some of his dasta members and villagers of Hessapi and had planned to visit the ground with other armed members. A few days back, he had killed two locals in village Hamsada (nearby) on suspicion of being Police Informers. The reason was Encounter with security forces in village Buru Raika under Jeteya PS on 5/9/17, in which he narrowly escaped. He suspected villagers of Jeteya as Police informers. To identify informers, he had formed a team comprising of his squad members to play with locals and identify informers, whom he had plans to kill. SP Chaibasa Sh Anish Gupta received this information from his human assets and supported by technical input and without any loss of time proceeded with his bodyguards CT 1249 Sukhlal Sardar and CT 1398 Dinesh Nayak, apprised ASP (OPS) Sh Manish Raman and SDPO Kiriburu Mr Md. Taukir Alam of the intelligence and called them near Kotgarh forest to Plan and Raid for Motilal Soren@Sandeep, with available force. Time was very short as Motilal Soren could leave after carrying out his Plan to kill and create terror in the area, covered with forests and atleast 25 kms away from nearest Police Station. Sh Anish Gupta along with his Bodyguards and ASP (OPS) Sh Manish Raman, planned briefly at kotgarh and led the raiding Party and SDPO Kiriburu was heading the second party that laid ambush on direction of retreat. Keeping a larger raiding party would have exposed the team and made the whole operation futile, a small raiding party would have been completely ambushed by naxals had information leaked. In a show of highest commitment to duty, in larger public interest and in an outstanding act of bravery, Sh Anish Gupta decided to raid in a small team, without caring for his life and limb. As the raiding party led by Sh Anish Gupta reached 2 Kms before Football Ground, they dropped automatic weapons (AK 47) in the vehicle to avoid being identified (to be used had naxals fired and tried to encircle and ambush the raiding team during retreat), and started walking towards the Ground, avoiding road and through forest. It was a challenging and extremely difficult task to engage Motilal Soren in his bastion and in a Five thousand strong crowd. The presence of armed squad members in the crowd made it even more difficult for the small raiding party to engage SAC level member and apprehend him. In a show of highest level of courage, perseverance and dedication to Duty, Sh Anish Gupta, Sh Manish Raman, CT Sukhlal Sardar, CT Dinesh Kumar Nayak and CT Raju Soy penetrated the 5000 strong crowd and CT Raju Soy advanced and mingled in the crowd and identified Motilal Soren standing near the goalpost and the raiding party led by SP Chaibasa started approaching him. As Sh Anish Gupta reached next to Sandeep, he identified him and pulled out a pistol and pointed towards Sh Anish Gupta to fire, without losing time Mr Anish Gupta pulled out his official pistol and pointed at his forehead and ordered him to surrender, lest he would be fired at, simultaneously Sh Anish Gupta got hold of Sandeep's hand and grabbed his wrist to put his pistol down and took his pistol in his custody. In the meantime Sh Manish Raman ASP OPS Chaibasa covered him from behind alongwith CT Raju Soy and CT Dinesh Nayak. In the ensuing scuffle, Sandeep started shouting and called out his cadres present in the crowd to kill the raiding Party, Sh Anish Gupta then thrust his official pistol in Sandeep's mouth and ordered the crowds not to get provoked and cooperate with the raiding party. A fire would have created panic in the crowds and other Naxals present in crowd could have opened fire in retaliation, risking the lives of civilians. Sh Anish Gupta kept his composure, without resorting to fire and with the help of ASP (OPS) Sh Manish Raman, CT Raju Soy, CT Sukhlal Sardar and CT Dinesh Kumar Nayak swiftly took a safe position from the crowd and explained them to cooperate with POLICE, simultaneously taking him to safer side of the ground, where they could retaliate to an armed dasta, if required. In the meantime the ambush party led by SDPO Kiriburu appeared and the team led by SP Chaibasa removed Motilal Soren from the ground and started interrogating him. Upon his interrogation and leading to his confession 6 live HE bombs were recovered from the Kundrijor Forest.

In this Operation, Quick Planning, Swift Execution inspite of an imminent threat to Life and Limb and Quality of Leadership displayed by Sh Anish Gupta IPS, SP Chaibasa, Sh Manish Raman ASP (OPS) Chaibasa and CT Raju Soy is impeccable and they have taken highest degree of risk and without caring for their lives penetrated a crowd of naxal cadres and supporters to apprehend 131SAC member Motilal Soren and successfully arrested him, using minimum effective force taking care of the human rights of the accused as well as ensuring safety of civilians. They deserve highest decorations.

In this operation, S/Shri Anish Gupta, IPS, Superintendent of Police, Manish Raman, Additional Superintendent of Police and Raju Soy, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 01/11/2017.

P. PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No. 61—Pres/2019—The President is pleased to award the 1st Bar to Police Medal for Gallantry/ Police Medal for Gallantry to the undermentioned officers of Meghalaya Police:—

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

- | | | |
|-----|------------------------------------|------------------|
| 01. | Deven Mawlein
Inspector | (1st Bar to PMG) |
| 02. | Best Pearl Talang
Sub-Inspector | PMG |
| 03. | Boniface Shadap
Constable | PMG |
| 04. | Johnsward Ch Marak
Constable | PMG |

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 08/06/2017 @ 8.30 PM, Shri D. Mawlein Circle Inspector Nongstoin received reliable information from his source that there is a big group of GNLA militants armed with sophisticated weapons at Jogisil-Agitchak village and led by its area commander known as NIT and with the intention to proceed to Riangdim village for extortion from business persons at Riangdim village. Accordingly, Inspector D. Mawlein without wasting any time organized a Police team of only 12 (twelve) SF-10 commandos, SI B.P. Talang and his PSO since there was a shortage of man power at that time. An operation plan was made and proper briefing was given by Inspector D. Mawlein and immediately the police team left from Shahlang PS to the noted area to apprehend those militants. After trekking for two hours in the darkness of the night and before reaching one river which is in between Jogisil and Agitchak village, the police party were moving by crawling for about 500 (five) hundred metres and positioned themselves for taking rest.

Then at about 3.00 AM, the Police scout and assault team led by Inspector D. Mawlein, S.I., B. Talang, and two other SF-10 commandos namely SFC/585 Boniface Shadap and SFC/341 Johnsward Ch Marak saw the movement of some armed persons who were approaching towards the area where the police team was resting. Accordingly, the Police shouted and asked them to surrender but they were fired upon indiscriminately by those GNLA militants. Hence, Inspector D. Mawlein who lead from the front retaliated back by counter firing with grit and determination at the continuously indiscriminate firing militants who were at the river and at that moments SI B. P. Talang, SFC/585 Boniface Shadap and SFC/341 Johnsward Ch Marak supported the team leader by exhibited conspicuous courage and without any second thought about their safety advancing towards the militants and counter firing while the police commandos were providing cover firing for him. The encounter was prolonged for about 20(twenty) minutes and when the encounter stop search was made and two dead militants were found lying near the river bank and from their persons one sophisticated rifle suspected to be a Chinese automatic rifle and one SBML gun were recovered and also two kit bags which contained personal articles such as hair oil, wearing apparels, cosmetics and tooth brush, tooth paste etc. However, the other GNLA militants managed to escape by taking advantage of the thick jungle. Further the police team gave a hot pursuit on those militants but could not find them but it was strongly suspected that many other militants were injured in the encounter as evidence.

It is also to be noted that in the ensuing encounter, the police commandos provided cover firing to the police assault team led by Inspector D. Mawlein and SI B.P Talang and other two commandos and hence giving space and time to fire with grit and determination at the continuously indiscriminate firing militants who were at the river and the exhibiting conspicuous courage of Insp D. Mawlein, SI B.P Talang and other two commandos without any second thought about his safety by advancing towards the militants by counter firing in a very close and life risking encounter has resulted in the death of two armed militants.

The unwavering determination, extraordinary courage, grit and devotion to his duty of the high order and leadership displayed by Circle Inspector D. Mawlein, SI B.P Talang, SFC1585 Boniface Shadap and SFC/341 Johnsward Ch Marak during the gravest of life threatening situation endangering and risking their life from the bullets of the GNLA is commendable and is worth recognition during the operation on 09.06.2017, deserves to be conferred with the gallantry award.

In this operation, S/Shri Deven Mawlein, Inspector, Best Pearl Talang, Sub-Inspector, Boniface Shadap, Constable and Johnsward Ch Marak, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 09/06/2017.

P. PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No. 62—Pres/2019—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the undermentioned officer of Meghalaya Police:—

NAME & RANK OF THE OFFICERS

Shri Amon Vicky R Marak
Sub Inspector

Statement of service for which the decoration has been awarded

An information was received on the 24th February 2017 from reliable sources that some 7 to 10 suspected armed militants led by founder and self style C-in-C of UALA Singbirth N Marak alias Norok X Momin along with Shri William Sangma a hard core militant and some members of NDFB/ULFA/UALA were seen moving around thapa Agichak and Thapa Matronggre area under Resubelpara PS with an intention to commit heinous crime. Intelligence inputs indicated that they had floated a new militant group christened as UANF (United A'Chik National Front) Based on this information several CI Operations were also conducted for past few weeks to trace out these militants. Further Shri Singbirth N marak alias Norok X Momin is suspected to have been involved in the killing of District Jail Police personnel in Williamnagar Jail, and the killing of several other civilians. Accordingly on the receipt of information at around 03:—00 am the 25th February 2017 SI Amon Vicky R Marak along with SF 10 Commandos were deputed to, causes search operation over the area. —SI AmonVickey R Marak led his team through the adverse terrain and the thick forest and when they reached the Matrongre village at about 06:—00PM, 7-8 UANF militants came across their Operation Team. On seeing the Police team the UANF militants started to open fire upon which SI Amon Vicky R Marak and his team fired back for self defense. Heavy exchange of firing took Place between them which lasted for about 5-7 minutes, SI Amon Vicky R Marak was nearly hit by the bullets fired upon by the UANF cadres, however his utmost presence of mind and swift act the bullet missed him. UANF militants continued to fire upon SI Amon Vicky R Marak and his team but SI Amon Vicky R Marak displayed extraordinary courage and leadership and led his team towards the place from which the UANF cadres were firing and upon achieving a secure position he along with his team fired at the UANF cadres and in the process one UANF cadre was hit. The other UANF cadres upon realizing that the Police team is gaining on them tried to fire indiscriminately in order to flee taking cover of the dense forest just behind the site of exchange of fire. In a swift reaction SI Amon Vicky R Marak, started chasing the fleeing militants, but due to rough terrain the fleeing militants could escape taking advantage of the thick forest. With his steadfast pursuit of neutralizing the militants SI Amon Vicky R Marak with his team was able to neutralize one hardcore UANF cadre later identified as Shri Singbirth N Marak alias Norok X Momin founder and commander-in-Chief of UNAF. When search was conducted from the site of exchange of fire, AK 47 rifle in a cocked condition, 1(one) magazine, 3(three) live ammunitions of AK, one empty cartridge and one pistol in a cock condition, 2(two) live ammunitions, 1(one) 'magazine, 1(one) HE grenade and a mobile handset were also recovered. Reference Resubelpara PS Case No. 6 (2) 17 U/S 120 B/353/307 IPC R/W Sec 25 (1A)(1B)/27 Arms Act.

SI Amon Vicky R Marak, inspite of being targeted by UANF/GNLA and several militants on several occasions, he voluntarily took part in the operation. The officer displayed exceptional sense of responsibility towards his duty, unmindful of his own personal safety despite coming under fire; SI Amon Vicky R Marak neutralized the commander in chief of UANF militant Shri Singbirth N Marak alias Norok X Momin at close quarters displaying conspicuous act of gallantry and utmost devotion to duty. This operation team under the leadership of SI Amon Vicky R Marak bravely fought the militants forcing them to flee when one of their cadres was hit by a bullet, thereby leading to his death. This successful operation of police was very significant as it has stopped the possibility of a rising of another deadly militant outfit in the region.

In this operation, Shri Amon Vicky R Marak, Sub-Inspector displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 25/02/2017.

P. PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No. 63—Pres/2019—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the undermentioned officers of Odisha Police:—

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

01. Bidyadhar Sethi
Subedar
02. Bishal Bomjan
Commando
03. Dhruba Bahadur Basnet
Havildar
04. Rajendra Malla
Commando
05. Deepak Singh Kunwar
Commando
06. Rajesh Biswakarma
Havildar

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 10- 09-2017, on receiving a credible input regarding the camping of a group of heavily armed cadres of the banned CPI (Maoist) organization in the Melsikia forest area under Baliguda police station limits, an intensive combing operation by assault team No. 44 and 11 consisting of 49 commandos SOG, under the leadership of Shri Bidyadhar Sethi, Subedar of police, SOG was conducted in the said forest area. While the Police team was returning to base after a grueling 48 hours task in a very arduous terrain, the whole team was subjected to heavy unprovoked firing from automatic weapon on two fronts. In the said process, one commando of Assault team No. 44 of SOG suffered grievous gunshot injury on his person due to heavy firing. The police team under the leadership of Shri Bidyadhar Sethi retaliated valiantly despite numerical disadvantages and severe terrain limitations. Shri Sethi along with two commandos namely, Bishal Bomjan and Dhruba Bahadur Basnet charged the enemy in a very risky frontal attack braving heavy fire and forced the insurgents to fall back. Another small team of three commandos namely Rajendra Malla, Deepak Singh Kunwar and Rajesh Biswakarma countered the ambush by launching a tactical offensive, from the right flank despite the severe risk of being detached from the main police team. Due to the valiant offensive by both the small teams, they could not able to execute a successful ambush despite having surprise and terrain on their favour. The leader and the five commandos rose to the occasion when it was most needed and acted bravely in such a manner that not only the numerically superior and tactically better placed enemy had to retreat but the police team could inflict heavy casualty on them with little collateral damage. The successful operation led to the death of One Area committee member Banila @ Rupa, ACM. Press I/C of KKBN Division CPI (Maoist) on whom the Government of Odisha had declared a reward of Rs 4,00,000/-

In this operation, S/Shri Bidyadhar Sethi, Subedar, Bishal Bomjan, Commando, Dhruba Bahadur Basnet, Havildar, Rajendra Malla, Commando, Deepak Singh Kunwar, Commando and Rajesh Biswakarma, Havildar displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 10/09/2017.

P. PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No. 64—Pres/2019—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the undermentioned officers of Odisha Police:—

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

01. Sunil Kumar Nanda
Assistant Sub- Inspector

02. Kamalendu Sarangi
Havildar
03. Madan Kishan
Constable
04. Athnacios Jojo
Constable
05. Mukesh Kumar Brahma
Constable

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 8.2.2017 reliable information was received regarding movement of armed PLFI activists in Sukra Reserve Forest area near Baskona-Pital village to disrupt ensuing Gram Panchayat election by kidnapping/killing candidates/their supporters and damage public properties and to create terror in the minds of general public and dissuade them from taking part in Elections of local body in a democratic manner. The same information was entered in Bisra PS station diary vide SDE No. 201 dt-8.2.2017 at 8.00 pm. Based on the information a plan was chalked out at DIOC (District Intelligence and Operations Cell) by SP, Rourkela. ASI S.K. Nanda along with DVF was directed to conduct SADO (Search and Destroy Operation) in the area. ASI S.K. Nanda along with DVF team comprising of Hav/55 Kamalendu Sarangi, HAV/19 Sushanta Kumar Paikaray, HAV/1106 Dibyajyoti Rout, Lnk/355 Binod Panna, C/767 Madan Kishan, C/728 Mukesh Kumar Brahma, C/387 Athnacios Jojo, C/762 Ghanshyam Bhagat, C/1190 Prakash Soreng, C/815 Bikram Dandsena, C/431 Azaz Majhi, C/909 Prabin Lakra, C/1045 Prahalad Pradhan, C/507 Sukant Bara, C/720 Sarat Chandra Bhoi, C/420 Dhaneswar Sahoo, C/57 Dillip Kumar Dehury, C/466 Khirod Kumar Mohanta, OAPF/03 Jems Munda, C/1083 Gobardhan Patra, OAPF/07 Sanjay Kumar Nayak And HG/164 Bijay Kishore Toppo (Local Guide) proceeded to the area on 08.02.2017 night.

While performing search in Sukra Reserve Forest area on 09.02.2017 at about 6.00am a group of armed cadres numbering about 12 started firing indiscriminately from their sophisticated weapons on the police party with an intention to kill the police personnel. One of the bullet fired by them pierced the magazine of the weapon of C/387 Athnacios Jojo. The police party immediately took position to save themselves from fire and cautioned them to surrender before the police. In spite of repeated warning, they did not surrender & continued firing at the police party. Finding no alternative and in exercise right of private defence, the police party opened fire. The exchange of fire continued for about half an hour. After the firing stopped the police party cautiously proceeded and searched the area. While searching the jungle area two unidentified dead bodies with profuse bleeding injuries, one AK-47 rifle, One .303 rifle, 7 nos. of .315 country made SBBL guns. One country made revolver, 11 numbers of magazines of different fire arms, 192 live ammunition, one empty cartridge, 44 nos of Mobile Phones and 01 Tab, kit bags containing personal belongings. Blankets, shoes, clothes, Food articles, mobiles phones, medicines etc. were found at the spot.

Later the dead bodies were identified as 1. Sameerjee @ Rajesh Munda @ Rajesh Dhan @ Putro, (ZCM) S/o Late Walter Dhan, Vill-Kisani Barkatoli, PS-Kamdara, Dist.Gumla and 2. Linga Topno @ Bhoka, S/o Pheku Topno of village Poje Kharbatoli, PS-Kamdara, Dist-Gumla.

Deceased Samarjee was having reward of Rs. 10 Lakhs declared by state Govt. of Jharkhand vide State SI. No. 49.

In this operation, S/Shri Sunil Kumar Nanda, Assistant Sub-Inspector, Kamalendu Sarangi, Havildar, Madan Kishan, Constable, Athnacios Jojo, Constable and Mukesh Kumar Brahma, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 09/02/2017.

P. PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No. 65—Pres/2019—The President is pleased to award the 1st Bar to Police Medal for Gallantry/ Police Medal for Gallantry to the undermentioned officers of Odisha Police:—

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

- | | | |
|-----|--|-----|
| 01. | Prateek Singh, IPS
Superintendent of Police | PMG |
|-----|--|-----|

02.	Rabindra Sabar Subedar	(1st Bar to PMG)
03.	Ashok Kumar Rath Subedar	PMG
04.	Alok Kumar Sethy Havildar	PMG
05.	Dhananjay Barad Commando	PMG
06.	Krushna Chandra Ping Commando	PMG
07.	Santosh Kumar Dhan Commando	PMG
08.	Jagannath Kanhar OAPF	PMG
09.	Madhusudan Mallick Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 13.5.2018, S.P, Kandhamal Shri Prateek, Singh, IPS received a credible information regarding the movement and assembly of around 15-20 heavily armed cadres of CPI (Maoist) Orgn. of Kalahandi-Kandhamal-Boudh-Nayagarh (KKBN) division led by Badal @ David (DCM) in Sudrukumpa RF near village Gadanki under PS Sadar. An intensive combing operation by two small units of SOG(AT-29 and AT-39) and one small unit of DVF(District Police) under the leadership of Shri Prateek Singh, IPS, Superintendent of Police, Kandhamal was conducted in the said forest area. Shri Prateek Singh led one small unit Of SOG(AT-29) and one small unit of DVF for search while other unit of SOG(AT-39) was placed in cut-off at a distance. When the Police search team was conducting the search in the jungle area, the insurgents who were hiding taking the advantage of hilly terrain and dense jungle resorted to sudden unprovoked heavy firing from automatic weapons and tried to mount flanking attack, making the police team susceptible to enemy fire from two fronts. Nine members of Police team suffered grievous injuries on their person due to heavy firing and grenade lobbing. The Police team under the leadership of Shri Prateek Singh retaliated valiantly despite numerical disadvantages and severe terrain limitations. Shri Singh along with two commandos namely, Krushna Chandra Ping and Jagannath Kanhar charged the enemy in a very risky frontal attack braving heavy fire and forced the insurgents to retreat. Subedar Ashok .Kumar Rath led another small unit of two commandos namely Dhananjaya Barad and Santosh Kumar Dhan and countered the flanking attack by launching a tactical offensive, despite severe risk of being detached from the main police team. Due to the valor of assault team the Maoist could not resist and started fleeing from the location by taking covering fire from their team members. While the insurgent were making retreat towards the village they came across a police party consisting of Subedar Rabindra Sabar along with two commandos Madhusudan Mallick and Alok Kumar Sethy. Maoist immediately resorted to heavy firing on seeing police party in a desperate attempt to escape. Despite heavy firing Sub. Rabindra Sabar along with Madhusudan Mallick and Alok Kumar Sethy advanced towards the Maoists and attacked showing utmost courage and readiness for supreme sacrifice for the sake of nation preventing deadly armed cadres from approaching towards village. The leader and team members rose to the occasion when it was most needed and acted bravely in such manner that not only the numerically superior and tactically better placed enemy had to retreat but the police team could inflict heavy casualty on them with little collateral damage. The successful operation led to the death of four Maoist cadres including one Divisional Commander Badal @ Dayid on whom the government of Odisha had declared a reward of Rs. 5, 00, 000/- and One area commander namely Prashant on whom the government of Odisha had declared a reward of Rs. 4, 00, 000/- both of KKBN division of CPI (Maoist).

In this operation, S/Shri Prateek Singh, IPS, Superintendent of Police, Rabindra Sabar, Subedar, Ashok Kumar Rath, Subedar, Alok Kumar Sethy, Havildar, Dhananjay Barad, Commando, Krushna Chandra Ping, Commando, Santosh Kumar Dhan, Commando, Jagannath Kanhar, OAPF and Madhusudan Mallick, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 13/05/2018.

P. PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No. 66—Pres/2019—The President is pleased to award the 1st Bar to Police Medal for Gallantry/ Police Medal for Gallantry to the undermentioned officers of Odisha Police:—

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

01.	Niranjan Sahu Additional Superintendent of Police	(1st Bar to PMG)
02.	Keshaba Sisa Havildar	PMG
03.	Jitendra Kumar Das Havildar	(1st Bar to PMG)
04.	Sinaya Sekhar Bepari Constable	PMG
05.	Urdhaba Chalan Constable	PMG
06.	Kanhu Charan Majhi Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 25th March 2018, based on an reliable information about the presence of 10-15 armed cadres Aruna, Andru, Suresh, Chalpati and others of Koraput Division of AOBSSZC in the adjoining forest area of village Dokrighati under PS. Narayanpatna, Dist- Koraput, Odisha. An operation was planned by S.P., Koraput using a small team of selected 13 commandoes of DVF, under command of Shri Niranjan Sahu, Addl. S.P. (Operation), Koraput to nab the Maoist.

As per plan, on 25.03.2018 at about 07.00 PM team reached at Dokrighati forest area and started searching tactfully. At around 09.15 PM while tactically advancing towards upward hill the team came under heavy and unprovoked firing in the form of burst fire from sophisticated weapons. Few bullets grazed past some of members of police party narrowly missing them. Shri Niranjan Sahu, Addl. S.P. (Operation), challenged the armed Maoist to surrender, but they increased the volume of fire even further. Then there was a deafening blast because of hurling of hand grenades which caused injuries to five personnel namely Hav/599 Jitendra Kumar Das (Scout-1), C/424 Sinaya Sekhar Bepari (Scout-2), SI Anirudh Nayak, Shri Niranjan Sahu, Addl. S.P. (Operation) and his buddy Hav/471 Keshaba Sisa. The Police party then found themselves face to face with about 10-12 ultras with sophisticated weapons firing on them with intention to kill. In spite of facing heavy fire and sustaining injuries to the personnel, the Police party, without caring for their own lives, advanced and divided into two flanks promptly, as directed by Shri Niranjan Sahu, Addl. S.P. (Operation). He along with 04 injured DVF personnel immediately covered the northern flank and directed remaining troops under command of C/749 Urdhaba Chalan to cover the western flank. Despite having sustained severe splinter injuries in their bodies, Shri Niranjan Sahu, Addl. S.P. (Operation), his buddy Hav/471 Keshaba Sisa, Hav/599 Jitendra Kumar Das (Scout-1) & C/424 Sinaya Sekhar Bepari (Scout-2) displayed raw courage, remained undeterred, showing utmost concern for the safety of his personnel, putting own life in danger, advanced closer by crawling, giving accurate cover fire, took position, opened continued controlled fire till the firing stopped from ultra's side. Simultaneously western flanked team under command C/749 Urdhaba Chalan covered the western direction to block the passage of Maoist retreat by counter flanking attack, came under heavy and indiscriminate fire from close proximity by escaping Maoists. C/749 Urdhaba Chalan advanced and retaliated valiantly in self defense despite numerical disadvantage and severe terrain limitation with total disregard to personal safety and charged the Maoists in a very risky frontal attack braving heavy fire and forced the Maoist insurgents to hasty retreat, leaving arms, ammunition, & explosive unattended.

Their act led to the death of 03 ACM ranked lady Maoist cadres namely (1). Kumar @ Kosi (2) Ungi @ Harati @ Arati (3) Ranita of Koraput Division and recovery of 03 no. SLR Rifles, 01 no. .303 Rifle, 05 nos. Magazines, 04 nos. of Detonator, Landmine (Tiffin Bomb)-01, Live Ammunition-140 nos., Blank ammunition-18 nos., Manpack-01, Kit Bags-09, Radio Sets-03, Magazine Pouch-03, Cash of Rs. 10000/- and other camp items.

The other members of CPI (Maoist) group managed to escape into the nearby jungle taking advantage of darkness, hilly terrain and thick vegetation. Shri Niranjana Sahu, Addl. S.P. (Operation) informed regarding the EOF and recoveries to S.P., Koraput over telephone at around 10.15 PM and requested for back up teams to intensify the search operation. One team of DVF led by SI Manoj Kumar Pradhan and Two teams of SOG i.e. Small Team No.03 led by SI (A) A.K. Brahma & Team No.40 led by SI (A) H. L. Majhi reported to Shri Niranjana Sahu, Addl. S.P. (Operation) at spot on 26.03.2018 at about 07.00 AM. During search operation by the joint teams under the command of Shri Niranjana Sahu, Addl. S.P. (Operation), at about 08.15 AM again indiscriminate fire came from the opposite direction caused injuries to Havildar Dipti Ranjan Gouda of SOG Small Team No.03. The search teams again found itself face to face with ultras firing continuously at police team members. At this moment, C/103 Kanhu Charan Majhi despite facing direct fire from Maoists, with many bullets narrowly missing his body, seeing no other option to save his team members life and without caring for his own life, as an extremely gallant act continued controlled firing and advanced tactically and forced ultras to retreat. After firing was over again search was intensified and one lady Maoist dead body by name Lakki, PM, of Koraput Division, 01 SLR Rifle, 01 INSAS Rifle, Live ammunition-29 nos. & blank ammunition -08 nos., Magazine -03 nos. was recovered.

During the operation the team leader and above mentioned commandos had displayed great degree of courage and determination in the face of enemy and did not care for their safety on the line of duty and they have exposed themselves to enemy fire several times, yet that had not deterred them from discharging their duty. This unwavering commitment to mission that too in a hostile environment, is a tale of sheer courage and glory.

In this operation, S/Shri Niranjana Sahu, Additional Superintendent of Police, Keshaba Sisa, Havildar, Jitendra Kumar Das, Havildar, Sinaya Sekhar Bepari, Constable, Urdhaba Chalan, Constable and Kanhu Charan Majhi, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 25/03/2018.

P. PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No. 67—Pres/2019—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the undermentioned officers of Uttar Pradesh Police:—

NAME & RANK OF THE OFFICERS

- S/Shri
01. Vikas Chandra Tripathi
Deputy Superintendent of Police
 02. Satya Prakash Singh
Sub-Inspector
 03. Bhanu Pratap Singh
Head Constable
 04. Yashwant Kumar Singh
Constable
 05. Santosh Kumar Singh
Constable

Statement of service for which the decoration has been awarded

Dharmendra Singh, a notorious and dreaded criminal of district Azamgarh with a dozen cases of heinous crime registered against him in districts Azamgarh, Ghazipur, Mau, Gorakhpur, and Bhadoi had become a synonym of terror for the public. He was terrorizing prominent doctors of Gorakhpur and businessmen of several districts for extortion. In view of his terror and criminal activities, a reward of Rs 50,000/- was declared for his arrest.

The STF team led by DSP Vikash Chandra Tripathi, Field Unit, Gorakhpur was collecting intelligence for his arrest. On 19.05.2016 at about 17:00 hrs. an actionable input was received that Dharmendra Singh is about to come Gorakhpur with one accomplice from Gorakhpur - Kushinagar four lane highway via Deoria Inter section to contact his other accomplices, to conspire and commit murder of some prominent doctor. DSP Vikash Tripathi sprung into action and reached near Deoria inter section on Gorakhpur-Kushinagar four lane road alongwith SI Satya Prakash Singh, HCP Bhanu Pratap Singh, Consts. Yashwant Singh, Santosh Kumar Singh and others, where he constituted two teams. The first striking team was led by DSP Vikash himself while second backup team was headed by SI Pankaj. The striking team took position on left side of the road towards village Chawri and backup team took position on right side of the road and started to wait. At about 19:20 hrs. two persons were sighted coming on a black motorcycle. The informer confirmed the pillion rider as notorious criminal Dharmendra. On coming closure, DSP Vikash Tripathi, SI Satya Prakash Singh, HC(P) Bhanu Pratap Singh and Constables Yashwant Singh and Santosh Kumar Singh cordoned the criminals and challenged them loudly to stop. The pillion rider took out the weapon tucked in his waist and opened fire on STF team with intention to kill. Continuing the firing, he jumped from motorcycle to service lane, crossed the railing and took position.

In view of indiscriminate firing, DSP, SI, HCP, Constables Yashwant and Santosh came out of the cover, jumped to service lane and challenged him loudly to surrender. The criminal did not care and continued to fire more furiously. Putting their lives in danger, the striking team moved ahead towards criminal who was attempting to take out some big weapon from his bag. Seeing the lives of team members in danger, DSP Vikash with his striking team, putting their lives in danger and showing extra ordinary courage and bravery, came out of the cover and tried to nab the criminal. Finding no other option to overpower the criminal, they fired in self defence in a controlled manner. As a result of retaliatory firing, the criminal fell down injured. STF team quickly neared the criminal and saw him lying unconscious. A search led to the recovery of a 9 mm pistol, one carbine 7.65mm and number of live and spent cartridges. He was immediately sent to Govt. Hospital for treatment but he succumbed to -gunshot injuries. Deceased was identified as dreaded criminal Dharmendra Singh.

In this face to face encounter Shri Vikash Chandra Tripathi DSP, Shri Satya Prakash Singh SI CP, Shri Bhanu Pratap Singh HC(P) CP, Shri Yashwant Singh Constable CP and Shri Santosh Kumar Singh Constable CP have displayed extraordinary courage, bravery and devotion to duty in face of indiscriminate firing by the criminal.

In this operation, S/Shri Vikas Chandra Tripathi, Deputy Superintendent of Police, Satya Prakash Singh, Sub-Inspector, Bhanu Pratap Singh, Head Constable, Yashwant Kumar Singh, Constable and Santosh Kumar Singh, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 19/05/2016.

P. PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No. 68—Pres/2019—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the undermentioned officer of Uttar Pradesh Police:—

NAME & RANK OF THE OFFICERS

Shri Anand Kumar, IPS
Superintendent of Police

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 11-03-93 at about 01.05 AM, an information was received that three miscreants armed with automatic weapons were seen in Ghaziabad. The message was flashed to all the police stations. On having picked up the message, Shri Ramesh Chandra Sharma, Inspector, lost no time in directing all the outposts of P.S. Sahibabad to keep strict vigil and check all vehicles. He along with Shri Harshvardhan Singh, SSI and other police personnel proceeded to Mohan Nagar and moved towards Hindon Bridge. Near the Sales tax outpost on G T Road, Shri Sharma noticed three men, riding on a scooter which turned towards Karehada. The Scooter Number was identified as flashed. The message of spotting of miscreants was flashed. On seeing the police jeep closing on them, they stopped their scooter near the culvert and started running. Shri Sharma, alongwith Shri Harshvardhan Singh, 551 and other Police personnel, got off the jeep, and ran after the miscreants. The

miscreants on seeing police party chasing them, hid behind a shelter and started firing. On receipt of the message Shri Anand Kumar the then SP City, Ghaziabad and other senior police officers rushed to the place of encounter along with the Police force. Shri V. K. Gupta, the then SSP apprised himself of the situation and detailed Shri Anand Kumar to lead the police force from southern side. He also directed the police parties deployed on the Northern and Western sides to mount pressure since the miscreants were firing ceaselessly. The then SP City, Shri Anand Kumar, was maintaining pressure from the southern side by continuous firing and advancing towards the miscreants, unmindful of the grave danger to his personal life. During the operation Shri Anand Kumar had miraculously escaped the terrorists bullets which would have pierced him, had he suddenly not bent down and taken shelter. The miscreants were desperately firing on the police party as their routes of escape were sealed. In the continuous firing from miscreants and police force, the then SP(City) Shri Anand Kumar, the then SHO Sahibabad Shri Ramesh Chandra Sharma and SSI Harshvardhan Singh, who were exposing themselves to grave risks to their personal lives, were the targets of miscreants bullets in particular, but still they reached near the miscreants taking cover of whatever shelter was available. Apprehensive of the courage and fearlessness of police force and in response to the warning, the miscreants stopped firing and raised their hands to surrender. Sri V.K.Gupta, the then SSP, Shri Anand Kumar, the then SP City, Ramesh Chandra Sharma, the then SHO Sahibabad and SSI Harshvardhan Singh who had reached near the miscreants waited for a while and then all of them together, showing rare courage, pounced upon the hardened criminals with a swift move. All these four officers, with quick presence of their mind, did not give any chance to the culprits to make the slightest movement and disarmed them quickly. The three miscreants apprehended in the encounter were identified as Mangat Singh, Hardeep Singh and Tarsem Lal, members of Group of K C Panjwala belonging to the terrorist organization of Khalistan Liberation Force (KLF). One AK-47 rifle, with 102 live cartridges and two magazines, one DBBL gun 12 bore 19 live cartridges were recovered from them. Subsequently, looted one lakh rupees from the cashier of ALPs Factory Ghaziabad was also recovered from them. This operation was completed under successful command and exemplary bravery shown by Shri Anand Kumar.

In this operation, Shri Anand Kumar, IPS, Superintendent of Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 11/03/1993.

P. PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No. 69—Pres/2019—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the undermentioned officers of Uttar Pradesh Police:—

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

01. Vishal Vikram Singh
Additional Superintendent of Police
02. Vinay Kumar Singh
Sub-Inspector

Statement of service for which the decoration has been awarded

One of the topmost wanted fugitives of UP, dreaded criminal Bagga Singh of district Kheri, had been a synonym of terror for the last one decade in Tarai area of UP. Dozens of criminal cases including murder, robbery, extortion, kidnapping etc. were registered against him. In the year 2013, he escaped from police custody after killing a policeman. Even after escape he committed various sensational crimes and was wanted in at least 9 criminal cases. He was carrying a bounty of Rs. 1,00,000/- over his head as declared by Addl. Director General of Police.

STF team led by Addl. SP Vishal Vikram Singh was collecting intelligence in district Sitapur, Lakhimpur Kheri, Bahraich and adjoining areas of Indo-Nepal border for last three months. On 17/01/2018, team was busy in intelligence gathering at Dhakherwa crossing, Lakhimpur. A tip-off was received that dreaded criminal Bagga Singh with one accomplice is about to go to village Dhakherwa on a motorcycle via Gajiyapur road to commit some sensational crime. Addl. SP Vishal rushed to Dulhipurwa Siphon with team where two teams were constituted under the leadership of Addl. SP Vishal Vikram

and SI Shivnetra Singh. The first team took position in cover of trees and bushes in east of road, while second team took waited. Position in the cover of trees and bushes in the west of the road almost 50 meters ahead and waited.

At about 07:50 AM, a motorcycle with driver and one rider was seen coming from Gajiyapur side. Informer confirmed the rider as Bagga Singh. Second team tried to stop the motorcycle but driver accelerated. Meanwhile first team intervened. Seeing the Police in front, the criminals lost their balance and fell down with motorcycle. Pillion rider Bagga Singh opened fire while hurling abuses on the STF team and driver also started firing. Vishal warned them aloud to surrender, but they did not comply and kept on indiscriminate firing. One bullet fired by the criminals pierced in the BP Jacket of Vishal. Had he not worn the BP Jacket, the bullet would have harmed him. These officers had a narrow escape. Finding no other option to overpower the criminals, Vishal and Vinay without caring for their lives and showing extra ordinary courage and gallantry came out of their cover to effectively fire on the criminals. Suddenly Bagga Singh fell down in a ditch behind the tree of which he had taken cover of. Meanwhile Vishal & Vinay reached quite close to nab him, but he immediately got up and again started firing. But as a result of retaliatory firing dreaded Bagga Singh fell down injured in the ditch. When firing was stopped, STF team approached Bagga Singh who was found lying in a pool of blood. He was immediately sent to the Community Health Centre, Nighasan for treatment where he was declared dead.

In this operation, S/Shri Vishal Vikram Singh, Additional Superintendent of Police and Vinay Kumar Singh, Sub-Inspector displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 17/01/2018.

P. PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No. 70—Pres/2019—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the undermentioned officers of Uttar Pradesh Police:—

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

01. Dharmesh Kumar Shahi
Inspector
02. Anand Kumar Shahi
Inspector

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 01.09.2017, Shri Dharmesh Kumar Shahi SHO Sarojnagar alongwith his team was present at Scooter India crossing, where a tip-off was received that a dreaded criminal absconding from police custody is about to go to Lucknow from Banthara on a motorcycle to extort money. Shri Dharmesh deployed his team at a tactically sound location to nab the criminal. About 20 minutes later two persons were sighted coming on a motorcycle from Banthara side. Informer pointed out the pillion as the said absconding criminal. Shri Dharmesh tried to intercept the motorcycle but driver accelerated and fled towards Lucknow by taking a cut. Shri Dharmesh alerted the police stations on the way and chased the motorcycle. The criminals turned towards Shaheed Path and fled at high speed. On information SHO Ghazipur and Shri Anand Kumar Shahi SHO Hazratganj reached on Shaheed Path from Husariya crossing on wrong side and informed Shri Dharmesh. When Shri Dharmesh reached near Sultanpur flyover chasing the motorcycle, the driver turned his motorcycle to service lane. After crossing Sultanpur flyover motorcycle turned on Bandha road and fled towards Janeshwar Mishra Park. Shri Dharmesh, SHO Ghazipur and Shri Anand remained in constant touch with each other. The teams of Ghazipur and Hazratganj moved forward in service lane on wrong side.

SHO Sarojnagar continued to chase the criminals while SHO Hazratganj and SHO Ghazipur tried to cordon from the front on a cut by running their Jeep on right side of the divider. After going about 300 meters on Bandha road, suddenly motorcycle stopped and person sitting on rider seat took out pistols in both of his hands and opened fire. Police party also got down from their Jeeps and challenged the criminals to stop but they did not pay any heed and continued spraying bullets indiscriminately on police party to kill. SHO Anand, SHO Dharmesh, etc. without caring for their lives, entered in the firing range of criminals by using tactics, showing extraordinary courage & bravery and tried to arrest the criminals by firing in self defence. The bullets fired by the criminals hit and pierced in the BP Jacket of Shri Anand and Shri Dharmesh. During

On 27th Sept 2017 at about 2100 hrs, when he was on leave at his home town, was intercepted by a group of heavily armed militants enroute to his home from Aunt's house. Militants tried to abduct him forcibly but Late Const. Mohamad Ramzan Parray countered the armed militants alone very bravely and nearly succeeded in snatching weapon from one of the militants. Local people / crowd gathered and militants fled away from the spot.

Thereafter, at about 2145 hrs, two militants entered into the house of Late Const Mohamad Ramzan Parray with intention to kill him. All the family members led by Late Const Mohamad Ramzan Parray, his Father, Aunt and his two brothers countered the heavily armed militants, fought gallantly with the militants physically by displaying great courage and valour even after sustaining grievous injuries and did not allow both the militants to fire from their weapons. Then, two other militants entered into the house to help the first two militants. Late Const Mohamad Ramzan Parray overpowered one of the militants but the other militant managed to shoot him from the point blank range. He got badly injured with gun shots and fatal injuries sustained by knife attack of militants. In the meantime local civilians gathered and seeing this militants fled away from the spot. Late Const Mohamad Ramzan Parray was evacuated to CHC Hajin, where he was declared brought dead by the Doctor of CHC Hajin.

No.114031350 Const Mohamad Ramzan Parray lost his life while fighting with heavily armed militants with extreme exemplary courage and bravery and got martyred on 27th Sept 2017 at his home. It is a rare instance in valley when Late CT Mohamad Ramzan Parray and his family members bravely resisted attack of militants.

In this operation, Late Shri Mohamad Ramzan Parray, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 27/09/2017.

P. PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No. 73—Pres/2019—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the undermentioned officers of Border Security Force (BSF):—

NAME & RANK OF THE OFFICER

S/Shri

01. Sudhir Hembrom
Constable
02. Tapas Paul
Constable

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 23 Nov' 2016, at about 1130 hrs, enemy resorted to unprovoked firing in AOR of Army Post Balbir and own FDL Keran and fired approx. 100- 120 shells of HE, Smoke, incendiary with plan to infiltrate militants. Own troops also retaliated. No. 130819970 Ct Tapas Paul and No. 133307078 Ct Sudhir Hembrom were deployed at the most sensitive location of OP No. 54 appx. 300 mtrs above FDL Keran. In spite of heavy shelling around them, both the CTs were keeping close watch in their AOR to foil any infiltration bid. At about 1330 hrs, one Arty shell exploded near their OP point and splinters pierced through wooden wall of OP point and injured both the CTs. Both the constables received splinter injuries in left leg below knee but unfazed by the severe pain, they kept on retaliating the fire and maintained continuous observation to prevent infiltration which was very likely under the cover fire from the enemy. Meanwhile Ct Tapas Paul, who is a qualified nursing assistant, provided first aid to himself and CT Sudhir Hembrom and informed FDL Keran about the injuries. While administering first aid also, both CTs kept watching the AOR and detected movement of militants ahead of AIOS. In spite of being injured continued effective retaliation and showed great valour, combat audacity and team spirit in foiling infiltration bid of militants against all odds.

In this operation, S/Shri Sudhir Hembrom, Constable and Tapas Paul, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

P. PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

P. PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

On 17th Jan'2018, at about 2105 hrs, Pakistan side resorted to unprovoked firing by use of flat trajectory weapons from their forward Bundh in AoR of 78 Bn BSF. No. 95009834 HC/GD A Suresh as Naka Commander alongwith No. 042555944 Const (GD) Anil Kumar Singh and No. 020033945 Const (GD) Satyendra Kumar Singh were deployed at fwd duty point NJ 443 of BOP Baquarpur. As the unprovoked firing started from Pak side targeting own fwd duty points, HC A Suresh took stock of the overall situation and planned for effective retaliation from Duty point No. NJ 443 and also coordinated with other adjoining points i.e No. NJ 442 & NJ 444 to bring down concerted fire on enemy positions. He also showed his presence of mind and informed Insp Devendra Roy, Offg Coy Comdr and requested him to plan for heavy Mortar fire targeting forward enemy locations so that the enemy could be effectively neutralized. Meanwhile, the adversary, realizing that the duty point No. NJ 443 was bringing down accurate & intensive fire, directed all their fire power comprising UMGs and Pica Guns towards duty point No. NJ 443. As the exchange of fire continued, the intensity of fire from Pak side also

increased and the said duty point was subjected to intense enemy firing not only from the Pak forward Bundh position but also from Pak Post Advance Kundanpur. Amidst the heavy exchange of fire, HC(GD) A Suresh displayed immense battle prudence and kept on engaging the enemy positions by his LMG and in the process inflicted heavy damages to their forward locations. Simultaneously, he also motivated his fellowmen and coordinated effective fire plan with adjoining duty points. However, during the exchange of intensive fire at about 2220 hrs, one volley of heavy fire came from the Pak side and hit the duty point No. NJ 443 in which one bullet sneaked through the loophole of the said point and hit HC A Suresh on his head. Despite his grievous injury, HC A Suresh did not care for his life and kept on engaging the adversary by bringing down effective fire on the forward enemy positions. In the middle of heavy firing, he was promptly evacuated to BOP Baquarpur and after immediate first aid, was further taken to Govt Hospital R S Pura, where he was declared brought dead by on duty Doctor at 0100 hours.

In spite of being pinned down by concerted fire by the enemy, No. 95009834 Head Constable A Suresh not only exhibited exemplary and conspicuous courage and continued effective retaliation but also displayed tremendous combat audacity under fierce enemy fire by giving befitting & hard hitting response to the enemy by coordinating the adjoining duty points to bring down effective fire on enemy positions. However, in the process, he made supreme sacrifice while defending the Nation.

In this operation, Late Shri A Suresh, Head Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 17/01/2018.

P. PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No. 76—Pres/2019—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/Police Medal for Gallantry (Posthumously) to the undermentioned officers of Border Security Force (BSF):—

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

- | | | |
|-----|------------------------------|--------------------|
| 01. | Nitin Kumar
Constable | PMG (Posthumously) |
| 02. | Pravindra Kumar
Constable | PMG |
| 03. | Barun Kumar
Constable | PMG |

Statement of service for which the decoration has been awarded

Tac HQ 40 Battalion BSF is located in Match factory Baramulla (J&K) and its 'E' coy was deployed alongwith HQ 46 RR Bn at Stadium Colony, Baramulla (J&K).

On the intervening night of 2/3 Oct 2016, No. 124537084, Ct Nitin Kumar and No. 050027808, Ct Barun Kumar were detailed to perform sentry duty at morcha No. 11 of CT Post Stadium Colony. At about 2200 hrs, Ct Barun Kumar got suspicious when a large number of stray dogs started barking near the Jhelum river bank side of the Morcha No. 11. Immediately, he lit his service torch through the loop hole of his Morcha to observe any suspicious activity in the general area river bank where dogs were still barking. As he was manning the LMG, he directed CT Nitin Kumar to go out and check the suspicious movement, if any. Ct Nitin Kumar came out of the Morcha tactically from one corner taking cover of the Morcha wall and lit his torch towards the Jhelum river bank. Suddenly, unknown militants resorted to burst fire towards Morcha No. 11 resultantly, Const Nitin Kumar got injured but displaying the highest sense of combat audacity and courage even in adverse situation, he rushed inside the bunker and retaliated firing from his Insas rifle. Const Barun Kumar also fired from his LMG towards the Jhelum river bank side. Suddenly, militants lobbed number of grenades on the bunker which caused damage to the bunker and created cloud of dust and smoke all around as well as inside it. As nothing was visible from inside through loopholes and having received grenade attack on bunker, with a view to give befitting reply to the militants, Ct Nitin Kumar along with Ct Barun Kumar came out of their bunker. Ct. Nitin Kumar came out to the right side of the bunker taking cover of the bunker wall and kept on firing. Ct Barun Kumar supported him with LMG fire from one corner and

Ct Nitin Kumar gave support fire from another corner. Suddenly, militants lobbed grenades which blasted near bunker and damaged the bunker as well as LMG of Ct Barun Kumar. In the grenade attack, Ct Nitin Kumar sustained serious injuries and his personal weapon was damaged. Without fearing for his life, he kept on firing towards militants bravely and also ensured that his fire do not go awry across the Jhelum river to avert collateral damage to nearby civilian residence. In the meantime, No.124517123 Ct Parvindra Kumar rushed from his Morcha for support and in the process, one bullet hit on his right leg but without caring for his injury he took hold of his post and started effective retaliation from his service rifle. Meanwhile, Quick Reaction Team (QRT) vehicle reached near the encounter site. No. 050027808 Ct Barun Kumar bravely evacuated Ct Nitin Kumar from the severely damaged bunker. Further, Ct Nitin Kumar and Ct. Parvinder Kumar were evacuated to the 46 RR unit hospital without further delay. Despite all possible life saving treatment and best efforts to save the life of Ct Nitin Kumar, he succumbed to the injuries.

It needs no mention that No. 124537084 Late Ct Nitin Kumar exhibited indomitable courage, gallant, lightening and bold action by holding the post till the last bullet even after he was severely injured and sustained multiple injuries but thwarted the evil hardcore militants from infiltrating into the campus.

It is also required to be emphasized that Ct Barun Kumar not only proved his grit, valour and quick action by retaliating the militants fire but also without caring for his personal safety, put himself in danger and saved the life of his peer in the difficult and dangerous situation. No 124517123 Ct Parvindra Kumar fearlessly retaliated the militant attack on the post and displayed highest level of bravery and courage in preventing the evil design of militants to enter the campus.

All out gallant action by all the three personnel foiled the evil attempt of hardcore militants from entering into the campus, which if happened, would have caused exhaustive and irreparable casualties to men residing inside the campus and damage to vulnerable points (as position were marked in militant's GPS recovered from the site). These personnel through their proactive and timely gallant action forced the militants to flee and foil their fidayeen attack.

In this operation, S/Shri Late Nitin Kumar, Constable, Pravindra Kumar, Constable and Barun Kumar, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 02/10/2016.

P. PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No. 77—Pres/2018—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/ Police Medal for Gallantry (Posthumously) to the undermentioned officers of Central Reserve Police Force (CRPF):—

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

- | | | |
|-----|--------------------------------------|--------------------|
| 01. | Alok Kumar Anal
Deputy Commandant | PMG |
| 02. | Bikash Sutradhar
Constable | PMG (Posthumously) |

Statement of service for which the decoration has been awarded

An intelligence input was received through the reliable sources that a group of 40 Maoists, led by Ranjit Paul are camping in Makuli Jungle area, located at the Jharkhand-West Bengal border. This area is geographically very difficult to venture through due to insurmountable hillocks, deep gorges, thick vegetation and treacherous slopes. Maoists presence has been noticed frequently in this area, Keeping the vulnerability of the area, an “A” level special operation, including the troops from 165/169/193 Bn, 207 CoBRA, Purulia commando and CIF Jhargram, was planned and launched w.e.f. 16/09/2014 to 19/09/2014 in the target area i.e. Makuli jungle area near village- Chekam under PS- Ghatsila, Distt- East Singhbhum, Jharkhand. Two strike teams of 207 CoBRA, were tasked to carry out the search in the core area. Strike-I was led by Shri Rakesh Kumar, DC and Strike-II by Shri Alok Kumar Anal, DC under the overall command of Shri Binod Toppo, commandant 207 CoBRA.

As per the plan, troops of 207 CoBRA were dropped at Kankrajhore, PS- Belpahari, Distt- West Medinipur (W.B.) on the night of 16/09/2014. Night Navigation is itself a difficult task due to various tactical constraints. The contrasted geography made it further difficult. Sensing the gravity of the situation, Shri Alok Kumar Anal, DC decided to lead the troops from the front and placed himself with the scout CT/GD Bikash Sutradhar.

On 17/09/2014, in the early morning, the teams of 207 CoBRA reached Makuli jungle near village- Chekam. Troops started negotiating the stiff height of the hill while searching the area carefully. Scout group led by Shri Alok Kumar Anal, DC was tactically clearing the area point by point. At around 0745 hrs while troops were advancing, they came under heavy fire from the hilltop. Acting promptly troops immediately took the position and retaliated with heavy fire, Maoists had laid a deadly ambush and were firing heavily from their fortified defense. Scout group got trapped in the killing zone with bare minimum cover from bullets. It was difficult for the scout group to hold the ground and retaliate to the Maoists firing.

Sensing the gravity Shri Alok Kumar Anal, DC and CT/GD Bikash Sutradhar decided to launch daring a counter-offensive against the Maoists. It was a fatal move as both of them were having no cover from bullets, yet, decided to shoulder the responsibility so that their fellow troops could take positions and retaliate to the Maoists firing. Displaying exemplary bravery and raw courage, they charged on the Maoists ferociously. However, before they could advance further ahead and continue the attack the Maoists bullets pierced through their bodies leaving them severely injured. Braving the pain due to bullet injury Shri Alok Kumar Anal, DC and CT/GD Bikash Sutradhar kept advancing towards the Maoists under cover fire from their fellow troops. The daring act of the above duo stunned the Maoists for a while and in the meantime, the troops of 207 CoBRA took their positions and augmented the counter attack against the Maoists. Though it was heavy firing from all sides, the determination, dedication and morale of this small team of 207 CoBRA was flying high. Their only aim was to hit the target and nothing could deter them to do so. The troops moved towards the target firing heavily upon them.

Shri Alok Kumar Anal, DC and CT/GD Bikash Sutradhar reached to a point very close to the target amidst the rain of bullets and charged at the Maoists collectively. The Maoists could never imagine even in their wildest dream that a small party of brave soldiers might come so close to them. Finding troops closing in Maoists started fleeing taking the cover of the jungle and stony hilly terrain. The audacious action from the troops of 207 CoBRA forced the Maoists to flee from the spot. Shri Alok Kumar Anal, DC and CT/GD Bikash Sutradhar got bullet injuries by first fire of naxal but they shown extreme courage and quickly and heavily responded to enemy. During encounter the bullets hit CT/GD Bikash Sutradhar just above his BP jacket on the right side of chest, Shri Alok Kumar Anal, DC was also hit by the bullets but magazine of his weapon was covering his stomach which saved him. One bullet hit him on the knee. While taking lying position one of the bullets touched on his back. Shri Alok Kumar Anal, DC and CT/GD Bikash Sutradhar were then evacuated to Apollo Hospital Ranchi, where CT/GD Bikash Sutradhar was declared brought dead and Shri Alok Kumar Anal, DC admitted for further treatment. Although, no dead body of Maoists was recovered from the site of the incident, as per report of SIB, MHA, Kolkata, two Maoists were killed in this encounter.

Shri Alok Kumar Anal, DC exhibited great initiative and led his men from the front without caring for his life even after he got the bullet injury on his left knee. CT/GD Bikash Sutradhar even after getting the bullet injury on his right chest, moved ahead amidst the rain of bullets with his commander. Shri Alok Kumar Anal, DC and CT/GD Bikash Sutradhar have displayed exemplary courage in breaking the deadly ambush of Maoists and restricted the damage to a minimum.

In this operation, S/Shri Alok Kumar Anal, Deputy Commandant and Late Bikash Sutradhar, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 17/09/2014.

P. PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No. 78—Pres/2019—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the undermentioned officers of Central Reserve Police Force (CRPF):—

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

01. Shashank Shanker
Assistant Commandant
02. Tawsif Ahmad Hajam
Constable

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 05/01/2017 at around 2130 Hrs an information was received from DSP (operations) Badgam about the presence of a hardcore militant in Gulzarpora Mohalla, Vill- Mocchwa, under Police Station—Chadoora, Badgam. On getting the information, Commandant 178 Bn, CRPF directed Sh Shashank Shanker, AC to rush towards the target village along with SOG Budgam. Acting promptly on the direction of the commandant, Sh Shashank Shanker, AC along with one platoon of C/178 Bn and SOG Budgam reached village- Mocchwa at around 2230 Hrs.

After proper identification of the hideout of militant a cluster of houses was cordoned by the teams; plugging all the escape routes. After cordoning the target area, a search team, comprising of Sh Shashank Shanker, AC, Constable Tawsif Ahmed Hajam and SOG personnel, was formed. It was the dark night. Carrying out the house search was a risky job due to its inherent complications. The exact location of the militant was yet to be zeroed in. He may have positioned himself anywhere and having the potential to inflict heavy damages to approaching troops. A daring, yet, the vigilant approach was the need of the hour. Sensing the gravity of the situation, Sh Shashank Shanker, AC, displaying true grit of a commander, decided to lead the search party.

The search party led by Sh Shashank Shanker, AC started searching the suspected houses taking due cautions. At around 2245 Hrs, the search team noticed some suspected movement inside one of the cordoned houses and advanced stealthily towards the house. Meanwhile, the militant hiding inside the house sensed the presence of the SFs. He came out of the house firing indiscriminately at the search party followed by grenade lobbing. The bullets and grenade splinters just missed their target as the troops had a miraculous escape. Undeterred by the fatal threats, Sh Shashank Shanker, AC with his search team took position behind the available cover and started controlled retaliatory fire. Militant was trying desperately to manage his escape but was not able to make it due to the retaliatory fire by the search team. Giving a bid to manage his escape the militant lobbed another grenade in which SGCT -Hoshiyar Singh of SOG suffered grievous splinter injuries and fell down.

Finding the SOG Jawan injured, the militant tried to snatch his rifle. The acts of militant got noticed by Sh Shashank Shanker, AC, who, in turn, without wasting a fraction of moment moved towards the militant with his buddy Constable Tawsif Ahmed Hajam. Showing exemplary courage, tactical acumen and sound professionalism, Sh Shashank Shanker, AC and his buddy Constable Tawsif Ahmed Hajam fired at the militant leaving him severely injured. The militant after getting bullet injury jumped the perimeter wall of the second house and hid himself. On the other side, injured SGCT- Hoshiyar Singh was lying in the pool of blood with severe pain, shouting for the help. Sh Shashank Shanker, AC immediately ran towards him for help. He along with his buddy Constable Tawsif Ahmed Hajam evacuated the injured constable of SOG outside the firing zone to the bunker from where he was sent to the Hospital.

After this, Sh Shashank Shanker AC directed his men to re-start the search for the hiding militant and led the team from the front. Meanwhile, QAT of 178 Bn, CRPF and troops of 53 RR also joined the operation. After crossing the periphery of the house, the team was cautiously searching the area when they noticed some movement near the bathroom of the fourth house. Before the troops could reach to the militant, he opened fire upon the search team. Sh. Shashank Shanker, AC, and his buddy Constable Tawsif Ahmed Hajam retaliated with controlled fire. The retaliatory fire from the search teams resulted in the neutralization of the militant.

During post, encounter search troops recovered the dead body of the militant along with a Chinese Pistol, two magazines, and three live rounds. Later the killed militant was identified as Muzaffar Ahmed Naikoo @ MuzzMoulvi (A++) of Batpora, Sopore, Distt- Baramulla of Al-Badar Tanzeem.

During the operation, despite firing from close range by the militant, Sh Shashank Shanker, AC and Constable Tawsif Ahmed Hajam fought from the front while exhibiting the exemplary courage. The nerve exhibited by them under the life-threatening circumstances is not only classic but also shows the highest degree of courage, gallantry, and commitment to the cause.

In this operation, S/Shri Shashank Shanker, Assistant Commandant and Tawsif Ahmad Hajam, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 05/01/2017.

P. PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No. 79—Pres/2019—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the undermentioned officers of Central Reserve Police Force (CRPF):—

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

01. Prahalad Sahay Choudhary
Assistant Commandant
02. Akhilesh Kumar Pandey
Constable
03. Satendra Kumar
Constable

Statement of service for which the decoration has been awarded

The state of Jharkhand occupies a prominent place and is of strategic importance for the Maoists in India for their overall grand ambitious plan of establishing “Red Corridor”. Patches like Khunti/ Simdega & West Singhbhum districts of Jharkhand serves as an important link in this overall chain for its being located in the border areas of Chhattisgarh and Jharkhand states. The hilly terrain, rough gradients, steep cliffs overlooking distant places, dense vegetation with tracts of broken land, Maoist hold over the area and the population inhabited in and around, being either coerced into or sympathetic to the Maoists make the task tough and challenging for the security forces venturing into such areas. This region encompasses area, where banned outfit's Central Command usually organizes meetings of their senior cadres, runs training camp, and carry out fresh recruitments. SFs are operating in the area since long and over a period of time have developed support/intelligence network to track the movements of Maoists.

One such source of SFs has informed that PLFI Commander Shalu Bhud along with his Dasta cadres is moving in the area of Baring and Kitabandutoli under Police Station Rania/Sonua, Distt-Khunti/West Singhbhum (Jharkhand). Acting upon the information, Sh. Prahalad Sahay Choudhary, AC, Officer Commanding F/94 planned a search and destroy operation in the target area involving the troops of D & F/94 Bn to nab the Maoists.

As per Ops plan, troops of D& F/94 Bn under command Sh. Prahalad Sahay Choudhary, AC along with State Police components left their base camp for the target area on 10/09/2017 at around 2000 hrs. On 11/09/2017 troops reached in the close vicinity of the target area and searched for the presence of Maoists but could get nothing. However, the party commander Sh. Prahalad Sahay Choudhary, AC did not lose his hope and decided to continue the operation and kept on searching the area and halted on a small hillock during the night. On 12/09/17 at around 0540 hrs, troops left the halting place to further search the area. When the troops were traversing down the hill, the scouts noticed some suspicious movement in front of them and communicated to the party commander Sh. Prahalad Sahay Choudhary, AC who was just behind of them. Acting promptly, Sh. Prahalad Sahay Choudhary, AC alerted his troops and chalked out a plan to intercept the suspected movement. To maintain the secrecy, Sh. Prahalad Sahay Choudhary, AC decided to advance towards the suspected area with two of his brave hearts Constable Satendra Kumar and Constable Akhilesh Kumar Pandey while directing others to cover from the flanks. The step was full of risk, due to the unknown strength and power of suspected personnel.

Holding their nerves and breath, the brave trios advanced stealthily towards the suspected area defying all the fatal threats. Once they reached close enough to the suspected place, challenged the suspects to come out of the cover and verify their identity. The suspects were PLFI cadres and equipped with sophisticated weapons. Finding SFs in the front left them awestricken at once. However, they immediately got alert and before SFs could reach close, opened indiscriminate fire upon them. The sudden volley of fire forced the above trios for the shelter behind the covers. Sh. Prahalad Sahay Choudhary, AC along with his two constables were caught in the killing zone having no significant cover against the bullets. An audacious counter-attack was the need of the hour. At this juncture, displaying the true grit of a commander Sh. Prahalad Sahay Choudhary, AC rose to the occasion and took the battle head-on. He along with his two brave heart Constables, Satendra Kumar and Constable Akhilesh Kumar Pandey charged upon the PLFI cadres who were firing extensively upon them. Displaying the sharp tactical acumen and astute professionalism the above trios fired upon the PLFI cadres with precision. The brave and effective retaliation forced the PLFI cadres to run for their lives. They fled from the spot taking the advantage of the terrain.

During post encounter search, dead bodies of 02 PLFI cadres including one lady cadre were recovered from the encounter site. One of them was later identified as Shalu Bhud, PLFI Area Commander, Age-26 years, r/o village- Putida,

under PS-Bandgaon, Dist-W/Singhbhum. Besides, 9 MM Carbine with Mag – 01 No, DBBL gun -01 No, DBBL gun without barrel -01 No, 9 mm live rounds-27 Nos, 12 Bore live rds-02 Nos, .315 empty case-06 Nos, 9 mm empty case-04 Nos, Samsung Mobile phone -02 Nos, Pitthu bag – 06 Nos and PLFI Literature were also recovered from the spot.

During the operation despite facing the grave threat to their lives, the above personnel exhibited exemplary courage and utmost devotion towards their duty displaying the highest degree of bravery & professionalism.

In this operation, S/Shri Prahalad Sahay Choudhary, Assistant Commandant, Akhilesh Kumar Pandey, Constable and Satendra Kumar, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 12/09/2017.

P. PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No. 80—Pres/2019—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the undermentioned officers of Central Reserve Police Force (CRPF):—

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

01. Vinay Kumar Tiwari
Commandant
02. Parveen Shanker
Assistant Commandant
03. Thorat Vaibhav Shankar
Constable
04. Dinesh
Constable
05. Ravindra Paswan
Constable

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 23 Sep 2017, on receipt of a specific input, generated by the Unit Intelligence Cell of 53 Bn, about the presence of 3-4 terrorists in Kamal Kote village under PS Uri, Dist- Baramulla, Shri Vinay Kumar Tiwari, Commandant, 53 Bn along with, Shri Parveen Shanker Assistant Commandant, Unit Quick Action Team (QAT) of 53 Bn and Special Operations Group (JKP) Baramulla left for PS-Uri at around 0630 hrs. The input was corroborated by the SDPO and SHO PS-Uri and also by the Army. The joint troops arrived at Kamal Kote village and after initial recce of the area, it was decided to launch a joint cordon and search operation on 24 Sep 2017 in wee hours.

In the meantime, on the intervening night of 23 & 24 Sep at about 0030 hrs, a specific input was again received by the Intelligence cell of 53 Bn about the presence of terrorists in village Kalgai under PS-Uri. On receipt of this input, Commandant, 53 Bn with Unit QAT, Shri Parveen Shanker, Asst Comdt with one section of B/53 coy and Shri Ravi Mishra, Asst Comdt with one section of F/53 coy, SSP Baramulla and SP (Ops) along with SOG, Baramulla rushed to Kalgai village area. At about 0220 hours, the team of 76 Field Regiment of Army which had laid the routine ambush in the adjoining area of Kalgai village noticed the movement of some terrorists with weapons and backpacks and challenged them, which in turn led to the exchange of fire between the terrorist and Army troops. As a result, the terrorists fled from the site and took shelter in an inhabited house in Chidi Maidan area of village Kalgai.

To find out and nab the terrorists, a joint search and destroy operation was planned by the commanders of Joint Forces. The joint parties then moved towards Kalgai village. After reaching the designated location at about 0430 hrs, the

village was cordoned off by the joint team of CRPF, Police and Army. The team of 53 Bn was assigned to carry out the search of 7-8 inhabited houses of Kalgai village situated towards the North which had an undulating terrain with the natural cover of boulders and coniferous trees. At about 0800 hours, while the team was moving towards one of the suspected house, the terrorists opened indiscriminate fire from a group of houses which they had occupied. With merely few houses, the positions of the terrorists were exposed. Commandant, 53Bn immediately directed Sh Parveen Shanker to establish a cordon around the cluster of houses from one side with QAT troops. Sh Parveen Shankar along with the team of 15 brave hearts cordoned the village from the north side and the Commandant himself along with the team of SP (Ops) Baramulla cordoned the cluster from the south direction. An encounter ensued between the troops and the terrorists.

The terrorists continued to fire intermittently throughout the day. During the encounter, the troops fired UBGL and MGL to destroy the suspected houses. It appeared that in the bombardment one of the terrorists got hit, however, the remaining two terrorists managed to escape to a neighboring one room small mosque and kept firing on the troops till about 1700 hours. With the dusk fast approaching, Sh Vinay Kumar Tiwari, CO, 53 Bn approached SSP Baramulla and the Army Colonel and proposed to storm the target/hideout to neutralize the terrorists before the darkness set in. The proposal was agreed upon and accordingly, Sh Vinay Kumar Tiwari formed 03 joint teams comprising of CRPF and the JKP for the purpose. Displaying true grit of a commander, he decided to lead the operation from the front. He led the team one comprising with his QAT, while SP (Ops) Baramulla along with Sh Parveen Shanker, AC led the second team comprising of SOG and troops of B/53. The third team was led by Sh Ravi Mishra, AC, comprising of troops of F/53 coy Bn and state police.

Since the terrorists had positioned themselves in a mosque, Sh Vinay Kumar Tiwari, Comdt, considering the religious sentiments, decided to fire Tear Smoke Shells to force the terrorists to exit from the mosque. He directed Sh Parveen Shanker, AC to fire Pava smoke shells on the verandah of the mosque after determining the wind direction. The idea worked as Pava shells compelled the terrorists to move out of the mosque. Firing indiscriminately, the terrorists emerged out from the front door of the mosque, where Sh Vinay Kumar Tiwari and his team had tactically positioned themselves. In a bid to escape one of the terrorists opened a barrage of bullets towards the team of Sh Vinay Kumar Tiwari. It was a do or die situation for Sh Vinay Kumar Tiwari and his troops. The slightest hesitation on their part would have provided the terrorist to give a slip. Without a second thought, throwing all the caution to the wind, Sh Vinay Kumar Tiwari, with his buddies Constable Thorat Vaibhav Shankar and Constable Dinesh charged upon the terrorist. Displaying the sharp professional skill, the above trio neutralized the terrorist on the spot by their accurate firing.

The second terrorist after emerging from the mosque moved towards the left side and rushed towards the bushes, where Shri Parveen Shanker, SP (Ops) Baramulla and Constable Ravindra Paswan had taken the position. The fleeing terrorist was confronted by the trio. They were not the ones to flinch at this opportunity. The terrorist was heading towards them with the intention to destroy everything in his way, firing recklessly. Death stared at the faces of above trio, but, they were not the ones to be cowed down. Defying all the odds, the above trio charged at the terrorist and neutralized him on the spot.

After the encounter, the area was thoroughly searched by the troops during which the dead bodies of three slain foreign terrorists of JeM (Fidayeen group) along with four AK 47 Rifles, two UBGLs, sixteen AK magazines and 218 rds of 7.62x39 mm ammunition with other incriminating material were recovered.

The operation was well executed under the able leadership of Commandant Shri Vinay Kumar Tiwari, Comdt, 53 Bn. He exhibited great tactical acumen, innovative thinking and led his men from the front. Sh Parveen Shankar, Asst Comdt. displayed exemplary bravery, nerves of steel and exceptional presence of mind when encountered with a near death situation ensuring that it ended in glory. Constables Thorat Vaibhav Shankar, Dinesh, and Ravindra Paswan played a crucial role and stood rock solid behind their leaders and ensuring that the task was successfully accomplished under the trying conditions.

In this operation, S/Shri Vinay Kumar Tiwari, Commandant, Parveen Shanker, Assistant Commandant, Thorat Vaibhav Shankar, Constable, Dinesh, Constable and Ravindra Paswan, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 24/09/2017.

P. PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No. 81—Pres/2019—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the undermentioned officers of Central Reserve Police Force (CRPF):—

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

01. Bal Kishan Yadav
Assistant Commandant
02. Khoirom Prasanta Meetei
Sub-Inspector
03. Vijay Kumar
Constable
04. Raj Gautam Kumar
Constable

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 12 August 2017 at about 1500 hrs, an Intelligence input was received from civil police about the presence of 4-5 terrorists in Village - Awaneera under PS -Zainapora in District - Shopian, J&K. On receipt of information, a joint cordon and search operation (CASO) was planned by troops of 14 Bn CRPF along with Special Operations Group (SOG), Zainapora of JKP, and 1 & 3 Rashtriya Rifles (RR). As per the plan, CRPF troops of 14 Bn led by Shri Bal Kishan Yadav, Asstt. Comdt., along with SOG/Police party from P.S. Zainapora and troops of 3 RR reached the target village Awaneera in about an hour. Meanwhile, Team of 1 RR located at Frisal in Dist- Kulgam also joined the operation.

Awaneera is a thickly populated village with approximately 500 houses situated on the border of districts Shopian and Pulwama. On account of this feature, the terrorists find a safe harbour in the neighbouring village of Frisal which falls in Pulwama district. Both these districts are the hub of terrorist activities. The houses in this village are very clustered and connected by lanes and bye lanes throwing up many escape routes for the terrorists. Conducting operations in the village is a major challenge for the security forces as civilians come out in large numbers and indulge in heavy stone pelting to thwart the operations.

The inputs suggested that the terrorists had taken shelter in a single storied house in Pir Mohalla, a cluster of about 30-35 houses within the village. The village is flanked by apple orchard to the right and at the back, while, there is a graveyard alongwith a mosque on the left with a road passing in front of it. A tight cordon was placed by the troops around the target houses wherein 1 & 3 RR covered the area from the right, left and back side while troops of 14 Bn, CRPF and SOG have positioned themselves in front across the road. While the cordon was being placed, the terrorists opened heavy fire on the security forces from different directions. The forces took the position and started retaliating the fire. The terrorists had made their position apparent which helped the troops in tightening the cordon around the core target houses.

Since there were civilians entrapped in the houses, it was decided to first evacuate them to safety. Thereafter, the announcement was made over the public address system asking the terrorists to surrender which could not yield any results, however, in between entrapped civilians could be evacuated to a safe area. After the initial firing had ceased it was decided to conduct house to house search. For the purpose 3 teams of 4, each of the RR with a Major heading each team and a team of 5 men of CTT of 14 CRPF along with elements of SOG under command Sub Inspector Prasanta Meetei were formed to undertake the search. Sh Bal Kishan, AC and his buddy Constable Vijay Kumar along with personnel of SOG and RR were to provide covering fire to the search teams. As the first team of 1 RR advanced to search the first house a heavy volley of fire greeted them, causing injuries to five jawans of RR. Heavy exchange of fire resumed. SI Khoirom Prasanta Meetei and his team took positions started retaliating the adversaries fire. Displaying camaraderie of the highest order, they advanced and evacuated the injured jawans of RR with the help of support fire from Sh Bal Kishan, AC and his buddy, Constable Vijay Kumar. This exchange of fire lasted for over three hours and thereafter it was quiet. Since it was past midnight it was decided to suspend the operations till the day break. Taking advantage of the darkness as well as the lull from both sides the cordon was further tightened.

In the morning at about 0540 hrs, the search party again started the search of the houses. Every single house within the cordon was searched repeatedly but could not trace the terrorists. When the search parties met with no success and it was decided to call off the operation, Shri Erick Gilbert Jose, Comdt 14 Bn proposed that a search of the Mosque adjoining the Pir

Mohalla be carried out. The search party carried out a search of the shrine but could not find the terrorists. However, there was a possibility that terrorists might have hidden in the basement of the Masjid (Hamam). It was decided to use Chilli PAVA shell inside the Hamam to bring the terrorist out from there. Undeterred to the fatal threats, Sh Bal Kishan Yadav and his buddy Vijay Kumar went close to the Hamam and lobbed Chilli PAVA shells inside, as it had a very narrow opening. The ploy worked. Unable to withstand its pungency, three terrorists rushed out of the Hamam firing indiscriminately.

Exhibiting great composure and tactical skills, Sh .Bal Kishan Yadav and his buddy who were positioned in the close proximity of the Masjid fired at one of the fleeing terrorist and neutralized him on the spot. However, the other two managed to give a slip in the ensuing melee and entered a house adjacent to the Mosque and opened heavy fire on the troops placed in the inner cordon. The inner cordon party took the position and retaliated the fire. This exchange of fire lasted for over an hour. The incessant firing set the house ablaze. Unable to bear the heat and smoke, the terrorists ran out of the house firing indiscriminately to escape from the site. But, they found SI Khoirom Prasanta Meetei and Constable Raj Gautam in their way. The terrorists opened the barrage of bullets towards the above duos, but could not deter them from their position. Before the terrorist could plan their next move, SI Khoirom Prasanta Meetei and Constable Raj Gautam, decided to take the terrorists in head-on battle. They, throwing all the cautions to wind, charged audaciously upon the terrorists and neutralised both the terrorists with their accurate fire.

During post encounter search, dead bodies of three militants, who were identified as Mohd. Yasin Itoo @ Ghaznavi, HM (Category— A) r/o Magam, Budgam, Irfan-ul-haq Sheikh, HM (Category- B) r/o Maldera, Shopian and Umar Mazid Mir, HM (Category- C) r/o Katpora, Yaripora, Distt-Kulgam alongwith 02 AK 47 Rifles, 01 AK 47 Kem-Kop Rifle, 03 AK magazines, 01 Pikka Magazine, 10 rds of AK 47 and 03 mag. pouches were recovered.

In the operation Sh Bal Kishan Yadav, Asstt. Comdt. led his troops from the front and exhibited outstanding leadership qualities and conspicuous act of gallantry. Sub-Inspector Khoirom Prasanta Meetei, Constable Vijay Kumar and Constable Raj Gautam Kumar displayed extraordinary valour, tactical skills, raw grit and unflinching commitment to the duties during the operation and were instrumental in successful culmination of the operation.

In this operation, S/Shri Bal Kishan Yadav, Assistant Commandant, Khoirom Prasanta Meetei, Sub-Inspector, Vijay Kumar, Constable and Raj Gautam Kumar, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 12/08/2017.

P. PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No. 82—Pres/2019—The President is pleased to award the 4th Bar to Police Medal for Gallantry/Police Medal for Gallantry to the undermentioned officers of Central Reserve Police Force (CRPF):—

NAME & RANK OF THE OFFICER

S/Shri

- | | | |
|-----|-----------------------------------|------------------|
| 01. | Sanjay Kumar
Deputy Commandant | (4th Bar to PMG) |
| 02. | Ashish
Constable | PMG |

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 20 Nov 2017, on receipt of an input, about the presence of terrorists in Chopan Mohalla of Village Seer u/PS-Tral in Pulwama district of Jammu and Kashmir (J&K), in a marriage function, a joint Cordon and Search Operation (CASO) was launched at 1445 hrs by 180 Battalion CRPF, 42 Rashtriya Rifles (RR) and Special Operations Group (SOG), J&K Police, Tral.

Tral sub-division of District Pulwama in South Kashmir remained a traditional stronghold of the terrorist outfit Hizb-ul-Mujahideen (HM). Many of the top commanders of HM outfit hails from Tral and the cadres enjoy popular support in the area. Tral also has a geographical advantage, as it is situated on the edge of the plateau dividing upper and lower Tral. It is surrounded by densely forested mountains. While it provides natural shelter for the terrorists, it makes counter-insurgency operations extremely difficult and hazardous. Village Seer u/PS Tral is located on the northern side of the Tral on

the Tral-Gulshanpora-Pastuna-Aripal road. The distance of village Seer from Tral is appx. nine kms. To the east of the village is the Wastarwan mountain ranges which is densely forested and to west of the village there is an almost 100 mtr wide nallah (a tributary of River Jhelum) and paddy fields. The village is situated at a height of 5,940 feet from the mean sea level.

Acting on the input, B coy of 42 RR moved from Gulshanpora axis and commenced laying of cordon of Seer village from the ridge on the eastern side of the village. About 1515 hrs Sh. Sanjay Kumar, Dy. Comdt, 180 Bn, CRPF with Quick Action Team (QAT), SDPO Tral, C coy. Of 180 Bn and SOG Tral left for Seer village. At about 1535 hrs, when this party was moving through Gulshanpora village, it was informed that the terrorists present in the Chopan Mohalla had got a whiff that the RR party was laying cordon of Seer village. In order to give a slip to the forces, the terrorists made an attempt to escape towards the mountainous forest towards the lower side of the village. At the same time, Sh. Sanjay Kumar Dy.Comdt, SDPO, Tral, SOG, C/180 and Colonel Neeraj Pandey CO-42 RR with his QAT also reached the village.

At about 1555 hrs, on the direction of CO-42 RR two teams were formed to search the target area in order to locate the terrorists. Thereafter, one team comprising of QAT of CO-42 RR, SOG Tral and C/180 alongwith Sh. R. N. Mallick, Asst.Comdt under supervision of Colonel Neeraj Pandey started search of ridge/forest from the southern side of the village. The second team consisting of Sanjay Kumar with QAT/180, SDPO Tral and police party moved towards the north of the village in their vehicles on Seer-Pastuna-road and left the vehicles after crossing the village on the northern end in order to commence search from that side. To the west of the village lay the appx. 100 mtr wide Aripal Nala (a tributary of Jhelum river) with small patch of water in the middle. The party noticed three suspected youth hurrying across the nallah trying to cross it. They were at a distance of appx. 200 mtrs from this team. They challenged the three suspects and cautioned them to stop, but instead they removed their Pheren (Kashmiri gown) and fired at the troops, simultaneously also trying to crossing the nallah rapidly. The belief now doubly reinforced, Sanjay Kumar exhibiting skills of a true commander took an instant decision and directed No. 115097533 Constable Topan Baruah, his buddy No. 135322208 Constable Emil Kumar Minj and No. 145314012 Constable Ranjeet Kumar to take cover behind the trees nearby and engage the terrorists with fire while he himself decided to give the fleeing terrorists the chase. Amidst heavy exchange of fire Sanjay Kumar, his buddy No. 110722072 Constable Ashish and Constable Nissar Ali from police party of SDPO Tral kept advancing diagonally through the nallah diagonally using fire and move tactics taking cover of natural ground and boulders. Meanwhile, the terrorists had taken position in the small ravine adjacent to the Aripal Nalla and was firing heavily on the party. But this did not deter Sanjay and his party from advancing. With the help of whatever cover was available in the form of small sand dunes, boulders, drift wood etc. The party crawled their way forward and took position at a distance of appx. 50 mtrs from where the terrorists had positioned themselves. One of the terrorist who had tucked himself behind a thick willow tree continued to fire heavily at the party.

Sanjay Kumar directed his buddy Constable Ashish Kumar to provide him covering fire and he decided to move forward from where he could target the terrorist. He tactfully moved ahead and located the exact position and inched closer to the terrorist. The terrorist watched his movement and fired at Sanjay Kumar. It was a close shave. The fight was between the two as to who could get over the other. Undaunted by the volley of fire and exhibiting raw courage and indomitable fighting spirit he shot at the terrorist from a close range and neutralised him. The other two managed to escape taking cover of the dense forest. The slain terrorist was identified as Adil Ahmad Chopan @ Abu Hanzallah (Category-C) s/o Abdul Hamid Chopan r/o Village Lurow Jagir, u/PS Tral, Distt Pulwama of Hizbul-Mujahiddin. One 7.62mm SLR, two magazines and 24 rounds of ammunition also were recovered.

In the operation Shri Sanjay Kumar, Dy. Commandant led his team with courage and conviction of a commander. He displayed exemplary field craft, outstanding tactical appreciation, rare grit and raw valour when the situation demanded and succeeded in eliminating one terrorist in close quarter battle. Constable Ashish Kumar matched the tactical skills and fearlessly followed his leader delivering when it mattered the most.

For this act of conspicuous gallantry, indomitable courage, unflinching loyalty and commitment to duties, in the face of grave adversity in keeping with the highest traditions of the Force.

In this operation, S/Shri Sanjay Kumar, Deputy Commandant and Ashish, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 20/11/2017.

P. PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No. 83—Pres/2019—The President is pleased to award the President's Police Medal for Gallantry (Posthumously)/ Police Medal for Gallantry to the undermentioned officers of Central Reserve Police Force (CRPF):—

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

01.	Mohd. Yaseen Tali Constable	PPMG (Posthumously)
02.	Borase Dinesh Dipak Constable	PPMG (Posthumously)
03.	Jaswant Singh Constable	PPMG (Posthumously)
04.	Narendra Pal Singh Commandant	PMG
05.	Vijay Bahadur Singh Sub-Inspector	PMG
06.	Rakesh Kumar Patel Head Constable	PMG
07.	Phamey Kumar Constable	PMG
08.	Naresh Kumar Constable	PMG
09.	John Barman Constable	PMG
10.	Anil Dohare Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

Subsequent to the elimination of a top terrorist commander Burhan Wani in July 2016, the valley of Kashmir in general and South Kashmir in particular witnessed a sudden spurt in militancy. More and more local youth were attracted to militancy and started joining the terrorist outfits in large numbers. This sudden upsurge sprung new challenges for the security forces engaged in tackling counter-insurgency and law and order issues in South Kashmir particularly in district Pulwama. With the elimination of top leaders of Lashkar-e-Toiba (LeT) and Hizbul Mujahideen (HM), Jaish-e-Muhammad (JeM) became the obvious choice for its handlers across the borders to escalate terror activities in the Kashmir valley.

On 26th Aug 2017, at around 0400 hrs, three terrorists sneaked into the District Police Line (DPL), Pulwama, PS & Distt-Pulwama, J&K with an intention to wreak maximum damage. The DPL housed Civil Police as well as the CRPF components of 182 and 183 Bns. On account of a VIP movement, some troops were in readiness to depart for duty. The unexpected alertness of security forces in the wee hours, took the terrorists by surprise and in panic they opened indiscriminate fire. Sensing correctly that it was a fidayeen attack, Head Constable (Armourer) Prabhu Narayan, Constable Phamey Kumar and Constable S B Roy Sudhakar, who coincidentally came almost face to face with the adversaries, took positions and retaliated the fire.

DPL Pulwama is a sprawling complex spread over appxly 100 acres housing multiple agencies, i. e Civil Police personnel and Companies of 182 and 183 Bn CRPF. The camp has eight family blocks numbering A to F, with twelve flats in each block, which accommodates families of officers and other ranks of Jammu and Kashmir Police (JKP). It also has six multi-storeyed blocks for accommodating the jawans, of which four are with CRPF. Therefore, the target was very well selected. Families have never been the targets of terrorists:— therefore their intention was clearly to enter the barracks housing the troops. The prompt response on the part of the CRPF troops disoriented them and they rushed in the direction of the family quarters located opposite to the barracks. Firing indiscriminately they sprinted and took positions in C, D & E blocks. In the initial exchange of fire, Armourer Prabhunaryan and Constables Phamey Kumar and S B Roy Sudhakar

sustained bullet injuries. Despite being injured, Phamey Kumar took position and retaliated the fire very effectively and held the ground. Shri. Narendra Pal Singh, Comdt 182 Bn, CRPF rushed to the spot with reinforcements. Amidst the heavy exchange of fire, Narendra Pal Singh advanced towards the injured Armourer Prabhunarayan to evacuate him to safety. But all the three terrorists who had by then acquired dominating positions in C, D & E blocks kept firing in order to thwart the evacuation. "Fortune favors the brave": so goes the saying. He barely managed to evade the bullets. In the absence of a BP Bunker to provide cover, the risk involved was immense, but like a brave commander and a true soldier, he was willing to give his all for the life of his men he was commanding. Therefore, calculating his moves carefully and with the help of a BP Bunker he could later summon, he and injured Constable Phamey Kumar managed to evacuate the injured Armourer Prabhunarayan. But, not before Phamey was injured again and Narendra himself sustaining injuries to both his palms on account of a grenade lobbed by the terrorists on the evacuation party from Block E. Thereafter, with the help of covering fire from the Comdt himself, Sub Inspector Shivam Pratap Singh also dragged to safety Constable S B Roy Sudhakar from the killing zone, who had sustained injuries in the initial onslaught.

As mentioned earlier the terrorists had taken dominating positions in the C, D and E residential blocks. Therefore, now before them was the ominous task of evacuating approximately 400 family members residing in the residential blocks. At around 0620 hrs, in the face of intense firing, Narendra Pal Singh alongwith the Unit Quick Action Team (QAT) exhibiting great tactical skill and professional acumen evacuated each one of them to safety with the help of Bullet Proof vehicles and other equipments available at their disposal. Narendra Pal Singh himself along with his men evacuated many children by shielding them with his body thereby putting his life to grave risk.

Once the civilians were evacuated to safety, Shri Kuldeep Singh Chahar, Deputy Commandant was directed to carry out the most challenging task of room intervention in Block E. Kuldeep Singh Chahar divided his party into two teams. First team was commanded by Kuldeep himself, whereas the second team was commanded by Inspector V. K. Mishra. Leading by example, he alongwith his team entered Block E, through the window of a flat on the third floor at around 0920 hrs. He was accompanied by Head Constable Dhanawade Ravindra Baban and Head Constable Rakesh Kumar Patel. Kuldeep Singh and his team kept clearing each room of the flat one by one and once the flat was completely cleared they tried to open the main door of the flat. They realized that the same was bolted from outside. However, breaking open the door Kuldeep Singh and his buddy Dhanawade Ravindra Baban came out and took positions in the corridor and fired probing shots. The adversary had placed himself in a tactically safe position from where he could keep an eye on the movements of SFs. The teams duly supported by each other cleared another flat on the same floor. In the same manner they proceeded to clear another flat on the same floor. A calculated risk had to be taken: they advanced towards the corridor tactically, taking cover behind the ballistic shield. Threatened by the approaching party, the terrorist opened fire on the teams. The teams immediately acquired safe positions, as the terrorist had exposed his location. Without advancing further, it was impossible to neutralize the terrorist. They advanced lobbing grenades and firing intermittently. Since the movements were being watched by the terrorist, he again changed his position and now had ensconced himself under the staircase. The cat and mouse game continued for some time with both the parties firing at each other. Amidst exchange of fire Kuldeep Singh and his buddy Dhanawade Ravindra Baban continued to advance trying to pin down the terrorist who kept changing his position. As they inched closer, Head Constable Dhanawade Ravindra Baban was hit by the highly potent Armour Piercing Incendiary (API) bullets which had pierced the ballistic shield and hit him. He collapsed to the ground. But the persistent onslaught had compelled the terrorist to leave the corridor area. Despite being grievously injured, Dhanawade Ravindra Baban continued to fire, seriously injuring the terrorist. However, he again managed to shift his position. Kuldeep Singh with the help of continuous fire pulled Dhanawade Ravindra to safety. The severely injured Head Constable Dhanawade Ravindra Baban was further evacuated to hospital where he succumbed to his injuries. Kuldeep Singh without getting cowed down reorganized and motivated his team to clear the remaining flats and the common areas. In the meantime, due to heavy firing and grenade blast, the stair case area of the building caught fire. Kuldeep Singh Chahar along with his team tried to move towards second floor through staircase, but till then fire spread in the whole area due to which he was forced to restrict his advance. Now they were left with only option to re enter the building from some other axis after coming out from the 3rd floor of the building. Kuldeep Singh Chahar was not ready to give up, though death was staring at his face. Meanwhile, the ground floor of E Block also caught fire compelling the room intervention party to return.

Meanwhile, another joint team of CRPF and 55 RR had engaged the terrorist from behind the C - block with heavy small arms fire as well as MGLs. At around 1030 hrs, the terrorist who had taken shelter in C block tried to flee towards the camp of A coy of 183 Bn, breaking the cordon of security forces firing indiscriminately. Constable Jaswant Singh of 183 Bn, had tactically positioned himself behind a wall at the rear of C block. Displaying exceptional presence of mind and sharp shooting skills, he fired at the fleeing terrorist gravely injuring him. On account of the injury he was compelled to retreat to

C block, sabotaging his malicious intentions of wreaking further havoc. But in this aggressive exchange of fire, Constable Jaswant Singh was badly hit on the right side of his face. He was immediately evacuated to District Hospital Pulwama where he breathed his last.

Now, the terrorist who had positioned himself in the E block was firing from different positions to deceive the SFs. It was around 1300 hrs. Room intervention was not an option any more after having seen the plight of Dhanawade Rabindra Baban. Therefore, changing tactics it was planned to set complete E block on fire. A small team under command Narendra Pal Singh which included Sub Inspector Vijay Bahadur, Head Constable Rakesh Kumar Patel and Constable (Carpenter) Naresh was formed to execute this plan. They moved perilously close to the building amidst whizzing bullets and continued to throw Molotov cocktails through the windows. It was no mean task considering the dominating position held by the terrorist. The terrorist observing the ploy rained bullets on the party. However, the resilience and the lion hearted efforts of Narendra Pal Singh, Sub Inspector Vijay Bahadur, Head Constable Rakesh Kumar Patel and Constable Carpenter Naresh in the face of lurking death paid dividends and the building caught fire.

Another terrorist had positioned himself in the D block. At around 1430 hrs, in a bid to join his compatriot in another block he attempted to make a dash to the entrance of the D block firing indiscriminately. The Special Operation Groups (SOG) of 182 and 183 Bns who had positioned themselves in bullet proof mobile bunkers fired at the terrorist neutralizing him at the spot. Later on killed terrorist was identified as Foreigner Terrorist belonging to Jaish-e-Muhammad outfit.

However, despite setting E block on fire, it was observed that the terrorist continued to move around freely and fire at the SFs from various positions. Since the buildings concrete structures burning the building down completely was not a possibility. Some flanks did catch fire but the fire did not inflict damage to the extent it was expected to. At around 1715 hrs, another strategy was chalked out. It was decided to blow up Block-E by planting high intensity IEDs. The task involved huge risk as the terrorist was in a dominating position and was keeping tab of all movements. However, two brave men Constable Mohd Yaseen Tali of 115 Bn and Constable Barose Dinesh Dipak of 25 Bn, both part of the Srinagar Sector QAT volunteered to undertake the most hazardous task. Narendra Pal Singh along with his team positioned themselves tactically to provide covering fire to the duo. Both Mohd Yaseen Tali and Barose Dinesh Dipak prepared the IED on the spot within short span of time displaying great expertise. The IED weighing 18.5 kgs was loaded into a BP gypsy and the gypsy was parked close to the block on the rear side. The terrorist continued to fire heavily to keep the troops from coming close. Displaying raw valour, grit and determination of a trained soldier and nerves of steel, both of them stepped out of the vehicle and crawled towards the building under the covering fire being provided to them. Meanwhile, the terrorist had also moved to the ground floor. He took aimed shots at both these constables grievously injuring them. However, they retaliated bravely despite sustaining debilitating injuries and managed to place the IED at the designated position. They were not in a position to retreat on account of their injuries. Considering the position of the terrorist and having witnessed the plight of the two constables, evacuating them posed a major challenge. Constable Rakesh Kumar Patel, Constable John Barman and Constable Anil Dohare took upon themselves the exponential task of evacuating the injured constables. The uneven ground restricted the approach of BP bunker to the exact spot. The trio overcoming their fears in the face of intense fire, crawled to the injured personnel and displaying sheer presence of mind and innovative methods dragged them away with the help of rope and hooks. Both injured Constables were then immediately shifted to 92 Base hospital, but they had already succumbed to their injuries. Thereafter, at about 2100 hrs the IED was detonated which severely impacted the structure and part of it came down. After a few hours when there was no more fire from the adversaries, a joint search of C, D & E Block were carried out resulting in the recovery dead bodies of three foreign terrorists bearing allegiance to Jaish-e-Muhammad outfit, alongwith with one AK-47 rifle fitted with UBGL, two AK-56 rifles, 10 magazines, one AK-47 weapon sight five hand grenades, six UBGL rounds and 80 rds of 7.62 x 39 mm ammunition. Mortal remains of four civil police personnel were also recovered from the C block. One of them was a bullet ridden body, whereas, the other three had perished in the fire, as they could not be rescued despite best possible efforts, in the wake of heavy firing and shelling by the terrorists.

The operation that lasted over 20 hours, was not just a test of leadership skills, innovative thinking, tactical and professional acumen but a battle of nerves, test of endurance under prolonged duress and never say die attitude. Narendra Pal Singh, Commandant 182 Bn and his team of determined men came out trumps. The Commandant himself led his team and carefully planned and plotted all the moves meticulously. Carrying out room intervention is one of the most uphill task in any counter insurgency operation and only officers and men with raw grit and nerves of steel volunteer for such acts of daredevilry. Kuldeep Chahar and Late Head Constable Dhanwade Ravinder Baban were such men, but it was unfortunate that Dhanwade Ravinder fell prey to Armour Piercing Incendiary (API) bullets in the possession of terrorists and made the

supreme sacrifice in keeping with the highest traditions of the Force. It was the first time that the terrorists had used API rounds taking the SFs by surprise. Late Constable Mohd Yaseen Tali and Late Constable Borase Dinesh Dipak too exhibited rare courage and exemplary initiative in volunteering to place explosives behind Block-E, knowing well that the terrorist was in a dominating position and watching the proceedings closely. Ignoring this huge threat both the brave constables placed the IED at the pre-designated place which brought down the structure, before making the ultimate sacrifice in the line of duty. In any operation it is a few brave men who make all the difference. The audacious attack by the terrorists in the wee hours on DPL Pulwama would have resulted in a catastrophe, but for the timely response of these brave officers and men. In the operation four brave men of the Force attained martyrdom and four were seriously injured.

In this operation, S/Shri Mohd. Yaseen Tali, Constable, Borase Dinesh Dipak, Constable, Jaswant Singh, Constable, Narendra Pal Singh, Commandant, Vijay Bahadur Singh, Sub-Inspector, Rakesh Kumar Patel, Head Constable, Phamey Kumar, Constable, Naresh Kumar, Constable, John Barman, Constable and Anil Dohare, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 26/08/2017.

P. PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No. 84—Pres/2019—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the undermentioned officers of Central Reserve Police Force (CRPF):—

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

01. AB Kaipou
Assistant Commandant
02. Sameer Singh
Constable

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 09 October 2017, at about 1515 hrs, on receipt of a specific input from SP Shopian about the presence of 3-4 terrorists at Gatipora village under PS-Keller in Shopian District of Jammu and Kashmir (J&K), a joint Cordon and Search Operation (CASO) was planned. After the preliminary briefing, Counter-Terrorism and Tactics Team [CTT(A)] of 14 Bn under command Sh Ab. Kaipou, Assistant Commandant along with Special Operations Group (SOG) Shopian of JKP reached Gatipora Village from District Police Lines (DPL) Shopian. Troops of 44 RR had already reached the village by then. After reaching Gatipora village, troops of CRPF, SOG and 44 RR started establishing the cordon around the target area.

While the cordon was being established the terrorists opened fire on the troops of 44 RR from one of the buildings. Troops immediately took positions and started retaliating terrorist's fire prompting a heavy exchange of fire from both ends. Meanwhile, a mob started gathering around the encounter site and indulged in heavy stone pelting following the announcement made from the surrounding mosques. Miscreants from the surrounding villages also started gathering at the encounter site and indulged in stone pelting. CTT of 14 Bn and SOG who were still in the process of completing the cordon came under heavy stone pelting which became an impediment in laying a fool proof cordon.

Before dealing with the terrorists, there was another battle which was being fought with the stone pelters. While the troops of CTT and SOG were trying to disperse the unruly mob, they came under heavy fire from the terrorists. Meanwhile, Sh. Praveen Thapliyal, Second-in-Command, 14 Bn also reached the encounter site with reinforcement. Till the arrival of reinforcement, the existing components handled both the unruly mob as well as the terrorists. A component of reinforcement party took the stone pelters on task and kept them at bay, facilitating the other components to focus on the terrorists. In between, Sh Praveen Thapliyal, along with his escorts joined the Unit CTT in completing the cordon. While trying to complete the cordon, the troops continued to be fired upon by the terrorists.

Inside the cordon, there were approximately 8-9 houses. Suddenly, two terrorists rushed out of one of the houses firing indiscriminately in a desperate bid to break the cordon. Sh Praveen Thapliyal along with his buddy Constable Dharam Dev immediately took the position and retaliated the terrorist's fire. The terrorists also kept on targeted firing on their positions in an attempt to pin them down; however, this could not deter the courage of Sh Praveen Thapliyal. He, being fully aware of the danger that lay ahead, displaying initiative and sterling qualities of a true leader advanced towards the terrorists along with his buddy Constable Dharam Dev by taking the cover of the trees. On inching closer to the terrorists and finding an opportune moment, the duo came out of their cover and fired at the terrorists. The bullets hit the terrorists neutralizing one of them on the spot while causing injuries to the other.

After facing the onslaught from the SFs, the injured terrorist was left with no other option but to run for a shelter to save his life. He, with the support of covering fire of his fellow terrorist, who was hiding inside the building, started retreating towards the building. The CTT Commander Sh Ab. Kaipou and Constable Sameer Singh were observing the movements of the injured terrorist very closely. Sensing the opportunity slipping by, if the terrorist succeeded in entering the building, both of them exhibiting utter disdain for their own safety rushed in the direction of the injured terrorist. On seeing the troops getting closer to him, the injured terrorist opened a barrage of bullets towards them to stop their advance. Both Sh Ab. Kaipou and Constable Sameer Singh had a narrow escape in this sudden and deadly attack as the bullets missed them just by a whisker. At this junction any move of above duo could had been fatal as the injured terrorist have noticed their move, yet Sh Ab. Kaipou and Constable Sameer Singh, braving the fatal threats decided to advanced towards the terrorist to get a suitable position for counter attack. Amid the firing, the duo moved ahead and got a tactical position close to the terrorist. Before the injured terrorist could plan his next move, both Sh Ab. Kaipou and Constable Sameer fired at the terrorist eliminating him on the spot. The third terrorist who was in one of the house continued to fire on the SFs and the exchange of heavy fire lasted for about another 10 minutes. Thereafter there was no fire from the house. Taking advantage of this lull, the cordon was further squeezed around the target houses. Thereafter, a civilian was sent to the house to convince the terrorist to surrender; but, he could not persuade the terrorist as he was bent upon to fight the forces.

In order to force him out, 44 RR resorted to CGRL fire due to which a part of the house got damaged and caught fire. After that, the firing stopped from the house. Before starting the search few probing shots were fired in the direction of other houses inside the cordon during which a retaliatory fire came from one of the houses which exposed the location of the terrorist. The terrorist had left his hideout and was trying to enter another house. On finding the door locked, he took the position at the doorstep of the house and kept on firing towards the SFs.

Troops also directed their fire towards the terrorist and a heavy gun battle ensued which lasted for another 15-20 minutes. Thereafter firing stopped and the area was searched by the troops.

During the search, dead bodies of three slain terrorists were recovered along with two AK-47 rifles, 4 magazines with 119 rds of ammunition, one 5.56 mm Insas Rifle with one magazine and 52 rds of ammunition and one Chinese grenade. The slain terrorists were identified as Zahid Ahmed Mir,(Category-B) s/o Shamim Ahmad Mir r/o Ganawpora, Dist – Shopian, Irfan Abdullah Ganie (Category-C) s/o Mohd Abdullah Ganie r/o Heff, Dist – Shopian and Mohd Asif pal (Category-C) s/o Bashir Ahmad r/o Kathohalan Dist-Shopian. All were from Hizbul Mujahideen terrorist outfit.

Shri Praveen Thapliyal, Second-in-Command, displayed exceptional leadership qualities while leading his men from the front, guiding and motivating them throughout the rigorous ten-hour long operation. He led by example exhibiting conspicuous bravery, tactical skills, raw courage and exceptional valor in the face of grave and imminent danger and succeeded in eliminating the adversary along with his buddy Constable Dharamdev. Shri Ab. Kaipou, Asst. Comdt. along with his buddy, Constable Sameer Singh followed in the footsteps of their commander and was steadfast and rock solid while executing the operation. Both of them put their lives to grave risk and exhibited extraordinary bravery, raw grit and presence of mind while eliminating the terrorist who was intending to make good his escape.

In this operation, S/Shri AB Kaipou, Assistant Commandant and Sameer Singh, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 09/10/2017.

P. PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No. 85—Pres/2019—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the undermentioned officers of Central Reserve Police Force (CRPF):—

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

01. Dipak Kumar
Commandant
02. Sanjay Kumar Singh
Assistant Sub-Inspector
03. Patorkar Ishwar Gotu
Head Constable

Statement of service for which the decoration has been awarded

92 Bn CRPF is deployed in the Police District of Handwara in North Kashmir. On account of its proximity to the Line of Control (LoC) Handwara area is infested by militants of foreign origin mainly from the neighboring PaK. These terrorists are highly trained and well armed and believe in putting up pitched battles as and when confronted. The presence of foreign terrorists in North Kashmir is comparatively higher as compared to South Kashmir, where most of the active terrorists are locals.

On 10 December 2017, at about 2300 hrs, a specific information was received from civil police about the presence of three terrorists in village Unisoo under PP-Chougul, PS and Police District-Handwara, District-Kupwara. Village Unisoo is located appxly 4-5 kms from Unit Hqrs of 92 Bn CRPF, Wadoora to the North. The village is densely populated and spread over an area of less than a kilometer housing appxly 400-500 dwelling Units. The population of Unisoo are also favourably inclined towards the terrorists posing a serious challenge for the security forces whenever any operation is launched. However, on receipt of information Shri Dipak Kumar, Commandant-92 Bn along with his protection party and Unit Quick Action Team (QAT) under command Shri Vijay Kumar, Asst. Comdt. rushed to Unisoo village and joined troops of Special Operations Group (SOG) of Jammu and Kashmir Police (JKP), Handwara and 22 Rashtriya Rifles (RR) in about 15 minutes.

After a brief discussion with Colonel T. Vaishnav, Commanding Officer-22 RR and Shri Ghulam Jeelani Wani, SSP Handwara, it was decided to lay a joint inner cordon. The target house was a two storied structure which stood alone replete with a cow shed, hay stacks, poplar trees and shrubs with wooden logs and boulders strewn in the courtyard. Dipak Kumar and his team of 22 men including Vijay Kumar were assigned to take position on the Northern side of the target house. Effectively the troops of 92 Bn spread out partly from the north east to part of the north west in a semi circle at a distance of appxly 50 metres. As the troops were in the process of laying the cordon, the terrorists came out of the target house and opened heavy fire on the security forces. This took the SFs by surprise; however, they retaliated fiercely, compelling the terrorists to beat a hasty retreat. The outer cordon was laid by 22 RR along with some elements of Handwara police. Meanwhile, realizing that there were civilians trapped in the target house it was decided that the SFs would not open fire first. After the opening burst, when there were no more attempts by the adversaries for over an hour, an announcement was made by the civil police to let go the civilians with an appeal to the terrorists to surrender. There was no response from the adversaries despite repeated appeals. The SFs meanwhile chose to stay quiet and waited for the terrorists to make the first move. At around 0100 hours, the three terrorists made another attempt to escape by running out of the door and fleeing in different directions firing indiscriminately. One of the terrorists ran in the north east direction where Dipak Kumar and his buddy Asst. Sub Inspector Sanjay Kumar Singh had taken positions alongside SOG in the east. Watching the terrorist heading in their direction, weapon blazing, Dipak Kumar and his buddy Sanjay Kumar opened fire at the terrorist which did not hit him. Ducking and weaving, taking natural cover he continued to head in their direction firing simultaneously. Displaying astute tactical acumen and sharp presence of mind, Dipak Kumar stepped out of his cover and stealthily moved in the direction of the fleeing terrorist. Seeing the audacious move of his leader, ASI Sanjay Kumar Singh also followed him also took a suitable cover behind an adjacent house from where he had a clear line of fire. When the terrorist could be spotted clearly, displaying sharp firing skills and nerves of steel both of them opened fire. In the darkness though it was difficult to make out, it was clear that the terrorist was badly maimed or killed. The heavy retaliation by the SFs had meanwhile made the other two terrorists scurry for cover and they retreated to safe positions. Thereafter, intermittent single shots were fired by the surviving terrorists which was appropriately retaliated. At around 0300 hrs, an attempt was made by one of the terrorists to flee from the north west direction where Vijay Kumar along with the QAT 92 had taken position alongside the troops of

RR who were covering the south west side of the target house. Vijay Kumar and his team and troops of RR retaliated ferociously with a flurry of bullets and the terrorist once again briefly retreated taking cover of small boulders and wooden logs which were scattered in the courtyard. Head Constable Patorkar Ishwar Gotu who was part of the QAT of 92 positioned in the north west direction, did not want to let go of the opportunity. Adopting an offensive posture he moved out of his original cover and moved closer to the suspected position of the terrorist exposing himself to grave risk. When the terrorist made another attempt to move out of the cover, throwing caution to wind Patorkar Ishwar left his cover and opened fire on the terrorist neutralizing him. The third terrorist meanwhile was still surviving and firing intermittently. Between 0430 to 0500 hrs, the third terrorist made a final bid to flee taking advantage of the darkness as in a couple of hours dawn would have broken. He emerged from the house firing indiscriminately and fled towards in the southern direction, where troops of RR had positioned themselves. He was fired upon by troops of RR and was neutralized on the spot.

When the day broke at around 0730 hours the target house and the area surrounding it was searched by the joint troops of 92 Bn CRPF, RR and SOG. The search led to the recovery of dead of three Lashkar-e-Toiba (LeT) terrorists who were identified as Sidiq r/o Pak, categorized as A++, Shakeel Bhai, r/o Pak, categorized A++ and Abu Ghazi, r/o Pak categorized A. Troops also recovered three AK 47 rifles along with 12 magazines, 271 rds of ammunition, two hand grenades, three UBGL grenades, two GPS and other incriminating material. At around 0900 hrs on 11 December 2017 the operation was closed.

In the operation that spanned over ten hours, Shri. Dipak Kumar, Commandant exhibited exceptional leadership skills, astute tactical acumen, raw valour and led the troops by example. The presence of their Commander uplifted the morale of the troops and they held their ground through the freezing winter night leading to one of the most significant achievements in North Kashmir. Asst. Sub Inspector Sanjay Kumar Singh inspired by his Commander matched him at every step and displaying extraordinary sagacity, endurance and sharp shooting skills helped in neutralizing the terrorist. Head Constable Patorkar Ishwar Gotu displayed extraordinary valour and initiative and played a pro-active role in neutralizing the second terrorist. He kept a close watch on the movements of the terrorist and rather than waiting and watching he went ahead and took the bull by the horns and succeeded in gunning him down.

In this operation, S/Shri Dipak Kumar, Commandant, Sanjay Kumar Singh, Assistant Sub-Inspector and Patorkar Ishwar Gotu, Head Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 10/12/2017.

P. PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No. 86—Pres/2019—The President is pleased to award the 3rd Bar to Police Medal for Gallantry/1st Bar to Police Medal for Gallantry/1st Bar to Police Medal for Gallantry (Posthumously)/Police Medal for Gallantry to the undermentioned officers of Central Reserve Police Force (CRPF):—

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

- | | | |
|-----|--------------------------------------|---------------------------------|
| 01. | Ravi Sharma
Assistant Commandant | PMG |
| 02. | Naresh Kumar
Assistant Commandant | (3rd Bar to PMG) |
| 03. | Budhi Singh
Constable | (1st Bar to PMG) |
| 04. | Rahul Singh
Constable | PMG |
| 05. | Mohd. Yaseen Tali
Constable | [1st Bar to PMG (Posthumously)] |

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 11th July, 2017 intelligence was received about the presence of militants in village Redbugh under PS Magam Distt. Budgam. The input was further corroborated with SSP Budgam and after verification of the same; an operation was planned jointly by Commandant 176 Bn, CRPF, and SSP Budgam along with Valley QAT (CRPF) officers Shri. Naresh Kumar, A/C and Shri Ravi Sharma, A/C. This was going to be the tough task for the troops due to the difficult terrain and pro-radicals local population. Keeping the entire probable situation in mind, at around 1930 hours, joint cordon and search operation was launched by troops of Valley QAT, 176Bn, CRPF, J&K police, and 2nd RR.

Since the input of the presence of militants was very reliable, it was decided to first lay a tight cordon around the suspected target houses to prevent any possible slip of militants. Accordingly, as the troops started cordoning the target houses, militants sensed their presence and opened the barrage of bullets upon the approaching troops. However, the intrepid troopers of Valley QAT, led by Sh. Naresh Kumar and Sh Ravi Sharma, showing utter disregard for their life cordoned-off the whole area amid the raining bullets. Before launching the counter-attack against the holed up militants, an announcement was made to militants for surrender. The militants paying no heeds to the announcement, increased the volume of fire. Having no other option but to launch the counter-attack, troops also resorted to firing on the holed up militants.

The target house was a strong built-up structure due to which firing from SFs was not proving effective. At this juncture, sensing that the situation is extremely grave and warranted extraordinary efforts, Sh. Ravi Sharma and Sh. Naresh Kumar decided to conduct room intervention in consultation with CO 176Bn and SSP Budgam, as the people from nearby villages during past operation had thronged the incident sites due to which militants managed to escape. Moving ahead with their plan, firstly troops led by above duo officers bombarded the house to make an opening for room intervention. Though the bombardment has created some opening in the target house, the real challenge was waiting ahead i.e. room intervention. Militants were in tactically advantageous position in the house from where they were watching every activity of SFs; approaching target house in such situation was full of risk.

Brave men rejoice in adversity; displaying courage and true grits of commanders, Sh. Naresh Kumar and Sh. Ravi Sharma formed two room intervention teams including Constable Budhi Singh, Constable Mohd. Yaseen Teli, Constable Rahul Singh, and Constable Rajib Boro. The teams moved tactically and stealthily towards the target house from western and southern side following the dead ground and underlit areas with effective cover fire from the troops of Valley QAT & 176Bn, CRPF. Wending through the fatal threats and fatalities, the above teams reached close to target house. Militants were firing indiscriminately upon the troops and trying every bit to prevent their advance. A daring and quick action was need of the hour. Rising to the call, the above brave hearts, lobbed hand grenades inside the house forcing the militants to leave their dominating position. Using this opportunity, Sh. Naresh Kumar and Sh. Ravi Sharma decided for frontal and headlong advance straight in the militant's line of fire. But, in between finding the troops closing towards them, the dejected militants rolled out from the target house firing indiscriminately and lobbying grenades towards them. Displaying the quick reflexes troops saved themselves from this sudden attack of militants.

One militant who was escaping from the northeast direction of the house was instinctively engaged by Sh. Ravi Sharma. In a split moment, he sprang out of his cover and challenged the militant. Displaying sharp professional acumen, he along with his buddy CT/GD Rahul Singh fired upon the militant and neutralized him. On another side, the second militant rushed towards Sh. Naresh Kumar and took shelter behind a haystack in the compound; preparing for the attack on the troops to make his escape good. But, Sh. Naresh Kumar was in no mood to let the militant slip. He jeopardizing his safety and putting duty before self, decided to take the militant in the head-on battle. He came out of his cover striking with targeted fire on militant's position resulting in elimination of the militant.

The third militant managed to entrenched himself in the undulating ground which made it difficult for the troops to advance. At this juncture Constable Md. Yaseen Teli took a risky move as he came out of his cover to get an appropriate position to take aimed fire at the militant's position. The above move was full of risk but worked well as the aimed firing of Constable Md. Yaseen Teli forced the militant to change his position. Taking this opportunity into the hand, Sh. Ravi Sharma and Sh. Naresh Kumar along with Constable Budhi Singh, Constable Rahul Singh, and Constable Md. Yaseen Teli moved rapidly between alternate positions of cover engaging the militant at point blank range and gunned him down.

During post encounter search, three dead bodies of Hizbul Mujahideen militants, along with 01 SLR, 02 Pistol (9MM) and matching ammunition were recovered from the encounter site. Killed militants were later identified as Mohd. Aaqib Gul S/o Gulam din Dar R/o Goripura, Budgam(J&K), Sajjad Ahmed Gilkar s/o Nazir Ahmed Gilkar, R/o Nowhatta, Srinagar(J&K) and Tafasul Islam Sheikh @ Javid @ Umar s/o Walli Md Sheikh, R/o Churpura, Budgam (J&K).

During the operation, undermentioned officers and their men displayed unparalleled valor, devotion, and dedication in the need of the hour for the cause. They accomplished the task quickly, efficiently and effectively. Selflessly working, they have contributed greatly to the success of the national cause.

In this operation, S/Shri Ravi Sharma, Assistant Commandant, Naresh Kumar, Assistant Commandant, Budhi Singh, Constable, Rahul Singh, Constable and Late Mohd. Yaseen Tali, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 11/07/2017.

P. PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No. 87—Pres/2019—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the undermentioned officers of Central Reserve Police Force (CRPF):—

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

01. Harvesh Singh Bhadoriya
Head Constable
02. Amaresh Kumar Jena
Constable

Statement of service for which the decoration has been awarded

A reliable intelligence input regarding the presence of CPI Maoists in the general area of Maad under PS:— Bedre Distt- Bijapur (CG) was received from SIB and further corroborated by own sources. After analyzing the Int input in detail, a joint operation for 05 days and 04 nights, consisting parties of CoBRA/STF/DRG/DF was planned by Sh. Ashok Kumar 2IC-204 CoBRA in coordination with Shri. Mohit Garg, ASP Chhattisgarh Police. Three parties were given the responsibility to cover the different areas. The Maoists have a stronghold in the Maad area and they have challenged security forces strongly and offensively in the past, whenever SFs have entered the area. Above area have thick forests, hilly and undulated terrain and thorny bushes which make it challenging for the troops in the navigating.

05 CoBRA commandos of 204 CoBRA were deputed with party No. 1 along with STF, DRG and district force which was being led by Shri. Mohit Garg, ASP Civil Police C.G State. As per the plan, party no 01 left from base camp Bedre on 17/01/2017 and was advancing towards target areas tactically while taking all the precautionary measures. On 17/01/2017 and 18/01/2017, party no. 01 conducted area domination in the general area of villages Engmeta, Hurraguwali, Bater, Jatel, Dhabe, Padmetapara, Tadewara, Nugur and Jatlur. On 19/01/2017, when the party was approaching towards its target stealthily taking due cautions to maintain secrecy in the jungle area of village Baster, some armed Maoists fired upon the troops. The fire from the Maoists was also followed by IED blasts. The troops retaliated the fire effectively and forced the Maoists to flee from the area. After the fire, the area was searched by the troops and daily usable items were recovered by the troops from the site of EOF. On 21/01/2017, the troops carried out area domination and laid hasty ambushes in the area on the probable routes of the Maoists.

On 22/01/2017, when the party was at the hilly area of Marumwara, they noticed a Maoist camp and a smarak. When the party was encircling the area, CPI Maoists attacked the troops by IED blasts and opened a heavy volume of fire from automatic/semi-automatic & UBGL with the intention to kill the SFs and to snatch their weapons. But the police party with CoBRA commandos acted promptly and retaliated strongly. The Maoists could not hold the position and flee away taking advantage of vegetation and undulating ground. After the encounter, the party commander divided his party into 02 sub-parties/groups and ordered to move towards the next target. One sub party was led by Insp. Ramakant of Civil Police; 05 CoBRA commandos were part of this subgroup. The second subgroup was led by Sh. Mohit Garg, ASP which was consisting of civil police personnel.

On 22/01/2017 while troops were searching the area near jungle area of Padmeta, at around 1400 hours, 60-70 CPI (Maoist) attacked the first sub group using IEDs followed by the heavy volley of firing from automatic and semi-automatic

weapons with the intention to kill the SFs. On getting the information, the party commander, Shri Mohit Garg, ASP immediately reached to the incident site along with his troops and took hold of the situation. The party commander directed 05 CoBRA commandos and police personnel of the first sub group to advance from the left side. Following the orders of party commander HC (RO) Harvesh Singh Bhadoriya and CT/GD Amaresh Kumar Jena of 204 CoBRA advanced towards Maoists position amid the heavy firing.

While advancing towards Maoists position by crawling in mutual support to each other, both brave hearts put effective fire on Maoists, who then, concentrated their fire towards them to stop their advance and inflicting the casualty. But the duo was not one of them to be scared by the fatalities. They, without caring for the fact that their teammates were at a distance and would not be able to provide direct support fire, at the time of need, kept moving towards the Maoists so that they could fire effectively to repulse their attack. When they reached close enough to the Maoists and found an opportune moment, opened precise fire on Maoists who were holding their positions behind the natural covers. Due to fierce and daring counter-attack by HC (RO) Harvesh Singh Bhadoriya and CT/GD Amaresh Kumar Jena supported by their fellow troops, Maoists got astonished and fled away from the site taking advantage of the dense forest and undulating ground. The above duo played the pivotal role in the successful counterattack against the adversaries.

The encounter continued for more than one hour. After the encounter, the party searched the incident place thoroughly and recovered 02 dead bodies CPI Maoists (in Maoist uniform), one 303 Rifle, one Pistol, one Country made rifle (SBML), two Tiffin bomb and a huge quantity of other incriminating items from the encounter site. A lot of blood stains were also found at different places which indicate that many other Maoists have also been hit by the bullets but they managed to escape.

The operation was a grand success in the heartland of the Maoists and it was made possible because of the extraordinary courage showed by HC (RO) Harvesh Singh Bhadoriya and CT/GD Amaresh Kumar Jena of 204 CoBRA. During the whole operation, HC (RO) Harvesh Singh Bhadoriya and CT/GD Amaresh Kumar Jena exhibited high-level dedication to their duties. They had made superb coordination with civil police and fought against the CPI (Maoist) putting their lives in great danger and succeeded in the killing of 02 CPI Maoists and recovered Arms, explosive and other materials. HC (RO) Harvesh Singh Bhadoriya also communicated all points through the wireless set to his commander and other seniors to make good coordination among other subgroups. The above duo not only put their lives under great danger but also showed exemplary courage and devotion to duty during the operation

In this operation, S/Shri Harvesh Singh Bhadoriya, Head Constable and Amaresh Kumar Jena, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 22/01/2017.

P. PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No. 88—Pres/2019—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the undermentioned officer of Indo-Tibetan Border Police (ITBP):—

NAME & RANK OF THE OFFICERS

Shri Anurag Kumar Singh

Assistant Commandant

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 01 August, 2017, at approximately 0200 hours on a pitch dark night, an input regarding presence of terrorists in a house in Village Hakhripura was received by 55 RR. A Battalion level 'OP' was launched by 55 RR (GRENADIERS) in General Area Hakhripura, District Pulwama on 01 August, 2017 with a total of 04 Coys Assault teams. Sh. Anurag Kumar Singh, AC(GD) the Coy Commander of Delta Coy 55 RR (GRENADIERS) was part of the initial cordon laid around the target house which was in close coordination with other teams on ground.

As soon as the contact with the militants was established, it was imperative on all parties to ensure elimination of the terrorists by providing close combat support to each other which was executed in a timely and professionally sound manner

by the officer and his team. The operation at Hakhipura resulted in elimination of the two hardcore LeT militants including the Divisional Cdr of LeT, A++ Category Terrorist-Abu Dujana.

The officer displayed a high level of Gallantry and esprit de corps disregarding his personal safety and displayed excellent command and control over his troops thereby ensuring smooth and successful conduct of the operation. The act of gallantry displayed by the officer has set standards worth emulating.

In this operation, Shri Anurag Kumar Singh, Assistant Commandant displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 01/08/2017.

P. PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No. 89—Pres/2019—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the undermentioned officers of Meghalaya Police:—

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

01. Anthony Ch Momin
Deputy Superintendent of Police
02. Kripnos G Momin
Sub-Inspector
03. Jeffri M Momin
Sub-Inspector
04. Ranoj Rabha
Constable
05. Jeansing K Marak
Constable
06. Grithin R Marak
Constable
07. Mathias K Sangma
Constable
08. Jim G Momin
Constable

Statement of service for which the decoration has been awarded

Based on reliable source information regarding the presence of Sohan D Shira GNLA C-in-C and other GNLA cadres in the forest area of Chitmang Hills and Rongsu area, continuous Counter Insurgency Operation were launched in said area. On 27th June, 2017 at around 6:—30 AM, a Police operation team led by Shri Anthony Ch Momin, MPS Dy SP (HQ), Baghmara assisted by SI Kripnos G Momin and SI Jeffry M Momin along with 16 SF 10 Commandos and 3 AB Constables approached the Garo National Liberation Army camp located inside the forest of Dawekpepsra.

GNLA is a terrorist organization banned by MHA as on 12-01-2012 vide Notification SO.62 (E) dated 12-01-2012 and its cadres are known for spreading terror and fear in the populace of Garo Hills District of Meghalaya. Shri Anthony Ch Momin, Deputy Superintendent of Police (HQ) arranged the party into 4 (four) groups. The central assault group consisted of 8(eight) persons, namely Shri Anthony Ch Momin, DYSP, S.I Kripnos G Momin, SI Jeffri M Momin, Constable Ranoj Rabha, Constable Jeansing K Marak, Constable Grithin R Marak, constable Mathias K Sangma and Constable Jim G Momin, Rest 14 (Fourteen) personnel were divided into 3 (three) groups, two groups for both the flanks and the rest being a reinforcement party in waiting.

The Police team came under heavy fire from GNLA militants forcing the Police team to retaliate. In the gun battle which ensued, Shri Anthony Ch Momin, DYSP, SI Kripnos G Momin and SI Jeffri M Momin showed extraordinary courage and led the assault party consisting of Constables Ranoj Rabha, Jeansing K Marak, Grithin R Marak, Mathias K Sangma and Jim G Momin from the front. Shri Anthony Ch Momin, DYSP, the 2 (two) Sub Inspectors and the 5 (five) constables put up a sustained fight and maneuvered in such a way that the GNLA militants had to retreat and they fled towards the thick forest. In this action, Shri Anthony Ch Momin, DYSP, the 2 (two) Sub Inspectors and the 5 (five) constables showed extraordinary grit and perseverance as well as tactical acumen and negotiated the tactical fight with high degree of professionalism.

After the firing from GNLA had stopped, the assault team and teams from the flanks moved forward and searched the area and found one dead body of GNLA cadre near the camp. The deceased GNLA cadre was identified as Ading Ch Marak from the identity card recovered from his body. He was also known as Lukseng Ch Marak, a cadre belonging to 6th Batch of GNLA. Ading Ch Marak @ Lukseng Ch Marak was a hardcore GNLA terrorist and subsequent information revealed that he was the personal bodyguard of Sohan D Shira and was placed high in the hierarchy of GNLA. He was highly dreaded in the area due to his proximity to Sohan D Shira, the head of the organization which had indulged in a very large number of Kidnapping, extortions and killings in the Garo Hills Districts. However other GNLA cadre who were present there including C-in-C Sohan D Shim, managed to escape from the area taking advantage of the rain and thick forest. From the encounter site the following noted items were recovered and duly seized :— (1) 1 (one) AK-56 Rifle (2) 4(four) magazines (3) AK-56 Ammunition (4) ID Cards (5) 2(two) mobile phones (6) 2(two) IED Remote Control (7) 1(one) Laptop with charger (8) Demand note pad (9) GNLA flags (10) Detonator and (11) other incriminating articles. This refers to Baghmara Sadar Police Station Case No. 33(6) 2017 under section 120(B) 21/121(A)/122/307/353 of IPC R/W Section 25(1A)/27(2) Arms Act & Section 16/17/18/19/20/21.

Shri Anthony Ch Momin, DYSP along with his team acted very bravely to a very interior and thick jungle area of Garo Hills for Counter Insurgency GNLA militants. Their conspicuous act of gallantry of inspiring in spite of being heavily fired upon by the GNLA militants and rushing towards the heavily armed GNLA militants with continuously firing from their service weapon in which one dreaded GNLA cadre was hit by bullet and died on the spot. Due to this counter insurgency operation, camp of GNLA militants were destroyed and the entire militants cadre were scattered making the GNLA organisation weak and confused. Moreover after ensured that all the team members are safe and intact further inspired his team to go in pursuit of the militants and searched the entire surroundings area.

In this operation, S/Shri Anthony Ch Momin, Deputy Superintendent of Police, Kripnos G Momin, Sub-Inspector, Jeffri M Momin, Sub-Inspector, Ranoj Rabha, Constable, Jeansing K Marak, Constable, Grithin R Marak, Constable, Mathias K Sangma, Constable and Jim G Momin, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 27/06/2017.

P. PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No. 90—Pres/2019—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the undermentioned officers of Central Reserve Police Force (CRPF):—

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

01. Varun Sharma
Assistant Commandant
02. Rajbardhan
Assistant Commandant
03. Indal
Assistant Sub-Inspector
04. Javaid Akhter
Head Constable

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 06 November 2017, at about 1630 hrs, a specific input was received from State Police about the presence of 3-4 terrorists in the area of village Aglar Kandi under PS- Rajpora, District Pulwama in J&K. Village Aglar Kandi is situated at the tri-junction of districts Pulwama, Shopian, and Budgam. It is an isolated village situated on a hill, comprising of approximately over 100 houses, surrounded by forest and apple orchards. The approach to Aglar Kandi is steep and undulating on account of the hilly terrain. The adjoining forest area provides appropriate cover and shelter to the terrorists and being in the vicinity of the tri-junction of three districts is an added advantage. The inhabitants are particularly hostile towards the security forces which makes operations more challenging.

Keeping the above things and the input in mind, a joint cordon and search operation (CASO) was planned and launched by Special Operation Group (SOG) and Quick Action Team (QAT) of 182 & 183 Bns of CRPF along with 44 RR and SOG (JKP), Pulwama. After reaching the target village, a tight cordon was laid by the joint forces. Once the outer cordon was laid and all the escape routes were blocked, the troops further proceeded to squeeze the cordon around the suspected houses. To carry out the search of suspected houses, three search teams were formed. The first team comprised of SOG-182 Bn under command Shri Varun Sharma, Asst. Comdt of 182 Bn, the second team comprised of SOG-183 Bn under command Shri Rajbardhan, Asst. Comdt of 183 Bn CRPF and the third team consisted of elements of 44 RR & SOG Civil Police under command Major K. P. Singh of 44 RR.

After placement of cordon, at about 1715hrs search parties started the search of the suspected houses. After clearing 02 houses, when the troops approached the third house, the terrorists who had taken refuge in the house opened indiscriminate fire on the search party, resulting in severe injuries to 03 Army personnel. Teams of Sh Varun Sharma and Sh Rajbardhan retaliated the fire effectively and by giving appropriate covering fire to each other managed to evacuate the injured RR jawans. Later on, one of the injured personnel succumbed to his injuries. Since it was a hilly terrain, the roads were elevated and undulating with slopes on either side. Sh Varun Sharma and his buddy Asst. Sub-Inspector Indal had taken the position on a similar slope, at the entry to the apple orchard, located south-west of the target house, while Sh Rajbardhan and his buddy Head Constable Javaid Akhter of 183 Bn had positioned themselves behind Chinar trees located to the west of the target house. Before launching an offensive onslaught against the terrorists, an announcement was made on the public address system asking the terrorists to surrender which had no impact on them as they continued firing from the target house.

The forces also responded effectively thereby preventing any opportunity to escape. Since firing from small arms had little effect, Rocket Launchers were fired at the target house. The intense bombardment on the house compelled the three terrorists to leave the house for the safety. The terrorists rushed out from the house firing in all directions to make their escape good. Troops were well prepared for the situation as they have blocked all the escape routes. The attempt made by the terrorists to flee from the spot was foiled by the troops. The aggressive response of Sh Varun Sharma, Sh Rajbardhan, ASI Indal Kumar and Constable Javaid Akhter cut short the advance of terrorists due to which they attempted to flee in different directions. One of them rushed to the right side of the apple orchard, where Varun Sharma and ASI Indal has taken the position on the slope.

Firing indiscriminately the terrorist kept moving and tried to dodge the SFs, but, the alert Sh Varun Sharma and ASI Indal has left no such options to him. The duo, setting all cautions aside, displaying sharp reflexes and tactical acumen, took to the heels of the terrorist chasing him down the orchard, adopting whatever little cover the barren orchard could offer. On getting closer to the fleeing terrorist and finding an opportune moment, the duo fired at the terrorist and eliminated him. Meanwhile, with not many routes to escape, the other terrorist fled in the direction where Sh Rajbardhan and Head Constable Javaid Akhtar had positioned themselves. The terrorist knowing well that he was surrounded continued to fire heavily. Exhibiting exceptional tactical acumen and raw courage, Sh Rajbardhan and Javaid Akhtar stealthily and tactically inched closer to terrorist's positions without getting exposed. On reaching appropriate position, the duo, defying all the cautions, came out of their cover and fired at the fleeing terrorist neutralizing him on the spot. The third terrorist who had rushed in the eastern direction too was neutralized by the party of 44 RR & SOG(JKP).

Thereafter, a search party comprising 182 Bn CRPF, 183 Bn CRPF, 44 RR and Civil Police carried out the search of the area resulting in the recovery of dead bodies of three slain terrorists. They were identified as Talha Rashid of JeM (FT), Category- A++, Mohammad Bhai of JeM (FT), Category-A++ and Waseem Ahmed Ganie of JeM, Category – C, r/o Drubgam, Pulwama. Besides, troops also recovered one AK-74 Rifle, one 5.56 mm Carbine, one Pistol, magazines and matching ammunition from the slain terrorists.

In the operation, Shri Varun Sharma, AC, Shri Rajbardhan, AC, ASI Indal and Head Constable Javaid Akhter displayed superior tactical appreciation, admirable agility, and reflexes, raw courage and commitment of the highest order

toward their duties. They ensured the elimination of three terrorists despite a challenging terrain and a non-cooperative local populace.

In this operation, S/Shri Varun Sharma, Assistant Commandant, Rajbardhan, Assistant Commandant, Indal, Assistant Sub-Inspector and Javaid Akhter, Head Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 06/11/2017.

P. PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No. 91—Pres/2019—The President is pleased to award the 2nd Bar to Police Medal for Gallantry to the undermentioned officer of Delhi Police:—

NAME & RANK OF THE OFFICER

Shri Rahul Kumar (2nd Bar to PMG)
Sub Inspector

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 13.09.2008, the serial blast incidents were reported at Gaffar Market, Karol Bagh, Central Park, Connaught Place, Barakhamba Road and Greater Kailash, Delhi. Three bombs were diffused, one at Regal Cinema, one at Central Park, Connaught Place and one at Children's Park, India Gate, Delhi. 26 people died and 133 got injured in above blast incidents. The investigation of one of the blast case vide FIR No. 166/08 dated 13.09.08 U/s 302/323/121/34-IPC, 3/4/5-Explosive Substances Act, 10/12/13-Unlawful Activities (P) Act P.S. Karol Bagh Delhi was transferred to Special Cell/NDR.

A special team was constituted in the Special Cell of Delhi Police, which is the counter-terrorism unit of the capital's police force, to investigate the cases and bring the culprits to book. After analysis of data and inputs received from intelligence agency led them to the area of Batla House in Jamia Nagar of Delhi where the suspected module was holed up in one of the flats.

On 19.09.2008, a team headed by Inspector Mohan Chand Sharma, first went to the place to apprehend the accused. A backup team was stationed at ground floor. Inspector Mohan Chand Sharma, who was heading the first team, directed SI Dharmender to go into flat No. 108 in the garb of an executive of one of the mobile service providers with the express purpose of fixing the identity of the user of mobile number 9811004309.

SI Dharmender first went upstairs on the top floor flat No. 108 of L-18, Batla House. He heard couple of voices in the apartment and decided to come back to inform Inspector Mohan Chand Sharma who then decided to go together to check the inmates in the apartment. A seven member team including Inspector Mohan Chand Sharma, SI Rahul Kumar, SI Dharmender Kumar, SI Ravinder Tyagi, HC Balwant, HC Satender and HC Udaibeer went to the top floor of this building, where this flat No. 108 was located.

Inspector Mohan Chand Sharma knocked the front door and asked them to open the door, informing them of their being police personnel. Nobody opened the door. He then tried to push the door but it was found bolted from inside. He then pushed the other door which was not found bolted from inside and the team led by Inspector Mohan Chand Sharma entered the flat through this door. Immediately, a volley of fire came on the police team from the right side of the drawing room as well as the left side room of the apartment. Insp Mohan Chand Sharma, SI Rahul Kumar, SI Ravinder Tyagi, HC Balwant also fired back in self defence and with a view to apprehend the militants as they were trapped between the fires of militants coming from both sides. The militants were firing from sophisticated fire arms. During shootout Insp Mohan Chand Sharma sustained bullet injuries and he fell down, then SI Dharmender shown exemplary courage and picked up the official pistol of injured Insp Mohan Chand Sharma and he along with SI Rahul Kumar and HC Balwant bravely confronted the militants present in the drawing room. While returning fire, they were in the direct firing line of the militants and had no cover for their safety. It was a very close range firing. SI Ravinder Tyagi was in front of the militant who was firing from left side room. SI Ravinder Tyagi bravely confronted that militant in self defence. During shootout one of bullet fired by militants hit HC Balwant in his right hand and his pistol fell down but by collecting all of his strength, he picked up pistol from his left

hand in order to avoid it's going in to the hands of militants. During the gunfight with militants, after injury to Insp Mohan Chand Sharma, SI Rahul Kumar led the team right from the front and confronted the hail of fire of the militants. SI Rahul Kumar faced the militants head on and also directed his team members to immediately remove the injured Insp Mohan Chand Sharma and HC Balwant to the hospital.

During shootout one of the militants later identified as Mohd Atif Ameen @ Bashir sustained bullet injuries while two militants later identified as Ariz @ Junaid & Shahbaz @ Pappu managed to escape from the spot while firing at the police party. Inspector Mohan Chand Sharma and HC Balwant Singh were sent to hospitals through SI Dharmender and HC Udaibeer. Some militants were still hiding in the left side room. Their escape was blocked by SI Rahul Kumar, SI Ravinder Tyagi and HC Satender. In the mean time the back-up team, headed by ACP Sanjeev Kumar Yadav including HC Rajbir Singh, equipped with bullet proof-jackets and arms also reached in the flat. SI Rahul who was already present there informed ACP Sanjeev Kumar Yadav about the incident and also told about the other militants, who had fired at police party, are hiding in the left side room. ACP Sh Sanjeev Kumar Yadav asked the militants, hiding in left side room to surrender before police party but they did not respond. Then ACP Sh Sanjeev Kumar Yadav and HC Rajbir Singh bravely tried to enter in that room to apprehend the militants but one of them moved towards the door of the balcony simultaneously firing at the police team. ACP Sh Sanjeev Kumar Yadav was in the direct line of fire of the militant and one of the fired bullets passed close to daredevil ACP. Shri Sanjeev Kumar Yadav immediately retaliated in self defence. The militant continued firing upon police party to escape and causing casualty and two of the fired bullets hit HC Rajbir in the chest but he was saved because of bullet proof jacket being worn by him. HC Rajbir immediately retaliated with his AK 47 assault rifle in self defence. ACP Sh Sanjeev Kumar Yadav with acute presence of mind, sense of valour and firm determination neutralized the dreaded militant.

In the cross fire by the back-up team, militant Mohd Sajid @ Pankaj sustained injuries whereas another militant identified as Mohd Saif @ Rahul Sharma surrendered before the police party. Both the injured militants Mohd Atif Ameen and Mohd Sajid were removed to Hospital and they were declared brought dead at AIIMS Hospital. Inspector Mohan Chand Sharma later succumbed to his injuries at the hospital the same day.

One AK series assault rifle with 2 magazines loaded with 30 rounds each and two pistols of .30 calibre were recovered from the militants. One militant namely Mohd. Saif r/o Azamgarh, UP was also apprehended from flat No. 108, L-18 Batla House, Jamia Nagar, Delhi. During interrogation, Mohd Saif admitted his involvement in serial blasts at Delhi, Ahmedabad, Jaipur and other parts of India. On a cursory search of the flat, 2 laptops, mobile phones, pen drive, internet data card, compact Disks, Digital video cassettes, broken SIMs, SIM card of various companies, cycle ball bearing, incriminating documents related to jihad etc were recovered.

The information about involvements of these outfit members were shared with Central Intelligence Agencies, Rajasthan, Mumbai, Gujarat, Uttar Pradesh and other State police. In the recent serial blasts, five accused persons have been arrested by Delhi Police and twenty accused persons have been arrested by Maharashtra police and one by UP Police. During their interrogation, all of them have corroborated the disclosures of accused persons arrested by Delhi Police. It was due to the grand valour and exemplary courage shown by ACP Sh. Sanjeev Kumar Yadav, SI Rahul Kumar, SI Dharmender, SI Ravinder Tyagi, HC Balwant and HC Rajbir that two militants were neutralised in the shoot out, one was apprehended alive and the entire module of the terrorist out fit Indian Mujahideen was busted. Undeterred and unfazed, ACP Sh Sanjeev Kumar Yadav fired 2 rounds, SI Rahul Kumar fired 5 rounds, SI Ravinder Tyagi fired 4 rounds, HC Balwant fired 2 rounds from their official pistols, SI Dharmender fired 2 rounds from the official pistol of Insp. Mohan Chand Sharma and HC Rajbir fired 3 rounds from his official AK-47 and all played a vital role in eliminating the militants. All the above mentioned officials risked their lives and conspicuously exhibited exemplary courage, bravery and motivation in this operation. The brave action of Delhi Police won applause not only from the highest ranks of Police of different states & Media, but also from the Public at large. They have set an example of gallantry & dedication towards their duty.

In this operation, Shri Rahul Kumar, Sub Inspector displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 19/09/2008.

P. PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No. 92—Pres/2019—The President is pleased to award the 2nd Bar to Police Medal for Gallantry/Police Medal for Gallantry to the undermentioned officers of Delhi Police:—

NAME & RANK OF THE OFFICERS

	S/Shri	
01.	Ravinder Kumar Tyagi	(2nd Bar to PMG)
	Sub-Inspector	
02.	Rajendra Kumar	PMG
	Constable	
03.	Gurmeet Singh	PMG
	Constable	

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 07.03.2006 at 7 PM, specific information was developed by special cell through technical surveillance that Lashkar-e-Toiba militant Ghulam Yazdani r/o Hyderabad, wanted in several terrorist related cases, would come at T-point Alipur-Narela Road, Holambi Kalan, Metro Vihar, Delhi between 5-6 AM, in a Maruti Car No UP-21-3851 with arms, ammunition and explosives for terrorist activities in Delhi. Immediately, a team consisting of SI Ravinder Kumar Tyagi, ASI Anil Kumar, HC Krishna Ram, CT. Gurmeet Singh and CT. Rajender Kumar and others, duly armed with Arms/ammunition, BP jackets, bulletproof vehicles etc. laid a trap at the place of information. At about 5.40 AM, the above car came from Alipur side, stopped and two occupants alighted from it. The person alighted from driver side of the car, was identified as Ghulam Yezdani @ Yahya. The team loudly disclosed them the identity of Police and directed them to surrender. Seeing the presence of police, both militants whisked out their firearms and started firing towards the approaching police party and simultaneously jumped over the boundary wall on the roadside, to take cover of the wall and continued firing upon approaching police team. SI Ravinder Kumar Tyagi, ASI Anil Kumar, HC Kishna Ram, Ct. Gurmeet Singh and CT. Rajender Kumar were in the fore-front. They were in open area and in direct line of fire of militants. The militant kept on changing their position behind the boundary wall and continued firing towards SI Ravinder Kumar Tyagi and other police team members. It was a war like situation and it was almost impossible to nail down the terrorists who were continuously firing by taking the cover of boundary wall. With reckless disregard to the personal safety, ignoring all the dangers, they confronted with both militants for the safety of raiding party members. The exchange of firing continued for about 30 minutes.

The bullets fired by the militants passed closed to them. They immediately in self-defence and in order to protect the lives of police team, fired from their weapons. SI Ravinder Kumar Tyagi, fired 6 rounds, ASI Anil Kumar fired 4 rounds from their pistols, while HC Krishna Ram fired 4 rounds, CT. Gurmeet and Ct Rajender fired 5 rounds each, from their AK-47 assault rifle which ultimately proved fatal for the militants Ghulam Yezdani @ Naved @ Yahay and Ahsanullah Hassan @ Kajol. When the firing from the militant's side stopped, the militants were checked and found lying in injured condition in the field. They were immediately shifted to nearby hospital wherein they declared brought dead.

Recoveries made :—

- (a) One AK-56 assault rifle with 2 magazines & 51- live rounds.
- (b) 4 hand grenades.
- (c) 40-packets of PETN Explosive of 100 grams each, total 4 Kg.
- (d) FICN Rs. 47,000/- in the denomination of Rs. 500/-.
- (e) Two pistols of make Luger of Czech Republic of 9mm caliber with two magazines & remaining three live rounds of 9mm caliber.
- (f) One Maruti 800 cc car bearing registration number UP-21-3851.
- (g) Other incriminating documents.

In this operation, S/Shri Ravinder Kumar Tyagi, Sub-Inspector, Rajendra Kumar, Constable and Gurmeet Singh, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 08/03/2006.

P. PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty